BOOKS ON INDOLOGY

भारतीय संस्कृति और साहित्य





चौखम्बा संस्कृत सीरिज
बनारस

Tel. Chowkhamba Series, Varanasi. Phone. 1145.

CATALOGUE NO. 4

BOOKS ON INDOLOGY

भारतीय संस्कृति और साहित्य



THE
CHOWKHAMBA SANSKRIT SERIES OFFICE
ORIENTAL & FOREIGN BOOK-SELLERS & PUBLISHERS
POST BOX 8, VARANASI-1 (India)
1957

INDEX

आवश्यक निवेदन

(१) अपने सभी कृपालु ग्राहकों से निवेदन है कि पुस्तकों का आर्डर देते समय इस सूचीपत्र की संख्या ४ का एवं पुस्तकों की क्रमसंख्या का भी उल्लेख अवश्य करें।

(२) सूचीपत्र के छपते समय बहुत से प्रकाशकों द्वारा पुस्तकों के मूल्य में वृद्धि हो गई हैं तथा भारतीय एवं विदेश की डाँक दर में भी वृद्धि हो गई है, अतएव पुस्तकें भेजते समय उसी अनुसार मूल्य चार्ज किए जायँगे।

MOST IMPORTANT

(1) To ensure correct supply we request our customers please to do mention in their order-letters the numbers of each books and also this Catalogue No. **4**.

(2) In the course of printing of this Catalogue the postage rates and prices of foreign as well as some of Indian books are raised, hence we are compelled to charge the prices of books accordingly at the time of supply.

परिशिष्ट

[क]

६५३३	**अनुवाद चन्द्रिका** (नवीन) गणपतिदेव शास्त्री	२—४
६५३४	**अमरविद्या** (वेदान्त-भाषा) स्वामी पारसनाथ	३—०
६५३५	**कर्णभारम्** (नाटक) सी० आर० देवधर सम्पादित	२—८
६५३६	**क्रियाविशेषणतत्त्वम्** (व्याकरण) सीताराम शास्त्री	०—१०
६५३७	**चाक्षुषीयम्** । रामकृष्ण कवि सम्पादित	२—०
६५३८	**छान्दोग्योपनिषद्** । स्वामी विद्यानन्द कृत हिन्दी टीका सहित	१०—०
६५३९	**जैनेन्द्र महावृत्तिः** (व्याकरण) आचार्य अभयानन्दि प्रणीत	१५—०
६५४०	**तत्त्वचिन्तामणिः** (न्याय) गंगेशोपाध्याय विरचित । आलोक-दर्पण व्याख्याद्वय सहितः । प्रत्यक्षखण्डे प्रामाण्यवादान्तः	१२—०
६५४१	**दूतघटोत्कचम्** (नाटक) सी० आर० देवधर संपादित	२—८
६५४२	**दूतवाक्यम्** (नाटक) सी० आर० देवधर संपादित	२—८
*६५४३	**देववाणीपरिचायिका** (सचित्र) वेद तथा आर्ष एवं नीति के संस्कृत ग्रन्थों के रसमय उद्धरण, देश के उन्नायकों के जीवनवृत्त, महत्त्वपूर्ण निबन्ध, सूक्ति, व्याकरण के नियम, सरल सुबोध हिन्दी में टिप्पणी, प्रश्न आदि से समलङ्कृत	१—८
६५४४	**नयाद्युमन्य** । मेघनादरिसुरि	९—१२
६५४५	**नलाख्यान** (गुजराती काव्य) भल्लग विरचित । केशवराम के० शास्त्री संपादित	८—०
६५४६	**पालिकथा प्रकाश** । पं० बटुकनाथ शर्मा संपादित पालिजातकावली का हिन्दी-संस्कृत तथा अँग्रेजी अनुवाद ।	३—०
६५४७	**पालिव्याकरण** । भिक्षु धर्मरक्षित	२—४
६५४८	**पुष्पोद्यानम्** । आर. बी. गोखले	१—४
६५४९	**प्रक्रियासर्वस्वम्** (व्याकरण) नारायण भट्ट कृत । सटीक । चतुर्थभागः	३—१२
६५५०	**प्रतिराजसूयम्** (नाटक) महालिङ्ग शास्त्री	६—०
६५५१	**प्रमाणमाला** (वेदान्त) आनन्दबोधाचार्य कृत	२—८
६५५२	**प्राचीन फागुसंग्रह** (काव्य) ३८ गुजराती फागु काव्यों का संग्रह । बी० जे० संदेशरा–सोमाभाई पारिख संपादित	८—०
*६५५३	**प्रौढमनोरमा** (व्याकरण) शब्दरत्न सहिता । तत्पुरुषादि तिङन्तसन्नन्तप्रक्रियापर्यंतं	१०—०
६५५४	**ब्रह्मसूत्रभाष्यम्** (माध्ववेदान्त) श्रीआनन्दतीर्थ भगवत्पादाचार्य विरचितम् । श्रीजयतीर्थ-व्यासतीर्थ-राघवेन्द्रतीर्थानां टीकाभिस्समलङ्कृतम् । तृतीय-चतुर्थ सम्पुटम्	९—०
६५५५	**महाभास्करीयम्** (ज्योतिष) गोविन्दभाष्य तथा परमेश्वर कृत व्याख्या सहित	११—०

६५५६ **मार्कण्डेयपुराण** । हिन्दी टीका सहित । पत्रात्मक १५—०
६५५७ **रागतत्त्वविबोध** (संगीत) श्रीनिवास विरचित ४—०
६५५८ **राजोपदेश** (व्याकरण) सचित्र । हंसराज अग्रवाल २—०
*६५५९ **लघुमञ्जूषारहस्यम्** (वै० सि० लघुमंजूषाप्रश्नोत्तरी) १—०
६५६० **वर्णकसमुच्चय** (गुजराती काव्य-संग्रह) बो० जे० संदेशरा संपादित । प्रथम भाग ७—८
६५६१ **वाक्य-मुक्तावली** (व्याकरण) चारुदेव शास्त्री । हिन्दी टीका सहित ३—०
६५६२ **विरुपाक्ष-वसन्तोत्सवचम्पू** । आर० यस पंचमुखी संपादित ३—८
*६५६३ **विवरणादिप्रस्थानविमर्शः** । पं० वीरमणि उपाध्याय एम० ए० रचितः । शंकराचार्य के अद्वैतवाद के ऊपर अवान्तर मतभेदरूप-प्रतिबिम्बवाद, आभासवाद तथा अवच्छेदवाद का एकत्र संकलित अनुपम ग्रन्थ १—०
६५६४ **वेदविकृतिविवरणम्** (वैदिक) के० शंकरन् नम्बूदीरी ०—८
*६५६५ **वैयाकरणभूषणसारः** (व्याकरण) प्रभा-दर्पण व्याख्या द्वयोपेतः । श्रीसभापतिशर्मोपाध्याय सम्पादित ७—०
*६५६६ **संस्कृत-पाठमाला** (१-५ भाग) महापण्डित राहुल सांकृत्यायन । संस्कृतशिक्षण के शोधपूर्ण नवीनतम ढंग से राष्ट्रभाषा में लिखित इस पुस्तक से व्याकरण, छन्द, अलङ्कार तथा अनुवादादि का अनायास ही बोध हो जाता है ३—१०
६५६७ **संस्कृत व्याकरणोदय** (व्याकरण) जयन्त मिश्र ४—८
*६५६८ **संस्कृतालोकः** (सचित्र) पं० रामबालक शास्त्री । बालकों के मानसिक स्तर, पाठ्यक्रम आदि अनेक बातों का विमर्श करके अनोखी शैली में लिखित प्रस्तुत पुस्तक द्वारा बालकों को संस्कृत का सद्यः बोध हो जाता है । १—३ किरण १—८
६५६९ **संस्कृतोपक्रम पाठावलिः** । महालिङ्ग शास्त्री ०—१२
६५७० **संस्कृत मध्यम पाठावलिः** । महालिङ्ग शास्त्री ०—१५
६५७१ **संस्कृत प्रौढ़ पाठावलि** । महालिङ्ग शास्त्री ०—१५
६५७२ **सिद्धान्तकौमुदी** (व्याकरण) मीमांसक गिरिधर कृत संस्कृत टीका सहित (इकोगुणवृद्धि सूत्र पर्यन्त) १—०
६५७३ **हिन्दी रचना** । सौखीलाल झा ४—०
६५७४ **ईश्वर-दर्शन** । आधुनिक-विज्ञान और दर्शन का प्रकाश-हिन्दी रूपान्तरकार कृष्णकुमार सिंह २—८
६५७५ **ईश्वर की अभिव्यञ्जना** । ले०—कृष्णकुमार सिंह । हिन्दी ०—८

आदर्श हिन्दी-संस्कृत-कोशः

(सम्पादक—**प्रो० रामसरूप** एम० ए० (संस्कृत, हिन्दी), विद्यावाचस्पति, शास्त्री, प्रभाकर; पूर्व-प्राध्यापक डी० ए० वी० कालेज, लाहौर; प्राध्यापक, हंसराज कालेज, दिल्ली; सदस्य आर्ट्‌स फैकल्टी, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली)

राष्ट्रभाषा के माध्यम से देववाणी का अध्ययनाध्यापन करने कराने वाले विद्यार्थियों तथा अध्यापकों के लिए एक प्रामाणिक हिन्दी-संस्कृत कोश की अनिवार्यता स्वतः सिद्ध ही है। तथापि आज तक इस प्रकार के कोश की बाजार में अनुपलब्धि का कारण था पराधीन राष्ट्र की स्व-संस्कृति की भाषा संस्कृत के प्रति निन्दनीय उपेक्षा। स्वराज्य-प्राप्ति के पश्चात् राष्ट्र-प्रेमियों का ध्यान विस्मृत-प्राय संस्कृत की ओर भी गया है और अब उसमें नवीन प्राण-प्रतिष्ठा के तुल्य उद्योग से हो रहे हैं। निकट भविष्य में ही वह व्यक्ति सुनिश्चित रूप से अभारतीय और असंस्कृत समझा जायगा जो संस्कृत-ज्ञान से रहित होगा। अत्यन्त हर्ष का विषय है कि हिन्दीज्ञाता और संस्कृतज्ञान के इच्छुक लोगों के लिए यह ऐसा प्रामाणिक कोश तैयार हुआ है जिसकी सहायता से प्रत्येक व्यक्ति सहज ही संस्कृत सीख सकेगा। इस कोश में लगभग चालीस सहस्र हिन्दी-हिन्दुस्तानी शब्दों तथा मुहावरों के विश्वसनीय संस्कृत पर्याय दिये गये हैं। प्रत्येक शब्द का लिंगनिर्देश भी किया गया है। हिन्दी क्रियापदों के संस्कृत धातुओं के गण, पद, सेट, अनिट्, वेट्, णिजन्त आदि के रूप भी दिये गये हैं। कोश के संपादक हिन्दी-संस्कृत के प्रख्यात विद्वान् व लेखक हैं। इनकी दर्जनों हिन्दी-संस्कृत रचनाओं से विद्यार्थि-जगत् सुपरिचित ही है। कोश की उपयोगिता पर डा० सूर्यकान्त शास्त्री, श्री विश्वबन्धु शास्त्री, महामहोपाध्याय श्री परमेश्वरानन्द शास्त्री, आदि-आदि विद्वानों ने अपनी-अपनी अमूल्य सम्मतियाँ प्रदान की हैं।

छपाई गेटअप आदि आधुनिकतम। मूल्य अत्यल्प १२॥)

हिन्दू संस्कार

(सामाजिक तथा धार्मिक अध्ययन)

(राष्ट्रभाषा-संस्करण)

डॉ० राजबली पाण्डेय, एम० ए०, डी० लिट्०

(प्राचार्य, भारती महाविद्यालय, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय)

हिन्दू संस्कृति के अध्ययन की दिशा में यह महत्त्वपूर्ण देन है। माता के गर्भ में आने के समय से मृत्यु के समय तक और मृत्यूत्तर संस्कारों के माध्यम से उसके परवर्ती लोकोत्तर प्रयाण तक के हिन्दू जीवन को समझने के लिए यह ग्रन्थ कुञ्जी का काम देता है। हिन्दू जीवन के आदर्श, महत्त्वाकांक्षा, आशा और आशंका सभी मानसिक प्रक्रियाओं पर यह पर्याप्त प्रकाश डालता है। हिन्दुओं की सामाजिक तथा धार्मिक संस्थाओं के विविध अंगों के रहस्य इससे स्पष्ट हो जाते हैं। मानव-जीवन बराबर रहस्यपूर्ण रहा है। उसका प्रादुर्भाव, विकास और तिरोभाव मानव-मन को बराबर आन्दोलित करते आये हैं। संस्कारों ने इस रहस्य की गम्भीरता को थहाने और प्रवहमान रखने में बराबर योग दिया है। हिन्दू जीवन को, एक प्रकार के मार्ग और पद्धति के रूप में, अक्षुण्ण रखने में संस्कारों का बड़ा हाथ है। वेदों से प्रारम्भ कर मध्ययुगीन और किन्हीं स्थलों में आधुनिक भारतीय साहित्य के अध्ययन के परिणाम इस ग्रन्थ में समाविष्ट हैं।

इस ग्रन्थ का विभाजन विषय-क्रम से दस अध्यायों में किया गया है : (१) अनुसंधान के स्रोत (२) संस्कार का अर्थ और संख्या (३) संस्कारों का उद्देश्य (४) संस्कारों के तत्त्व (५) जन्मपूर्व संस्कार (६) शैशव के संस्कार (७) शैक्षणिक संस्कार (८) विवाह (९) अन्त्येष्टि तथा (१०) उपसंहार। मध्ययुगीन निबन्ध ग्रन्थों तथा पद्धतियों में संस्कार के ऊपर केवल कर्मकाण्डीय दृष्टि से विचार किया गया है। यह ग्रन्थ उनके सामाजिक तथा धार्मिक आधार और मूल्यों का विस्तृत विवेचन और हिन्दू संस्कृति के एक महत्त्वपूर्ण अङ्ग की आधुनिक व्याख्या प्रस्तुत करता है।

छपाई गेटअप आदि आधुनिकतम। मूल्य १५)

पाणिनिकालीन भारतवर्ष

डॉ० श्री वासुदेवशरण अग्रवाल

अध्यापक, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय

'पाणिनिकालीन भारतवर्ष' पाणिनिकृत अष्टाध्यायी का सांस्कृतिक अध्ययन है। अष्टाध्यायी में लगभग चार सहस्र सूत्र हैं जिनका मुख्य उद्देश्य व्याकरण के नियमों का परिचय देना था। किन्तु इन सूत्रों में पाणिनिकालीन भाषा के अनेक शब्द ऐसे हैं जिनसे उस युग के सांस्कृतिक जीवन का प्रत्यक्ष चित्र प्राप्त होता है। पाणिनि ने अपने समय की संस्कृत भाषा की सूक्ष्म छानबीन की थी। इसके लिये उन्हें मनुष्य जीवन के प्रायः सम्पूर्ण व्यवहारों की जाँच पड़ताल करनी पड़ी। अतएव पाणिनि का शास्त्र तत्कालीन भारतीय जीवन और संस्कृत का कोष ही बन गया। भूगोल, सामाजिक जीवन, आर्थिक जीवन, शिक्षा और विद्या सम्बन्धी जीवन, राजनीतिक जीवन, धार्मिक और दार्शनिक जीवन—सबके विषय में राई-राई करके पाणिनि ने सामग्री का सुमेरु ही खड़ा कर दिया। उस सामग्री का इस ग्रंथ में ऐतिहासिक और सांस्कृतिक अध्ययन किया गया है। इसके द्वारा पाणिनि के कई सौ सूत्रों पर नया प्रकाश पड़ा है। अष्टाध्यायी में आए हुए संस्कृत भाषा के कितने ही भूले हुए शब्दों को यहाँ नये अर्थों के साथ समझाने का प्रयत्न किया गया है। ऐसे लगभग तीन सहस्र शब्दों की अकारादि क्रम से सूची ग्रन्थ के अन्त में दी गई है। इन अर्थों में पाठकों को एक नए संसार का दर्शन मिलेगा, जो पाणिनिकालीन भाषा की सच्ची पृष्ठभूमि थी। एक ओर वैदिक संहिताएँ, ब्राह्मण, श्रौतसूत्र, धर्मसूत्र, गृह्यसूत्र, प्रातिशाख्य, चरणव्यूह, महाभारत, पाली-साहित्य, जातक, अर्धमागधी साहित्य इत्यादि अनेक स्रोतों से तथा दूसरी ओर कात्यायन, पतञ्जलि, काशिका, न्यास, कैयट आदि व्याख्यान ग्रन्थों से पाणिनीय सामग्री पर प्रकाश डालने का यत्न किया गया है। लेखक की मान्यता है कि भारतीय संस्कृति का चित्र पूरा करने के लिये पाणिनीय सामग्री का अध्ययन आवश्यक है। पाणिनि के सूत्रों की सामग्री उसी तरह प्रामाणिक समझनी चाहिए जिस तरह शिलालेख और मुद्राओं की साक्षी प्रामाणिक मानी जाती है।

उत्तर-प्रदेशीय सरकार-द्वारा पुरस्कृत

हिन्दी काव्यप्रकाश

सविमर्श 'शशिकला' हिन्दी व्याख्या-सहित

डॉ० सत्यव्रत सिंह एम० ए०, पी-यच० डी०

काव्यप्रकाश हमारे यहाँ का प्राचीन महत्त्वपूर्ण लाक्षणिक साहित्य ग्रंथ है। आधुनिक शैली से पठन-पाठन की प्रणाली का प्रचुर प्रचलन न होने से इस कोटि के ग्रंथों का विवेच्य विषय कोमलमति छात्रों के लिये प्रायः अविज्ञात ही रह जाता था और वे उस विषय को दुरूह समझकर आजीवन उसके बोध से वंचित रह जाते थे।

संस्कृत, हिन्दी, अँगरेज़ी में समान रूप से 'काव्यप्रकाश' की व्यापकता देखकर लखनऊ विश्वविद्यालय के प्राध्यापक डॉ० सत्यव्रत सिंह जी ने तदनुकूल ही पहले इस ग्रंथ के मूल का विषयानुरूप, ललित एवं बोधगम्य भाषा में व्यवस्थित अनुवाद अङ्कित करके तत्पश्चात् अपनी विशद 'टिप्पणी' (नोट्स) द्वारा विषय का गम्भीर बोध कराने का अथक प्रयत्न किया है। इन टिप्पणियों में मम्मट के मत का स्वरूप तो समझाया ही गया है, साथ ही उन दूसरे मत-मतान्तरों का भी निरूपण किया गया है; जिनके पूर्वरूप से ही मम्मट की प्रस्तुत रचना की उपादेयता स्पष्ट हो जाती है। वह सामग्री भी इस विस्तृत टिप्पणी में एकत्र संगृहीत है जो वामनी, काव्यादर्श, ध्वन्यालोक लोचन आदि में यत्र-तत्र बिखरी पड़ी है।

अधिकांश आलोचनात्मक विषय की जानकारी तो लगभग १०० पृष्ठ की विस्तृत भूमिकादि पढ़ने से ही हो जाती है।

अनेक विश्वविद्यालयों के अधिकारि-वर्ग ने आधुनिक-पद्धति की इस विशालकाय हिन्दी व्याख्या पर मुग्ध होकर इस संस्करण को ही अपने-अपने पाठ्यक्रम में निर्धारित कर लिया है।

साहित्य के छात्रों, अध्यापकों, आलोचकों एवं अनुरागियों के लिये यह सविमर्श 'शशिकलो'पेत ग्रन्थरत्न परमोपयोगी—पठनीय, मननीय एवं संग्रहणीय, है क्योंकि राष्ट्रभाषा हिन्दी में इस प्रकार का सर्वाङ्गपूर्ण सुसज्जित संस्करण यह प्रथम बार ही प्रकाशित हुआ है। प्रेमी ग्राहक अतिशीघ्र इसका संग्रह करें।

छपाई गेटअप आदि आधुनिकतम। मूल्य अत्यल्प १०)

भक्ति का विकास

डॉ० मुंशीराम शर्मा

एम. ए., पी-यच. डी., डी. लिट्

अध्यक्ष, हिन्दी विभाग, डी० ए० वी० कालेज, कानपुर

ईश्वरतत्त्व की वैदिक दृष्टिकोण से की हुई व्याख्या, साहस एवं पाण्डित्यपूर्ण चिन्तन, वेदों के अनेक-देवपरक स्तुतिमन्त्रों का एक में समन्वय तथा विभिन्न वेद-शास्त्रों के प्रतिपाद्य के एकत्व का प्रमाणसिद्ध, तर्कसंगत एवं युक्तिपूर्ण दार्शनिक विवेचन प्रथम बार ही हिन्दी में इतनी स्पष्टतापूर्वक आपको इस ग्रन्थ में प्राप्त होगा। ग्रन्थ के दो भाग विवेच्य विषय के विभाग के अनुसार अनेक उपभागों में विभाजित हैं।

सहस्राब्दियों पूर्व से आज तक प्रकाश में आए समस्त संप्रदायों, उनकी शाखाओं तथा रामानुज, वल्लभ, चैतन्य, तुलसी, सूर आदि महान् सन्त भक्तों के साहित्य का साङ्गोपाङ्ग गम्भीर अध्ययन करके लिखे गए उनके भक्तिविषयक दृष्टिकोण का अत्यन्त प्रामाणिक विवेचन पढ़कर आप यह सरलता से जान जायँगे कि भगवत्प्राप्ति के एकमात्र उपाय 'भक्ति' का किस समय कहाँ क्या रूप रहा, किन लोगों ने कैसे उसे किस रूप में समझा और समझाया, उसके वेद-शास्त्र-सन्त-सम्मत स्वरूप का किस क्रम से विकास हुआ और किस रूप में आज हम उसे हृदयङ्गम करके आत्मकल्याण के भागी बन सकते हैं।

अत्यन्त संक्षेप में हम कह सकते हैं कि परमपुरुषार्थरूप में प्राप्य 'भगवत्' और 'भक्ति' तत्त्व के विषय में जितना कुछ जानना आवश्यक है वह सब इस कौशल से इस ग्रन्थ में उपनिबद्ध है कि हिन्दी जाननेवाले प्रत्येक वर्ग, वर्ण एवं स्तर के मानव इसे पढ़कर तुष्ट होंगे, उन्हें आत्मकल्याण का सर्वसम्मत मार्ग अनायास सुलभ होगा तथा इस विषय के चिन्तकों को भविष्य में चिन्तन, मनन एवं अध्ययन के लिये नई दिशा, नया दृष्टिकोण प्राप्त होगा।

हिन्दी साहित्यदर्पण

डॉ० सत्यव्रत सिंह एम० ए०, पी-यच० डी०

ऐसे लाक्षणिक ग्रन्थों के विषय में अब तक किए गए रहस्यग्रन्थिभेदक प्रयत्नों में जिस भाषा-शैली का प्रयोग किया गया है वह ऐसी उलझन से भरी और अव्यवस्थित-सी पाई जाती है कि जिससे विषय स्पष्ट होने के बदले और जटिल-सा हो जाता है। परिणाम यह हुआ है कि छात्रगण विषय को ही उत्तरोत्तर क्लिष्ट समझ कर हार-सी मान बैठते हैं क्योंकि बहुत परिश्रम करने के पश्चात् भी सन्देह की निवृत्ति नहीं हो पाती। छात्र-समाज का यह काठिन्य ध्वस्त करने के उद्देश्य से साहित्यशास्त्र के प्रकाण्ड मर्मज्ञ पण्डित, लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रोफेसर श्रीमान् डॉ० सत्यव्रत सिंहजी ने पहले सर्वबोध्य सुगम भाषा में मूल का व्यवस्थित अनुवाद अंकित किया है तत्पश्चात् अपनी विमर्शनाम्नी व्याख्यात्मक विशद टीका प्रस्तुत की है जिसके द्वारा विषय की दुरुह ग्रंथियों का वस्तुतः सम्यक् समुन्मोचन बन पड़ा है। इसमें कहीं भी मूल की उपेक्षा हुई नहीं प्रतीत होती। छोटे-छोटे वाक्योंवाली सरस, सरल एवं विषय के अनुरूप ललित भाषा का प्रयोग करके नाट्यशास्त्रकार, अभिनवभारती-कार, भावप्रकाशनकार, काव्यानुशासनकार तथा रसार्णवसुधाकर के रचयिता आदि अनेक साहित्यमर्मज्ञों के मतों की सहायता से भ्रामक मत-मतान्तरों के निरासपूर्वक इस कौशल से विषय का यथार्थ स्वरूप प्रतिपादित किया गया है कि एक बार पढ़ लेने मात्र से वह हृदयपटल पर अंकित-सा हो जाता है। अन्यान्य ग्रंथों के उदाहरण और मतों से छात्र सरसतापूर्वक विषय की व्यापकता का संग्रहण कर सकते हैं।

व्याख्याकार के इस स्तुत्य एवं सफल प्रयास द्वारा छात्रों एवं अध्यापकों का समानरूप से हित होगा ऐसी आशा है।

ग्रंथ के आरंभ में लगभग १०० पृष्ठों की समालोचनात्मक भूमिका है, जिसमें एक ओर कतिपय अलंकारों पर वैज्ञानिक शोधसंबंधी दृष्टिकोण है और दूसरी ओर प्रमुख अलंकारों का स्वरूप तथा परस्पर वैषम्य संकेतित किया गया है।

Just Ready. Just Ready.

THE CHOWKHAMBA SANSKRIT STUDIES VOL. IV.

COMPARATIVE ÆSTHETICS

Vol. II.

WESTERN ÆSTHETICS

By

Dr. KANTICHANDRA PANDEY

M. A., Ph. D., D. Litt., M. O. L., Shastri.

Demy Octavo. Price Rs. 20-0-0

The book is divided into Fourteen Chapters. It deals with such Western æsthetic thinkers only as have marked similarity with the Indian. Majority of æstheticians have been influenced in their theories of art by their metaphysical, epistemic, psychological and ethical views. Relevant aspects of the philosophy of each thinker, therefore, have been given as the background of his æsthetic theory.

At the beginning of each chapter, the points of similarity between the æsthetic theory of a particular author, dealt with in it, and that of an Indian æsthetician, discussed in the first volume, 'Indian Æsthetics', have been clearly presented. This volume, thus, presents the high lights of the Western Æsthetics, which are important from a comparative point of view.

Chapter I. Background of Æsthetic Theory of Plato.

It discusses the meaning of 'æsthetics' and gives an account of the æsthetic thought of the pre-Platonic æsthetic thinkers such as Gorgias and Socrates.

Chapter II. Rigoristic Hedonism of Plato.

It points out that Plato accepted the view of Sophist Gorgias that art creates illusion and, therefore, in spite of his fine æsthetic sense, was compelled to refuse it a place in his ideal Republic, because in the light of his philosophy he found that it is irrational all round and, therefore, does not strengthen the mind but corrupts it. This is the

theory of Art as presented in the Republic. But in his Laws he seems to allow all arts, as sources of pleasure, to live in the ideal Republic, provided their exhibitions are strictly regulated and are used, not for the mere satisfaction of sensuous desires, but for encouraging people in moderation. His theory is, therefore, called Rigoristic Hedonism.

Chapter III. Pedagogism of Aristotle.

It is primarily concerned with the presentation of Aristotle's view of tragedy and points out that Plato's condemnatory view of art, as presented in his famous Republic, could not be accepted by the general public, because it is extremely tender towards art. Aristotle, therefore, looked for a compromise, the way to which had already been paved by Plato himself in his Laws, Book II. This compromise took the form of the well-known pedagogic theory of art. It is presented in the context of his famous definition of tragedy and is closely related to his ethical theory of the 'mean', because, according to him, tragedy improves the spectator morally.

It discusses the meaning, means, manner and object of imitation, the essential nature and sources of action and of tragic emotions,and the tragic error. It presents the various types of Katharsis in historical perspective together with the Kathartic tradition as found in the works of Plato and refers to the influences which shaped the Aristotelian doctrine of Katharsis, which accounts for the ethical effect of tragic presentation on spectator.

Chapter IV. Dramatic Technique.

It presents a logical analysis of tragedy, according to quality and quantity. It deals with ornament of spectacle, diction, song, manners, sentiment, action, fable, prologue, chorus, episode and exode. It shows how Aristotle divided the subject-matter of drama into presentable and unpresentable and explains the unities of time, place and fable.

Chapter V. Mysticism of Plotinus in The Context of Æsthetics.

It shows how, according to Plotinus, æsthetic experience is beyond

the emotive level and belongs to the transcendental level in so far as it is 'akin' to the mystic experience of the Ultimate, the One, and explains the analogy implied by 'akin' in terms of his metaphysics. It points out the distinction of the Plotinic conception of Katharsis from the Aristotelian. It discusses the relation between art and reality and morality and shows that art is not imitation nor is beauty symmetry and that æsthetic experience is recognitive.

Chapter VI. Æsthetic Currents in Early Christian Era, Middle Ages and Renaissance.

It discusses St. Augustine's defence of poetry, his peculiar conception of artistic falsehood, the place of ugly in art and the aim of poetry according to him. It shows what is the ground of attraction in art, what is the definition of beauty, which are the æsthetic senses and how there is quiescence of desire in æsthetic experience, according to St. Thomas. It presents the views of Renaissance thinkers that imitation and imagination are the means of artistic production; that imitation means 'verisimilitude'; that art is human invention; that emotion is the principle of harmony in art and that pleasure from art is essentially intellectual. Durer's conception of art and Fracastoro's idea of æsthetic experience also are presented here.

Chapter VII. Intellectualistic Æsthetics of Descartes.

It presents Descartes' theory of emotion in respect of organ, process, mechanism, movement of blood and animal spirit and the condition of heart, involved in different emotions, and the language as the cause. It deals with his division of emotions into primary and dependent, their external signs and voluntary and involuntary physical changes in which they find expression. His views on fable and poetry; his division of joy as a passion into various kinds such as sensuous, imaginative, intellectual and æsthetic; his conception of intellectual joy from poetry and of æsthetic experience as confused thought; his explanation of æsthetic experience from tragedy and his differentiation between the pure joy and the æsthetic, between good and beautiful and between evil and ugly find their due place here.

Chapter VIII. British Æsthetic Thinkers.

It presents (i) Bacon's view that creative imagination distorts nature: (ii) Hobbes' view that it visualises the end and the means, relates and finds out not only similarities but differences also; and his conception of genius and of identification in the context of art: (iii) Locke's view that beauty is complex idea, which can be brought under mixed mode, and his conception of inner sense, of taste and genius and of æsthetic experience as pleasant deception: (iv) Addison's view that imagination receives lively ideas from external object, retains them, selects and organises the selected into pleasanter whole; that æsthetic experience involves self-forgetfulness or change of personality and that though it is a delusion yet it is without the consciousness of it as such: (v) Burke's distinction of the æsthetic judgement from the logical in his conception of taste; his view that a work of art affects the mind of the spectator exactly as an object of nature and that poetry and drama present emotion; and his conception of 'sublime': (vi) Berkeley's view that beauty belongs to the sphere of feeling involving reason and that the ultimate source of beauty is God: (vii) Hume's compromise with rationalism; his utilitarian rationalism in his treatment of the problem of art; his view that beauty is not real; that it is individual and not universal; that æsthetic experience consists in agreeable sentiment or passion, which is aroused by symmetry and proportion in the object of perception and that it is unselfish and involves identification.

Chapter IX. Æsthetic Currents in Germany.

It deals with (i) Leibniz's view that beauty is nothing but harmony, though capable of including apparent contradiction; that there are different levels in æsthetic experience and that at the highest level æsthetic experience is the experience of the universal harmony through its symbolic presentation in art: (ii) Baumgarten's recognition of æsthetic experience as confused perception; his contribution in the form of adding to the Wolffian division of theoretical sciences another science, which he called 'Æsthetic' for the first time; and his conception of matter and value of art, of poetry

and perfection in it, of art as imitation and of distinction between beauty and truth.

Chapter X. Transcendental Æsthetics of Kant.

It shows how æsthetics evolved in Kant's mind, how he criticises his predecessors and what advance he makes on them. It presents the problem of the Critique of Judgement, its solution and the technique that he employs. It discusses the different types of imagination and understanding, according to him, and his conception of taste and genius. It distinguishes beautiful from pleasant and good, shows how æsthetic judgement is disinterested, universally valid, purposive without purpose and necessary; and deals with his theory of sublime.

Chapter XI. Absolutist Æsthetics of Hegel.

It presents Hegel's view that a work of art is not primarily addressed to senses but to the mind; connoisseur, therefore, associates himself with it without any craving such as one has for a sensuous object of desire and relates himself with it as with an object which is reflective of himself, which, like a mirror, gives reflection of certain moments of the life of self and the satisfaction from the artistic relation with which is purely spiritual satisfaction, due to self-recognition in the reflection of the self in a work of art, through contemplation. It discusses art as a phase of the Absolute Spirit, the meaning of 'æsthetics' in Hegel, the place of art in his system and the end of artistic production. It deals with his criticism of different theories of art such as imitation and of the ends of art such as purification and instruction. It gives his division of art into subjective, objective and absolute from the point of view of the content; into architecture, sculpture, painting, music and poetry from the point of view of the material medium; and into symbolic, classical and romantic from the point of view of relation between content and form. It touches upon his division of poetry into epic, lyric and dramatic; his theory of tragedy and his interpretation of Aristotelian unities.

Chapter XII. Voluntaristic Æsthetics of Schopenhauer.

It presents Schopenhauer's view that æsthetic experience is the experience of 'Idea', the immediate manifestation of the Will, free from all relations; that it is attained when knowledge is free from the service of will and the subject also is free from all elements of individuality; that it is a transcendental experience, because the apprehension of the æsthetic object transcends the forms of human intellect, time, space and causality; that it is got intuitively when a connoisseur contemplates on a beautiful work of art, rising above the individuality, both subjective and objective, and, therefore, becoming a pure willless subject; when he rises into the object, ceasing to consider the when, the where, the why and the whither of things and looks at simply and solely the what. It deals with his conception of the 'Idea' as the object of art, genius, imagination, æsthetic contemplation and disinterestedness of æsthetic experience.

Chapter XIII. Intuitive Æsthetics of Croce.

It deals with Croce's criticism of Hegel's philosophy in general and of his theory of fine art in particular. It presents his view that 'Æsthetic' is the first theoretic form; that it is marked by the absence of distinction between subject and object and by freedom from temporal and spatial limitations; that it is a pure subjective experience, free from even the predicative relation and that it is an intuition without any intellectual element. It discusses the characters of Hamlet and Iago in the light of Croce's conception of practical spirit and economic will respectively. It throws light on such problems as what is art, what is the relation between content and form in art and what constitutes the unity of art.

Chapter XIV. A Comparative Survey of Indian and Western Æsthetics.

It discusses the meaning of 'Kalā' (Art) and presents the antiquity of art-tradition in India and the relation of arts with S'aivaism and appetitive objective of human life (Kāma). It gives the list of Sixty-four arts, found in the S'aiva Tantra and the Kāma Sūtra of

Vātsyāyana. It deals with the classification of arts into basic and dependent, according to an earlier authority than Vātsyāyana, Pāñcāla, who maintained the number of the basic arts to be Sixty-four and that of the dependent arts to be Five Hundred and Eighteen. It points out the distinction between Hegelian and Indian classification of arts and states the two points of view for handling the problem of art, different approaches to the problem of æsthetics and the principles of artistic production such as imitation, reflection, illusion, selective imitation, idealisation, invention, verisimilitude, symbolisation, concretisation and suggestion. It approaches the problem of suggestion from the logical and the psychological points of view and shows that æstheticians in both the East and the West have recognised emotion to be an essential element in the æsthetic experience from poetry or drama and that there is difference of views on æsthetic experience of fear. It presents the views of Locke, Addison, Burke and Hegel on the said subject with necessary criticism and concludes with Abhinavagupta's explanation.

The detailed treatment of the points of similarity in the æsthetic thoughts of Indian and Western æstheticians is the subject-matter of the Third Volume 'Indian and Western Æsthetics'.

interpretation of Æsthetic doctrines are remarkable. No student of Indian Æsthetics can afford to neglect this important work.

Prof. Edgar S. Brightman, U. S. A.

It is a very careful piece of scholarship. Any one who desires to become acquainted with Indian Æsthetic theory in its early (and permanent) forms will have to rely on your work if he cannot use the primary sources. I am impressed with the richness of Indian thought, although rather surprised at the lack of development over so long a period.

Dr. S. K. De, M. A., D. Litt., Calcutta.

It is a good and interesting work; and the most valuable part of your contribution is exposition of Abhinavagupta's standpoint.

Rajasevasakta A. R. Wadia., Pro. Vice-Chancellor,
University of Baroda.

He has done the work remarkably well, and practically broken virgin ground. No student of Æsthetics can be anything but most grateful to him for the hidden lore, that he has made so easily accessible to all interested in the subject. It fills up a long-felt gap.

Prof. L. Renou, University of Paris.

The work is a very profound one......I think that no body has been so deeply acquainted with Abhinavagupta as you are. You are also the first at least to such an extent to deal with the connection between philosophy and Æsthetics.

The Journal of Ganganath Jha Research Institute.

The present volume is mainly concerned with the presentation of 'Abhinavagupta's theory of Æsthetics against the background of the history of Æsthetic thought in India and in proper setting of the system of the monistic S'aiva philosophy of Kashmir'.

All the topics have been critically and chronologically dealt with. The author has explained the facts in a lucid and interesting manner. His exposition is quite good.

Prof. W. E. Hocking, Harvard University.

Such a work, with its full historical background, has long been wanted. Your emphasis on drama is enlightening. You are right in giving much weight to Hegel as a philosophical exponent of western Æsthetics whose contrast with Indian thought on this subject is instructive.

Professor, S. N. Dasgupta, C. I. E., I. E. S., Ph. D., D. Litt.

It is an excellent work on the theory of rasa and contains an excellent treatment of Abhinavagupta's theory of literary judgement in association with his theory of S'aiva philosophy.

Prof. Charles Morris, University of Chicago.

I enjoyed very much the discussion of meaning in Vol. I of your fine work, Comparative Æsthetics. The concept of Dhvani is especially valuable, since it deals with an aspect of meaning that has been neglected in Western theories. I called attention to your work in my seminar this Summer.

Philosophy East and West, University of Hawaii. U. S. A.

K. C. Pandey's work entitled Indian Æsthetics is actually the first of three volumes, all of which are to appear under the general title Comparative Æsthetics. Volume II is to be concerned with 'æsthetic currents in the West' and Volume III with a 'detailed comparison of the views of Indian and European Æstheticians.' Such a three-volume work could well be a notable contribution to comparative æsthetics, being, as it is, without comparable precedent.

Presidential Address, 16th All-India Oriental Conference.

I am glad to find Lucknow University occupying a place in the front rank with......Dr. K. C. Pandey's......Comparative Æsthetics Vol. I.

Sri K. K. Handiqui, Vice-Chancellor, Gauhati University.

Amidst the steadily growing literature on Sanskrit Poetics an outstanding contribution is Dr. K. C. Pandey's Comparative Æsthetics.

Dr. Bhagavan Das, Bharat Ratna, Banaras.

Dr. K. C. Pandey, author of philosophical works of a high order such as Abhinavagupta and Indian Æsthetics.

The Journal Asiatique, University of Paris.

Ce volume est le premier d'une trilogie qui comprendra une "Esthétique occidentale" et une "Comparaison entre les esthétiques de l' Inde et de l' occident". Il prolonge en quelque sorte le livre publié par l' auteur il y a une quinzaine d' années sur Abhinavagupta, philosophe et poéticien. L' objet en est double : présenter les thèses d' esthétique d' Abhinavagupta dans leur cadre historique, et pour ce faire résumer l' ensemble des systèmes de rhétorique et de dramaturgie depuis les origines saisissables jusqu' au xi^{e} siècle. D' autre part, montrer comment la poétique d'Abhinavagupta est solidaire de sa philosophie, comment, d' une manière plus générale, les deux domaines sont en étroite connexion. Vaste et difficile sujet; l' œuvre d' Abhinavagupta, inédite en grande partie, est d' un accès particulièrement sévère; rares sont, même dans l' Inde, ceux qui s' y sont risqués.

L' importance de l' ouvrage de M. Pandey réside avant tout dans son effort pour retracer les spéculations sous-jacentes aux théories dramaturgiques.

Prof. W. E. Hocking, Harvard University, U. S. A.

I am convinced of its worth as a contribution to literature in English of this school.

Prof. Edgar S. Brightman, Boston University, U.S.A.

The book is the result of extremely scholarly research. Philosophically it is manifestly a work of high order. The special type of idealistic realism and voluntarism which it sets forth is most interesting.

THE CHOWKHAMBA SANSKRIT STUDIES VOL. III.

YUGANADDHA

By

Dr. Herbert V. Guenther, Ph. D.,

Lucknow University, Lucknow.

Size 18 × 22 Octavo. Price Rs. 8–0–0

'Yuganaddha' is the central problem in the Buddhist Tantra. It is essentially a psychological problem, while the philosophical implication is more or less accidental. This book is based exclusively on the original texts and their symbolism is revealed with all its remifications into the world of matter and mind. For the first time the Buddhist Tantras have found a psychological interpretation, not merely from a theoretical point of view but, what is more, from their practical aspect also, for, as the author points out, the Tantras are based on experience and are the record of what is going on psychologically during the process of SĀDHANA and what this entails. It is this process of SĀDHANA, or leading up to the highest integration, that has found its lucid and vivid expression in this book.

BOOKS ON INDOLOGY

1 ABHIJNANASAKUNTALA with Kisorakeli and Ruchira Sanskrit & Hindi Commentaries. Ed. with Introduction and Critical Notes in Hindi by N. Kantanath Sastri Telanga, M. A., Professor, Banaras Hindu University. 6-0

2 Abhijnana Sakuntala Sanskrit Text with Eng. translation. 2-8

3 Abhijnana Sakuntala with original Text, Commentaries, critical and explanatory Notes, English Translation by S. Roy. 10-0

4 Abhijnana Sakuntala Text with English Translation by R. D. Karmarkar. 5-8

5 Abhijnana Sakuntala with English Notes and Translation. 6-8

6 Abhijnana Sakuntala (A New Version) written by L. Binyon. 2-0

7 Abhijnana Sakuntala with English Translation by A. B. Ganjendragadkar. 7-0

8 Abhijnana Sakuntala Texts, Notes and English Translation by Devadhar & Suru. 4-8

9 Abhijnana Sakuntala. English Translation only. 1-4

10 Abhijnana Sakuntala with English Translation by J. M. Ashar. 2 Parts. 6-8

11 ABHINAVAGUPTA (An Historical and Philosophical Study) by Dr. K. C. Pandey. (Chow. Sanskrit Studies. Vol. I) In the press

12 Abhisamayalankara. Introduction and Translation from Original Text with Sanskrit-Tibetan Index. Edited by Edward Conze. 22-1

13 Abraham Lincoln by Lord Charnwood. 2-8

14 Acharya-Puspanjali Volume. Edited by B. C. Law. 15-0

15 Actes of the 6th Triennial Congress of the International Federation for Modern Languages and Literatures. Proceedings of the Oxford Congress of 1954, which was devoted to literature and science, a theme which emphasizes the unity of knowledge and contributes to briding the gap between science and the humanities. 60-4

16 Administration and Social Life under Vijayanagar by T. V. Mahalingam. 7-14
17 Advaita Vedanta by Swami Vivekananda. 0-10
18 Advanced History of India by R. C. Majumdar, H. C. Ray Chaudhuri & K. Datta. 20-0
19 Adventure in Tigerland by James Inglis. 2-0
20 Adventures of Haji Baba by D. C. Phillott. 10-0
21 Adventures of King Vikrama by Hansa Mehta. 6-0
22 Aesthetical Necessity in Life by Dr. J. H. Cousin. 3-12
23 Aesthetics and Language by W. I. Jennings. 17-4
24 Afghan Dynasties by Elliot & Dowson. 4-0
25 Agama Sastra of Gaudapada. Edited by V. Sastry. 4-8
26 Age of Imperial Kanauj-being Volume IV of History and Culture of the Indian People. Edited by Majumdar & Puslakar. 35-0
27 Age of Imperial Unity with 42 plates and Maps. Edited by Majumdar and Pusalkar etc., 35-0
28 Age of Nandas and Mauryas by K. A. Nilkanta Sastri. 20-0
29 Age of the Imperial Guptas by R. D. Banerjee. 4-0
30 Agnihotra by P. E. Dumont. 15-0
31 Agnihotra by Dr. Satya Prakash. 2-8
32 Agrarian System in Ancient India by U. N. Ghosal. O. P.
33 Africa : The Dream and the Reality by J. Hanzelka and M. Zikmund. 3 vols. 50-0
34 Agriculture and Allied Arts in Vedic India by A. K. Y. N. Aiyer. 3-0
35 Agrobiology. Essays on Problems of genetics, Plant breeding and Seed growing by T. D. Lysenko. 10-0
36 Ahsan-Ut-Tawarikh (Persian Text and Translation) edited by C. N. Seddon. 2 vols. 19-8
37 Aitareya and Taitariya Upanishad. English translation with Text by M. L. Sandal. 6-0
38 Aitareyopanishad with Shankaracharya's Bhashya and its English Translation by D. Venkataramiah. 1-4

39 Aitareya-Upanishad with Sankaracharya's Bhashya. Translated into English with Critical notes by Bhadkamkar. 1-0
40 Aitareya Brahman of the Rigveda. Text with English Translation by M. Haug in 2 Parts. O. P.
41 Aiyangar (S. Krishnaswami) Commemoration Volume. 15-0
42 Ajanta : Colour and Monochrome reproductions of the Ajanta Forescoes based on Photography with a critical Study of the paintings and an authoritative account of the Stories depicted therein by Y. Yazdani. Introduction by L. Binjon. Appendixes on inscriptions by J. Allan and N. P. Chakravarty. With plates. Parts I, II & IV (Part III out of print) 625-0
43 Ajnana. Theory of Ignorance by Malkani, Das and Murti. 6-0
44 Akbar-Badauni by H. M. Elliot. 4-0
45 Akbar-Nama-Abul Fazal by H. M. Elliot. 4-0
46 Akbar-Nizamuddin. Ahmad. Part I & II by H. M. Elliot. 8-0
47 Akbar's Religious Thought Reflected in Mogul Painting by E. Wellesz. 9-6
48 Aksara. A Forgotten Chapter in the History of Indian Philosophy by P. M. Modi. 5-0
49 Alankarmanjusa of Bhatta Deva Sankara Purohita, Edited by S. L. Katre. 4-0
50 All through the Gandhian Era Reminiscessces by A. S. Iyengar. 6-12
51 Altar Flowers (A bouquet of Choicest Sanskrit hymns with English translation) 2-8
52 Altindischer Ahnencult. Das Craddha nach den Verschiedenen Schulen mit Benutzung handschrift-licher Quellen dargestellt by W. Caland. 20-0
53 Amaravati Sculptures in the Madras Government Museum by C. Sivaramamurti. O. P.
54 Amarkosha with English meaning. 3-12
55 American Justice for Asians by Mary Thangam Behanan. 10-0
56 Analecta by V. S. Sukthankar. (V. S. Sukthankar Vol. II.) 20-0

57 Analysis of Abhisamayalamkara of Maitreya by E. Obermiller. Fasc. I. 15-0
58 Ancient Ballad and Legends of Hindustan by T. Dutt. 2-8
59 Ancient Buddhism in Japan. Sutras and Ceremonies in use in the seventh and eighth Centuries A. D. and their History in later times by Dr. M. W. De. Visser. 2 Vols. 90-0
60 Ancient Education by W. A. Smith. 35-8
61 Ancient Foundations of Economics in India by K. T. Shah. 11-0
62 Ancient Hindu Medicine by C. Chakraberty. 10-0
63 Ancient Historical Edicts at Lhasa and the Mu Tsung Khri Gt Sug Lde Brtsan Treaty of A. D. 821-822 from the inscription at Lhasa by H. E. Richardson. 18-0
64 Ancient History of Western Asia India and Crete by Bedrich Hrozny. Translated by Jindrich Prochazka. 40-0
65 Ancient India by M. Elephinstone, E. B. Cowel, J. T. Wheeler and W. W. Hunter. 4-8
66 Ancient India by Dr. R. C. Majumdar. 20-0
67 Ancient India. History & Culture by B. G. Gokhale. 7-8
68 Ancient India and Indian Civilization by P. Masson-Oursel. 24-0
69 Ancient India & South-Indian History & Culture by Dr. S. K. Ayyangar in 2 parts. 25-0
70 Ancient Indian Chronology (Illustrating Some of the most Important Astronomical Methods) by Prabodhchandra Sengupta. 15-0
71 Ancient Indian Colonisation in South East Asia by Dr. R. C. Majumdar. 3-12
72 Ancient Indian Culture and Civilization by K. C. Chakravarty. 9-8
73 Ancient Indian Economic Thought by Rao Bahadur. K. V. Rangaswamy Aiyangar. 4-0
74 Ancient Indian Education by R. K. Mookerji. 34-2
75 Ancient Indian History and Culture by S. R. Sharma. 3-0
76 Ancient-Indian Ojas, Latin *augos* and the Indo-European nouns in *Ex-I-Os* by J. Gonda. 17-8
77 Ancient Indian Theatre by D. R. Mankad. 2-0
78 Ancient Karnatak (Tuluvas) by Dr. Saletore. 11-

79 Ancient Psycho-Synthesis Vs. Modern Psycho-Analysis by Dr. Bhagavandas. 4-8, 5-0
80 Ancient Rajputas by C. V. Vaidya (Med. India Vol. II) 10-0
81 Ancient Wisdom of Wales by D. Jeffry Williams. 1-4
82 Andrea Mantegna by E. Tietze-Conrat. First Complete edition. 144 Plates, 8 colour plates, 80 pages text, 40 pages Comparative illustrations. 42-0
83 Anguttara-Nikaya. Vol. 2nd. Pali Text Romanised. Edited by R. Morris. 25-0
84 Annals and Antiquities of Rajasthan or the Central and Western Rajpoot States of India with Maps and Index by James Tod. 37-8
85 Annals of the Bhandarkara Oriental Research Institute :—
Vols. I, V, two parts each (1919 & 1924), per Volume. 21-4
Vols. III part (ii), IV part (i), each 10-8
Vols. VI-VII two parts each (1925-1926). per Volume. 10-8
Vols. VIII-XXII (1927-1941) and Vols. XXIV-XXXIV (1943-53) four parts each, per Volume. 10-8
Vol. XXIII. Silver Jubilee Number (1942) 12-12
86 Index to the Annals, compiled by G. N. Shrigondekar. Vols. 1-XXXIII, two parts. 7-8
87 Annual Proceedings of 'The Indian Philosophical Congress' Proceedings of 1944, 1949, 1950, 1951, 1952, 1953, and 1954. O. P.
88 Anthologie Sanskite Textes de L' Inde Ancient Traduits on Sanskrit by Louis Renou. 30-0
89 Anthropometric Investigation of the Madhyandina Brahmins of the Maratha Country by Iravati Karve. 8-0
90 Anthrometric Measurements of Maharastra by Irawati Karve. 12-0
91 Anthrometric Measurements of the Marathas by Irawati Karve. 8-0
92 Aphorisms of Yoga by Bhagwan S. Patanjali. 9-8
93 Aptes Guide to Sanskrit Composition. 3-12
94 Archaeology and Ancient Indian History by Dr. Hirananda. 3-8

95 Archaeology and Indian Universities by H. D. Sankalia. 0-8
96 Archaeology from the Earth by M. Wheeler. 2-10
97 Archaeology of Gujrat (including Kathiawar) by
H. D. Sankalia. 15-0
98 Archaeology of Hindoo Sumatra by F. M. Schnitger. 60-0
99 Architecture in Britain : 1530-1830 by John Sunmerson. 45-0
100 Architecture of Manasar. Containing 157 plates in all. Plates
1-CXXXV (Architecture), CXXXVI-CLVII (Sculptural)
by Dr. P. K. Acharya. 42-0
101 Arctic Home in the Vedas by B. G. Tilak. 8-0
102 Art and Architecture of Bikaner State by H. Goetz. 47-4
103 Art and Architecture of France : 1500-1700 by Aanthony
Blunt. 42-0
104 Art and Architecture of India. Buddhist-Hindu-Jain
by Benjamin Rowland. 31-8
105 Art and Architecture of Russia by George Heard Hamilton. 42-0
106 Art and Architecture of the Ancient Orient by Henri
Frankfort. 42-0
107 Art and Thought issued in honour of Dr. Anand K.
Coomaraswamy on the occasion of his 70th birthday.
Edited by K. B. Iyer. With 51 plates and other illus.
in the Text. 60-0
108 Art Experience by Prof. M. Hiriyanna. 6-0
109 Arthasamgraha. Text with English Translation
by R. D. Karmarkar. 2-12
110 Arthasangraha by D. V. Gokhale. 3-12
111 Arthapads Sutra with an English translation by Dr. P. V. Bapat. 7-0
112 Articles on the Bhagavadgita by P. D. Gune. 1-4
113 Artist-Potters in England by Muriel Rose. 35-0
114 Art of India and Pakistan a commemorative catalogue
of the exhibition at the Royal Academy of Arts.
London. Edited by Sir Leigh Ashton. Sculpture K.
de B. Codrington Bronzes and Textiles John Irwin
Painting Basil Gray. 94-8

115 Art of India, through the Ages. (Traditions of Indian Sculpture, Painting and Architecture) by Stella Kramrisch. 28-14
116 Art of Indian Asia. Its mythology and transformations. Compiled and edited by J. Campbell. 2 Vols. 215-0
117 Art of Life in the Bhagavadgita by H. V. Divatia. O. P.
118 Aryabhattiya with the commentary Bhattadipika of Paramadicvara. Ed. by H. Kern. 18-0
119 Aryan Path by Puran Singh. 0-8
120 Arya Salisatamba Sutra. Edited with Tibetan versions, Notes etc., by N. A. Sastry. 9-0
121 Ashtavakra Samhita with English Translation by S. Nityaswarupananda. 3-8
122 Asia and Western Dominance. A survey of the Vas Co Da Gama Epoch of Asian History 1498-1954. by K. M. Pannikkar. 22-8
123 Asia : A Regional and Economic Geography by L. Stamp. Revised and reset. 9th Edition. 40-0
124 Asia's Lands and Peoples: A Geography of one-third the Earth and two-thirds its Peoples by George B. Cressey. 48-0
125 Asoka by J. M. Macphail. 3-0
126 Asoka by D. R. Bhandarkar. 7-8
127 Asoka. Kaiser and Missionar by F. Kern. 35-0
128 Aspects of Advaita Vedanta by K. Sundararama Aiyar. 2-0
129 Aspects of Early Assamese Literature by B. Kakati. 12-0
130 Aspects of Early Visnuism by J. Gonda. 36-0
131 Aspects of Language by William J. Entwistte. 43-12
132 Aspects of Mahayana Buddhism and its relation to Hinayan by Dr. N. Dutt. 12-0
133 Assam Vally. Beliefs and Customs of the Assamese Hindus. With 17 illus. by Dr. M. Thomson. 10-8
134 Astangahrdayasamhita of Vagbhata. Ed. by L. Hilgenberg and W. Kirfel. O. P.
135 Astrology and Modern Thought B. V. Raman. 2-4
136 Astrology for Beginners by B. V. Raman. 2-4
137 Asvaghosa (Monograph) by B. C. Law. 3-0

138 Aswasastram of Nakul. Text, Tamil Translation and Summary in English. 12-0, 13-0 & 16-0
139 Asya Vamasya Hymn (The Riddle of the universe) Rigveda 1-164 Sanskrit Text with the Bhasyas of Sayana and Atmananda and with Eng. trans. and notes by Dr. C. Kunhan Raja. 12-0
140 At Freedom's Door by Sir Molcolm Darling. 14-0
141 Atharvan Hymns to Lac (Laksa) by V. B. Sastri. 1-8
142 Atharvaveda Vratyakanda with Srutiprabha Commentary in English by Hon. Sri Sampurnananda. 3-0
143 Atmabodha of Shankaracharya. English translation by S. Nikhilananda. 4-0
144 Atman in Pre-Upanisadic Vedic Literature by H. G. Narahari. 8-0
145 Atma Vidya by G. R. Aiyar. 2-12
146 Augustus John by Sir John Rothenstein. Selected Paintings. 100 illustrations, 4 Colour plates, introduction. 20-0
147 Aurangzeb by Khafi Khan. Edited by Elliot and Dowson. 4-0
148 Aurobindo on Himself & on the Mother. 12-0
149 Authority in Modern State by Laski. 7-2
150 Autobiography (Abridged) by M. K. Gandhi. 3-12
151 Autobiography of Pandit Dayananda Sarasvati. Edited by H. P. Blavatsky. 1-0
152 Autobiography of Timur and Zafar Nama of Sharafuddin by Elliot and Dowson. 4-0
153 Ayurveda or Hindu System of Medicine by B. V. Raman. 1-0
154 Ayurvedic Flora Medica Part I (Work on Medicinal Plants) by N. S. Mooss. 12-0
155 Ayurvedic School of Medicine: Theory and Practice by Dr. A. Lakshmipathi. 1-2
156 Ayurvedic Treatment of Cancer by Prabhakar Chatterjee. 10-0

B

157 Babar and Humayun by H. M. Elliot & J. Dowson. 4-0
158 Baby Care-A Helpful Guide for Mothers on Care of Infants by M. E. Law. 9-0

159 Balavatara or an Elementary Pali Grammer. 1-0
160 Balgangadhar Tilak. A Study by D. P. Karmarkar. 6-12
161 Bangal Subha (History of the) (1740-70) by Kalikinkar Dutt. 6-14
162 Bankim Chandra Chatterji by Aurobindo. 1-0
163 Bankim-Tilak-Dayananda by Aurobindo. 1-8
164 Barnett Presentation Volume. Oriental and African Studies. Presented to Dr. L. D. Barnett. 45-0
165 Baroda through the Ages (Being the report of an excavation conducted in the Baroda Area 1951-1952) by B. Subbarao. 15-0
166 Bases on Yoga by Sri Aurovindo. 2-0
167 Basic Problems of Life (An Introduction to Sociology) by Maneklal Vakil. 1-0
168 B. C. Law Commemoration Volume in 2 Parts. Edited by Dr. D. R. Bhandarkar and others. 50-0
169 Beautiful London. 103 photographs by Helmut Gernsheim, with an introduction by James Pope-Hennessy. 20-0
170 Bengali Drama. Its origin and development by P. Guha Thakurta. 12-0
171 Bengali Literature by A. S. & Lila Roy. 2-0
172 Bengali Literature by J. C. Ghosh. 14-10
173 Bengali Religious Lyrics, Sakta by E. Thompson. 2-0, 1-4
174 Benjamin Franklin: Philosopher for Human Rights by Henry Butler Allen. 1-0
175 Bernini Sculptures by R. Wittkower. With introductory essay, 120 plates, over 100 text illustrations, catalogue, catalogue raisonne, bibliography. 50-0
176 Be your own Astrologer by K. G. Tokekar. O. P.
177 Be your own Astrologer by Iris Varel. 2-3
178 Bhagavad Gita by John Davis. 5-0
179 Bhagavad-Gita English Translation & Commentary by W. D. P. Hill. 6-0
180 Bhagavad-Gita. English Translation by K. T. Telang. 12-3

131 Bhagavad-Gita with English translation by Swami Swarupananda. 5-8

182 Bhagavad-Gita with an English Translation of the Text and of the 'Purushartha Bodhini' Commentary by S. D. Satvalekar. 20-0

183 Bhagavad-Gita with English Translation by S. Roy. Chap. II. 3-8-0 Chap. X-XI 6-0-0 & Chap. XIII. 2-8

184 Bhagavad-Gita. edited and Translated by F. Edgerton. 25-0

185 Bhagavad-Gita. Sanskrit Text, Translation & Commentary in Roman Script. Ed. by S. Radhakrishnan. 6-0

186 Bhagavad Gita and Hindu Dharma by Chitale. 10-0

187 Bhagavad-Gita with Sankara's Commentaries in English by A. Mahadeva Sastry. 8-8

188 Bhagavadgita text and translation by F. T. Brooks. 2-0

189 Bhagavadgita with sanskrit text, free trans. into English, a word for word translation, an introduction to sanskrit grammar and a complete word-Index by Annie Besent & Bhagavan Das. 8-0

190 Bhagavad-Gita. Translated by Bengali Baba. 5-0

191 Bhagavadgita : A Fresh Approach by Dr. P. M. Modi. 30-0

192 Bhagavadgita by S. Radhakrishnan. 7-2

193 Bhagavad Gita by Swami 7-14

194 Bhagavad-Gita in Pictures by Parmanand Mehra. 60-0

195 Bhagavad-Gita or the Lord's Song (English only). 2-4

196 Bhagavad-Gita and the Changing World by Nagaraja Rao. 6-0

197 Bhagavad-Gita Rahasya. English Translation. 2 Vols. by B. G. Tilak. 14-0

198 Bhagavadgita: An Approach by K. M. Munshi. 0-8

199 Bhagavad-Gita. An Exposition by Dr. V. C. Rele. 3-14

200 Bhagavad-Gita (A Fresh Study) by Prof. Vadekar. 2-8

201 Bhagavada Gita. Abridged & Explained by C. Rajagopalachari. 1-8, 2-8

202 Bhagavatam (The Wisdom of God) by Swami Prabhavananda. 3-8

203 Bhagavatam (Translated into English Prose from the original Sanskrit Text Sloka by Sloka) of K. D. Vyasa by J. M. Sanyal. 25-0

204 Bhakti Yoga by Swami Vivekananda. 1-4
205 Bhamati of Vachaspati on Brahma Sutrabhasya (Chatussutri) 5-0
206 Bhaminivilas with English Translation by Hardutta Sharma. O. P.
207 Bhandarkar Commemoration Volume. 15-0
208 Bharatiya Rajaniti Kosa-Kalidasa Khanda (Ancient Indian political ideas and terms in Kalidas) edited by V. Joshi. 8-0
209 Bharatiya Sabhyata by Braj Sundar Rai. 1-0
210 Bhasa-His Age and Magadhi by Dr. Banerjee. 10-0
211 Bhattikavya. Cantos I-IV with English Translation by Pradhan. 1-8
212 Bhattikavya with English Translation by S. Roy.
Cantos I & III. 9-0 Cantos II & X. 10-0-0
& Canto XII. 5-8
213 Bhavartha Ratnakar. English Translation with Original Slokas in Devanagari. 5-4
214 Bhava Sankranti Sutra and Nagarjuna's Bhava Sankranti Sastra with the Commentary of Maitreyanatha. Restored from the Tibetan and Chinese Versions. Edited with the Tibetan Versions and Introduction etc. by N. A. Sastri. 9-0
215 Bhojaprabandha of Ballal. Edited by L. H. Gray. 16-4
216 Bhoja Raja by Prof. P. T. Srinivasa Ayyangar. 1-10
217 Bibliographie Vedique by Louis Renou. 50-0
218 Bibliographies of Indian Art by A. K. Coomara Swamy. 16-4
219 Bibliography of the Consitutions and Laws of the American Indians by L. Hargrett. 20-0
220 Bidar : Its History and Monuments by G. Yazdani. 87-8
221 Biographical Dictonary of Poranic Personages by A. Kumari Devi. 1-8
222 Biographical Studies in Modern Indian Education by H. V. Hampton. 6-0
223 Birds of Travancore and Cochin by Salim Ali. With 101 Species, illustrated in Colour and 32 in black and white by D. V. Cowen. 25-0
224 Blind in India & Abroad by S. C. Ray. 3-0
225 Blood and Tears by J. M. Deb. 7-8

226 Blue Blood Turned Red by Subho Tagore. 3–12
227 Bodily Reaction and Examination of Systems of Therapeutics by K. L. Daftari. 6–8
228 Book of Discipline (The Vinaya Pitaka, Suttavibhanga, Mahavagga & Cullavagga) translated into English by I. B. Horner. 5 Vols. 170–0
229 Book of Kindred Sayings (Samyutta–Nikaya) translated into English by Rhys Davids and F. L. Woodward. 5 Vols. 120–0
230 Book of the Gradual Sayings (Anguttara–Nikaya) Translated into English by F. L. Woodward and E. M. Hare. 5 Vols. 105–0
231 Brahmanical Asceticism (Sanyas) Thesis by Dr. Sharma. 2–8
232 Brahmanical Gods in Burma by Niharranjan Ray. O. P.
233 Brahmasutra–Chatuhsutri with Sankaracharya's Commentary, Eng. trans. Notes and Index by H. D. Sharma. 3–12
234 Brahma Sutras with English translation by Vireswarananda. 6–0
235 Brahma–Vaivarta Puran. Ganesha and Krishna–Janma Khand. Translated by Rajendra Nath Sen. Most Rare. 50–0
236 Brahmavidya (Divine Wisdom) by Dr. Annie Beseant. 1–0
237 Brief Survey of Human History by S. R. Sharma. 10–0
238 Brihadaranyaka Upanisad with the Commentary of Madhavacharya. English translation by Srish Chandra. 12–0
239 Brihadaranyakopanisad with Sankara's Commentary. Translated by Swami Madhavananda. 10–8
240 Brihadaranyak Upanishad. Ed. by E. Senart. 20–0
241 Brihad-Devata. Attributed to Caunak, Critically edited in the original Sanskrit with an introduction and Seven appendics and translated into English with Critical and illustrative Notes by A. A. Macdonell. 50–0
242 Brihat Jatak (English-translation) by B. Suryanarayan Rao. 12–0
243 Brihat Jatak with English Translation by V. S. Sastry. 8–0
244 Brihat Samhita with English Translation by V. S. Sastry. 12–8
245 Brith of Indian Psychology and its development in Buddhism by Davids. 5–4

246 Brother Hood of Religion (A book of eighteen lectures on important Contemporary Religions. Such as Hinduism, Judaism, Islam, Buddhism, Christianity, Sikhism, Theosophy etc., by Sophia Wadia. 3-0

247 Bruegel by F. Grossmann. Complete edition of the paintings. 155 plates, 11 in full colour, 40 pages text. 42-0

248 Buddha and Buddhism by Arthur Lillie. O. P.

249 Buddhacharita. Canto 1 with English & Kannad Translation. 1-4

250 Buddhacharita-Canto III with Kannad & Eng. trans. 1-4

251 Buddhacharita. Canto III and Kumarasambhava Canto V with Englieh translation. 3-0

252 Buddha's Law among the birds. Ed. and trans. from the Tibetan. Edited by E. Conze. 10-8

253 Buddha's Teaching, being the Sutta-Nipat or Discourse-Collection, edited in original Pali Text with an English Version facing it by Robert, Lord Chalmers. 30-0

254 Buddhismus und Gottesidee. Die buddhistischen Lehren von den Uberweltlichen. Wesen und Machten und ihrereligionsges—chichtlichen Parallelen Von Helmuth von Glasenapp. 20-0

255 Buddhism by Annie Besant. 0-12

256 Buddhism by C. Humphreys. 2-10

257 Buddhism by C. H. S. Ward. Vol I. Hinayana & Vol II. Mahayan. 25-0

258 Buddhism and Asoka by Dr. B. G. Gokhale. O. P.

259 Buddhism in Translation by H. C. Warren. 20-0

260 Buddhism: Its Essence and Development by E. Conze. 13-8

261 Buddhist Art in India, Ceylon and Java. by J. PH. Vogel. Translated from the Dutch by Barnouw. Pp. 128, with 40 half-tone plates. 7-8

262 Buddhist Historical Tradition (Manual of) by B. Law. 1-8

263 Buddhist Hybrid Sanskrit Grammer & Dictionary by F. Edgerton in 2 Vols. 90-0

264 Buddhist Hybrid Sanskrit Reader by F. Edgerton. 15-0

265 Buddhist India by Rhys-Davids. 6-0
266 Buddhist Legends, translated from the original Pali Text of the Dhammpada Commentary by E. W. Barlingame. 3 Vols. 100-0
267 Buddhist Mahayan Texts translated by Cowell. 24-6
268 Buddhist Meditation in the Southern School: theory and practice for Westerners by G. C. Lounsbery. 6-0
269 Buddhist Philosophy of Univarsal Flux by S. Moookerjee. 5-0
270 Buddhist Sects of Japan, their History, Philosophical Doctrines and Sauctuories by E. S. Deerlin. 7-4
271 Buddhists in New China. Edited by the Chinese Buddhist Association. 10-0
272 Buddhist Text by M. M. Pt. Vidusekhar Bhattacharya. 2-4
273 Buddhist Texts through the Ages. Edited by E. Conze and others. 12-0
274 Buddhist Wall Paintings. A Study of A Ninth Century Grotto at Wan Fo Hsia by Langdon Warner 20-0

C

275 Call of the Vedas by A. C. Bose. 1-12
276 Cambridge History of India. Vol. I. Ancient India. Edited by E. J. Rapson. Indian Edition. 35-0
277 Candra Vakyas of Vararuchi by C. Kunhan Raja 3-0
278 Caste and Class in India by Dr. G. S. Ghurye. 15-0
279 Caste in India by J. H. Hution. 10-0
280 Catalouge of South Indian Sanskrit Mss. belonging to the R. A. S. by M. Winternitz with an Appendix by F. W. Thomas. 5-0
281 Catalouge of the Brahamanical Images in Mathura Museum by Dr. V.S. Agrawal. 7-8
282 Catalouge of the Gujrati and Rajasthani Mss. in the India office Library by J. F. Blumhardt. 50-0
283 Catalouge of the Gupta Gold Coins in the Bayana Hoard by A. S. Altekar. 60-0
284 Catalouge of the Indian Collections in the Museum of fine arts, Boston by A. K. Coomaraswamy in 6 parts (Part iii out of Print) Rest Parts. 250-4

285 Catechism of Hindu Dharma by Srishchandra Basu. 2–0
286 Catuh Sataka of Aryadeva Sanskrit and Tibetan Texts with Copious Extracts from the Commentary of Candrakirti. Edited by V. Bhattacharya. 8–0
287 Central Conception of Budhism by Th. Stcherbatsky. 6–8
288 Central Philosophy of Buddhism by T. R. V. Murti. 22–8
289 Century of British Painters by Samuel and Richard Redgrave. 500 pages text, bibliographical index, 100 illustrations. 10–8
290 Century of French Painting. 1400–1500 by Grete Ring. 175 plates, 6 Colour plates, 50 text illustrations, introduction, Catalogue, biographical notes. 35–0
291 Century of Life (The Nitishatak of Bhartrihari freely rendered into English verse) by Aurobindo. 2–8
292 Ceramic Art of China by William Bowyer Honey. 60–0
293 Cezanne by F. Novotny. Selected paintings. 113 plates, 18 Colour plates, introduction. 30–0
294 Chaitanya and His Teachings by J. N. Sarkar. 2–0
295 Chambers's Twentieth Century Dictionary. New Mid–Century Version. 15–12
296 Champu Ramayana (Ayodhyakanda) with Eng. trans. 1–10
297 Chandogya–Upanishad. Edited with Critical notes in French by Emile Senart. 10–12
298 Chandragupta Maurya and His Times by R. K. Mukherjee. 15–0
299 Chanraloka 5th Mayukha. Alamkar Prakaran with English Notes & Translation by C. S. Ram Sastri. 2–0
300 Chandra Vyakaran by Dr. K. C. Chatterjee. Part I. 12–0
301 Chankya and Chandra Gupta by A. S. P. Ayyar. 4–4
302 Charudattam with English Translation by S. Ray. 5–0
303 Charudattam with English Translation by C. R. Deodhar. 2–8
304 Chhandogyopanishad. English translation of text & Shankarbhashya by Dr. G. N. Jha. 7–8
305 Chief currents of contemporary philosophy by Dhirendra Mohan Datta. 10–8

306 China's Women Workers. 5-0
307 Chinese Art by Leigh Ashton & Basil Gray. 42-0
308 Chinese Buddhist Verse translated by Richard Robinson. 3-2
309 Chinese English Dictionary by A. R. H. Mathews. 40-0
310 Chinese Language by R. A. D. Forrest. 36-12
311 Chinese Poems and Pictures on Ahimsa by Dr. Raghuvira. 20-0
312 Chronicle of the Early Safawis being the Ahsanut-Tawarikh of Hasan-i-rumlu (Persian Text) Vol. I. edited by C. N. Seddon. 11-0
313 Do. Do. English translation. Vol. II. by C. N. Seddon. 8-8
314 Chronicles of Ceylon by B. C. Law. 3-0
315 Citations in Sabarbhasya by D. V. Garge. 16-0
316 Citta Visuddhiprakarana of Aryadeva, Sanskrit and Tibetan Texts, Edited by P. B. Patel. 5-0
317 Civilization of Ancient India by Louis Renou. 6-0
318 Civilization of the Renaissance in Italy by Jacob Burckhardt. Life in Renaissance Italy. 350 pages text. 100 illustrations. 12-8
319 Civil service in India by A. K. Ghoshal. 9-6
320 Classical Age (A. D. 320-750) Edited by Majumdar &P uslaker. 35-0
321 Classical Dance Poses of India (Illustrated with 105 dance poses 'Angakaranas') by Gopinath & S. V. Ramana Rao. 5-0
322 Classical Dances and Costumes of India by K. Ambrose. 25-0
323 Classical Dictionary of Hindu Mythology and Religion, Geography, History and Literature by Prof. John Dowson. 13-8
324 Classical Dictionary of Proper names mentioned in Ancient Authors with a Chronological Table by J. Lempriere. 10-8
325 Classical Sanskrit Literature by A. B. Keith. 3-0
326 Classic Art: The Great Masters of the Italian Renaissance by H. Wolfflin. 194 illustrations, 10 Colour plates, 310 pages. 30-0
327 Coins of India by C. J. Brown. 3-0
328 Colas by K. A. Nilakanta Sastri. 17-0

329 Collected Poems and Plays (in 2 vols) by Shri Aurobindo. 17-0
330 Collected Poems and Plays of Rabindranath Tagore. 14-10
331 Collected Works of R. G. Bhandarkar in 4 vols. 22-0
332 Common Diseases, their Causes and Treatment by Irani. 4-8
333 COMPARATIVE ÆSTHETICS. Vol. I Indian Aesthetics by Dr. K. C. Pandeya. Revised edition in the Press.
334 Do. Do. Vol. II. Western Aesthetics. by Dr. K. C. Pandeya. 20-0
335 Comparative and Critical Study of Mantra Shastra by M. B. Jhavery. 45-0
336 Comparative and Critical Study of Mantra Shastra without-text by M. B. Jhavery. 25-0
337 Comparative and Etymological Dictionary of the Nepali Language with Indexes of all Words quoted from other Indo-Aryan Languages by R. L. Turner. 75-0
338 Comparative Religion by Prof. A. A. Macdonell. 3-12
339 Comparative Religion by A. C. Bouquet. 2-0
340 Comparative Study of Religions by A. G. Widgery. 15-0
341 Compendieum of Astrology by B. S. Rao. 1-8
342 Compendium of Philosophy (Abhidhammattha-Sangaha) translated into English by S. Z. Aung and Rhys Davids. 25-0
343 Complete Works of Swami Vivekananda in Eight Vols. with Index. 52-0
344 Comprehensive English-Hindi Dictionary of Governmental Educational Words and Phrases. Ed. by Dr. Raghuvir. 30-0
345 Compromises in the History of Advaitic Thought by M. M. Kuppuswamy Sastri. 1-8
346 Concentration. A Practical Course with a Supplement on Meditation by Ernest Wood. 2-12
347 Conception of Matter according to Nyaya-Vaicesika Philosophy by Dr. Umesha Misra. 16-0
348 Concept of Dharma in the Itihasas and the Puranas by N. Raghunathan.

349 Concept of Man and the Philosophy of Education in East and West. 1-0

350 Concept of the United Nations: A Philosophical Analysis by Dr. E. M. Haugh. 1-2

351 Concise Cambridge History of English Literature. Ed. by G. Sampson.

352 Concise Dictionary of Ancient History. Edited by P. G. Woodcock. 18-0

353 Concise Dictionary of Eastern Religion by M. Winternitz. 20-5

354 Concise General Astronomy by Dr. H. S. Aiyar. 6-0

355 Concise Grammar of the Hindi-Language by H. C. Scholberg. 7-8

356 Concise History of the Indian People by H. G. Rawilinson. 5-8

357 Concordance of Kalidas's Poems by T. K. Ramchandra Aiyar. 21-0

358 Concordance of Sanskrit Dhatupathas by G. B. Palsule. 12-0

359 Conflicting Tendencies in Indian Economic thought by S. C. Datt. 5-0

360 Consolidated Great English Indian Dictionary by Dr. Raghuvir. 25-0

361 Constitution of India by G. N. Joshi. 6-8

362 Constitution of India by M. M. Gharekhan. 5-0

363 Constitution System of India by Naresh Chandra Ray. 2-8

364 Constructive Survey of Upanisadic Philosophy by Prof. R. D. Ranade. Rough Paper. 15-0 & Glazed Paper. 20-0

365 Contemporary Indian Philosophers by Binoygopal. 5-4

366 Contemporary Indian Philosophy by S. Radhakrishnan. 26-4

367 Contribution of Christianity to Ethics by C. J. Webb. 2-8

368 Contributions of Women to Sanskrit Literature by Dr. J. B. Chaudhury in seven Big vols. 54-0

369 Contribution to a Bibliography of Indian Art and Aesthetics by H. Mitra. 12-0

370 Contributions to the History of the Hindu revenue system by U. N. Ghoshal. O. P.

371 Conversations with Mr. Nehru by Tibor Mende. 10-8

372 Co-Operation and Indian Agriculture by A. K. Yajna Narayan Aiyer. 9-8
373 Coorg Tribes and Castes by L. A. Krishna Iyer. 7-8
374 Corpus of Telugu Inscriptions of His Exalted Highness the Nizam's Dominions. Compiled by Dr. P. Srinivaschar and edited by G. Yazdani. 30-0
375 Cradle of Indian History by C. R. Krishnamacharlu. 3-8
376 Creation as Explained in the Tantras by Woodroffe. 1-0
377 Critical History of English Poetry by Grierson & Smith. 15-10
378 Creative Art of Life by K. M. Munshi. 2-8
379 Creed of Buddha by E. Holmes. 7-2
380 Crescent in India by S. R. Sharma. 2 Parts. 15-0
381 Crime and Custom in Savage Society by Bronislaw Malinowski. 12-0
382 Critical Note in English on the Commentary of Vallabhdeba on Shisupalvadham. 1-0
383 Critical Studies in the Mahabharat by V. S. Sukthankar. 15-0
384 Critical Study of Bhavabhuti's Maltimadhava by J. M. Ashar. 1-4
385 Critical Study of Sankhya System by Sovani. 1-4
386 Critical Study of the Bhagavadgita by Dr. Umesha Mishra. 4-0
387 Critical Study of the Life and Novels of Bankimchandra by J. Das Gupta. 2-8
388 Critical Word-Index to the Bhagavadgita by P. C. Divanji. 12-0
389 Critique of organ of Knowledge (Hemchandras Pramana Mimansa) by Mookerjee & Tatia. 15-0
390 Critique of Logical Positivism by C. E. M. Joad.
391 Critique of the Brahmasutra by Dr. P. M. Modi. 2 Parts. 35-0
392 Culavamsa. Being the more recent part of the Mahavamsa. Edited by Wilhelum Geiger. Pali text, Romanized. Vol II. 15-0
393 Culavamsa; or Minor Chronicle of Ceylon. Translated by Wilhelm Geiger; assisted by Rickmer Rickmers (Mable Duff) 2 Vols. 25-0

394 Cultural Heritage of India (Philosophies) Edited by H. Bhattacharya. 30-0
395 Cultural History from the Vayupuran by D. R. Patil. 15-0
396 Cultural History of Assam (Early Period) by B. K. Barua. Vol. I. 15-0
397 Cultural History of Education. Reassessing our Educational Traditions by R. F. Butts. 30-0
398 Cultural History of Karnataka (Ancient and Medieval) by A. P. Karmarkar. 5-0
399 Cultural History of Orissa by W. W. Hunter. 2 Vols. 16-0
400 Cultural History of the Hindus by C. Chakraberty. 10-0
401 Cultural History of the Modern Age by E. Friedell in 3 Vols.
402 Cultural relations between India and Java by A. J. Bernet Kempers.
403 Culture of South-East Asia. The heritage of India by R. Le May. 31-8

D

404 Dance and Drama in Bali by Berye de Zoete and Walter Spies. 63-0
405 Dance in India by Faubion Bowers. 20-0
406 Dance in India by G. Venkatachalam. O. P.
407 Dance of Shiva (Illustrated) by Dr. Anand Coomar Swamy. 16-0
408 Dances of India by Ragini Devi. 4-0
409 Dancing out of Bali by John Coast. 20-0
410 Dandanitiprakaranam of Kesava Pandit (Criminal Jurisprudence) (XVIIth Century) Edited by V. S. Bendrey. 4-8
411 Dara Shikuh-Life and Works by Bikram Jit Hasrat. 12-0
412 Dasakumar Charita-Poorvabhag with English Translation. 2-8
413 Dasharupaka of Dhananjaya with the Commentary of Dhanik and with Notes, trans. etc., by J. K. Shastri. 10-0
414 Das Srautasutra Des Apastamba. Sechszechntes Bis Vierundzwanzigstes und Einunddreissigstes Buch Aus Dem Sanskrit-ubersetzt Von W. Caland. 35-0

415 Das Vaikhanasadharmasutra. Ed. by Dr. Caland. 2-3
416 Date of Kalidas (A. D. 240-300) by D. V. Ketkar. 1-0
417 Date of Rigveda by D. R. Mankad. 5-0
418 Death and After ? by Annie Besant. 2-0
419 Decline of Buddhism in India by Dr. R. C. Mitra. 6-0
420 De Literatuur Van Den Samaveda En Het Jaiminigrhya-sutra Door W. Caland. 10-0
421 Democratic Hinduism by Krishna Swamy. 3-12
422 Descriptive Analysis of Research Publication. 2-4
423 Descriptive Catalouge of Mss. in Mithila by K. P. Jayaswal and A. Sastri.
Vol. I. Smriti. 5-0
Vol. II. Literature, Prosody and Rhetoric. 3-0
Vol III. Jyotish. 5-0
Vol. IV. Vedic. 5-0
424 Descriptive Catalouge of Mss. in the Central Library Baroda.
Vol. I. Vedic. 6-0
Vol. II. Srauta Sutras and Prayogas. 6-4
425 Descriptive Catalouge of Manuscripts in the Jain Bhandars at Pattan. Compiled by C. D. Dalal. 8-0
426 Descriptive Catalouge of Sanskrit and Pali Mss. in the Adyar Library.
Vol. I. A. Upanisads by P. O. Schradir. 30-0
Vol I. B. Vedic Manuscripts by K. M. K. Sarma. 40-0
Vol. V. Kavya, Nataka, Alankara by Narhari. 60-0
Vol. VI. Grammar, Prosody, Lexicography by V. Krishnamachari. 40-0
Vol. IX. Mimansa and Advaita-Vedanta by " 50-0
427 Desinamamala. Edited with Introduction and Index by M. Banerjee. 6-0
428 Deux Lexiques: Sanscrit Chinois by P. C. Bagchi. 2 Vols. 115-0
429 Devatma Shakti by Vishnu Tirtha. 5-0
430 Development of Contemporary Indian Political Thought. 1857-1920. by Dr. M. A. Buch. 3 Vols. 35-0

431 Development of Gujrati Literature by Jhaveri. 4–0
432 Development of Hindu Polity and Political Theories Vol. I & II by Dr. N. C. Bandhopadhyaya. O. P.
433 Devibhagvatam. English Translation by Swami Vijnanananda. 25–0
434 De Zegelring Van Raksjasa (Wisjakhadatta) Indisch tooneelspel, uit Sanskrit en Prakrit in het Nederlandsch Vertaald door J. Ph. Vogel. 30–0

435 Dhammapada translated with Notes by Narada Thera. Introduction by E. J. Thomas. 4–8
436 Dhammapada. Translated from the Chinese by Samuel Beal. 4–0
437 Dhammapada. Translated from the Pali by I. Babbitt. 15–0
438 Dhammapada with English Translation by Dr. P. L. Vaidya. 2–8
439 Dhammapada with Introductory Essays, Pali Text, English Translation and Notes by S. Radhakrishnan. 8–0
440 Dharma and Life by K. Sundararama in 2 Parts. 2–4
441 Dharma Sastra or The Hindu Law Codes Text with English transtation by M. N. Datta. 2 Vols. Most Rare
442 Dharmasutras and Dharmasastras by R. Swamy. 1–2
443 Dhaturup Chandrika by P. V. Upadhyaya. 5–8
444 Dhvani Vicara by N. G. Kalelkar. 5–0
445 Dhvanyaloka. English translation by Dr. Krishnamoorty. 12–8
446 Dhvanyaloka of Anandavardhana (Uddyota I) Edited with an elaborate English Exposition by Sri B. Bhattacharya with a foreword by Dr. S. K. De. 8–0
447 Dialectic in Buddhism and Vedanta by Dr. C. D. Sharma O. P.
448 Dialogues of the Buddha. by T. W. and C. A. F. Rhys Davids. Part I. 25–0
449 Diary Leaves by Prof. N. Roerich. 9–0
450 Dictionary of Administrative Terms by Dr. Raghuvir. 8–12
451 Dictionary of Chinese Buddhist Terms with Sanskrit and English Equivalents and Sanskrit Pali Index by W. E. Soothill and Lewis Hodous. 75–0
452 Dictionary of Economics by Dr. Raghuvir. 4–0

453 Dictionary of European History. Edited by W. S. Roeder. 15-0
454 Dictionary of Hindu Mythology by J. Dowson. 12-0
455 " " Indian Birds by Dr. Rrghuvir. 15-0
456 Dictionary of Last Words. Compiled by Edward S. le. Comte. 15-0
457 Dictionary of Mysticism. Edited by Frank Gaynor. 18-0
458 Dictionary of Selected Synonyms in the Principal Indo-European Languages by Carl Darling Buck. Containing more than a thousand semantic groupings of words in the principal Indo-European Languages. 250-0
459 Dictionary of Statistics by Dr. Raghuvir. 12-0
460 Dictionary of Philosophy D. D. Runes. 26-4
461 Dictionary of World Literature, Criticism-Forms-Technique. Edited by J. T. Shipley. 45-0
462 Die Samkhya Philosophie by R. Garbe. English Translation by Vadekar. In the Press.
463 Digha Nikaya. Edited by T. W. Rhy-Davids and J. Estlin Carpenter. Pali text, Romanized. 3. Vols. 60-0
464 Dilemma of our times by Laski. 13-8
465 Directional Astrology of the Hindus (Theoretical & Practical) by Rele. 3-0
466 Discourses on Bhagavad Gita by C. Jinarajadasa. 2-0
467 Discovery of India by Pt. Jawaharlal Nehru. 5-8
468 Discovery of the Child. Revised and enlarged edition of 'The Montessori Method' by Maria Montessori. Translated by Mary A. Johnstone. 16-8
469 Distribution of Deformation (A New Method of Structural Analysis), by C. V. Kloucker. Translated from the Czech and German editions by A. H. Waddell-Zalud and F. H. Zalud. 80-0
470 Divine Life by Swami Yatiswarananda. 3-0
471 Divine Name by Raghava Chaitanya. 5-0
472 Divine Songs of Zarathushtra. Text with English Translation by Dr. Taraporewala. O. P.

473 Domestic Hindustani Roman Characters by D. C. Phillott. 3-0
474 Dramas in Sanskrit Literature by Prof. R. V. Jagirdar. 8-4
475 Dramas of Kali Das by B. Bose. 5-4
476 Dramas of Sri Harsha by B. Bose. 5-4
477 Drapsa. The Vedic Cycle of Eclipses (A key to inlock the Treasures of the Vedas) by Dr. R. Samasastri. 2-0
478 Dream of Ravan (A Hither to unpublished Chapter of the Ramayan) 2-8
479 Durer and His Times by W. Waetzoldt. New edition with 160 plates. 16 in full colour. 250 pages text. 30-0
480 Durghatavritte. Edited by L. Renou. Vols. I-II in 5 Parts. 75-0
481 Dvaita Philosophy and its Place in the Vedanta by H. N. Raghavendrachar. 3-12
482 Dyananda Commemoration Volume. 10-0
483 Dynamics of Faith by K. Mitra. 7-0
484 Dynamics of Morols. A Sociopsy Chological Theory of Ethics by Mukerjee. 16-8
485 Dynastic History of Northern India by Hemchandra Ray. O. P.

E

486 Early Arab Geographers by Elliot & Dowson. 4-0
487 Early Aryans in Gujrata by Munshi. 1-4
488 Early Bengali Saiva Poetry by A. Bhattacharya. 3-0
489 Early Brahmanical System of Gotra & Pravara. The Gotra-Pravara-Manjari. Translated with an Introduction by John Brough. 40-0
490 Early Buddhist Scriptures by E. J. Thomas. 10-8
491 Early History of the Vaishanava Sect by Hemchandra Ray Chaudhuri. O. P.
492 Early Indian Culture by B. C. Law. 2-0
493 Early Samkhya. An essay on its Historical Development according to the texts by E. H. Johnson. 6-0
494 East and West in Religion by S. Radhakrishnan. 6-6
495 Eastern Bengal Ballads by R. B. Dineshchandra in 4 Vols. 27-0

496 Eastern Religions and Western Thought by S. Radhakrishnan. 9-0
497 East India Company and the Economy of Bengal from 1704-1740 by Prof. S. Bhattacharya. 21-0
498 East Katmandu by T. Weir. A Vivid and Colourful account of Nepal, her Mountains and Gorges, her Villages and Peoples. 21-8
499 Eclipse-cult in the Vedas, Bible and Koran. by Dr. R. Shamasastry. 1-0
500 Economic Fruit Growing in India by R. A. Munshi. 3-0
501 Economic History of Bengal by N. K. Sinha. Vol. I. 12-8
502 Economic History of India in the Victorian Age, from Accession of Queen Victoria to Commencement of Twentieth Century by R. Dutt. 18-12
503 Economic History of India under Early British Rule: from the Rise of the British Power in 1757 to Accession of Queen Victoria by R. Dutt. 18-12
504 Economic Life and Progress in Ancient India (Vol. I. Hindu Period) by N. Bandhyopadhaya. 4-0
505 Economic life in the Vijaya Nagar Empire by T. V. Mahalingam. 9-0
506 Economic Life of the Ancient World by Jules Toutain. 22-8
507 Economic Problems in Indian Agriculture by Mahesh Chand. 5-0
508 Economics of Protection in India by Prof. V. G. Kale. 1-4
509 Ectopic Pregnancy by K. M. Masani. 12-0
510 Edicts of Asoka (Priyadarsin) Text with English Translation by Maruti & Ayanger. 12-0
511 Educational Administration in the Province of Bombay by M. R. Paranjpe. 1-12
512 Educational Philosophy of Mahatma Gandhi by M. S. Patel. 5-8
513 Education, culture and the social order by K. G. Saiyidain. 7-8
514 Education in Ancient India by Dr. A. S. Altekar. 5-0
515 Education in India in the 20th Centuary by Prof. S. N. Mukerji. O. P.

516 Een Onbekend Indisch tooneelstuk (Gopalakelicandrika) Tekst Met Inleding Door W. Caland. 12-0
517 Egypt: Architecture, Sculpture, Painting by K. Lange and M. Hirmer. 224 plates, 20 Colour plates, 40 pages introduction, 64 pages notes with diagrams and maps. 50-0
518 Eight Upanishads with English translation. by Aurobindo. 3-0, 4-0
519 Elementar-Grammatik der Sanskrit-Sprache by J. Gonda. 10-0
520 Elementary English Indian Dictionary by Dr. Raghuvira. 4-12
521 Elements of Indian Logic by Dr. B. L. Atreya. 3-0
522 Elements of Yoga by Sri Aurobindo. 2-0
523 El Greco by L. Goldscheider. Revised edition of Paintings, Drawings and Sculptures. 208 plates, 13 Colour plates, 32 pages text. 42-0
524 Encyclopedia of Criminology. Edited by Branham & Kutash. 60-0
525 Encyclopedia of Hindu Architecture by Dr. P. K. Acharya. 42-0
526 Encyclopaedia of Indian Physical Culture: Fully Illustrated: Edited by D. C. Mujumdar. 40-0
527 Encyclopedia of Literature by J. T. Shipley. Vols. I & II. 75-0
528 Encyclopaedia of Religion and Religions by E. R. Pike. 22-8
529 Encyclopedia of Substitutes and Synthetics. Edited by M. R. Scholngold. 60-0
530 Encyclopedia of World History by W. L. Langer. (Ancient, Madieval & Modern, Chronologically arranged, Illustrated) 30-8
531 Enduring Art of Japan by Langdon Warner. 39-0
532 English Drawings at Windsor Castle by A. P. Oppe. Catalogue of Stuart and Georgian period drawings. 118 plates introduction, 68 text illustrations. 50-0
533 English Guide to Pali Manual by D. G. Koparkar. 1-0
534 English Idioms. Phrases, Proverbs, Allusion and Quotations with their Explanations for Indian Students. by M. Macmillan. 2 Parts. 4-8
535 English Literature and the Hebrew Renaissance by Maurice Farbridge. 18-0

536 English Notes & Translation of K. V. Sastrys Kalidasiya Natak Katha Manjari by C. S. Ram Sastri. 2-8
537 English Notes and Translation of R. V. Krishnamachariar's Kadambari Sangraha Purvabhaga (Pages 1 to 65) 2-8
538 English-Pali Dictionary. Compiled by the Ven. A. P. Buddhadatta Maha Thera. 45-0
539 English Religious Drama of the Middle Ages by Craig. 42-0
540 English-Tibetan Dictionary by Lala Dowsamdup Kazi. 12-0
541 Enternal Greece by Martin Hurlimann and Rex Warner. 90 Large photogravure plates. 36-12
542 Epics, Myths & Legends of India by P. Thomas. 19-0
543 Equities (Essays) by Lila Ray. 3-6
544 Erklarendes Worterbuch Zum Chinesischen Buddhismus Chinesisch-Sanskrit-Deutsch Von Heinrich Hackmann Nach Seinem Handschriftlichen Nachlass uberarbeitet Von Johannes Nobel in 6 Vols. 144-0
545 Esquisse d'une Historie de la Langue Sanscrite by J. Mansion. 16-0
546 Essays in Ancient and Modern Philosophy by H.W.B. Joseph. 17-1
547 Essays in Philosophy, Presented in Honour of Prof. A. R. Wadia. Edited by S. Radhakrishnan. 15-0
548 Essays on the Gita 1st and 2nd Series by Sri Aurobindo. 17-8
549 Essentials of Indian Philosophy by Hiriyanna. 6-6, 9-6
550 Etched Beads in India by M. G. Dikshit. 10-0
551 Ethics and the History of Philosophy by C. D. Broad. 17-4
552 Ethnography of Ancient India by Robert Shafer. With 2 maps. 40-0
553 Etymological Dictionary of the Vedic Language. Edited by V. B. Sastri. Fac. 1. 6-0
554 Etymologies of Yaska by S. Varma and Bhimdev. 25-0
555 European Ceramic Art : Illustrated Historical Survey by William Bowyer Honey. 60-0
556 European Travellers in India by J. T. Wheller and M. Macmillan. 5-0

557 Europe from 1914 to the present by Albjerg & Albjerg. 36–0

558 Europe Looks At India. A Study in Cultural Relations by Dr. Alex Aronson. 5–0

559 Every Body's Guide to Nature Cure by Harry Benjamin. 12–0

560 Everyday Astrology (Based on Indian and Western Systems) by V. A. K. Ayyer. 3–4

561 Everyday Gardening in India by E. Grindal. 4–14

562 Everyday Life in Ancient India by Padminisen Gupta. 5–0

563 Everyman's Dictionary of Shakespeare Quotations by Browing. 15–0

564 Evolution of Gita by Kumud Ranjan Ray. 5–0

565 Evolution of Hindu Administrative Institution in South India by S. K. Ayyngar. 6–12

566 Evolution of Hindu Moral Ideals by Sri P. S. Sivaswamy Aiyer. 2–8

567 Evolution of Indian Mysticism by K. S. Ram Swamy Sastri. O. P.

568 Evolution of Malayalam by A. C. Sekhar. 16–0

569 Evolution of Provincial Antonomy in India. 1858 to 1950 by P. N. Masaldan. 7–8

570 Evolution of Songs and Lives of Great Musicians by Sri. Pada Bandhyopadhyaya. 3–6

571 Evolution of the Rigvedic Pantheon by A. Kumari Devi. 1–0

572 Excavations at Bangarh by Sri K. Goswamy. 6–0

573 Excavations at Brahmpuri in Kolhapur by Sankalia and Dikshit. 30–0

574 Excavations at Mayurbhanj by Nirmal Kumar Bose. 7–0

575 Excavations at Nasik and Jorwe (Report on) 1950–51 by Sankalia and S. Bhalchandra Deo. 45–0

576 Existentialism: A Survey and Ancient Indian Thought by K. Guru Dutt. 2–13

577 Exorcism and the Art of healing in Ceylon by P. Wirz. 105–0

578 Exploration in Tibet by Swamy Pranabananda. 12–0

F

579 Fall of the Mughal Empire by J. N. Sarkar in 4 Vols. 40–0

580 Famous Women of India by John. J. Pool. 4–0

581 Far East in the Modern World by Franz H. Michael and George E. Taylor. 50–0

582 Feast of Unreason by Hector Hawton. 11–4

583 Feathers and Stone-(Jail Diary) 'My Study Window's by Dr. B. Pattabhi Sitaramyya. O. P.

584 Festschrift (Comm. Vol.) Prof. P. V. Kane. 20–0

585 Fictions in the Development of the Hindu Law Texts by C. S. Rama Sastry. 4–0

586 First Book of Sanskrit by R. G. Bhandarkar. 2–0

587 First Lessons in Sanskrit Prose and Verse by Nerurkar and Ranade. 0–8

588 First Principles of Theosophy by C. Jinarajadasa. 10–0, 12–0

589 Firoz-Shah Shamsi-Siraj. Translated by H. M. Elliot & Dowson. 4–0

590 Five Centuries of Religion by G. G. Coulton in 4 Vols.

591 Flood Legend in Sanskrit Literature by Dr. Suryakanta. 15–0

592 Flowering Trees and Shrubs in India by D. V. Cowen. 60 Colour Plates and 39 Sketches in Monochrome. 22–8

593 Folk Dance of India by Projesh Banerji. O. P.

594 Folk Dance of Maharashtra by Dr. A. J. Agrakar. 10–0

595 Folk Dance of South India by H. L. Spreen. O. P.

596 Folk Dances of South India by Hildegard L. Spreen with the assistance of R. Ramani. 6–8

597 Food and Health. An Introduction to the Science of Nutrition by Barbara Callow. 12–3

598 Forgotten Chapter in Indian Philosophy by Dr. P. M. Modi 6–0

599 Foundations of Indian Culture by Sri Aurobindo. 10–0

600 Foundations of Language by L. H. Gray. 54–14

601 Foundations of Living Faiths by Haridas Bhattacharya. 5–8

602 Foundations of the Atharvanic Religion by N. J. Shende. O. P.

603 Four Studies on the History of Central Asia by V. V. Barthold. Translated from the Russian by V. and T. Minorsky. 30–0

604 Fra Angelico by John Pope-Hennessy. Complete Work of the great Florentine painter. 108 plates, 3 Colour plates. 80 pages text, Catalogue raisonne.

605 Fragments from Dinnaga by H. N. Randle. 6-0

606 Freedom and Culture by John Dewey. 1-12

607 French Impressionists. 50 plates in full Colour of works by Manet, Monet, Sisley, Pissarro. Cezanne, Degas and Renoir. Introduction by Clive Bell. 25-0

608 French Language by Alfred Ewert. 26-4

609 French Painting. A new edition of this Standard work embodies the author's latest researches. With 12 colour plates and 194 in black and white. Colour Jacket by R. H. Wilenski. 35-0

610 French Paintings and Engravings of the xix th Century in Czechoslovakia by Vojtech Volavka. 45-0

611 From Loneliness to Fellow Ship. A Study in Psychology and Quakerism by W. Aarek. 2-10

612 Fruit Growing in India. 2nd Edition. 21-0

613 Fundamental Aspirations of Man according to Indian Thought by K. B. Aiyar. 1-4

614 Fundamental Unity of India by R. K. Mookerji. 1-12

615 Further Lights (The Ved & Tantra) by T. V. K. Sastry. 4-0

616 Further Milestones in Gujrati Literature by Jhaveri. 2-0

617 Future Role of Sanskrit by Louis Renou and Prof. C. K. Raja. 2nd Part. 1-8

G

618 Gaina-Sutras from the Prakrit Translated by H. Jacobi 2nd Part. 21-0

619 Gandhi. A Prophecy by B. R. Mallik. 3-12

620 Gandhi and Gandhism by Dr. P. Sitarammayya. 2 Vols. 6-0

621 Gandhian Constitution by S. N. Agrawal. 3-13

622 Gandhi is My Star by Shrimati Rameshwari Nehru. 10-0

623 Gandhism for Millions by Y. G. Krishnamurty. 3-0

624 Gandhism will Survive by Y. G. Krishnamurty. 3-0
625 Gandhi's Autobiography. Abridged. 2-0
626 Gandhi Tagore and Nehru by K. R. Kripalani. 2-0, 3-8
627 Ganesh: Monograph on the Elephant faced God by A. Getty. 40-10
628 Ganika-Vrtta-Sangraha or Texts on Courtezans in Classical Sanskrit. Compiled and Presented by Ludwik Sternbach. 20-0
629 Gardening in India by A. N. Bindal. 3-12
630 Garhwal Painting with an Introduction and Notes by W. G. Archer. 12-0
631 Garland of Letters (Studies in Mantra Shastra) by S. J. Woodroffe. 15-0
632 Gatakamala or Garland of Birth Stories by Aryasura. Translated from the Sanskrit by J. S. Speyer. 17-0
633 Gaudapada by T. M. P. Mahadevan. 15-12
634 Gaudapada Karika. Edited by R. D. Karmarkar (with a Complete Translation into English) 5-0
635 Gautam Buddha: The Incomparable Physician by S. L. Bhatia. 1-2
636 Gautama's Nyayasutras. English Translation by Ganganath Jha. 10-0
637 Gautama the Buddha by S. Radhakrishnan. 1-8
638 Gautam the Buddha (His Life & Teaching) by A. Kumari Devi. 1-0
639 Genetic History of the Problems of Philosophy by Murlidhar Banerjee. 3-8
640 Geographical Dictionary of Ancient and Mediavel India by N. L. Dey. O. P.
641 Geology and Mineral resources of India with reference to Gujarat and Bombay state by Dr. D. N. Wadia. 2-0
642 German-English and English-German Dictionary for Scientists. Edited by O. W. Leibiger and I. S. Leibiger. 85-0
643 German-English Technical Engineering Dictionary. Edited by L. De. Vries. 190-0

644 German Language by R. Priebsch and W. E. Collinson. 26–4

645 Ghatkarparkavya. Edited with English Translation & Notes by J. B.Chaudhary. 4–0

646 Ghaznivide, Ghor and Slave Dynastics Minhaju-S. Siraj by Elliot. 4–0

647 Ghaznivide, Ghor and Slave Dynastics Ufi, Hasan Nazami & I. Asir by H. M. Elliot. 4–0

648 Gherand Samhita by Sris Chandra Vasu. 2–0

649 Ghiberti by Ludwig Goldscheider. Complete sculptures. 141 plates, 44 text illustrations, also introduction, Ghiberti's autobiography, Vasari's Life of Ghiberti. 30–0

650 Giovanni Bellini by Sir Philip Hendy. Paintings and drawings. 120 monochrome plates and 5 reproductions in full colour, 36 pages text. 30–0

651 Gita As a Chaitanyte Reads it by T. Swami. 5–0

652 Gitagovinda of Jayadeva's–Translated from the Sanskrit by George Keyt. 5–8

653 Gita–Govind by Kanu Desai. Ten Pictures of A Mystic and Poetic Interpretation of Radha's Love for Krishna. 7–0

654 Gita Letters by Avinasananda. 4–0

655 Gitanjali by Rabindranath Tagore. 2–0

656 Gita Rahasya. English Translation. 2 Parts. 14–0

657 Gleanings from my Researches by Sir U. N. Brahmachari, Kt., Raibahadur. Pages 478 with Tables, Formulae and Plates in 2 Vols. 17–8

658 Glimpses of Mughal Architecture. Introduction with Historical Analysis by Sir Jadunath Sarkar, Text by S. K. Saraswati, Edited, Photographed and Surveyed by A. Goswami. 110–0

659 Glimpses of World History (from earliest times to the present day with 50 Maps) by J. F. Horrabin. 13–2

660 Glories of India on Indian Culture and Civilization. by P. K. Acharya. 15–0

661 Glossary of Logic or Terminology of Logic by Dr. Raghuvir. 1–0

662 Glossary of Sanskrit Terms in the Life Divine (With two appendices.) 1-4
663 Godavari Palaeolithic Industry by H. D. Sankalia 12-0
664 Gods of Northern Buddhism. Their History, Iconography and Progressive Evolution through the Northern Buddhist Countries by Alice Getty. With a General Introduction on Buddhism, translated from the French of J. Deniker. Pp. 272, with 8 Coloured plates. a key-plate in Colour, and 60 half-tone plates. 105-0
665 Goethe. The Scholar by Dr. W. Graefe. 1-2
666 Goethe : The Story of a Man by Ludwig Lewisohn. 50-0
667 Goethe and Modern Age. Edited by A. Bergstraesser. 25-0
668 Gokhale. My Political Guru by M. K. Gandhi. 2-0
669 Golden Age of Indian Art. vth-xiiith Century by P. Rambach and V. de Golish. 31-0
670 Goods and Bads (Outlines of A Philosophy of Life) by A. G. Widgery. 3-0
671 Gopatha Brahman. Ed. by D. Gaastra. 20-0
672 Gospel of Advaita by Duncan Greenlees. 7-0
673 Gospel of Guru-Granth Sahib by Duncan Greenlees. 6-8
674 Gospel of Life Vol. I. An Introduction to the Study of the Bhagavadgita and the Upanishads by F. T. Brooks. 1-0
675 Gospel of Narada by Duncan Greenlees. 5-8
676 Gospel of Zarathushtra by Duncan Greenlees. 7-8
677 Gotama Buddha by K. J. Saunders. 1-4
678 Gotam the Man by C. A. F. Rhys Davids. 6-0
679 Graha and Bhava Balas by B. V. Raman. 3-12
680 Grammaire Sanskrite Elementaire by L. Renou. 20-0
681 Grammar of Philosophy by David Graham. 10-0
682 Grammar of Prakrit Language by Dineshchandra Sarkar. 2-8
683 Grammar of Sanskrit Language by Dr. F. Kielhorn. 4-8
684 Grammar of the Braj Bhakha by Mirza Khan. 4-8
685 Grammar of the Hindi Language by S. H. Kellogg. 23-10

686 Grammar of the Hindustani Language in the Oriental and Roman Character with numerous Copper-Plate Illustrations of the Persian and Devanagari Systems of Alphabetic writing to which is added, A Copious selection of Easy Extracts For Reading in the Persi-Arabic and Devanagari characters, Forming a Complete Introduction to the tota-kahani and Bagho-Bahar together with A Vocabulary of all the words and various Explanatory Notes by Duncan Forbes. 40-0

687 Grammar of the Tibetan Language by H. Bruce Hannah. 7-8

688 Grammatical Dictionary of Sanskrit (Vedic) 1-Phonetics by Dr. S. K. Sastri. 50-0

689 Grammatical Structure of Dravidian Languages by Juli Bloch (Authorised English translation from the Original French) by R. G. Harshe. 6-0

690 Great English-Indian Dictionary Vols. 1 & 4 by Dr. Raghuvira. 30-0

691 Great Indians by S. Radhakrishnan. 2-12

692 Great Liberation (Maha Nirvana Tantra) Text, translation & Commentary by S. J. Woodroffe. 30-0

693 Greatness of Shiva (Mahimna Stava of Pushpadanta) Text, translation & Commentary by S. J. Woodroffe. 3-0

694 Great Philosophers by Thomas & Thomas. 1-12

695 Great Systems of Yoga by E. Wood. 12-8

696 Great Tradition in English Literature from Shakespeare to Shaw by Dr. Annette T. Rubinstein. 35-0

697 Greek-English Lexicon of the New Testament, being Grimm's Wilke's clavis Novi Testamenti. Translated, Revised and Enlarged by Prof. Joseph Henry Thayer. 4th edition. 50-0

698 Greek Language by B. F. C. Atkinson. 2nd Revised Edition. 26-4

699 Greek Political Theory by E. Barker. 18-12

700 Greek Sculptors at work with Sixty-Eight Illustrations by Care Bluemel. 25-0

701 Greek Thinkers: History of Ancient Philosophy by T. Gompersz. 4 Vols. 68–4
702 Grihya-Sutras. English translation by H. Oldenberg. Ed. by M. Muller. 2nd Part. 18–0
703 G. S. Ghurye (Prof.) Felicitatior Volume. Edited by Dr. K. M. Kapadia. 18–0
704 Guide for Travellers in India (with Large Coloured Map) by S. Reuben. In the Press.
705 Guide to Abhigyanshakuntala in Questions and Answers by Gore and Rahurkar. 1–8
706 Guide to the Communal Problem in India by A. N. Sinha. 5–0
707 Gujrat and Its Literature from early times to 1852 by K. M. Munshi. 6–0
708 Gujrati Language & Literature by Divatia. 1–0
709 Gupta Art by Dr. V. S. Agrawal. 5–0
710 Gupta Empire by D. R. Mukerji. 10–8
711 Gupta Polity by. V. R. R. Dikshitar. 16–0
712 Gurudev Tagore. Edited by R. Narsimhan. 3–0

H

713 Hadis-I Halila or Confutation of Atheism. Translated by V. M. Chhaganbhai Momin. 0–14
714 Hamsasandesa with English translation. 2–2
715 Hand Book for Travellers in India and Pakistan, Burma and Ceylon including the Portuguese and French possessions, and the Indian States, with numerous Maps and Plans. New and Revised 16th Edition. Edited by Colonel Sir Gordon Hearn. 37–8
716 Hand Book of Ayurvedic Matria Medica by H. V. Savnur. 8–0
717 Hand Book of Physiology and Biochemistry (Formerly Kirke's and Later Halliburton's) 28–2
718 Hand Bood of S. P. S. Museum, Srinagar by R. C. Kak. 6–6
719 Harbilas Sarda Commemoration Volume. 6–0
720 Haridas Sahitya: The Karnatak Mystics and their Songs by B. T. Acharya. 1–0

721 Harshcharita 5th Ucchvasa with an English translation by C. S. Rama Sastry. 1-4

722 Hasta Samudrik Shastra (The Science of Indian Palmistry by K. C. Sen. 6-14

723 Hathi-Gumpha Inscription of the Emperor Khara-Vela. (173 B. C.-160 B. C.) by Jayaswal. 6-0

724 Hathyogapradipika of Svatmarama, translated by Iyengar. 2-0

725 Hathayogapradipika with English translation by P. Singh. O. P.

726 Hastinapura (The Glory of Ancient India) by Amarchand. 2-4

727 Hayagriva the Mantrayanik aspect-of horse-cult in China and Japan. by R. H. Van Gulik. 30-0

728 Health in the Tropics by Irani. 4-8

729 Heart of Buddhism by K. J. Saunders. 2-0

730 Heart of Rama. 1-0

731 Heavens and the Universe by M. V. Rama Krishnan. 5-4

732 Heritage of Asia by Dr. K. Saunders. 2-8

733 Heritage of India by Max Muller. 3-0

734 Heroic Age of India by N. K. Sidhanta. 18-0

735 Heroines of the plays of Kalidasa by S. Ramchandra. 1-2

736 High and Low Blood Pressure by J. C. Thomson. 3-12

737 High School Students in Poona by I. P. Desai. 10-0

738 Highways and Byways of Literary criticism in Sanskrit by M. M. Kuppuswamy Sastri. 2-4

739 Himalayas-Abode of Light by Prof. Nicholas Roerich. 15-0

740 Himalayas of the Soul (translation from the Sanskrit of the Principal Upanishads) by Mascaro. Preface by S. Radhakrishnan. 3-2

741 Himavat Diary Leaves by Nicholas Roerich. 4-8

742 Hindi-English Dictionary of Technical Terms by Dr. Raghuvir. O. P.

743 Hindu America. Depicting the Imprints of Hindu Culture on the two Americans by Chaman Lal. 3-0

744 Hindu Architecture in India and Abroad by Dr. P. K. Acharya. 37-0

745 Hindu Conception of the Deity, as culminating in Ramanuja by B. Kumarappa. With a foreword by Dr. Barnett. 12–0
746 Hindu Culture by K. Guru Dutt. 6–12, 8–8
747 Hindu Culture in Greater India by Sadananda. 2–8
748 Hindu Dharma by M. K. Gandhi. 4–0
749 Hindu Ethics by Chandavarkar. 1–8
750 Hinduism and Buddhism: An Historical Sketch by Sir. Elliot. 3 Vols. 75–0
751 Hinduism by Monier Williams. 3–0
752 Hinduism by Annie Besant. 0–12
753 Hinduism–Doctrine and Way of Life by G. Raja Gopala Chari. 3–0
754 Hindu Kinship (An Important Chapter in Hindu Social History) by Dr. K. M. Kapadia. O. P.
755 Hindu Law in its Sources by Dr. Ganga Nath Jha. Vol. II. 12–0
756 Hindu Law of Evidence by Amareswar Thakur. 5–0
757 Hindu Magic by P. C. Sarkar. 2–0, 4–0
758 Hindu–Manners, Customs and Ceremonies by J. A. Dubois translated and edited with Notes by H. K. Beauchamp. 17–1
759 Hindu Marriage and Divorce Bill. (A critical Study) by Dr. Kapadia. 0–12
760 Hindu Medicine by Gannath Sen. 1–4
761 Hindu Medicine by Henry R. Zimmer. 20–0
762 Hindu Monism and Pluralism by M. H. Harrison. 4–0
763 Hindu Philosophy (Nature of Consciousness in) by S. K Saxena. 7–8
764 Hindu–Philosophy by Dhirendra Nath Paul. 3–0
765 Hindu Polity by Dr. K. P. Jayaswal. 10–0
766 Hindu Predictive Astrology by B. V. Raman. 9–0
767 Hindu Psychology by Swami Akhilananda. 12–0
768 Hindu Realism of the Nyaya Vaisheshika System of Hindu Philosophy. 3–0
769 Hindu Religion and Hindu Customs by C. K. Raja. 0–8
770 Hindu Religion, Customs and Manners by P. Thomas. 252 Illustrations. 25–0

771 Hindu Samskaras (A Socio-Religious Study of the Hindu Sacraments) by Dr. R. B. Pandey. 25-0
772 Hindu Social Organization by P. Prabhu. New revised edition. 20-0
773 Hindu Temple by Stelle Kramrich. Photographs by Ramond Burmier. 2 Vols. 90-0
774 Hindu View of Life by S. Radhakrishhan. 5-10
775 Hiouen-Thsang in India by Barthelemy Saint-Hilaire. 3-0
776 Hiriyanna Memorial Number. Edited by Dr. H. L. Hariyappa. 12-0
777 Historians of Sind by Elliot & Dowson. 3 Vols. 12-0
778 Historical Architecture by Hugh Braun. 60-0
779 Historical Geography of Ancient India by B. C. Law. 20-0
780 Historical Grammar ot Apabhrams by. G. V. Tagare. 21-0
781 Historical Grammar of Inscriptional Prakrits by M. A. Mehendale. 21-0
782 Historical Grammar of old Kannada (basede ntirely on the Kannada Inscriptions of the 8th, 9th and 10th. Centuries A. D.) by.G. S. Gai. 15-0
783 Historical Inscriptions of South India by Robert Sewell. 11-0
784 Historical Linguistics in Indo—Aryan by Katre. 2-4
785 Historical Records of Baroda by Rai Bahadur B. A. Gupta. 7-8
786 History and Doctrines of the Ajivikas, a Vanished Indian religion by A. L. Basham, with a Foreword by L. D. Barnett. 8 plates, 2 maps, index and bibliography. 40-0
787 History and Historeography (Problem of) by V. Joshi. 3-13
788 History and Literature of Buddhism by. T.W. Rhys Davids. 4-0
789 History of Americas by Bannon. Vol. I. The Colonial Americas & Vol. II. The American Nations. 65-0
790 History of Aryan Rule in India by. E. B. Haveli. 10-0
791 History of Aesthetics by Bernard Bosanquet. 21-0
792 History of Bengali Language and Literature by Dines Chandra Sen. 20-0
793 History of British Common Wealth by Muir (only Vol. 11) 24-6

794 History of Buddhist Thought by. E. J. Thomas. 22–8
795 History of Dharma Sastra by Dr. P. V. Kane in 4 Vols. 105–0
796 History of Early Medieval Europe 476–911 by Margaret Deanesly. 25–0
797 History of Education in India. Part. 1 (Aryan Period) by Bokil. 2–0
798 History of Education in India by J. P. Naik. 14–0
799 History of Education in India. During the British Period by Nurullah & Naik. 14–0
800 History of English Language by A. C. Bough. 22–8
801 History of English Literature by Legouis and Cazamian. 18–4
802 History of Europe in the Nineteenth Century by Benedetto Croce. 13–8
803 History of Fine Art in India and Ceylon. By Vincent A. Smith. Second Edition. Revised by K. de B. Codrington. Pp. 254, with 5 plates in Colour, 161 in half-tone, and 14 text-figures. 63–0
804 History of Fireworks in India. Between A. D. 1400 and 1900 by Prof. P. K. Gode. 1–11
805 History of Ghazni by Elliot & Dowson. 2 Vols. 10–0
806 History of Grammatical Theories in Tamil by Dr. P. S. Subrahmanya Sastri. 8–0
807 History of Hindi Literature by F. E. Keay. 2–0
808 History of India by Powell-Price. 35–0
809 History of India as told by its own Historians by Elliot & Dowson. Vols. I to XXXI. 129–0
810 History of Indian Literature by M. Winternitz. Vol. II 12–0
811 History of Indian Medicine by G. Mukherji. Vol. II & III O. P.
812 History of Indian Philosophy by Das Gupta in 5 Vols. 235–10
813 History of Indian Philosophy by Dr. Umesha Mishra. Vol. 1. 35–0
814 History of Medicine. Vol. I. by H. E. Sigerist. 62–8
815 History of Mithila (circa 3000 B. C.–1556 A. D.) by Upendra Thakur. 17–8

816 History of Maithili Literature by Dr. Jayakanta Mishra. 2 Vols. 22–8
817 History of Modern Europe 1878–1919 by G. P. Gooch. 12–8
818 History of Modern Marathi Literature by Bhate. 8–0
819 History of Modern Philosophy : A Sketch of the History of Philosophy : From the close of the Renaissance to our own day. Vols. I & II. by Dr. H. Hoggding. 75–0
820 History of Philosophy : by Frank Thilly. 33–12
821 History of Philosophy by Thilly. Indian Ed. 16–0
822 History of Philosophy. Eastern and Western. Edited by S. Radhakrishnan. 48–12
823 History of Religions by Prof. George F. Moore. 2 Vols. 40–0
824 History of Russian Philosophy by Zenkovesky. 2 Vols. 63–0
825 History of Sanskrit Literature by A. B. Keith. 22–8
826 History of Sanskrit Literature by A. Kumari Devi 3–0
827 History of Sanskrit Literature by Vardachari 5–0
828 History of Sanskrit Literature (Classical Period) Vol. I. by S. N. Dasgupta & S. K. De. O. P.
829 History of Sanskrit Literature (Prose, Poetry and Drama) by S. K. De. 10–0
830 History of Sanskrit Literature (Notes on) by S. Roy. 1–8
831 History of Sanskrit Poetics. Revised Edition by P. V. Kane 10–0
832 History of Scientific Thought with Special Reference to Asia by Dr. H. J. J. Winter. 1–2
833 History of South-East Asia by D. G. E. Hall. Provides not only the necessary background for an understanding of South East Asia's Strategic and economic importance in World affairs, but also a Sound introduction to South East Asian history for the non-specialist reader as well as the student. 40–0
834 History of South India by K. A. Nilakanta Sastri. 12–0
835 History of Sri Vaishnavas by R. Gopinath Rao. O. P.
836 History of Sri Vijaya by K. A. Nilkantha Sastri. 11–0
837 History of the British Constitution (600 A. D. to 1935 A. D.) by T. K. Shahani. 7–8

838 History of the Candellas of Jejakabhukti by N. S. Bose. 10–12
839 History of the Deccan. Vol I. Part VIII (Fine Arts) by G. Yazdani. 15–0
840 History of the Deccan by J. D. B. Gribble. in 2 Vols. with Portraits, Maps, Plates and Illustrations. 45–0
841 History of the Indian National Congress by B. Pattabhi Sitaramayya Vol. I. (1885–1935) 15–0
Vol. II (1935–1947) 25–0
842 History of the Nayaks of Madura by R. Sathyanatha Aiyar. 9–0
843 History of the Political Thought by R. G. Gettell 22–8
844 History of the Political Philosophers by. G. Catlin. 22–8
845 History of the Sikhs. Edited by H. L. O. Garret. 15–0
846 Hitopadesha. Edited by P. Peterson. 1–10
847 Hokusai by F. Hiller. First comprehensive publication in England on the Great Japanese Master. 116 plates. 18 colour plates. 42–0
848 Holbein by Paul Ganz. Complete edition of the paintings. 220 plates. 13 Colour plates. 60 text illustrations, introduction and Catalogue raisonne. 42–0
849 Holy Abu by Muni Shri Jayanta Vijayaji. 10–0
850 Holy Lake of the Acts of Rama (English translation of Tulsidas's Ram Charitamanasa) by Hill. 15–0
851 Hora Sara by Prithuyasas (Son of Varahmihira) with English translation by V. S. Sastri. 5–0
852 Horoscope Determinism by S. A. Kalyan. 3–0
853 How to Judge a Horoscope in 2 parts. 10–8
854 How to read Hands by Mir Bashir. Illustrated. 7–8
855 How to speak better English by Narman Lewis. 7–8
856 How to Write Better Business Letters by Earle A. Buckley. 24–0
857 Human Life and Beyond by S. C. Chakrabarti. 4–0
858 Hunter's Sketches by Ivan Turgenev. 5–8
859 Hymns from the Rigveda. Selected and Metrically translated by Macdonell. 1–4
860 Hymns of the Atharva–Veda by M. Bloomfield. O. P.
861 Hymns of Atharva Veda. Translated by Griffith. 2 Vols 30–0

862 Hymns of Samveda. Translated by Griffith. 15–0
863 Hymns of the Rigaveda by Charlotte Manning. 3–0
864 Hymns to the Goddess by S. J. Woodroffe. 6–0
865 Hymns to the Mystic Fire by Sri Aurobindo. 15–0

I

866 Idealistic thought of India by P. T. Raju. 31–8
867 Idea of God by Dr. K. C. Varadachari 3–8
868 Ideal of Human Unity by Sri Aurobindo. 7–0
869 Idea of Personality by P. N. Srinivasachari. 2–12
870 Idea of the Holy by R. Otto. Translated by J. W. Harvey. 17–4
871 Idealist View of Life by S. Radhakrishnan 11–4
872 Immortality and other essays by A. G. Widgery. 2–0
873 Imperial Gurjaras (A. D. 500 to 1300) Edited by K. M. Munshi O. P.
874 Important Utterances on Indian State's Problems. 1–0
875 Index to Papers. All India Oriental Conference (1919–1944) Compiled by K. V. V. Sarma. 13–8
876 In Defence of Mimansa (The Essence of Hinduism) by C. K. Raja. 2–0
877 Index to the Annals, compiled by G. N. Shrigondekar Vols. I–XXXIII. two parts. 7–8
878 India. At a Glance. A Comprehensive reference book on India by Binani & Rao. 40–0
879 India by Richard Lannoy. 188 Photogravure Plates, Six in Colour, Introductory Essay and Notes. 34–2
880 India Antiqua. A Volume of Oriental studies presented by his friends and pupils to Jean Philippe Vogee. 80–0
881 India: New Pattern by Lady Hartog. 9–6
882 India–The Historical Record of the Imperial Visit to–in 1911. Compiled from the official Records under the order of the Viceroy and Governor–General of India with Coloured and other Illustrations. Coloured Chapter Heading and Texts in Persian and Sanskrit. ...
883 India: Vedic and Post–Vedic by J. T. Wheeler. 3–0
884 India and China by Dr. S. Radhakrishnan. 3–12

885 India and China. A thousand Years of cultural relations by Prabodh Chandra Bagchi. 6–12
886 India and New Order by Sris Chandra Chatterjee with 13 Plates. 10–0
887 India and the Middle East by Dr. Kali Das Nag. 3–0
888 India as Known to Panini by Dr. V. S. Agrawal. 50–0
889 India in Kalidas by B. Upadhyaya. 25–0
890 India in the 17th Century by J. N. Dasgupta. O. P.
891 India in the Vedic Age. Being A History of Aryan Expansion in India by P. L. Bhargava. 22–8
892 India Divided by Dr. Rajendra Prasad. 10–8
893 India on the Eve of the British Conquest by S. Owen. 6–8
894 India Past and Present. 3–8
895 India That is India by E. Sharpe. 3–0
896 India through the Ages by J. N. Sarkar. 2–8
897 Indian Administration (A Text Book of) by Prof. L. G. Khedekar. 5–0
898 Indian Administration by G. N. Joshi. 4–8
899 INDIAN AESTHETICS by Dr. K. C. Pandey. In the Press
900 Indian Aesthetics by K. S. Rama Swamy. 2–0
901 Indian Architecture (Vol. I. Hindu and Buddhist Period) by Percy Brown. 163 Plates. 25–0
902 Indian Architecture (Vol. II. Islamic Period) by Percy Brown. 100 Plates. 19–12
903 Indian Architecture by Gangoly. O. P.
904 Indian Arms for Victory by G. W. Tyson. 5–4
905 Indian Art through the ages. With 37 Colour plates 12–8
906 Indian Cameralism by Prof. K. V. Srinivasachari. 12–0
907 Indian Cavalcade by B. Bhattacharya. 6–12
908 Indian Civilization and Its Antiquity by Mookerji. 1–4, 2–0
909 Indian Contribution to English Literature by K. R. S. Iyengar. 7–0
910 Indian Costume (Illustrated) by Dr. G. S. Ghurye. 52–8
911 Indian Culture by Hirendranath Datta. 1–8

912 Indian Dancing by Ram Gopal & S. Dadachanji. 12-0

913 Indian Economics by Prof. V. G. Kale. 12-0

914 Indian Economics. A comprehensive and Critical Survey by Jathar & Beri. 2 Vols. 18-0

915 Indian Education in Ancient and Later Times. by F. E. Keay. 5-8

916 Indian Epigraphy and South Indian Scripts by C. Sivaramamurti. O. P.

917 Indian Finance in the days of the Company by Dr. P. N. Banerjee. 10-0

918 Indian Heritage by Dr. V. Raghvan. 13-0

919 Indian History Congress (Proceedings of) Third Edition. 10-0

920 Indian Ideals in Education. Philosophy, Religion and Art by Annie Besant. 1-8

921 Indianism and Its Expansion by F. W. Thomas. 1-8

922 Indian Liberalism-A study by Prof. V. N. Naika. 5-8

923 Indian Literature Abroad (China) by P. K. Mukherjee. O. P.

924 Indian Literature of to-day. A Symposium. Edited by Bharatan Kumarappa. 5-0

925 Indian Medicine by Dr. J. Jolly. Translated with notes by C. G. Kashikar. 15-0

926 Indian Medicinal Plants by Kirtikar & Basu. Complete in 4 Big Vols. 125-0

927 Indian Materia Medica by Nadkarni. 2 Vols. 60-0

928 Indian Music (An Introduction) by D. P. Mukerji. 5-0

929 Indian Paintings under the Mughals A. D. 1550 to A. D. 1750 by P. Brown. Pp. 204, with 4 plates in Colour, 68 in half-tone. 105-0

930 Indian Philosophical Congress. Silver Jubilee. Vol. Parts I & II. 30-0

931 Indian Palaeography by Dr. R. B. Pandey. Throughly Revised Edition. In the Press

932 Indian Philosophy by Dr. C. D. Sharma. 12-8

933 Indian Philosophy by Dr. S. N. Dasgupta in 5 Vols. 235-10

934 Indian Philosophy. 2 Vols. by. S. Radha Krishnan. 40-0

935 Indian Philosophy (Six different Systems of Indian Philosophy) by Max Muller in 4 Vols. 16-0
936 Indian Realism by J. Sinha. 11-4
937 Indian Sadhus by G. S. Ghurye. 15-8
938 Indian Scientific Nomenclature of the Mammals of India, Burma and Ceylon by Dr. Raghuvir. 10-0
939 Indian State's Commitee Report and Public Opinion there on. 1-0
940 Indian Sculpture in Bronze and Stone. With an introduction by G. Tucci. 35-0
941 Indian Tales by E. Sharpe. 12-8
942 Indian Temples by O. M. Burhl. 15-0
943 Indian Theatre by Dr. C. B. Gupta. 10-0
944 Indian Theatre by Mulkraja Anand. 5-10
945 Indian Thought and its Development by Albert Schweitzer. 11-4
946 Indian Village by Dube. 20-0
947 Indian Writers of English Verses by L. Basu. 2-0
948 Indian Womenhood Today by Margrot E. Cousins. 3-12
949 Indian Working Class by Dr. Radhakamal Mukerji 12-8
950 India's Culture Role in the World by C. K. Raja. 0-12
951 Indo-Aryan and Hindi by Dr. Suniti Kumar Chatterji. O. P.
952 Indo-Aryan Thought and Culture by P. S. Shilotri. 3-0
953 Indo Iranian Frontier Languages by George Morganstierne. 3 Parts. 155-0
954 Indo-Iranian Studies by Dr. J. C. Tavadia. only Part I. 5-0
955 Indological Studies by B. C. Law. 3 Vols. 30-0
956 Indonesian Society in transition by F. W. Wertheim. 37-8
957 Indus Civilization by M. Wheeler. 18-5
958 Influence of Indian Thought on French Literature by Prof. Louis Renan. 2-0
959 Influence of Portuguese Vocables in Asiatic Languages by A. X. Soares. 12-0
960 In Place of Fear by Aneurin Bevan. 3-12
961 Inscriptions of Kambuja by R. C. Majumdar. 60-0
962 Inspired Writings of Hinduism by Theodore Goldstucker. 4-0

963 Intermediate Sanskrit Selections. No. 1. by R. R. Deshpande. 2-8
964 Intermediate Sanskrit Selections (Prescribed by the Bombay University for 1946-47) Edited by J. M. Ashar. 4-0
965 Intermediate Sanskrit Selections (Prescribed by the Bombay University for 1954-56) Edited by J. M. Ashar. 4-0
966 Intermidiate Sanskrit Selections No. 1. Edited by J. M. Ashar. 4-0
967 International Politics by Schuman. 30-0
968 Introducing India by Bagchi and Griffith in 2 Parts. Illustrated. 11-0
969 Introduction and History of Saiva Siddhanta by Pillai. 3-4
970 Introduction to Ancient Philosophy by A. H. Armstrong 3rd. Edition. 19-6
971 Introduction to Archaeology by S. K. Dikshit. 25-0
972 Introduction to Buddhist Esoterism by B. Bhattacharya. 11-0
973 Introduction to Comparative Philology by Dr. P. D. Gune. In the Press.
974 Introduction to Edicts of Asoka (Priyadarsin) by K. V. Ranga Swami Aiyangar. 0-8
975 Introduction to Indian Philosophy by Dutta & Chatterjee. 6-8
976 Introduction to Indian Textual Criticism by S. M. Katre. 6-0
977 Introduction to Kashmir by M. B. Pithawala. 6-0
978 Introduction to Logic (Inductive & Deductive) by K. V. Belsare. 6-0
979 Introduction to Mathematical Philosophy by Bertrand Rusell. 12-0
980 Introduction to Mimansa Sutras of Jaimini by M. L. Sandal. 4-8
981 Introduction to Parapsychology by Dr. B. L. Atreya. 4-8
982 Introduction to Pancaratra by Schroeder. 10-0
983 Introduction to Philosophy of Religion by John Caird. 13-8
984 Introduction to Plant Physiology by W.O. James. In Preparation.
985 Introduction to Public Administration by White 28-12
986 Introduction to Telugu Grammar by A. Master. 5-0

987 Introduction to the Devanagari Script (for Student of Sanskrit and Hindi) by Hester M. Lambert. 12–8

988 Introduction to the Devanagari Script for Students of Sanskrit, Hindi, Marathi, Gujrati and Bengali by H. M. Lambert 28–0

989 Introduction to the French Poets. Villon to the present day by Geoffrey Brerrton. 25–0

990 Introduction to the History of Religions by Crawford Howell Toy. 25–0

991 Introduction to the Literature of the old Testament by Prof. S. R. Driver. Ninth edition thoroughly revised. 21–0

992 Introduction to the Literature of the New Testament. Third edition by Prof. James Moffatt. 21–0

993 Introduction to the Philosophy of Sri Aurobindo by Dr. S. K. Maitra 1–8

994 Introduction to the Science of Economics with Special reference to India by Sen. 5–8

995 Introduction to Science of Politics with special reference to India by Ghose. 7–0

996 Introduction to the Study of Indian Economics by Dr. P. N. Banerjee 3–8

997 Introduction to the Study of Mricchakatika by Devasthali. 3–12

998 Introduction to the Study of Mudra Raksasa by Dr. G. V. Devasthali. 3–4

999 Introduction to the Study of the Hindu Doctrines by R. Guenon. Translated by Marco Pallis. 12–0

1000 Introduction to Tantra Shastra (A key to the fuller understanding of all Tantrik Literature) by S. J. Woodroffe. 5–0

1001 Introduction to Tantric Buddhism by Sasibhushan Dasgupta. O.P.

1002 Introduction to the Theory of Elliptic functions and Higher Transcentals by Dr. Ganesh Prasad. 3–12

1003 Introduction to Yoga Philosophy by Srishcandra Basu. 1–8

1004 Introduction to Yoga Philosophy. Text with Eng. Trans. by S. C. Basu. O. P.

1005 Ireland : Its Physical, Historical, Social and Economic Geography. 37-8

1006 Isa, Kena, Katha, Prasna, Mundaka and Manduka Upanisads with Madhava's Commentary. Translated into English with Text by Srishchandra Basu. 7-8

1007 Isa, Kena, Katha, Prasna, Mundaka, Mandukya, Taittiriya and Aitereya Upanishads, text with trans. by S. Sharvananda. 8-12

1008 Isa Upanishad. Text and Translation by Sri Aurobindo. 2-8

1009 Isopanisad. Text Commentary & Translation by S. J. Woodroffe. 3-0

1010 Is this Peace by Dr. Radhakrisnan. 1-8

1011 Isvargita, Le chant de Siva, Texte Extrait de Kurmapuran by P. E. Dumont. 15-0

1012 Italian Gothic Sculpture by John Pope-Hennessy. First of three Volumes on Italian Sculpture. 108 plates, 101 text illustrations, 80 pages text. 42-0

1013 Italian Painters of the Renaissance by Bernard Berenson. A standard work in the history of art. 400 illustrations, 17 colour plates. 200 pages text. 30-0

1014 Italy by Martin Hurlimann. 231 photogravure plates, 7 colour plates. 43-12

1015 Iti-Vuttaka. Pali text (Romanized) Edited by Ernest Windisch. 10-0

J

1016 Jain Miniature Paintings from Western India by Dr. Moti Chandra. 262 Pictures. 155-0

1017 Jain Tirthas in India and their Architecture. Compiled by Sarabhai M. Nawab. 32-0

1018 Jaiminisutras. English Translation by B. S. Rao. 6-0

1019 Jaiminisutras with English Translation by S. K. Kar. Adhyayas. III & IV. 6-0

1020 Jainism (The oldest Living Religion) by J. P. Jain. 1-8

1021 Jainism in Indian History by Dr. Bool Chand. 0-6

1022 Jainism in Kalingadesa by Dr. Bool Chand. O. P.
1023 Jambhaladatta's Version of the Vetalapancavinsati by Murray B. Emenean. 22–8
1024 Japanese Masters of the Colour Print by F. Hillier. 37–8
1025 Jatak or Stories of the Buddha's former Births. Translated under the editorship of E. B. Cowell, 7 Vols, bound in 3, Cloth. 130–0
1026 Jatakadesamarga with English Translation. 4–8
1027 Jatakalankar with English Translation. 1–8
1028 Jatakamala or Garland of Birth-Stories by Arya Sura. Trans. from the Sanskrit by J. S. Speyer. 17–0
1029 Jataka-Mala (Stories of Buddha's former incarnations by Arya-Cura. Edited in Sanskrit (Nagari letters) by H. Kern. 30–0
1030 Jatak Parijata. Eng. Tr. 2 Vols. by V. S. Sastry. 13–0
1031 Jatak Tattva with English Translation. 4–12
1032 Jawahar Lal Nehru. A Descriptive Bibliography by J. S. Sharma. 25–0
1033 Jewel of Hindi Literature by Prof. S. N. Sharma. 4–8
1034 Jha Commemoration Volume. (Dr. Ganganath Jha) 20–0
1035 Jinaratnakosa (Catalouge Cataloguram for Jain Literature) edited by Velankar. 12–8
1036 Jivanmukti Viveka with English Translation by Sastri & Aiyangar. 4–0
1037 Jnana Yoga by Swami Vivekananda. 3–0
1038 Journal of Delacroix. Edited by Hubert Wellington, translated by Lucy Norton. 480 pages text, 80 illustrations. 21–0
1039 Journal of the Indian Society of Oriental Art. Vol. XV. 1947. A. K. Coomara Swamy Commemoration Volume (Second hand copy Rare) 30–0
1040 Judicial System of the Marathas by V. T. Gune. 20–0
1041 Juristic Personality of the Hindu Deities by Dr. S.C. Bagchi. 1–0
1042 Justice in Texation in India with Special Reference to British Gujarat by D. T. Lokdawala. O. P.
1043 Juvenile Delinquency and Destitutioni n Poona by G. N. Ruttonsha. 8–0

K

1044 Kabir and His Followers by G. E. Keay. 3–0
1045 Kabir and the Kabir Pantha by G. H. Westcott. 5–0
1046 Kabir. Translated from original Hindi into English by S. H. Jhabvala. 3–0
1047 Kadambari (Pages 124–175 Mahashwetavrittanta) critically edited with Introduction, Translation, Notes & Appendices by Karnik & Gangala. 2–12
1048 Kadambari Kathamukha Text, trans. and Notes by Vaidya. 5–0
1049 Kadambari (Peterson's edition, pp. 76 to 124) with English translation and notes by R. D. Karmarkar. 2–4
1050 Kadambari (Peterson's edition, pages 124 to 175) with Eng. Trans. and Notes by Karmarkar. 1–12
1051 Kadambari (pp. 75–125) with English Translation by J. M. Ashar. 2–8
1052 Kadambari–Kadambari–Vṛttanta with Eng. Trans. 3–0
1053 Kadambari Mahasvetavrittanta with Eng. Translation. 4–0
1054 Kadambari (Purvabhaga. pp. 76–124 of Peterson's Edition) by Nerurkar & Devasthali. 2–0
1055 Kadmbari upto the birth of Chandrapeeda Katha with Eng. Trans. in 2 Parts. 5–8
1056 Kalhana: Poet-Historian of Kashmir by Somnath Dhar. 1–11
1057 Kalidas by Sri Aurobindo. 1–0
1058 Kalidas by K. S. Ramswamy. 2 Parts. 4–0
1059 Kalidas–A Study by Prof. G. C. Jhala. 4–4
1060 Kalidas: National Poet of India by Dr. S. S. Bhave. 1–0
1061 Kambuja Desa by R. C. Majumdar. O. P.
1062 Kamakalavilas (Text, Commentary & Trans.) by S. J. Woodroffe. 6–0
1063 Kamsutra of Vatsayana (The Hindu Art of Love) Translated by T. K. Dutt. 7–0
1064 Kanarese Literature by E. P. Rice. 1–4, 2–0
1065 Karma Yoga by Swami Vivekananda. 1–4
1066 Karnatak Darshan : Volume Presented to Shri R. R. Diwakar on his Sixtieth Birthday (Illustrated) 28–0

1067 Karpuradistotra (Hymn to Kali) Text, Commentary and Translation by S. J. Woodroffe. 6-0
1068 Karpuradistotra. Text & Commentary with Eng. translation by Arthur Avalon. 2-0
1069 Kashmir : Its Cultural Heritage by Kaumudi. 12-8
1070 Kashmir Shaivism by J. C. Chattarjee. 2-8
1071 Kashmiri Sounds by T. Grahame Bailey. 10-0
1072 Kashmirian Atharva-Veda by M. Bloomfield and Richard Garbe. 250-0
1073 Katha Upanishad with English Translation by Aurobindo. 1-4
1074 Kathakali; The Sacred Dance-Drama of Malabar by K. B. Iyer. 63-0
1075 Kathopanishad Bhashya of Rangaramanuja. Ed. with Eng. Tr. by Dr. K. D. Varadachari. 4-4
1076 Kathopanishad with Eng. Trans. and Notes by Sri Ganga Prasad. 1-8
1077 Kaumudimahotsava. Text with English Translation by Sakuntala Rao Sastri. 5-0
1078 Kausitaki and Maitri Upanishad. Translated into English with Text by Srishchandra. 6-0
1079 Kautilya's Artha Sastra translated by Dr. R. Shamasastry. 10-0
1080 Kaya-Kalpa by Dr. S. M. S. Yogi. 5-0
1081 Kavyadarsha with Sanskrit Commentary of Premachandra Tarka Vagisha and Eng. Trans. by K. Ray. 6-0
1082 Kavyanusasana with Alankarachudamani and Viveka by Acharya Hemachandra and English Introduction and Notes by R. C. Parikha. 2 Vols. 6-0
1083 Kavya Prakasha with English Translation by Dr. H. Sharma Ullasa I & II. 3-12-0. Ullasa III. 1-4-0 & Ullasa X. 7-8
1084 Kavyaprakasha. Ullasa X by Sukhthankar. 5-8
1085 Kavyalankar Sutravritti. English Translation by Dr. G.N. Jha. 2-8
1086 K. B. Pathak Commemoration Volume. Edited by Dr. S. K. Belvelkar. 10-0
1087 Ken Upanishad with English Translation by Aurobindo. 2-8

1088 Kenopanishad. Translated by Pt. Ganga Prasad. 0–6
1089 Khandakhadyaka. Translated into English by P. Sengupta. 4–6
1090 Kinship Organisation in India by I. Karve. 15–0
1091 Kinship Terms and the Faimily Organisation as found in the Critical edition of the Mahabharat by I. Karve. 3–8
1092 Kiratarjuniya (Bharvi's Poems) translated from the original Sanskrit into German and explained by C. Cappeller. 20–0
1093 Kiratarjuniya. Cantos I & II with English Translation by A. G. Asti. 1–8
1094 Kiratarjuniya. Cantos I & II with English Notes & Translation by C. S. Rama Sastry. 2–8
1095 Kiratarjuniya with Eng. Trans. by J.M. Ashar. Cantos. I–II. 1–8
1096 Kiratarjuniya with English Translation by S. Roy. Cantos. I, II, III, XI, XIII & XIV Each Canto. 3–
1097 Kiratarjuniya with English Translation by S. Roy Canto XII. 2–
1098Kirtikar Memorial Vol. I. by Dr. S. R. Bose. 5–
1099 Knowledge of God and its Historical Development by Prof. H. M. Gwatkin. 18–
1100 Krishna and his Songs by Prof. D. S. Sarma. O. P.
1101 Krishna Karnamrita with English Translation. 2–1
1102 Krishnamurti and the World Crisis by L. Heber. 6–
1103 Kshemendra Studies together with an English Translation of his Kavikanthabharan, Auchityavicar Charca and Suvrittitilaka by Dr. Suryakanta. 12–
1104 Kumarsambhava. Text. Punsavani commentary in Sanskrit giving Prose Order, Change of Voice, Exhaustive Gramatical and Explanatory notes, Purport in Sanskrit, Hindi Translation and an Introduction and Critical Notes in Hindi by N. Kantanath Sastri Telanga. M.A. Professor, Oriental College, B. H. U. Cantos I & V. 1–8–0 and Conto V. 1–
1105 Kumarsambhava. Cantos I, II & III with Eng. Trans. 2–
1106 Kumarsambhava. Cantos I to III with English Notes & Translation by Sastry. 3
1107 Kumarsambhava. Canto III and IV with English Translation by Prof. R. S. Asti.

1108 Kumarsambhava Cantos III & IV with Eng. Trans. by J. M. Ashar. 2-8
1109 Kumarsambhava. Cantos I-VI with English Notes & Translation by V. Anantacharya. 4-4
1110 Kumarasambhava. Cantos I to V with English Translation by R. R. Deshpande. 4-0
1111 Kumarsambhava. Cantos I to V with English Translation by M. A. Karandikar. 4-0
1112 Kumarsambhava Canto. V. with Eng. trans. 1-4
1113 Kumarsambhava Canto. VI. with English Trans. 1-0
1114 Kumarsambhava. Cantos 5th & 6th English Notes & Translation by C. S. Ram Sastry. 2-8
1115 Kumarsambhava. Cantos. I-V. Text with English Translation by R. D. Karmarkar. 5-0
1116 Kunhan Raja (Dr. C.) Presentation Volume. A Volume of Indological Studies. 12-0
1117 Kuppuswamy Sastri Commemoration Volume. 3-8
1118 Kuppuswamy Sastri Memorial Volume. 2-4
1119 Kurzgefasstes etymologisches Worterbuch des Altindischen . A Concise Etymological Sanskrit Dictionary Von Manfred Mayrhofer in 7 Parts. 115-0

L

1120 L' Inde Classique by L. Renou. 65-0
1121 La Grammaire de Panini-Traduite du Sanskrit Avec Des Extraits des Commentaries Indigenes Par Louis Renou. Fascicules 1-3. 72-0
1122 Laghu Siddhanta Kaumudi Part I (Edited with an Original Sans. Commentary, English Translation, Copious Critical and Explanatory Notes) by Mirashi. 3-12
1123 Laghusiddhanta Kaumudi with English Translation by S. Roy. 5-8
1124 Laghu Siddhanta Kaumudi with English Translation by Ballantyne. 6-0
1125 Lalitasahasranama. English Translation of Bhaskararay's Comm. by A. Sastri. 6-8

1126 Lalla-Vakyani by George Grierson and L. D. Barnett. 15-0
1127 Landlords of Agra and Oudh by Hashmi. 15-0
1128 Language by L. Bloomfield. 18-12
1129 Language. A Linguistic Introduction to History by J. Vendryes. 22-8
1130 Language : Barrier or Bridge by A. Sita Devi. 3-4
1131 Language. Its Nature, Origion and Development by Jespersen. 13-8
1132 Language and Reality by W. M. Urban. 22-8
1133 Languages and the Linguistic Problem by Suniti Kumar Chatterji. 0-6
1134 Language of Katha Kaḷi by Prem Kumar. 6-0
1135 Language Problem in India. 1-0
1136 La Place De La Particule Negative NA Dans La Phrase En Vieil Indien Par J. Gonda. 12-0
1137 Lassen's History of Indian Commerce (Vikramaditya to the Later Guptas) by Jayaswal and Banerjee. 8-0
1138 Later Kings of Delhi by Z. Barni, H. M. Elliot and Dowson 5-0
1139 Later Moghuls Khaji Khan by H. M. Elliot & J. Dowson. 4-0
1140 Latin Language by L. R. Palmer. 39-6
1141 Law of Monopolies in British India by P. K. Sen. 16-0
1142 Law of Primogeniture by Radhavinode Pal. 12-0
1143 Laws of Manu. English Translation by Buhler. 21-0
1144 Law of Sapind Relationship. 17-0
1145 Law of Success by Nepoleon Hill. 16-0
1146 Leading Ideas of Hinduism by Henry Haigh. 3-0
1147 Lecture on Jurisprudence by K. R. R. Sastry. 6-0
1148 Lectures in Linguistics by Oscar Luis Chavarria-Aguilar. 4-0
1149 Lectures on Dharmasastra by S. Pathak. 1-8
1150 Lectures on Ethnography by L. K. Anantakrishna Iyer. 7-8
1151 Lectures on Patanjali's Mahabhashya by Dr. P. S. Subramanya Sastri in 2 Vols. 15-0
1152 Lectures on Rigveda by V. S. Ghate. 5-0
1153 Lectures on Saiva Siddhanta by Pillai. 2-4

1154 Lectures on Saiva Siddhanta by Ramanujachari. 1-6
1155 Lectures on the Ramayan by V. S. Srinivasa Sastri. 12-0
1156 Legacy of India. Edited by G. T. Garratt. With an Intro. by the Marquess of Zetland. 17-1
1157 Legacy of Islam. Edited by Sir Thomas Arnold and A. Guillaume. 20-5
1158 Legends of Vikramaditya by P. V. Jagadisha Iyyar. 2-8
1159 Learned Tradition in India (Preservation of) by Miss. K. G. Ghurye. 1-8
1160 Leonardo Da Vinci by Ludwig Goldscheider. 225 illustrations, 18 in Colour, Vasari's biography of Leonardo, letters, documents, notes, bibliography. 37-8
1161 Les Castes by A. M. Hocart. 11-4
1162 Les Civilisations De L' Orient L' India Par Rene Grousset. 32-0
1163 Les Inscriptions d' Asoka. Traduites et Commentees par J. Bloch. 21-8
1164 Life Divine by Sri Aurobindo. 16-0
1165 Life and Sayings of Sri Ramkrishna by F. Max Muller. 5-0
1166 Life and Stories of the Jaina Saviour Parcvanatha by M. Bloomfield. 15-0
1167 Life and Thought of Avicenna by H. J. J. Winter. 1-2
1168 Life and Times of Humayun by Iswari Prasad. 20-0
1169 Life in Ancient India by Adolf Kaegi 3-0
1170 Life in the Gupta Age (from A. D. 300 to 750) by Dr. R. N. Saletore. O. P.
1171 Life of Buddha by Henry Clarke Warren. 3-8
1172 Life of Buddha, as Legend and History by E. J. Thomas. 21-0
1173 Life of Hemchandracharya of Dr. Buhler. Eng. Tr. by Dr. Manilal Patel. 5-0
1174 Life of Ramkrishna by Romain Rolland. 5-0
1175 Life of Sri Ramakrishna. Foreword by M. K. Gandhi. 7-0, 8-0
1176 Life of the Buddha. Retold from Ancient Sources and illustrated with 100 Master pieces of Assian Art by Anil De Silva-Vigier. 35-10

1177 Life of Varaha Mihir by A. S. Rao. 1-4
1178 Life-Sketch of Pratap Seth and A Brief Account of the Advaitic System of thought by G. R. Malkani. 3-0
1179 Light of Asia and Indian Song of Songs Gitagovinda by E. Arnold. 2-0
1180 Light of Asia : or the Great Renunciation. Being the Life and Teaching of Gautam. 3-6
1181 Lights on the Fundamentals (Sanskrit Verses with Eng Tr. by T. V. Kapli Sastri. 1-8
1182 Lights on the Upanishads by T. V. Kapli Sastri. 2-0
1183 Lights on the Veda by T. V. Kapli Sastri. 1-4
1184 Lights on Yoga by Sri Aurobindo. 1-12
1185 Linguistic Aberrations in Kalidasa Writings by Tarapada Chowdhury. 2-8
1186 Linguistic Peculiarities of Jnanesvari by M. G. Panse. 20-0
1187 Linguistic Speculation of the Hindus by Prabhat Chandra Chakravarty. O. P.
1188 Linguistic Studies from the Himalayas by T. G. Bailey. 8-12
1189 Literary Circle of Mahamatya Vastupala and Its Contribution to Sanskrit Literature by Bhojilal J. Sandesra. 9-8
1190 Literary Criticism in Sanskrit and English by D. S. Sharma 1-4
1191 Literary History of England by A. C. Baugh. 47-4
1192 Literature and Authorship in India by Iyengar. 1-8
1193 Literature and Literary Criticism by M. G. Bhate. 3-0
1194 Literature of the Victorian Era by Hugh Walker. Indian Edition. 15-0
1195 Literatures of the East-An Appreciation. Edited by Eric. B. Ceadel. 5-8
1196 Little Clay Cart (Mricchakatika) a Hindu Drama, attributed to Sudraka, translated by A. W. Ryder. 15-0
1197 Living Thoughts of Gotama the Buddha. Presented by A. K. Coomara Swamy & I. B. Horner. 4-8
1198 Local Self Government in India by M. P. Sharma. 3-0
1199 London Magazine. A Monthly review of Literature. Edited by John Lehmann. January 1956. 1-9

1200 Loom of Language by Frederick Bodmer. 18–12
1201 Lord Mahavira (A Study in Historical Perspectives) by Dr. Bool Chand. 4–8
1202 Lord Shree Krishna (His Life and Teachings) by M. L. Sen. 12–0
1203 Lorenzo Lotto by Bernald Berenson. Complete Edition of the work of the great Venetian painter. 176 pages text, 400 plates, 9 in full Colour. 63–0
1204 Louis De La Vallee Poussin Memorial Volume. 10–0
1205 Love in the Poems and Plays of Kalidas by Dr. V. Raghavan. (Illustrated) 2–4
1206 Lover's Hand Book. A Complete translation of and an introduction to the Ars Amatoria of Ovid by F. A. Wright. 9–6

M

1207 Madhva Logic by Sushilkumar Maitra. 2–8
1208 Madhavachary's Poorna-Brahma-Philosophy by Sri A. Venkatarao. 7–0
1209 Madhuratthavilasilini Nama Buddhavamsatthakatha of Bhadantacariya Buddhadatta Mahathera. Edited by I. B. Horner, Pali text, Romanized. 16–0
1210 Madhyambyayoga and Urubhanga of Bhasa with Eng. trans. by Dr. Bhat and Athvale. 3–0
1211 Madhyambyayoga and Urubhanga with Eng. Tr. by J. M. Ashar. 3–0
1212 Magadha Architecture and Culture by Srishchandra Chatterjee 5–0
1213 Magadhas in Ancient India with Map and Index by B. C. Law. 5–10
1214 Mahabharata by C. Rajagopalachari. Bombay Edition. 1–12
1215 Mahabharat by R. C. Dutt. 3–0
1216 Mahabharata by C. Rajagopalachari. Delhi Edition. 8–0
1217 Mahabharat. Translated into English Prose from the original Sanskrit text by P. C. Roy. Adi, Sabha & Vana Parvas. 34–0
1218 Mahabharat (A Critical Study) by P. N. Mullick. 6–0
1219 Mahabharata. Analysis and Index by Edward P. Rice. O. P.

1220 Mahabhasya (Paspasha) with Eng. Translation by Chatterjee. 3–12
1221 Mahakavi Bhasa Ke Teen Nataka by Sehgal. 5–0
1222 Mahamandalesvaras under the Chalukyas of Kalyani by D. Desai. 10–0
1223 Maharaja Rajvallabha by Dr. R. C. Majumdar. 2–0
1224 Maharaja Sawai Jaisingh II of Jaipur and his observatories by M. F. Soonawala. 2–0
1225 Mahatma Gandhi by S. Radhakrishnan. 13–8
1226 Mahatma Gandhi : A Descriptive Bibliography by Jagdish Saran Sharma with a Foreward by U. N. Dhebar. 30–0
1227 Mahatma Gandhi. The Last Phase by Pyarelal. 20–0
1228 Mahatma Gandhi by Tendulkar. His full life in pictures. Complete in 8 Vols. available in Set. Fully illustrated. 225–0
1229 Mahavamsa; or Great Chronicle of Ceylon. Translated into English by Wilhelm Geiger, assisted by Mabel H. Bode. 12–8
1230 Mahavastu. Translated into English by J. J. Jones. 2 Vols. 55–0
1231 Mahavira by Amar Chand. 0–6
1232 Mahavira and his philosophy of life by Dr. A. N. Upadhye. 1–2
1233 Mahayana Text by Cowell, M. Muller & Takakusu. 24–6
1234 Mahayanavimsaka of Nagarjuna (Reconstructed Sanskrit Text, Tibetan and Chinese Version with an English Translation) edited by V. Bhattacharya. 3–0
1235 Mahayogi by R. R. Diwakar. 1–12
1236 Maimonidesh: The Conciliator of Eastern and Western Thought by Dr. David Baumgardt. 1–2
1237 Mainpuri Dances (Lasya Lahari) by Leela Row Dayal. O. P.
1238 Maitrayaniya Upanishads. Eng. Translationby L. B. Cowell. 2–0
1239 Majjima-Nikaya-Pali text (Romanized) Edited by V. Trenckner. 3 Vols. 75–0
1240 Making of the Indian Princess by Edward Thompson. O. P.
1241 Malvikagnimitra with Eng. Trans. 2–8
1242 Malavikagnimitra with Eng. Tr. by A. G. Mangrulkar. 3–8
1243 Malavikagnimitra. Text with Eng. Tr. by R. D. Karmarkar. 3–8

1244 Malvikagnimitra with Eng. Trans. by J. M. Ashar. 4–0
1245 Malvikagnimitra with Eng. Tr. by G. H. Godbole. 5–0
1246 Malvikagnimitra with Eng. Notes & Tr. by A. S. K. Rao. 5–5
1247 Malviyaji by B. J. Akkad. 1–4
1248 Manameyodaya with Eng. Tr. by N. Bhatta. 4–0
1249 Man and his Becoming, according to the Vedanta. Trans. from the French by Richard C. Nicholson. With index of Sanskrit terms by R. Guenon. 11–0
1250 Manava Kalpa Sutra with the Commentary of Kumaril Swami with a preface by Theodor Goldstrucker. Leaf size 13″ × 7″ pages XII + 268 + 121 Bound published in 1860. Most Rare.
1251 Mandukya Upanishad with Karika and Sankara's Commentary by S. Nikhilananda. 8–0
1252 Manimekhalai : in its historical Setting by S. K. Aiyangar. 7–8
1253 Man in Buddhism and Christianity by Dr. Bryankdekretser. 3–0
1254 Mansara on Architecture and Sculpture. Sanskrit Text with Critical Notes by P. K. Acharya. O. P.
1255 Manu. English Translation by G. Buhler. 20–0
1256 Manual of Buddhist Historical Tradition by B. C. Law. 1–8
1257 Manual of Ethics by A. K. Trivedi. 5–12
1258 Manual of Hindu Astrology (Correct Casting of Horoscopes) by B. V. Raman. 4–8
1259 Manual of Hindu Ethics by Chandavarkar. 1–8
1260 Manual of Pali by C. V. Joshi. 3–12
1261 Manu–Samhita. Chapters I. II & VII with Eng. Tr. by S. Roy. Each chapter. 5–8
1262 Manu Samhita English translation by M. N. Dutta. Most Rare
1263 Manuscript Illustrations of the Uttaradhyayana Sutra Reproduced and described by W. Norman Brown. 22–8
1264 Manusmṛti. Eng. Translation by Dr. G. N. Jha. 50–0
1265 M. A. Pali Course by Dr. B. C. Law in 2 Parts. 6–0
1266 Maratha History. Re–examined (1295–1707) by S. R. Sharma. 10–0

1267 Marvels of Ancient Rome by Margaret Scherer. 222 illustrations, 160 pages text. Introduction and notes on the plates. 32-8
1268 Mastering Your Nerves by A. T. W. Simeons. 4-0
1269 Master Pieces of Kalpasutra Paintings by S. M. Nawab. With 430 Pictures. 250-0
1270 Masterpieces of Victorian Photography by Helmut Gernsheim. 72 outstanding 19th Century photographs: history aesthetics, technical development. 25-0
1271 Masters of Past Time by Eugene Fromentin. Flemish and Dutchpainters from Van Eyckto Rembrandt. Edited by H. Gerson. 300 pages, 102 illustrations. 8-8
1272 Materials for the Study of Navya-Nyaya Logic by D. H. H. Ingalls. 30-0
1273 Materia Medica of the Hindus by Uday Chand Dutt. 12-0
1274 Mathura Museum Catalouge of Jaina Tirthankaras by Dr. V. S. Agrawal. 7-8
1275 Maurayan Public Finance by M. H. Gopal. 9-6
1276 Meaning of life in Hinduism and Buddhism by F. H. Ross. 11-4
1277 Mediaeval India by S. Lane-Poole. 6-0
1278 Mediaeval Jainism with special reference to the Vijayanagara Empire by B. A. Saletore. 5-8
1279 Mediaeval Mysticism by Kshitimohan Sen Sastrí. 4-8
1280 Medical Dictionary. Anglo Hindi by M. Bhattacharya. 10-0
1281 Medicinal Plants of India and Pakistan by J. Dastur. 5-14
1282 Medicine, Edited by Garland and Phillips. 2 Vols. 97-8
1283 Meghaduta by Nerurkar. 2-4
1284 Meghaduta with Eng. Trans. by J. M. Ashar. 3-8
1285 Meghaduta in Anglo-Bengali by S. Roy. 6-0
1286 Meghaduta-Ṛtu Samhara of Kalidas, Edited with Critical notes in French by R. H. Assier De Pompignan. 10-12
1287 Meghasandesha with Eng. Notes & Tr. by G. J. Somayajulu. 3-0
1288 Meghasandesa with Eng. Tr. and notes by C. S. Ram Sastry. O.P.
1289 Memories of Jahangir by H. M. Elliot & J. Dowson 6-0

1290 Memories of the Archaeological Survey of Kashmir No. 1 by R. C. Kok. 6–6
1291 Memoirs of the Life of Constable by C. R. Leslie. Edited by Jonathan Mayne. 350 pages text. 72 illustrations, 14 in Colour. 12–8
1292 Mental Health and Hindu Psychology by Swami Akhilananda. 12–0
1293 Mental health and infant development. Edited by K. Soddy. 2 Vols. 75–0
1294 Mental Measurement by Sohanlal. 9–0
1295 Message and Mission of Indian Culture by Dr. Indra Sen. 1–0
1296 M. Hiriyanna Commemoration Volume with a Foreword by Dr. S. Radhakrishnan. O. P.
1297 Michelangelo by Ludwig Goldscheider. Complete paintings, Sculptures, Architecture. 300 illustrations, 9 Colour plates, introduction, Catalogue bibliography. 42–0
1298 Middle East : A Physical, Social and Regional Geography by W. B. Fisher. 3rd. Edition. 32–6
1299 Middle Length Saying (Majjhima–Nikaya) Translated into English by I. B. Horner. (First 50 Suttas) Vol. I. 25–0
1300 Milestones in Gujrati Literature by Jhaveri. 2–8
1301 Milindapanha, Ed. by K. De. Vreese. 3–0
1302 Milk and Honey by George Mikes. 5–12
1303 Mimansa Paribhasha–text with Eng. Trans. by S. Madhavananda. 2–0
1304 Mimansa Sutras of Jaimini–Eng. Tr. with Text by M. Sandal. O. P.
1305 Mimansa : The Secret of the Sacred Books of the Hindus by N. V. Thadani. 30–0
1306 Mind and Its Place in Nature by C. D. Broad. 22–8
1307 Minor Anthologies: Vol. II. Udana: Verses of Uplift and Itivuttaka by F. L. Woodward. 15–0
1308 Minor Anthologies: Vol IV Vimanavatthu: Stories of the Mansions and Petavatthu, Stories of the Departed, Jean Kennedy and H. S. Gehman. 15–0

1309 Minor Upanishads by A. Mahadeva Sastri. Vols. I & II. 6–0
1310 Miracles of Fruits by Dr. Ganpati Singh Varma. 5–0
1311 Miraculous and the Mysterious in the Vedic Literature by Dr. B. A. Parab. 6–12
1312 Mirat–I–Ahmadi. A History of Gujarat in Persian of Ali Muhammad Khan. Edited by S. Nawab Ali. 2 Parts. 19–8
1313 Mirat–I–Ahmadi Supplement Persian Text of Ali Muhammad Khan. Edited by S. Nawab Ali. 6–0
1314 Mirat–I–Ahmadi Supplement Translated from the Persian of Ali Muhammad Khan by Nawab & Seddon. 6–8
1315 Mirror of Art by Charles Bandelaire. Essays in art–criticism, translated and edited by Jonathan Mayne. 380 pages text, 85 illustrations. 18–0
1316 Modern Education Psychology by B. N. Jha. 8–0
1317 Modern India Culture by D. P. Mukerji. 6–8
1318 Modern Movements in Islam by Dr. J. Germanus. 3–0
1319 Modern Political Constitutions by Strong. 30–0
1320 Modern Theories of Hindu Jurisprudence by Karunamay Basu. Vol. II. 5–0
1321 Moon by H. P. Wilkins Patrick–Moore. 63–0
1322 Moral and Spiritual Foundation of Peace by B. L. Atreya. 2–0
1323 More Lights on Yoga by Sri Aurobindo. 2–8
1324 Mother by Sri Aurobindo. 1–0
1325 Mother and Child Welfare (Based on Original Sanskrit texts) Edited by Dr. A. Lakshmi Pathi and Dr. Valluru Subba Rao. 10–0
1326 Mother–Right in India by B. O. R. Ehrenfels. 8–0
1327 Mricchakatika with Eng. Tr. by V. G. Paranjpe. O. P.
1328 Mricchakatika, a drama, attributed to Shudrak. Translated by A. W. Ryder. 15–0
1329 Mricchakatika. Text with English Translation by R. D. Karmarkar. 5–0
1330 Mudraraksasa with English Translation. 4–4
1331 Mudraraksasa with Eng. Trans. by J. M. Ashar. 4–8

1332 Mudraraksasa by Devadhar & Bedekar. 4–12
1333 Mudraraksasa with Eng. Trans. by Prof. R. R. Deshapande. 5–0
1 34 Mudraraksasa with English Translation by K. H. Dhruva. 5–0
1335 Mudraraksasa with Eng. Tr. and notes by S. Roy. 10–0
1336 Mudraraksasa Natak Katha of Mahadeo with Eng. Tr. by V. Raghavan. 2–12
1337 Mughal Rule in India by Sethi and Mahajan. 6–8
1338 Muhammadan Rule in India by Sir Edward Sullivan. O. P.
1339 Muhurtha or Elictional Astrology by B. V. Raman. 7–8
1340 Munda–Magyar–Maori : An Indian link between the Antipodes, new tracks of Hungarian Origins. Illustrated with 8 plates by F. A. Uxbond. 30–0
1341 Mundari–English Dictionary by Manindrabhusan Bhaduri. 3–12
1342 Music for India by S. Bandhopadhyaya. 4–6
1343 Music of India by H. A. Popley. O. P.
1344 My Piligrimages to Ajanta and Bagh by Mukul Dey. 12–8
1345 My Religion by M. K. Gandhi. 2–0
1846 Mysterious Kundalini (Hath Yoga in terms of Western Science) by Rele. 3–12
1347 Mysterious Trinites in Numbers by Bhalchandra Shinde. 2–0
1348 Mystery of the Mahabharata (Systems of Hindu Philosophy and Religion) by N. V. Thadani. Vols. II to V. 60–0
1349 Mystic Approach to the Veda and the Upanishad by M. P. Pandit. 3–0
1350 Mysticism in Maharastra by R. D. Ranade. 12–0
1351 Mystics and Magicians of India by Louis Jacolliot, W. G. Osborne & P. C. Sarcar etc. 2–0
1352 Mystics Experiences by Dr. Bhagwan Das. 1–12
1353 Mystic Philosophy of the Upanishads by S. C. Sen. 7–8
1354 Mysticism in Mahabharata by R. D. Ranade. Vol II 10–8
1355 Myths and Legends of India : An Introduction to the study of Hinduism by Rev. J. M. Mactie. 7–0

N

1356 Nadir Shah. A Critical Study based mainly upon Contemporary Sources by L. Lockhart. With 10 plates and 6 maps in text. O. P.

1357 Nagananda with English Translation. 2–12

1358 Nagananda with Eng. Translation by Toraskar & Deshpande. 4–0

1359 Nagananda with English Translation by Karandikar & Karandikar. 5–8

1360 Nagananda with English Translation by Nerurkar.

1361 Nagananda Text with English tr. by R. D. Karmarkar. 5–0

1362 Nagananda with Stage directions and Eng. trans. by P. V. Ramanuj Swami. 3–12

1363 Nagpur Affairs (Selection from the Menavali Daftar) by Shejwalkar. 15–0

1364 Nairatmvapariprccha Edited by S. Mukhopadhyaya. 2–0

1365 Naisadhacharita by Prof. S. V. Dixit. Cantos I to III. O. P.

1366 Na-Khi Naga Cult and related Ceremonies by J. F. Rock. 132–11

1367 Nala by D. Van Gelder 15–0

1368 Nala and Hitopadesh (Parts of) in English Letters, prepared by C. R. Lanman. O. P.

1369 Nalanda Current Dictionary. Containing 200000 words with English Hindi Meanings Compiled by P. N. Agrawal, Dr. K. R. Jajoria, Gupta and Gupta. 15–0

1370 Namamala of Bhoja with Critical notes by Kulkarni & Gokhale. 6–0

1371 Namarupapariccheda. Pali Text Romanised. Edited by A. P. Buddhadatta. 5–0

1372 Namarupasamasa. Pali Text Romanised. Edited by P. Dhammarama. 10–0

1373 Narmadashankar: Poet Patriot–Pioneer Prose–Writer by Gulabdas Broker. 1–11

1374 Namrupa Dharmarupa by Dr. Maryla Falk. 4–0

1375 Narada Bhakti Sutra with Sanskrit Text, Word by Word meaning. English rendering of the text and notes by Swami Tyagisananda. 3-0

1376 Narada Pancharatra with Eng. tr. by Swami Vijnanananda. O.P.

1377 Narrative of Bhoja (Bhojaprabandha) by Ballala of Banaras, edited by Louis H. Gray. 24-8

1378 Natural Theosophy by Ernest Wood. 4-0

1379 Nature and God : An Introduction to Theistic Studies with Special Reference to the Relations of Science and Religion by Prof. W. Fulton. O. P.

1380 Nature of Consceiousness in Hindu Philosophy by S. K. Saxena. 7-8

1381 Nature of Man according to the Vedanta by John Levy. 12-8

1382 Nature of Vedic Sakhas and Authorship of the Phonetic Sutras by Prof. S. K. Gupta. 0-12

1383 Natya Sastra (A Treatise on Hindu Dramaturgy and Histrionics) Ascribed to Bharata-Muni. Vol. I (Chapters I—XXVII) Completely translated for the first time from the original Sanskrit with an Intro. and Various Notes by M. Ghosh. 20-0

1384 Natya Sastra Sangraha. Vol I. Edited with Translation by K. Vasudeva Sastry, Row Sahib and G. N. Rao 17-0

1385 Navy of Nadir Shah by Laurence Loekhart. 3-0

1386 Nepali-English Dictionary. Compartive and Etymological (Dictionary of the Nepali Language) by R. L. Turner. 84-0

1387 New Catalogus Catalogorum (An Alphabetical Register of Sanskrit and Allied Works and Authors)—
Vol 1-A-prepared by Dr. V. Raghavan, Editor in-chief Dr. C. K. Raja. 27-0

1388 New Gita. An interpretation of the Bhagavad Gita. 10th anniversary ed. 1955 by W. La. Violette. 33-12

1389 New History of the Marathas by G. S. Sardesai. 3 Vols. 40-0

1390 New Indian Antiquary. Vol. I (1838-39), Vol. V. (1942-43), Vol. VI (1943-44) & Vol. IX (1947) Nos. 1-12 in 3 parts. 100-0

1391 New Light on the most Ancient East by V. G. Childe. Illustrated. 28-0

1392 Newnes' Pictorial Knowledge in Eight big Vols. General Editor H. A. Pollock. O. P.

1393 New Testament of Higher Buddhism, Containing 'The Awakening of Faith' (The faith of the New Buddhism), The Essence of the Lotus Scripture with introduction and notes by T. Richard. O. P.

1394 Nichiren, The Buddhist Prophet by Masaharu Anesaki. 15-0

1395 Nighantu and Nirukta by L. Sarup. 10-0

1396 Nilakanthavijaya. Chapter III with English Translation. 0-12

1397 Nilamata or Teaching of Nila. Sanskrit Text and Critical Notes edited by K. de Vreese. 30-0

1398 Nirayana Tables of Houses by B. V. Raman & R. V. Vaidya. 12-0

1399 Nitisatak with English Notes and Translation. 2-0

1400 Nominal Composition in Middle Indo-Aryan by G. V. Davane. 16-0

1401 Non-Rigvedic Mantras rubricated in the Asvalayan Grihya Sutra. Sources and Interpretations by Dr. V. M. Apte 3-0

1402 Non-Violence in Peace and War by M. K. Gandhi. 2 vols. 12-0

1403 Northern India according to the Shin-Ching-Chu by Luciano Petech. 8-8

1404 Notes on History of Sanskrit Literature by S. Ray. 1-8

1405 Notes on Vedic Noun-Inflexion by F. B. J. Kuiper. 5-0

1406 Nriti Manjari by L. Row. The 62 Fundamental Sepuences of Bharata Natyam. O. P.

1407 Number of Rasas by V. Raghavan. 8-0

1408 Nuno Goncalves by Reynaldo dos Santos. Complete paintings. Folding plate, 36 detail reproductions, 10 in full Colour. 18 pages text. 42-0

1409 Nurjahan and Jahangir by Caunter, Elphinstone and Lane-Poole. 3-0

1410 Nutrition in India by Dr. Patwardhan. 15-8

1411 Nyaya Kusumanjali of Udayanacharya. Eng. Trans. by Swami Ravitirtha (Vol. I Book I & II). 5–0
1412 Nyayasara with Eng. Tr. by Abhyankar & Deodhar. 3–12
1413 Nyaya Sutras. English Translation by Dr. Jha. 15–0
1414 Nyayasutras with Vatsyayana Bhashya and Vachaspati Gloss. Eng. Tr. by Nandlal Sinha. 8–0
1415 Nyaya Theory of Knowledge by S. C. Chatterjee. 8–8

O

1416 Obscure Religious Cult by Sashibhushand as Gupta. O. P.
1417 Occult Training of the Hindus by Ernest Wood. 4–0
1418 Ode to India. Composed by Dr. C. K. Raja on the occasion of the Proclamation of the Indian Republic on Thursday 26th January 1950. 0–6
1419 Oh You English by D. F. Karka. 2–4
1420 Oh You Indian (Reply to Oh You English) by E. Natholi. 3–8
1421 Omar Khayyam (A New Version based on recent discovereis) by A. J. Arberry. 11–3
1422 On the Date of the Buddhist Master of the Law Vasubandhu by E. Frawallner. 6–0
1423 On the Indian Sect of the Jainas by G. Buhler. Translated from the German and Edited with an outline of Jain mythology by J. Burgess. 3–8
1424 On the Interpretation of some Doutful words in the Atharvaveda by Dr. T. P. Choudhury. 4–0
1425 On Yoga (Complete Synthesis of Yoga) by Sri Aurobindo. Vol. I 15–0
1426 Optical Theories by D. N. Mallik. 8–1
1427 Ordeal : A Trilogy by Alexei Tolstoy. 3 Parts. 15–0
1428 Oriental Studies in Honour of Cursetji Erachji Pavry Edited by J. D. Pavry. 20–5
1429 Origin and Development of Religion in Vedic Literature by P. S. Deshmukh. O. P.
1430 Origin and Development of the Samkhya System of Thought by P. Chakravarti. 10–0

1431 Origin of Christianity & Cross (Historical relations between Buddhism and Cristianity) by Satyanand. 2 Vols. O. P.
1432 Origin of Raga : A Short Historical Sketch of Indian Music by Sripad Bandhyopadhyaya. 4-0
1433 Original Gita by R. Otto. O. P.
1434 Origion or Researches into the Antiquity of the Vedas by B. G. Tilak. 3-0
1435 Oudh and the East India Company by P. Basu. O. P.
1436 Our Language Problem by M. P. Desai. 2-8
1437 Outline History of the World by H. A. Davies. 10-0
1438 Outline of English Phonetics by Daniel Jones. 18-6
1439 Outline of Psychology (General & Social) by K.V. Belsare. 4-12
1440 Outlines of Indian Philosophy by M. Hiriyanna. 20-0

P

1441 Pacifism and Jainism by Pt. Sukhlal Sanghavi. 0-8
1442 Padas of Thera-and Therigatha edited by W. Sted 5-0
1443 Padumavati. A Linguistic study of the 26th Century Hindi (Avadhi) by Laksmi Dhar. M. A. with Grametical Study: Text (romanized) (26-31 Khandas)English Translation and Comparative and Etymological Glossary of the text and Appendixes. 25-0
1444 Pahlavi Texts by West. 21-0
1445 Painting and the Painter's Brush-Work by Vojtech Volavka. 45-0
1446 Paintings of Tiepolo by Antonio Morassi, 93 large size plates, 9 in full Colour, 64 text illustrations, notes on the plates and introduction. 42-0
1447 Painting in Britain: 1530-1790 by Ellis K. Waterhouse. 45-0
1448 Painting in Britain: The Middle Ages by Margaret Rickert. 42-0
1449 Pakistan (An Economic Proposition) by M. R. Ahmad. 5-4
1450 Pakistan. The Heart of Asia by Liaquat Ali Khan. 16-4
1451 Pali-English Dictionary edited by T. W. Rhys Davids and William Stede (Pali in Roman Character) 4 Vols. of 2 Parts each. 125-0

1452 Pali Grammar by J. Minayeff. 15–0
1453 Pali Literature of Burma by M. H. Bode. 5–0
1454 Pali Literature of Ceylon by G. P. Malalsekara. 12–8
1455 Pali Manuskripts by Dr. E. W. Adikaram. 10–0
1456 Pali Reader with Notes and Glossary by D. Andersen.
Part I–Text and Notes. 12–0
1457 Pali Tipitakam Concoardance. Being a Concordance in Pali to the Three Baskets of Buddhist Skriptures in the Indian order of latters, listed by F. L. Woodward and others. Arranged and Edited by E. M. Hare. 9 Parts. 225–0
1458 Palmistry for Pleasure and Profit by V. A. K. Ayer. 4–4
1459 Pancapadika of Padmapada english translation by D. Venkataramiah. 20–0
1460 Pancavimsa Brahman. English Translation by W. Caland. 10–0
1461 Panchatantra. Critically Edited in Original Sanskrit by J. Hertal. 75–0
1462 Panchatantra. Reconstructed by Franklin Edgerton. 2 Vols. O. P.
1463 Panchatantra. Translated from the Sanskrit by Arthur W. Ryder. 2–8
1464 Pancharatra with Eng. Trans. In the press.
1465 Paniniya Siksha by Dr. Ghosh. 3–12
1466 Panipat 1761 by T. S. Shejwalkar. 12–0
1467 Paolo Uccello by John Pope-Hennessy. Complete work of the great Florentine painter. 108 plates, 3 Colour plates, 80 pages text, Catalogue raisonne. 30–0
1468 Paramsamhita of the Pancharatra. Edited and Translated into English with an Introduction by Dr. S.K. Aiyangar. 8–0
1469 Parmathasar of Adises translated by S. S. Sastri. 4–8
1470 Paramartha Prasanga by Swami Virjananda. 4–0
1471 Parijataharana Natak. Edited and Translated by Sir, George Grierson. 5–0
1472 Persian Literature by C. A. Storey. 135–0

1473 Part of Nala and Hitopadesh in English Letters. Prepared by C. R. Lanman. O. P.

1474 Parvati-Parinaya with Sans. Com. & English translation. 1-12

1475 Patanjali's Mahabhashya (Paspasha) with Eng. tr. by K. C. Chatterjee. 3-12

1476 Pathway to God in Hindi Literature by R. D. Ranade. 12-0

1477 Perfection of Wisdom. The Career of the predestined Buddhas. A Selection of Mahayan Scriptures translated from the Sanskrit by E. J. Thomas. 4-3

1478 Persian English and Urdu Dictionary (Twentieth Century) by Stephens C. Paul. O. P.

1479 Persian Influence on Hindi by Ambika Prasad Vajpeyi. 3-2

1480 Petakopadesa. Pali text, Romanized Edited by Arbinda Barua. 21-0

1481 Phaladipika with Eng. Tr. by V. S. Sastry. 6-0

1482 Pharmacopoeia of India. Prepared by Govt. of India Ministry of Health. 20-0

1483 Phases of Religion and Culture by C. P. Ramaswamy Aiyar. 2-0

1484 Philosopher's Quest, Dialogues with Great Philosophers by Edman. 5-0

1485 Philosophical Approach to Religion by E. S. Waterhouse. 8-12

1486 Philosophical Currents of the Present Day by Dr. Ludwig Stein. Translated by Shishir Kumar Maitra. 3 Vols. 15-10

1487 Philosophical Discipline by Dr. Ganganath Jha. 1-14

1488 Philosophical Essay by Prof. P. R. Damle. 9-12

1489 Philosophical Essays by Dr. S. N. Das Gupta. 6-14

1490 Philosophical Studies by Prof. G. E. Moore. 25-0

1491 Philosophical Teachings in the Upanisadas by M. L. Sandal. 8-0

1492 Philoshphies of India by H. Zimmer. 36-0

1493 Philosophy of 'As If'--A System of the Theoretical, Practical and Religious fictions of Man Kind by H. Vaihinger. 21-0

1494 Philosophy of Ayurveda by Dr. K. Roy. 2-8

1495 Philosophy of Bhagvadgita by C. G. Kaji. O. P.

1496 Philosophy of Bhedabheda by P. N. Srinivasacharya. 9-0

1497 Philosophy of Jnanadeva by B. P. Bahirat. 6-0
1498 Philosophy of Mahatma Gandhi by D. M. Datt. 12-8
1499 Philosophy of Rabindranath Tagore by B. G. Roy. 5-8
1500 Philosophy of Shakespeare by K. J. Spalding. 9-6
1501 Philosophy of the Self by G. R. Malkani. 3-0
1502 Philosophy of the Upanishads by S. Radhakrishnan. In the Press.
1503 Philosophy of the Upanishads by S. C. Chakrabarti. 5-0
1504 Philosophy of Visistadvaita by Srinivasachari. 25-0
1505 Philosophy of Yoga. Contaning the mystery of Spirit and the way of eternal bliss by E. Sharpe. 3-8
1506 Phonemics of Old Tamil by C. R. Sankaran. 8-0
1507 Phonetics in Ancient India by W. S. Allen. 14-10
1508 Phrase Finder by J. I. Rodale. 37-8
1509 Picturesque India. 3-10
1510 Picturesque Orientalia by Dr. R. N. Sardesai. Album of 103 Photos of Western Indologists. 11-4
1511 Planned Diet for India by Dr. G. C. Patnayak. 3-12
1512 Plant Diseases: Their Causes and Control by S. Chowdhury. 4-8
1513 Plays ascribed to Bhasa by C. R. Deodhar. 1-4
1514 Plestocene Studies in the Malaprabha Basin by R. V. Joshi. 15-0
1515 Poems of Cloister and Jungle. A Buddist Anthology by Rhys Davids. 4-0
1516 Poems of Indian Women by Margaret. 2-0, 1-4
1517 Poems of Kalidas by M. C. Dutt. 5-4
1518 Poems of Rama. 1-0
1519 Poetical Works of Thought on Art, Philosophy and Religion by Dobell. 2 Vols. O. P.
1520 Poetic Approach to Language by V. K. Gokak. 15-0
1521 Polio Mylitis and Ayurveda by Kaviraj Om Prakash. 7-8
1522 Political History of Ancient India by Hemchandra Roy Choudhary. 20-0
1523 Political Philosophy of Mahatma Gandhi by Dr. G. N. Dhawan. 6-0
1524 Political Theory by E. Asirvatham. 12-8

1525 Politics and Society by Sahid Pravin. 5-0
1526 Popular Essays in Indian Philosophy by Prof. M. Hiriyanna. 5-0
1527 Popular Hinduism by L. O. Malley. 14-10
1528 Popular Lectures on Theosophy by Annie Besant. 2-4, 4-0
1529 Portuguese Vocables in Asiatic Languages. Translated into English from Portuguese by A. X. Soares. 12-0
1530 Posion-Damsels and other essays in Folklore and Anthropology by N. M. Penzer. 31-8
1531 Position of Women in Hindu Law by Dwaraka Nath Mitra. 15-0
1532 Positive Background of Hindu Sociology by B. K. Sarkar. 16-0
1533 Post-Sankara Dialecties (Studies in) by Asutosh Bhattacharya. 5-0
1534 Post War Depression and the Way out by F. R. Shonoy. 3-0
1535 Post War Gujrat by A. B. Trivedi. 19-8
1536 Poussin (Louis de La Vallee) Memorial Vol. 10-0
1537 Practical Chemistry for Schools and Intermediate School with Diagrams by J. W. Davis. O. P.
1538 Practical Sanskrit Dictionary by A. A. Macdonell. 34-2
1539 Practical Vedanta by S. Vivekananda. 1-4
1540 Practical Yoga : Ancient and Modern by Ernest E. Wood. 13-8
1541 Pragmatic Philosophy by C. Chakraberty. O. P.
1542 Prakrit Prakasha with Eng. tr. by Dr. P. L. Vaidya. O. P.
1543 Prakirtarupavatara: A Prakrit Grammar based on the Valmikisutra by E. Hulzsch. 10-0
1544 Prasnajnana with Eng. Tr. by V. S. Sastri. 2-0
1545 Pratijnayaugandharayan with Eng. Translation. 3-0
1546 Pratijnayaugandharayan with Eng. Notes by C. R. Deodhar. 2-8
1547 Pratima of Bhasa with Eng. Tr. by S. M. Paranjape. 7-8
1548 Pratimanatak of Bhasa with Eng. Notes & Tr. by C. S. Ram Sastri. 3-8
1549 Pratimanatak with Eng. Tr. & Notes by S. Roy. 8-8
1550 Pratimanatak with Eng. Trans. 3-6
1551 Pratyabhijnahrdaya (The Secret of Recognition) by K. F. Lidecker. 10-0

1552 Pravacana-Sara of Kunda-Kundacharya with the Commentary, Tattva-dipika by Amratacandra Suri. Trans. by B. Faddegon. Edited by F. W. Thomas. 12-0
1553 Prayers, Praises and Psalms-A collection of Sanskrit Hymns from Vedas to Modern times. Sanskrit Text with English Translation by V. Raghavan. 3-0
1554 Pre-Dinnag Buddhist Text on Logic from Chinese Sources Ed. by G. Tucci. 9-0
1555 Preface to Mrichhakatika by G. K. Bhatta. 6-0
1556 Pre-historic Ancient and Hindu India by R. D. Banerji. 7-0
1557 Prehistoric India by Stuart Piggott. 2-10
1558 Pre-Historic South India by V. R. Ramchandra Dikshitar. O. P.
1559 Pre-Historic West Coast (from the Pre-historic to Maurya Period) Edited by K. M. Munsi. O. P.
1560 Pre-History in India. Four Broad Cast Talks on Early Man by F. E. Zeuner. 2-8
1561 Pre-History of India. Tribal migrations by C. Chakraberty. O. P.
1562 Premachand. De Zeven Lotusbloemen Uit Het Hindoestaans Vertaald Door Dr. J. Ph. Vogel. 15-0
1563 Pre-Mauryan History of Bihar by D. S. Trivedi. 10-0
1564 Pre-Raphaelite Painters by Robin Ironside and John Gere. 106 illustrations, 4 Colour plates, introduction and Critical Catalogue. 25-0
1565 Preservation of Learned Tradition in India by Miss. K. G. Ghurye. 1-8
1566 Primer of Indian Logic by K. Sastri. 11-4
1567 Princess of Wales Sarswati Bhawan Studies Vols. I-X. 25-0
1568 Principal Upanishads in Sanskrit (Roman Script) with Eng. Tr. Introduction & Notes by S. Radhakrishnan 40-0, 20-0
1569 Principals of Literary Criticism by J. A. Richords. 18-6
1570 Principles of International Law by A. P. Karmarkar. 7-0
1571 Principles of Philosophy by H. M. Bhattacharya. 7-8
1572 Principles of Tantra (Tantra-Tattva) by S. J. Woodroffe. 30-0

1573 Priyadarsika by Harsa. Translated into English by Nariman, Jacson & Ogden. O. P.

1574 Priyadarsika with Eng. Tr. by Suru. 2–0

1575 Priyadarsika with Sans. Com. Eng. Tr. & Notes by Kale. 3–8

1576 Priyadarsika with Sans. Com. & English Translation by P. V. Ramanuj Swami. 3–12

1577 Priya-Pravasa of Harioudha (Translated from Hindi Verses into English Prose. Cantos I–V) by S. N. Sharma. 1–12

1578 Problem of Sanskrit Teaching (संस्कृतानुशीलनविवेक) by Prof. G. S. Haparikar. 12–8

1579 Prolems of History and Historeography by V. Joshi. 3–12

1580 Problems of Indian States by A. B. Latthe. 1–12

1581 Problems of Indian States by G. R. Abhyankar. 5–10

1582 Proceedings of the All-India Oriental Conferences:–– Conferences 1st. Poona 1919. 2 Vols 14–8. 2 nd. Calcutta. 1922. 11–4. 3rd Madras 1924. 11–4. 4th Allahabad 1926. out of Stock. 5th Lahore 1928. 2 Vols. 17–0. 6th Patna 1930. 11–4. 7th Baroda. 1933. 11–4. 8th Mysore 1935. 11–4. 9th Trivandrum 1937 out of stock. 10th Tirupati 1940. 11–4. 11th Hyderabad 1942. 2 Vols. 6–12. 12th Banaras. 1944. Vol. I-IV. 19–4. 13th Nagpur 1946. 2Vols. 17–0. 14th Darbhanga 1948. 2 Vols. 11–4. 15th Bombay 1949. 11–4. 16th Lucknow 1953. Vol. II. 9–0 in all 173–8

1583 Index to paper. All India Oriental Conference Compiled by K. V. Venkateswar Sarma. 13–8

1584 Progress of Indic Studies (1917–1942) Edited by Dr. R. N. Dandekar. 8–0

1585 Proto Munda Words in Sanskrit by F. B. J. Kuiper. 20–0

1586 Provincial Autonomy by Dr. P. N. Masaldan. 7–8

1587 Provincial Finance in India by Dr. P. N. Banerjee. 8–0

1588 Psalms of the Brethren (Theragatha) translated into English by Rhys Davids. 25–0

1589 Psalms of the Sisters (Therigatha) translated into English by Rhys Davids. 15–0

1590 Psychological Studies in 'Rasa' by Dr. Rakesh Gupta. 7-8
1591 Psychological Study in Symbolism by Dr. Padma Agrawal. 12-0, 16-0
1592 Psychological Tests of Mentalablities by Dr. A. S. Woodburne. 2-13
1593 Psychological Types or The Psychology of Individuation by C. G. Jung. 30-0
1594 Puggalapannatti Commentary. Pali Text. Romanised. Edited by G. Landsberg & Rhys Davids. 5-0
1595 Purana Index by V. R. Dikshitar. 3 Vols. 63-0
1596 Purana Pancalaksana by W. Kirfel. 100-0
1597 Puranic Anthology. Edited by A. P. Karmarakar. 5-0
1598 Puranic Chronology by D. R. Mankad. 20-0
1599 Purusha-Pariksha of Vidyapati Thakkar (Test of A Man) Translated into English by G. A. Grierson. 12-8
1600 Purva-Mimansa in its Sources by Dr. Ganganath Jha. 12-0
1601Purvatrasiddham. System of Tripadi of Panini's Astadhyayi. Edited by H. E. Buiskool. 30-0

Q

1602 Quest After Perfection by Prof. M. Hiriyanna. 5-0
1603 Quest of Enlightenment-A selection of the Buddhist Scriptures. Translated from the Sanskrit by E. J. Thomas. 4-3
1604 Questions of King Milinda by T. W. Rhys Davids. 14-10
1605 Qunintessence of the Upanishads by G. Desai. 3-7

R

1606 Rabindranath Tagore Poet & Dramatist by Edward Thompson. 10-0
1607 Rabindranath Through Western Eyes by Aronson. O. P.
1608 Race and Religion by C. G. Campbell. 11-4
1609 Racial History of India by C. Chakraverty. O. P.
1610 Radhakrishnan: An Anthology of his Writings by Marlow. 7-10
1611 Radhakrishnan: Comparative Studies in Philosophy Presented in Honour of His Sixtieth Birthday. 20-0
1612 Ragas and Ragini by O. C. Gangoli (Illustrated) 20-0

1613 Raghuvansa by R. C. Jhala. O. P.
1614 Raghuvamsa with Eng. Trans. by S. V. Dixit.
Cantos I to IV. 3–0
1615 Raghuvamsa with Eng. Trans. by J. M. Ashar Cantos I-IV. 3–8
1616 Raghuvamsa with Eng. Trans. by V. M. Kulkarni
Cantos. VIII & IX. 3–0
1617 Raghuvamsa with Eng. Trans. Cantos. VIII-IX 3–0
1618 Raghuvamsa with Eng. Trans. Cantos. XIV. 1–8
1619 Raghuvansa Cantos 1–II with Eng. Tr. and Notes by
C. S. Ram Sastri. 1–0
1620 Raghuvansa Cantos I to V with English Tr. by
M. A. Karandikar. 4–12
1621 Raghuvansa Cantos VI–IX by Devadhar. 3–0
1622 Raghuvansa Cantos I to IV with English Translation by
Karnik and Deshapande. 5–0
1623 Raghuvansa with Eng. Tr. & Notes by S. Ray. Cantos I, IV
and XVI, each canto. 4–8
Cantos II, V, VI, XIII & XIV each Canto. 5–0
1624 Raghuvansa (Cantos 11–14) Text with Eng. Tr. by
R. D. Karmarkar. 3–4
1625 Raja Yoga by S. Vivekananda. 2–12
1626 Rajadharma by K. V. Rangswami Aiyangar. 5–0
1627 Rama: His life and legacy by B. N. Sharma. 5–0
1628 Ram Krishna–His life and sayings by Prof. F. Max Muller. 5–0
1629 Raman Maharshi and the Path of Self Knowledge by
Arthur Osborne. 11–4
1630 Ramanuja on the Bhagavadgita. A Condensed Rendering
of His Gitabhasya with Copious Notes and an Introduction by J. A. B. Van Buitenen. 35–0
1631 Ramdas and Ramdasis (A Study of Hinduism)
by W. S. Deming. 3–0, 2–0
1632 Ramdas Charitam. Sanskrit Text with English Translation
by K. Row. 5–0

1633 Rama's Later History or Uttararam-Charita, An ancient Drama by Bhavabhuti, Translated by S. K. Belvelkar. 20-0
1634 Ramayan by R. C. Dutt. 3-0
1635 Ramayan of Tulsidas or The Bible of Northern India by Rev. J. M. Macfie. 10-0
1636 Ramayan of Tulsidas. Original text of Tulsidas with the Rev. A. G. Atkin's Translation in English Verse. Three Vols. 50-0
1637 Ramayan of Tulsidas by F. S. Growse. 4-0
1638 Ramayan by Sudha Mazumdar. 2 Parts. 4-0
1639 Ramayan (An elegant translation into Idiomatic English from the original of Valmki) by M. L. Sen. Complete 3 Vols. 20-0
1640 Ramayan and Lanka by T. P. Aiyer. 3-12
1641 Rammohan to Ramkrishna by Max Muller. 3-0
1642 Ranade the Prophet of Libarated India by D. G. Karve. 4-8
1643 Rangit Singh : The Lion of the Panjab by W. S. Osborne. 3-0
1644 Raphael and Michelangelo Drawings at Windsor Castle by A. E. Popham. 42 plates with introduction. 12-8
1645 Rasa-Jala-Nidhi by B. Mukerjee. 5 Vols. 37-8
1646 Rasatala or the under world by Nandolal Dey. 2-0
1647 Rastrakutas and their times by Dr. A. S. Altekar. 10-0
1648 Ratnavali Edited by Prof. V. K. Joshi & Prof. G.M.Watve. 4-8
1649 Ratnavali of Harsa. Edited with Critical notes in French by M. Lehot. 10-12
1650 Ratnavali with Eng. Trans. 3-4
1651 Ratnavali with Eng. Trans. by J. M. Ashar. 4-0
1652 Ratnavali with Eng. Tr. and Notes by C. S. Ram Sastri. O. P.
1653 Ratnavali with Eng. Tr. by Dewadhar and Suru. 3-4
1654 Ratnavali with Eng. Tr. & Notes by S. Ray. 6-0
1655 Ratnavali with Sans. Com. by S. Narayan Sastri and Eng. Tr. by P. V. Ramanuja Swami. 3-12
1656 Ratnavali with Sans. Comm. Eng. Trans & Notes by Kale. 5-8
1657 Reason and Religion by Sohrab A. Kalyan. 2-0

1658 Reconstruction of Indian Agriculture by V. V. Kolhatkar. 3-0
1659 Reflections on the numerals 'one' and 'Two' in ancient Indo-European languages by J. Gonda. 17-8
1660 Reform of Local Self-Government of India by P. M. Sharma. 3-0
1661 Reforms and Religious Ideas of Sir Sayyid Ahmad Khan by J. M. S. Baljon Jr. 16-0
1662 Rehla of Ibn Battuta (India, Maldive Islands and Ceylon) Translation and Commentory by Mahdi Husain. 37-0
1663 Reign of Law in Buddhism by C. Jinarajadasa. 1-4
1664 Reign of Quantity and the Sign of the times by R. Guenon. Translated by L. Northbourue. 25-0
1665 Relation of the Epic & Brahmana Litrature by V. V. Dixit. 5-0
1666 Religion and Dharma by Sister Nivedita. 2-0
1667 Religion and Modern Doubts by S. Nirvedananda. 3-0
1668 Religion and Philosophy of Atharvaveda by Dr.N.J. Sende. 10-0
1669 Religion and Poilosophy of the Veda and Upanishadas by A. B. Keith. 2 Vols. 50-0
1670 Religion and Society by S. Radhakrishnan. 14-6, 10-0
1671 Religion of An Indian Tribe by E. Verrier. 25-0
1672 Religion of Ancient Egypt by Samuel A. B. Mercer. 45-0
1673 Religion of Man by Rabindranath Tagore. 9-6
1674 Religion of Rabindranath by Srimati M. Devi. 1-2
1675 Religion We Need by S. Radhakrishnan. 8-0
1676 Religions of India. Vol. I. The Vratya or Dravidian Systems by A. P. Karmarkar. 16-0
1677 Religion of the Hindus by Kenneth W. Morgan. 30-0
1678 Religious Dances. Translated by E. Classen. O. P.
1679 Religious History of India by J. Talboys Wheeler. 6-0
1680 Remarks on Similes in Sanskrit Literature by J. Gonda. 15-0
1681 Remarks on the Sanskrit Passive by J. Gonda. 14-0
1682 Rembranodt Etchings by L. Munz. Vol. I. 400 illustrations, 70 pages introduction. Vol. II. Essay, Catalogue raisonne 232 pages text, 240 illustrations. 170-0

1683 Renaissance in India by Sri Aurobindo. 1-8

1684 Renoir by Willaim Gaunt. Selected paintings. 104 plates, 17 Colour, introduction. 42-0

1685 Report on the Excavations at Brahmapuri in Kolhapur by Sankalia & Dixit. 30-0

1686 Representative Government in South East Asia by Rupert Emerson. 20-0

1687 Rig-Bhashya Bhumika by T. V. Kapli Sastri. 6-0

1688 Rig-Veda as Land-Nama-Bok by A. K. Coomara Swamy. 3-0

1689 Rig-Veda Brahmans, the Aitareya and Kausitaki Brahmanas of the Rig-veda, translated from the original Sanskrit by A. B. Keith. 40-0

1690 Rig-Veda (Der) translated from Sanskrit into German with accompanying commentary and Notes by K. F. Geldner. 3Vols. 100-0

1691 Rig-Veda. English translation by H. W. Wilson Vol. I-VI. 25-0

1692 Rigvedamantras in their ritual selling in the Grihyasutras by Dr. V. M. Apte. 2-8

1693 Rigveda Pratishakhya. English translation by Dr. Mangal Deva Sastry. 20-0

1694 Rig-Veda Repitition by M. Bloomfield. 2 Vols. 50-0

1695 Rigvedic Legends through the Ages by H. L. Hariyappa. 15-0

1696 Rigvidhana. Translated into English by J. Gonda. 20-0

1697 Rise and Fall of Muhammad Bin Tughluq by Agha Mahdi Husain. 15-0

1698 Rishtasamuchhaya of Durgadeo, Jain Prakrit work on omens. Ed. with Sanskrit Chaya. Eng. Tr. by Dr. Gopani. 10-0

1699 Ritusamhara or the Pageant of the Seasons. Translated from the original Sanskrit Lyrics of Kalidas by R. S. Pandit. O. P.

1700 Road to Nirvana. A Selection of Buddhist Scriptures translated from the Pali by E. J. Thomas. 4-3

1701 Rodin Sculpture. A new popular edition with 92 plates and an introduction by Somer Ville Story. 21-0
1702 Roman Pottery by R. J. Charleston. 35-0
1703 Romain Rolland "The Story of A Conscience" by Dr. Alex Aronson. 5-8
1704 Rome of the Caesars with an introduction by Pierre Grimal, 61 monochrome plates, 8 Colour plates, 34 pages text. 27-8
1705 Roots of the Pali Dhatupathas by S. M. Katre. 5-0
1706 Roots, Verb-Forms and Primary Deravatives of the Sanskrit Language by W. D. Whitney. 11-4
1707 Rubaiyat of Omarkhayyam by E. Fitzgerald. 16 Coloured plates by Pogany. 9-0
1708 Rubaiyat of Omarkhayyam Portfolio of 30 Plates by Sett. 5-0
1709 Rudin (A Novel) by I. S. Turgenev. 5-0
1710 Rudra Shiva by N. Venkataramayya. 5-10
1711 Russian and the Slavonic Languages by W. J. Entwistle and W. A. Morison. 43-12

S

1712 Saccasankhepa. Pali Text Romanised edited by P. Dhammarama 10-0
1713 Sacred Kural or the Tamilvedas of Tiruvalluvar by H. A. Poyley. O. P.
1714 Sacred Laws of the Aryas by G. Buhler. Vol. I. 14-10
1715 Saddhamappakasini: Pali text, Romanized. Edited by C. V. Joshi. Vol. 3. 20-0
1716 Saddharma-Pundarik translated by H. Kern. 14-10
1717 Saddharmapundarikasutra by W. Baruch. 16-0
1718 Sadhs by W. L. Allison. 2-0
1719 Sahityadarpana with English Translation by K. Ray. Chap. 1-5. 7-0, Ch. 6th. 10-0, Ch. 7-9. 5-0, Chapter 1-9 in 3 Parts. 22-0
1720 Sahityadarpan with Exhaustive Notes by P. V. Kane. O. P.
1721 Saiva School of Hinduism by Shivapada Sundaram. 6-0
1722 Saiva Siddhanta by Ramanujachari. 1-6

1723 Saiva Siddhanta by Pillai. 2–4
1724 Saiva Siddhanta by V. Paranjoti. Second Edition. 10–8
1725 Saiva Upanishads. Translated into English by T. R. S. Aiyangar. 9–0
1726 Saka Studies by Sten Konow. A first sketch of the phonology and Grammar of the Saka language containing one new Saka text with the Tibetan Version and an english translation, and a complete vocabulary and grammatical index to all published Saka text. 30–0
1727 Saktas of Bengal by Payne. O. P.
1728 Sakuntala by R. Pischel. 25–0
1729 Samantapasadika. Buddhaghosa's Commentary on the Vinaya Pitaka. Edited by J. Takakusu and Makotonagai. Vols. 6th & 7th. 40–0
1730 Samaraichha Kaha (बी ओ–भ ओ) With Eng. trans. by Prof. N. A. Gore. 3–12
1731 Samveda Samhita. English Translation by Rev. J. Stevenson. O. P.
1732 Sangitaratnakara of Sarngadeva. Eng. Tr. by C. K. Raja. Vol. I. Chapter I. 4–0
1733 Sankara Bhagavatpada by Prof. P. Sankaranaryanan. 0–5
1734 Sankhyatattvakaumudi text with Eng. Trans. and Notes by H. Datta and Dr. Jha. 10–0
1735 Sanketanidhi with Eng. Tr. by V. S. Sastri. 4–8
1736 Sankhya Conception of Personality by Abhaya Kumar Majumdar. O. P.
1737 Sankhya Karika by S. S. Suryanarayana Sastri. O. P.
1738 Sankhya Karika with english translation by Dr. H. D. Sharma. 7–8
1739 Sankhayana Aranyaka with an appendix on the Mahavrata. Translated by A. B. Keith. 6–0
1740 Sankhyapravachan Bhashya by R. Garbe. 30–0
1741 Sankhya System by Keith. 3–0
1742 Sankhya System. Critical Study by Sovani. 1–4

1743 Sankhyayana Srautasutra. Eng. Trans. by W. Caland. 35-0
1744 Sanskrit and Culture by T. Goldstucker. 6-0
1745 Sanskrit Comic Characters by J. T. Parikh. 2-4
1746 Sanskrit Culture in a Changing World by B. B. Bhattacharya. 2-4
1747 Sanskrit Documents. Being Sanskrit Letters and other Documents. Preserved in the oriental collection at the National Archives of India. Edited by S. N. Sen. 16-0
1748 Sanskrit Drama by A. B. Keith. 20-0
1749 Sanskrit English Dictionary. Etymologically and Philologically arranged with special reference to Cognate Indo-European Languages by Monier-Williams. New Edition. 1956. 102-6
1750 Sanskrit Et Culture by L. Renou. 15-0
1751 Sanskrit Grammar by W. D. Whitney. 30-0
1752 Sanskrit Grammar for Students by A. A. Macdonell. 8-8
1753 Sanskrit Historical Phonology by Franklin Edgerton. 3-12
1754 Sanskrit in Indonesia by Dr. J. Gonda. 30-0
1755 Sanskrit Language by T. Burrow. 41-4
1756 Sanskrit Letters of Darashikoh with Eng. Tr. & Notes by C. K. Raja. O. P.
1757 Sanskrit Literature by K. Chandrasekhar & V. H. Subrahmanya Sastri. 6-0
1758 Sanskrit Literature (Selection from Classical) with English Translation and notes by J. Brough (Sanskrit text Romanized) with Eng. Trans. on opposite pages) 16-0
1759 Sanskrit Literature and Art-Mirrors of Indian Culture by C. Sivarama Murthi. 16-12
1760 Sanskrit Primer by E.D. Perry. 17-8
1761 Sanskrit Reader by C. R. Lanman. 25-0
1762 Sanskrit Selection (Intermidiate) revised edition with additional text with dissolution of Sandhis, edited by Devasthali. 4-4
1763 Sanskrit Studies by M. Hiriyanna. 4-0
1764 Sanskrit-Worterbuch. Nachden Petersburger Worterbuchernbearbeitet by C. Capeller. 106-12

1765 Santi. A contribution to Ancient Indian religious terminology by D. J. Hoens. 30–0
1766 Saptapadarthi by V. S. Ghate. O. P.
1767 Saptapadarthi. Edited with Introduction, Translation and Notes by Gurumurty. 2–0
1768 Sardesai Commemoration Volume. 10–0
1769 Sarattha P. Pakasini. Buddhaghosa's Commentary on the Sanyutta Nikaya. Edited by F. L. Woodward Vol. I on Sagatha–Vagga. Pali text, Romanized. 15–0
1770 Sarup–Bharati or The Homage of Indology being Dr. Lakshman Sarup Memorial Vol. Edited by Agrawal and Shastri. 30–0
1771 Sasanavamsa or the History of the Buddha's Religion, translated by Dr. B. C. Law. 20–0
1772 Sastradipika (Tarkapada) translated into English by D. Venkataramaih. 5–0
1773 Satapancasatak of Matraceta. Ed. by D. R. Shackleton. 45–0
1774 Satapathabrahmana by J. Eggeling. Parts. 3–5. 50–0
1775 Satapatha Brahmana (Madhyandina) with Extracts from the commentary of Sayan, Hari Svami and Dvivedaganga. Critically Edited by A. Weber. O. P.
1776 Satyagraha (The Pathway to Peace) by R. R. Divakar. 3–0
1777 Satyagraha Gita (Sanskrit Text) by Kshama Row. 2–8
1778 Satyagraha it's Teachniques and History by R. R. Diwakar. 5–12
1779 Saundarya-Lahari. (The Ocean of Beauty) by Sastri & Ayyangar. 6–0
1780 Savitri by Sri Aurovindo. 13–0
1781 Science and The Art of Indian Medicine by Srinivasa Murty. 4–0
1782 Science of Palmistry by Edward Heron Allen. 3–0
1783 Science of Religion or Sanatan Vaidika Dharma by Dr. Bhagwan Das. 2–12
1784 Science of Social Organisation by Dr. Bhagavan Das. 3 Vols. 12–0
1785 Science of the Sulbha by Bibhutibhushan Datta. 3–12

1786 Scotland by Edwin Smith and G. S. Fraser. 191 Photogravure plates, 6 Colour plates. 43–12

1787 Sculptures from Amaravati in the British Museum by Dr. Barrett. 25–0

1788 Sculptures in Allahabad Museum by S. C. Kala. 15–0

1789 Sculpture in Britain: The Middle Ages by Lawrence Stone. 45–0

1790 Second Book of Sanskrit (English) by Bhandarkar. 3–4

1791 Secrets of and Reading by Noel Jaguin. 4–0

1792 Secret of the Sacred Books of the Hindus by N. V. Thadani. 15–0

1793 Secrets of Yoga by Yogi Suddhanand Bharati. 6–0

1794 Selections from Classical Sanskrit Literature with English Translations and Notes by J. Brough. 16–0

1795 Selections from Hindi Literature. Compiled by Lila Sita Ram. 17–8

1796 Selection of Hymns from the Rigveda by Dr. P. Peterson. (First Series) O. P. (Second Series) 4–8

1797 Selections from the Literature of Theism. Some Principal types of religious thought by Prof. A. Caldecott. 15–8

1798 Select outline of Indian Painting and Sculpture by S. Nath Mishra. 2–0

1799 Selected Drawings of Leonardo Da Vinci at Windsor Castle by Sir Kenneth Clark. 57 plates, introduction. 15–0

1800 Selected Speeches of Shri Morarji Desai. Edited by Dr. Chandrakanta Mehta. 5–0

1801 Selected Writings of Mahatma Gandhi. Selected and introduced by Ronald Duncan. 13–2

1802 Self-Realization or Deification of Man (A Lecture) by B. L. Atreya. 0–8

1803 Serpent Power by S. J. Woodroffe. 25–0

1804 Sexology of Hindus by C. Chakraverty. O. P.

1805 Sexual Life in Ancient India. A Study in the Comparative History of Indian Culture by J. J. Meyer. 21–0

1806 Shabarbhasya on the Mimansasutras of Jaimini. Translated into English by Dr. Ganganath Jha. 3 Vols. 49-0
1807 Shahjahan by J. Dowson. 4-0
1808 Shakespeare. A critical Study of His Mind and Art by E. Dowden. 16-0
1809 Shakespeare and Myself by George Mikes. 6-6
1810 Shakespear's Tragedies by G. B. Harrison. 20-0
1811 Shakti & Shakta by S. J. Woodroffe. 25-0
1812 Shakti or Divine Power by Sudhendukumardas. 3-12
1813 Shatpanchasika with Eng. Tr. by V. S. Sastri. 1-4
1814 Sher Shah by Abbas Khan. 4-0
1815 Sher Shah and His Times by Dr. I. C. Misra. In the Press.
1816 Shiva or the past of India. A Vindication and exposition: including free Translations from the Great Shiva Sahasranama and the Ananda Lahari by E. Sharpe. 2-8
1817 Shivaji and His Times by J. N. Sarkar. 10-0
1818 Shivaji and the Rise of the Mahrattas by Richard Temple, and others. 4-0
1819 Short Dictionary of Mythology. Edited by P. G. Woodcock. 10-8
1820 Short History of Ceylon by H. W. Codrington. 3-0
1821 Short History of Civilization by Henry S. Lucas. 39-0
1822 Short History of Medicine by C. Singer. In the Press.
1823 Short History of the Middle East from the Rise of Islam to Modern times by Kirk. 16-8
1824 Short Introduction to Essential of Living Hindu Philosophy by F. Vreede. 3-0
1825 Short Life of Sri Ramakrishna. 1-0
1826 Short Stories of Premchand. Translated by G. Malik. O. P.
1827 Siddha-Bharati or the Rosary of Indology. Edited by Vishva Bandhu. 60-0
1828 Siddam. An Essay on the History of Sanskrit Studies in China and Japan by R. S. Van Gulik. 60-0
1829 Siddhanta Darshan. Text with Eng. Tr. by M. Sandal. 3-0

1830 Siddhanta Kaumudi. Karaka Portion with Eng. Tr. by S. Ray. 2-8

1831 Siddhanta Kaumudi with Eng. Tr. by S. Ray. Complete. 52-0

1832 Siddhanta Kaumudi (संज्ञाप्रकरण-परिभाषाप्रकरण एवं कारक-प्रकरण) with Introduction, Translation and Exhaustive notes by M. V. Mahashabde. 5-0

1833 Sienese Quattrocento. Painting by John Pope Hennessy. Anthology of sienese Painting in the 15th Century. Introduction, notes, index, 114 illustrations. 20-0

1834 Significance of Prefixes in Sanskrit Philosophical terminology by Betty Heimann. 15-0

1835 Sikhs by Khushwant Singh. 12-0

1836 Silver Juvilee Volume of the Bhandarkar Oriental Research Institute (1917-42) Ed. by R. N. Dandekar. 12-12

1837 Similes of Kalidas by K. C. Pillai. 2-8

1838 Sishupalvadha (Canto I) with Eng. Notes & Tr. by C. S. Ram Sastri. 0-14

1839 Sishupalvadha Cantos I-IV with Comm. English Notes and Trans. by Bhandare. 5-8

1840 Sishupalvadha with English-Bengali Tr. & Notes by S. Ray Canto I, 4-0-0, Canto II. 5-0

1841 Sister of the Spinning wheel by Puran Singh. 2-0

1842 Siva-Nana-Bodham. A Manual of Saiva religious doctrine. Translated from the Tamil with Synopsis, exposition, etc., by Gordon Matthews. 10-8

1843 Siva-Mahimna Stotram with Eng. Trans. by S. Pavitrananda 0-12

1844 Siva Samhita with Eng. Trans. by N. Sinha. 1-8

1845 Sivadvaita Nirnaya by S. S. Suryanarayana Sastri. 2-13

1846 Sivadvaita of Sri Kantha by S. S. Suryanarayana Sastri. 5-10

1847 Slave of Ideas and other plays by A. S. P. Ayyar. 2-8

1848 Sloka Vartika. Eng. Trans. by Dr. G. N. Jha. 10-0

1849 Smritichandrika with Eng. Tr. by J. R. Gharpure (Ahnika, Vyavahara, Sraddha & Asauch Kanda's) 6 Parts. 149-8

1850 Social and Political Life in the Vijayanagara Empire (A. D. 1316—A. D. 1646) 2 vols. by Dr. B. A. Saletore. 13-8
1851 Social and Religious Life in the Grihyasutras by V. M. Apte. 15-0
1852 Social Background of Indian Nationlism by Dr. A. R. Desai. 12-8
1853 Social Ethics in Modern Hinduism by Dr. R. W. Scott. 7-8, 5-0
1854 Social Function of Art by Dr. Radha Kamal Mukerji. 25-0
1855 Social Life in Ancient India by Haran Ch. Chakladar. 6-0
1856 Social Play in Sanskrit by Dr. V. Raghavan. 1-11
1857 Socialism and the National Revolution by Sri Narendra Deva. 5-8
1858 Socrates in an Indian Village by F. L. Brayne. 1 10
1859 Somanatha Temple with 23 Plates. Edited by V. N. More. 12-8
1860 Some Ancient Cities of India by S. Piggot. Library Edition. 4 0
1861 Some Aspects of Education in Ancient India by C. K. Raja. 2-8
1862 Some Aspects of Gender in the Sematic Languages by A. J. Wemsinck. 10-0
1863 Some Aspects of Hindu Medical Treatment, two psychotherapic tales by D. Chaplin. 3-0
1864 Some Aspect of the Doctrines of Maitreya (Natha) and Asanga by G. Tucci. 1-8
1865 Some Aspects of the Hindu View of Life according to Dharma Sastra by K. V. Rangaswami Aiyangar. 6-0
1866 Some Aspects of the Indian War Economy by Dr. M. S. Natarajan. 5-0
1867 Some Concepts of Alankara-Sastra by Dr. V. Raghavan. 10-0
1868 Some Contribution of South India to Indian Culture by S. K. Aiyangar. 6-0
1869 Some Historical Aspects of the Inscription of Bengal by Dr. B. Sen. 10-0

1870 Some observations on the Figures of Speech in the Rigveda by Abel Bergaigne. Translated into English by A. Venkata Subbiah. 2-4
1871 Some Philosophical Concepts of Early Chinese Medicine by Dr. Ilza Beth. 1-2
1872 Some Phonetic peculiarities of the Bengali Dialect of Manbhum. 1-0
1873 Some Saka Dates in Inscriptions. A Contribution to Indian Chronology by A. Venkata Subbiah. 3-8
1874 Some Saying of the Buddha by E. L. Woodward. 4-1
1875 Song Celestial or Bhagada Gita, from the Sanskrit by E. Arnold. 3-6
1876 Song of Lord-Bhagavadgita translated with Introduction & Notes by E. J. Thomas. 4-3
1877 Song of Praise to the Dancing Shiva. (Shiva Tandava Stotra) Text with Tr. by Ernest Wood. 2-4
1878 Songs of Love and Death by Manmohan Ghosh. 2-8
1879 Songs of Vidyapati with Eng. Trans. by Dr. Subhadra Jha. 10-0
1880 Sources of Karnatak History by S. Srikanata Sastri. Vol. I. 3-12
1881 Sources of Vijayanagar History by S. Krishnaswami Ayyangar. O. P.
1882 South Indian Polity by T. V. Mahalingam. 15-0
1883 Sovereignty in Anceint Indian Polity by Dr. H. N. Sinha 19-0
1884 Spain : A Companion to Spanish Studies by E. Allison Peers. 5th Edition. 25-0
1885 Spain by Martin Hurlimann. 237 photogravure plates, 8 Colour plates. 43-12
1886 Spanish Language by W. J. Entwistle. 22-8
1887 Speech for every occasion by A. C. Ederton. 9-0
1888 Spinozian Wisdom or Natural Religion by James Arthur. 2-12
1889 Spirit of Indian Culture by Dr. B. L. Atreya. 2-0
1890 Spirit of Indian Philosophy by S. K. Maitra. 6-0
1891 Spiritualite Hindoue by Jean Herhert. 32-0
1892 Splendour that was, Ind. by K. T. Shah. 30-0

1893 Sprachgeschichte and wortbedeutung. Festschrift Albert Debrunner. From the contents: F. Edgerton, Semantic notes on Buddhist Hybrid Sanskrit, F. B. J. Kuiper. Two Rigvedic loanwords, L. Renou, Lapassage dunom d'action a I' infinitif dans le Rigveda. 135-0
1894 Sprookjes Van EEn Spook (Somadeva) · Uit Het Sanskrit Vertaald Door J. A. B. Van Buitenen. 10-0
1895 Srikara Bhashya by Sripati Panditacharya. 2 Vols. 20-0
1896 Srinagara Prakash of Bhoja by Dr. V. Raghvan. O. P.
1897 Sripatipaddhati with Eng. Tr. by V. S. Sastri. 2-12
1898 Sṛngarmanjari of Saint Akbar Shah Based on old Sanskrit Mansuscripts in Devanagari and Telugu Scripts. Edited with a Critical Study by Dr. V. Raghavan. 20-0
1899 State and Government in Ancient India by Dr. A. S. Altekar. 15-0
1900 Statistical Terms by Dr. Raghuvir. 2-0
1901 Stone Age and Pleistocene Chronology in Gujrat F. E. Zeuner. 8-0
1902 Stone Age Cultures of Bellary by B. Subarao. 8-0
1903 Story of Ancient India by Dr. B. G. Gokhale. 3-8
1904 Story of Art by E. H. Gombrich. 468 pages, with 370 illustrations, 21 Colour plates. 30-0
1905 Story of Indian Philosophy by C. Manning. 3-0
1906 Story of Language by Mario Pei. 20-0
1907 Story of Swami Rama by S. P. Singh. 4-0
1908 Strange Autobiography by Diana Fredrics. 5-4
1909 Strijataka or Female Horoscopy by B. S. Rao. 4-8
1910 Students History of Education in India (1800-1947) by Nurullah & Naik. 8-0
1911 Student's Modern Dictionary. English-English-Marathi. 16-0
1912 Students Pharmacology and Materia Medica by Rale. 9-8
1913 Studies and Social work for Student by Students. 1-12
1914 Studies in Buddhism by F. Max Muller, M. Williams, R. Stephen and Childers. 4-0

1915 Studies in Comparative Aesthetics by Dr. P. Chaudhury. 5-0
1916 Studies in Dramatists Vol. I. Marlowe by B. R. Mullik. 1-8
1917 Studies in Dramatists Vol. II. Ben Jonson by B. R. Mullik. 1-8
1918 Studies in Dramatists Vol. III. Shakespeare General by B. R. Mullik. 3-8
1919 Studies in Dramatists Vol. IV. Shakespeare Hamlet by B. R. Mullik. 1-8
1920 Studies in Gujrati Literature by Sanjana. 5-8
1921 Studies in Indian Economic Problems. Selected Essays by R. Balakrishna. 20-0
1922 Studies in Indian History by Elliot & J. Dowson 1-8 Parts. 32-0
1923 Studies in Indian History by Surendranath Sen. O. P.
1924 Studies in Indian History and Culture by N. N. Law. O. P.
1925 Studies in Indian Literary History by P. K. Gode. 3 Parts. 60-0
1926 Studies in Indo-Muslim History by S. H. Hodiwala. O. P.
1927 Studies in Jaimini Astrology by B. V. Raman. 6-0
1928 Studies in Jain Philosophy by Nathmal Tatia. 16-0
1929 Studies in Kautilya by M. V. Krishna Rao. O. P.
1930 Studies in the Lankavatara Sutra. One of the most important Texts of Mahayana Buddhism, in which almost all its principal tenets are presented, including the teaching of Zen by D. T. Suzuki. 28-0
1931 Studies in Literature by Sir A. Quiller-Couch. 1st, 2nd & 3rd Series.
1932 Studies in Nayaka-Nayika Bheda by Dr. Rakesh Gupta. In the Press.
1933 Studies in Nyaya Vaisesika Metaphysics by Dr. S. Bhaduri. 10-0
1934 Studies in Philosophy by R. F. A. Horney. 24-0
1935 Studies in Political Philosophy by Dr. P. N. Masaldan. 3-0
1936 Studies in Post-Sankara Dialecties by Asutosh Bhattacharya. 4-0
1937 Studies in Ramayan by K. S. Ramswami Sastri. 7-8
1938 Studies in Sanskrit Aesthetics by Prof. A. C. Sastri. 8-0
1939 Studies in Tantras by Dr. P. C. Bagchi. Part I. 2-3
1940 Studies in the Apabhramsa Texts of the Dakarnva. Edited by N. N. Chaudhuri. 6-4

1941 Studies in the Historical and Cultural Geography and Ethnography of Gujrat by H. D. Sankalia. 15-0

1942 Studies in the Philosophy of Religion. Edited by Smith. 2 Vols. ...

1943 Studies in the Renaissance of Hiuduism by D. S. Sharma. 15-0

1944 Studies in the Upanishads by Srisa Chandra. 4-0

1945 Studies in the Upanishads-Isavasyopanishad by A. V. Gopalachariar. 0-10

1946 Studies in the Vedanta Sutras of Badarayana by S. C. Basu. 3-0

1947 Studies in Vedanta by Vasudev J. Kirtikar. (Second-Hand) 15-0

1948 Studies on Indian Art by O. C. Ganguli. 5-12

1949 Studies on Panini's Grammar by Barend Faddegon. 7-8

1950 Studies on the Samaveda by Barend Faddegon. Part I. 12-8

1951 Study and Practice of Yoga by H. Day. 8-0

1952 Study in Aesthetics by M. H. Bird. 5-0

1953 Study in the Economic Condition of Ancient India by Pran Nath. 12-0

1954 Study of Bhagavata Puran by P. N. Sinha. 12-0

1955 Study of Comparative Literature by Rolf Henkl. 1-8

1956 Study of Indian Art by K. de B. Codrington. 3-8

1957 Study of Indian Economics by Dr. P. Benerjee. 12-0

1958 Study of Muslim Inscriptions by A. V. S. Bendre. 7-8

1959 Study of Palmistry by Comte C. de Saint. 30-0

1960 Study of Reality G. R. Malkani. 2-0

1961 Study of Rural Economy of Gujrat. Containing Possibilities of Reconstruction by J. M. Mehta. 3-0

1962 Study of the Gujrati Language in the 16th Century by T. N. Dave. 10-8

1963 Study of the New Indo Aryan Speech, treated in the 'Ukti Vyaktiprakaran' by Prof. S. K. Chatterjee. 8-0

1964 Study of Plants by T. W. Woodhead. 12-8

1965 Study of Sankar by Nalinimohan Sastri. O. P.

1966 Study of Vedanta by Dr. Sarojakumardas. O. P.

1967 Study on the Chronicles of Ladakh by Dr. L. Patech. O. P.
1968 Subodhini. Eng. Tr. by J. R. Gharpure. 28–0
1969 Subuktigin by Abul Fazl Al Baihaki. 4–0
1970 Successors of the Satavahana's in the Lower Deccan by Dr. D. Sarcar. 7–8
1971 Suçindram Temple. A Monograph by K. K. Pillai. 40–0
1972 Sufism and Vedanta by Rama Chaudhary. 2 Parts. 10–0
1973 Sukraniti. Tr. by B. K. Sarkar. 6–0
1974 Sundarkand of Valmiki with Eng. Trans. by J. M. Ashar. 3–0
1975 Surjical Epitome by Nadkarni. 2 Vols. 24–0
1976 Survey of Indian History by Panikkar. 8–8
1977 Surya Namaskar by Raja Saheb of Aundh. 1–0
1978 Sutta-Nipàta, Pali text, Romanized, Edited by Dines Andersen and Helmer Smith. 15–0
1979 Suvarnaprabhasottamasutra das Goldglanz–Sutra. Ein Sanskrit-Text des Mahayana–Budhismus. Die tibetischen ubersetzungen, mit einem worterbuch herausgegeben Von Johannes Nobel.
1st. Die tibetischen Ubersetzungen. 40–0
2nd. Worterbuch Tibetisch-Deutsch-Sanskrit. 55–0
1980 Swami Rama by Sharma. O. P.
1981 Swapna Vasavadatta with Tr. & Notes by S. Ray. 6–0
1982 Swapna Vasavadatta with Eng. Trans. by J. M. Ashar. 2–8
1983 Swapna Vasavadatta with English Notes & Tr. by C. S. Ram Sastri. 2–0
1984 Swapna Vasavadatta with Eng. Trans. 2–8
1985 Swapna Vasavadatta with Eng. Tr. by Dr. G. K. Bhatta. 3–4
1986 Swapna Vasavadatta with Eng. Tr. by C. R. Devadhar. 3–12
1987 Swaraj Shastra by Sri Vinoba Bhave. 1–8
1988 Switzerland by Martin Hurlimann. 226 photogravure plates, 6 Colour plates. 43–12
1989 Syainika Sastra. (A book on hawking) Text and Translation by Sastri. 1–0

1990 Symposium on Post-War Education in India by T. K. N. Menon. 4–8

1991 Syntax of Vedic Comparisons by Abel Bergaigne. Translated by A. Venkata Subbiah. 1–8

1992 Synthesis of Yoga by Sri Aurbindo. 15–0

1993 Synthetic View of Vedanta by P. N. Srinivasachari. 5–0

1994 System of Ayurveda by Siva Sarma. 14–0

T

1995 Tagore–A Philosophical Study by Narvane. 5–0

1996 Tagore–A Study by Dr. D. P. Mukerji. 3–8

1997 Taittariya Samhita or Veda of the Blackyajus School. Translated into English by A. B. Keith. 2 Vols. 72–0

1998 Tales and Teachings of Hinduism by D. S. Sharma. 3–0

1999 Tales of Ancient India by Sharma. 1–4

2000 Talks on Jnana Yoga by Swami Iswarananda. 1–12

2001 Tales of a Grand Father From Assam by Lakshminath Bezbaroa. Translated by Aruna Devi Mukerjea. 6–8

2002 Tandava Laksanam or The Fundamentals of Ancient Hindu Dancing by Naidu, Naidu and Pantulu. Illustrated. O. P.

2003 Tantraraja Tantra by Woodroffe. 6–0

2004 Tantra Vartika. English Translation by Dr. G. N. Jha. 25–0

2005 Tantras : Their Philosophy and Occult Secrets by D. N. Bose. 6–4

2006 Tarikh-1-Mubarakshahi (Contemporary account of the Kings of the Saiyyid Dynasty of Delhi) Translated into English from original Persian by K. K. Basu. 10–0

2007 Tarkabhasa of Kesava Mishra. Eng. Trans. by Dr. G. N. Jha. 3–12

2008 Tarka-Samgraha with Dipika and Nyayabodhini. Edited with Introduction and English Translation by M. R. Bodas. 2–8

2009 Tattva-Darsana (Philosophy of Truth) with Eng. Trans. by Dr. Jwalaprasad. 6–0

2010 Tattva Sangraha of Santarakshit with the Commentary of Kamalsila : translated into English by Dr. G. N. Jha. 2 Vols. 10–0
2011 Teaching of Hindi by S. N. Sharma. 2–12
2012 Teaching of Sanskrit by Prof. D. G. Apte. 1–0
2013 Teachings of Sri Ramkrishna. 5–0
2014 Teachings of the Upanishads by Sri B. K. Chattopadhyay. 10–0
2015 Technical Terms and Technique of Sanskrit Grammar by K. C. Chattarjee. 3 Parts. 22–0
2016 Technical Terms and Technique of Sanskrit Grammar by K. C. Chatterji Part III. 8–8
2017 Tempest (Shakespeare) by Prof. V. H. Kulkarni. 3–8
2018 Ten Principal Upnishads Put into English by Shree Purohit Swami and W. B. Yeats. 10–0
2019 Terracotta Figurines from Kausambi by S. C. Kala. 16–0
2020 Text of Confucianism Trans. by Legge. Part II. Yiking. 21–0
2021 Text of Taoism by Legge. 35–0
2022 Theatre : Three Thousand Years of Drama. Acting & Stagecraft by S. Cheney. O. P.
2023 Theatre of the Hindus by H. H. Wilson. 6–12
2024 Theory and Problems of social Psychology by David Krech and Richards Crutchfield. 30–0
2025 Theory of Indian Music by B. Swarup. 10–0
2026 Therabada Buddhism in Burma by Dr. Nihararanjan Ray. 7–8
2027 Theragatha Commentary. Pali text. Romanized. Edited by F. L. Woodward. Vol. II. 45–0
2028 Thirteen Principal Upanishads. Translated by R. E. Hume. 9–0
2029 Thirty Minor Upanishads by K. N. Swamy Aiyer. 1–8
2030 This Hindi and Devnagari by Madan Gopal. 7–0
2031 Thoughts from the Vedanta by R. Krishna Swamy Aiyer. 1–11
2032 Three Hundred Important Combinations by B. V. Raman. 2 Parts. 9–0
2033 Three Principal Schools of Buddhism by Dr. N. Dutt. O. P.

2034 Tibetan–English Dictionary with an English–Tibetan Vocabulary by H. A. Jaschke. 40–0
2035 Tibetan Literary Texts and Documents. Concerning Chines Turkestan. Selected and Translated by F. W. Thomas. 3 Parts. 80–0
2036 Tintoretto by Hans Tietze Complete edition, introduction and critical Catalogue. 300 reproductions, 3 Colour plates, 2 folding plates. 104 pages text. 30–0
2037 Titian by Hans Tietze. All the master's paintings and many Drawings. 336 plates, 8 Colour plates, 116 pages text. 30–0
2038 True Conception of Religion by N. Brahmachari. 3–0
2039 Tirukkural of Tiruvalluvar with an English Translation. Ed. by V. R. Ramchandra Dikshitar. 12–0
2040 To become or not to become (That is the question ?) by C. A. F. Rhys Davids. Episodes in the History of An Indian Word. 3–0
2041 Todar Mull by R. C. Dutt. 4–8
2042 Tolkappiyam. The Earliest Extant Tamil Grammar with a short commentary in English by P. S. S. Shastri. I Vol. 1–4
2043 Tolstoy and Gandhi by Kalidas Nag. 7–8
2044 Tombs of the Tibetan Kings by G. Tucci. 10–10
2045 Towards A Happier Life (Home Doctor for India) by M. A. Kamath. 7–8
2046 Towards Modern Art by Ludwig Goldscheider. Art of the new age and art of the past shown side by side. 98 monochrome illustrations. 25–0
2047 Towards Struggle by Jayaprakash Narayan. 6–8
2048 Treasury of Philosophy. Edited by D. D. Runes. 42–0
2049 Treatise on Hathyoga with English Translation by Srishchandra Vasu. 2–0
2050 Treaty Between Indian and the United Kingdom by T. Dutt. 2–8
2051 Trees of India by Charles Mccann. 13–0

2052 Treasures of Indian Miniatures. Introduction and Notes by Basil Gray. 12–8

2053 Treasures of the Great National Galleries by Hans Tietze. Anthology of paintings. 168 pages text, 272 monochrome illustrations, 24 Colour plates. 35–0

2054 Tribal Arts of Middle India. A Personal Record by Verrier Elwin. 20–0

2055 Tribes in Ancient India by Dr. Bimal Charan Law. 8–0

2056 Tripadi. Being an abridged English recast of Purvatrasiddham by H. E. Buiskool. 30–0

2057 Trisasti Salakapurusacharita of Hemachandra. Translated into English with copious Notes by Dr. M. Johnson. 4 Parts. 92–0

2058 Trisvabhavanirdesa. Sanskrit Text and Tibetan Version. Edited with an English Translation, Introduction and Vocabularies by S. Mukhopadhyaya. 5–0

2059 Tukaram Charitam with Eng. Translation by K. Row. 5–0

2060 Twelve Principal Upanishads. Text and English Translation from Sankara's and Anandgiri's Commentaries by E. Roer & others. 3 Parts. 9–0

2061 Twentieth Century Literature : 1901–1950 by A. C. Ward. Revised and reset 12th Edition. 15–0

2062 Twenty-five Sanskrit Inscriptions by J. Gonda. 3–0

2063 Twenty Two Srutis of Indian Music by Telang. 0–12

2064 Two Nations and Kashmir by Lord Birdwood, A full Study of the Kashmir problem and especially the point of view of the Cashmiris. 28–2

2065 Types of Sanskrit Drama by D. R. Mankad. O. P.

U

2066 Udana: or Solemn Utterances of the Buddha. Pali text, Romanized. Edited. by P. Steinthal. 9–0

2067 Udrayana, Konig von Roruka. Eine buddhistische Erzahlung. Die Tibetische Ubersetzung Des Sanskrittextes von Johannes Nobel. Vol. I. Text, deutsche ubersetzung und Anmerkungen. Vol. II Worterbuch. 55–0

2068 United States and India and Pakistan by W. Narman Brown. 16-0
2069 Unity of India. Collected Writing 1937-1940 by Pt. Jawahar Lal Neharu. 15-0
2070 Universe and the heavens by M. V. Ramkrishnan. 5-4
2071 Universities and National Life by S. R. Dongerkery. 4-8
2072 Universities and their Problem by S. R. Dongerkery. 6-0
2073 Unknown Nepal by R. N. W. Bishop. Edited augmented by J. E. Cunningham, with contributions by Sir Clutha Mackenzie, Theon C. Wilkinson, Allen D. Percival. With 25 illus. 16-0
2074 Untersuchungen Uber Texte des fruhen Advaitavada. 1. Die Schuler Sankaras Von Dr. Paul Hacker. -
2075 Upadesha Sahasri with English Translation & Notes by Swami Jagadananda. 3-8
2076 Upanishadas. English Translation by Max Muller. Vol. I. 12-3
2077 Upanishadas in Story and Dialouge by R. R. Diwakar. 3-12
2078 Upanisads. For the Lay Reader by C. Rajagopalachari. 1-4, 2-4
2079 Upasarga and Technical Terms. (Technical Terms and Technique of Sanskrit Grammar Part II) by K. C. Chatterji. 1-8
2080 Urubhanga with English Translation by C. R. Deodhar. 1-4
2081 Usaniruddha. Cantos I & II with English translation by N. V. Vaidya. 2-4
2082 Useful Plants of India and Pakistan by J. Dastur. 5-14
2083 Uttararamacarita of Bhavabhuti. Edited with Critical notes in French by N. Stchoupak. 10-12
2084 Uttarkalamrita with English Translation by V. S. Sastri. 4-8
2085 Uttararamcharita with Eng. Trans. & Notes by S. Ray. 10-0
2086 Uttararamcharita with English Translation & Notes by C. S. Ram Sastry. O. P.
2087 Uttararamcharita with Eng. Trans. by G. K. Bhat. 6-0
2088 Uttararamcharita with English Translation by J. M. Ashar. O. P.
2089 Uttararamcharita with English translation by Karmarkar. 6-8

2090 Uttara Satyagraha Gita Text with English Translation by K. Row. 6-12

2091 Uvasagadsao with English Translation by. N. A. Gore. 7-8

V

2092 V. S. Sukthankar Memorial Edition. Vols. I & II. 35-0

2093 V. S. Sukhthankar Memorial Volume. 16-0

2094 Vak in 5 parts. 50-0

2095 Vadavali with English Translation and Notes by P. Nagaraja Row. 15-0

2096 Vairagya-Sataka with Eng. Trans. 1-0

2097 Vaisesika Philosophy according to the Dasapadartha Sastra, Chinese text with introduction, translation and notes by H. Ui Edited by F. W. Thomas. 7-8

2098 Vaisesika Sutras of Kanad with the Commentary of Sankara Mishra and Extracts from the Gloss of Jaynaryana and the Bhasya of Chandrakanta translated into English with text by Nandalal Sinha. 7-8

2099 Vaishnab Drashane Jivavad by Srischandra. 3-0

2100 Vaisnava Upanisads. Translated into English by T. R. S. Aiyangar. O. P.

2101 Vajra Suci of Aswaghosa. Sanskrit Text with English Trans. by S. Mukhopadhyaya. 3-0

2102 Vakataka Gupta Age by R. C. Majumdar. 15-0

2103 Vakyavritti and Atmajnanopadeshavidhi of Shri Sankaracharya. Translated into English with Explanatory Notes by Swami Jagadananda. 1-0

2104 Valmiki Ramayan by N. C. Aiyer. 2-0

2105 Valmiki Ramayana. Condensed in the Poet's own words, text in Devanagri by M. A. Srinivasachariar, trans. by P. P. S. Sastri. 3-0

2106 Van Gogh. 50 plates in full colour-some of them well-known pictures, others never shown in full colour before, with an Introduction by W. Uhde. 21-0

2107 Vanaspati by Majumdar. O. P.

2108 Various Aspects of Rama. 1-0
2109 Varivasyarahasya of Bhasuranandanatha with his own commentary edited by Pt. S. S. Sastri. 10-0
2110 Varshaphal or the Hindu Progressed Horoscope by B. V. Raman. 3-0
2111 Vasant Vilas with Supplement by K. B. Vyas. 4-4
2112 Vedangajyoutish. Edited with his own English Translation and Sanskrit Commentary by Dr. R. Shama Sastri. 1-4
2113 Vedant by Dr. V. S. Ghate. O. P.
2114 Vedanta. The basis culture of India by C. Raja Gopalachari. 1-0, 2-0
2115 Vedanta According to Sankara & Ramanuja by S. Radhakrishan. O. P.
2116 Vedanta Explained (Shankara's Commentary on the Brahmsutra.) Vol. I by Dr. V. H. Date. 17-8
2117 Vedanta for the Modern Man. Edited by C. Isher Wood. 20-0
2118 Vedanta for the Western World. Edited by C. Isher Wood. 20-0
2119 Vedanta. Its Doctrine of Divine Personality by K. Sundara Rama Aiyar. 1-11
2120 Vedanta. Its Ethical Aspects by K. Sundararama Aiyar. 2-0
2121 Vedanta Karikavali with an English Trans. by V. Krishnamacharya. 8-0
2122 Vedanta-Paribhasa with English Translation by S. Madhavananda. 3-0
2123 Vedanta Paribhasa with an English Translation by Suryanarayan Sastri. 12-0
2124 Vedanta Philosophy at the Harvard University by S. Vivekananda. 0-10
2125 Vedanta Philosophy by Max-Muller. 3-0
2126 Vedanta Philosophy or Brahma Suta (in English) With original Sutras and explanatory quotations from Upanishads, Bhagavad Gita and their English Translation by Sridhar Majumdar. 15-0

2127 Vedantasar with English Translation by Prof. Hiriyanna. 3–12
2128 Vedantasara of Ramanuja with an Eng. Trans. by M. B. Narasimha Iyengar. 20–0
2129 Vedanta Sutras. English Translation by G. Thibaut. Part I. 17–1
2130 Vedanta Sutras of Badarayan with the Commentary of Baladeva on Govinda Bhasya. Translated into English with Text by Srischandra Basu. 14–0
2131 Vedantic Buddhism of the Budda by J. G. Jenning. 51–3
2132 Vedantic Epistemology by G. R. Malkani. 3–8
2133 Vedas by Max Muller. 6–8
2134 Vedas of the Black Yajus Schools. Translated into English by A. B. Keith. 2 Vols. 72–0
2135 Vedic Age (History and Culture of the Indian People) by Majumdar and Pusalkar. 33–10
2136 Vedic Bibilography by R. N. Dandekar. 15–0
2137 Vedic Chronology and the Vedanga Jyotisha by B. G. Tilak. 4–8
2138 Vedic Concordance by M. Bloomfield. 125–0
2139 Vedic Culture by G. P. Upadhayaya. 3–8
2140 Vedic Culture by Swami Mahadevanand Giri. 7–8
2141 Vedic Etymology by Dr. Fatehsingh. 24–0
2142 Vedic Grammar for Students by A. A. Macdonell. 8–0
2143 Vedic Law of Marriage. 1–8
2144 Vedic Metre in its Historical Development by E.V. Arnold. O.P.
2145 Vedic Religion and Philosophy by Swami Prabhavananda. 2–8
2146 Vedic Reader for Students by A. A. Macdonell. 4–0
2147 Vedic Studies by A. Venkatasubbiah. Vol I. 10–8
2148 Velugotivari Vamsavali by N. Venkataramayya. 2–4
2149 Venisamhara with English Notes and Translation by C. S. Ram Sastri. 4–0
2150 Venisamhara with Eng. Tr. by J. M. Ashar. 5-8
2151 Venisamhara with English Translation by Devasthali. 6–14
2152 Venisamhara with English Translation by K. N. Dravid. 7–8

2153 Venisamhara with English Translation by A. B. Gajendragadkar. 8-0

2154 Verbal Composition in Indo-Aryan by R. N. Vale. 18-0

2155 Vetalpancavinsati. A critical Sanskrit Text in Transliteration with an Introduction and English translation by M. B. Emenean. 15-0

2156 Vicitrakarnika Vadanoddhrta. A collection of Buddhistic legends. Nevari text. Edited and translated by Hans Jorgensen. 12-8

2157 Victoria of England by Edith Sitwell. 12-8

2158 Vidhi Shabda Sagar (The Law Lexicon in Hindi) by Jagdish Prasad Chaturvedi with a Foreward by Dr. Rajendra Prasad. 22-8

2159 Vijaya Vallabhsuri Commemoration Volume. 17-8

2160 Vikaramaditya of Ujjayani (The Founder of the Vikrama Era) by Dr. R. B. Pandey. 15-0

2161 Vikrama's Adventures or Thirty Two Tales of throne. Translated into English with an introduction by F. Edgerton. 2 Vols. 60-0

2162 Vikramorvasiya. Edited with Introduction, Translation & Notes by Athavale & Bhawe. 4-12

2163 Vikramorvasiya with Eng. Trans. by J. M. Ashar. 3-8

2164 Vikramorvasiya or the Hero and the Nymph by Sri Aurbindo. 3-0

2165 Vikramorvashiya with English Notes and Translation by Sastri. 4-8

2166 Vikramoravashiya with English Translation by J. T. Parikh. 4-0

2167 Vinoba Bhave (Symposium) edited by P. D. Tandan. 2-8

2168 Vishnusahasranama. Eng. Trans. of Sankara's Commentary. 2-12

2169 Vishnupurana. A Prose English translation by M. N. Dutta. O P.

2170 Vision of India by S. Mitra. 2-8

2171 Visnuite Myths and Legends by B. Kakati. 5-0

2172 Visuddhajanavilasini nama Apadanatthakatha (Apadana Commentary) Pali Text Romanised edited by C. E. Godakumbura. 63-0

2173 Visuddhimagga of Buddhaghosacariya. Edited by H. C. Warren. Revised by D. Kosambi. 50-0

2174 Visva-Bharati Annals. Vols. I to IV. 40-0

2175 Do. Do. Do. Vol. V. 12-0

2176 Vivadchintamani of Vacaspati. Translated into English by Dr. Ganganath Jha. 14-0

2177 Vivekachudamani or the Crest Jewel of Wisdom of Sankaracharya with English Translation by M. Chatterjee. 3-0

2178 Vivekachudamani with Eng. Trans. by S. Madhavananda. 3-0

2179 Vocabulaire du rituel Vedique by L. Renou. 36-0

2180 Volume of Eastern and Indian Studies in Honour of F. W. Thomas. 13-8

2181 Volume of Indian and Iranian Studies, Presented to E. Dennison Ross. 13-8

2182 Vrittaratnavali with Eng. Trans. by H. G. Narhari. 4-0

2183 V. S. Sukhthankar and his Contribution to Indology by S. M. Katre. 3-0

2184 Vyavahara Mayukha. Eng. Tr. by J. R. Gharpure. 28-0

2185 Vyavaharamayukha. Edited with Introduction and Notes by Dr. P. V. Kane. 10-0

W

2186 Walton's English Synthesis. A Practical Method of Prose-Writing & Paraphrase for the use of High School in India by Rev. J. H. Walton. 5-0

2187 War in Ancient India by V. R. Dikshitar. O. P.

2188 Wave of Bliss (Anandalahari) Text. Translation and Commentary by S. J. Woodroffe. 3-0

2189 Wayfarers Words by Rhys Davids. A collection of the Author's writings and lectures in 3 Vols. Paper cover. 12-8

2190 WESTERN AESTHETICS by Dr. K. C. Pandey. 20-0

2191 What the Stars Foretell by Jupiter. 4-0
2192 Where Theosophy and Science Meet by a body of experts. Edited by D. D. Konga. 2 Vols. 24-0
2193 Whither Woman ? (A Critical study of the social life and thought of the Western Woman) by Y. M. Rage. 6-0
2194 Windsor Castle by Sir Owen Morshead. A history of Windsor Castle by The Royal Librarian, with 84 illustrations. 30-0
2195 Winternitz Memorial Number. 20-0
2196 Winternitz Memorial Volume. 12-8
2197 Women and Society by N. A. Sharma. 4-0
2198 Women Behind Mahatma Gandhi by Eleavor Morton. 13-8
2199 Women in Rigveda by B. S. Upadhyay. 5-0
2200 Women in the Sacred Laws by Shakuntala Rao Sastry. O. P.
2201 Women in the Vedic Age by Shakuntala Rao Sastry. 2-0
2202 Women's Representative. Three One-Act Plays. 5-0
2203 Word Finder. Compiled and edited by J. I. Rodale. 37-8
2204 Words in Rigveda by Rajwade. 12-8
2205 World As Power (Reality, Life, Mind, Matter, Causality and Continuity) by S. J. Woodroffe. 11-0
2206 World Copyright. An encyclopedia. Edited by Pinner. 2 Vols. 237-8
2207 World History of the Dance by Sach. O. P.
2208 Word Index to Panini-Sutra-Patha and Parisistas. Compiled by M. M. Sridhar Sastri Pathak. 12-0
2209 World Peace and Rabindra Nath Tagore by K. Chandrasekharan. 1-2
2210 World Problems and Jianethics by Beni Prasad. 0-6
2211 World's Chief Languages with Linguistic Maps, Alphabets, Phrases and Illustrations by Mario A. Pei. 20-0
2212 Works of Swamy Rama Tirtha. Complete in 10 Vols. 22-0
2213 Worterbuch Zum Rigveda or Rigveda Dictionary by Herman Grassmann. 125-0

2214 Woven Cadences of Early Buddhists. (Suttanipat) Translated into English by E. M. Hare. 15-0

Y

2215 Yadavabhyudaya. Cantos 1-4 with English Translation. 2-8

2216 Yajnavalkya Smriti. Acharadhyaya. English Translation by Srishchandra Basu. 15-0

2217 Yajnavalkya Smriti with Mitakshara and Viramitrodaya and the Dipakalika of Sulapani with Eng. Tr. by J. R. Gharpure. 8 Parts. 100-0

2218 Yantras or Mechanical Contrivances in Ancient India by Dr. V. Raghavan. 2-4

2219 Yasastilaka and Indian Culture or Somadeva's Yasastilaka and Aspects of Jainism and Indian Thought and Culture in the Tenth Century by K. Handiqui. 16-0

2220 Yatindramatadipika with Eng. Trans. by Adidevananda. 5-0

2221 Yoga by Indra Devi. 3-12

2222 Yoga and Health by Yesudian & Maich. 11-0

2223 Yoga and Its Object by Sri Aurobindo. 1-0

2224 Yoga and Western Psychology by G. Coster. 10-0

2225 Yoga Aphroisms of Patanjali by Prabhavanand & Isherwood. 7-3

2226 Yoga Explained hy F. Yeats-Brown. 3-0

2227 Yoga For You by C. Bragdon. 4-13

2228 Yoga For the Modern World by Yogi Shuddhanand Bharati. 1-8

2229 Yoga Philosophy in Relation to other Systems of Indian Thought by S. N. Dasgupta. O. P.

2230 Yogasarsangraha of Vijnana Bhiksu. With English Trans. by G. N. Jha. 2-0

2231 Yoga-Sutra of Patanjali by Bengali Baba. 5-0

2232 Yoga-Sutra of Patanjali. Translated by J. R. Ballantyne & G. S. Deva. 4-8

2233 Yoga-Sutras of Patanjali with English Translation by M. N. Dvivedi. 2-12

2234 Yoga System of Health by Yogi Vithal Das. 11–4
2235 Yoga System of Patanjali with the Vyasa and Vachaspati commentary translated into English by J. H. Woods. 36–0
2236 Yoga : Technique of Health and Happiness by I. Devi. 9–0
2237 Yoga Upanishads. Translated into English by T. R. S. Aiyangar. 16–0
2238 Yogavasistha and Modern Thought by B. L. Atreya. 3–12
2239 Yogic Asans for Health and Vigour by V. G. Rele. 3–12
2240 Yogic Home Exercises for Men and Women by Swami Sivananda. 3–12
2241 Your Diet for Longer Life by James Tobey. 4–12
2242 Your Diet in Health and Disease by Harry Benjamin. 3–0
2243 Your Holidays in India by R. T. Shahani. 12–8
2244 Your Next Five Years (1953–1957) by Mihira. 3–0
2245 YUGANADDHA (The Tantric View of Life) by Dr. H. V. Guenther. (Chow. Sans. Studies Vol. III.) 8–0
2246 Yugapuran. Edited with the help of a New Ms. by. D. R. Mankad. 2–0

Z

2247 Zen–Buddhismus by Christmas Humphreys. 30–0
2248 Zoroaster and His World by Ernst Herzfeld. 2 Vols. 175–0
2249 Zurbaran by Martin S. Soria. The first Complete edition. 280 illustrations. 9 Colour plates, introduction and catalogue raisonne. 55–0
2250 Zwei philsophische Ramayanas Von Helmuth Von Glasenapp. 17–8

ADDENDA

A

2251 Abhijnanasakuntala with the commentary of Raghavabhatta, with english translation, notes etc., by M. R. Kale. 6–14
2252 Abhinayadarpana of Nandikesvara. English translation notes and the text, critically edited by Manomohan Ghosh with illustrations. 10–0

2253 Adam Mickiewicz in World Literature : A Symposium. Ed. by Waclaw Lednicki. 48–12
2254 Advanced History of India (Hindu Period) by Prof. P. T. Srinivasa Iyengar. Revised and edited by Gurty Venkata Rao. Foreward by Sir C. Reddy. 10–8
2255 Æsthetic Experience according to Abhinavagupta by Raniero Gnoli. 45–0
2256 African Folktales and Sculpture. 63–0
2257 Aitariyopanishad with English translation by Swami Sharvananda. 1–0
2258 Albanian Literature. An out line of Prose, Poetry and Drama by Stuart E. Mann. 20–0
2259 Albhabetical List of Manuscripts in the Oriental Institute Baroda. Compiled by R. Nambiyar. 2 Vols. 36–8
2260 Algonquian Ceremonialism and Natural Resources of the Great Lakes by Gortrude Prokosch Kurath. 1–2
2261 American Civilization : A History of the United States, edited by Wesley M. Gewehr. 33–12
2262 Amnye Ma-Chhen Range and Adjacent Regions : A Monographic Study by J. F. Rock, with 80 plates. 57–8
2263 Ancient European Musical Instruments. An Organological Study of the Musical Instruments in the Leslie Lindsey Mason Collection at the Museum of Fine Arts, Boston by Nicholas Bessaraboff. 75–0
2264 Ancient India by Radha Kumud Mookerji, with Foreward by Sri Jawaharlal Nehru. 20–0
2265 Ancient Na-Khi Kingdom of Southwest China by Joseph F. Rock. 2 Vols. 202–8
2266 Ancient Russia by George Vernadsky. 48–0
2267 Annexation of Assam (1824–1854) with a foreward by Dr. I. B. Banerjee and Dr. R. M. Lahiri. 12–0
2268 Annual Report on the Progress of Education. Part 1 and II. For year 1952–53. 4–4

2269 Annual Reports on South Indian Epigraphy—
For the years 1939-40 to 1942-43. 30-0
For the years 1945-46. 10-14
For the years 1946-47. 10-14

2270 Aparokshanubhuti with English translation by Swami Vimuktananda. 1-6

2271 Arabic Thought and its place in history by De Lacy O' Leary. 16-13

2272 Archaeological Excavation by J. P. Droop. 9-3

2273 Archaeological Research in Indo-China by Olov. R. T. Janse. 2 Vols. 318-0

2274 Archaeological Reconnaissances in North-Western India and South-Eastern Iran. Carried out and recorded with the support of Harvard University and the British Museum by Sir Aurel Stein. Antiques examined and described with the assistance of Fred. H. Andrews and analysed in an appendix by R. L. Hobson with illustrations, plates of Antiques, plans and maps from original surveys. 200-0

2275 Architecture of the South-West Indian-Spanish-American by Trent Elwood Sanford with 13 maps and 115 halftones illustrations. 40-0

2276 Art of the Chandelas. Text & notes by O. C. Gangooly. Surveyed and edited by A. Goswami. 60 plates. 32-0

2277 Art of the Pallavas. Ed. by A. Goswami. 32-0

2278 Ashtakavarga with translation in English and Explanatory notes by C. S. Patel and C. A. S. Aiyar. 10-0

2279 Asia East by South. A Cultural Geography by J. E. Spencer. 60-0

2280 Asoka by Vincent A. Smith. 5-0

2281 Asoka. Emperor of India by Hilda Seligman. 2-0

2282 Asoka's Edicts by Amulyachandra Sen. 15-0

2283 Aurangzib by S. Lane Poole. 5-0

2284 Autobiography of A Yogi by Paramhansa Yogananda. 15-12

2285 Avataras by Annie Besant. 1-0

2286 Ayurvediya Padarthavijnana by C. G. Kashikar with English translation and preface. 8-0

2287 Ayurvediya Sariram with English translation and preface by G. V. Purohit. Part I. (Illustrated) 8-0

B

2288 Babar by Stenley Lane-Poole. 5-0

2289 Badrinath by K. M. Munshi. 2-0

2290 Balti Grammar by A. F. C. Read. 8-8

2291 Banaras. A Study in Urban Geography by R. L. Singh with a foreward by Prof. L. Dudley Stamp. 12-8

2292 Bhagavadgita. The song of God. Translated by Swami Prabhavananda and Christopher Isherwood. 2-12

2293 Bhagavad Gita and Modern Life by K. M. Munshi. 2-0

2294 Bhakti or Devotion by Swami Vivekananda. 0-7

2295 Bharata Sangraha Vana and Virata Parvas with english notes and translation by C. S. Ram Sastri. 1-8

2296 Bhartrihari's Niti, Sringara & Vairagya Satak with Sanskrit Commentary of Sri Ramchandra Budhendra, English notes, translation & introduction by A. V. Gopalachariar. 6-8

2297 Bhasa by A. S. P. Ayyar M. A., I. C. S. 5-8

2298 Bhasa Pariccheda with Siddhanta Muktawali. Translated by Swami Madhavananda. 4-0

2299 Bhrigu Samhita Paddhati (Self Predictor) by Bhagwan Das Mittal. 12-0

2300 Bibliography of Sino-Tibetan Languages. Ed. by Robert Shafer Berkeley. 60-0

2301 Birth of Indian Psychology and its Development in Buddhisism by Rhys Davids. O. P.

2302 Bombay Story of the Island City by A. D. Pusalker and V. G. Dighe. 3-8

2303 Book of Knowledge : A Pictorial Treasury of Reading and Referance for Young and Old. Arranged alphabetically with some six thousand illustrations, over seven hundred of them in colour & gravure. Ed. by Gordon Stowell. 8 Vols. 300-0

2304 Buddha and the Gospel of Buddhism by A. Coomaraswamy. 15-8
2305 Buddhaghosa by B. C. Law. 6-8
2306 Buddhism in Kerala by P. C. Alexander. 6-0
2307 Buddhist Bible. Edited by Dwight Goddard. 22-8
2308 Buddhist Hybrid Sanskrit Language and Literature. Ten Public Lectures by Franklin Edgerton. 6-12
2309 Burushaski Language by D. L. R. Lorimer. 3 Vols. 155-0
2310 By-Ways of Cambridge History by F. A. Keynes. 11-4

C

2311 Cambridge History of India:—
Vol. IV-Mughul Period. Ed. by Sir Richard Burn. 35-0
Vol. V-British India. Ed. by H. H. Dodwell. 30-0
2312 Catalogue of Greek and Roman Sculpture in the Museum of Fine Arts, Boston by L. D. Caskey. 37-8
2313 Chaitanya Movement. A study of the Vaishnavism of Bengal by Melvitte T. Kennedy. 3-0
2314 Chalukyas of Gujrat. A survey of the History and Culture of Gujrat from the middle of the tenth to the end of the thirteenth century by Ashokekumar Majumdar. 30-
2315 Chamaras by Geo. W. Briggs. 3-0
2316 Chandogyopanisad with English translation by Swami Shivananda. 8-0
2317 Chanu-Daro Excavations 1935-36 by Ernest J. H. Mackay. 55-0
2318 Character of the Indo-European Moods by J. Gonda. 50-0
2319 Charm of Indo-Islamic Architecture. An Introduction to the Northern Phase by John Terry. 11-4
2320 Chicago Addresses by Swami Vivekananda. 0-10
2321 Chikishasamuccaya : A Compendium of Buddhistic Teaching. Compiled by Cantideva. Edited by Cecil Bendall. 35-0
2322 China. A Short Cultural History by C. P. Fitzgerald. 40-0
2323 China and Gandhian India by Dr. Carsun Chang. Ed. by Dr. Kalidas Nag. 6-0
2324 Chinese Religion through Hindu Eyes. A study in the tendencies of Asiatic Mentality by Benoy Kumar Sarkar. 6-0

2325 Christanity Explained to Muslims by L. Bevan Jones. 4-0
2326 Christianity in a Changing India. An introduction to the study of Missions by C. Manshardt. 1-4
2327 Chronology of Ancient Western Asia and Egypt with a synchronistic table in four sheets by P. Van Der Mur. Second revised edition. 50-0
2328 Chronology of the Reign of Asoka Moriya. A comparision of the Date of the Asoka Inscription and the date of the Tradition by Dr. P. H. L. Eggermont. 58-0
2329 Classical Background of English Literature by J. A. K. Thomson. 10-0
2330 Classical Indian Sculpture by Chintamani Kar. 9-0
2331 Classical Influences on English Poetry by J.A.K. Thomson. 12-0
2332 Classical Influences on English Prose by J. A. K. Thomson. 12-13
2333 Classical Tradition in Poetry. The Charles Eliot Norton Lectures by Gilbert Murray. 18-0
2334 Common Sense about Yoga by Swami Pavitrananda. 1-0
2335 Comparative Grammar of the Dravidian or South-Indian Family of Languages by Rt. Rev. Robert Caldwell. Third revised edition. Edited by the Rev. J. L. Wyatt and T. R. Pillai. 13-8
2336 Comparative Grammar of Middle Indo-Aryan by Sukumar Sen. 12-0
2337 Comparative Philology. A comparision between Semitic and American Languages with a Map illustrations by Arnold C. M. Lecsberg. 25-0
2338 Contemplative Activity. Eight Lectures in Æsthetics by Pepita Haezrahi. 10-14
2339 Contemporary Problems in Religion. Ed. by Harold A. Basilius. 24-8
2340 Content of Indian and Iranian Studies. An Inagural lecture delivered on 2nd May 1938 by H. W. Bailey. 2-10
2341 Cradle Tales of Hinduism by Sister Nivedita. 3-0

2342 Crescas' Critique of Aristotle. Problems of Aristotle's Psysics in Jewish and Arabic Philosophy by Harry Austryn Walfson. 36-0

2343 Critical Study of Dara Shikuh's Samudra-Sangama by Dr. Rama Chaudhuri. 12-0

2344 Critical Study of Magha's Sisupalvadha by Dr. M. T. Buch. In the press.

2345 Critical Study of Sri Harsha's Naishadhiyacharitam by Dr. A. N. Jani. 15-0

2346 Cultural Freedom in Asia. The proceedings of a Conference held at Rangoon, Burma on February 17-20, 1955 and convened by the Congress for Cultural Freedom and the Society for the Extension of Democratic Ideals. 17-8

2347 Cultural Heritage of India Vol. IV. (Religions) Ed. by Bhattacharya. 35-0

2348 Cultural History of Western Education. Its Social and Intellectual Foundations by R. Freeman Butts. 33-12

D

2349 Dacca. A record of its changing fortunes by Ahmad Hasan Dani. 6-12

2350 Dance of India by P. Banerji. 8-12

2351 Dashakumarcharita Chaps. I-II, with Padachandrika and with introduction, translation and notes in English by N. Bhaktavatsalam. 2-12

2352 Date of Bharat War by Tarakeshwar Bhattacharya. 5-0

2353 Design Development of Indian Architecture by Clande Batley. 11-4

2354 Development of Buddhism in Uttar Pradesh by Nalinaksha Dutt & Krishna Datta Vajpai. 8-0

2355 Development of Hindu Iconography by Jitendra Nath Banerjea. 30-0

2356 Diana. A strange autobiography by Diana Frederics. 3-4

2357 Dictionary of Modern English Usage by H. W. Fowler. 13-0

2358 Dictionary of Linguistics by Maris A. Pei and Frank Gaynor. ...
2359 Dictionary of the Kashmiri Language. Compiled partly from materials left by the late Pt. Isvara Kaula by Sir George A. Grierson. Assisted by M. M. Mukundarama Sastri. 120-0
2360 Dictionary of World Literary Terms, edited by Joseph T. Shipley. 24-0
2361 Dictionary of Psychology by Howard C. Warren. 26-4
2362 Dictionnaire Etymologique Du Proto-Indo-European Par Albert Carnoy. 50-0
2363 Disciples of Sri Ramakrishna. 6-8
2364 Die Hymnen Des Rigveda by Theodor Aufrecht. 2 Vols. Vol. I. Erster Teil Mandala I-VI. and Vol. II. Zweiter Teil Mandala VII-X. 130-0
2365 Doctrine of Awakening. A study on the Buddhist Ascesis by J. Evoala, translated from Italian by H. E. Musson. 21-0
2366 Documentary History of Chinese Communism by Conrad Brandt, Benjamin Schwartz and John K. Fairbank. 45-0
2367 Dramatik Works of Roger Boyle. Earl of Orrery, edited by William Smith Clark. 2 Vols. 60-0
2368 Drigdrishyaviveka Text with English-Translation and notes by Swamy Nikhilananda. 1-0
2369 Dutch Chronicle of Mughal India. Translated by Brij Narayan and Sri Ram Sharma. 6-0

E

2370 Earliest Vinaya and the beginnings of Buddhist Literature by E. Frauwallner. 60-0
3371 Early Indian Religious Thought. An introduction and essay by P. D. Mehta. 33-10
2372 Early Wooden Temples of Chamba by Hermann Goetz. With 16 Plates, 12 Text Illustrations and 1 Map. 30-0
2373 East and West by Swami Vivekananda. 1-8
2374 East and West. Some reflections by S. Radhakrishnan. 8-7
2375 Education and World Tragedy by Howard Mumford Jones. 15-0

2376 Education in Germany. Personal impressions and experiences by Yamunabai Hirlekar. 4–4

2377 Education for World Community through cultural Dynamics by Lawrence K. Frank. 0–14

2378 Elia's Pocket Dictionary English–Arabic by Elias. A. Elias 18–0

2379 Encyclopaedia of Literature (Cassell's). Edited by S. H. Steinberg. 2 Vols. 110–0

2380 Encyclopaedia of Religion and Ethics. Ed. by James Hastings. 13 Vols. 625–0

2381 English German Pocket Dictionary by Schoffler–Weis. Completely revised and much enlarged by Dr. E. Weis. 12–8

2382 English–Russian Technical and Scientific Dictionary. Ed. by Chernuchin. 70–0

2383 Epic Stories of the Second World War. Selected with a Preface and introduction by Guy Ramsey. 12–0

2384 Epigraphia Indica Arabic and Persian supplement (In continuation of the series Epigraphia Indo-Moslemica) 1951-1952, ed. by Z. A. Desai. 15–0

2385 Essays in Zen Buddhism by D. T. Suzuki. 15–0

2386 Essays on the History of Religions by Raffacle Pettazzoni. Authorised translation by H. J. Rose. 53–0

2387 Essentials of Hinduism by Swami Vivekananda. 0–12

2388 Eternal India. The Land, The People, The Masterpieces of Architecture and Sculpture of India, Pakistan, Burma and Ceylon by Alfred Nawrath, I17 illustrations of which 12 are full-color. 65–0

2389 Evolution of Awadhi (A branch of Hindi) by Baburam Saksena. 14–0

2390 Excavations at Timbarva. Report of Excavation at Timbarva near Karvan in Baroda district 1953 by R. N. Mehta. 5–0

2391 Excavation at Ur by Sir Leonord Woolley. 28–0

F

2392 Fifty Rigveda Hymns. Selected by S. Wernor. In preparation.

2393 Flight to Soviets by S. Sinha. 2-0

2394 Folk Lore Notes Vol. II. Konkan. Compiled from materials collected by A. M. T. Jackson by R. E. Enthoven. 3-8

2395 For Thinkers on Education by Swami Ram Krishnananda. 3-0

2396 Footfalls of Indian History by Sister Nivedita. 3-0

2397 Formalization of Logic by Rudolf Carnap. 18-0

2398 Four Views on Time in Ancient Philosophy by John F. Callaham. 18-0

2399 From Bismarck to the World War. A History of German Foreign Policy by Erich Brandenbarg. Translated by Annie Elizabeth Adans. 15-0

2400 Fundamentals of Indian Art by S. N. Dasgupta. 2-0

2401 Further Excavations at Mohenjo-Daro. Being an official Account of Archaeological Excavations at Mohenjo-Daro. Carried out by the Government of India between the years 1927 and 1931 by E. T. H. Mackay with chapters by A. H. Hemmy, B. S. Guha and P. C. Basu in 2 Vols. with 146 plates. 125-0

2402 Future Poetry by Aurobindo. 10-0, 11-8

G

2403 Gaekwad Cenotaphs by Taramati Gupta. 12-0

2404 Gandhi Reader. A Source Book of his life and writings. Ed. by Homer A. Jack. 60-0

2405 Geographical Factors in Indian History by K. M. Panikkar. 2-0

2406 Germany Kavya in Devanagari by Raja Shyama Kumar Tagore. 25-0

2407 Gopalkrishna Gokhale, his Life and Speeches by John. S. Hoyland. 2-8

2408 Glossary of Indian Medicinal Plants by R. N. Chopra, S. L. Nayar and I. C. Chopra. 8-0

2409 Grammar of Spoken English on a strictly Phonetic basis by Harold. E. Palmer. 12-0

2410 Grammar of the Arabic Language. Translated from the German of Caspari and edited with numerous additions and corrections by W. Wright. 2 Vols. 43–15

2411 Grammar of the Nepali Language in the Roman and Nagri Scripts. Compiled by W. R. J. Marland Hughes. 10–0

2412 Grammatik Der Bhasa Indonesia. Mit Chrestomathie und Worterverzeichnis Von Hans Kahler. 68–0

2413 Great Women of India. Edited by Swami Madhavananda and Rameshchandra Majumdar. 20–0

2414 Greek Coins. A History of Metallic currency and Coinage down to the fall of the Hellenistic Kingdoms by Charles Seltman. Revised Second edition. 43–12

2415 Guide to American Literature and Its backgrounds since 1890 by Howard Mumford Jones. 10–8

2416 Guide to Modern Thought by C. E. M. Joad. 9–6

H

2417 Hand Book of English Intonation by Lilias. E. Arustrong and Ida. C. Ward. 4–0

2418 Handbuch Des Sanskrit. Eine Einfuhrung In Das Sprachwissenschaftliche Studium Des Altindischen Von Albert Thumb. II. Teil Texte und Glossar. 2. erweiterte und Vollig neu bearbeitete Auflage Von Richard Hanschild. 104–0

2419 Hatthavanagallaviharavamsa. Edited by E. Godakumbura. 10–8

2420 Health Problems of Mithila by Lakshmikanta. 5–0

2421 High School Library. Its Organization and Administration by O. G. Viswanathan. 7–8

2422 Hindi Exercises and Readings by Gordon H. Fairbanks, John Gumperz, Walter Lehn and Harsh Vardhan. 25–0

2423 Hindu Culture and the Modern Age by K. S. Ramāswami Shastri. 12–8

2424 Hindu View of Christ by Swami Akhilananda. 6–0

2425 Hinduism by Swami Vivekananda. 1–0

2426 Hinduism at a Glance by Swami Nirvedanand. 5–0

2427 Hinduism Through the Ages by D. S. Sharma. 2-0

2428 Hints on National Education in India by Sister Nivedita. 2-8

2429 Historical Introduction to the Study of Roman Law by H. F. Jolowicz. 51-3

2430 Historical Review of Hindu India (300 B. C. to 1200 A. D.) by Panchanana Raya. 12-0

2431 Historical Syntax of Middle Indo-Aryan by Sukamar Sen. 10-0

2432 History of Chinese Philosophy Vol. 1. The Period of the Philosophers (From the beginnings to Circa 100 B. C.) and Vol. II.—The Period of Classical Learning (From the Second Century B. C. to the Twentieth Century A. D.) by Fung yu-Lan. Translated by Derk Bodde. 91-14

2433 History of Civilization by Crane Brinton, John B. Christoper and Robert Lee Wolff. 125-0

2434 History of English Drama 1660-1900 by Allardyce Nicoll. 4 Vols. 153-9

2435 History of Europe from the Invasions to the XVIth Century by Henri Pirenne. 30-0

2436 History of Exploration. From the earliest times to the present day by Sir Percy Sykes. 26-4

2437 History of Indian Philosophy by Jadunath Sinha. 2 Vols. 50-0

2438 History of Italian Literature by Ernest Hatch Wilkins. 45-0

2439 History of Jaina Monachism. From Inscriptions and Literature by S. B. Deo. 20-0

2440 History of Modern Philosophy by William Kelley Wright. 26-4

2441 History of Philosophy by Alfred Weber. Translated by Frank Thilly. With Philosophy Scince 1860 by Ralph Barton Perry. 16-9

2442 History of Political Thought by Raymond G. Gettell. 24-0

2443 History of the Arabs from the Earliest times to the present by Philip K. Hitti. 45-0

2444 History of Western Philosophy and its Connection with Political and Social circumstances from the earliest times to the present day by Bertrand Russell. 26-4

2445 Human Cycle by Aurobindo. 7–0
2446 Human Personality and its Survival of bodily death by Frederic W. H. Myers. 2 Vols. 90–0
2447 Hymns of the Alvars by J. S. M. Hooper. 2–0
2448 Hymns of the Tamil Saivite Saints by F. Kingsbury and G. E. Phillips. 1–4

I

2449 Iconography of Southern India by G. Jouvean-Dubreuil. Translated from the French by A. C. Martin. With 78 plates. 45–0
2450 Idea of God in Saiva-Siddhanta by T. M. P. Mahadevan. 3–0
2451 Idea of History in the Ancient Near East. Edited by Robert C. Dentan. 37–8
2452 In Defence of Hinduism by Swami Vivekananda. 0–8
2453 India and Java by B. R. Chatterjee. 12–0
2454 India and Pakistan. A General and Regional Geography by O. H. K. Spate. With a Chapter on Ceylon by B. H. Farmer. With a halftone frontispiece, 2 folding and 158 Text maps. 56–0
2455 Indian Conceptions of Immortality by Walter E. Clark. 6–0
2456 Indian Inheritance. Vol. II.—Arts, History and Culture. 2–0
2457 Indian Land Revenue Statistics. 1952–53 and 1953–54. 9–0
2458 Indian Painting by Percy Brown. 3–0
2459 Indian Philosophical Studies by M. Hiriyanna. 7–8
2460 Indian Place Names in North America by Nils M. Holmer. 4–8
2461 Indian Serpent Lore or The Nagas in Hindu Legend and Art by J. Ph. Vogel. 43–12
2462 Indian Shipping: A History of The Sea-Borne trade and maritime activity of The Indians from the earliest times by R. K. Mookerji, with an introductory note by Sir Brajendranath Seal. 20–0

2463 Indian Temple Sculpture, edited by A. Goswami. With an introduction by Jawaharlal Nehru : With the Saga of Indian Sculpture by K. M. Munshi : Photographs by L. K. Jha, Sunil Janah, K.L. Kothary, A.L. Syed and A. Tarafdar. 100-0

2464 India's Past. A Survey of her Literatures, Relegions, Languages and Antiquities by A. A. Macdonell. 10-0

2465 Indo-Greeks by A. K. Narain. 31-8

2466 Indo-Scythian Studies : Being Khotanese Texts. Volume III, edited by H. W. Bailey. 34-2

2467 Influence of Jesus (First Series of the S. K. Datta Memorial Lectures) by Melville T. Kennedy. 1-8

2468 Inspired Talks by Swami Vivekananda. 2-0

2469 Interludes in the Bhasa Plays by Dr. G. K. Bhat. 1-0

2470 Intermediate Sanskrit Selections by A. B. Gajendragadkar and R. D. Karmarkar. 2-12

2471 International Bibliography of the History of Religions. Compiled by Dr. Henriette Boas. 23-0

2472 International Who's Who. 91-14

2473 Introduction to Classical (Literary) Mongolian. Introduction, Grammar, Reader, Glossary by Kaare Gronbech and John. R. Krueger. 28-0

2474 Introduction to Indian Philosophy by Jadunath Sinha. 8-0

2475 Introduction to Medieval Europe 300-1500 by James Westfall Thompson and Edgar Nathaniel Johnson. With maps and illustrations. 44-0

2476 Introduction to Politics by Harold J. Laski 4-13

2477 Introduction to Semantics by Rudolf Carnap. 22-8

2478 Introduction to the Bhagavadgita by Y. K. Ramanujacharya. 1-0

2479 Introduction to the History and Message of the old Testament by G. H. C. Angus. 1-0

2480 Introduction to the Study of Indian History by Damodar Dharmanand Kosambi. 18-12

281 Introduction to the Yoruba Language by Ida C. Ward. 22-8

2482 Introductory Lectures on Psycho-Analysis : A Course of Twenty-Eight Lectures delivered at the University of Vienna by Prof. Sigmund Freud. Authorized english translation by Joan Riviere. 14-13

2483 Irach Jehangir Sorabji Taraporewala Memorial Volume : Completed on the Occasion of the First Anniversary of his death. 25-0

2484 Is Vedanta the Future Religion ? by Swami Vivekananda. 0-8

2485 Isavasyopanishad with english translation by Swami Sharvananda. 12-0

J

2486 Japan in World History by Sir George Sansom. 6-8

2487 Jatakastava or 'Praise of the Buddha's Former Births' Indo-Scythian (Khotanese) text, english translation, grammatical notes, and glossaries by Mork J. Dresden. 22-8

2488 Jawaharlal Nehru. A Biography by Frank Moraes. 15-8

2489 John Piper. Paintings, Drawings and Theatre Designs 1932-1954. Arranged and with an introduction by John Woods. 73-8

2490 Journal of the Bihar Research Society (Buddha Jayanti Special Issue, 1956). 10-0

K

2491 K. T. Paul : Christian Leader by H. A. Popley. 1-8

2492 Kama Kalpa or The Hindu Ritual of Love. Based on Ancient Sanskrit Classics, Kama Sutra, Anangaranga, Ratirahasya and Modern Works by P. Thomas. 34-0

2493 Kangra Painting with an introduction and notes by W. G. Archer. 12-0

2494 Kankhavitarani nama Matikatthakatha. Buddhaghosa's commentary on the Patimokkha, edited by Dorothy Maskell. 38-0

2495 Kashmirian Atharva Veda. Edited with critical notes by Leroy Carr Barret. Books Sixteen & Seventeen. 26-4

Books, Nineteen & Twenty. 18-12

2496 Kathopanisad in Pictures by P. S.Mehra. 15-0
2497 Kathopanishad text with english translation by Swami Sarvananda. 1-3
2498 Kavyadarsa with the Commentary of Jeevananda Vidyasagar Bhattacharya and an introduction and an english translation by V. N. Iyer. 5-8
2499 Kavyalankara of Bhamah. Paricchedas 1 to 6 with English Translation and Notes on Paricchedas 1 to 3 by C. S. Ram Shastri. 3-8
2500 Kenopanishad with english translation by Swami Sarvananda. 0-12
2501 Kevaladvaita in Gujarati Poetry by Dr. Y. T. Tripathi. In the Press.
2502 King's English by H. W. Fowler and F. G. Fowler. 10-3
2503 Kumbha. India's Ageless Festival by Roy and Devi. 2-0

L

2504 Lands and Peoples : The World in Color. 7 Vols. 250-0
2505 Language as Gesture : Essays in the Craft and Elucidation of Modern Poetry by R. P. Blackmur. 21-14
2506 Language in Thought and Action. How men use Words and Words use men by S. I. Hayakawa. 15-12
2507 Language of the Kharosthi Documents from Chinese Turkestan by T. Burrow. 17-1
2508 Language Truth and Logic by A. J. Ayer. 7-14
2509 Lankavatara Sutra. A Mahayan text. Translated for the first time from the original Sanskrit by Daisetz Teitaro Suzuki. 24-0
2510 Last Message of Shri Krishna by Swami Madhavananda. 4-8
2511 Lectures from Colombo to Almora by Swami Vivekananda. 5-0
2512 Letters of Sri Aurobindo 1st to 4th Series. 30-8
2513 Letters on 'Savitri' by Aurobindo. 2-0
2514 Life After Death by Swami Vivekananda. 0-8
2515 Life and Legend of Buddha by J. Barthelemy Saint-Hilaire. Translated from the French by Laura Ensor. 5-0

2516 Life and Teachings of Buddha by Alexander Csoma Korosi. 6–0

2517 Life, Literature and Yoga. Some new letters of Sri Aurobindo. 3–0

2518 Life of Mahatma Gandhi by Louis Fischer. 26–4

2519 Lilavati (Colebrooke's Translation) with notes by Haran Chandra Banerji. 8–0

2520 Linguistic Bibliography. Published by the Permanent International Committee of Linguists with a grant from the United Nations Educational. Scientific and Cultural Organization—

For the year 1939–1947. 2 Vols.			41–4
"	"	1948	20–10
"	"	1949	22–8
"	"	1950	22–8
"	"	1952	24–6
"	"	1953	26–4

2521 Literature und Sprache Der Singhalesen Von Wilhelm Geiger. 15–0

2522 Little Book of Eternal Wisdom and Little Book of Truth. Translated by James M. Clark. 15–12

2523 Lo Spirito Dell'amore Nella Letterature Indiana by Monindra Mohan Mulik. 3–8

2524 Love of Krishna in Indian Painting and Poetry by W. G. Archer. 26–4

M

2525 Mahadev Govind Ranade : Patriot and Social Servant by James Kellock. 2–0

2526 Mahar Folk : A Study of Untouchables in Maharastra by Alexander Robertson. 2–0

2527 Mahatma Gandhi : An Essay in Appreciations by R. M. Gray and Manilal C. Parekh. 2–0

2528 Malvikagnimitra with english translation and notes by C. S. Ram Shastri. 3–8

2529 Manual of Zen Buddhism by D. T. Suzuki. 15-0

2530 Manoratha-Purani. Commentary on The Anguttara Nikaya. Vol. V. Dasaka-Ekadasak Nipata-Vannana. With indexes to Vols. I-V. Edited by Hermann Kopp. 25-0

2531 Mauryan Polity by V. R. Ramchandra Dikshitar. 16-8

2532 Meaning of Faith by H. E. Fosdick. 1-0

2533 Medical Jurisprudence and Toxicology by J. P. Modi. 12th Edition. 24-0

2534 Meghaduta with english translation by M. R. Kale. 4-0

2535 Memoirs of the Archaeological Survey of India :—

The Baghel Dynasty of Rewah by Hiranand Shastri. (No. 21). 2-0

ii An Archaeological Tour in Wazaristan and Northern Baluchistan by Sir A. Stein. (No. 37). 3-0

iii An Archaeological Tour in Gedrosia by Sir A. Stein. (No. 43). 4-0

iv On the Iconography of the Buddha's Nativity by A. Foucher. (No. 46). 3-6

v A Record of All the Quranic and Non-Historical Epigraphs on the Protected monuments in the Delhi Province by Maulavi Muhammad A. Husain. (No. 47). 3-4

vi Excavation at Agroha, Punjab by H. L. Srivastava. (No. 61). 4-14

vii A Hoard of Silver Punch-Marked Coins from Purnea by P. N. Bhattacharya. (No. 62). 5-6

viii The Historical Sculptures of the Vaikunthaperumal Temple, Kanchi by Dr. C. Minakshi. (No. 63). 9-6

ix The Beads from Taxila by H. C. Beck. (No. 65). 5-6

x The Gupta Temple at Deogarh by Pt. Madho Sarup Vats. (No. 70). 7-12

xi Nagarjuna Konda 1938 by T. N. Ramchandran. (No 71). 12-0

xii Sanskrit Literature and Art-Mirrors of Indian Culture by C. Sivaramamurti. (No. 73). 16-12

2536 Mental Health and the Psychoneuroses (Abridged Edition of Psychology and Mental Health) by J. A. Hadfield. 8-12

2537 Methods in Structure Linguistics by Zellig S. Harris. 60–0

2538 Mimansa Jurisprudence (The Sources of Hindu Law) by A. S. Nataraja Ayyar. 5–0

2539 Minor Buddhist Texts by G. Tucci. Part I. 55–0

2540 Mirror of Composition. A treatise on poetical criticism, being an english translation of 'The Sahitya Darpana of Viswanath Kaviraja' by Pramada Dasa Mitra. 15–0

2541 Modern Civilization. A History of the Last Five Centuries by Crane Brinton, John. B. Christopher and Robert Lee Wolff. 69–0

2542 Modern English Grammar on Historical Principles by Otto Jespersen. 7 Parts. 75–0

2543 Modern Europe up-to 1945 by Charles Downer Hazen, with additional Chapters by S. P. Verma. 12–8

2544 Modern French Literature and Language. A. Bibliography of homage studies by Herbert H. Golden and Seymour O. Simches. 24–0

2545 Modern India by Swami Vivekananda. 0–10

2546 Modern Man in Search of Religion by Swami Pavitrananda. 1–8

2547 Mongolian-English Dictionary. Edited by Folke Boberg. Vol. I : A-Ghachigho tarani, Vol. II : Chachigho sortal-Vivangkhirit, Vol. III : English-Mongolian A-Zodiac. 330–0

2548 Monuments of Romanesque Art. The Art of Church treasures in North-Western Europe by Hanns Swarzenski. 150–0

2549 Mughal Rule in India by S. M. Edwardes and H. L. O. Garrett. 8–8

2550 Mundakopanishad with english translation by Swami Sharvananda. 1–0

2551 Munshi : His Art and Work. Vol. I. 2–0

2552 My life and Mission by Swami Vivekananda. 0–10

2553 Mysticism and Logic and other Essays by Bertrand Russell. 10–14

2554 Mysticism in Religion by the Very Rev. W. R. Inge. 12–8

N

2555 Naisadhacarita of Sri Harsha. Translated into English with critical Notes and Extracts from unpublished commentaries, appendices and a vocabulary by K. K. Handiqui. 18-0

2556 Narayan Vaman Tilak : The Christian Poet of Maharashtra. 2-0

2557 Nationalism in Hindu Culture by Radha Kumud Mookerji. 3-8

2558 Natural Law and The Theory of Society 1500 to 1800 by Otto Gierke. With a Lecture of the ideas of natural law and humanity by Ernest Troeltsch. Translated with an introduction by Ernest Barker. 65-0

2559 Northern Indian Music. Vol. I. History, Theory & Technique and Vol. II. Main Ragas by Alain Danielou. 2 Vols. 48-2

2560 Notes on Brahman by J. Gonda. 12-0

2561 Notes on the Saundarananda Critical and Explanatory Second Series (Saundarananda, Krytyka Teksta, Objasnienia) by Andrzej Gawronski. 13-8

2562 Number : The Language of Scince, A critical survey written for the Cultured Non-Mathematician by Tobias Dautzig. 10-14

O

2563 Oriental Proverbs in their relation to Folklore, History. Sociology with suggestion for their Collections, interpretation and publication edited by Dr. Mahadev Prasad Saha. 1-0

2564 Orientalism and History. Edited by Denis Sinor. 6-2

2565 Orissan Sculpture and Architecture. Introduction and Descriptive Text by O. C. Gangooly, Surveyed and Edited by A. Goswami and Photographs by S. Janah: K. L. Kothari. 32-0

2566 Our Education by Swami Nirvedananda. 3-8

2567 Our Greatest Need and Other Addresses by K. M. Munshi. 2-0

2568 Our Method of Teaching Languages by Harold E. Palmer. 5-0

2569 Our Women by Swami Vivekananda. 0-12

2570 Outlines of Ancient History. From the earliest times to the fall of the Roman Empire in the West A. D. 476 by Harold Mattingly. 20-5

P

2571 Pali Literature and Language by W. Geiger. Authorised english translation by B. Ghosh. 8-0

2572 Pandit Ramabai by Nicol Macnicol. 2-0

2573 Paramarth-Dipani Theragatha-Atthakatha The Commentary of Dhammapalacariya. Edited by F. L. Woodward. Vol. II. 45-0

2574 Path of the Buddha : Buddhism Interpreted by Buddhists. Edited by Kenneth W. Morgan. 30-0

2575 Personality : A Psychological Interpretation by G. W. Allport. 26-4

2576 Personality of India : A Study in development of Material Culture of India and Pakistan by Dr. B. Subbarao, with a foreward by Dr. Mortimer Wheeler. 15-0

2577 Philosophical Foundations of India by Theos Bernard. 17-1

2578 Philosophy of Grammar by Otto Jespersen. 14-7

2579 Philosophy of John Dewey. Edited by Paul Arthur Schilpp. 44-0

2580 Philosophy of Religion by George Galloway. 24-0

2581 Philosophy of the Vedanta by Paul Deussen and the Vedanta-sara of Sadananda Yogendra. Translated with annotations by G. A. Jacob. 6-0

2582 Phoneme. Its nature and use by Daniel Jones. 25-0

2583 Place of Assam in the History and Civilization by B. K. Kakati. 5-0

2584 Poetry and Drama by T. S. Eliot. 9-0

2585 Political History of India from the earliest times to the 7th centuary by Jean Filliozat. 12-0

2586 Political Thought of China by Chou Hsiang-Kuang. Foreward by Dr. S. Radhakrishnan. 7-8

2587 Popular Poetry of the Baloches by M. Longworth Dames. 2 Vols. 15-0

2588 Position of Women in Hindu Civilization with 11 plates by Dr. A. S. Altekar. 2nd Revised edition. 15-0

2589 Position of Women in the Vedic Ritual by J. B. Chaudhuri. 12-0

2590 Prakrita-Kalpataru. With Introduction, Translation and Notes by Manmohan Ghosh. 10-0
2591 Prasnopanishad with english translation by Swami Sarvananda. 1-0
2592 Preliminary Report on Two Scientific Expeditions in Nepal by G. Tucci. 135-0
2593 Primitive Culture of India by Colonel T. C. Hodson. 6-0
2594 Prince of Ayodhya by D. S. Sharma. 3-0
2595 Problem of the Mahabharat Plays of Bhasa by Dr. G. K. Bhat. 1-0
2596 Pronunciation of Kashmiri : Kashmiri Sounds, how to make them and how to transcribe them by T. G. Bailey. 10-0
2597 Proto-Indo-European Phonology by Winfred P. Lehmann. 30-0
2598 Psalms of Maratha Saints by Nicol Macnical. 1-4
2599 Psychology and Mental Health. A Contribution to development psychology by J. A. Hadfield. 20-0
2600 Psychology in Education by Herbert Sorenson. 27-8

Q

2601 Quintessence of Yoga Philosophy. Based on the teachings of Swami Vivekananda by D. V. Athalye. 3-7

R

2602 Raghuvansa with english notes and translation by C. S. Ram Shastri. Cantos 14 & 15. 2-8
2603 Ram Krishna : The Great Master. Translated by Swami Jagadananda. 25-0
2604 Ram Krishna. The Man and Power by Swami Gnaneswaranand. 1-6
2605 Rama Krishna Paramhamsa by G. Tucci. 2-8
2606 Ramkrishna Upanishad by C. Rajagopalachari : 1-0
2607 Ranjit Singh by Sir Lepel Griffin. 5-0
2608 Recent Developments in Maternity and Child Welfare Services in India by Dr. Surya Bhatia. 1-2
2609 Reign of Realism in Indian Philosophy by R. Naga Raja Sharma. 20-0

2610 Religion in the Modern World. Foreward by Louis Arnand Reid. 6-0
2611 Religion of love by Swami Vivekananda. 1-4
2612 Religions of Ancient India (Jordan Lectures 1951) by L. Renou. 12-3
2613 Religious Thought in the Eighteenth Century. Illustrated from writers of the period by J. M. Creed and J. S. Boys Smith. 24-0
2614 Report of the University Education Commission. Dec. 1948–Aug. 1949. Vol. I & II in 2 parts. 9-0
2615 Report on A Linguistic Mission to Afghanistan by Georg Morgenstierne. 5-0
2616 Report on A Linquistic Mission to North-Western India by Georg Morgenstierne. 5-0
2617 Reports on the Indian General Elections (1951-52) edited by Richard L. Park. 12-8
2618 Rise and Fall of the Mugal Empire by R. P. Tripathi. 20-0
2619 Role of Wealth in Society by R. P. Masani. 6-12
2620 Roman Literature by M. Grant. 14-4

S

2621 Saddhamma-Ppakasini. Commentary of the Patisambhida-magga. Edited by C. V. Joshi. Vol. II 15-0
2622 Sadvimsa-Brahmana. Introduction, translation, extracts from the commentary and notes by W. B. Bollee. 20-0
2623 Saga of Indian Sculpture by K. M. Munshi. With 185 plates. 15-0
2624 Sankhya Karika of Iswarakrishna. An Exposition of the System of Kapil with original Sanskrit texts, translated with commentary by John Davies. 6-0
2625 Sanskrit-English Dictionary by V. S. Apte. Edited by P. K. Gode and C. G. Karve. Vol. I. 40-0
2626 Sanskrit-Grammatik von Dr. Manfred Mayrhofer. 5-0
2627 Satapancasatka of Matrceta sanskrit text, tibetan translation and commentary and chinese translation, with an introduction, english translation and notes, edited by D. R. Shackleton Bailey. 41-4

2628 Saundarya-Lahari of Sri Sankaracarya with commentaries Saubhagyavardhani of Kaivalyasarma, Laksmidhara of Laksmidharacharya, Arunamodini of Kamesvarasurin. English translation and notes by Pt. R. Anantakrisna Sastri and Sri Karra Ramamurthy Garu, Prayogas illustrated with Yantras with a Foreward by Dr. Sir. C.P. Ramaswamy Aiyer. 25-0

2629 Science and Culture. Compiled by Dr. Indra Sen. 1-8

2630 Science and Philosophy of Religion by Swami Vivekananda. 1-4

2631 Science and the future of Civilization by S. L. Bhatia. 0-14

2632 Science in the Vedas by Hans Raj. 1-12

2633 Sepoy Mutiny and The Revolt of 1857 by R.C. Majumdar. 15-0

2634 Sexual Life in Ancient Rome by Otto Kiefer. 20-0

2635 Sexual Life in Ancient Greece by Hans Licht, with thirty-two full page plates. 24-10

2636 Sexual Life of Savages in North-Western Melanesia by Bronislaw Malinowski. 28-0

2637 Shakespeare and the Classics by J. A. K. Thomson. 15-12

2638 Shi'a of India by John Narman Hollister. 60-0

2639 Siege of Nanga Parbat 1856-1953 by Paul Baner. Translated from the German by R. W. Rickmers. 25-0

2640 Sisupalavadha with english notes and translation. Canto 2 by C. S. Ram Sastri 2-0

2641 Siva and Buddha by Sister Nivedita. 0-10

2642 Six Lessons on Raja Yoga by Swami Vivekananda. 0-10

2643 Social Change in Malabar by M. S. A. Rao. 15-0

2644 Social Differentiation and Differentiation in Emoluments by Y. B. Damle. 14-0

2645 Some Jaina Canonicle Sutras by B. C. Law. 16-0

2646 South-East Asia by E. H. G. Dobby. 15-12

2647 Soviet Politics-The Dilemma of Power. The Role of ideas in social change by Barrington Moore. 42-0

2648 Sparks From the Anvil by K. M. Munshi. 2-0

2649 Spirit of Buddhism. Being an Examination-Analytical-Explanatory and critical of the life of the founder of Buddhism: His religion and philosophy, its influence upon other religions, philosophies and on the ancient and modern social and ethical systems, social upheavals and revolutionary movements by Sir Hari Singh Gour. 25-0

2650 Sri Aurobindo and the Soul Quest of Man. Three steps to spiritual knowledge. A study of chapters I to XII of Shri Aurobindo's The Life Divine by Nathamiel Pearson. 8-7

2651 Standard of Living in India and Pakistan 1931-32 to 1940-41 by R. C. Desai 20-0

2652 Status of Women in Ancient India by Indra. 10-0

2653 Story of English. The Past, Present and Future by Mario Pei. 18-6

2654 Stotraratna by Svami Adidevananda. 0-12

2655 Struggle for Empire. Edited by R. C. Majumdar. 35-0

2656 Studies about the Sanskrit Buddhist Literature by Andrzej Gawronski. 13-12

2657 Studies in Epics and Puranas of India by A. D. Pusalkar. 2-0

2658 Studies in French Language, Literature and History: 23 Essays presented to R. L. Graeme Ritchie. Edited by Fraser Mackenzie. 30-0

2659 Studies in Indian History and Culture by U. N. Ghoshal. 25-0

2660 Studies in Jain Art by Umakanta P. Shah. 10-0

2661 Studies in Proto-Indo-Mediterranean Culture by The Rev. H. Heras. 175-0

2662 Studies in Roman Literature, Culture and Religion by H. Wagenvoort. 60-0

2663 Studies in the Puranic Records on Hindu Rites and Customs by R. C. Hazra. 40-0

2664 Studies in the Syntax of the Gathas of Zarathushtra together with text, translation and notes by Maria Wilkins Smith 17-8

2665 Studies in Zen by D. T. Suzuki 12-8

2666 Study of Ancient Indian Numismatics (Indigenous System) From the earliest times to the rise of the Imperial Guptas (3rd Cent. A. D.) with Special reference to Northern India by S. K. Chakrabartty. 10-0

2667 Study of Language. A survey of Linguistics and related Disciplines in America by John B. Carroll. 28-8

2668 Study of Religion by Swami Vivekananda. 1-8

2669 Study of Vaisnavism by Kunja Govinda Goswami. 2-12

2670 Sumangala-Vilasini (Commentary on the Digha Nikaya Suttas VIII-XV) by N. Dutt. Fasc. I 4-0

2671 Suniti Kumar Chatterji Jubilee Volume: Presented on the occasion of his Sixty-fifth Birthday (26th November, 1955) 25-0

2672 Survey of Indian Sculpture by S. K. Saraswati, with plates. 20-0, 22-8

2673 Suez Canal. 1-0

2674 Sufism: An account of the mystics of Islam by A. J. Arberry. 9-3

2675 Sun by Giorgio Abetti. Translated by J. B. Sidgwick. 60-0

2676 Survey of Buddhism by Bhikshu Sangharakshita. 15-0

2677 Svetasvataropanisad with english translation by Swami Tyagisananda. 1-8

2678 Swami Vivekananda on India and her Problems. Compiled by Swami Nirvedananda. 1-8

2679 Swapnavasavadatta with english translation by M. R. Kale. 4-0

T

2680 Taittiriyopanishad with english translation by Swami Sharvananda. 2-0

2681 Talks with Swami Vivekananda. 4-0

2682 Tarikh-I-Mubarakshahi english translation by K. K. Basu. 7-8

2683 Ta' Rikh-I-Sind Best Known as Ta' Rikh-I-Ma Sumi by Sayyid Muhammad Ma' Suno Bakkari. Edited with an introduction, historical notes and indices by Dr. U. M. Daudpata. 5-0

2684 Taxila : An Illustrated account of Archaeological Excavations, Carried out at Taxila under the orders of the Government of India between the years 1913 and 1934 by Sir John Marshall. 441-0

2685 Teachings of Swami Vivekananda. 3-0

2686 Ten Jataka Stories each illustrating one of the ten Paramita with Pali Text. Introduction and english translation by I. B. Horner. 20-0

2687 Theatre in the East. A Survery of Asian Dance and Drama by F. Bowers. 42-0

2688 Thoughts on the Gita by Swami Vivekananda. 0-5

2689 Thoughts on Vedanta by Swami Vivekananda. 1-4

2690 To Lhasa and Beyond : Diary of The Expedition to Tibet in the year MC. MXLVIII by G. Tucci, with an appendix on Tibetan Medicine and Hygiene by R. Maise. 45-0

2691 Topics in Chinese Literature. Outlines and Bibliographies by James Robert Hightower. 19-8

2692 Tragedy of Gandhi by Glorney Balton. 10-14

2693 Travels of Hiouen-Thsang (Chinese Accounts of India : Translated from the Chinese of Hiauen Tsiang) by Samuel Beal. 6-0

2694 True Philosophy of Action by S. L. Bhatia. 1-2

2695 Tudor Revolution in Government. Administrative changes in the reign of Henry VIII by G. R. Elton. 40-10

U

2696 Universal Prayers by Swami Yatiswarananda. 2-4

2697 University Education in Western Germany : A brief survey by Yamunabai Hirlekar. 5-10

V

2698 Vaikhanasasmartasutra. The Domestic rules and sacred Laws of the Vaikhanasa School belonging to the Black Yajurveda with english translation by Dr. W. Caland. 2 Parts. 9– 0

2699 Vallabhacharya and his Doctrines by Brijnath R. Shastri. 0–8

2700 Vedanta its theory and Pratcice by Swami Saradananda. 0–10

2701 Vedanta Philosophy at the Harvard Uuiversity by Swami Vivekananda. 0–10

2702 Vedanta through Stories by Swami Sambuddhananda. 2–4

2703 Vedantasara of Sadananda with english translation by Nikhilananda. 2–0

2704 Vedic India by Louis Renou. Translated from the French by Philip Spratt. 12–0

2705 Vedic Origins of Zoroastrianism by R. R. Kashyap. 2–8

2706 Vedic Prayers by Swami Sambuddhananda. 1–4

2707 Vedic Variants. A Study of the Variant Readings in the Repeated Mantras of the Veda by M. Bloomfield and F. Edgerton. 3 Vols. 75–0

2708 Velugotivarivamsavali. Edited with introduction by N. Venkata Ramanayya. 2–4

2709 Victorian Temper : A Study in literary culture by Jerome Hamilton. 26–4

2710 Village Gods of South India by R. R. Henry Whitehead. 1–8

2711 Vimalapracnottararatnamala. Tibetan text, German translation, introduction and notes, edited by Schiefner. 40–0

2712 Vimuttimagga and Visuddhimagga : A Comparative Study by P. V. Vapat. 16–0

2713 Vishnu Sahasranama with The Bhashya of Sri Sankaracharya, translated by R. Anantha Krishna Sastry. 2–12

2714 Viveka-Cudamani with english translation by Mohini M. Chatterji. 3–0

2715 Unknown India. A Piligrimage into a forgotten World by Walther Eidlitz. 12–0

W

2716 Wealth of India : A Dictionary of Indian Raw Materials and Industrial Products.
RAW MATERIALS—
Vol. I. (A–B) 20–0
Vol. II. (C.) 30–0
Vol. III. (D–E) with index Vol. I–III. 22–0
Vol. IV. (F–G) with index. 25–0
2717 Web of Indian Life by Sister Nivedita. 3–8
2718 West-Indonesien. Sumatra, Java and Borneo by Prof. Dr. A. Kramer. 30–0
2719 Webster's New Collegiate Dictionary of the English Language. 46–14
2720 What Is Life ? The Physical aspect of the Living Cell by Erwin Schrodinger. 10–3
2721 What is Religion ? by Alban G. Widgery. 15–12
2722 White Yajurveda. Translated with a Popular Commentary by Griffith. 20–0
2723 Without The Pale : A Life Story of an outcaste by Mrs. Sinclair. 2–0
2724 Women in Antiquity by Charles Seltman. With fifty five illustrations in photogravure and twelve line drawings. 18–0
2725 World Drama From Aeschylus to Anouilh by Allardyce Nicoll. 26–4

Y

2726 Yoga : The Way of Self-Fulfilment by J. Vijayatunga. 1–0
2727 Yoga for Perfect Health by Alain. 10–0
2728 You and Your Star by Cheiro. 9–8

Books on Indology

ERRATA

(Pages 1-96)

S. No.	Wrong Price	Correct Price	S. No.	Wrong Price	Correct Price	S. No.	Wrong Price	Correct Price
1	5-8	O. P.	144	8-	O. P.	324	10-8	12-13
10	6-8	O. P.	159	1-0	1-4	325	3-0	O. P.
12	22-1	25-0	164	45-0	60-0	327	3-0	2-0
15	60-4	45-0	171	2-0	O. P.	329	17-0	O. P.
16	7-14	O. P.	179	6-0	7-7	337	75-0	84-0
18	20-0	21-0	185	6-0	12-0	348	—	1-4
23	17-4	O. P.	192	7-2	12-0	359	5-0	O. P.
36	19-8	22-0	214	9-0	O. P.	366	26-4	28-0
41	15-0	O. P.	221	1-8	O. P.	377	15-10	17-8
43	6-0	15-0	245	5-4	O. P.	379	7-2	7-10
47	9-6	10-0	246	3-0	O. P.	381	12 0	12-13
62	10-0	O. P.	262	1-8	1-14	383	15-0	O. P.
66	20-0	O. P.	266	100-0	O. P.	387	2-8	3-2
68	24-0	25-10	269	5-0	O. P.	390	—	O. P.
80	10-0	O. P.	270	7-4	8-7	400	10-0	O. P.
84	37-8	40-0	275	1-12	2-0	401	—	100-9
98	60-0	O.P.	278	15-0	16-4	404	63-0	67-3
115	28-14	30-0	287	6-8	6-0	412	2-8	2-12
117	O. P.	2-0	288	22-8	24-0	424	Vol. I. 6-0	8-0
122	22-8	16-0	295	15-12	16-13	424	Vol. II. 6-4	8-0
124	48-0	42-8	308	3-2	O. P.	425	8-0	12-0
130	36-0	47-0	310	36-12	31-8	427	6-0	7-8
131	43-12	37-8	319	9-6	10-0	431	4-0	O. P.
132	12-0	O. P.	323	13-8	14-7	435	4-8	O. P.

S. No.	Wrong Price	Correct Price	S. No.	Wrong Price	Correct Price	S. No.	Wrong Price	Correct Price
439	8-0	9-0	678	6-0	O. P.	843	22-8	24-0
451	75-0	84-0	682	2-8	O. P.	844	22-8	24-0
454	12-0	14-7	683	4-8	O. P.	845	15-0	7-8
457	18-0	35-0	685	23-10	25-0	861	30-0	40-0
460	26-4	33-10	687	7-8	9-6	862	15-0	O. P.
473	3-0	2-7	694	1-12	-0	871	11-4	12-0
478	2-8	O. P.	698	26-4	22-8	873	O. P.	15-0
481	3-12	O. P.	699	18-12	24-0	882	—	O. P.
490	10-8	O. P.	701	60-4	70-0	902	19-12	25-0
494	6-6	6-13	711	16-0	O. P.	911	1-8	1-14
495	27-0	33-12	717	28-2	31-8	912	12-0	O. P.
496	9-0	12-0	733	3-0	4-0	919	10-0	12-0
502	18-12	20-0	734	18-0	O. P.	920	1-8	1-14
503	18-12	20-0	740	3-2	4-3	922	5-8	O. P.
504	4-0	O. P.	751	3-0	4-0	924	5-0	O. P.
513	7-8	O. P.	768	3-0	O. P.	928	5-0	O. P.
528	22-8	24-0	772	20-0	O. P.	934	40-0	50-7
540	12-20	15 0	774	5-10	3-10	936	11-4	12-0
542	19-0	25-0	791	21-0	22-7	945	11-5	12-0
549	6-6	10-0	794	22-8	24-0	947	2-0	2-8
549	9-6	14-7	800	22-0	24-0	961	60-0	30-0
551	17-4	18-7	802	13-8	16-6	967	30-0	32-8
565	6-12	O. P.	807	2-0	O. P.	970	19-6	16-13
571	1-0	O. P.	810	12-0	O. P.	979	12-0	14-6
590	Vol. IV only	58-15	811	O. P.	15-0	1002	3-12	4-11
601	5-8	6-14	818	8-0	9-0	1003	1-8	O. P.
606	1-12	2-0	820	33-12	36-0	1037	3-0	3-4
614	1-12	2-0	822	48-12	52-0	1041	1-	-4
617	1-8	O. P.	824	63-0	67-3	1051	2-8	O. P.
638	1-0	O. P.	829	3-0	O. P.	1054	2-0	O. P.
639	3-8	4-6	834	12-0	O. P.	1057	1-0	3-0
652	5-8	O. P.	838	10-12	10-0	1070	2-8	O. P.

Books on Indology

ERRATA

(Pages 1-96)

S. No.	Wrong Price	Correct Price	S. No.	Wrong Price	Correct Price	S. No.	Wrong Price	Correct Price
1	5-8	O. P.	144	8-	O. P.	324	10-8	12-13
10	6-8	O. P.	159	1-0	1-4	325	3-0	O. P.
12	22-1	25-0	164	45-0	60-0	327	3-0	2-0
15	60-4	45-0	171	2-0	O. P.	329	17-0	O. P.
16	7-14	O. P.	179	6-0	7-7	337	75-0	84-0
18	20-0	21-0	185	6-0	12-0	348	—	1-4
23	17-4	O. P.	192	7-2	12-0	359	5-0	O. P.
36	19-8	22-0	214	9-0	O. P.	366	26-4	28-0
41	15-0	O. P.	221	1-8	O. P.	377	15-10	17-8
43	6-0	15-0	245	5-4	O. P.	379	7-2	7-10
47	9-6	10-0	246	3-0	O. P.	381	12 0	12-13
62	10-0	O. P.	262	1-8	1-14	383	15-0	O. P.
66	20-0	O. P.	266	100-0	O. P.	387	2-8	3-2
68	24-0	25-10	269	5-0	O. P.	390	—	O. P.
80	10-0	O. P.	270	7-4	8-7	400	10-0	O. P.
84	37-8	40-0	275	1-12	2-0	401	—	100-9
98	60-0	O.P.	278	15-0	16-4	404	63-0	67-3
115	28-14	30-0	287	6-8	6-0	412	2-8	2-12
117	O. P.	2-0	288	22-8	24-0	424	Vol. I. 6-0	8-0
122	22-8	16-0	295	15-12	16-13	424	Vol. II. 6-4	8-0
124	48-0	42-8	308	3-2	O. P.	425	8-0	12-0
130	36-0	47-0	310	36-12	31-8	427	6-0	7-8
131	43-12	37-8	319	9-6	10-0	431	4-0	O. P.
132	12-0	O. P.	323	13-8	14-7	435	4-8	O. P.

S. No.	Wrong Price	Correct Price	S. No.	Wrong Price	Correct Price	S. No.	Wrong Price	Correct Price
439	8-0	9-0	678	6-0	O. P.	843	22-8	24-0
451	75-0	84-0	682	2-8	O. P.	844	22-8	24-0
454	12-0	14-7	683	4-8	O. P.	845	15-0	7-8
457	18-0	35-0	685	23-10	25-0	861	30-0	40-0
460	26-4	33-10	687	7-8	9-6	862	15-0	O. P.
473	3-0	2-7	694	1-12	-0	871	11-4	12-0
478	2-8	O. P.	698	26-4	22-8	873	O. P.	15-0
481	3-12	O. P.	699	18-12	24-0	882	—	O. P.
490	10-8	O. P.	701	60-4	70-0	902	19-12	25-0
494	6-6	6-13	711	16-0	O. P.	911	1-8	1-14
495	27-0	33-12	717	28-2	31-8	912	12-0	O. P.
496	9-0	12-0	733	3-0	4-0	919	10-0	12-0
502	18-12	20-0	734	18-0	O. P.	920	1-8	1-14
503	18-12	20-0	740	3-2	4-3	922	5-8	O. P.
504	4-0	O. P.	751	3-0	4-0	924	5-0	O. P.
513	7-8	O. P.	768	3-0	O. P.	928	5-0	O. P.
528	22-8	24-0	772	20-0	O. P.	934	40-0	50-7
540	12-20	15 0	774	5-10	3-10	936	11-4	12-0
542	19-0	25-0	791	21-0	22-7	945	11-5	12-0
549	6-6	10-0	794	22-8	24-0	947	2-0	2-8
549	9-6	14-7	800	22-0	24-0	961	60-0	30-0
551	17-4	18-7	802	13-8	16-6	967	30-0	32-8
565	6-12	O. P.	807	2-0	O. P.	970	19-6	16-13
571	1-0	O. P.	810	12-0	O. P.	979	12-0	14-6
590	Vol. IV only	58-15	811	O. P.	15-0	1002	3-12	4-11
601	5-8	6-14	818	8-0	9-0	1003	1-8	O. P.
606	1-12	2-0	820	33-12	36-0	1037	3-0	3-4
614	1-12	2-0	822	48-12	52-0	1041	1-	-4
617	1-8	O. P.	824	63-0	67-3	1051	2-8	O. P.
638	1-0	O. P.	829	3-0	O. P.	1054	2-0	O. P.
639	3-8	4-6	834	12-0	O. P.	1057	1-0	3-0
652	5-8	O. P.	838	10-12	10-0	1070	2-8	O. P.

S. NO.	Wrong Price	Correct Price	S. No.	Wrong Price	Correct Price	S. No.	Wrong Price	Correct Price
1081	6-0	7-0	1200	1 -12	20-0	1329	5-0	8-0
1084	5-8	O. P.	1207	2-8	3-2	1351	2-0	3-0
1098	5-0	O. P.	1214	1-12	2-0	1353	7-8	O. P.
1102	6-0	6-6	1125	13-8	O. P.	1360	—	O. P.
1128	18-12	20-0	1230	3 Vols.	100-0	1411	5-0	O. P.
1129	22-8	24-0	1235	1-12	2-0	1453	5-0	O. P.
1131	13-8	16-13	1249	11-0	O. P.	1454	12-8	O. P.
1132	22-8	24-0	1256	1-8	1-14	1525	5-0	O. P.
1140	39-6	33-12	1264	50-0	62-8	1646	2-0	O. P.
1141	16-0	20-0	1265	6-0	7-8	1688	3-0	O. P.
1142	12-0	15-0	1275	9-6	10-0	1791	4-0	5-0
1144	17-0	18-12	1276	11-4	12-0	1864	1-8	1-14
1151	Vol. II.	11-0	1279	4-8	10-0	1874	4-1	4-13
1171	3-8	O. P.	1283	2-4	2-8	1888	2-12	O. P.
1172	21-0	25-10	1289	6-0	7-0	1926	Vol. II.	30-0
1180	3-6	3-10	1292	12-0	12-13	1930	28-0	O. P.
1188	8-12	O. P.	1312	19-8	22-0	1936	4-0	5-0
1191	47-4	50-7	1313	6-0	9-0	1983	2-0	O. P.
1192	1-8	O. P.	1314	6-8	9-0	2010	10-0	40-0

संस्कृत ग्रन्थों का सूचीपत्र

व्याकरण-ग्रन्थाः

१	अंग्रेजी (हिन्दी) शिक्षा हरिदास वैद्य । १-२ भाग	४—०
*२	अनुवादप्रभा । गौरीशंकर शास्त्री (अष्टम संस्करण) रफ १-४, ग्लेज़	१—८
*३	अनुवादचन्द्रिका । लोकमणि जोशी (अष्टम संस्करण)	१—४
४	अनुवादचन्द्रिका । चक्रधर शास्त्री । परिवर्द्धित अभिनव संस्करण	२—८
५	अनुवादकला । चारुदेव शास्त्री	२—८
६	अनुवादकौमुदी । गुरुप्रसाद शास्त्री १-२ भाग	२—४
७	अन्वय प्रबोध	०—३॥
८	अपभ्रंश व्याकरण (सिद्धहैमशब्दानुशासनान्तर्गत व्याकरणांश भूत)	४—८
९	अभिनव धातुरूपावली । एन० आर० रानाडे	०—१२
१०	अभिनव शब्दरूपावली । एन० आर० रानाडे	१—०
११	अभिनव संस्कृत परिचयः । चारुदेव शास्त्री	२—०
१२	अर्थप्रकाशिका ।	०—१४
१३	अव्ययविवेक ।	०—१२
*१४	अष्टाध्यायीसूत्रपाठः । पाणिनिमुनि विरचितः	०—८
१५	अष्टाध्यायीसूत्रपाठः । सवार्त्तिक-गणाष्टाध्यायीसूत्रपाठ	१—४
१६	अष्टाध्यायीसूत्रपाठः । वार्त्तिक-गणपाठसहित अनुवृत्ति निर्देश समन्वित	२—८
१७	अष्टाध्यायीसूत्रपाठः । सरला टीका गुरुप्रसाद शास्त्री कृत	२—८
१८	अष्टाध्यायीसूत्रपाठः । स्वा० दयानन्द कृत संस्कृत भाषा भाष्य १-२ भाग	६—०
१९	अष्टाध्यायीसूत्रपाठः । संस्कृत व्याख्या । गुरुकुलकांगड़ी ।	१४—०
२०	अष्टाध्यायीसूत्रपाठः । जीवाराम कृत संस्कृत भाष्य सहितः	७—८
२१	अष्टाध्यायीशब्दानुक्रमणिका । श्रीधर शास्त्री पाठक	१२—०
२२	आदर्शप्रस्तावरत्नमाला । विश्वनाथ शास्त्री प्रभाकर सम्पादित	४—०
२३	आदर्शलघुकौमुदी । मथुराप्रसाददीक्षित कृत	१—८
२४	आशुबोधव्याकरणम् । तारानाथ तर्कवाचस्पति कृत	२—८
२५	आर्षम् पाणिनीयं व्याकरणम् । श्री हरिशंकर शर्म पाण्डेयेन संकलितः	१५—०
२६	उणादिकोषः ।	१—२
२७	उणादिसूत्रम् । उज्ज्वलदत्तकृत वृत्ति सहित	२—८

२८ **उणादिसूत्रम्** । श्वेतवनवासी वृत्ति ३—६
२९ **उणादिसूत्रम्** । नारायणभट्ट वृत्ति २—१३
३० **उणादिसूत्रम्** । पेरुसूरिकृत औणादिक पदार्णववृत्ति ४—८
*३१ **उत्तरपक्षावली** । सपरिष्कृत ०—४
*३२ **उपसर्गवृत्तिः** । प्राद्युपसर्गार्थोदाहरण संग्रह ०—१
३३ **ऋजुपाणिनीयम्** । गोपाल शास्त्री दर्शन केसरी कृत ०—८
३४ **कविकल्पद्रुमः** । हर्षकुल विरचित ०—४
३५ **कविकल्पद्रुमः** । सटीक वोपदेवकृतः १—१४
३६ **कविकल्पद्रुम** । वोपदेव कृत । गजानन वालकृष्ण पलसुले कृत टीका सहित ६—०
३७ **कातंत्ररूपमाला** । श्रीमच्छ्ववर्म प्रणीत । भावसेन कृत रूपमाला प्रक्रियायुक्त २—८
३८ **कारकवादार्थः** ०—४
३९ **कारकस्वरूपप्रकाशः** । हिन्दी टीका सहित ०—१४
४० **कारकाव्ययार्थप्रकाश** । ०—५
४१ **कारकोल्लासः** । भरतमल्लिककृतः ०—४
*४२ **काशिकावृत्तिः** । पाणिनिविरचितव्याकरणसूत्राणां वृत्तिः वामन-जयादित्य विनिर्मितः । सटिप्पण विस्तृतभूमिकादि सहितः १२—०
४३ **काशिकाविवरणपञ्जिकान्यास** । श्री जिनेन्द्रबुद्धिपाद विरचित । ×
४४ **गणपाठः** ०—५
४५ **गुरुप्रसादं तथा गुरुप्रसादशेषम्** । तातासुब्बाराय शास्त्रीकृत १-२ भाग १९—१२
*४६ **गूढाशुद्धिप्रदर्शनं-व्युत्पत्ति प्रदर्शनम्** (मध्यमा परीक्षोपयोगी) ०—८
४७ **चान्द्रव्याकरणम्** । चन्द्रगोमिनकृत १ भाग १२—०
४८ **चाङ्गुसूत्रम्** । वृत्ति सहित ०—१२
४९ **चित्रप्रभा** । लघुशब्दरत्नव्याख्या । हरिशास्त्री कृत ३—६
५० **जैनेन्द्रव्याकरणम्** । अभयनन्दिसूरिकृत टीका सहित ५—०
५१ **तन्त्राधिकारनिर्णयः** । भट्टोजिदीक्षित कृत ०—८
५२ **तिङन्तमञ्जरी** । धातुपाठ सहित ०—६
५३ **त्रिविधगोष्ठिः** । ०—८
५४ **दशपाद्युणादिवृत्तिः** । युधिष्ठिर मीमांसक संपादित ३—४
५५ **दुर्घटवृत्तिः** । सरणदेव कृत २—८
५६ **देवभाषाप्रवेशिका** । १-३ भाग । प्रयाग १—६
५७ **धर्मदीपिका** । व्याकरण-मङ्गलविजयकृत वृत्ति सहित ४—०
*५८ **धातुपाठः** । पाणिनिमुनि विरचित । सटिप्पण ०—४
५९ **धातुप्रदीपः** । मैत्रेय रक्षित कृत ×

*९२ **पाणिनीयशिक्षा** । सूर्यनारायणशुक्ल कृत प्रदीप व्याख्या तथा स्वरवैदिकप्रक्रियास्थ फक्किकाविवरण ०—६
९३ **पाणिनीयशिक्षा** । मनोमोहन घोषेण सम्पादिता ३—१२
९४ **पाणिनीयप्रदीपः** । १–२ भाग १—४
९५ **पाणिनीयप्रबोधः** । गोपाल शास्त्री दर्शन केशरी कृतः १–२ भाग २—०
९६ **पाणिनीयप्रवेशिका** । गिरधरलाल शास्त्री कृत ०—१२
*९७ **पाणिनीयमिताक्षरा** । अन्नंभट्टकृत । पा० अष्टाध्यायी सूत्रवृत्ति दुष्प्राप्य
९८ **पाणिनीयसिद्धान्तकौमुदी** । मथुराप्रसाद कृत ३—८
*९९ **पाणिनीयव्याकरणवादरत्नम्** । श्री सूर्यनारायणशुक्ल कृत । न्यास–परिष्कार प्रकरण १–२ भाग ५—०
१०० **पालि–प्राकृत–व्याकरणम्** । मथुरानाथ विरचित १—८
१०१ **पालि निसेनी** । भिक्षु जगदीश काश्यप । १–२ भाग २—०
*१०२ **पूर्वपक्षावली** । सपरिष्कृता ०—४
१०३ **पूर्वपाणिनीयम्** ०—४
१०४ **प्रक्रियाकौमुदी** । रामचन्द्र कृत प्रसाद टीका सहित संपूर्ण १–२ भाग २०—०
१०५ **प्रक्रियासर्वस्वम्** । नारायणभट्ट कृत सटीक १–३ भाग ६—०
१०६ **प्रक्रियासर्वस्वम्** । कुन्हनराजा सम्पादित ३—१०
१०७ **प्रबन्धकल्पलतिका** । रचनाशिक्षा दुष्प्राप्य
*१०८ **प्रबन्धपारिजातः** । प्रो० रामचन्द्र मिश्र कृत (प्रबन्धोपयोगी) १—४
१०९ **प्रबन्धप्रकाशः** । डा० मंगलदेव शास्त्री कृत १–२ भाग ६—०
११० **प्रबन्धप्रदीपः** । हंसराज अग्रवाल ५—०
*१११ **प्रबन्धामृतम्** । परीक्षानिर्धारित व्याकरणशास्त्रविषयक निबन्ध ग्रन्थ ०—१२
*११२ **प्रस्तावतरङ्गिणी** (निबन्धोपयोगी ग्रन्थ) चारुदेव शास्त्री कृत ३—०
*११३ **प्रयोगशास्त्रार्थकला** लः कर्मशास्त्रार्थकला । वेणीमाधवशास्त्रीकृत ०—४
*११४ **प्राकृतप्रकाशः** । वररुचि प्रणीत । मूल मात्र ०—८
*११५ **प्राकृतप्रकाशः** । भामहकृत मनोरमाव्याख्या टिप्पणी परिशिष्टसहित २—८
११६ **प्राकृतप्रकाशः** । वसन्तराजकृत सञ्जीविनी सदानन्द प्रणीत सुबोधिनी टीका २—८
११७ **प्राकृतप्रकाशः** । रामपाणिवादकृत वृत्ति सहित १०—०
११८ **प्राकृतमंजरी** । कात्यायनमुनि प्रणीत ०—८
११९ **प्राकृतमणिदीपः** । अप्पय दीक्षित प्रणीत व्याख्या सहित ७—८
११९(१) **प्राकृतमार्गोपदेशिका** । पं० बेचरदास ४—८
१२० **प्राकृतव्याकरणम्** । हेमचन्द्रकृत समाप्त
*१२१ **प्राकृतव्याकरणवृत्तिः** । त्रिविक्रमदेव निर्मित सपरिशिष्ट ७—८

१४८	**भट्टिकाव्य** । जयमङ्गला संस्कृत टीका सहित । दुष्प्राप्य	१०—०
*१४९	**भावबोधिनी** (वैयाकरण सिद्धान्तकौमुदी पङ्क्तिपदार्थ विवरणरूप विस्तृत टीका)	२—०
१५०	**भाषावृत्तिः** । पुरुषोत्तमदेवकृत	×
१५१	**भाषाशास्त्रप्रवेशिनी**	२—०
१५२	**भूषणसारचन्द्रिका** । हरिशंकर झा कृत	०—१२
१५३	**भूषणसारप्रकाशः** (वैयाकरणभूषण प्रश्नोत्तरी)	०—१४
१५४	**मञ्जूषारत्नम्** । हरिशंकर झा कृत	०—१२
*१५५	**मध्यमा व्याकरण सोत्तरा प्रश्नावली** । प्रथम खण्ड रु० १—४, द्वितीय खण्ड १—४, तृतीय खण्ड २—४, चतुर्थ खण्ड १—१२, १-४ खण्ड	६—८
*१५६	**मध्यसिद्धान्तकौमुदी** । सुधा-इन्दुमती संस्कृत हिन्दी टीका सहित	६—०
१५७	**मध्यसिद्धान्तकौमुदी** । मूलमात्र	३—०
१५८	**मध्यसिद्धान्तकौमुदी प्रयोगसूची**	१—४
१५९	**मध्यसिद्धान्तकौमुदी-धातुरूपावली**	५—८
*१६०	**मध्यकौमुदीरहस्यम्** । (मध्यकौमुदी प्रश्नोत्तरी)	२—०
१६१	**मनोरमारत्नविवेकः** । हरिशंकर झा कृत	१—८
*१६२	**महाभाष्यम्** । (पातञ्जल) म० म० श्री गिरिधरशर्मा सम्पादित व्याकरणशास्त्र इतिहासात्मक विस्तृत भूमिका सहित प्रदीप-उद्द्योत, तत्त्वालोक टीकात्रय विभूषित । नवाह्निकम्	१३—०
१६३	**महाभाष्यम्** । प्रदीप-उद्द्योत छाया टीका सहित । विधिशेषरूप द्वितीयखण्ड	९—०
१६४	**महाभाष्यम्** । प्रदीप-उद्द्योत छाया टीका विधिप्रकरणरूप-तृतीयखण्ड	५—०
१६५	**महाभाष्यम्** । प्रदीप-उद्द्योत छाया टीका ४-५ अध्याय चतुर्थखण्ड	९—०
१६६	**महाभाष्यम्** । प्रदीप-उद्द्योत छाया टीका स्थानेविधिरूप पंचमखण्ड	१०—०
१६७	**महाभाष्यम्** । कैयटकृत प्रदीप अन्नंभट्टकृत प्रदीपोद्द्योतन टीका सहित (नवाह्निकम्) १-२ भाग	२०—१२
१६८	**महाभाष्यम्** । मूल तथा वासुदेव शास्त्री अभ्यङ्कर प्रणीत मराठी टीका सहित । १-७ भाग सम्पूर्ण	८०—०
१६९	**महाभाष्य-अङ्गाधिकारः** । प्रदीप-उद्द्योत सहित १-२ भाग	६—८
१७०	**महाभाष्य**-हिन्दी टीका १-२ आह्निक	२—८
१७१	**महाभाष्य शब्दानुक्रमणिका** । श्रीधरशास्त्री पाठक कृत	१५—०
*१७२	**महाभाष्यप्रकाशः** । (प्रश्नोत्तरी)	०—१२

१७३ महाभाष्यकुञ्जिका । हरिशंकर झा १—८
१७४ महाभाष्यादर्शः । १—८
*१७५ माधवीयधातुवृत्तिः । सायणाचार्य कृत १५—०
१७६ मुग्धबोधव्याकरणम् । वोपदेवकृत, सटीक ५—०
१७७ रचनानुवादकौमुदी । कपिलदेव द्विवेदी ३—०
१७८ रामचन्द्रिका (संस्कृत शब्दरूपावली) ०—८
*१७९ राष्ट्रभाषा सरल हिन्दी व्याकरण (प्रथम परीक्षोपयोगी) १—४
*१८० रूपचन्द्रिका (लघुकौमुदी में आए हुए [तथा उनके समान और भी] शब्दों तथा धातुओं की रूपावली) २—८
१८१ रूपमाला । षड्लिङ्ग विभाग ॥।=) सन्धि विभाग ॥=) अव्ययार्थ विभाग ०—७
प्रयोग विधि सङ्ग्रहः ≡) क्रियाकलाप-धातुरूपभेदादि ०—१४
१८२ लकारार्थनिर्णयः । सव्याख्या बङ्गानुवादेन सहितः ०—१५
१८३ लघुत्रिमुनिकल्पतरुः ०—६
१८४ लघुनिबन्धमणिमाला । श्रुतिकान्त विरचित २—०
*१८५ लघुसिद्धान्तकौमुदी । कनकलाल कृत बालबोधिनी टीका सहित ०—१२
*१८६ लघुसिद्धान्तकौमुदी । इन्दुमती संस्कृत-हिन्दीटीका नोट्स तथा १२ प्रकार के बालकोपयोगी परिशिष्ट विभूषित १—८
*१८७ लघुसिद्धान्तकौमुदी । शिवा भाषा टीका १—१२
*१८८ लघुसिद्धान्तकौमुदी । सुधा संस्कृतटीका प्रत्येक प्रयोग शब्द-धातुरूप साधनिका, परीक्षोपयोगी प्रश्नोत्तर लेखन प्रकार परिशिष्ट सहित
अजिल्द ३—० सजिल्द ३—१२
१८९ लघुसिद्धान्तकौमुदी । श्रीधरानन्दशास्त्री कृत हिन्दी अनुवाद ७—०
१९० लघुसिद्धान्तकौमुदी । ज्वालाप्रसाद मिश्र प्रणीत हिन्दी टीका सहित ७—०
*१९१ लघुकौमुदीप्रयोगसूची । अमृता टिप्पणी सहित ०—६
*१९२ लघुकौमुदी सोत्तराप्रयोगसूची । प्रयोगार्थसहित इन्दुमती टिप्पणी विभूषित ०—१५
*१९३ लघुकौमुदी-सोत्तरा-प्रश्नावली २—०
*१९४ लघुजूटिका । (अभिनवा परिभाषेन्दुशेखरपरिष्कृत) ०—८
१९५ लघुधातुरूपसंग्रहः ०—६
१९६ लघुभाष्यम् । सरस्वतीकृत ५—०
*१९७ लघुशब्देन्दुशेखरः । नागेशभट्टकृत । श्रीखुद्दीझाकृत नपदान्तपर्यंत नागेशोक्तिप्रकाश टीका सहित २—८

*१९८ लघुशब्देन्दुशेखरः । म० म० श्री नित्यानन्दपन्त पर्वतीय कृत
शेखरदीपक टीका सहित । अव्ययीभावान्त १०—०
*१९९ लघुशब्देन्दुशेखरः (भैरवी) चन्द्रकला टीका अव्ययीभावान्त यन्त्रस्थ
*२०० लघुशब्देन्दुशेखरः । भैरवी टीका । तत्पुरुषादिसमाप्ति पर्यंत २०—०
*२०१ लघुशब्देन्दुशेखरः । शेखरदीपकटीका सहित अव्ययीभावान्त,
भैरवीटीका सहित तत्पुरुषादि समाप्ति पर्यंत १-२ भाग । संपूर्ण ३०—०
२०२ लघुशब्देन्दुशेखरः । गुरुप्रसाद संपादित अव्ययीभावान्त पट्टीकोपेतः २०—०
*२०३ लघुशब्देन्दुकला (शब्देन्दुशेखर प्रश्नोत्तरी) प्रबन्धलेख
परिशिष्टसहित १—४
२०४ लघुशब्देन्दुशेखर व्याख्या शांकरी १—४
*२०५ लघुशब्देन्दुशेखर व्याख्या सदाशिवभट्टी ३—०
*२०६ लघुशब्देन्दुशेखर व्याख्या श्रीधरी १—८
*२०७ लघुशब्देन्दुशेखर व्याख्या विषमपदवाक्यवृत्तिः २—८
२०८ लिङ्गवचनविचारः । दीनबन्धु कृत १२—०
२०९ लिङ्गबोधव्याकरणम् ०—३॥
२१० लिङ्गानुशासनम् । हर्षवर्धनकृत । पृथ्वीश्वर प्रणीत सर्वलक्षणटीकोपेत १—१२
२११ लिङ्गानुशासनम् । दुर्गसिंह कृत ८—०
*२१२ लौकिकन्यायशास्त्रार्थकला तथा कूटशास्त्रार्थकला ०—१२
*२१३ वटुतोषणी । हरिशंकर झा ०—१४
२१४ वर्णोच्चारणशिक्षा । ०—२॥
*२१५ वाक्यपदीयम् । भर्तृहरिकृत । प्रथम भागे प्रथम द्वितीय काण्ड
पुण्यराज टीका सहित खण्ड १-३, द्वितीय भागे तृतीयकाण्ड हेलाराज
टीका सहित खण्ड १-८ । संपूर्ण ग्रन्थ दुष्प्राप्य
*२१६ वाक्यपदीयम् । द्वितीयभागे तृतीयकाण्ड हेलाराज टीका सहित
४-८ खण्ड ६—४
*२१७ वाक्यपदीयम् । ब्रह्मकाण्ड । सूर्यनारायणशुक्लकृत भावप्रदीप टीका २—८
२१८ वाक्यपदीयम् । ब्रह्मकाण्ड । सूर्यनारायणशुक्लकृत संस्कृत-हिन्दी टीका यन्त्रस्थ
२१९ वाक्यपदीयम् । हेलाराजकृत व्याख्या । प्रथम भाग १—१४
२२० वाक्यपदीयम् । तृतीयकाण्ड हेलाराजकृत व्याख्या ३—१२
*२२१ वादार्थसंग्रहः । १-४ भाग २—१२
*२२२ विभक्त्यर्थनिर्णयः । म. म. श्री गिरिधरोपाध्याय कृत ७—८

२२३ **वृत्तिदीपिका** । मौनी श्रीकृष्णभट्ट कृत ०—९
२२४ **विज्ञानमंजरी** । विन्ध्येश्वरी प्रसाद रचित १-२ भाग १—४
२२५ **वेदाङ्गप्रकाशः** । सन्धिविषय ०—१२ नामिक ०—१२ कारकीय ०—७
सामासिक ०—६ स्त्रैणतद्धित १—१२ अव्ययार्थ ०—२
आख्यातिक ३—० सौवर ०—४ पारिभाषिक ०—१०
*२२६ **वैयाकरणभूषणनिबन्धसंग्रह नाम तिङर्थवादसार तथा भूषणव्याख्या** ०—४
*२२७ **वैयाकरणभूषणसारः** । गोपालशास्त्री नेने कृत अभिनव सरला-सुबोधिनी टीकाद्वय सहित २—०
*२२८ **वैयाकरणभूषणसारः** । दर्पण-भैरवी (परीक्षा टीका) द्वयसहित ७—०
*२२९ **वैयाकरणभूषणसारः** । दर्पणटीका-भूषणव्याख्या-तिङर्थवादसारसहित यन्त्रस्थ
२३० **वैयाकरणभूषणसारः** । मूलमात्र ०—८
२३१ **वैयाकरणभूषणसारः** । काशिका टीका, अंग्रेजी नोट्स के० पी० त्रिवेदी कृत १०—०
२३२ **वैयाकरणभूषणसारप्रकाशः** (भूषण प्रश्नोत्तरी) ०—१४
२३३ **वैयाकरणसिद्धान्तकारिका** । भट्टोजिदीक्षित कृत १—२
*२३४ **वैयाकरणसिद्धान्तलघुमञ्जूषा** । नागेशभट्टकृत । दुर्बलाचार्यकृत कुञ्जिका, बालंभट्ट कृत कलाटीकाद्वय सहित । संपूर्ण । दुष्प्राप्य १००—०
*२३५ **वैयाकरणसिद्धान्तलघुमञ्जूषा** । कुञ्जिका-कलाटीका श्री सूर्यनारायणशुक्लकृत टिप्पणी सहित । तात्पर्यनिरूपणान्त ४—०
*२३६ **व्यवहार्यशब्दसरोवरः** । प्रथमा परीक्षोपयोगी ०—१०
२३७ **व्याकरण उपक्रमणिका** ०—१४
२३८ **व्याकरणकल्पलता** । महेन्द्र झा विरचित २—८
२३९ **व्याकरणदीपिका** । पाणिनीय सूत्रवृत्ति । औरंभट्ट कृत १०—०
*२४० **व्याकरणसिद्धान्तसुधानिधिः** । पाणिनीय अष्टाध्यायी भाष्य-व्याख्यानरूपा । श्री विश्वेश्वरसूरि विरचित १५—०
*२४१ **व्युत्पत्तिप्रदर्शनं-गूढाशुद्धिप्रदर्शनम्** । मध्यमापरीक्षोपयोगी ०—८
२४२ **व्युत्पत्तिवर्धिनी** । कुलानन्द झा ०—८
*२४३ **व्युत्पत्तिवादः** । गदाधरभट्टाचार्य कृत । मूल मात्र २—०
*२४४ **व्युत्पत्तिवादः** । वेणीमाधवशास्त्री कृत (शास्त्रार्थ परीक्षोपयोगी) शास्त्रार्थकला टीका सहित २—०
*२४५ **व्युत्पत्तिवादः** । श्री बच्चाझा शर्म प्रणीत गूढार्थतत्त्वालोक दुरूहांश प्रकाशिकया प्रकाश टीकया सहितः ६—०

२४६ **व्युत्पत्तिवादः** । सुदर्शनाचार्यकृत आदर्श टीका सहित ११—०
२४७ **व्युत्पत्तिवादः** । जयदेवमिश्र कृत जया टीका ३—०
२४८ **व्युत्पत्तिवादः लकारार्थविचारः** । विवरणयुक्त सुब्रह्मण्यशास्त्री कृत ७—८
२४९ **व्युत्पत्तिवादतरणिः** । (व्युत्पत्तिवाद प्रश्नोत्तरी) ०—१४
*२५० **शक्तिवादः** । गदाधरभट्टाचार्यकृत हरिनाथतर्कसिद्धान्तभट्टाचार्यकृत हरिनाथी टीका सहित ३—०
*२५१ **शक्तिवादः** । टीकात्रय सहित । कृष्णभट्टकृत मंजूषा, माधवभट्टकृत विवृति, गोस्वामी दामोदरशास्त्री कृत विनोदिनी व्याख्या २—८
२५२ **शक्तिवादः** । सुदर्शनाचार्यकृत आदर्शटीका ४—८
*२५३ **शक्तिवाद-व्युत्पत्तिवाद-ज्येष्ठत्ववाद-लकारार्थवाद-सादृश्यवाद-विवृतिः** ०—१२
*२५४ **शब्दकौस्तुभः** । भट्टोजिदीक्षितकृतः । पतञ्जलिप्रणीतमहाभाष्यस्था-नामंशानां युक्तिप्रयुक्तिभिः साधनाय प्रणीतोऽतिविस्तृतग्रन्थः १८—०
*२५५ **शब्दकौस्तुभः** । नवाह्निक मात्र ६—०
२५६ **शब्दमञ्जरी** । मूल ०—१०
२५७ **शब्दमञ्जरी** । शब्दार्थ कोश सहित ०—१४
२५८ **शब्दरूपादर्शः** ०—१२॥
*२५९ **शब्दरूपावली** । (१०० शब्दानां रूपावली एकाक्षरीकोशसहित) ०—५
२६० **शब्दापशब्दविवेकः** । चारुदेव शास्त्री कृत ५—०
२६१ **शब्दार्थरत्नम्** । तारानाथ तर्कवाचस्पतिकृत ०—१५
२६२ **शब्देन्दुसुधा** । हरिशंकर झा १—८
२६३ **शाकटायनव्याकरणम्** । यक्षवर्मकृत टीका सहित १२—०
२६४ **शाकटायनव्याकरणम्** । अभयचन्द्र सूरि प्रणीत प्रक्रियासारसंग्रह सहित १५—०
२६५ **शास्त्रार्थरत्नावली** । जयदेवमिश्र कृत १—८
२६६ **शिक्षासूत्राणि** । आपिशलि-पाणिनि-चन्द्रगोमिकृत ०—४
२६७ **शिशुतोषणी** । हरिशङ्करझा कृत ०—१२
२६८ **षड्भाषाचन्द्रिका** । लक्ष्मीधरकृत ७—८
२६९ **संक्षिप्तसारव्याकरणम्** । सटीक वंगाक्षर ६—४
२७० **संक्षिप्त हिन्दी व्याकरण** । कामता प्रसाद १—८
२७१ **संस्कृत अनुवाद पुस्तिका** । लल्लाराम तिवारी १—४
२७२ **संस्कृत एम० ए० प्रश्नपत्र** १—१२
२७३ **संस्कृतगद्यमञ्जरी** । चन्द्रशेखर पाण्डेय २—४
२७४ **संस्कृत चन्द्रिका** । प्रथम प्रकाश । पांडुरंग शर्मा ०—१०

२७५ **संस्कृत धातुकोशः** । धातुरूपावली सहित ३—०
२७६ **संस्कृत धातुरूपकोशः** । तृतीय भाग । कृष्णाजी भास्कर वीरकर १—८
२७७ **संस्कृतशब्दरूपकोशः** । कृष्णाजी भास्कर वीरकर १—०
२७८ **संस्कृत प्रथमपाठः** । टी० आर० कृष्णाचार्यकृत ०—१५
२७९ **संस्कृतप्रथमपुस्तक** । रामबिहारीलाल २—०
२८० **संस्कृत द्वितीय पुस्तक** । रामबिहारीलाल ३—०
२८१ **संस्कृतप्रथमपुस्तक** । रामकृष्ण भंडारकर कृत १—१२
२८२ **संस्कृतनिबंधपथप्रदर्शकः** (आप्टे गाइड का हिन्दी अनुवाद) ४—०
२८३ **संस्कृतनिबन्धादर्शः** १—८
२८४ **संस्कृतपत्रप्रबोधः** ०—४
२८५ **संस्कृतपाठमाला** । १-२४ भाग । सातवलेकर कृत १२—०
२८६ **संस्कृतप्रकाशः** । द्विजेन्द्रनाथ शुक्ल १—८
२८७ **संस्कृतप्रथमादर्श** ०—१४ द्वितीयादर्श १—० तृतीयादर्श १—४
२८८ **संस्कृतप्रथमा–सोपानम्** । चौधरी रामचन्द्र प्रसाद प्रणीत १—८
२८९ **संस्कृतप्रबन्धप्रदीपः** । हंसराज अग्रवाल विरचित ५—०
२९० **संस्कृत प्रवेशिका** । भाषाटीका ०—४
२९१ **संस्कृत प्रवेशिनी** । मद्रास मुद्रित ०—८
२९२ **संस्कृत बालादर्श** ०—११
२९३ **संस्कृतबोध** । पलटू झा । प्र० भाग १—८ द्वि० भाग १—४, १-२ भाग २—१२
२९४ **संस्कृतबोधिनी** । गिरिजादत्त त्रिपाठी । प्रथम भाग ०—८
२९५ **संस्कृत भाषा का सरल व्याकरण** । पुरुषोत्तम शर्मा चतुर्वेदी १—०
२९६ **संस्कृतभाषाप्रदीपः** । स्वामी श्री कृष्णाचार्य कृत ०—१४
*२९७ **संस्कृतरचनानुवादशिक्षकः** । (सन्धि, धातुरूप आदि से परिवर्द्धित नवीन तृतीय संस्करण) २—०
*२९८ **संस्कृतरचनाप्रकाश** । लेखक—श्री रमाकान्त द्विवेदी एम. ए. १—१५
२९९ **संस्कृतलघुबोधिनी** । के० वी० डोरा स्वामी ०—७
३०० **संस्कृतवाक्यप्रबोधः** ०—३॥
३०१ **संस्कृतवाक्यसंग्रहः** ०—२
३०२ **संस्कृतव्याकरण का मानचित्र** । धर्मेन्द्रनाथ शास्त्री १—४
३०३ **संस्कृत व्याकरण की उपक्रमणिका** । ईश्वर चन्द्र विद्यासागर प्रणीत ०—१४
*३०४ **संस्कृतव्याकरणप्रबोध** । प्रथमभाग प्रथमापरीक्षानिर्धारित २—०
*३०५ **संस्कृतव्याकरणप्रबोध** । द्वितीय भाग मध्यमापरीक्षा निर्धारित ३—८

३०६ **संस्कृतव्याकरणप्रवेशिका** । बाबूराम सक्सेना ५—०
३०७ **संस्कृतव्याकरणप्रवेशिका** । अनन्तरामशास्त्री कृता ०—१२
३०८ **संस्कृतव्याकरण शास्त्र का इतिहास** । युधिष्ठिर मीमांसक १०—०
३०९ **संस्कृतव्याकरणसार** । रामचन्द्र शर्मा ६—०
३१० **संस्कृतशिक्षणपद्धतिः** । सीताराम चतुर्वेदी विरचित २—८
३११ **संस्कृतशिक्षा** । जीवारामकृत भाग प्र० ०—६ द्वि० ०—८
तृ० ०—१० चतुर्थ ०—१२ पञ्च० ०—१० षष्ठ० ०—१२, १-६ भाग ३—१०
३१२ **संस्कृतशिक्षामंजरी** । जीवानन्द १-४ भाग २—२
*३१३ **संस्कृतशिक्षावाटिका** । भाग द्वि० ०—८ तृ० ०—१०
चतुर्थ ०—१२, २-४ भाग १—१४
३१४ **संस्कृतशिक्षाविधिः** । गौरीशंकर ३—४
*३१५ **संस्कृत स्वयं शिक्षक प्रभा** । गौरीशंकर शास्त्री कृत ०—११
३१६ **संस्कृत स्वयं शिक्षक** । सातवलेकर विरचित ५—०
३१७ **संस्कृत साहित्यप्रवेश** । लक्ष्मीचन्द्र सुराना ३—४
३१८ **संस्कृत साहित्य वीथिका** । सुरेन्द्र शास्त्री कृत २—८
३१९ **संस्कृत सुबोधिनी** । यज्ञनारायण उपाध्याय सम्पादित प्रथम भाग ०—६
३२० **संस्कृतानुवाद निबन्धादर्श** । पूर्णानन्दकृत १—८
३२१ **संस्कृत हाईस्कूल प्रश्नोत्तर** । (सन् १९५० से १९५५ तक) ०—१४
३२२ **संस्कृत इण्टर प्रश्नोत्तर** । (सन् १९५० से १९५५ तक) २—४
*३२३ **सज्जनेन्द्रप्रयोगकल्पद्रुमः** । धर्माधिकारी कृष्णपण्डितकृत १—८
*३२४ **सन्धिचन्द्रिका** । कारक,समास,कृदन्त,तिङन्त, व्युत्पत्तिप्रदर्शन सहित १—०
३२५ **समासकुवलयाकारः** । ०—७
*३२६ **समासचक्रम्** । ब्रह्मदत्तमिश्र कृत टिप्पणी सहित ०—२॥
*३२७ **समासचन्द्रिका** ०—१॥
३२८ **सरल संस्कृतशिक्षा** । मोहनलाल जैन शास्त्री १-४ भाग २—४
३२९ **सरल बंगला शिक्षा** । गोपालचन्द्र चक्रवर्त्ती २—८
३३० **सरस्वतीकण्ठाभरण-व्याकरण** । भोजदेवकृत ६—१२
३३१ **सरस्वतीकण्ठाभरण-व्याकरण** । ” नारायणदण्डनाथकृत टीका १-४ भाग १०—८
*३३२ **सादृश्यशास्त्रार्थकला** ल: कर्मशास्त्रार्थकला ०—४
३३३ **सारमंजरी** । सटीक ०—१४
३३४ **सारस्वतपूर्वपक्षावली** ०—४
३३५ **सारस्वतव्याकरणम्** । अनुभूति स्वरूपाचार्य कृत । वृत्तित्रयात्मक २—१२

*३३६ **सारस्वतव्याकरणम्** । 'बालबोधिनी' 'इन्दुमती' संस्कृत-हिन्दी टीका पूर्वार्द्ध १—०

*३३७ **सारस्वतव्याकरणम्** । चन्द्रकीर्तिसूरिप्रणीत चन्द्रकीर्तिनाम्न्या सुबोधिका, वासुदेवभट्टकृत प्रसाद टीका, नवकिशोरशास्त्रीकृत मनोरमा विवृति तथा सटीक लिङ्गानुशासन सहित संपूर्ण ८—०

३३८ **सारस्वतव्याकरणम्** । माधवी टीका ४—४

३३९ **सारस्वतव्याकरणम्** । सुबोधिनी भाषा टीका पूर्वार्द्ध ५—०

३४० **सिद्धहेमशब्दानुशासनम्** ०—५

*३४१ **सिद्धान्तकौमुदी** । भट्टोजिदीक्षितकृत । गोपालशास्त्री नेने संपादित सूत्राङ्क-धात्वङ्क-सूच्यादि सहित (मूल जेबी गुटका) ३—०

*३४२ **सिद्धान्तकौमुदी-बालमनोरमा** व्याख्या । गोपालशास्त्री नेने कृत परीक्षोपयोगी रूपलेखनप्रकार-पङ्क्तिलेखनप्रकार आदि विविध परिशिष्ट सहित । कारकान्त प्रथम भाग ३—० समासादि द्विरुक्तान्त द्वितीय भाग ३—० भ्वाद्यादि चुराद्यन्त तृतीय भाग ३—० ण्यन्तादि समाप्त्यन्त चतुर्थ भाग ३—०
पूर्वार्द्ध ६—० उत्तरार्द्ध ६—० संपूर्ण ग्रन्थ १२—०

*३४३ **सिद्धान्तकौमुदी** । गोपाल शास्त्री नेने कृत सरला टीका रूपलेखनप्रकारपङ्क्तिलेखनप्रकार परिशिष्टसहित । प्रथम भाग २—०

३४४ **सिद्धान्तकौमुदी** । तत्त्वबोधिनी टीका सटिप्पण १२—०

३४५ **सिद्धान्तकौमुदी-परिशिष्टसंग्रहः** । ०—०

*३४६ **सिद्धान्तकौमुदीरूपलता** [सोत्तरा] (२६७ शब्दों की बृहत्तम शब्दरूपावली) १—८

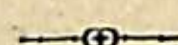
*३४७ **सिद्धान्तकौमुदीपङ्क्तिपदार्थ विवरणरूपा भावबोधिनी नाम्नि विस्तृत टीका** २—०

*३४८ **सिद्धान्तकौमुदी**—शैषिकादि द्विरुक्तान्त तद्धित प्रयोग सूची । अमृता टिप्पणी सहित ०—३

*३४९ **सिद्धान्तकौमुदी**—भ्वाद्यादिचुरादिगणान्तप्रयोग सूची । अमृता टिप्पणी सहित ०—१०

*३५० **सिद्धान्तकौमुदी-सोत्तरा प्रयोग सूची** । परीक्षोपयोगी पङ्क्तिलेखन प्रकारात्मक इन्दुमती टिप्पणी सहित कारकान्त ०—१० कारकादि शैषिकान्त ०—१२ विकारार्थकादि चुराद्यन्त १—२ ण्यन्तादि उत्तर कृदन्तान्त १—० स्वरवैदिकी उणादिकोश सहित लिङ्गानुशासन प्रकरणान्त ०—१४, संपूर्ण ४—६

*३५१ **सिद्धान्तकौमुदी-प्रश्नोत्तरी** । संज्ञाप्रकरणादि उत्तर कृदन्तान्त ।
१-४ भाग ६—८
*३५२ **सिद्धान्तकौमुदी-स्वरवैदिकप्रक्रियाप्रश्नोत्तरी** १—४
*३५३ **सिद्धान्तचन्द्रिका** । रामाश्रम प्रणीत । बालबोधिनीटीका सहित
पूर्वार्द्ध १—८ उत्तरार्द्ध २—० संपूर्ण ३—८
*३५४ **सिद्धान्तचन्द्रिका** । सदानन्दकृत सुबोधिनी, लोकेशकरकृत तत्त्वदीपिका, नवकिशोरकरकृत चक्रधराटिप्पणी अव्ययार्थमाला लिङ्गानुशासन उणादिकोष सहित पूर्वार्द्ध ६—० उत्तरार्द्ध ६—० संपूर्ण १२—०
३५५ **सुगमकौमुदी** । गंगासहायकृत ५—०
३५६ **सुगमसंस्कृतव्याकरण** । आनन्दस्वरूपकृत २—८
३५७ **सुबोध संस्कृतव्याकरणकौमुदी** । रामसुन्दर शर्मा संपादित । चारो भाग ३—०
३५८ **स्फोटवादः** । नागेशकृत १०—०
३५९ **स्फोटसिद्धिः** । भरतमिश्रकृत ०—१०
३६० **स्फोटसिद्धिः** । मण्डनमिश्रकृत गोपालिका टीका ३—६
३६१ **हाई स्कूल संस्कृत व्याकरण** । बाबूराम सक्सेना विरचित १—८
३६२ **हिन्दी कौमुदी** । अम्बिकाप्रसाद वाजपेयी १—८
३६३ **हिन्दी व्याकरण** । कामताप्रसाद ७—०



न्याय-ग्रन्थाः

३६४ **अणुमानचिन्तामणि** । दीधित सहिता ५—१०
३६५ **अनुमानदीधितिप्रसारिणी** । कृष्णदास सार्वभौम कृता । १-३ खण्ड २—४
३६६ **आगमशास्त्रम्** । गौडपादीय । विधुशेखर भट्टाचार्य कृत वृत्ति सहित ८—८
*३६७ **आत्मतत्त्वविवेकः** । (बौद्धन्याय खण्डनं) श्री मदुदयनाचार्य विरचितः । श्री रामतर्कालङ्कार भट्टाचार्य कृत टिप्पण्या, तार्किक शिरोमणि श्री रघुनाथ कृत दीक्षितिरिति प्रसिद्धया विवृत्या, श्री शङ्कर मिश्र विरचित आत्मतत्त्वविवेक कल्पलतया च विभूषितः १-६ खण्डाः ६—०
*३६८ **आत्मतत्त्वविवेकः** । उदयनाचार्य विरचितः । श्री नारायणाचार्य निर्मितात्मतत्त्व व्याख्या (नारायणी) सहितः ७—८
३६९ **उपमानचिन्तामणिः** । मूलमात्र ०—३

*३७० **उभयाभावादिवारकपरिष्कारः** । म० म० बालकृष्ण मिश्र विरचित प्रकाशाख्य विवरण समेत १—०

*३७१ **कारकचक्रम्** । माधवी टीका-प्रदीप टिप्पणी सहितम् ०—१२

*३७२ **कारिकावली-मुक्तावली** । न्यायचन्द्रिका टीका परीक्षोपयोगी टिप्पणी सहिता च १—४

*३७३ **कारिकावली-मुक्तावली-मयूख संस्कृत टीका-प्रकाश हिन्दी** व्याख्या सहित । प्रत्यक्षखण्डान्ता १—४

*३७४ **कारिकावली-मुक्तावली-मयूखटीकासहिता** । टीकाकार-न्यायव्याकरणाचार्य श्री सूर्यनारायण शुक्ल । संपूर्ण २—४

*३७५ **कारिकावली-मुक्तावली-दिनकरी-रामरुद्री** । पण्डितराज श्री राजेश्वरशास्त्रि प्रपूरित-रामरुद्री-दिनकरीभ्यां संवलिता ६—०

*३७६ **कारिकावली-मुक्तावली-दिनकरी** । स्मृति निरूपणादि समाप्ति पर्यन्ता । पण्डितराज श्री राजेश्वर शास्त्री रचित मुक्तावली प्रकाश तरंगिणी (रामरुद्री) व्याख्या सहिता १—८

*३७७ **कारिकावली मुक्ता० दीन० रामरुद्रीसहिता** । शब्दखण्ड मात्र ०—८

*३७८ **कारिकावली-मुक्तावली** । श्री सूर्यनारायण शुक्ल विरचित मयूख नाम्नी सं० टीका हिन्दी टीका सहितः । शब्दखण्ड मात्र ०—८

३७९ **कारिकावली-मुक्तावली** । प्रभा-मञ्जूषा-दिनकरीय-रामरुद्रीय-गंगाराम-जटीय व्याख्या युक्त १२—०

३८० **कारिकावली** । मुक्तावली । किरणावली व्याख्या सहित ४—०

*३८१ **का० मुक्तावली तत्त्वालोकः** । (मुक्तावली प्रश्नोत्तरी) ०—८

३८२ **कुसुमाञ्जलिकारिका** । रामभद्र सार्वभौम कृतया कुसुमाञ्जलि कारिका व्याख्या सहिता ३—०

३८३ **केवलान्वयिप्रकरण** । दीधिति जागदीशी नारायणी टीका समन्वित ४—०

*३८४ **क्रोडपत्रसंग्रहः** । श्री कालीशङ्कर प्रणीतानि अनुमान जागदीशी, अनुमान-गादाधरी-क्रोडपत्राणि । सम्पूर्णोऽयं ग्रन्थः १-८ खण्डा १२—०

*३८४ (१) **जागदीशी-क्रोडपत्रम्** । १-४ खण्डः ६—०

*३८४ (२) **गादाधरी-क्रोडपत्रम्** । ५-८ खण्डाः ६—०

३८५ **ख्यातिवादः** । शङ्कर चैतन्य भारती विरचित ०—१०

*३८६ **गादाधरी।** अनुमान चिन्तामणि व्याख्या शिरोमणि कृत दीधित्या विवृत्ति सम्पूर्णा सुप्रसिद्धोऽयं ग्रन्थः। फुटकर खण्ड २—०
संपूर्णः ग्रन्थः दुष्प्राप्य १५०—०

*३८७ **गादाधरी–सामान्य निरुक्तिः–गूढार्थतत्त्वालोकः।** श्री धर्मदत्त [बच्चाझा] शर्म विरचितः १—१२

*३८८ **गादाधरी–सामान्यनिरुक्तिः।** न्यायाचार्य श्री शिवदत्तमिश्र विरचित परीक्षोपयोगी गङ्गा व्याख्या टिप्पणी सहितः ६—०

३८९ **गादाधरीसव्यभिचारप्रकरण।** श्री वामाचरण भट्टाचार्य कृत व्याख्या सहित ३—८

३९० **चतुर्दशलक्षणी।** गदाधरकृत। कृष्णभट्ट-रघुनाथ-पट्टाभिरामकृतव्याख्यासहित १०—०

*३९१ **जागदीशी।** अनुमान चिन्तामणि व्याख्या शिरोमणि कृत दीधित्या विवृत्ति। (सम्पूर्ण ग्रन्थ १-१३ खण्ड) दुष्प्राप्य १५०—०
फुटकर खण्ड २—०

३९२ **जा० अवच्छेदकत्वनिरुक्तिः।** मूलमात्रम् ०—५

*३९३ **जा० अवच्छेदकत्वनिरुक्तिः।** न्यायाचार्य पं० शिवदत्तमिश्र विरचित परीक्षोपयोगी गङ्गा व्याख्या टिप्पणी सहितम् १—८

*३९४ **जा० पक्षता।** न्यायाचार्य पं० शिवदत्त मिश्र विरचित परीक्षोपयोगी गङ्गा व्याख्या टिप्पणी सहित ३—०

*३९५ **जा० पञ्चलक्षणी सिंहव्याघ्रलक्षण क्रोडपत्रम्।** ०—३

*३९६ **जागदीशी पञ्चलक्षणी सिंहव्याघ्रलक्षणम्।** गङ्गानिर्झरिणी व्याख्या टिप्पणी सहित यन्त्रस्थ

*३९७ **जा० व्यधिकरणम्।** न्यायाचार्य पं० शिवदत्त मिश्र विरचित परीक्षोपयोगी गङ्गा व्याख्या टिप्पणी सहित ४—०

*३९८ **जा० व्यधिकरणधर्मावच्छिन्नाभावस्य कालीशङ्करी** ०—८

३९९ **जा० सामान्यलक्षणाप्रकरणम्।** काशिकानन्दी व्याख्या सहित ४—८

४०० **जागदीशी सिंहव्याघ्रलक्षण।** श्री वामाचरण भट्टाचार्य कृत व्याख्यासहित १—४

*४०१ **जा० सिद्धान्तलक्षणम्।** न्यायाचार्य पं० शिवदत्त मिश्र कृत परीक्षोपयोगी गंगा व्याख्या टिप्पणी सहित ३—०

*४०२ **जा० सिद्धान्तलक्षणस्य क्रोडपत्रम्।** ०—१०

४०३ **तत्त्वचिन्तामणिः।** गंगेशोपाध्याय कृतः। प्रत्यक्षखण्ड प्रथमभाग सव्याख्या १—५

४०४ **तत्त्वचिन्तामणिः।** गंगेशोपाध्यायकृत। उपमान खण्ड १—८

४०५ **तत्त्वचिन्तामणि–दीधिति प्रकाशः।** भवानन्द सिद्धान्त वागीश कृत ४—८

४०६ **तत्त्वसारः** (मराठी) चंगादेव वटेश्वर कृत १—०
४०७ **तत्त्वसारः** । राखालदास न्यायरत्न कृत ०—८
४०८ **तत्त्वोपप्लवः** । जयराशि कृत ६—०
४०९ **तर्कताण्डवम्** । व्यासतीर्थकृत । राघवेन्द्रतीर्थकृत न्यायदीप व्याख्यायुतम् १-४ भाग ९—४
४१० **तर्कपद्यरत्नावली** । वाचपेय सुन्दराचारियर प्रणीत १—२
*४११ **तर्कभाषा** । केशवमिश्र प्रणीता । मूलमात्रम् ०—१०
*४१२ **तर्कभाषा** । आचार्य विश्वेश्वर सिद्धान्त शिरोमणि कृत तर्करहस्यदीपिका हिन्दी व्याख्या सहित [उत्तर प्रदेशीय सरकार द्वारा पुरस्कृत] ४—८
*४१३ **तर्कभाषा** । 'तत्त्वालोक' संस्कृत हिन्दी टीका सहित सुलभ संस्करण १—८, उत्तम संस्करण २—०
४१४ **तर्कभाषा** । चिन्नंभट्ट विरचित व्याख्या सहिता २—४
*४१५ **तर्कभाषारहस्यम्** (तर्कभाषा-प्रश्नोत्तरी) ०—६
*४१६ **तर्कमकरन्दः** (दीपिका प्रश्नोत्तरी) ०—६
४१७ **तर्कशास्त्र प्रवेशिका** । लेखक-एक अनुभवी प्रोफेसर २—८
*४१८ **तर्कसंग्रहः** । लक्षण टिप्पणी सहितः ०—२
*४१९ **तर्कसंग्रहः** । लक्षण टिप्पणी 'इन्दुमती' नामक हिन्दी टीका सहितः ०—५
*४२० **तर्कसंग्रहः** । न्यायबोधिनी-पदकृत्य-विरला सं० टीका इन्दुमती हिन्दी टीका सहित १—०
*४२१ **तर्कसंग्रहः** । न्यायबोधिनी-दीपिका-मयूख टीका यन्त्रस्थ
*४२२ **तर्कसंग्रहः** । 'दीपिका' संस्कृत व्याख्या 'इन्दुमती' हिन्दी टीका सहित ०—८
४२३ **तर्कसंग्रहः** । दीपिका-न्यायबोधिनी व्याख्या सहित । बोडस सम्पादित २—८
४२४ **तर्कसंग्रहः** । भास्करोदय-दीपिका प्रकाश व्याख्या सहित २—०
४२५ **तर्कसंग्रहः** । सुखप्रवेशिनी व्याख्या समेत १—४
४२६ **तर्कसंग्रहः** । सिद्धान्त चन्द्रोदय व्याख्या सहित १—०
*४२७ **तर्कामृत** । 'प्रकाश' संस्कृत-हिन्दी टीका 'परीक्षासेतु' परिशिष्ट सहित ०—१०
४२८ **त्रितलावच्छेदकतावाद** । शशिनाथ झा विरचित ४—८
*४२९ **न्यायकुसुमाञ्जलिः** । श्रीमदुदयनाचार्य प्रणीतः । मेघठक्कुर विरचित 'प्रकाशिका' (जलद) रुचिदत्तोपाध्याय कृत 'मकरन्द' वर्द्धमानोपाध्याय कृत 'प्रकाश' वरदराज कृत 'बोधिनी' टीका चतुष्टयोपेतः, सर्वतन्त्र स्वतन्त्र पं० बच्चा झा निर्मित टिप्पणी विभूषितश्च । पण्डितराज श्री राजेश्वरशास्त्रि प्रणीत भूमिकादि सहित १८—०

४३० **न्यायकलिका** । भट्ट जयन्त कृत ०—७
४३१ **न्यायकोशः** । भीमाचार्य झलकीकर विरचितः १५—०
४३२ **न्यायकौस्तुभः** । महादेव पुणतामकर विरचितः । प्रत्यक्ष खण्ड १—१०
४३३ **न्यायतात्पर्यदीपिका** । (न्यायसार व्याख्या) जयसिंह सूरिकृता समाप्त
*४३४ **न्यायदर्शन–वात्स्यायनभाष्यम्** । म० म० डा० गङ्गानाथ झा प्रणीतेन खद्योतेन, नैयायिक चूडामणिरघूत्तम विरचितेन भाष्यचन्द्रेण च समन्वितम् । म० म० श्री अम्बादास शास्त्रि कृतया भाष्यचन्द्रानुगामिन्या टिप्पण्या च समेतम् १०—०
*४३५ **न्यायदर्शनम्** । वात्स्यायनभाष्य सहितम् ३—०
४३६ **न्यायदर्शनम्** । वात्स्यायनभाष्यम् । श्री सुदर्शनाचार्य कृत व्याख्या युक्तम् १०—०
४३७ **न्यायदर्शनम्** । हिन्दी व्याख्या सहितम् ३—८
४३८ **न्यायदर्शनम्** । दर्शनानन्द सरस्वतीकृत हिन्दी टीका सहितम् २—०
४३९ **न्यायप्रकाशः** । (न्यायशास्त्र) स्वामी चिद्घनानन्दकृत । भाषा १२—०
४४० **न्यायप्रदीपः** । गङ्गासहाय विरचितः १—१२
*४४१ **न्यायबिन्दुः** । बौद्धाचार्य श्रीधर्मकीर्ति प्रणीतः । संस्कृत टीका हिन्दी अनुवाद सहितः ५—०
४४२ **न्यायबिन्दुटीका** । (धर्मोत्तर प्रदीप) २—०
*४४३ **न्यायमञ्जरी** । जयन्तभट्ट कृत टिप्पण्या समेता १०—०
४४४ **न्यायरत्नम्** । मणिकण्ठमिश्रकृतम् । नृसिंहयज्वकृतया द्युतिमालिका टीका सहितम् १०—०
*४४५ **न्यायलीलावती** । मूलमात्र ०—१२
*४४६ **न्यायलीलावती** । श्री भगीरथ ठक्कुर कृत 'विवृति' सनाथेन श्री वर्धमानोपाध्याय कृत 'प्रकाशेन' समुद्भासिता, श्री शङ्करमिश्र रचित 'कण्ठाभरणेन' च समन्विता १३—८
*४४७ **न्यायवार्त्तिकम्** । भारद्वाजोद्योतकरकृतम् दुष्प्राप्य
*४४८ **न्यायवार्त्तिकतात्पर्यटीका** । श्री वाचस्पति मिश्र विरचिता ६—०
४४९ **न्यायसारः** । महादेव पण्डित विरचितः ३—०
४५० **न्यायसारः** । वासुदेव सूरि प्रणीत व्याख्या युक्तः १—१४
४५१ **न्यायसारः** । आचार्य भासर्वज्ञकृतः । न्यायसारपदपञ्चिका व्याख्या सहित २—१२
*४५२ **न्यायसिद्धान्तमञ्जरी** । भट्टाचार्य चूडामणि जानकीनाथ विरचितः । श्री नीलकण्ठदीक्षित प्रणीत बृहत्तर्कप्रकाश व्याख्यया समेता १—८

४५३ **न्यायसिद्धान्तदीप** । शशधराचार्यकृत टीका सहित १२—०
४५४ **न्यायसिद्धान्तमाला** । जयराम न्यायपञ्चानन भट्टाचार्य प्रणीता १-२ भाग १—९
४५५ **न्यायसिद्धान्तमुक्तावली** । किरणावली टीका सहित ४—०
४५६ **न्यायसिद्धान्तमुक्तावली** । स्वामी गोविन्दसिंह कृत हिन्दी टीका सहित ५—०
४५७ **न्यायसिद्धान्तमुक्तावली** । धर्मेन्द्रशास्त्रीप्रणीत हिन्दीटीका सहित प्रत्यक्षखण्ड ५—४
*४५८ **न्याय (सूत्रपाठः) दर्शनम्** । श्री गोतममहामुनि प्रणीतः ०—३
४५९ **न्यायसूत्रविवरणम्** । श्री राधामोहन गोस्वामी कृतम् ४—०
४६० **न्यायेन्दुशेखरः** ०—५
४६१ **पदवाक्यरत्नाकरः** ३—४
४६२ **पदार्थतत्त्वनिरूपणम्** । श्री रघुनाथ विरचितम् समाप्त
४६३ **पदार्थरत्नमाला** । श्रीरघुनाथ कृता १—८
४६४ **पदार्थशास्त्र** (हिन्दी) लेखक-श्री आनन्दझा न्यायाचार्य २—८
४६५ **प्रमाणमंजरी** । सर्वदेव कृत ०—४, ०—८
४६६ **प्रमाणमीमांसा** । हेमचन्द्राचार्यकृत । संस्कृत-हिन्दी व्याख्या सहित ७—०
४६७ **प्रमेयकमलमार्तण्डः** । प्रभाचन्द्राचार्य प्रणीत ८—०
४६८ **प्रामाण्यवादः** । गदाधर भट्टाचार्यकृत ३—०, ४—०
४६९ **प्रामाण्यवाद-दीपिका** । श्री वामाचरण भट्टाचार्य विरचिता ०—१२
४७० **भारतीयदर्शनपरिचय** (न्याय) हरिमोहन झा विरचित (हिन्दी) १०—०
४७१ **भारतीयदर्शनशास्त्र** (न्याय-वैशेषिक) धर्मेन्द्रशास्त्री कृत (हिन्दी)
सजिल्द ३—० साधारण २—८
४७२ **भास्करोदयः** । नीलकण्ठ भट्ट विरचित तर्कसङ्ग्रह दीपिका प्रकाश
नीलकण्ठी व्याख्यायुत २—०
४७३ **भेदसिद्धिः** । विश्वनाथ पञ्चानन भट्टाचार्य विरचित ०—१४
*४७४ **मथुरानाथीय-व्याप्तिपञ्चकटीकायाः क्रोडपत्रम्** ०—३
*४७५ **माथुरी-तर्कप्रकरणम्** । न्यायाचार्य वामाचरण भट्टाचार्य विरचित
'विवृति' सहितम् १—०
४७६ **माथुरीपञ्चलक्षणी** । सिंहव्याघ्रलक्षण सहिता । मूलमात्रम् ०—४
*४७७ **माथुरीपञ्चलक्षणी** । श्री उमानाथाज्र्यालंकृत व्याख्या सहिता तथा
माथुरीसिंहव्याघ्रलक्षणम् श्री हरिरामशुक्ल विरचित व्याख्या
सहितं तथा श्री हरिहर शास्त्री सङ्कलित माथुरी पञ्चलक्षणी
क्रोडपत्राणि च ०—६
*४७८ **माथुरीव्याप्तिपञ्चकरहस्यं, सिंहव्याघ्रलक्षणरहस्यम्** । श्री शिव-
दत्तमिश्र विरचित परीक्षोपयोगी गङ्गानिर्झरिणी व्याख्या सहितं १—८
*४७९ **मुक्तिवादः** । चन्द्रिकाख्य विवृत्या समलंकृतः ०—८

*४८० **वादवारिधिः** । श्री गदाधर भट्टाचार्यादि विपश्चिद्वरैर्विरचितः प्रत्यक्षानुमान-शब्दपरिशिष्टाख्य कल्लोलचतुष्टयात्मकः १-३ खण्ड ४—८
४८१ **वादिविनोदः** । शङ्कर मिश्र विरचित १—०
*४८२ **विषयतावादः** । श्री ढुण्ढिराज शास्त्रि कृत टिप्पणी सहितः ०—४
*४८३ **व्युत्पत्तिवादः** । गदाधर भट्टाचार्य प्रणीतः । मूलमात्रः २—०
*४८४ **व्युत्पत्तिवादः** । पण्डितराज श्री वेणीमाधवशास्त्री रचित (शास्त्रार्थोपयोगी परीक्षोपयोगी च) शास्त्रार्थ कला टीका सहितः २—०
*४८५ **व्युत्पत्तिवादः** । सर्वतन्त्र स्वतन्त्र श्री बचाझा शर्म प्रणीत गूढार्थतत्त्वालोक दुरूहांश प्रकाशिकया प्रकाश व्याख्यया संवलितः ६—०
४८६ **व्युत्पत्तिवादः** । सुदर्शनाचार्य प्रणीत आदर्श व्याख्या सहितः ११—०
४८७ **व्युत्पत्तिवादः** । जया व्याख्या सहितः ३—०
४८८ **व्युत्पत्तिवादः-लकारार्थविचारः** । विवरणयुक्त । सुब्रह्मण्य शास्त्री विरचित ७—८
*४८९ **व्युत्पत्तिवादतरणिः (व्युत्पत्तिवाद-प्रश्नोत्तरी)** उग्रानन्दझाकृत ०—१४
४९० **शतकोटिः** ०—८
४९१ **शतकोटिखण्डनम्** । कृष्णताताचार्यकृतम् ०—८
४९२ **शतकोटिखण्डनम्** । अनन्ताचार्यकृतम् १—०
४९३ **शतकोटिमण्डनम्** । विजयराघवाचार्यकृतम् १—४
*४९४ **शक्तिवादः** । कृष्णभट्ट कृतया मञ्जूषया-माधवभट्टाचार्य निर्मितया विवृत्त्या गोस्वामी दामोदरशास्त्रीरचितया विनोदिन्या च समेतः २—८
*४९५ **शक्तिवादः** । पण्डितप्रवर श्रीहरिनाथतर्कसिद्धान्तभट्टाचार्य विरचित विवृत्ति (हरिनाथी टीका) सहितः ३—०
४९६ **शक्तिवादः** । सुदर्शनाचार्य प्रणीत आदर्श व्याख्या सहितः ४—८
४९७ **शक्तिवादः**-व्युत्पत्तिवाद ज्येष्ठत्ववाद लकारार्थवाद सादृश्यवाद विवृतिश्च ०—१२
*४९८ **शब्दशक्तिप्रकाशिका** । श्री जगदीश तर्कालङ्कार विनिर्मिता । श्री कृष्णकान्तविद्यावागीशकृत कृष्णकान्तिटीकया श्रीमद्रामभद्रसिद्धान्तवागीश विरचितया रामभद्रीटीकया च समलंकृता सटिप्पण ७—०
४९९ **सङ्गमेश्वरक्रोडम्** (जागदीशीसिद्धान्तलक्षण क्रोडपत्र) सङ्गमेश्वर शास्त्री ०—१४
५०० **सप्तपदार्थी** । सव्याख्या । घाटे सम्पादित २—८
५०१ **सप्तपदार्थी** । व्याख्या त्रयोपेता ५—०
५०२ **सत्प्रतिपक्षग्रन्थः** । गदाधरभट्टाचार्य कृत १—२
५०३ **सिद्धान्तलक्षण गूढार्थ-तत्त्वालोकः** । बचा झा कृत ३—०

बौद्धन्याय-ग्रन्थाः

*५०४ **आत्मतत्त्वविवेकः** । (बौद्धन्याय खण्डनं) श्री मदुदयनाचार्य विरचितः । श्री रामतर्कालङ्कार भट्टाचार्य कृत टिप्पण्या, तार्किक शिरोमणि श्री रघुनाथ कृत दीधितिरिति प्रसिद्धया विवृत्या, श्री शङ्कर मिश्र विरचित आत्मतत्त्वविवेक कल्पलतया च विभूषितः १–६ खण्डाः ६—०

*५०५ **आत्मतत्त्वविवेकः** । उदयनाचार्य विरचितः । श्री नारायणाचार्य निर्मितात्मतत्त्वव्याख्या (नारायणी) सहितः ७—८

५०६ **आलम्बनपरीक्षा** । दिङ्नाग विरचित समाप्त

५०७ **तर्कभाषा** । मोक्षाकर गुप्त ४—०

५०८ **तर्कभाषा** । मोक्षाकरगुप्त कृत । **वादस्थान** । जितारिपाद विरचित ५—०

*५०९ **न्यायबिन्दुः** । बौद्धाचार्य श्रीधर्मकीर्ति प्रणीतः । संस्कृत-टीका हिन्दी अनुवाद सहितः ५—०

५१० **न्यायबिन्दुसूची** । संस्कृत-तिब्बती । सतीशचन्द्र विद्याभूषण संकलित २—०

५११ **हेतुतत्त्वोपदेशः** । जितारिविरचित १—८

५१२ **हेतुबिन्दुटीका** । श्री मदर्चटविरचिता । दुर्वेक मिश्र कृत आलोक टीका सहित १६—०

मीमांसा-ग्रन्थाः

*५१३ **अधिकरणकौमुदी** । श्री देवनाथठक्कुर कृता १—०

५१४ **अध्वरमीमांसाकुतूहलवृत्तिः** । वासुदेव दीक्षित विरचितः ११—०

५१५ **अर्थवादादि विचारः** । क्षीरसमुद्रवासी मिश्र विरचित १—०

५१६ **अर्थसंग्रहः** । मीमांसार्थकौमुदी व्याख्या सहितः १—८

*५१७ **अर्थसंग्रहः** । दीपिका हिन्दी व्याख्या सहित १—०

५१८ **कल्पकलिका** । (शावरभाष्यव्याख्या तर्कपादान्त) म० म० हरिहरकृपालु द्विवेदी कृतः । ३—०

५१९ **गुरुसम्मतपदार्थाः**–कौमारिलमतोपन्यास । नारायण प्रणीत १—०

*५२० **जैमिनीयन्यायमाला** । श्री मन्माधवाचार्य विरचिता, तद्विरचितेन विस्तरेण विभूषिता । तृतीयाध्यायान्ता ४—०

५२१ **जैमिनीयन्यायमालाविस्तरः** । सव्याख्या । सम्पूर्ण १२—०

५२२ **जैमिनीयसूत्रवृत्तिः–सुबोधिनी** । श्री शितिकण्ठभट्ट कृता । भाषानुवाद सहिता १–४ अध्याय ८—०

५२३ **जैमिनीयसूत्रार्थसंग्रहः** । ऋषिपुत्र परमेश्वर विरचित । प्रथम भाग ८—१२

*५२४ टुप्टीका । श्रीमत्कुमारिलभट्टपाद विरचिता दुष्प्राप्य
५२५ तत्त्वबिन्दुः । परमेश्वरकृत । तत्वविभावना व्याख्या सहित ३—१२
५२६ तन्त्ररत्नम् । पार्थसारथिमिश्र कृतं । १-२ भाग २—१
५२७ तन्त्ररहस्य । रामानुजाचार्य विरचित ८—०
*५२८ तन्त्रवार्त्तिकम् । कुमारिलभट्टपाद विरचितम् । ११-१२ खण्ड ४—८
५२९ तन्त्रसिद्धान्तरत्नावली । म० म० चिन्नस्वामी शास्त्रिकृत ४—०
५३० तौतातितमततिलकम् । भवदेव विरचितम् । १-२ भाग २—८
५३१ नयविवेकः । भवनाथ मिश्र विरचित ३—६
५३२ नायकरत्नम् । रामानुज कृतं ६—०
५३३ नीतितत्त्वाविर्भावः । चिदानन्द पण्डित प्रणीतः ५—०
५३४ न्यायबिन्दुः–मीमांसा । भट्ट वैद्यनाथकृतः । सटिप्पण १—८
*५३५ न्यायरत्नमाला । श्रीमत्पार्थसारथिमिश्र विनिर्मिता ३—०
*५३६ न्यायसुधा । तन्त्रवार्तिक व्याख्या । श्रीमद्भट्टसोमेश्वर कृता २४—०
*५३७ पूर्वमीमांसाधिकरणकौमुदी । रामकृष्णभट्टाचार्य विरचिता १—८
*५३८ प्रकरणपञ्जिका । महामहोपाध्याय श्री शालिकनाथ मिश्र विरचिता
तथा मीमांसासारसंग्रहः । श्री शङ्करभट्टकृतः दुष्प्राप्य
५३९ प्रभाकरविजयः । (प्रभाकर मत) नन्दीश्वर कृत २—८
*५४० बृहती । प्रभाकरमिश्र विरचित (शावरभाष्य व्याख्या), म० म०
मिश्र शालिकनाथ कृत 'ऋजु विमला' व्याख्याद्वययुता ४—८
*५४१ भाट्टचिन्तामणिः । म० म० श्री गागाभट्ट विरचितः ४—८
५४२ भाट्टदीपिका । खण्डदेव कृता । प्रभावली सहिता । निवितान्तो भागः ८—०
५४३ भाट्टदीपिका । खण्डदेव कृता । शम्भुभट्टकृत प्रभावली व्याख्या सहित
अध्याय ७-१२ भाग १-२ ३२—०
५४४ भाट्टदीपिका । भाट्टचिन्तामणि व्याख्या सहित । श्रीवाच्छेश्वरभट्टाचार्य प्रणीतः ८—०
*५४५ भाट्टभाषाप्रकाशः । श्रीनारायणतीर्थमुनि विरचितः ०—८
५४६ भाट्टरहस्यम् । २—८
५४७ भावनाविवेकः । विषम ग्रन्थी भेदिका सहित समाप्त
५४८ मीमांसाकोषः । केवलानन्द सरस्वती संपादित । १-४ भाग १३५—०
*५४९ मीमांसाकौस्तुभः । (मीमांसासूत्रोपरि काचन विस्तृत टीका)
श्रीखण्डदेव विरचितः १८—०
५५० मीमांसादर्शन-सूत्रपाठः । जैमिनीय प्रणीतम् । थडनी संपादित २—०
५५१ मीमांसादर्शनम् । जैमिनी मीमांसा सूत्रपाठ । केवलानन्द सरस्वती संपादितं ३५—०

५५२ **मीमांसादर्शनम्** । तन्त्रवार्त्तिक व्याख्या सम्वलित शावरभाष्य समेतम्
(द्वितीयाध्याय का प्रथम पाद छोड़कर संपूर्ण ग्रन्थ) ३२—१२
५५३ **मीमांसादर्शनम्** । भाषा टीका सहित । १-३ अध्याय ५—०
५५४ **मीमांसादर्शन** । (मीमांसाशास्त्र का इतिहास हिन्दी) मंडन मिश्र शास्त्री ५—०
*५५५ **मीमांसानुक्रमणिका** । श्री मण्डन मिश्र कृता । महामहोपाध्याय
गङ्गानाथ झा रचित 'मीमांसा मण्डेनेन' मण्डिता ७—८
*५५६ **मीमांसान्यायप्रकाशः** । मूलमात्र ०—८
*५५७ **मीमांसान्यायप्रकाशः** । म० म० पण्डित चिन्नस्वामिशास्त्रिविरचित
सारविवेचिनी व्याख्या सहित सपरिष्कृत परिवर्द्धित द्वितीय संस्करण ५—०
*५५८ **मीमांसान्यायप्रकाशः** । श्री अनन्तदेव विरचित भाट्टालङ्कार
व्याख्या सहितः २—८
५५९ **मीमांसापरिभाषा** । म.म. पं. श्रीनित्यानन्द पन्त कृत टिप्पणी युत ०—४
५६० **मीमांसापादुका** । ०—१०
*५६१ **मीमांसाबालप्रकाशः** । श्रीभट्टशङ्कर विरचितः ३—०
५६२ **मीमांसाऽभ्युदयः** । श्री शैलताताचार्य शिरोमणि कृत १—४
५६३ **मीमांसार्थप्रकाशः** । श्री लौगाक्षिभास्कर प्रणीतः १—४
५६४ **मीमांसाशास्त्रसर्वस्वम्** । हलायुध विरचित । म. म. उमेश मिश्र संपादित २५—०
५६५ **मीमांसाशास्त्रसारम्** । १—४
*५६६ **मीमांसाश्लोकवार्त्तिकम्** । न्यायरत्नाकर व्याख्या सहित १-२ खण्ड ४—८
५६७ **मीमांसाश्लोकवार्त्तिकम्** । सुचरितमिश्र कृत काशिकाव्याख्या सहित २-३ भाग ६—४
५६८ **मीमांसाश्लोकवार्त्तिकम्** । भट्ट उम्बेक प्रणीत तात्पर्य व्याख्या सहित।
स्फोटवादस्थानक पर्यन्त ७—८
५६९ **मीमांसाश्लोकवार्तिकम्** । व्याख्या सरकारिका जयमिश्र विरचित ४—०
५७० **यज्ञतत्त्वप्रकाशः** । म० म० पं० श्री चिन्नस्वामि शास्त्रि प्रणीतः ४—०
५७१ **वाक्यार्थरत्नम्** । अहोवलसूरि विरचितम् । सुवर्णमुद्रिका व्याख्या सहितम् १—४
*५७२ **विधिरसायनम्** । श्रीमदप्पयदीक्षित विरचितम् ३—०
५७३ **विधिरसायनदूषणम्** । श्रीशङ्करभट्ट प्रणीतम् १—४
५७४ **विभ्रमविवेकः** । मण्डनमिश्र विरचित १—०
*५७५ **वेदप्रकाशः** । श्री सत्यज्ञानानन्दतीर्थेन विरचितः १—८
*५७६ **शास्त्रदीपिका** । श्री पार्थसारथिमिश्रप्रणीता । पण्डितप्रवर श्रीरामकृष्ण
विरचित 'युक्तिस्नेहप्रपूरणी' व्याख्या सहिता । तर्कपादः ३—०
५७७ **सेश्वरमीमांसा** । २—८
५७८ **षड्दर्शनसूत्रम्** । महर्षि जैमिनि-गौतम-कणाद कपिल-पतञ्जलि-व्यासैः
प्रणीतानि । मूलमात्रम् २—८

सांख्य-ग्रन्थाः

योग-ग्रन्थाः

६०१	**पातञ्जलयोगदर्शनम्** । पदचन्द्रिका व्याख्या युक्त	०—८
६०२	**पातञ्जलयोगदर्शनम्** । अनन्तपण्डित प्रणीत व्याख्या युक्त	०—१०
६०३	**पातञ्जलयोगदर्शनम्** । भोजवृत्ति सहितम्	१—४
६०४	**पातञ्जलयोगदर्शनम्** । मणिप्रभा व्याख्या सहित	१—९
६०५	**पातञ्जलयोगदर्शनम्** । नागेश प्रणीत भाष्य छायावृत्ति सहित	३—०
६०६	**पातञ्जलयोगदर्शनम्** । व्यासभाष्य योगवार्त्तिक सहित	५—०
६०७	**पातञ्जलयोगसूत्रम्** । किरणावली व्याख्या सहित ।	समाप्त
६०८	**पातञ्जलयोगसूत्रम्** । भावागणेश–नागोजीभट्टीय वृत्ति सहित	१—४
६०९	**पातञ्जलयोगसूत्रभाष्यविवरणम्** । शङ्करभगवत्पाद प्रणीतम्	१२—१२
६१०	**पातञ्जलयोगसूत्रम्** । व्यासभाष्ययुक्त । बंगाली बाबा के अंग्रेजी अनुवाद से हिन्दी अनुवाद । कु० बृजरानी देवी	५—०
६११	**बिन्दुयोगः** । हिन्दी टीका सहित	०—१४
६१२	**ब्रह्मविद्या** । स्वामी कृष्णानन्द । भाषा	६—०
६१३	**मन्त्रयोगसंहिता**।। हिन्दी अनुवाद सहित	१—०
६१४	**योगचिन्तामणिः** । शिवानन्द सरस्वती विरचित	५—०
*६१५	योगदर्शनम् । नारायणतीर्थकृत योगचन्द्रिका विस्तृत व्याख्यया तत्कृतयैव संक्षिप्त–सूत्रार्थबोधिन्या च सहितं	३—०
*६१६	योगदर्शनम् । टीका षट्क समेतम्	यन्त्रस्थ
६१७	**योगदर्शनम्** । विज्ञानभिक्षु प्रणीत योगवार्तिक सहितम्	३—१२
६१८	**योगदर्शनम्** । व्यासभाष्य–वाचस्पति व्याख्या युक्त	समाप्त
६१९	**योगदर्शनम्** । हरिहरानन्दारण्य कृत बङ्गला भाषानुवाद का तथा टीका का मूल सहित हिन्दी भाषान्तर में अनुवाद	९—०
६२०	**योगदर्शनम्** । हिन्दी टीका सहित	०—१२—०, १—०—०, २—०
६२१	**योगमार्गप्रकाशिका अर्थात् योगरहस्यम्** । हिन्दी टीका सहित	१—४
६२२	**योगयाज्ञवल्क्यः** । मूलमात्र	०—६
६२३	**योगयाज्ञवल्क्यः** । प्रहलाद सी० दीवान संपादित	५—८
६२४	**योगियाज्ञवल्क्यः** । हिन्दी टीका सहित	१—४
६२५	**योगसन्ध्या** । हिन्दी टीका सहित	२—०
*६२६	योगसारसंग्रहः । श्री विज्ञानभिक्षु विरचितः	०—८
*६२७	योग (सूत्रपाठः) दर्शनम् । श्री पतञ्जलि मुनि विरचितम्	०—१
*६२८	योगसूत्रम् । योगसूत्रप्रदीपिका व्याख्या सहित सटिप्पणं	१—०
६२९	**योगसूत्रवृत्तिः** । (योगसुधाकरः) श्री सदाशिवेन्द्र सरस्वती विरचित	समाप्त
६३०	**शिवसंहिता** ।	१—८

योग-ग्रन्थ भाषा

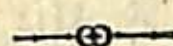
६६१	**भक्तियोग** । अश्विनीकुमार दत्त	३—४
६६२	**भक्तियोगरहस्य** । स्वामी रामतीर्थ	२—०
६६३	**भक्तिसागरादि सत्रह ग्रन्थ** । स्वामी चरणदास कृत	७—०
६६४	**भावनायोग** । अनु०-पण्डया वैजनाथ	१—२
६६५	**मन की शक्तियाँ तथा जीवन गठन की साधनाएँ**	०—६
६६६	**मनुष्य का विराट् रूप** । आनन्दकुमार	४—८
६६७	**मन्त्रविद्या** । ले०—सन्तचतुर्भुज सहाय	०—३
६६८	**महायोगविज्ञान** । योगानन्द ब्रह्मचारी कृत	२—८
६६९	**मानसिक शक्ति का चमत्कार** । सत्यकाम विद्यालङ्कार	२—४
६७०	**महायोगी** । आर० आर० दिवाकर	२—४
६७१	**मृत्यु और मृत्यु के पश्चात्** । ले०-सन्तचतुर्भुज सहाय	०—१२
६७२	**मोक्षसाधन या योगाभ्यास** । लेखक-भूपेन्द्रनाथ सन्याल	०—६
६७३	**योग की सरलता**	०—४
६७४	**योग के चमत्कार** । रामनाथ 'सुमन'	२—०
६७५	**योग फिलासफी और नवीन साधना** । ले०-सन्तचतुर्भुज सहाय	१—८
६७६	**योगबीज** । गोरक्षनाथ	०—८
६७७	**योगवाणी या सिद्धयोगोपदेश** । बंगला से अनुवादित	२—०
६७८	**योगसाधन की तैयारी** । सातवलेकर कृत	१—०
६७९	**योगी गुरु या योग और साधनपद्धति** । स्वामी निगमानंद सरस्वती	३—१२
६८०	**राजयोगः** । स्वामी विवेकानन्द	२—८
६८१	**राजयोग के मूलतत्त्व** । राजाराम सखाराम भागवत	२—८
६८२	**लारेंसगीता अर्थात् भगवत्सान्निध्यसाधन**	०—८
६८३	**वेद का स्वाध्याय** । राजाराम । १-२ भाग	१—८
६८४	**वैदिकषट्चक्रमंडल** । प्रसादीलाल झा	समाप्त
६८५	**शक्तिपात** (कुण्डलिनी महायोग) स्वामी विष्णुतीर्थ	१—०
६८६	**शिव और रुद्र** । ले० सन्तचतुर्भुज सहाय	०—६
६८७	**श्री श्रीगौरांग महाप्रभु** । ले०—सन्तचतुर्भुज सहाय	०—८
६८८	**संध्यायोग और भगवदाराधन** । सचित्र	६—०
६८९	**संवर्ग विद्या** । ले-सन्तचतुर्भुज सहाय	०—३
६९०	**सन्त और सूफियों में गुरु प्रतिष्ठा** । ले०-सन्तचतुर्भुज सहाय	०—५
६९१	**सरलराजयोग** । स्वामी विवेकानन्द	०—८
६९२	**साधनचन्द्रिका** । दयानन्द विरचित	१—१२
६९३	**साधनसंकेतः** । स्वामी विष्णु तीर्थ	०—८
६९४	**साधना** । रवीन्द्रनाथ ठाकुर	२—०

६९५ **साधना के अनुभव** । लें०-सन्तचतुर्भुज सहाय । १-३ भाग ५—८
६९६ **सूर्यनमस्कार** १—०
६९७ **सूर्यभेदनव्यायाम** ०—१२
६९८ **स्वरोदयप्रदीप** । प्रसादीलाल झा १—४
६९९ **स्वर्ग और अपवर्ग** । ले०-सन्तचतुर्भुज सहाय ०—४
७०० **हमारा कर्त्तव्य** । ले०-सन्तचतुर्भुज सहाय ०—३
७०१ **हमारा जीवन** । ले० सन्तचतुर्भुज सहाय ०—६

वैशेषिक-ग्रन्थाः

७०२ **किरणावलीप्रकाश-गुण** । वर्द्धमान प्रणीत १-२ भाग १—८
७०३ **किरणावलीप्रकाश-दीधितिः** । रघुनाथ शिरोमणि प्रणीत ०—१४
७०४ **किरणावलीभास्करः** । पद्मनाभ मिश्र विरचित ०—१४
७०५ **न्यायसिद्धान्ततत्त्वामृतम्** । श्री निवास कृतम् २—८
७०६ **पदार्थमण्डनम्** । वेणीदत्त विरचितम् ०—७
*७०७ **प्रशस्तपादभाष्यटीकासंग्रहः** । कणादरहस्यं शङ्करमिश्र कृतं प्रशस्तपादभाष्य समालोचनं कैलाशचन्द्र शिरोमणि कृता तर्कालङ्कारभाष्य परीक्षा च ३—०
७०८ **भारतीयदर्शनपरिचय** (वैशेषिक) हरिमोहन झा कृत (हिन्दी) १०—०
७०९ **भाषारत्नम्** । कणाद तर्क वागीश प्रणीतम् ७—०
७१० **रससारः** । भट्ट वादिन्द्र प्रणीतः ०—९
*७११ **वैशेषिकदर्शनम्** । श्री ढुण्ढिराज शास्त्री कृत विवरणोपेताभ्यां प्रशस्तपादभाष्योपस्काराभ्यां समन्वितम् ८—०
*७१२ **वैशेषिकदर्शन-प्रशस्तपादभाष्यम्** । जगदीश तर्कालङ्कार विरचितया 'सूक्ति टीकया' पद्मनाभ मिश्र कृतया 'सेतुव्याख्या' विद्वच्चूडामणि व्योमशिवाचार्य निर्मितया 'व्योमवत्यया' च समन्वितम् १०—८
७१३ **वैशेषिकदर्शनम्** । किरणावलीव्याख्या सहित १-४ खण्ड संपूर्ण ग्रन्थ २२—४
७१४ **वैशेषिकदर्शनम्** । उदयनाचार्यप्रणीत किरणावली टीका सहितम् ३-५ खण्ड ३—१२
७१५ **वैशेषिकदर्शनम्** । वैशेषिक रसायन सहित ७—८
७१६ **वैशेषिकदर्शन-विमर्शः** । ०—१०
७१७ **वैशेषिकदर्शनम्** । हिन्दी टीका सहितम् १—८
७१८ **वैशेषिकदर्शनम्** । दर्शनानन्द सरस्वती कृत हिन्दी टीका सहित ३—८

दर्शन-संग्रहः



वेदान्त-ग्रन्थाः

७४५ **अद्वैतब्रह्मसिद्धिः** । सदानन्दयति प्रणीत । टिप्पणी सहिता ४—११
७४६ **अद्वैतविद्यातिलकम्** । समरपुङ्गवदीक्षितप्रणीत । धर्मय्यदीक्षित विरचित व्याख्या सहित प्रथम भाग ०—१०
७४७ **अद्वैतसिद्धान्तविद्योतन** । ब्रह्मानन्दसरस्वती प्रणीत । **नृसिंहविज्ञापन**—नृसिंहाश्रम प्रणीत ०—१४
७४८ **अद्वैतसिद्धान्तवैजयन्ती** । त्र्यम्बकशास्त्री प्रणीत ०—१४
७४९ **अद्वैतसिद्धान्तसारसङ्ग्रहः** ०—१२
७५० **अद्वैतामोदः** । वासुदेवशास्त्री प्रणीत ३—०
७५१ **अद्वैतदीपिका** । श्री नृसिंहाश्रम विरचित । सटीक १०—०
७५२ **अद्वैतमकरन्दः** । संस्कृत-हिन्दी टीका सहितः २—०
७५३ **अद्वैतरत्नाकरः** । अमरदास प्रणीत । संस्कृत-हिन्दी टीका सहित ०—१०
७५४ **अद्वैतरसमञ्जरी** । सदाशिवब्रह्मेन्द्र कृत । लघुविवरण व्याख्यासहित ०—१०
७५५ **अद्वैतसिद्धिः** । लघुचन्द्रिका-गौडब्रह्मानन्दी विठ्ठलेशीय व्याख्या सहित २०—०
७५६ **अद्वैतसिद्धिः** । मधुसूदन सरस्वती कृत । ब्रह्मानन्द सरस्वती कृत गुरुचन्द्रिका व्याख्या सहित २-३ भाग ७—०
*७५७ **अद्वैतसिद्धिसिद्धान्तसारः** । श्री सदानन्द व्यास प्रणीतः । तत्कृत व्याख्यायुक्तश्च ४—८
७५८ **अध्यात्मभागवतसङ्ग्रहः** । हिन्दी टीका २—०
७५९ **अध्यात्मविद्योपदेशविधिः** । शङ्कराचार्यप्रणीतः ०—६
७६० **अनुभूतिप्रकाशः** । विद्यारण्यप्रणीत २—०
७६१ **अपरोक्षानुभूतिः** । हिन्दी टीका सहित ०—२॥
७६२ **अपरोक्षानुभूतिः** । विद्यारण्यमुनिविरचित व्याख्या सहित ०—७॥
७६३ **अपरोक्षानुभूतिः** । संस्कृत-हिन्दी टीका सहित १—४
७६४ **अपरोक्षानुभवदर्पणः** ०—१४
*७६५ **अमृत-मन्थन अथवा जीवन का दिव्य पक्ष** । डॉ० मंगलदेव शास्त्री । सुबोध हिन्दी अनुवाद के साथ प्रेरणाप्रद हृदयंगम संस्कृत पद्यों में लिखी गयी यह पुस्तक छात्रों, अध्यापकों, गृहस्थों तथा साधुसंन्यासियों के लिए भी उपयोगी और रुचिकर है ४—८
७६६ **अवैदिकदर्शनसङ्ग्रहः** । गङ्गाधर वाजपेययाजी प्रणीत ०—६
७६७ **अष्टावक्रसंहिता** । सव्याख्या १—४
७६८ **आत्मनात्मविवेकः आत्मबोधश्च** । शङ्कराचार्य प्रणीत सव्याख्या ०—७॥
७६९ **आत्मबोधः** । सान्वय हिन्दी टीका सहित ०—६
७७० **आत्मविद्याविलासः** । सदाशिवब्रह्मेन्द्र प्रणीत ०—५

७७१ **आभोगः** (कल्पतरु व्याख्या) वाचस्पति मिश्र कृत भामती की टीका । लक्ष्मी नृसिंह विरचित २०—०
७७२ **इष्टसिद्धिः** । विमुक्तात्मा विरचित । स्वोपज्ञ व्याख्या युक्त दुष्प्राप्य
७७३ **उपदेशसाहस्री** । भगवत्पादाचार्य विरचित, सव्याख्या २—०
७७४ **उपदेशसाहस्री** । हिन्दी अनुवाद सहित २—०
७७५ **उपेन्द्रविज्ञानसूत्रम्** । उपेन्द्रदत्त विरचित । सव्याख्या ०—८
७७६ **कर्ममीमांसादर्शनम्** । संस्कृत भाष्य एवं सूत्रार्थ सहित २—०
७७७ **कर्ममीमांसादर्शनम्** । भरद्वाज विरचित । हिन्दी टीका सहित १-३ भाग ८—८
*७७८ **काथबोधः** । साजनीकृत टीकोपेतः । दत्तात्रेय सम्प्रदायाऽनुगतः ०—८
७७९ **कायपरिशुद्धिः** । अभ्यङ्कर वासुदेवशास्त्री प्रणीत २—०
७८० **क्रियासारः** (वारशैव मतानुयायी) नीलकंठ शिवाचार्य विरचित १-२ भाग १४—८
*७८१ **खण्डनखण्डखाद्यम्** । आनन्दपूर्ण रचितया खण्डन-फक्किका विभजनाख्यया विद्यासागरी टीका समेतम् । दुष्प्राप्य
*७८२ **खण्डनखण्डखाद्यम्** । चित्सुखाचार्य कृत खण्डनभावप्रकाशिका, शङ्करमिश्रकृत शाङ्करी, रघुनाथभट्टाचार्यप्रणीत खण्डनभूषामणि, प्रगल्भमिश्रविरचित खण्डनदर्पण, सूर्यनारायणशुक्लप्रणीत खण्डनरत्नमालिका समेतं व्याख्या पंचकोपेतं । १-२ खण्ड ३—०
७८३ **खण्डनखण्डखाद्यम्** । शारदा व्याख्या सहितम् १-२ भाग १४—०
*७८४ **खण्डनपरिशिष्टम्** । पण्डित श्री ताराचरणशर्मणा विरचितम् ०—८
७८५ **ख्यातिवादः** । शङ्करचैतन्यभारती प्रणीत ०—१०
*७८६ **चतुर्विधपुरुषार्थविचारः** (सर्वदर्शन विचारः) ०—८
७८७ **चिद्विलासः** । (संस्कृत) श्रीसम्पूर्णानन्द ३—०
७८८ **चित्सुखी** । श्री चित्सुखाचार्यकृता नयनप्रसादिनी व्याख्या सटिप्पण भाषानुवादेन च सहिता १२—०
*७८९ **जीवन्मुक्तिविवेकः** । श्रीमद्विद्यारण्यकृतः । हिन्दी टीका सहित यन्त्रस्थ
" " " संस्कृत टीका सहित "
७९० **तत्त्वदर्शनम्** । ज्वाला प्रसाद प्रणीत मनोरमा व्याख्या सहित । प्रमाणस्वरूप प्रथम भाग २—८
*७९१ **तत्त्वदीपनम्** । श्री अखण्डानन्दमुनि कृतं (पञ्चपादिका विवरणस्य व्याख्यानम्) ८—०
७९२ **तत्त्वप्रकाशिका व्याख्या भावबोधः** । रघुत्तमयति कृत ६—०
७९३ **तत्त्वबोधः** । हिन्दी टीका सहित ०—५
७९४ **त्रिदण्डिमतविभेदिनी** । श्री शङ्कराश्रम स्वामि प्रणीता ३—०

*७९५ **त्रिपुरारहस्यम्** (माहात्म्य खण्डम्) भूमिकाध्यायानुक्रमणिकाभ्यां च सहितम् ७—०
७९६ **त्रिपुरारहस्यम्** (ज्ञानखण्ड) ३-४ भाग १—१२
७९७ **दक्षिणामूर्तिस्तोत्रम् दक्षिणामूर्त्य उपनिषदादयः** ४—०
७९८ **दर्शनादर्शः** । हिन्दी टीका सहित १—०
७९९ **दहरविद्याप्रकाशिका** । परमशिवेन्द्रसरस्वती विरचिता ०—८
८०० **नयमञ्जरी** । (ब्रह्मसूत्रस्य व्याख्या) अप्पयदीक्षित कृत २—४
८०१ **नैष्कर्म्यसिद्धिः** । श्रीज्ञानोत्तममिश्रकृत चन्द्रिका व्याख्या सहिता ३—०
८०२ **नैष्कर्म्यसिद्धिः** । श्रीसुरेश्वराचार्यकृता । भाषानुवाद सहिता १—१२
*८०३ **न्यायभास्करखण्डनम्—मध्वचन्द्रिकाखण्डनम्** । म० म० श्री रामसुब्रह्मण्यशास्त्रि विरचितम् १—८
*८०४ **न्यायमकरन्दः** । आनन्दबोधभट्टारकाचार्य संगृहीतः । आचार्य चित्सुखमुनि कृत व्याख्योपेतः तथा **प्रमाणमाला न्यायदीपावली च** ६—०
८०५ **न्यायरत्नामणिः** । अप्पयदीक्षित विरचितः ६—०
८०६ **पञ्चदशी** । रामकृष्णव्याख्या सहित ६—८
८०७ **पञ्चदशी** । रामावतार विद्याभास्कर कृत हिन्दी टीका सहित ६—०
८०८ **पञ्चदशी** । मिहिरचन्द्र प्रणीत हिन्दी टीका सहित ८—०
८०९ **पंचदशी** । पीताम्बरी हिन्दी टीका सहित ८—०
८१० **पञ्चप्रक्रिया** । सर्वज्ञात्ममुनि विरचित । सव्याख्या ३—०
८११ **पञ्चरत्नकारिका** । (उपदेशपंचक-शंकरभगवत्पादाचार्यस्य व्याख्या) सदाशिव कृत ०—१४
८१२ **पञ्चीकरणम्** । षट्टीकोपेतम् १—८
८१३ **परमार्थप्रकाशिका** । (अद्वैतामोदविमर्श) २—८
८१४ **परमार्थसारः** । शेषविरचितं । विवरणसमेतम् ०—८
८१५ **परमार्थसारः** । आदिशेष कृत । मूल-अनुवाद-अंग्रेजी नोट्स । एस. एस. सूर्यनारायण शास्त्री सम्पादित ४—०
८१६ **पुरुषार्थसुधानिधिः** । सायणाचार्य विरचित । टी० चन्द्रशेखरन् सम्पादित १४—०
८१७ **पूर्वोत्तरमीमांसावादनक्षत्रमाला** । अप्पयदीक्षित विरचिता ३—८
८१८ **प्रकटार्थविवरणम्** । ब्रह्मसूत्रशांकरभाष्य व्याख्यान । द्वितीय भाग मात्र ८—०
८१९ **प्रकरणपञ्चकम्** । हिन्दी टीका सहित ०—१२
८२० **प्रकीर्णप्रकरणद्वादशग्रन्थाः** ०—८
*८२१ **प्रज्ञानानन्दप्रकाशः** । भावार्थकौमुदीटीका-हिन्दी अनुवाद सहितः ३—०
*८२२ **प्रणवकल्पः** । (स्कन्दपुराणान्तर्गतः) श्री गङ्गाधरेन्द्र सरस्वती प्रणीत प्रणवकल्पप्रकाशाख्यभाष्य समलंकृतः १—८

८२३ **प्रत्यक्तत्त्वचिन्तामणिः** । सदानन्दकृत । सोपज्ञव्याख्या सहित १–२ भाग ५—०
८२४ **प्रमेयरत्नावली** । बलदेवविद्याभूषण विरचिता २—८
८२५ **प्रस्थानभेदः** । मधुसूदनसरस्वती विरचित ०—५, ०—६
८२६ **प्रेमपत्तनम्** । सव्याख्या १—४
*८२७ **बृहदारण्यकवार्तिकसारः** । विद्यारण्यस्वामि विरचितः । महेश्वरतीर्थ कृत लघुसंग्रह व्याख्या सहितः । श्रीमच्छुद्धानन्दमुनिवर शिष्य श्रीउत्तमश्लोकयति विरचित–वेदान्तसूत्रलघुवार्तिक श्लोकबद्धः १५—०
८२८ **बोधपञ्चदशिका–परमार्थचर्चा** । अभिनवगुप्त विरचित ०—८
*८२९ **बोधसारः** । श्रीनरहरिकृतस्तच्छिष्य पण्डित श्रीदिवाकर कृत टीकया सहितश्च १५—०
८३० **बोधैक्यसिद्धि** । अच्युतरायप्रणीत । अद्वैतात्मप्रबोधव्याख्या सहित प्रथमभाग ६—०
८३१ **ब्रह्मतर्कस्तवः** । पञ्चरत्नस्तुति । अप्पयदीक्षित विरचित । स्वकृत टीका सहित १—६
८३२ **ब्रह्ममीमांसात्रिंशतिः** (ब्रह्मसूत्रार्थसङ्ग्रहात्मिका) १—४
८३३ **ब्रह्मसिद्धिः** । मण्डनमिश्र कृतः । शङ्खपाणिकृत व्याख्या सहित ७—१२
*८३४ **ब्रह्मसूत्रदीपिका** । श्रीमच्छङ्करानन्द भगवद्विरचिता तथा तत्त्वानुसन्धानं–श्रीमहादेवानन्द सरस्वती प्रणीतम् ३—०
*८३५ **ब्रह्मसूत्रभास्करभाष्यम्** । श्रीभास्कराचार्य कृतम् ४—८
*८३६ **ब्रह्मसूत्रविज्ञानभिक्षुभाष्यम्** । बादरायण प्रणीत वेदान्तसूत्राणां यतीन्द्र श्रीमद्विज्ञानभिक्षु विरचितं विज्ञानामृतव्याख्यानं ६—०
८३७ **ब्रह्मसूत्र–वैदिकभाष्यम्** । स्वामी श्रीभगवदाचार्य कृतम् ५—०
८३८ **ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्यम्** । मूलमात्रम् ८—०
*८३९ **ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्यम्** । चतुःसूत्र्यन्त पूर्णानन्दीय व्याख्या सहितया श्रीगोविन्दानन्दप्रणीतया रत्नप्रभया च समन्वितं । संपूर्णम् १०—०
*८४० **ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्यम्** । चतुःसूत्र्यन्त पूर्णानन्दीय व्याख्या, श्रीगोविन्दानन्द प्रणीत रत्नप्रभा व्याख्यया, श्रीमद्वाचस्पतिमिश्र कृत भामती व्याख्यया च सहितं सटिप्पण । संपूर्णम् १३—०
८४१ **ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्यम्** । रत्नप्रभा–भामती–न्यायनिर्णय व्याख्या सहितम् १८—०
८४२ **ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्यम्** । भामती–कल्पतरु–परिमल व्याख्या सहितम् २५—०
८४३ **ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्यम्** । पञ्चव्याख्या सहित । अनन्त कृष्ण शास्त्री संपादित । तृतीय भाग मात्र २५—०
८४४ **ब्रह्मसूत्रम्** । बादरायणमहर्षिप्रणीत । कपिलेश्वरमिश्र सम्पादित ३—०

८७५ **भागवतवेदस्तुतिः** । हिन्दी टीका सहित ०—१४

*८७६ **भामती** । ब्रह्मसूत्र शाङ्करभाष्य व्याख्या । वाचस्पतिमिश्र विरचिता । श्रीढुण्ढिराजशास्त्रिसङ्कलितया विषमस्थल टिप्पण्या समलङ्कृता ३—०

८७७ **भास्करी** । (ईश्वरप्रत्यभिज्ञाविमर्शिनी की व्याख्या) प्रथम भाग ३—० द्वितीय भाग ८—८ तृतीय भाग अंग्रेजी अनुवाद ७—१५

*८७८ **भेदधिक्कारः** । नृसिंहाश्रममुनिकृतः । श्रीनारायणशर्म कृत व्याख्या सहितः । तथा **उपक्रमपराक्रमः** । अप्पय्यदीक्षित कृतः ३—०

८७९ **भेदरत्नम्** । शङ्करमिश्र विरचित ०—१२

८८० **मध्वतन्त्रमुखमर्दनम्** । व्याख्या सहितम् । श्रीमदप्पययदीक्षितेन्द्र कृतं १—८

८८१ **मनीषापंचकम्** । शंकरभगवत्पादाचार्य कृत । सव्याख्या ०—८

८८२ **महाभारततात्पर्यप्रकाशः** । श्रीसदानन्द व्यास प्रणीतः ५—०

८८३ **महावाक्यरत्नावली** । मूलमात्र ०—६

८८४ **महावाक्यविवरणम्** । हिन्दी टीका सहित १—२

८८५ **मानमाला** । अच्युत कृष्णानन्दतीर्थकृत । रामानन्दकृत व्याख्या सहित ३—०

*८८६ **मिताक्षरा** । श्रीगौडपादाचार्य कृत माण्डूक्यकारिकाव्याख्या- श्रीमत्परमहंस परिव्राजकाचार्य स्वामि कृता । **शङ्करानन्द कृत माण्डूक्योपनिषद्दीपिका च** १—४

८८७ **मुक्ताफलम्** । वोपदेव विरचितम् १०—०

८८८ **मोक्षधर्मसारोद्धारः** । श्रीसदानन्द व्यास विरचितः २—८

८८९ **योगवाशिष्ठः** । वाशिष्ठमहारामायण तात्पर्यप्रकाश व्याख्या सहित पत्रात्मकः २२—०

८९० **योगवाशिष्ठः** । वाल्मीकिमुनि प्रणीत वाशिष्ठ महारामायण तात्पर्यप्रकाश व्याख्या सहित । सजिल्द । १-२ भाग २५—०

८९१ **योगवाशिष्ठ** । हिन्दी टीका सहित । १-५ भाग ४८—०

८९२ **योगवाशिष्ठः** । भाषा मात्र । १-२ भाग २५—०

८९३ **रत्नपञ्चकम्** । (सोपानपञ्चक) । सभाष्य ०—६

८९४ **रामायणरहस्य** । विद्यारण्य विरचित ०—३

८९५ **रामायणसारसङ्ग्रहः** । भारतसारसंग्रह । अप्पयदीक्षित विरचित । सव्याख्या १—२

८९६ **लघुप्रकरणानि** ०—५

८९७ **लघुयोगवाशिष्ठः** । आत्मसुख विरचित । वशिष्ठचन्द्रिका व्याख्या सहित ५—०

८९८ **लघुवाक्यवृत्तिः** । शंकराचार्य प्रणीत । पुष्पांजलि संस्कृत टीका सहित ०—१२

८९९ **लघुवासुदेवमनन** ०—१४—०, १—६

९०० **वाक्यवृत्तिः** । शङ्कराचार्यप्रणीत । सव्याख्या ०—१२

९२९ **वेदान्तसंज्ञावली** । सव्याख्या १—०
९३० **वेदान्तसारः** । प्रो० रामशरणशास्त्री एम.ए. कृत 'भावबोधिनी' संस्कृत हिन्दी व्याख्या, 'समालोचनादि' सहित १—८
९३१ **वेदान्तसारः** । सुबोधिनी-विद्वन्मनोरञ्जिनी व्याख्योपेता २—०
९३२ **वेदान्तसारः** । आपदेव कृत व्याख्या सहित २—०
९३३ **वेदान्तसार-वार्त्तिकराजसंग्रह-पंचीकरणवार्त्तिक** । ०—६
९३४ **वेदान्तसिद्धान्तकल्पवल्ली** । हिन्दी टीका सहित ०—१२
९३५ **वेदान्तसिद्धान्तमुक्तावली** । प्रकाशानन्द प्रणीत व्याख्या सहित ३—१२
९३६ **वेदान्तसिद्धान्तमुक्तावली** । अन्वय-पदच्छेद बालबोधिनी हिन्दीटीका सहित १—८
९३७ **वेदान्तसिद्धान्तसूक्तिमञ्जरी** । गङ्गाधरेन्द्रप्रणीतप्रकाशव्याख्यासमेत समाप्त
९३८ **वेदान्तसिद्धान्तादर्शः** । २—८
९३९ **वेदान्तसूत्रमुक्तावली** । ब्रह्मानन्दसरस्वती विरचिता ३—८
९४० **वेदान्तस्तोत्रसंग्रहः** । १—०
९४१ **वैयासिकन्यायमालाविस्तरः** । भारती तीर्थ मुनि प्रणीतः ३—०
९४२ **वैराग्यभास्करः** । गोपालदास कृत संस्कृत हिन्दी टीका सहित १—४
९४३ **वैराग्यशतकम्** । अप्पयदीक्षितकृत । हिन्दी टीका सहित ०—८
९४४ **शङ्करदिग्विजयः** । विद्यारण्य प्रणीत । सव्याख्या ९—०
९४५ **शङ्करदिग्विजयः** । हिन्दी टीका सहित समाप्त
९४६ **शङ्कराचार्य विरचित प्रकरणग्रन्थाः** १२—८
९४७ **शांकर ग्रन्थावलि** । शङ्कराचार्य विरचित श्लोक संग्रहः ७—०
९४८ **शाङ्करपादभूषणम्** । रघुनाथसूरि विरचितम् । १-२ भाग १२—८
९४९ **शाण्डिल्यशतसूत्रीयम्** । स्वप्नेश्वर भाष्यम् १—०
९५० **शारीरिकमीमांसा** । भाष्य-वार्तिक-विवरण सहित ५—०
९५१ **शास्त्रदर्पणम्** । अमलानन्द प्रणीत ३—८
९५२ **शास्त्रसारसिद्धान्तमणिः** । प्रियादासकृत हिन्दी टीका सहित समाप्त
९५३ **शिवज्ञानबोधः** । सव्याख्या ०—४
९५४ **शिवस्तुतिः** । संस्कृत-हिन्दी टीका सहित ०—१०
९५५ **शिवाद्वैतनिर्णयः** । अप्पय दीक्षित विरचित २—१२
९५६ **शिवानन्दलहरी** ०—३
९५७ **शेषसमुच्चयः** । शंकर प्रणीत विमर्शिनी व्याख्या युक्त ५—०
९५८ **शैवपरिभाषा** । शिवाग्रयोगीन्द्र प्रणीता ३—८
९५९ **श्रीकरभाष्यम्** । (**वीरशैवभाष्यम्**) श्रीपति पण्डिताचार्य कृत २०—०
९६० **श्रुतिमतोद्योतः** । त्र्यम्बकशास्त्री प्रणीत ०—१४

९६१ **श्रुतिसारसमुद्धरणम्** । सच्चिदानन्द योगी प्रणीत व्याख्या सहित १—२
९६२ **श्रुतिसारसमुद्धरणम्** । तोटकाचार्य प्रणीतम् । तत्त्वदीपिकाव्याख्या सहित १—४
*९६३ **संक्षेपशारीरकम्** । रामतीर्थस्वामीकृत अन्वयार्थबोधिनी टीका (रामतीर्थी) सहितम् ८—०
*९६४ **संक्षेपशारीरकम्** । मधुसूदन सरस्वतीकृत (मधुसूदनी) टीका सहितम् ८—०
९६५ **संक्षेपशारीरकम्** । सुबोधिनी-अन्वयार्थप्रकाशिकाव्याख्यायुक्त १-२ भाग १२—८
९६६ **संन्यास और संन्यासी** । रामानन्दभारतीयकृत । दुर्गाचैतन्य प्रणीत हिन्दी अनुवाद सहित ४—८
९६७ **सदाशिवेन्द्र कृत प्रकरणग्रन्थाः** । ०—९
९६८ **सद्विद्याविजयम्** । २—०
*९६९ **सनत्सुजातीयम्** । श्रीमच्छङ्करभगवत्पाद विरचित भाष्येण नीलकण्ठी व्याख्यया च संवलितम् १—४
९७० **सर्वतंत्रसिद्धान्तपदार्थ [८९०१] लक्षणसंग्रहः** । भिक्षु गौरीशंकरकृतः ०—१२
९७१ **सर्ववेदान्तसारसंग्रहः** । पं० श्यामसुन्दरझा रचित अभिनव ग्रन्थः २—०
९७२ **सर्वसिद्धान्तसंग्रहः** । श्री मच्छङ्कराचार्य विरचितः ०—६
९७३ **सारसंग्रहः** । रूप कविराज विरचित । सव्याख्या (गौडीय वैष्णव दर्शन) ६—०
९७४ **सिद्धसिद्धान्तपद्धतिः** । गोरक्षनाथ विरचित । श्रीमती कल्यानी मल्लिक सम्पादित १०—०
९७५ **सिद्धसिद्धान्तसंग्रहः** । (नाथमार्ग) ०—७
९७६ **सिद्धान्ततत्त्वं नाम वेदान्तप्रकरणम्** । श्रीमदनन्तदेव निरूपितं १—८
९७७ **सिद्धान्तदर्शनम्** । विश्वदेवाचार्य विरचित निरञ्जनभाष्यसमेतम् २—०
*९७८ **सिद्धान्तबिन्दुः** । श्रीगौडब्रह्मानन्दकृत न्यायरत्नावली-नारायणतीर्थ कृत लघुव्याख्या (नारायणी) द्वयोपेता ४—०
९७९ **सिद्धान्तबिन्दुः** । पुरुषोत्तम प्रणीत व्याख्या सहित ११—०
९८० **सिद्धान्तबिन्दुः** । हिन्दी टीका सहित २—१२
९८१ **सिद्धान्तबिन्दुसारः** । ब्रह्मस्तोत्र । सव्याख्या ०—१०
९८२ **सिद्धान्तरत्नम्** । बलदेवविद्याभूषण प्रणीत । १-२ भाग १—१५
९८३ **सिद्धान्तलेशसंग्रहः** । अप्पय दीक्षित विरचितः सव्याख्या ६—४
९८४ **सिद्धान्तलेशसंग्रहः** । हिन्दी टीका सहित ६—०
९८५ **सुखबोधदर्शन** । सरयूप्रसाद शास्त्री 'द्विजेन्द्र' २—८
९८६ **सूतसंहिता** । श्रीविद्यारण्य प्रणीत तात्पर्य दीपिका सहित १-३ भाग पुना १७—४
९८७ **सूतसंहिता** । तात्पर्यदीपिका व्याख्या सहिता ७—८

९८८ **सौन्दर्यलहरी** । मूलमात्र ०—४

९८९ **सौन्दर्यलहरी** । सौभाग्यवर्धन्या-लक्ष्मीधरया अरुणामोदिन्या व्याख्या संवलिता । श्री अनन्तकृष्णशास्त्रि कृत आंग्लानुवाद, नोट्स सहित । सचित्र अत्युत्तम संस्करण २५—०

९९० **सौन्दर्यलहरी** । लक्ष्मीधर व्याख्या-भावनोपनिषद-भास्करराय भाष्य सहिता ३–१२

९९१ **सौन्दर्यलहरी** । हिन्दी अनुवाद तथा श्री विद्यातत्त्वकुण्डलिनी रहस्य सहित ५–०

९९२ **स्वराज्यसिद्धिः** । हिन्दी टीका सहित १—८, १—१४

*९९३ **स्वानुभवादर्शः** । माधवाश्रमविरचितः । स्वकृत टीका विभूषितश्च तथा **अनुभूतिलेशः** । वामनपण्डित विरचितः ३—०

९९४ **हंससन्देशः** । सव्याख्या ०—१०

*९९५ **हरिलीलामृतम्** । विद्वच्छिरोमणि श्री बोपदेव प्रणीतम् । श्री मत्परमहंस मधुसूदन सरस्वती प्रणीत टीका सहितम् । तत्प्रणीत परमहंसप्रियाव्याख्यायुतं श्रीमद्भागवतस्याऽऽद्य पद्यं च १—८

९९६ **हरिहराद्वैतभूषणम्** । बोधेन्द्रसरस्वती कृतम् । कारिका सहितम् ६—१०

वेदान्त–विशिष्टाद्वैतग्रन्थाः

९९७ **अष्टादशरहस्यम्** । सुदर्शनाचार्य प्रणीत हिन्दी टीका सहित ०—१४

९९८ **आगमप्रामाण्यम्** । यामुनाचार्य स्वामी प्रणीत १—०

९९९ **कार्याधिकरणतत्त्वम्** । १—४

१००० **कार्याधिकरणवादः** । १–२ भाग २—०

*१००१ **तत्त्वत्रयम्** । श्रीमल्लोकाचार्यप्रणीतम् । श्रीमद्वरवरमुनि स्वामि निबद्ध भाष्योपबृंहितम् ३—०

१००२ **तत्त्वमुक्ताकलापः** । वेदान्ताचार्य विरचित । सर्वार्थसिद्धि–आनन्ददायिनी व्याख्या द्वय सहित । १–४ भाग २४—१२

*१००३ **तत्त्वशेखरः** । श्रीलोकाचार्य विरचितः । तथा–**तत्त्वत्रयचुलुकसंग्रहः** । श्री कुमारवेदान्ताचार्य श्रीवरदगुरु विरचितः दुष्प्राप्य

१००४ **तत्त्वसारः** । रत्नसारिणी व्याख्या सहित ६—०

*१००५ **न्यायपरिशुद्धिः** । सटीक । श्रीवेदान्ताचार्य प्रणीता ७—८

१००६ **न्यायभास्करः** । अनन्तार्येण विरचित १—१४

१००७ **न्यायसिद्धाञ्जनम्** । श्रीवेङ्कटनाथदेशिकेन रचिता २—८

१००८ **परपक्षनिराकृतिः** । रङ्गरामानुजयति विरचित २—८

१००९ **पाराशर्यविजयः** । (प्रथमाध्याय प्रथम पादः) ५—०

१०१० **प्रपन्नपारिजातः**। वत्स्य वरदाचार्य विरचित २—०
१०११ **प्रपन्नामृतम्**। मूलमात्र ८—०
१०१२ **मोक्षकारणतावादः—दृश्यत्वानुमाननिरासवाद**। अनन्ताचार्य विरचित ०—५
१०१३ **भेदवादः—तत्क्रतुनयविचार**। अनन्तार्यवर्येण विरचित ०—५
१०१४ **यतिलिङ्गसमर्थनम्**। वरदगुरु विरचित। **यतिलिङ्ग भेदभङ्गवादः**। वेदान्ताचार्य विरचित ०—५
१०१५ **यतीन्द्रमतदीपिका**। श्री निवासदास प्रणीता। प्रकाश व्याख्या समेता २—०
*१०१६ **रामानुज—वेदान्तसारः**। सटिप्पण 'अधिकरणसारावली' सहितः २—८
१०१७ **रामानुजसिद्धान्तसारः** १—४
१०१८ **विशिष्टाद्वैतमतविजयवादः**। नरहरि पण्डित विरचित ०—२
१०१९ **विशिष्टाद्वैताधिकरणमाला**। सुदर्शनाचार्य विरचित १—०
१०२० **विषयवाक्यदीपिका**। रङ्गरामानुजप्रणीत टिप्पणीयुत ५—०
१०२१ **विष्णुतत्त्वदीपिका**। तिमण्णाचार्य विरचिता २—४
१०२२ **वेदान्तकारिकावली**। बुची वेंकटाचार्य विरचिता, कृष्णमाचार्य प्रणीत व्याख्या सहित ८—०
*१०२३ **वेदान्तदीपः**। श्रीभगवद्रामानुजाचार्य विरचितः ब्रह्मसूत्र व्याख्या ४—८
१०२४ **वेदान्तरक्षामणि**। श्रीभाष्य समालोचनम् अनन्त कृष्ण शास्त्री संपादित १-२ भाग १२—०
१०२५ **वेदान्तविजयमङ्गलदीपिका**। सुदर्शनाचार्य विरचिता ३—०
१०२६ **वेदार्थसंग्रहः**। श्रीरामानुजाचार्यकृत सटीक ५—०
१०२७ **वेदार्थसंग्रहः**। रामानुज विरचित। सुदर्शन भट्ट कृत तात्पर्यदीपिका टीका सहित १०—०
१०२८ **वैष्णवमतदूषणोद्धारः**। अनन्ताचार्य विरचित १—४
१०२९ **शतदूषणी**। वेंकटनाथ वेदान्ताचार्य प्रणीत। १-२ खण्ड १—८
१०३० **शतदूषणी**। " " " भाग २-३-४ १४—०
१०३१ **शतदूषणी**। (शतदूषणीपरीक्षापरपर्याया) अनन्तकृष्ण शास्त्री २०—०
१०३२ **श्रीभाष्यम्**। रामानुजकृतम्। मूलमात्रम् यन्त्रस्थ
१०३३ **श्रीभाष्यम्**। दश टीका सहित। १-४ भाग ५५—०
१०३४ **श्रीभाष्यम्**। श्रुतप्रकाशिका व्याख्या सहितम्। सम्पूर्ण दुष्प्राप्य ३००—०
१०३५ **श्रीभाष्यप्रकाशिका**। श्रीनिवासाचार्य विरचिता ६—८
*१०३६ **श्रीभाष्यवार्तिकं यतीन्द्रमतदीपिका च**। श्रीनिवासाचार्य कृता तथा सकलाचार्यमतसंग्रहश्च ३—०
१०३७ **सद्विद्याविजयः**। वेदान्तविजय भट्टाचार्य विरचित २—४
१०३८ **सिद्धान्तचिन्तामणिः** १—०

१०३९ **सिद्धित्रयम्** । यामुनाचार्यकृत । गूढार्थ प्रकाश व्याख्यासमेत २—८
१०४० **सिद्धित्रयम्** । ” सिद्धाञ्जन व्याख्या सहित ३—८
१०४१ **सुदर्शनमीमांसा** । लक्ष्मणाचार्य विरचित ०—१२॥

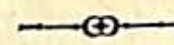
विशिष्टाद्वैत श्रीरामानन्द-सम्प्रदायग्रन्थाः

१०४२ **त्रिरत्नी** ०—६
१०४३ **दशरथमोक्षः** ०—२॥
१०४४ **दिव्यस्तोत्रकलापः** १—८
१०४५ **भक्तकल्पद्रुमः** ०—४
१०४६ **भगवत्पूजनपद्धतिः** ०—५
*१०४७ **ब्रह्मसूत्रीयवेदान्तवृत्तिः** । श्री भगवद्रामानन्दमुनीन्द्र प्रसादिता श्रीमदानन्दभाष्यानुसारिणी, स्वामी रघुवराचार्य वेदान्तकेसरिणा कृता १—४
१०४८ **यतिधर्मसमुच्चयः** ०—८
१०४९ **यतीन्द्रविंशतिः** ०—२
१०५० **रामानन्ददिग्विजयः** ३—०
१०५१ **वैष्णवमताब्जभास्करः** ०—१२

वेदान्त-द्वैताद्वैतग्रन्थाः

*१०५२ **क्रमदीपिका** । जगद्विजयि श्रीकेशवभट्टाचार्य प्रणीता । विद्याविनोद श्रीगोविन्दभट्टकृत विवरणोपेता । गुरुभक्तिमन्दाकिनी व्याख्या तथा लघुस्तवराजस्तोत्र सहिता ४—८
*१०५३ **ब्रह्ममीमांसाभाष्यम्** । वेदान्तपारिजातसौरभनामकं व्याख्यानम् १—८
*१०५४ **ब्रह्मसूत्रम्** । श्रीभगवन्निम्बार्कमहामुनीन्द्रविरचित वेदान्तपारिजात सौरभभाष्य सूत्रवाक्यार्थेन श्रीनिवासाचार्य प्रणीत श्रीवेदान्त-कौस्तुभभाष्येण च सनाथी कृतम् (श्रीनिम्बार्क भाष्यम्) दुष्प्राप्य
१०५५ **ब्रह्मसूत्रभाष्यम्** । माधवाचार्य विरचित । जयतीर्थ-व्यासतीर्थ-राघवेन्द्रतीर्थ त्रय व्याख्या सहित । ३-४ भाग मात्र ९—८
*१०५६ **ब्रह्मसूत्रवृत्तिः** । श्रीदेवाचार्यप्रणीत सिद्धान्तजाह्नवी श्रीसुन्दरभट्ट विरचित सिद्धान्तसेतु व्याख्या सहिता तथा श्रीगिरिधरप्रपन्न रचित लघुमञ्जूषा युक्ता दशश्लोकी च ४—८
*१०५७ **वेदान्तरत्नमञ्जूषा** । श्रीपुरुषोत्तमाचार्य विनिर्मिता तथा— वेदान्ततत्त्वबोधः ३—०
*१०५८ **वेदान्तसिद्धान्तसंग्रहः** । श्रुतिसिद्धान्तापरनामकः श्रीवनमालिमिश्र ब्रह्मचारिकृतः स्वकृतस्यैव कारिकारूपमूल ग्रन्थस्य व्याख्यात्मकः तथा वेदान्तकारिकावली । पण्डित पुरुषोत्तमप्रसाद कृता । मूलकृतैव कृत अध्यात्मसुधातरङ्गिणी टीका सहिता ४—८

*१०५९ श्रुत्यन्तकल्पवल्ली। श्रीमत्पुरुषोत्तमप्रसाद विरचिता। ३—०
*१०६० श्रुत्यन्तसुरद्रुमः। श्रीमत्पुरुषोत्तमप्रसाद विरचितः। तथा श्रीव्रजेश्वरप्रसादकृता श्रुतिसिद्धान्तमञ्जरी च ४—८



वेदान्त-शुद्धाद्वैतग्रन्थाः

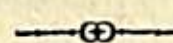
१०६१ ईशावास्योपनिषत्। शुद्धाद्वैतसिद्धान्तानुसारः। संस्कृत व्याख्या हिन्दी अनुवाद सहित १—०
*१०६२ गूढार्थदीपिका। धनपतिसूरिकृता। श्रीमद्भागवत दशमस्कन्धस्थ रासपञ्चाध्यायी व्याख्या एवं भ्रमरगीत व्याख्या तथा जगन्नाथ सुधि विनिर्मिता रसव्याख्या च ६—०
*१०६३ पुष्टिमार्गीयस्तोत्ररत्नाकरः। पुरुषोत्तमनामसहस्रषोडश ग्रन्थसर्वोत्तम स्तोत्र प्रभृति (८५) स्तोत्र ग्रन्थ समूहात्मकः यन्त्रस्थ
*१०६४ प्रस्थानरत्नाकरः। गोस्वामि श्रीपुरुषोत्तमजी महाराज विरचितः ३—०
*१०६५ ब्रह्मवादसंग्रहः। [गोस्वामि श्रीहरिरायजी विरचित ब्रह्मवादः- गोपालकृष्णभट्ट विरचित विवरण सहितः। गोस्वामि श्रीव्रजनाथ विरचित-ब्रह्मवादः। श्रीरामकृष्णभट्ट विरचित शुद्धाद्वैत-परिष्कारः- श्रीरघुनाथशास्त्रि विरचित शुद्धाद्वैत परिष्कार तात्पर्य व्याख्यान सहितः। हिन्दी भाषानुवाद समेतश्च] १—०
*१०६६ ब्रह्मसूत्रवृत्तिः-मरीचिका। श्रीव्रजनाथभट्ट कृता ३—०
*१०६७ शुद्धाद्वैतमार्तण्डः। गोस्वामि श्रीगिरधरजी महाराज विरचितः श्रीरामकृष्णभट्ट विरचित प्रकाश व्याख्या संवलितः। तथा— प्रमेयरत्नार्णवः। श्री बालकृष्णभट्ट विरचितः १—८
*१०६८ श्रीमदणुभाष्यम्। गोस्वामि श्री पुरुषोत्तमजी महाराज विरचित प्रकाश व्याख्या समेतम् २२—८
*१०६९ श्रीविद्वन्मण्डनम्। श्रीविठ्ठलनाथदीक्षितकृतम्। गोस्वामि श्री पुरुषोत्तमजी महाराज कृत सुवर्णसूत्र व्याख्यया सहितम् ३—८
*१०७० श्रीसुबोधिनी। श्रीवल्लभाचार्य विनिर्मिता। श्रीमद्भागवतस्य दशमस्कन्ध जन्मप्रकरणे प्रथमाध्यायान्तं व्याख्या। गोस्वामि श्रीविठ्ठलनाथ दीक्षित विरचित टिप्पणी सहिता। तथा गोस्वामि श्रीपुरुषोत्तमजी महाराज विरचित प्रकाश व्याख्या समेता ४—८

*१०७१ **अष्टाक्षरटीका** । व्रजभाषा ०—४
१०७२ **कविताकुसुमाकर** ०—८
१०७३ **कांकरोली का इतिहास** । कण्ठमणि शास्त्रि प्रणीत ३—०
१०७४ **कुम्भनदास** । ब्रजभूषण शर्मा संपादित ३—०
१०७५ **गोविन्दस्वामी** । ब्रजभूषण शर्मा सम्पादित ३—०
१०७६ **चौरासी वैष्णव की वार्ता** । सरल व्रज भाषा में ४—८
१०७७ **छीतस्वामी** । जीवनी-पद संग्रह २—०
१०७८ **जगतानन्द** । कवि जगतानन्द कृत १—१२
१०७९ **श्रीतृतीयगृहकीर्तन प्रणालिका** । गोस्वामी श्री ब्रजभूषण लालजी महाराज १—०
१०८० **श्रीद्वारकाधीश की प्राकट्यवार्ता** । गोस्वामी ब्रजभूषणजी महाराज प्रणीत २—०
१०८१ **श्रीद्वारकाधीश की सेवा शृङ्गार प्रणाली** । " " १—०
१०८२ **दो सौ बावन वैष्णवन की वार्ता** । १-३ भाग ३०—०
१०८३ **प्राचीनवार्तारहस्य** । १-३ भाग ५—८
१०८४ **महाप्रभुजी की प्राकट्यवार्ता—आचार्य वंशावली** २—०
१०८५ **रसिक रसाल** । कुमारमणि शास्त्री प्रणीत २—०
१०८६ **वल्लभपुष्टिप्रकाशः** ७—०
१०८७ **वल्लभवंशवृत्त तथा आन्ध्रजातीय** (तैलङ्ग) भट्ट वंशवृक्ष ११—०
१०८८ **श्रीमद् वल्लभाचार्य और उनके सिद्धान्त** । व्रजनाथ भट्ट ३—०
*१०८९ **श्रीमदाचार्यचरितम्** । हिन्दी ०—२
*१०९० **श्रीवल्लभदिग्विजयः** । व्रजभाषा १—०
*१०९१ **श्रीवल्लभविलासः** । प्रसङ्गप्रकाशः, भजनप्रकाशः, सेवाप्रकाशः ३—०
*१०९२ **श्रीवल्लभाष्टकटीका तथा चतुःश्लोकीटीका** ०—४
१०९३ **श्रीवृन्दावनचन्द्र-शिख-नख-ध्यान-मञ्जूषा** । दामोदरदेव भट्टाचार्य ०—४
१०९४ **सम्प्रदाय प्रदीप** । गदाधरदास द्विवेदी प्रणीत हिन्दी टीका सहित २—०

माध्ववेदान्त-ग्रन्थाः

१०९५ **अनुव्याख्यानम्** । श्रीमन्न्यायसुधाया मूलभूतम् ४—६
१०९६ **उपाधिखण्डनम्** । श्री निवासतीर्थीय सहितम् । सव्याख्या १—१४
१०९७ **ऋग्भाष्यम्** । जयतीर्थ प्रणीत व्याख्या सहितम् । अध्याय त्रयात्मकम् ९—६
१०९८ **तत्त्वसंख्यानम्** । सत्यधर्मतीर्थीय सहितम् । सटिप्पण २—१२
१०९९ **तरङ्गिणी** । न्यायामृतस्य व्याख्या अद्वैतसिद्धिखण्डनरूपा १३—१२
११०० **तात्पर्यचन्द्रिका** । व्यासराजस्वामि प्रणीत तत्त्वप्रकाशिका व्याख्या सहिता । अध्याय द्वयात्मिका समाप्त

११०१ **द्वैताध्वकण्टकोद्धारः** । नागराजशर्मणा विरचितः २—८
११०२ **न्यायामृतलहरी** । नागराजशर्मा प्रणीत १—४
११०३ **पूर्णप्रज्ञदर्शनम्** । आनन्दतीर्थ विरचितम् (माध्वभाष्यम्) १—१०
११०४ **भेदजयश्रीः** । तर्कवागीश भट्ट वेणीदत्ताचार्य प्रणीता ०—१०
११०५ **मध्यान्तविभागसूत्रम्** । भाष्यटीका (स्थिरमती) ८—०
११०६ **मध्वतन्त्रमुखमर्दनम्** । अप्पय दीक्षित विरचित सव्याख्या २—४
११०७ **मध्वमन्त्ररत्नाकरः** । सव्याख्यानः । त्रयस्तरङ्गाः ५—०
११०८ **मध्वमुखालङ्कारः** । वनमालि मिश्र कृता ०—१२
११०९ **मध्वविजय** । शेषकृत मन्दोपकारिणी व्याख्या सहित ७—०
१११० **महाभारततात्पर्यनिर्णयः** । मूलमात्र ७—८
११११ **माध्वमुखभङ्गः** । सूर्य नारायण शुक्ल विरचितः ०—८
१११२ **मायावादखण्डनम्** । श्रीनिवासतीर्थीय सहितम् । सटिप्पण १—०
१११३ **सत्तत्त्वरत्नमाला** । ताम्रपर्णीय प्रमेय ग्रन्थः ६—४
१११४ **सूत्रार्थामृतलहरी** । कृष्णावधूत पण्डित विरचिता ३—४



वेदान्त-ग्रन्थ-भाषा

१११५ **अच्युतलेखमाला** । २—०
१११६ **अदृश्यसहायक** । अनुवादक-पंडया बैजनाथ २—८
१११७ **अध्यात्मदर्शन** । कृष्णानन्द सरस्वती कृत ४—०
१११८ **अध्यात्म पदावली** । राजकुमार जैन ४—०
१११९ **अध्यात्मविकास** । स्वामी विष्णु तीर्थ १—८
११२० **अनुभवप्रकाश** । बनानाथ कृत । मारवाड़ी भाषा १—१२
११२१ **अन्तर निरीक्षण** । न० पोरबन्दर २—८
११२२ **अन्तरात्मा** । स्वामी रामतीर्थ २—०
११२३ **अन्तरात्मा से** । रंगनाथ दिवाकर २—४
११२४ **अभिलाखसागर** ४—८
११२५ **अमृतवर्षा** । ऋषिदयानन्द २—०
११२६ **अरण्यसंवाद** । स्वामी रामतीर्थ २—०
११२७ **आत्मचिन्तन** । चक्रवर्ती राजगोपालाचार्य । लक्ष्मी देवदासगांधी अनुवादित १—०
११२८ **आत्मज्ञान** । जेम्स एलेन ०—५
११२९ **आत्मनिर्माण** । गुलाब राय १—८
११३० **आत्मपथ** । कृष्णानन्द सरस्वती कृत २—०

११३१	**आत्मविकास** । आनन्दकुमार	५—०
११३२	**आत्मविद्या** । माधवराव सप्रे	४—०
११३३	**आत्मसाक्षात्कार की कसौटी** । बावानगीना सिंह वेदी	२—०
११३४	**आत्म हितैषी बने** । जेम्स एलेन	०—१०
११३५	**आत्मानुभव** । स्वामी रामतीर्थ	३—०
११३६	**आत्मानुभूति तथा उसके मार्ग** । स्वामी विवेकानन्द	१—४
११३७	**आत्मोद्धार** । रामचन्द्र वर्मा	१—८
११३८	**आदर्श जीवन** । रामचन्द्र शुक्ल	१—८
११३९	**आध्यात्मिक जीवन** । अनुवादिका-कौशल्यादेवी मोहता	४—८
११४०	**आनन्दामृतवर्षिणी** । स्वामी आनन्दगिरि	समाप्त
११४१	**इन्द्र शक्ति का विकास**	०—१२
११४२	**ईश्वर का साक्षात्कार** । प्रथम भाग । सातवलेकर	३—०
११४३	**ईश्वरभक्ति** । स्वामी सर्वदानन्द	२—०
११४४	**ईश्वर सिद्धि** । राम गोविन्द त्रिवेदी सम्पादित	२—०
११४५	**ओङ्कारनिर्णय** । शिवशङ्कर	१—८
११४६	**कर्त्तव्य** । रामचन्द्र वर्मा	१—८
११४७	**कर्तव्य दर्पण** । महात्मा नारायण स्वामी	१—०
११४८	**कर्म और योग** ।	२—८
११४९	**कर्मयोग** । स्वामी विवेकानन्द	१—६
११५०	**कर्मवाद और जन्मान्तर** । ललिता प्रसाद पाण्डेय	३—०
११५१	**चन्द्रकान्त वेदान्त** । सर इच्छाराम देसाई । १-३ भाग	३०—०
११५२	**चरित्रनिर्माण** । सत्यकाम विद्यालङ्कार	२—८
११५३	**चिद्विलास** । (हिन्दी) श्रीसम्पूर्णानन्द	५—०
११५४	**चैतन्यचरितावली** । १-५ भाग	४—६
११५५	**जगजीतप्रज्ञा** । बावानगीना सिंह वेदी	१—०
११५६	**जीवन का सद्व्यय** । हरिभाऊ उपाध्याय	३—०
११५७	**जीवन की पहेली** । एनी बेसेंट अनुवादक-जलेश्वर प्रसाद	०—१२
११५८	**जीवन दर्शन** । रोहित मेहता	१—८
११५९	**ज्ञान माला** (भाषा वार्तिक)	०—६
११६०	**ज्ञानवैराग्य छन्दावली** । १-२ भाग	१—४
११६१	**ज्ञान वैराग्य प्रकाश** । स्वामी परमानन्द	२—०
११६२	**तत्वचिन्तामणि** । जयदयाल गोयनका । १-७ भाग	५—१५
११६३	**तत्व ज्ञान** । महात्मा आनन्द स्वामी	३—०

११६४	**तत्त्वसार** (मराठी) चांगदेव वटेश्वर कृत	१—०
११६५	**तत्त्वानुसन्धान** । स्वामी चिद्घनानन्द	८—०
११६६	**दर्शनानन्द ग्रन्थ संग्रह** । १-२ भाग	५—०
११६७	**पक्षपात रहित अनुभव प्रकाश** । विशुद्धानन्द कालीकमलीवाले	९—८
११६८	**पञ्चदशी** । आत्मस्वरूप प्रणीत ।	७—०
११६९	**पंचीकरण भाषा वार्तिक** ।	२—०
११७०	**प्रभुदर्शन** । महात्मा आनन्दस्वामी	२—८
११७१	**प्राणतत्त्व** । स्वामी विष्णु तीर्थ	१—०
११७२	**प्रेमयोग** ।	१—८
११७३	**ब्रह्म विद्या** । कृष्णानन्द सरस्वती	६—०
११७४	**भक्ति सागर-भाषा** ।	६—८
११७५	**भगवद्ज्ञान के विचित्र रहस्य** । बावानगीना सिंह वेदी	२—०
११७६	**महावाक्य** । परमहंस स्वामी योगानन्द	१—८
११७७	**युक्ति प्रकाश** । निश्चल दास	समाप्त
११७८	**योग रसायन** ।	१—४
११७९	**योगवासिष्ठ-भाषा** । सम्पूर्ण १-२ भाग	२५—०
११८०	**योगवासिष्ठ** (दो प्रकरण भाषा)	०—१२
११८१	**योगवासिष्ठसार** ।	४—८
११८२	**विचार चन्द्रोदय-पिताम्बरी**	३—०
११८३	**विचार माला** । स्वामी गोविन्ददास	२—०
११८४	**विचार सागर** । स्वामी निश्चल दास कृत । मूल	१—१२
११८५	**विचार सागर** । निश्चलदास तथा पिताम्बर कृत	१५—०
११८६	**विचार सागर** । साधु निश्चलदासप्रणीत । अनुवादक-निगमानन्दपरमहंस संस्कृत पद्य तथा टिप्पण सहित	३—८
११८७	**वृत्तिप्रभाकर** । निश्चलदास	८—०
११८८	**वेदान्त** । चक्रवर्ती राजगोपालाचार्य । सीताचरण दीक्षित अनुवादित	१—०
११८९	**वेदान्त छन्दावली** । १-५ भाग	२—८
११९०	**वेदान्त रहस्य** । हरिन्द्र दत्त	१—८
११९१	**वेदान्त सिद्धान्त और व्यवहार** । स्वामी सारदानन्द	०—६
११९२	**व्यवहारिक आत्म विद्या** । एच. पी. ब्लवेडस्की । अनुवादक-रविशरणवर्मा	१—२
११९३	**व्यावहारिक जीवन में वेदान्त** । स्वामी विवेकानन्द	१—२
११९४	**शङ्कराचार्य** । श्री बलदेव उपाध्याय	७—८
११९५	**शङ्कराचार्य का आचार दर्शन** । डा० रामानन्द तिवारी	५—०

श्री पं० मधुसूदन विद्यावाचस्पति कृत ग्रन्थाः

गोरक्षसम्प्रदाय-ग्रन्थाः

१२४८ **आदेशार्थ प्रकाशः** । योधपुराधिराज मानसिंह संगृहीत ०-६
१२४९ **इतिहास प्रकाश** । संग्राहक-योगी नरहरिनाथ। १-४ भाग २७-०
१२५० **कदलीमञ्जुनाथ माहात्म्यम्** । भारद्वाज संहितायां ६-०
१२५१ **गकारादि गोरक्षसहस्रनाम** । योधपुराधिराज मानसिंह संगृहीत १-०
१२५२ **गोरक्षशब्द की निरुक्ति** । ०-४
१२५३ **गोरक्षस्तुतिमञ्जरी** । (मूल संस्कृत, सं० टीका, हिन्दी अनुवाद) संग्रहकर्ता-नरहरिनाथ १-८
१२५४ **गोर्खा वंशावली** । (नेपाली भाषा) २-८
१२५५ **चर्पटनाथ सिद्धपद्धति** । ०-२
१२५६ **जगदम्बा श्री पाटेश्वरी स्तोत्र** ०-५
१२५७ **द्विव्य उपदेश** । (राष्ट्रपिता श्री पृथ्वीनारायण साहदेव को दिव्य उपदेश) ०-४
१२५८ **देवमालावंशावली** । २-०
१२५९ **भक्तविजयकाव्य** । कवि ललिता वल्लभ विरचित सं० टीका सहित ०-१०
१२६० **महार्थमञ्जरी** । भगवद्गोरक्षनाथ ०-८
१२६१ **योगबीजम्** । गोरक्षनाथ भाषितम् ०-८
१२६२ **योगसाहस्री** । योगिपञ्चमानन्द नाथ संगृहीत ०-१२
१२६३ **श्रीचर्पटशतकम्** । सिद्ध-चर्पटनाथ निर्मितम् ०-६
१२६४ **श्रीनाथकथासार** । सिद्धद्वारका नाथ योगी विरचित १-०
१२६५ **श्रीनाथग्रन्थसूची** ०-८
१२६६ **श्रीनाथशतक** । श्रीनाथ पृथ्वीस्तव ०-४
१२६७ **श्री पाटेश्वरीशतकम्** ०-५
१२६८ **श्रीपात्रदेवकदलीयात्रा** २-०
१२६९ **सांख्यवसन्तः** । नरहरिनाथ ८-०
१२७० **सिद्धसिद्धान्तपद्धति** । श्रीमती कल्याणी मल्लिक संपादित १०-०
१२७१ **सिद्धसिद्धान्तपद्धति** । हिन्दी टीका सहित २-४
१२७२ **हिमवत्खण्ड** । हिमालय को पौराणिक इतिहास १२-०

शैव-ग्रन्थाः तथा काश्मीर शैव ग्रन्थावली

*1273 ABHINAVAGUPTA—An Historical and Philosophical Study by Dr. K. C. Pandeya. 2nd edition. In the press.
*1274 COMPARATIVE AESTHETICS:—
(A) Vol I. Indian Aesthetics by Dr. K. C. Pandeya. " "
(B) Vol II. Western Aesthetics " " 20—0
१२७५ **भास्करी** । ईश्वरप्रत्यभिज्ञाविमर्शिनी अभिनव गुप्तस्य व्याख्या । प्रथम भाग ३—०—० द्वितीय भाग ८—८
1276 BHASKARI. Vol. III. An English Translation of the Iśvara Pratyabhijñavimarśini in the light of the Bhāśkari. 7—15

१२७७ **आह्निकपद्धतिः** । नव्यचण्डीदासकृत १—०
१२७८ **ईश्वरप्रत्यभिज्ञाविमर्शिनी** । उत्पलदेवाचार्यकृत । अभिनवगुप्त कृत व्याख्या सहित । १–२ भाग ७—०
१२७९ **ईश्वरप्रत्यभिज्ञाविवृत्तिविमर्शिनी** । अभिनवगुप्त कृत । १–३ भाग ८—०
१२८० **उड्डामरेश्वरतन्त्र** । मूल १—१२
१२८१ **कर्मकाण्डक्रमावलि** । सोमशंभु विरचित १—८
१२८२ **कामकलाविलास** । पुण्यानन्द विरचित । सटीक १—४
१२८३ **गिलगित मैनुष्क्रप्ट** । देवनागराक्षर १–५ भाग । काश्मीर २०—८
१२८४ **गिलगित मैनुष्क्रप्ट** । देवनागराक्षर । १–३ भाग । कलकत्ता ३०—०
१२८५ **गन्धर्वतन्त्र** । मूल ३—०
१२८६ **घटकर्परकाव्य** । अभिनवगुप्त कृत विवृति सहित ०—८
१२८७ **जन्ममरणविचार–अमरौघानुशासन–तन्त्रवटधानिका** । १—४
१२८८ **तन्त्रसार** । अभिनव गुप्त कृत २—८
१२८९ **तन्त्रालोकः** । अभिनवगुप्तकृत । जयरथकृतव्याख्या सहित । १–१२ भाग ३९—०
१२९० **देवीनामविलास** । साहिब कौलकृत २—८
१२९१ **देवीरहस्य** सपरिशिष्ट समाप्त
१२९२ **देशोपदेशनर्ममाला** । क्षेमेन्द्रकृत १—८
१२९३ **नरेश्वरपरीक्षा** । षड्ज्योतिकृत । रामकण्ठकृत व्याख्या सहित २—०
१२९४ **नेत्रतन्त्र** । क्षेमराजकृत व्याख्या सहित । १–२ भाग ६—०
१२९५ **परमार्थसार** । अभिनवगुप्तकृत । योगराज व्याख्या सहित २—८
१२९६ **परात्रिंशिका** (आगमशास्त्र) अभिनव गुप्त कृत व्याख्या सहित ३—६
१२९७ **परात्रिंशिका लघुवृत्ति** । परात्रिंशिका विवृति सहित १—०
१२९८ **परात्रिंशिकातात्पर्यदीपिका** १—०
१२९९ **प्रसादमण्डन** (शिल्पशास्त्र) १—०
१३०० **प्रत्यभिज्ञाहृदय** । क्षेमराजकृत १—०
१३०१ **बृहन्नीलतन्त्र** । ३—०
१३०२ **बोधपञ्चदशिका** । परमार्थचर्चा । अभिनव गुप्त विरचित । सविवरण ०—८
१३०३ **भगवद्गीता** । रामकण्ठ कृत व्याख्या सहित २—०
१३०४ **महानयप्रकाशः** । राजानकशितिकण्ठकृत १—१२
१३०५ **महारथमञ्जरी** । महेश्वरानन्दकृत स्वोपज्ञ व्याख्या सहित १—१२
१३०६ **मालिनीविजयतन्त्र** (आगम शास्त्र) ३—८
१३०७ **मालिनीविजयवार्तिक** । अभिनवगुप्त कृत ३—०
१३०८ **मृगेन्द्रतन्त्र** (विद्यापाद–योगपाद) नारायण कण्ठ कृत व्याख्या सहित ३—०

१३०९ **लल्लेश्वरवाक्यानि ।** राजानक भास्कर कृत व्याख्या सहित ०–६
१३१० **लोकप्रकाश ।** क्षेमेन्द्रकृत ०–८
१३११ **लौगाक्षिगृह्यसूत्राणि ।** देवपालकृत भाष्य सहित । १–२ भाग ५–८
१३१२ **वातूलनाथसूत्राणि ।** अनन्तशक्तिकृत वृत्ति सहित १–०
१३१३ **वामकेश्वरीमतविवरण ।** जयरथ कृत ०–८
१३१४ **विज्ञानभैरव ।** क्षेमराज–शिवोपाध्याय–आनन्दभट्टकृत व्याख्या सहित २–८
१३१५ **शिवदृष्टि ।** सोमानन्दविरचित । उत्पलदेवकृत वृत्ति सहित २–८
१३१६ **शिवसूत्रवार्त्तिक ।** वरदराजकृत १–०
१३१७ **शिवसूत्रवार्तिक ।** राजानकभास्करवृत्ति सहित तथा स्पन्दवृत्ति कल्लटविरचिता २–८
१३१८ **शिवसूत्रविमर्शिनी ।** वसुगुप्तकृत । क्षेमराज व्याख्या सहित ३–०
१३१९ **शिशुपालवध ।** वल्लभदेवकृत व्याख्या सहित ३–०
१३२० **शैवपरिभाषा ।** शिवाग्रयोगीन्द्रकृता ३–८
१३२१ **श्रीकरभाष्यम्** (वीर शैव भाष्यम्) श्री पतिपण्डिताचार्यकृतम् २०–०
१३२२ **षट्त्रिंशत्तत्त्वसन्दोह–भावोपहार–बोधपञ्चदशिका–अनुत्तरप्रकाशपञ्चाशिका–पराप्रवेशिका** १–७
१३२३ **स्तवचिन्तामणि ।** भट्टनारायण कृत क्षेमराज व्याख्या सहित २–४
१३२४ **स्पन्दकारिका ।** रामकण्ठाचार्यकृत वृत्ति सहित २–१२
१३२५ **स्पन्दनिर्णय ।** क्षेमराज कृत ३–८
१३२६ **स्पन्दसंदोह ।** क्षेमराजकृत ०–८
१३२७ **स्वच्छन्दतन्त्र** (आगम शास्त्र) क्षेमराज कृत व्याख्या सहित १–७ भाग १६–८
१३२८ **सिद्धित्रय ।** प्रत्यभिज्ञाकारिकावृत्ति सहित ३–०
1329 Kashmir Shaivism. Brief introduction to the history, literature and doctrines of Advaita Shaiva philosophy of Kashmir. 2–8
1330 Hindu Realism. Excellent introduction to the metaphyscis of the Nyaya Vaisheshika System of Hindu Philosophy. 3–0
1331 Pratyabhijñahṛdayam. Text and English Translation by K. F. Leidecker. 10–0

श्रीमद्भगवद्गीता

१३३२ **गीता में कहा है।** बाबूलाल ओसवाल ०—६
१३३३ **गीताभाष्य।** भावरत्नकोश-प्रमेयदीपिका-गीता विवृति सहित। १-४ अध्याय पत्रात्मक ६—०
१३३४ **गीतादर्शन की पृष्ठभूमि।** सत्यदेव शास्त्री १—८
१३३५ **गीतामृत।** कृष्णदत्त पालीवाल ३—८
१३३६ **गीतार्थसंग्रहः।** रक्षया सहितः ०—८
१३३७ **गीता रहस्य।** लोकमान्य तिलकप्रणीत (हिन्दी) १२—०
१३३८ **गीतारहस्य।** लोकमान्य तिलकप्रणीत (अंग्रेजी) १४—०
१३३९ **गीता तत्त्व।** स्वामी सारदानन्द कृत २—६
१३४० **गीर्वाण ज्ञानेश्वरी।** १-२ भाग ५—०
१३४१ **ज्ञानेश्वरी।** (पहिला अध्याय) केतकी-शब्दार्थ जान्हवी सहित ३—४
१३४२ **पञ्चरत्न गीता।** मूल मात्र ०—३
१३४३ **पञ्चरत्नगीता।** मध्यमाक्षर। सजिल्द १—८ स्थूलाक्षर। सजिल्द २—८
१३४४ **पञ्चरत्न गीता।** हिन्दी टीका सहित। गुटका १—०
१३४५ **पञ्चरत्न गीता।** हिन्दी टीका-दोहा सहित ६—०
१३४६ **भगवद्गीता सप्तश्लोकी** ०—१ | १३४७ **भगवद्गीतानुक्रमणिका** ०—२
१३४८ **भगवद्गीता।** श्लोकार्ध सूची। सातवलेकर कृत ०—१२
१३४९ **भगवद्गीता।** स्थूलाक्षर। मूलमात्र अजिल्द ०—५—० सजिल्द ०—९
१३५० **भगवद्गीता।** हिन्दी टीका। गुटका ०—२—६ सजिल्द ०—४॥
१३५१ **भगवद्गीता।** साधारण हिन्दी टीका ०—८—० सजिल्द ०—१४
१३५२ **भगवद्गीता।** मूल-पदच्छेद-अन्वय-हिन्दीटीका छोटा टाईप ०—११ सजिल्द १—०
१३५३ **भगवद्गीता।** मूल-पदच्छेद-अन्वय साधारण हिन्दी टीका बड़ा टाईप १—४
१३५४ **भगवद्गीता।** प्रत्येक अध्याय माहात्म्य युक्त। हिन्दी ०—१४ सजिल्द १—४
१३५५ **भगवद्गीता।** सातवलेकर कृत हिन्दी अर्थ तथा भावार्थ सहित १—०
१३५६ **भगवद्गीता।** ज्ञानेश्वरी-हिन्दी ५—०
१३५७ **भगवद्गीता।** अर्थप्रकाशिका हिन्दी टीका सहित २—०
१३५८ **भगवद्गीता।** सुबोधकौमुदी हिन्दीटीकासहित रेशमीजिल्द २—० कपड़ेकी जिल्द १—०
१३५९ **भगवद्गीता।** अमृततरङ्गिणी हिन्दी टीका २—८
१३६० **भगवद्गीता।** तत्वविवेचनी हिन्दी टीका सहित ४—०
१३६१ **भगवद्गीता।** प्रणवाश्रमप्रणीत सान्वय हिन्दी टीका सहित ७—०
१३६२ **भगवद्गीता।** चिद्घनानन्दी गूढार्थदीपिका हिन्दी टीका सहित १४—०
१३६३ **भगवद्गीता।** सातवलेकर कृत पुरुषार्थबोधिनी हिन्दी टीका सहित १२—८

१३६४ **भगवद्गीता** । गणेशानन्द कृत प्रथम भाग । १—०
१३६५ **भगवद्गीता** । डा० एस. के. वेलवलकर संपादित ७—८
१३६६ **भगवद्गीता** । बालबोधिनी संस्कृत-गीतार्थचन्द्रिका हिन्दी टीका सहित १—८
१३६७ **भगवद्गीता** । शाङ्करभाष्य सहित । गोखले सम्पादित ७—८
१३६८ **भगवद्गीता** । शाङ्करभाष्य सहिता ४—८
१३६९ **भगवद्गीता** । शांकर भाष्य-आङ्गल भूमिका नोट्स सहित। मोदी संपादित ३०—०
१३७० **भगवद्गीता** । आनन्दगिरि-शाङ्करभाष्य व्याख्याद्वयोपेता ९—४
१३७१ **भगवद्गीता** । शाङ्करभाष्य-हिन्दी टीका सहित २—१२
१३७२ **भगवद्गीता** । शाङ्करभाष्य-आनन्दगिरि-श्रीधरस्वामी प्रणीत व्याख्या । जीर्ण ६—४
१३७३ **भगवद्गीता** । रामानुजाचार्य प्रणीत भाष्य सहिता ३—८
१३७४ **भगवद्गीता** । रामानुज भाष्य-हिन्दी टीका सहित २—८
१३७५ **भगवद्गीता** । श्रीधरी संस्कृत व्याख्या सहिता २—०
१३७६ **भगवद्गीता** । मधुसूदनी-श्रीधरी व्याख्याद्वय संवलिता ८—०
१३७७ **भगवद्गीता** । मधुसूदनी संस्कृत व्याख्या हिन्दी अनुवाद सहित। अनुवादक-पण्डित सम्राट् श्री हरिहरकृपालुजी द्विवेदी **प्रेसमें**
१३७८ **भगवद्गीता** । शङ्करानन्दी व्याख्यायुत समाप्त
१३७९ **भगवद्गीता** । शङ्करानन्दी व्याख्या-हिन्दी टीका सहित ८—०
१३८० **भगवद्गीता** । पैशाचभाष्योपेता २—४
१३८१ **भगवद्गीता** । राजानक अभिनवगुप्तटीका । लक्ष्मणरैनाब्रह्मचारी संपादित २—०
१३८२ **भगवद्गीता** । रामकण्ठकृत व्याख्या सहित । कश्मीर २—८
१३८३ **भगवद्गीता** । रामकण्ठाचार्य प्रणीत व्याख्या सहित । मद्रास ५—१४
१३८४ **भगवद्गीता** । राजानकरामकवि प्रणीत सर्वतोभद्र व्याख्यायुत । पुना ४—८
१३८५ **भगवद्गीता** । प्रतिपदार्थ विवरण सहिता २—१०
१३८६ **भगवद्गीता** । वरवरमुनि व्याख्या सहिता २—१२
१३८७ **भगवद्गीतार्थप्रकाशिका** । ब्रह्मयोगी कृत १५—०
१३८८ **भगवद्गीता** । सदानन्द स्वामि प्रणीत भावप्रकाश श्लोकबद्ध व्याख्या ६—८
१३८९ **भगवद्गीता** । विशिष्टाद्वैतमतानुयायि सुदर्शनाचार्य प्रणीत तत्त्वार्थसुदर्शनी व्याख्या-हिन्दी टीका सहित ७—०
१३९० **भगवद्गीता** । रामानुजभाष्य तथा व्याख्या-महागुरुप्रणीत तात्पर्यचन्द्रिका-शाङ्करभाष्य-आनन्दतीर्थभाष्य-जयमुनि कृत तद्व्याख्या । २-३ भाग १२—०
१३९१ **भगवद्गीता** (व्याख्याष्टक मण्डिता) १ शाङ्करभाष्य २ आनन्दगिरि व्याख्या सहित ३ नीलकण्ठी ४ मधुसूदनी ५ भाष्योत्कर्षदीपिका ६ श्रीधरी ७ अभिनवगुप्तपादाचार्य व्याख्यायुत तथा ८ गूढार्थतत्त्वालोक (मधुसूदनी व्याख्या विवरण) श्रीधर्मदत्त (बच्चाझा॰) शर्म सहित १८—०

१३९२ **भगवद्गीता** (निम्बार्कभाष्याद्यन्याष्टटीकोपेता:) १ केशवकाश्मीरि भट्टाचार्य २ मधुसूदन सरस्वती, ३ शङ्करानन्द ४ श्रीधरस्वामि ५ सदानन्द ६ धनपतिसूरि ७ दैवज्ञपण्डितसूर्य तथा ८ राघवेन्द्रकृत टीका सहित १२—०

१३९३ **भगवद्गीता** (एकादशटीकोपेता:) १ शाङ्करभाष्य २ आनन्दगिरि ३ रामानुज, ४ वेङ्कटनाथ ५ आनन्दतीर्थ ६ जयतीर्थ ७ हनुमत, ८ ब्रह्मानन्दगिरि ९ वल्लभाचार्य १० पुरुषोत्तमजी ११ नीलकंठ टीका सहित २०—०

१३९४ **भगवद्गीता** । वासुदेवशास्त्री अभ्यङ्कर प्रणीत अद्वैताङ्कुरा व्याख्या सहित। प्रथम द्वितीयाध्याय मात्र ३—४

१३९५ **भगवद्गीता** । अन्वय-श्रीधरी संस्कृतटीका उसकी हिन्दी तथा श्यामाचरण लाहिड़ीकृत आध्यात्मिकदीपिका हिन्दीटीका एवं भूपेन्द्रनाथ सन्यालकृत आध्यात्मिकदीपिका की विशद हिन्दी व्याख्या सम्पूर्ण। १-३ भाग २८—०

१३९६ **भगवद्गीता-गीतार्थचन्द्रिका** । स्वा० दयानन्द कृत ३—०

१३९७ **भगवद्गीता के राजकीय तत्त्वालोचन** । २—०

१३९८ **भगवद्गीता भारतीयदर्शनानि** । अनन्तकृष्णशास्त्रि प्रणीत ४—०

१३९९ **भगवद्गीता-चित्रमय** (हिन्दी) ६०—०

१४०० **भगवद्गीता** । संक्षिप्त तथा सटीक । राजगोपालाचार्य । सीताचरण दीक्षित अनुवादित २—८

१४०१ **भगवद्गीता** । बंगाली बाबा द्वारा अंग्रेजी व्याख्यान का हिन्दी अनुवाद। कु० बृजरानी देवी अनुवादित ५—०

१४०२ **भगवद्गीता-विवेचनात्मक शब्दकोष** । रायबहादुर पी. सी. दीवान १२—०

१४०३ **भगवद्गीता** । श्रीनारायणस्वामी कृत वृहद् हिन्दी व्याख्या सहित। १-३ भाग १५—०

विविध गीता

१४०४ **अवधूत गीता** । ०—६

१४०५ **अष्टावक्रगीता** । हिन्दी टीका सहित १—८

१४०६ **अष्टावक्रगीता** । हिन्दीटीका सहित ३—०

१४०७ **उत्तरगीता** । गौडपादाचार्य प्रणीत व्याख्या सहित ०—४, ०—१०

१४०८ **उत्तरसत्याग्रहगीता** । क्षमाराव ६—१२

१४०९ **कपिल गीता** । हिन्दीटीकासहित १—४

१४१० **गणेशगीता** । मूल मात्र ०—८

१४११ **गणेशगीता** । हिन्दीटीका सहित ०—१४

१४१२ **गणेशगीता** । नीलकण्ठीव्याख्या ३—०

४१३१ **गान्धी गीता** । श्रीनिवासविरचित ३—१२

१४१४ **गुरु गीता** ०—४

१४१५ **गोपी गीता** । सव्याख्या १—०

१४१६ **गोपी गीता** । हिन्दी टीका सहित ०—४

१४१७ **देवी गीता** । हिन्दी टीका सहित १—०

१४१८ **धीश गीता** । हिन्दी टीका सहित १—२

१४१९ **नारद गीता** । हिन्दीटीका सहित ०—२

१४२० **पञ्चदशगीता** । हिन्दीटीका सहित १—४

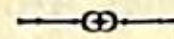
१४२१ **पाण्डवगीता** । मूलमात्र ०—२

१४२२ **पाण्डवगीता** । हिन्दीटीका सहित ०—४

१४२३ **रामगीता** । माहात्म्य सहित २—०

१४२४ **रामगीता** । हिन्दी अनुवाद सहित २—८

१४२५ **रामगीता-पितृसंहिता-पितृकल्पः** ०—१२
१४२६ **विष्णुगीता**। भाषानुवाद सहित १—८
१४२७ **शम्भुगीता**। भाषानुवाद सहित १—८
१४२८ **शक्तिगीता**। हिन्दी अनुवाद सहित १—०
१४२९ **शिवगीता**। मूलमात्र ०—१२
१४३० **शिवगीता**। लक्ष्मी नरहरि सूनु प्रणीत बालानन्दिनी व्याख्या १—४
१४३१ **संन्यासगीता**। भाषानुवाद सहित १—८
१४३२ **सत्याग्रहगीता**। क्षमाराव २—८
१४३३ **सूर्यगीता**। हिन्दी अनुवाद सहित ०—८



उपनिषद्-ग्रन्थाः

१४३४ **अप्रकाशित सामान्य [७१] उपनिषदः**। ब्रह्मयोगिकृत व्याख्या सहित २०—०
१४३५ **अष्टाविंशत्युपनिषत्**। मूलमात्र। समाप्त
१४३६ **अष्टोत्तरशतकृतयः**। त्यागराज विरचित १२—०
१४३७ **अष्टोत्तर [१०८] शतोपनिषत्** १०—०
१४३८ **आथर्वणोपनिषद्**। नारायण प्रणीत वृत्ति सहित ३—१२
१४३९ **आरणोपनिषत्**। तैतिरीय सस्वर ०—१०
१४४० **ईशकेनकठोपनिषत्**। दिगम्बरानुचर विरचितार्थप्रकाश व्याख्या समेत १—८
१४४१ **ईशकेनकठप्रश्नमुण्डमाण्डूक्यानन्दवल्लीभृगूपनिषदः**। रंगरामानुज विरचित प्रकाशिकोपेता ३—१२
१४४२ **ईशकेनकठोपनिषद्**। विशिष्टाद्वैत भाष्य परिष्कार सहित ६—४
१४४३ **ईशादि अष्टोपनिषद्**। स्वामी विद्यानन्द कृत विद्याविनोद हिन्दी टीका सहित ५—०
१४४४ **ईशादिदशोपनिषत्**। गोपालानन्द प्रणीत भाष्य सहित ७—०
१४४५ **ईशादिनवोपनिषद्**। सान्वय हिन्दी व्याख्या २—०
१४४६ **ईषादिपञ्चोपनिषत्**। शाङ्करभाष्य-आनन्दगिरि-शङ्करानन्दी व्याख्या सहित ६—०
१४४७ **ईषादि [१२०] विंशोत्तरशतोपनिषद्**। मूलमात्र १०—०
१४४८ **ईशावास्यवृत्ति**। विनोबा भावे ०—१२
१४४९ **ईशावास्योपनिषत्**। कूरनारायण प्रणीत प्रकाशिका-श्रीधरशास्त्रि कृत बालबोधिनी व्याख्या समेता २—८
१४५० **ईशावास्योपनिषत्**। सानुवाद शाङ्करभाष्य सहित ०—३
१४५१ **ईशावास्योपनिषत्**। मन्त्र-अन्वय-मन्त्रार्थ-शाङ्करभाष्य-उपनिषद-सुबोधिनी हिन्दी टीका सहित ०—१२
१४५२ **ईशावास्योपनिषत्**। शाङ्करभाष्य-आनन्दगिरि टीका युक्त १—८
१४५३ **ईशावास्योपनिषद्भाष्य**। आचार्य भाष्य तात्पर्य सहित १—१४
१४५४ **ईशावास्योपनिषत्**। भाष्य-टिप्पण खण्डार्थ सहित २—१२

१४५५ **उपनिषद्** । चक्रवर्ती राजगोपालाचार्य । सीताचरण दीक्षित अनुवादित १—४
१४५६ **उपनिषद् आर्यभाष्य** (ईश-केन-कठ-प्रश्न-मुण्डक-माण्डूक्य-ऐतरेय-तैत्तिरेयोपनिषद) आर्यमुनि कृत ६—०
१४५७ **उपनिषत्पीयूष** । (ईश-केन-कठ-मुण्डकोपनिषद) राजेन्द्र प्रसाद कृत पद्यात्मक अनुवाद अन्वय सहित २—०
१४५८ **उपनिषद् प्रकाश** । (ईश-केन-कठ-प्रश्न-मुण्डक-माण्डूक्योपनिषद) दर्शनानन्द सरस्वती । अवधविहारीलाल अनुवादित ३—८
१४५९ **उपनिषद्भाष्य** । प्रथम खण्ड । (ईश-केन-कठ-प्रश्न-मुण्डकोपनिषद) सानुवाद शाङ्करभाष्य सहित २—१०
१४६० **उपनिषद्भाष्य** । द्वितीय खण्ड । (माण्डूक्य-तैत्तिरीय-ऐतरेयोपनिषद्) सानुवाद शाङ्करभाष्य सहित २—११
१४६१ **उपनिषद मन्त्रवाक्य महाकोश (२२३ उपनिषदों का कोश)** १६—०
१४६२ **उपनिषदसंग्रह** । (ईश-केन-कठ-प्रश्न-मुण्डक-माण्डूक्य-ऐतरेय-तैत्तिरीय-छान्दोग्योपनिषद) जयदेव विद्यालङ्कार अनुवादित ६—०
१४६३ **उपनिषदां समुच्चयः** । शङ्करानन्द नारायण विरचित दीपिका संवलितः १०—०
१४६४ **एकादशोपनिषत्** । सत्यव्रत सिद्धान्तालंकारकृत धारावाही हिन्दी अनुवाद १२—०
१४६५ **ऐतरेयोपनिषत्** । शाङ्करभाष्य–आनन्दगिरि व्याख्या युक्त २—०
१४६६ **ऐतरेयोपनिषत्** । सानुवाद शाङ्करभाष्य सहित ०—६
१४६७ **ऐतरेयोपनिषत्** । भाष्य–टिप्पण–खण्डार्थ सहित ९—०
१४६८ **ऐतरेयोपनिषत्** । सातवलेकर कृत हिन्दी टीका सहित ०—१२
१४६९ **कठोपनिषद्** । सातवलेकर कृत हिन्दी टीका सहित १—८
१४७० **काठकोपनिषत्** । शाङ्करभाष्य–आनन्दगिरि व्याख्या युत २—०
१४७१ **काठकोपनिषत्** । शाङ्करभाष्य–आनन्दगिरि–हिन्दी टीका सहित १—८
१४७२ **काठकोपनिषत्** । शाङ्कर-रामानुजभाष्य-श्रीधरशास्त्रीप्रणीत व्याख्या सहित ५—०
१४७३ **काठकोपनिषत्** । सानुवाद शाङ्करभाष्य सहित ०—९
१४७४ **काठकोपनिषत्** । भाष्य–टिप्पण–खण्डार्थ सहित २—१२
१४७५ **केनोपनिषत्** । सानुवाद शाङ्करभाष्य सहित ०—८
१४७६ **केनोपनिषत्** । शाङ्करभाष्य–आनन्दगिरि व्याख्या युत १—८
१४७७ **केनोपनिषत्** । शाङ्कर–रामानुजभाष्य–श्रीधरशास्त्री प्रणीत बालबोधिनी व्याख्या सहित २—८
१४७८ **केनोपनिषत्** । मन्त्र–अन्वय–मन्त्रार्थ–शाङ्करभाष्य–उपनिषद् सुबोधिनी हिन्दी टीका सहित ०—१२
१४७९ **केनोपनिषत्** । सातवलेकर कृत हिन्दी अनुवाद सहित १—८
१४८० **छान्दोग्योपनिषद्** । शाङ्करभाष्य–आनन्दगिरि व्याख्या सहित ८—०

१४८१ **छान्दोग्योपनिषद्** । रामस्वरूप शर्मा कृत अन्वय-पदार्थ-हिन्दी भाषार्थ सहित ३—०
१४८२ **छान्दोग्योपनिषद्** । सानुवाद शाङ्कर भाष्य सहित ३—१२
१४८३ **छान्दोग्योपनिषद्** । नित्यानन्द प्रणीत मिताक्षरा व्याख्या सहित ३—०
१४८४ **छान्दोग्योपनिषद्** । विशिष्टाद्वैत भाष्य परिष्कार सहित १०—०
१४८५ **छान्दोग्योपनिषद्** । रंग रामानुज प्रणीत प्रकाशिका सहित ५—८
१४८६ **छान्दोग्योपनिषद्** । राजाराम कृत हिन्दी टीका सहित २—८
१४८७ **तलवकारोपनिषत्** । भाष्य टिप्पण-खंडार्थ सहिता १—४
१४८८ **तैत्तिरीयैतरेयोपनिषद्** । विशिष्टाद्वैत भाष्य परिष्कार सहित ७—८
१४८९ **तैत्तिरीयोपनिषत्** । सानुवाद शाङ्करभाष्य सहित ०—१३
१४९० **तैत्तिरीयोपनिषत्** । शाङ्करभाष्य-आनन्दगिरि व्याख्या युत २—१२
१४९१ **तैत्तिरीयोपनिषत्** । भाष्य-टिप्पण-खण्डार्थ सहिता ४—०
१४९२ **तैत्तिरीयोपनिषद्भाष्यम्** । कृष्णानन्दतीर्थ प्रणीत वनमाला व्याख्या सहितम् ५—८
१४९३ **तैत्तिरीयोपनिषद्भाष्यम्** । कूरनारायण मुनि विरचित ३—१२
१४९४ **तैत्तरीयोपनिषद्भाष्यवार्तिक** । सुरेश्वराचार्यविरचित । आनंदगिरिव्याख्यायुत ३—४
१४९५ **दशोपनिषद्** । मूलमात्र ३—०
१४९६ **दशोपनिषद्** । शाङ्कर भाष्य सहितम् । १२—०
१४९७ **दशोपनिषदः** । ब्रह्मयोगि कृत व्याख्या सहित । १-२ भाग ३०—०
१४९८ **दशोपनिषद** । स्वामी अच्युतानन्द कृत हिन्दी मात्र ५—०
१४९९ **नारायणोपनिषद्** । हिन्दी टीका सहित २—८
१५०० **नृसिंहतापनीयोपनिषद्** । शाङ्कर भाष्य सहित २—८
१५०१ **नृसिंह पूर्वोत्तरतापनीयोपनिषत्** । सव्याख्या २—८
१५०२ **पञ्चत्रिंशदुपनिषत्** । गुटका २—८
१५०३ **प्रश्न मुण्ड माण्डूक्योभवोंपनिषद** । विशिष्टाद्वैत भाष्य परिष्कार सहित ५—०
१५०४ **प्रश्नोपनिषद्** । सानुवाद शाङ्करभाष्य सहित ०—७
१५०५ **प्रश्नोपनिषत्** । शाङ्कर भाष्य-आनन्दगिरि व्याख्या युत १—८
१५०६ **प्रश्नोपनिषद्** । सातवलेकर कृत हिन्दी टीका सहित १—८
१५०७ **बृहदारण्यकोपनिषद्** । शाङ्करभाष्य-आनन्दगिरि व्याख्या सहित । १५—०
१५०८ **बृहदारण्यकोपनिषद्** । सानुवाद शाङ्करभाष्य सहित ५—८
१५०९ **बृहदारण्यकोपनिषद्** । स्वामी विद्यानन्दकृत हिन्दी टीका सहित १०—०
१५१० **बृहदारण्यकोपनिषद्** । विशिष्टाद्वैतभाष्य परिष्कार सहित ८—१२
१५११ **बृहदारण्यकोपनिषद मिताक्षरा** । नित्यानन्द मुनि प्रणीत ४—०
१५१२ **बृहदारण्यकोपनिषद्भाष्यवार्तिकम्** । सुरेश्वराचार्य विरचितम् । आनन्दगिरि व्याख्या युत । प्रथम भाग ४—१२

वैदिक-ग्रन्थाः

१५४२ **अथर्ववेद व्रात्यकाण्ड** । श्रीसंपूर्णानन्द संपादित ३—०
१५४३ **अथर्ववेदसंहिता** । मूत्रमात्र । सजिल्द ६—०
१५४४ **अथर्ववेदसंहिता** । पैप्पलाद शाखा । डाक्टर रघुवीर संपादित ३०—०
१५४५ **अथर्ववेदसंहिता** । मन्त्र-सायणभाष्य-हिन्दी अनुवाद सहित ९०—०
१५४६ **अथर्ववेदसंहिता** । जयदेवविद्यालङ्कारकृत भाषाभाष्य सहित । १-४ भाग २८—०
१५४७ **अथर्ववेदसंहिता** । सातवलेकरप्रणीत सुबोधहिन्दीभाष्य सहित १-१८ काण्ड २६—०
१५४८ **अथर्ववेद की अनुक्रमणिका** । ०—१०
१५४९ **अथर्ववेदपदानां अकारादिवर्णक्रमानुक्रमणिका** । स्वामी विश्वेश्वरानंद स्वामी नित्यानंद ३०—०
१५५० **अथर्ववेदीयकौशिकगृह्यसूत्रम्** । द्दारिलकेशवयोरसङ्क्षिप्त टीकया हिन्दी भाषानुवाद सहितम् ४५—०
१५५१ **अथर्ववेदीयसर्वानुक्रमणिका** । ६—०
१५५२ **अस्य वामस्य सूक्त** । सायण-आत्मानन्द भाष्य सहित १२—०
*१५५३ **आपस्तम्बगृह्यसूत्रम्** । श्रीहरदत्तप्रणीत-अनाकुला श्रीसुदर्शनाचार्य प्रणीत तात्पर्यदर्शन व्याख्याद्वय समलङ्कृतम् ७—०
१५५४ **आपस्तम्बशुल्बसूत्रम्** । कपर्दिस्वामि-करविन्द-सुन्दरराजकृत व्याख्या सहित २-१२
१५५५ **आपस्तम्बश्रौतसूत्रम्** । धूर्तस्वामिभाष्योपेतं रामाग्निचिद्वृत्ति सहितम् (प्रथम द्वितीय सम्पुटम् १-८ प्रश्नाः) १५—८
१५५६ **आपस्तम्बश्रौतसूत्रं** । धूर्तस्वामिभाष्य । प्रथमभाग । चिन्नस्वामीशास्त्रीसंपादित २०—०
१५५७ **आरण्यसंहिता** । सायणभाष्य सहिता ०—१३
१५५८ **आश्वलायनगृह्यसूत्रम्** । गार्ग्य नारायण प्रणीत वृत्ति सहितम् २—८
१५५९ **आश्वलायनगृह्यसूत्रम्** । नारायण प्रणीत वृत्ति गृह्यपरिशिष्ट, कुमारिलभट्ट विरचित गृह्यकारिका च ४—४
१५६० **आश्वलायनगृह्यसूत्रम्** । देवस्वामि-नारायण व्याख्याद्वय सहित प्रथमभाग ८—०
१५६१ **आश्वलायनगृह्यमन्त्रव्याख्या** । हरदत्तमिश्र विरचित २—१२
१५६२ **आश्वलायनश्रौतसूत्रम्** । नारायण प्रणीत वृत्ति समेतम् ७—०
१५६३ **आश्वलायनश्रौतसूत्रम्** । सिद्धान्ति भाष्य सहितम् । प्रथम भाग ०—८॥
*१४६४ **आश्वलायनसूत्रप्रयोगदीपिका** । भट्टमञ्जनाचार्य विरचिता ३—०
१५६५ **उदकशान्तिः** । आपस्तम्बीय । प्रयोग सहित ०—८
१५६६ **उदकशान्तिः** । शौनकीय । (ऋग्वेदीय) प्रयोग सहित ०—८
१५६७ **उपनिदानसूत्रम्** । सामगानां छन्दाः ०—८

१५६८ **उरुज्योति** । वैदिक अध्यात्मसुधा । डा० वासुदेवशरण अग्रवाल ३—०
१५६९ **ऋक्संहिता** । स्कन्दस्वामिभाष्य वेंकट माधवाचार्य प्रणीत व्याख्या सहित १ से ३ भाग ५—८
१५७० **ऋक्सूक्त संग्रहः** । सायणभाष्यानुसारी हिन्दी व्याख्या सहित ३—१२
१५७१ **ऋग्यजुस्सामाथर्वविधानम्** । ०—४
१५७२ **ऋग्वेदकालीन सांस्कृतिक इतिहास** । चि. ग. काशीकर २—८
१५७३ **ऋग्वेदप्रातिशाख्यम्** । उवटभाष्य सहितम् ५—०
१५७४ **ऋग्वेदप्रातिशाख्यम्** । डा० मङ्गलदेव शास्त्री सम्पादित ८—१२
१५७५ **ऋग्वेदभाषाभाष्य** । युधिष्ठिरमीमांसककृत (ऋषिदयानन्द भाष्य का) अनुवाद सहित । प्रथम भाग २—८
१५७६ **ऋग्वेदभाष्यम्** । स्कन्दस्वामि प्रणीत । प्रथम अष्टक ६—१२
१५७७ **ऋग्वेदभाष्यभूमिका** । सायणाचार्य विरचित दुष्प्राप्य
१५७८ **ऋग्वेदमन्त्रसंहिता** । १—४, २—८
१५७९ **ऋग्वेदमन्त्राणां वर्णानुक्रमः** । २—०
१५८० **ऋग्वेदव्याख्या** । माधव कृत । १-२ भाग ४०—०
१५८१ **ऋग्वेदसंहिता** । मन्त्रकोशादि सहित । मूलमात्र पत्रात्मक ६—०
१५८२ **ऋग्वेदसंहिता** । मूलमात्र खुलापत्रा ६—०—०, सजिल्द ८—०—०, ११—०
१५८३ **ऋग्वेदसंहिता** । मूलमात्र । सातवलेकर संशोधित । सजिल्द १०—०
१५८४ **ऋग्वेदसंहिता** । सायणभाष्य पदादिसूची सहिता । संपूर्ण १-५ भाग १३५—०
१५८५ **ऋग्वेदसंहिता** । उद्गीथाचार्य प्रणीत भाष्य सहित ४—०
१५८६ **ऋग्वेदसंहिता** । कपालीशास्त्री प्रणीत सिद्धाञ्जन भाष्य सहित १-२ भाग ५५—०
१५८७ **ऋग्वेदसंहिता** । वेंकटमाधवप्रणीत ऋगर्थदीपिकाभाष्य सहित १-४ भाग २००—०
१५८८ **ऋग्वेदसंहिता** । रामगोविन्दकृत हिन्दी टीका सहित २५—०
१५८९ **ऋग्वेदसंहिता** । जयदेव विद्यालङ्कार कृत भाषाभाष्य सहित । १-७ भाग ४९—०
१५९० **ऋग्वेदसंहिता** । सातवलेकर प्रणीत सुबोध हिन्दी भाष्य सहित १-१९ भाग २ जिल्द में २३—०
१५९१ **ऋग्वेदसंहिता पदपाठ** । १५—०
१५९२ **ऋग्वेद की अनुक्रमणिका** । १—८
१५९३ **ऋग्वेद के अग्नि सूक्त** । २—०
१५९४ **ऋग्वेदपदानां अकारादिवर्णक्रमानुक्रमणिका** । स्वामी विश्वेश्वरानंद स्वामी नित्यानंद १००—०
१५९५ **ऋग्वेद पर व्याख्यान** । भगवद्दत्त कृत (हिन्दी) २—८
१५९६ **ऋग्वेद में रुद्र देवता** । हिन्दी ०—१०
१५९७ **ऋग्वेदे छन्दः परामर्शः** । सी० के० राजा विरचित १—११

१५९८ **ऋग्वेदवैदिकजीवनभाष्य** । १–४ भाग १००—०
१५९९ **ऋग्वेदसारसंग्रहः** । शिवनाथ आहिताग्नि ३—०
१६०० **ऋग्वेदसौरभ** । चन्द्रमिश्र विरचित । मूलमात्र १—१२
१६०१ **ऋग्वेदभाष्यभूमिका** । संस्कृत व्याख्या, हिन्दी अनुवाद सहित अजमेर समाप्त
१६०२ **ऋग्वेदभाष्य भूमिका** । दयानन्द सरस्वती कृत १—०
१६०३ **ऋग्वेदानुक्रमणि** । माधवभट्ट विरचित । प्रथमभाग ४—०
१६०४ **एकाग्निकाण्ड** । १—०
१६०५ **ऐतरेयब्राह्मणम्** । मूलमात्रम्–पत्रात्मक २—०
१६०६ **ऐतरेयब्राह्मणम्** । सायण भाष्य सहितम् । १–२ भाग १६—०
१६०७ **ऐतरेयब्राह्मणम्** । सायणभाष्य सहित । सत्यव्रत सामाश्रमी संपादित १७—४
१६०८ **ऐतरेयब्राह्मणम्** । सदगुरु शिष्य प्रणीत सुखपदावृत्ति सहित १–३२ अध्याय । १–३ भाग १७—८
१६०९ **ऐतरेयब्राह्मणम्** । गंगाप्रसाद उपाध्याय कृत हिन्दी अनुवाद मात्र ५—०
१६१० **ऐतरेयब्राह्मण–अनुक्रमणिका** । ४—०
१६११ **ऐतरेय ब्राह्मण आरण्यक कोष** । केवलानन्द सरस्वती ८—०
१६१२ **ऐतरेयारण्यकम्** । सायण भाष्य सहितम् ४—८
१६१३ **ऐतरेयारण्यक–पर्यालोचन अथवा ऐतरेयारण्यक–आचारविचाराः** । डा० मङ्गलदेव शास्त्री सम्पादित २—०
१६१४ **ऐतरेयालोचन** । सत्यव्रत सामाश्रमी सम्पादित २—४
१६१५ **काठकगृह्यसूत्रम्** । (यजुर्वेदीय) डा० कैलेण्ड संपादित १०—०
१६१६ **काठकसंहिता** । यजुर्वेदीय ६—०
१६१७ **कात्यायनमतसंग्रह** । २—१३
*१६१८ **कात्यायनश्रौतसूत्रम्** । श्रीकर्काचार्य विरचित कर्कभाष्य सहितम् १३—०
१६१९ **कौथुमगृह्यम्** । भूमिका नोटस् सहित ९—०
१६२० **कौशितकी ब्राह्मण आरण्यक विषय कोश** । ६—०
१६२१ **क्या वेद में इतिहास है ?** २—८
१६२२ **खादिरगृह्यसूत्रम्** । रुद्रस्कन्दीयवृत्ति हिन्दीटीका सहितम् २—८
१६२३ **गणपत्यथर्वशीर्षम्** । मूलमात्रम् ०—२
१६२४ **गणेशाथर्वशीर्षम्** । सभाष्यम् ०—८
१६२५ **गोज्ञानकोशः** (गौ के विषय में वेद मन्त्रों के वचनों का संग्रहः) सातवलेकर कृत हिन्दी अनुवाद १–२ भाग १२—०
१६२६ **गोपथब्राह्मणम्** । मूलमात्रम् समाप्त
*१६२७ **गोभिलगृह्यसूत्रम्** । श्रीमुकुन्दशर्म विरचित 'मृदुला' व्याख्या समलङ्कृतम् ३—८

१६२८ **गोभिलगृह्यसूत्रम्** । भट्ट नारायण भाष्य सहितम् १५—०
१६२९ **गोभिलगृह्यसूत्रम्** । हिन्दी टीका सहितम् २—८
१६३० **गोभिलपरिशिष्ट** । चन्द्रकान्त तर्कालङ्कार सम्पादित समाप्त
*१६३१ **चतुर्वेदभाष्यभूमिकानां संग्रहः** । सायणाचार्य विरचितानां स्ववेदभाष्य भूमिकानां संग्रहः यन्त्रस्थ
*१६३२ **चरणव्यूहः** । महर्षि शौनक प्रणीतः आचार्य महिदास भाष्ययुक्तः ०—१४
१६३३ **चारायणीयमन्त्रार्षाध्यायः** । यजुर्वेदीय । मूलमात्र ३—०
१६३४ **चारों वेदों की अनुक्रमणिका** । २—१२
१६३५ **जैमिनीब्राह्मणम्** । डा० लोकेशचन्द्र संपादित ३०—०
१६३६ **जैमिनीयोपनिषद् ब्राह्मणम्** । सामवेदीय ५—०
*१६३७ **ताण्ड्यमहाब्राह्मणम्** । सायणाचार्य विरचित भाष्य सहितम् २०—०
१६३८ **तैत्तिरीयप्रातिशाख्यम्** । महिषेय प्रणीत पदक्रमसदनाख्यभाष्ययुत २—४
१६३९ **तैत्तिरीयब्राह्मणम्** । सायणभाष्य समेतम् । १-३ भाग २१—१२
१६४० **तैत्तिरीयब्राह्मणम्** । भट्टभास्करीय व्याख्या युतम् दुष्प्राप्य
१६४१ **तैत्तिरीयसंहिता** । कृष्णयजुर्वेदी । सायणभाष्य पद पाठ सहिता । १-६ भाग ३२—४
१६४२ **तैत्तिरीयसंहिता-अनुक्रमणिका** । परशुराम शास्त्री सम्पादित। प्रथम भाग २—०
१६४३ **तैत्तिरीयारण्यकम्** । सायणभाष्योपेतम् । १-२ भाग १३—१२
१६४४ **त्रिकाण्डसारार्थबोधिनी** । श्री विद्यामन्त्रभाष्य युक्त १—८
१६४५ **थिरकुरल** (तामिल भाषा का पञ्चमवेद) ५—०
१६४६ **दण्डक** । शुक्लयजुर्वेदी ०—१२
१६४७ **देवीसूक्तम्** । दीपिका टीकया सहितम् ०—८
१६४८ **देवेसंज्ञकमन्त्रम्** । आपस्तम्बशाखोक्त ०—२
१६४९ **देवेसंज्ञकमन्त्रम्** । ऋग्वेदोक्त ०—२
१६५० **दैवतब्राह्मण-षडविंशब्राह्मणम्** । सायणभाष्य सहितम् २—१०
१६५१ **दैवतसंहिता** । प्रथम एवं तृतीय भाग सातवलेकर सम्पादित १२—०
१६५२ **द्राह्यायणगृह्यसूत्रम्** । रुद्रस्कन्दवृत्ति हिन्दी टीका सहितम् २—८
१६५३ **निघण्टु** । (कोश) ०—१०
१६५४ **निरुक्तम्** । मूल मात्र १—४
१६५५ **निरुक्तम्** । मुकुन्द झा बख्शी कृत व्याख्या सहितम् समाप्त
१६५६ **निरुक्तम्** । दुर्गाचार्य भाष्य सहितम् १४—०
१६५७ **निरुक्तम्** । दुर्गाचार्य कृत वृत्ति सहितम् । १-२ भाग । भण्डारकर १७—०
१६५८ **निरुक्तम्** । दुर्गाचार्य वृत्ति सहितम् । स्थूलाक्षर । पुना १-२ भाग २४—४

१६५९ **निरुक्तम्** । वी० के रजवाडे प्रणीत नोट्स सहित । प्रथम भाग १०—०
१६६० **निरुक्तम्** । पुष्करणा व्याख्या सहित । १ से ४, ७ काण्ड ५—०
१६६१ **निरुक्तलघुविवृतिः** । समाप्त
*१६६२ **नीतिमञ्जरी** । सभाष्या श्री द्याद्विवेद विरचिता । भूमिका-टिप्पणी परिशिष्टादिभिः संयोज्य सम्पादिता ४—८
१६६३ **पञ्चसूक्तानि** । ०—३, | १६६३(ए) **पवमानपञ्चसूक्तम्** । ०—१४
*१६६४ **पाणिन्यादि (द्वात्रिंशत्) शिक्षासंग्रह** । दुष्प्राप्य
१६६५ **पादविधानम्** । शौनक कृतम् १—४
*१६६६ **पारस्करगृह्यसूत्रम्** । कात्यायनसूत्रीयश्राद्ध-शौच-स्नान-भोजन-कल्पसूत्र सहितम् ०—१०
१६६७ **पारस्करगृह्यसूत्रम्** । हरिहर भाष्य सहितम् ३—८
*१६६८ **पारस्करगृह्यसूत्रम्** । हरिहर-गदाधर-जयरामभाष्यत्रयेण सहितम् यन्त्रस्थ
१६६९ **पारस्करगृह्यसूत्रम्** । (कर्क-जयराम-हरिहर-गदाधर-विश्वनाथ) भाष्यपञ्चकोपेतम् ८—०
१६७० **पारस्करगृह्यसूत्रम्** । पञ्चभाष्य एवं कामदेव भाष्य सहितम् १२—०
१६७१ **पितृसंहिता** । मूलमात्र ०—८
१६७२ **पितृसंहिता-पितृकल्पः** । रामगीता सहित ०—१२
*१६७३ **पुरुषसूक्तम्** । सायणभाष्य-महीधरभाष्य-मंगलभाष्य-निम्बार्कमत-भाष्य चतुष्टय सहितम् १—४
*१६७४ **पुरुषसूक्तम्** । 'बालबोधिनी' संस्कृत-हिन्दी टीका तथा अनुष्ठान-विधान सहित ०—२
१६७५ **पुरुषसूक्तम्** । डा० सम्पूर्णानन्द कृत हिन्दी टीका सहित १—४
१६७६ **पुरुषसूक्तभाष्यम्** । रङ्गनाथमुनि कृत २—८
*१६७७ **पुष्पसूत्रम् (सामप्रातिशाख्यं) पुष्पर्षि प्रणीतम्** । श्रीमदजातशत्रुकृत भाष्यसहितम् ४—८
१६७८ **भारद्वाजशिक्षा** । सव्याख्या १—८
१६७९ **मन्त्रपुष्पाञ्जलिसूक्तम्** । सव्याख्या ०—४, | १६८० **मन्त्रभागवत** ०—१४
१६८१ **मन्त्ररामायण** । १—१२, | १६८२ **मन्त्रसंहिता** । ऋग्वेदीय १—४
१६८३ **मन्त्रसंहिता** । शुक्लयजुर्वेदीय ५२३ मन्त्रों का संग्रहः ३—०
१६८४ **मन्त्रसंहिता** । हिरण्यकेशीय १—४
१६८५ **मन्त्रार्थचन्द्रोदय** । सव्याख्या । श्री दामोदर शर्मणा संगृहीतः ५—०
*१६८६ **मन्त्रार्थदीपिका** । म० म० श्री शत्रुघ्नमिश्र विरचिता सटीक ५—०

१६८७ **माण्डुकीशिक्षा** (अथर्ववेदीय) ३—०
१६८८ **माध्यन्दिनीयपितृसूक्तम्** (सस्वरम्) ०—८
१६८९ **मैत्रायणीसंहिता।** शुक्लयजुर्वेदीय। मूलमात्र ६—०
१६९० **यजुर्वेदसंहिता।** सुबोध भाष्य। ३० वां अध्याय (मनुष्यों की सच्ची उन्नति का सच्चा साधन) २—०
१६९१ **यजुर्वेदसंहिता।** सुबोध-भाष्य। ३२ वां अध्याय। एक ईश्वर की उपासना १—८
१६९२ **यजुर्वेदसंहिता।** सुबोध भाष्य। ३६ वां अध्याय सच्ची शक्ति का सच्चा उपाय १—८
१६९३ **यजुर्वेदसंहिता।** स्वामी दयानन्द सरस्वती कृत भाष्ययुक्त। १-४ खण्ड २१—०
१६९४ **यजुर्वेदसंहिता।** सुबोध भाष्य। ४० वां अध्याय (आत्मज्ञान ईशोपनिषद) २—०
१६९५ **यजुर्वेद की अनुक्रमणिका।** ०—६
१६९६ **यजुर्वेद रुद्राष्टाध्यायी।** दौलतराम गौड कृत हिन्दी टीका सहित
अजिल्द २—८ सजिल्द ३—०
१६९७ **यज्ञतत्त्वप्रकाशः।** म० म० श्री चिन्नस्वामि शास्त्री कृत ४—०
१६९८ **याजुषप्रतिज्ञापरिशिष्टम्।** विद्याधर विद्यालङ्कार। १-४ पेज १—०
१६९९ **याज्ञवल्क्यशिक्षा।** अमरनाथ दीक्षित कृत शिक्षावल्ली विवृति सहिता समाप्त
१७०० **रुद्र।** नमक चमकात्मक अध्याय ०—८
१७०१ **रुद्रभाष्यम्।** अभिनव शंकर प्रणीत १—१०
*१७०२ **रुद्रस्वाहाकारपद्धतिः।** ०—२
१७०३ **रुद्राध्यायः।** सायण भट्टभास्कर भाष्य सहित २—०
*१७०४ **लाट्यायनश्रौतसूत्रम्। अग्निष्टोमान्तम्। सटीकम्** २—८
१७०५ **वाराहगृह्यसूत्रम्।** हिन्दी टीका सहित १—४
१७०६ **वेद का स्वयं शिक्षक।** सातवलेकर कृत। १-२ भाग ३—०
१७०७ **वेद का स्वाध्याय।** राजाराम शास्त्री कृत व्याख्या सहित १—८
१७०८ **वेद धरातल।** गिरीशचन्द्र अवस्थी १०—०
१७०९ **वेदनवाह्निक।** विश्वबन्धुकृत। अर्थ सहित ०—८
१७१० **वेदपरिचय।** सातवलेकर प्रणीत। १-३ भाग ५—०
१७११ **वेदपादस्तवः।** ०—६
१७१२ **वेदप्रवेशः।** अश्विनौ देवता मन्त्रसंग्रह। सातवलेकरकृत हिन्दीटीका सहित ५—०
१७१३ **वेदप्रवेशः।** ऋग्वेद के अग्निसूक्त। सातवलेवर कृत २—०
१७१४ **वेदप्रवेशः।** मरुदेवता मन्त्र संग्रह। सातवलेकर कृत हिन्दी टीका सहित ५—०
१७१५ **वेदप्रश्नोत्तरमाला।** जगद्राम शास्त्री ०—१२
१७१६ **वेदभाष्यपद्धति को दयानन्दसरस्वती की देन।** (साइक्लोस्टायल) ५०—०
१७१७ **वेदभाष्यसारः।** भट्टोजि दीक्षित प्रणीत १—०
१७१८ **वेद में कृषि विद्या।** ०—४, | १७१९ **वेद में चर्खा।** ०—१०

१७२० **वेदरहस्य** । १-२ भाग ११—०, | १७२१ **वेदरहस्य** । १-३ भाग १५—०
१७२२ **वेदवादद्वात्रिंशिका** । सिद्धसेन दिवाकर प्रणीत १—०
१७२३ **वेदविज्ञानमीमांसा** । दौलतराम विरचित ०—८
१७२४ **वेदसार** । विश्वबन्धु कृत (हिन्दी) १—८
१७२५ **वेदानुवचन** । (हिन्दी) बावानगीना सिंह वेदी ६—०
१७२६ **वेदार्थप्रक्रिया के मूलभूत सिद्धान्त** । ब्रह्मदत्त जिज्ञासु ०—३
१७२७ **वेदार्थविमर्श** । विश्वबन्धु कृत ०—८
१७२८ **वेदों का वास्तविक स्वरूप अथवा वेदों के महान् आदर्श** ।
डा० मङ्गलदेव शास्त्री संपादित ०—६
१७२९ **वैखानसश्रौतसूत्र** । मूलमात्र । डा० कैलण्ड सम्पादित ७—८
१७३० **वैखानसस्मार्तसूत्र** । १—८
१७३१ **वैदिक समाज शास्त्र में यज्ञ की कल्पना** । फतेह सिंह ०—१२
१७३२ **वैदिकव्याख्यानमाला** । १-२६ व्याख्यान ९—१२
१६३३ **वैदिक सेलेक्शंस** । (बम्बई युनिवर्सिटी पाठ्य ग्रन्थ) १-२ भाग ४—८
१७३४ **वैदिक कहानियाँ** । बलदेव उपाध्याय । २—०
१७३५ **वैदिककोश** । ब्राह्मण वाक्यों का संग्रह । हंसराज संपादित १५—०
१७३६ **वैदिकदर्शन** । डा० फतह सिंह ५—० | १७३७ **वैदिक अग्निविद्या** समाप्त
१७३८ **वैदिकपदानुक्रमकोष प्रणीति** । १—०
१७३९ **वैदिकपदानुक्रमकोष** । विश्वबन्धु कृत । १-७ भाग १४०—०
१७४० **वैदिकप्रार्थना** । स्वामी वेदानन्द सरस्वती १—८
१७४१ **वैदिकयज्ञरहस्य** । महात्मा नारायणस्वामी ०—६
१७४२ **वैदिक वाङ्मय का इतिहास** । भगवद्दत । प्रथम भाग (वेदों की शाखाएं) १०—०
१७४३ **वैदिक वाङ्मय का इतिहास** । भगवद्दत्त । द्वितीय भाग (ब्राह्मण-आरण्यक) ७—८
१७४४ **वैदिकशब्दार्थपारिजातः** । प्रथम भाग ६—०
१७४५ **वैदिकषट्चक्रनिरूपण** । प्रसादीलाल झा कृत २—०
१७४६ **वैदिकसंस्कृति** । गंगा प्रसाद उपाध्याय २—८
१७४७ **वैदिक संस्कृति का विकास** । लक्ष्मण शास्त्री जोशी । मोरेश्वर दिनकर
पराड़कर अनुवादित ५—०
१७४८ **वैदिकसन्ध्यारहस्य** । महात्मा नारायण स्वामी ०—६
१७४९ **वैदिकसम्पत्ति** । रघुनन्दन शर्मा कृत यन्त्रस्थ
१७५० **वैदिकसर्पविद्या** । हिन्दी ०—१०
१७५१ **वैदिकसाहित्य** । रामगोविन्द त्रिवेदी हिन्दी ६—०
१७५२ **वैदिकसाहित्य और संस्कृति** । बलदेव उपाध्याय ५—८

१७५३ वैदिक साहित्य की रूपरेखा। सत्यनारायण पाण्डेय-रसिक विहारी जोशी ३—१२
१७५४ वैदिक साहित्य परिशीलन। रजनीकान्त शास्त्री। हिन्दी ३—०
१७५५ वैदिकस्वराज्य की महिमा। हिन्दी ०—१२
१७५६ व्रात्यकाण्ड (अथर्ववेदान्तर्गत) भाष्य तथा भाषानुवाद। डा० संपूर्णानन्द ३—०
*१७५७ शतपथब्राह्मणम् [सस्वरम्] सम्पादक-म०म० श्री चिन्नस्वामी शास्त्री। १-२ भाग ६—०
१७५८ शतपथब्राह्मणम्। सायणभाष्य सहित। प्रथम काण्ड ८—८
१६५९ शतपथब्राह्मणम्। सायणभाष्य सहित। सम्पूर्ण १-५ भाग १२५—०
१७६० शतपथबोधामृत। (हिन्दी) ०—६
१७६१ शांख्यायनब्राह्मणम्। ऋग्वेदान्तर्गतम्। स्वरपदपाठ सहित २—०
१७६२ शांख्यायनारण्यम्। ऋग्वेदान्तर्गतम् १—०
१७६३ शिक्षादिवेदषडङ्गानि। ३—०, | १७६४ शिक्षादिवेदाङ्गचतुष्टय ०—८
१७६५ शिक्षासूत्राणि। आपिशालि-पाणिनि-चन्द्रगोमि विरचितानि ०—४
१७६६ शुक्लकाण्वशाखीयग्रहमखप्रयोगः। ०—१२
१७६७ शुक्लकाण्वशाखीयवैदिकविवाहप्रयोगः। चतुर्थी कर्म सहित ०—६
१७६८ शुक्लकाण्वशाखीय जातकर्मादि समावर्तन संस्कारप्रयोगः। ०—१२
१७६९ शुक्लकाण्वशाखीय ब्रह्मनित्यकर्मानुष्ठानपद्धतिः। २—०
१७७० शुक्लकाण्वशाखीय रुद्रहोमस्वाहाकारः। ०—८
१७७१ शुक्लकाण्वशाखीय श्रावणीप्रयोगः। ०—८
१७७२ शुक्लकाण्वशाखीय आह्निकचन्द्रिका। ०—६
१७७३ शुक्लकाण्वशाखीय संहिता मंत्राणां अनुक्रमणिका। ०—६
१७७४ शुक्लकाण्वशाखीय मन्त्रसंहिता। ०—१०
१७७५ शुक्लयजुःप्रातिशाख्यम्। कात्यायनमहर्षि प्रणीतम्। उव्वटभाष्य सहितम् समाप्त
*१७७६ शुक्लयजुःसर्वानुक्रमसूत्रम्। कात्यायनप्रणीतम्। श्री याज्ञिकानन्तदेव विरचित भाष्य सहितम् ४—८
१७७७ शुक्लयजुःसर्वानुक्रमसूत्रम्। १—८
१७७८ शुक्लयजुर्वेदकाण्वसंहिता। मूलमात्र पत्रात्मक ५—०, सजिल्द ४—०
*१७७९ शुक्लयजुर्वेदकाण्वसंहिता। श्री सायणाचार्य विरचित भाष्य सहित १-२० अध्याय पर्यन्ता ७—०
१७८० शुक्लयजुर्वेदसंहिता। मूलमात्र गुटका १—१२
१७८१ शुक्लयजुर्वेदसंहिता। मूलमात्र बुक साइज २—०, ३—०, ४—०
१७८२ शुक्लयजुर्वेदसंहिता। मूलमात्र। स्थूलाक्षर पत्रात्मक बम्बई १०—०, काशी ४-०
१७८३ शुक्लयजुर्वेदसंहिता। उव्वट-महीधरभाष्य सहित १२—०
१७८४ शुक्लयजुर्वेदवाजसनेयिसंहितापदसूची। १—८

१७८५ **शुक्लयजुर्वेदसंहिता**। जयदेव विद्यालङ्कारकृत भाषा भाष्य सहित१-२ भाग १४—०
१७८६ **शुक्लयजुर्वेदसंहिता**। सातवलेकर प्रणीत सुबोधभाष्य सहित। प्र० अध्याय १—८
१७८७ **शुक्लयजुर्वेदसंहिता**। ज्वालाप्रसादमिश्र प्रणीत भाषा भाष्योपेता समाप्त
*१७८८ **शुक्लयजुर्वेदसंहिता**। 'श्री' विद्या हिन्दी टीका विभूषित। यज्ञीय पात्रादि के लक्षण विधान आदि विविध विषयों से समलंकृत ०—८
*१७८९ **शुक्लयजुर्वेदीयरुद्राष्टाध्यायी**। रुद्राभिषेक माहात्म्य, स्वस्तिप्रार्थना मन्त्राध्याय, शान्त्यध्यायादि विविध परिशिष्ट सहित ०—६
१७९० **शुक्लयजुर्वेदीयरुद्राष्टाध्यायी**। हिन्दी-टीका सहित २—८
*१७९१ **शुल्बसूत्रम्**। श्री कर्कभाष्य-महीधरवृत्ति सहितम् ०—६
१७९२ **शौनकीयम्**। ०—१०
*१७९३ **श्रीसूक्तम्**। विद्यारण्य-पृथ्वीधर-श्रीकण्ठाचार्य कृत भाष्यत्रयेण टिप्पण्या च समलङ्कृतम् ०—१२
१७९४ **श्रुतिसिद्धान्तसारसंग्रहः**। हिन्दी ५—०
१७९५ **श्रौतपदार्थनिर्वचनम्**। ६—८
१७९६ **षट्पिंडप्रयोगः**। ०—२ | १७९७ **षट्सूक्तानि**। ०—४
१७९८ **षडङ्गरुद्री**। पूर्वोत्तराङ्गपूजाविधि युक्त १—८
१७९९ **संध्यावन्दनम्**। कृष्ण यजुर्वेदीय। सभाष्य ०—८
१८०० **सत्याषाढश्रौतसूत्रम्**। गोपीनाथभट्ट विरचित वैजयन्त्या ज्योत्स्ना व्याख्यया च समेतम्। १-१० भाग ४२—८
*१८०१ **सांख्यायनगृह्यसंग्रहः**। पं० वासुदेवकृतः तथा कौषीतकि गृह्यसूत्राणि १—८
१८०२ **सामवेद संहिता**। मूल मात्र सजिल्द २—०
१८०३ **सामवेदसंहिता**। सायणभाष्य-हिन्दी अनुवाद सहित दुष्प्राप्य
१८०४ **सामवेद**। हरिश्चन्द्र विद्यालङ्कार कृत आर्य भाषाभाष्य ऋष्यादि संवलिता २—०
१८०५ **सामवेद-साम-संस्कार भाष्यम्**। भगवदाचार्य कृतम् ५—०
१८०६ **सामवेदसंहिता**। जयदेव विद्यालङ्कार कृत भाषा भाष्य सहित ७—०
१८०७ **सामवेद**। कौथुमशाखीय। गामगेय गानात्मक। १-२ भाग ६—०
१८०८ **सामवेदजैमिनीयसंहिता**। डा० रघुवीर सम्पादित १०—०
१८०९ **सामवेदपदानां अकारादिवर्णक्रमानुक्रमणिका**। स्वामी विश्वेश्वरानंद स्वामी नित्यानंद ४०—०
१८१० **सामवेदसंहिता अनुक्रमणिका**। ०—४
*१८११ **सामवेदीय आह्निकं उपाकर्म पद्धति**। (श्रावणी) सहितम्। सामवेदाचार्य पं० दुर्गादत्त त्रिपाठि सम्पादित १—४

*१८१२ सामवेदीयसुबोधिनीपद्धतिः। श्रीशुक्लविश्रामात्मज श्री शिवराम विरचिता ४—८

*१८१३ सामवेदीय-त्रिकाल-सन्ध्यातर्पण प्रयोगः। ०—२

*१८१४ सामवेदीयरुद्रजपविधिः। पञ्चवक्त्रपूजनम्, लघुरुद्रविधानयुतश्च १—०

१८१५ सायणीयर्ग्वेदभाष्यभूमिकायाः बदरीनाथीटीका। त्रिलोकनाथमिश्रकृत ०—१०

१८१६ सूक्त-रत्न-संग्रहः। गवर्नमेंट सं० कालेज काशी शास्त्रिपरीक्षा निर्धारितः १—०

१८१७ सेलेक्शन्स फ्राम ब्राह्मणस् ऐण्ड उपनिषद्स। २—०

१८१८ सौरसूक्त। ०—२

*१८१९ स्वस्तिवाचनप्रयोगः। चतुर्वेदोक्त तत्तन्मन्त्र सहितः यन्त्रस्थ

*१८२० स्वस्त्ययनकलशप्रतिष्ठापूजनविधिः। ०—१

१८२१ हिरण्यकेशीयाह्निकोपयोगीमन्त्रसंग्रह। २—८

कर्मकाण्ड-ग्रन्थाः

*१८२२ अग्निष्टोमपद्धतिः। ग्रन्थरत्नेऽस्मिन् 'आध्वर्यवपद्धति' कर्कानुसारिणी, 'औद्गात्रपद्धतिः'-लाट्यायनद्राह्यायण सूत्रानुसारिणी, 'हौत्रपद्धतिः' शाङ्खायनश्रौतसूत्रानुसारिणी च सन्निविष्टास्ति। १-३ खण्ड ४—८

१८२३ अग्निहोत्रचन्द्रिका। वामनशास्त्री विरचित ४—४

*१८२४ अन्त्यकर्मदीपकः। आशौचकालनिर्णय सहितः प्रेतकर्म ब्रह्मीभूत यतिकर्मनिरूपणात्मकः। म० म० नित्यानन्दपन्त पर्वतीयविरचितः २—८

१८२५ अन्त्येष्टिकर्मपद्धतिः। आश्चर्यनाथ पाण्डेय संगृहीत ४—८

१८२६ अन्त्येष्टिप्रयोगः। १—८

१८२७ अभिषेकचतुष्टयी। मातृप्रसाद ०—२

१८२८ अर्कविवाहः। वायुनन्दनमिश्र ०—३

१८२९ अग्निवेश्यगृह्यसूत्रम्। २—८

१८३० आचारभूषणं। त्र्यम्बक विरचितं ६—८

१८३१ आचारमार्तण्डः। १—४

१८३२ आचारार्कः। १—४

१८३३ आचारादर्शः। १—४

१८३४ आचारेन्दुः। त्र्यम्बककृतः ६—०

१८३५ आधानपद्धतिः। वामनशास्त्री ३—०

१८३६ आनुग्राहिकम्। विद्याधर विद्यालंकार। १ से २० पृष्ठ ३—०

*१८३७ आपस्तम्बगृह्यसूत्रम्। श्रीहरदत्त प्रणीत अनाकुला श्रीसुदर्शनाचार्य प्रणीत तात्पर्यदर्शन व्याख्याद्वय समलङ्कृतम् ७—०

*१८३८ आपस्तम्बधर्मसूत्रम्। श्रीहरदत्तमिश्र विरचित उज्ज्वलावृत्ति सहितम् ७—०

१८३९	**आपस्तम्बधर्मसूत्रम्**। हिरण्यकेशी व्याख्या सहित। १-२ भाग मात्र	३—०
१८४०	**आश्लेषाज्येष्ठाशान्तिः**। हिन्दी टीका सहित	०—६
१८४१	**आह्निककर्मसूत्रावलिः**। शुक्लयजुर्वेदीय	४—०
१८४२	**आह्निकपद्धतिः**। नव्यचण्डीदास कृत	१—०
१८४३	**आह्निकशुक्लयजुर्वेदी**।	१—१२
१८४४	**आह्निकसूत्रावली**। (शुक्ल यजुर्वेदीय)	६—०
१८४५	**उत्सर्जनोपाकरणविधिः**। ऋग्वेदीय श्रावणी	०—८
१८४६	**उत्सर्जनोपाकर्म**। (शुक्लयजुर्वेद काण्वशाखीय)	०—१०
*१८४७	**उपनयनपद्धतिः**। विस्तृत टिप्पणी-परिशिष्ट सहिता। रचयिता-म० म० विद्याधरजी गौड़	१—८
१८४८	**उपनयनपद्धतिः**। हिन्दी टीका सहित	१—०
१८४९	**उपनयनपद्धतिः**। वायुनन्दन मिश्र कृत हिन्दी टीका सहित	०—११
१८५०	**ऋग्वेदोक्तनित्यविधिः**।	समाप्त
१८५१	**एकोद्दिष्टश्राद्धपद्धतिः**। हिन्दी टीका सहित	०—८
१८५२	**एकोद्दिष्टसारिणी**। मैथिल श्री बदरीनाथशर्म कृत टिप्पणी सहित	०—२॥
१८५३	**और्ध्वदेहिककर्मपद्धति**। अमृतवर्षिणी टिप्पणी सहित	४—०
१८५४	**कर्मकलापः**। स्वामी सहजानन्द कृत	१२—०
१८५५	**कर्मकाण्डक्रमावलिः**। सोमशम्भु विरचित	१—८
१८५६	**कर्मकाण्ड-प्रवेशिका**। हिन्दी टीका	०—१२
१८५७	**कर्मठगुरुः**। मुकुन्दवल्लभ सम्पादित	५—०
१८५८	**कर्मप्रदीपः**। छान्दोग्यपरिशिष्ट	२—४
१८५९	**कर्ममीमांसादर्शनम्** (भारद्वाजसूत्रम्) अन्नदाचरणकृत भाष्य सहितम्	समाप्त
१८६०	**कर्ममीमांसादर्शनम्**। भाषानुवाद सहित। १-३ भाग	८—८
१८६१	**कल्पपूजा**।	१—२
*१८६२	**कातियेष्टिदीपकः**। (दर्शपौर्णमासपद्धतिः) महामहोपाध्याय पं० श्री नित्यानन्दपन्त पर्वतीय विरचितः	१—८
*१८६३	**कात्यायनश्रौतसूत्रम्**। श्रीकर्काचार्य विरचित कर्कभाष्य सहितम्	१३—०
१८६४	**काम्यवृषोत्सर्गपद्धतिः**।	०—८
*१८६५	**का० तर्पणपद्धतिः**। अनन्तराम शास्त्रिकृत हिन्दी टीका सहित	०—२
१८६६	**कुण्डमण्डपसिद्धिः**। हिन्दी टीका सहित	०—८
१८६७	**कुण्डविंशतिः**। कुण्डमण्डपसिद्धि सान्वय हिन्दी टीका सहित	२—०
१८६८	**कुण्डार्कः**। षट्टीकोपेतः	३—०

१८६९ **कुम्भविवाहः** । वायुनन्दन मिश्र प्रणीत ०—३
*१८७० **कुलदेवतास्थापनविधिः, हनुमद्ध्वजदानविधिश्च** ०—१
१८७१ **कुशकण्डिकाभाष्य** । ०—७
१८७२ **कृत्यरत्नाकरः** । चण्डेश्वरठक्कुर विरचितः ६—०
*१८७३ **कृत्यसारसमुच्चयः** । म० म० पं० अमृतनाथझा विरचितः
पं० गङ्गाधरमिश्रकृत बृहत् टिप्पणी परिशिष्ट विभूषितः ४—८
१८७४ **कौथुमगृह्यम्** । भूमिका नोट्स सहित ९—०
१८७५ **कौषितकगृह्यसूत्रम्** । भवत्रात प्रणीत व्याख्या सहित ४—८
१८७६ **क्षत्रियसन्ध्याप्रयोगः** । हिन्दी टीका सहित ०—२
१८७७ **खादिरगृह्यसूत्रम्** । रुद्रस्कन्धवृत्ति भाषाटीका सहितम् । २—८
१८७८ **खादिरगृह्यसूत्रम्** । सूत्रार्थबोधिनी सहितम् २—८
१८७९ **गदाधरपद्धतिः** । आचारसारः । गदाधरराजगुरु विरचितः ४—८
१८८० **गयाश्राद्धपद्धतिः** । हिन्दी टीका सहित ०—१४
१८८१ **गयाश्राद्धपद्धतिः** । वायुनन्दनमिश्रप्रणीत ०—६
१८८२ **गयाश्राद्धादिपद्धतिः** । तर्कवाचस्पति सङ्कलिता १—४
१८८३ **गायत्री** । तर्कवाचस्पतिव्याख्या सहिता समाप्त
१८८४ **गायत्री का मन्त्रार्थ** १—८, | १८८५ **गायत्री के प्रत्यक्ष चमत्कार** ३—८
१८८६ **गायत्री चित्रावली** । १—८
*१८८७ **गायत्रीपूजापद्धतिः** । श्रीविभाकराचार्य संगृहीता ०—३
१८८८ **गायत्रीपुरश्चरणपद्धतिः** । शङ्कराचार्य विरचितः । सव्याख्या २—४
१८८९ **गायत्रीमहाविज्ञान** । १-३ भाग १०—८
१८९० **गायत्रीयज्ञविधान** । ३—८, | १८९१ **गायत्री शिक्षा** (सचित्र) २—०
१८९२ **गृहस्थरत्नाकरः** । चण्डेश्वरठक्कुरकृतः ५—४
*१८९३ **गोदानपद्धतिः** । अभिनव विशुद्ध संस्करण डोंगरे शास्त्रि संपादित ०—२
१८९४ **गोभिलगृह्यकर्मप्रकाशिका** । भाषाटीका ३—०
*१८९५ **गोभिलगृह्यसूत्रम्** । म० म० श्रीमुकुन्दशर्मविरचित मृदुलाव्याख्या
समलङ्कृतम् ३—८
१८९६ **गोविन्दार्चनचन्द्रिका** १०—०, | १८९७ **गोत्रप्रवरनिबन्धकदम्बः** ५—०
१८९८ **गौडीयश्राद्धप्रकाशः** । चतुर्थीलाल विरचित-पत्रात्मक ८—०
१८९९ **ग्रहशान्तिः** । समन्त्रक स्थूलाक्षर १—८—०, २—०
१९०० **चतुर्थवर्णसंस्कारपद्धतिः** । हिन्दी टीका सहित ०—१०
१९०१ **चतुर्दशरत्नविवाहपद्धतिः** । हिन्दी टीका सहित ३—०

१९०२ **चतुर्लिङ्गतोभद्रचक्रम्** । ०—३
१९०३ **चतुर्वेदोक्तपुण्याहवाचनप्रयोगः** । शास्त्री दुर्गाशङ्कर शास्त्री परिशोधित ०—४
*१९०४ **चूडाकरणपद्धतिः** । विद्याधरकृत विस्तृत टिप्पणी परिशिष्ट सहिता ०—३
१९०५ **जन्मदिनपूजापद्धतिः** । ०—२
१९०६ **तात्त्विकवैदिकविवाहविधिः** १—०
*१९०७ **तुलसीपूजापद्धतिः** । ०—२
१९०८ **तुलसीविवाहपद्धतिः** । हिन्दी टीका सहित १—८
१९०९ **तुलादानादिपद्धतिः** । ५—०
१९१० **त्रिकालसंध्या** । ऋग्वेदीय ०—४
१९११ **त्रिकालसंध्या** । हिरण्यकेशीय-आपस्तम्बीय ०—२
१९१२ **त्रिपिण्डीश्राद्धपद्धतिः** । वायुनन्दन प्रणीत ०—१०
१९१३ **त्रिसुपर्णः** । ०—२
१९१४ **दण्डकः** (शुक्लयजुर्वेदीय) ०—१२
१९१५ **दन्त्योष्ठविधिः** । अथर्ववेदीय २—८
१९१६ **दर्शपूर्णमास प्रकाशः** । वामनशास्त्रिकृतः १०—०
१९१७ **दशकर्मपद्धतिः** । मूल १—०, | १९१८ **दशकर्मपद्धतिः** । हिन्दी टीका २—४
१९१९ **दानक्रियाकौमुदी** । गोविन्दानन्द कवि कङ्कणाचार्य कृता २—४
*१९२० **दानदीपिका** । हिन्दी टीका सहिता ०—८
१९२१ **दीक्षातत्त्वमीमांसा** । हिन्दी टीका सहित १—८
१९२२ **दीक्षाप्रकाशिका** । विष्णुभट्ट प्रणीत १—०
१९२३ **दुर्गाकल्पद्रुमः** । चण्डीपाठ सहिता ३—८
*१९२४ **दुर्गापूजा-श्यामापूजापद्धतिः** । ०—१२
१९२५ **दुर्गापूजनप्रयोग** । ३—०
१९२६ **दैवीमीमांसादर्शनम्** । हिन्दी टीका सहित । प्रथम भाग २—४
१९२७ **द्राह्यायणगृह्यसूत्रवृत्तिः** । रुद्रस्कन्दप्रणीता । हिन्दी टीका सहित २—८
१९२८ **द्वादशहरिहरमण्डलम्** । रंगीन ०—३
१९२९ **धनिष्ठापञ्चकशान्तिः** । हिन्दी टीका सहित ०—६
१९३० **धर्मशान्तिपद्धतिः** । दयालुचन्द्रशर्मा संपादित ०—१२
१९३१ **नवग्रहचक्रम्** । सादा ०—२ | १९३२ **नवग्रहविधानपद्धतिः** ०—१०
१९३३ **नवरत्नविवाहपद्धतिः** । हिन्दी टीका सहित ३—८
१९३४ **नारायणबलिप्रयोगः** । वायुनन्दनमिश्र प्रणीत १—४
१९३५ **नित्यकर्मप्रयोगमाला** । चतुर्थीलाल विरचित २—०
१९३६ **नित्यकर्मविधिः** । पं० बालकृष्ण आचार्य संग्रहीत हिन्दी टीका सहित १—२
१९३७ **नित्यकृत्यरत्नमाला** । सामयजुः । मुकुन्दझा बख्शी प्रणीता १—४
१९३८ **नित्यनैमित्तिककर्मसमुच्चयः** । शुक्लयजुर्वेदीय ५—८
१९३९ **नित्यविधिः** । हिरण्यकेशीय । आपस्तम्बीय १—४
१९४० **नित्यहवनपद्धतिः** । हिन्दी टीका सहित ०—६

१९४१ **नित्याचारपद्धतिः** । विद्याकर वाजपेयी कृत ५—४
१९४२ **नित्याचारप्रदीपः** । नृसिंह वाजपेयी कृतः १२—१२
१९४३ **नूतनगृहप्रवेशहवनपद्धति** । २—८
१९४४ **पञ्चदानपद्धतिः** । वायुनन्दन मिश्र प्रणीत ०—६
१९४५ **पञ्चपञ्चात्मकरुद्रस्वाहाकारसमुच्चयः** । दुर्गाशङ्कर परिशोधित ०—४
*१९४६ **पञ्चमङ्गलम्** । १. मण्डपस्थापनम् २. हरिद्रालेपनं कलशस्थापनम् ३. मातृकापूजा–सप्तघृतमाता ४. आयुष्यमन्त्रजपः ५. नान्दीमुखश्राद्धम् । ०—६
१९४७ **पञ्चमहायज्ञविधि** । आर्यसमाजी ०—४ सनातनी ०—५
*१९४८ **पञ्चाङ्गपद्धतिः** । अनन्तराम डोगरा शास्त्रिकृत टिप्पणी विभूषिता ०—४
१९४९ **पद्यपञ्चाशिका** । हिन्दी टीका सहित ०—८
१९५० **परलोकविज्ञान** । परलोक-पुनर्जन्म-श्राद्धकर्म का महत्त्व १—८
१९५१ **परिणयमीमांसा** । श्रीनटेश शास्त्रिणा विरचिता ०—१२
१९५२ **पश्वालम्भमीमांसा** । वामनशास्त्रिकृता १—०
*१९५३ **पारस्करगृह्यसूत्रम्** । कात्यायनसूत्रीयश्राद्ध–शौच–स्नान–भोजन कल्पसूत्रसहितम् ०—१०
१९५४ **पारस्करगृह्यसूत्रम्** । हरिहरभाष्यसहितम् ३—८
*१९५५ **पारस्करगृह्यसूत्रम्** । हरिहर–गदाधर–जयरामकृत भाष्यत्रय यन्त्रस्थ
१९५६ **पारस्करगृह्यसूत्रम्** । (कर्क–जयराम–हरिहर–गदाधर–विश्वनाथ) भाष्यपञ्चकोपेतम् ८—०
१९५७ **पारस्करगृह्यसूत्रम्** । पञ्चभाष्य एवं कामदेव भाष्यसहितम् स्थूलाक्षर १२—०
*१९५८ **पितृकर्मनिर्णयः** (संग्रहनिबन्धः) श्री त्रिलोकनाथ मिश्र कृतः ३—०
१९५९ **पुत्तलविधानपद्धतिः** । वायुनन्दन मिश्र प्रणीत । हिन्दी टीका सहित ०—६
१९६० **पुराणोक्तग्रहशान्तिः** । वास्तुशान्ति सर्वदेवप्रतिष्ठा । वायुनन्दनमिश्रप्रणीत १—८
१९६१ **पुराणोक्तविवाहपद्धतिः** । वायुनन्दन मिश्र प्रणीत ०—६
१९६२ **पुराणोक्तसर्वदेवपूजा** । शास्त्री दुर्गाशङ्करशास्त्री परिशोधित ०—६
१९६३ **पूजापङ्कजभास्करः** । १—१२ | १९६४ **पूजाभास्करः** २—०
१९६५ **पूजासमुच्चयः** २—०
*१९६६ **पूतनाशान्तिः** । शिशुतोषिणी हिन्दी टीका सहिता ०—२
*१९६७ **पौरोहित्यकर्मसारः** । परिवर्द्धित संस्करण । १—८
१९६८ **प्रतिष्ठासंग्रहः** । रामलाल विरचितः ७—०
१९६९ **प्रतिसांवत्सरिकश्राद्धप्रयोगः** । ०—८

*१९७० **प्रायश्चित्तप्रदीप-कृत्यप्रदीप-शुद्धिप्रदीप**। आचार्यकृष्णमित्रप्रणीत १—८
१९७१ **प्रयोगपारिजातः**। षोडश संस्कार काण्डम् ७—०
१९७२ **प्रयोगरत्ननारायणभट्टी**। ऋग्वेदीय। समन्त्रक ३—८
१९७३ **प्रायश्चित्तप्रकाशः**। चतुर्थीलाल कृत १—१२
१९७४ **प्रायश्चित्तेन्दुशेखरः**। नागोजीभट्टकृत तथा कुण्डार्ककेशवविरचितः सव्याख्या २—८
१९७५ **प्रेतमञ्जरी**। हिन्दीटीका सहित १—१२
१९७६ **बृहत्कर्मकाण्डसमुच्चय**। ०—१२
१९७७ **बृहद्गायत्रीयमहामन्त्रीयसरयूपारीणशुक्लभाष्य**। ०—८
*१९७८ **बौधायनधर्मसूत्रम्**। श्री गोविन्दस्वामि प्रणीत विवरण समेतम् ७—०
१९७९ **ब्रह्मकर्मसमुच्चयः**। सग्रहमखषोडश संस्काराद्यनेक विषय सहितः। शास्त्री दुर्गाशङ्करकृत टिप्पणी सहितः ५—४
१९८० **ब्रह्मकर्मसमुच्चयः**। हिरण्यकेशीय। ३८८ विषय युक्त ५—०
१९८१ **ब्रह्मकर्मसमुच्चयः**। ऋग्वेदीय। ३८८ विषय युक्त ५—०
१९८२ **मण्डपकुण्डसिद्धिः**। विठ्ठलदीक्षित विरचित। पदार्थमञ्जूषा संस्कृत व्याख्या गुजराती टीका सहित ५—८
*१९८३ **महालक्ष्मीपूजापद्धतिः**। सर्वदेवपूजाविधान-पूजनमीमांसा सम्पुटित श्रीसूक्तादि विविध परिशिष्ट युक्त हिन्दी टीका सहित १—०
१९८४ **मूलशान्तिचक्रम्**। ०—३ | १९८५ **मूलशान्तिपद्धतिः**। हिन्दी टीका ०—८
१९८६ **यजुर्वेदाह्निकम्**। ०—१२
१९८७ **यजुस्सन्ध्यावन्दनम्-यज्ञोपवीतधारण-ब्रह्मयज्ञ-देवर्षितर्पण-दर्शतर्पण** ०—५
१९८८ **यज्ञतत्त्वप्रकाशः**। म० म० पं० चिन्नस्वामिशास्त्री प्रणीतः ४—०
१९८९ **यज्ञमीमांसा**। वेणीरामशर्मा प्रणीत २—८
१९९० **यज्ञोपवीतमीमांसा**। विश्वनाथशास्त्रीकृत ०—१२
१९९१ **रणवीररत्नाकरमहानिबन्धः**। पत्रात्मक। सम्पूर्ण दुष्प्राप्य २००—०
१९९२ **राज्याभिषेकपद्धतिः**। ३—०
१९९३ **रामविवाहपद्धतिः**। वायुनन्दनमिश्र प्रणीत ०—४
१९९४ **रामार्चनचन्द्रिका**। आनन्दवनप्रणीत। वैदिक-तांत्रिकप्रयोग सहित १—८
१९९५ **रामार्चामाहात्म्यम्**। कथापूजा ०—१२
१९९६ **रुद्रकल्पद्रुमः**। १०—०
१९९७ **रुद्रयागपद्धतिः**। वायुनन्दनमिश्र प्रणीत २—८
१९९८ **रुद्रविधानपद्धतिः**। ०—१०
१९९९ **रुद्राभिषेकसहित पञ्चवक्त्रपूजनप्रयोगः**। शास्त्रीदुर्गाशङ्कर परिशोधित १—४
२००० **लक्ष्मीपूजनप्रयोगः**। यजुर्वेदीय १—०

२०३२ **वैष्णवसन्ध्यावन्दनम्** । ०—४ | २०३३ **वैष्णवाह्निकम्** ०—८
२०३४ **व्रतकल्पद्रुम** । उद्यापनविधि सहित २—१२ | २०३५ **व्रतोद्यापनकौमुदी** २—०
२०३६ **शान्तिकल्पद्रुमः** । वास्तुशान्ति सहित २—०
२०३७ **शान्तिकाण्डप्रदीपः** । यजुःशाखीय २—० | २०३८ **शान्तिपद्धतिः** २—०
२०३९ **शान्तिप्रकाशः** । चतुर्थीलाल विरचित ६—८
२०४० **शान्तिमार्तण्डः** । शुक्लयजुर्वेदीय । १-२ भाग २—८
*२०४१ शिलान्यासपद्धतिः । विद्याधरजी सम्पादित टिप्पणी परिशिष्टसहित ०—४
२०४२ **शिवपूजनप्रयोगः** । १—८ | २०४३ **शिवार्चनपद्धतिः** १—८
२०४४ **शुक्लयजुःशाखीयकर्मकाण्डप्रदीपः** । ७—०
२०४५ **शुक्लयजुर्वेदीयवैदिकवास्तुशान्तिप्रयोगः** । दुर्गाशङ्कर परिशोधित १—८
*२०४६ शुक्लयजुर्वेदीयसन्ध्योपासनपद्धतिः । वेदाचार्य पं० अनन्तराम डोगरा शास्त्रि कृत हिन्दी टीका सहिता ०—२॥
२०४७ **शूद्रपार्वणैकोद्दिष्टश्राद्धपद्धतिः** । वायुनन्दन मिश्र प्रणीत ०—२
२०४८ **शूद्रदशगात्र-एकादशाह-वृषोत्सर्ग-सपिण्डनश्राद्धपद्धतिः** । ०—६
*२०४९ श्राद्धकल्पलता । श्रीनन्दपण्डितकृता ४—८
२०५० **श्राद्धकौमुदी** । सूतकनिर्णय सहित २—६
२०५१ **श्राद्धक्रियाकौमुदी** । गोविन्दानन्दकविकङ्कणाचार्यकृत ५—४
*२०५२ श्राद्धगणपतिः । यन्त्रस्थ
*२०५३ श्राद्धचन्द्रिका । भारद्वाज दिवाकरभट्ट निर्मिता ३—०
*२०५४ श्राद्धपद्धतिः । म० म० वाचस्पतिमिश्रकृता । परिष्कृत संस्करण १—१२
*२०५५ श्राद्धप्रयोगदीपिका । पं० नेने गोपालशास्त्री संशोधित एवं परिष्कृत १—४
२०५६ **श्राद्धप्रश्नोत्तरावली** । १—८
२०५७ **श्राद्धमञ्जरी** । वापूभट्ट विरचित ३—०
२०५८ **श्राद्धमार्तण्ड** (शुक्लयजुर्वेद काण्वशाखीय) १—४
*२०५९ श्राद्धविवेकः । म० म० रुद्रधर विरचितः । विषमस्थल टिप्पणी तथा पार्वणश्राद्धक्रियाबोधक चित्रपट सहित २—०
२०६० **श्राद्धविज्ञान** । माधवाचार्य शास्त्री ०—१२
२०६१ **श्राद्धविश्रामः** । सम्पादक-रुद्रप्रसाद अवस्थी २—८
२०६२ **श्राद्धसंग्रहः** । वायुनन्दन मिश्र विरचित ४—०
२०६३ **श्रीग्रहमखप्रयोगः** । शास्त्री दुर्गाशङ्कर परिशोधित ०—१२
२०६४ **श्रावणी** । उपाकर्मपद्धतिः । यजुर्वेदीय । वायुनन्दनमिश्र प्रणीत १—८
२०६५ **श्रावणीकर्मप्रयोगः** । २—८

*२०६६ **श्रौतसूत्रम्** । कात्यायनप्रणीतं देवयाज्ञिकपद्धति सहित १-८ खण्ड १२—०
२०६७ **श्रौतसूत्रम्** । सत्याषाढ विरचितम् १-१० भाग ४२—८
२०६८ **श्रौतोल्लासः** । सत्यनारायणपूजाकथा सहित १—८
२०६९ **षोडशसंस्कारविधि** (सनातनी) गंगाप्रसाद शास्त्री कृत हिन्दीटीका सहित ४—०
२०७० **संकल्पकल्पना** ०—१४ | २०७१ **संकल्पसारप्रभा**। गौरीशङ्करशास्त्री ०—१०
*२०७२ **संक्षिप्तदीक्षापद्धतिः** । तुलादानपद्धति सहिता ०—२॥
२०७३ **संध्याभाष्यम्** । चतुर्वेद-संध्या-तर्पण-ब्रह्मयज्ञ-श्रुतिसूत्र व्याख्यानोपबृंहित पद्धति समेतम् । म० म० श्यामनारायण चतुर्वेदकृतम् ४—०
२०७४ **संध्याभाष्यसमुच्चयः** । ३—०
*२०७५ **संस्कारगणपतिः** । श्रीमद्याज्ञिकप्रवर श्रीमद्रामकृष्णप्रणीतः । पारस्करगृह्यसूत्रस्यातिविस्तृतव्याख्यानस्वरूपः १५—०
*२०७६ **संस्कारदीपकः** । म० म० श्रीनित्यानन्दपन्त पर्वतीयकृतः- प्रथमभाग ४—० द्वितीयभाग ५—८, तृतीयभाग ५—८ तथा १-३ भाग १५—०
२०७७ **संस्कारपद्धतिः** । भास्करशास्त्रीविरचित । उपोद्घात सहित ३—१२
२०७८ **संस्कारप्रकाशः** । चतुर्थीलाल विरचितः ४—८
*२०७९ **संस्काररत्नमाला** (गोपीनाथभट्टीया) १-२ खण्ड ३—०
२०८० **संस्काररत्नमाला** । भट्टगोपीनाथ दीक्षित विरचिता । १-२ भाग १८—८
२०८१ **संस्कारविधिः** । स्वामीदयानन्दप्रणीत अजिल्द ०—१४ सजिल्द १—४
२०८२ **संस्कारविधिविमर्श** । अत्रिदेवगुप्त प्रणीत ३—०
२०८३ **सचित्रसतर्पणसन्ध्यादर्पण** । हिन्दी भाषानुवाद सहितः २—०
२०८४ **सनातनधर्मदीपिका** । स्वा० दयानन्द विरचित ०—१२
२०८५ **संन्यासपद्धतिः** । हिन्दी टीका सहित १—४
२०८६ **सरस्वतीपूजापद्धति** । हिन्दी टीका सहित ०—४
२०८७ **सर्वतोभद्रचक्रम्** । ०—४
२०८८ **सर्वदेवप्रतिष्ठाप्रकाशः** । चतुर्थीलाल विरचितः ४—८
२०८९ **सर्वदेवसामान्यपूजा** ०—८ | २०९० **सर्वपूजा** । ०—४
२०९१ **सामवेदोपाकर्मप्रयोग** १—४ | २०९२ **सामवेद संध्यावन्दन** ०—४
*२०९३ **सामवेदीयसुबोधिनीपद्धतिः** । श्रीशुक्लविश्रामात्मज श्रीशिवरामविरचिता ४—८
२०९४ **स्मार्तप्रभुः** (प्रतिष्ठाप्रभु सहित) विद्याधरगौड़ १-२ भाग ३—०
२०९५ **स्मार्ताह्निकम्** । ०—१०
२०९६ **स्मार्तोल्लासः** । शिवप्रसाद विरचितः । १-३ भाग २—९

*२०९७ **स्वस्तिवाचनप्रयोगः** । चतुर्वेदोक्ततत्तन्मन्त्र सहितः यन्त्रस्थ

२०९८ **हवनात्मकमहारुद्रप्रयोगः** । अष्टधारुद्रस्वाहाकारसमुच्चय सहितः । शास्त्री दुर्गाशङ्करकृत टिप्पणी सहित । पत्रात्मक ४—८ सजिल्द ७—०

*२०९९ **हिन्दू संस्कार** । (सामाजिक तथा धार्मिक अध्ययन) डा० राजबली पाण्डेय १५—०

धर्मशास्त्र-ग्रन्थाः

२१०० **अङ्गिरसस्मृतिः** । १२—०, | २१०१ **अब्धिनौयानमीमांसा** । २—०

२१०२ **अष्टादशस्मृतिः** । अङ्गिरादि अष्टादश स्मृति संग्रहरूपो ग्रन्थः १—८

२१०३ **आचारचन्द्रिका** । स्वा० दयानन्द प्रणीत ०—१२

२१०४ **आचारार्कः** । १—४ | २१०५ **आचारादर्शः** । १—४

२१०६ **आचारेन्दुः** । त्र्यम्बक विरचित ६—०

*२१०७ **आपस्तम्बधर्मसूत्रम्** । श्रीहरदत्तमिश्रविरचित-उज्ज्वलावृत्तिसहितं ७—०

२१०८ **आपस्तम्बधर्मसूत्रम्** । हिरण्यकेशी व्याख्या सहित ३—०

२१०९ **आर्यविधानम्** । विश्वेश्वरनाथ रेउ विरचितं हिन्दी टीकोपेतम् । १-२ भाग २०—०

२११० **आर्यविद्यासुधाकरः** । भट्टयज्ञेश्वरशर्म विरचित १०—०

२१११ **आर्यसिद्धान्तदीप** । मदनमोहन विद्यासागर लिखित १—४

*२११२ **आशौचनिर्णयः** । म० म० वाचस्पतिमिश्र, म० म० रुद्रधरोपाध्याय प्रणीत युग्म संस्करण मनोरमा हिन्दीटीका विभूषित ०—८

२११३ **ओंकार और शिवलिङ्ग** । माधवाचार्य शास्त्री लिखित ०—१२

२११४ **कात्यायनमतसंग्रहः** । २—१२

२११५ **कात्यायनस्मृतिः** । काणे सम्पादित ५—०

२११६ **कार्तिकशुक्लद्वितीया कृत्यनिर्णयः** । ०—३

२११७ **कालतत्त्वविवेचन** । रघुनाथभट्ट विरचित १-२ भाग ३—१२

२११८ **कालमाधवकारिका** । माधवाचार्य विरचित । सविवरण ०—१२

२११९ **कालमाधवः** । माधवाचार्य विरचितः । सटिप्पण ४—४

२१२० **कालमाधव** । लक्ष्मीदेवी पायगुण्डे प्रणीत लक्ष्मी संस्कृत टीका सहित १०—०

२१२१ **कालविवेकः** । जीमूतवाहन कृत ५—४

२१२२ **कृत्यकल्पतरुः** । लक्ष्मीधर विरचिता । १-११ काण्ड १४९—१०

ब्रह्मचारिकाण्ड ११—०, श्राद्धकाण्ड १५—०, दानकाण्ड ९—०, तीर्थविवेचनकाण्ड ८—०, नियतकालकाण्ड १९—८, शुद्धिकाण्ड ९—६, राजधर्मकाण्ड १०—०, गृहस्थकाण्ड १२—०, व्यवहारकाण्ड २६—१२, व्रतकाण्ड १७—०, मोक्षकाण्ड १२—०,

२१२३ **कृत्यरत्नाकरः** । चण्डेश्वरठक्कुर प्रणीतः ६—०
२१२४ **कृत्यशिरोमणिः** । ४—०
२१२५ **क्यों ? (धर्मदिग्दर्शन)** माधवाचार्य शास्त्री लिखित पूर्वार्द्ध-यन्त्रस्थ उत्तरार्द्ध ८—०
२१२६ **गदाधरपद्धतिः** । आचारसारः । गदाधर विरचित ४—८
२१२७ **गृहस्थरत्नाकरः** । चण्डेश्वरठक्कुर विरचितः ५—४
२१२८ **गौतमधर्मसूत्रम्** । हरदत्तप्रणीत मिताक्षरा व्याख्या सहितम् ३—१२
२१२९ **गौतमधर्मसूत्रपरिशिष्टम्** (द्वितीयप्रश्न) १२—०
२१३० **चतुर्वर्गचिन्तामणिः** । हेमाद्रि विरचितः । संपूर्ण दुष्प्राप्य
२१३१ **चतुर्वर्गचिन्तामणिः** । हेमाद्रि विरचितः । प्रायश्चित्त खण्ड १२—०
२१३२ **चतुर्वर्गचिन्तामणि** । दानखण्ड । १-२ भाग ८—०
*२१३३ **चतुर्विंशतिमतसंग्रहः** । श्रीभट्टोजिदीक्षितकृतः ३—०
२१३४ **छूत और अछूत** । १-२ भाग २—०
२१३५ **जयसिंहकल्पद्रुमः** । १४—०
२१३६ **जातिभास्कर** । हिन्दी टीका सहित १०—०
२१३७ **टोडरानन्द** । राजा टोडरमल विरचित । प्रथम भाग । वैद्य सम्पादित १०—०
*२१३८ **तिथिनिर्णयः** । श्रीमद्भट्टोजिदीक्षित विरचितः, श्रीमन्नागोजिभट्ट विरचितश्च १—८
२१३९ **तिथिविवेकः** । शूलपाणि विरचितः । श्रीनाथ आचार्य चूड़ामणि प्रणीत व्याख्या सहित २—०
२१४० **तिथ्यर्कः** । दिवाकर कृतः २—०
२१४१ **तीर्थकल्पः** । जिनप्रभसूरि विरचित ३—१२
२१४२ **तीर्थचिन्तामणिः** । वाचस्पतिमिश्र प्रणीतः ३—१२
२१४३ **तीर्थेन्दुशेखरः** । नागेशभट्ट प्रणीतः । **त्रिस्थलीसेतुः** । भट्टोजिदीक्षित विरचितः । **काशीमोक्षविचारः** । सुरेश्वराचार्य विरचितः ०—१२
२१४४ **त्रिंशच्छ्लोकी** । भट्टरघुनाथ प्रणीत विवृति समेता ४—८
२१४५ **त्रिंशच्छ्लोकी** । पट्टाभिराम व्याख्या सहिता ०—१०
२१४६ **त्रिकाण्डमण्डनम्** । भास्कर मिश्र सोमयाजी विरचित समाप्त
२१४७ **त्रिस्थलीसेतुः** । नारायणभट्ट विरचित ५—८
२१४८ **त्रिस्थलीसेतुप्रघट्टकः** । नारायणभट्टविरचित १—८
२१४९ **दण्डविवेकः** । वर्द्धमान विरचित १२—०
२१५० **दत्तकमीमांसा** । नन्दपण्डित विरचिता । सव्याख्या ५—८
२१५१ **दयानन्दग्रन्थसंग्रह** । ४—८
२१५२ **दयानन्दप्रकाश** । स्वामीसत्यानन्द सरस्वती ४—८
२१५३ **दानक्रियाकौमुदी** । गोविन्दानन्द कविकङ्कणाचार्य विरचिता २—४

२१५४ **दायभागः** । जीमूतवाहन प्रणीतः । सव्याख्या २—८
२१५५ **दीक्षातत्त्वमीमांसा** । हिन्दी टीका सहितः १—८
२१५६ **दीपकलिका** । याज्ञवल्क्यस्मृति व्याख्या । शूलपाणि विरचिता ८—७
२१५७ **द्वैतनिर्णय** । म० म० पं० वाचस्पति मिश्र प्रणीतः १—४
२१५८ **द्वैतनिर्णयसिद्धान्तसंग्रहः** । भानुभट्ट मीमांसकप्रणीत ०—८
२१५९ **धर्मकल्पद्रुमः** । स्वामीदयानन्दकृत १ से ५, ७ तथा ८ भाग १३—८
२१६० **धर्मकोशः (व्यवहारकाण्ड)** । पं० लक्ष्मणशास्त्री संपादित १-३ भाग ५२—०
२१६१ **धर्मकोश (उपनिषत्कांड)** पं० लक्ष्मणशास्त्री संपादित । १-४ भाग ११०—०
२१६२ **धर्मचन्द्रिका** । स्वा० दयानन्द कृत १—०
२१६३ **धर्मतत्त्वम्** । १—२
२१६४ **धर्मतत्त्वनिर्णयः** । वासुदेवशास्त्रि विरचित १-२ भाग २—४
२१६५ **धर्मद्वैतनिर्णयः** । शङ्करभट्ट विरचित ९—८
२१६६ **धर्मप्रदीपः** । मूल मात्र २—०
२१६७ **धर्मप्रदीपः** (प्रमाणजातितत्त्व-शुद्धितत्त्व-विवाहप्रकाशात्मकः) अनन्तकृष्ण शास्त्री संपादित ८—०
२१६८ **धर्मरहस्य** । स्वामी विवेकानन्द । हिन्दी १—०
२१६९ **धर्मशास्त्रसंग्रहः** । २६ स्मृति १५—०
२१७० **धर्मशिक्षा** । लक्ष्मीधर वाजपेयी । हिन्दी २—८
२१७१ **धर्मसंग्रह** । इतिहास पुराणोद्धृत धर्मबोधक श्लोक संचयात्मक २—८
२१७२ **धर्मसिन्धुः** । काशीनाथ उपाध्याय विरचित । मूलमात्र ६—०
२१७३ **धर्मसिन्धुः** । हिन्दी टीका सहित १२—०
२१७४ **धर्मविज्ञान** । स्वामी विवेकानन्द । हिन्दी १—१०
२१७५ **धर्मविज्ञान** । १-३ भाग स्वामी दयानन्दकृत । हिन्दी १३—०
२१७६ **धर्मादर्श** (नूतन मतमतान्तर पर्यालोचक निबन्ध) पंडितोपाह्व केशवसूनु देवकृष्णशर्मा विरचित । श्रीसंतोजी महाराज संपादित २०—०
२१७७ **धर्मानुबन्धिश्लोकचतुर्दशी** । शेषकृष्ण विरचित, रामपण्डित प्रणीत व्याख्या सहित ०—८
२१७८ **धार्मिकविमर्शसमुच्चयः** । विद्याशंकर भारती प्रणीत ३—८
२१७९ **नवरात्रप्रदीपः** । नन्दपण्डित कृत १—०
२१८० **नारदीयमनुसंहिता** । भवस्वामि प्रणीत भाष्य सहित २—८
२१८१ **नित्याचारपद्धति** । विद्याकर वाजपेयी विरचिता ५—४
२१८२ **नित्याचारप्रदीपः** । नृसिंह वाजपेयी विरचित १२—१२
२१८३ **निधिप्रदीपः** । सिद्ध श्रीकण्ठशंभु प्रणीत ०—५

२१८४ **नृसिंहप्रसादः** । दलपतिराज विरचितः । १–४ भाग ५—६
प्रायश्चित्तसारः १–१० श्राद्धसारः १–० व्यवहारसारः २–० तीर्थसारः ०—१२
२१८५ **निर्णयसिन्धुः** । कमलाकरभट्ट विरचितः । मूलमात्र । ६—०—०, ९—०
*२१८६ **निर्णयसिन्धुः** । कमलाकरभट्ट विरचितः । कृष्णभट्ट कृत विस्तृत संस्कृत व्याख्या सहितः २२—०
२१८७ **निर्णयसिन्धुः** । हिन्दी टीका सहित । उत्तम सजिल्द संस्करण १५—०
२१८८ **निर्णयसिन्धुः** । ज्वालाप्रसाद मिश्र कृत हिन्दी टीका सहित १६—०
२१८९ **निर्णयामृत** । मूलमात्र ३—८
२१९० **पश्वालम्भमीमांसा** । वामनशास्त्रि विरचिता १—०
२१९१ **पारमहंस्यधर्ममीमांसा** । सच्चिदानन्दतीर्थप्रणीत ०—९
२१९२ **पाराशरधर्मसंहिता** । सायणमाधवभाष्यसहित । सम्पूर्ण दुष्प्राप्य
२१९३ **पाराशरधर्मसंहिता** । सायण–माधवभाष्यसहित । प्रायश्चित्त–व्यवहारकाण्ड ९—०
२१९४ **पाराशरधर्मसंहिता** । सायणमाधवभाष्यसहिता । व्यवहारकाण्ड १–२ भाग ९—८
२१९५ **पाराशरस्मृतिः** । हिन्दी टीका सहित १—८
२१९६ **पुराणप्रश्नोत्तरमाला** । माधवाचार्यशास्त्रीलिखित ०—४
२१९७ **पुरुषार्थचिन्तामणिः** । विष्णुभट्ट प्रणीतः । मूलमात्र ४—०
२१९८ **प्रपञ्चसारविवेक** १—१२ | २१९९ **प्रायश्चित्तकदम्ब** । हिन्दीटीका सहित १—०
२२०० **प्रायश्चित्तनिर्णयः** ०—३॥ | २२०१ **प्रायश्चित्तप्रकरणम्** । भट्टभवदेवविरचितं...
२२०२ **प्रायश्चित्तप्रकाशः** । १—१२
२२०३ **प्रायश्चित्तेन्दुशेखरः** । नागोजीभट्टविरचित १—४
२२०४ **प्रायश्चित्तेन्दुशेखरः** । नागोजीभट्टप्रणीत तथा **कुण्डार्क**, केशवविरचित सव्याख्या २—८
२२०५ **बालम्भट्टी** । मिताक्षरा व्याख्या । आचाराध्याय १८—१२
२२०६ **बालम्भट्टी** । मिताक्षरा व्याख्या । प्रायश्चित्ताध्याय ११—४
२२०७ **बालम्भट्टी** । मिताक्षरा व्याख्या । व्यवहाराध्यायः १६—८
२२०८ **बृहस्पतिस्मृतिः** । रङ्गस्वामि संपादित १८—०
२२०९ **बृहद्योगियाज्ञवल्क्यस्मृति** । स्वामी कुवलयानन्द–रघुनाथशास्त्री संपादित । सटिप्पण १२—८
*२२१० **बौधायनधर्मसूत्रम्** । श्रीगोविन्दस्वामिप्रणीतविवरणसमेतम् ७—०
२२११ **ब्राह्मणोत्पत्तिमार्तण्डः** । हिन्दीटीका सहित ११—०
२२१२ **भीष्म का राजधर्म** । डा० श्यामलाल पाण्डेय ६—०
२२१३ **मदनमहार्णवः** । २४—०
२२१४ **मदनरत्नप्रदीपः** । मदनसिंह विरचित । व्यवहारकाण्ड १२—०

२२१५ **मनु का राजधर्म** । डा० श्यामलाल पाण्डेय ४—०
२२१६ **मनुटीकासंग्रहः** । समाप्त
२२१७ **मनुपादानुक्रमणी** । श्री भगवानदास-राजारामशास्त्री सम्पादित ०—१२
*२२१८ **मनुस्मृतिः** । सटिप्पण-कुल्लूकभट्टप्रणीत मन्वर्थमुक्तावल्या सहिता ६—०
२२१९ **मनुस्मृतिः** । मेधातिथिप्रणीतभाष्यसहित १३—०
*२२२० **मनुस्मृतिः** । श्रीहरगोविन्दशास्त्रीकृत 'मणिप्रभा' हिन्दी टीका, 'विमर्श' विस्तृतप्रस्तावना, विषयसूची, श्लोकानुक्रमणिका सहित । सजिल्द सुलभ संस्करण ४—० उत्तम संस्करण ५—०
*२२२१ **मनुस्मृतिः** । 'मणिप्रभा' हिन्दीटीका 'विमर्श' सहित १-४ अध्यायमात्र २—०
*२२२२ **मनुस्मृतिः** (द्वितीयोऽध्यायः) परीक्षोपयोगी सान्वय प्रकाशिका सुबोधिनी संस्कृत-हिन्दी टीका सहिता ०—१२
२२२३ **मांसतत्त्वविवेकः** । विश्वनाथन्यायपञ्चाननविरचितः ०—६
२२२४ **मातृकाविलासः** । ३—८
२२२५ **मानवधर्मसार** । डॉ० भगवानदास २—०
२२२६ **मानवार्षभाष्य** । इन्दिरारमणशास्त्री सम्पादित ३—८
२२२७ **मृतकश्राद्धसमीक्षा** । माधवाचार्यशास्त्री ०—४
२२२८ **मिथ्यार्थप्रकाशः** (सत्यार्थप्रकाश का खण्डन) ०—१५
२२२९ **मोक्षधर्मसारोद्धारः** । सव्याख्या ३—०
२२३० **यतिधर्मसंग्रहः** । विश्वेश्वरसरस्वतीप्रणीतः २—१२
*२२३१ **याज्ञवल्क्यस्मृतिः** । श्रीमन्मित्रमिश्रविरचिता 'वीरमित्रोदय' श्रीविज्ञानेश्वरकृत 'मिताक्षरा' टीकाद्वयसहिता । ८—०
*२२३२ **याज्ञवल्क्यस्मृतिः** । 'बालम्भट्टी' व्याख्यासमलंकृत मिताक्षरा टीका सहित । व्यवहाराध्यायः सम्पूर्णः १६—८
२२३३ **याज्ञवल्क्यस्मृतिः** । अपरार्क व्याख्या सहित । १-२ भाग १९—८
२२३४ **याज्ञवल्क्यस्मृतिः** । विश्वरूपाचार्य कृत बालक्रीडा व्याख्या सहित प्रायश्चित्ताध्याय मात्र २—८
२२३५ **याज्ञवल्क्यस्मृतिः** । मिताक्षरानुसारी हिन्दी टीका सहित १२—०
२२३६ **राजधर्मकौस्तुभः** । अनन्तदेव विरचित १५—०
२२३७ **राजनीतिरत्नाकरः** । चण्डेश्वर विरचित ५—०
२२३८ **लेक्चर्स आन धर्मशास्त्र** (संस्कृत) म० म० श्रीधर शास्त्री पाठक कृत १—८
२२३९ **लेखबद्धशास्त्रार्थ** । माधवाचार्यशास्त्री ०—१२
*२२४० **वसन्तोत्सवनिर्णयः** । पण्डित सूर्यनारायणशुक्लकृत ०—२

२२४१ **वर्षक्रियाकौमुदी** । गोविन्दानन्दकविकङ्कणाचार्य प्रणीता ५—४
२२४२ **वशिष्ठधर्मशास्त्रम्** । १—०
२२४३ **विधानपारिजातः** । अनन्तभट्ट विरचित । ३ वाल्युम में ४०—०
२२४४ **विधानमाला** । नृसिंहभट्ट विरचितः ६—४
२२४५ **विवादचिन्तामणिः** । वाचस्पतिमिश्र विरचित २—८
२२४६ **विवादरत्नाकरः** । चण्डेश्वरठक्कुरप्रणीतः समाप्त
२२४७ **विवादार्णवसेतुः** । ४—८
*२२४८ **वीरमित्रोदयः** । महामहोपाध्याय श्री मित्रमिश्र विरचितः–

परिभाषाप्रकाशः संस्कारप्रकाशश्च १६—८

आह्निकप्रकाशः	६—०	व्यवहारप्रकाशः	६—०
पूजाप्रकाशः	६—०	श्राद्धप्रकाशः	६—०
लक्षणप्रकाशः	१०—८	समयप्रकाशः	४—८
राजनीतिप्रकाशः	७—८	भक्तिप्रकाशः	३—०
तीर्थप्रकाशः	६—०	शुद्धिप्रकाशः	४—८

संपूर्ण १-१२ प्रकाशाः ८५—८

२२४९ **वृद्धसूर्यारुणकर्मविपाकः** । यन्त्रस्थ
२२५० **वेदतत्त्वप्रकाश (जातिनिर्णय)** शिवशंकर रचित हिन्दी टीका सहित ४—०
२२५१ **व्यवहारनिर्णयः** । वरदराजकृत ३०—०
२२५२ **व्यवहारमाला** । १—८
२२५३ **व्यवहारमातृका** । जीमूतवाहन कृता यन्त्रस्थ
२२५४ **व्रतकोशः** । जगन्नाथशास्त्री विरचितः २—०
२२५५ **व्रतराजः** । हिन्दी टीका सहित १६—०
२२५६ **व्रतार्कः** । हिन्दी टीका सहित ८—०
*२२५७ **व्रात्यताप्रायश्चित्तनिर्णयः (महान् लघुश्च) नागेशभट्टविरचितः** ।
अत्र कलौ उपनयनयोग्याः क्षत्रिया नैव सन्तीति विवेचितम् ।
तथा **व्रात्यताशुद्धिसंग्रहः** । १—८
२२५८ **शान्तिसारः** । पत्रात्मक ३—८ | २२५९ **शास्त्रचन्द्रिका** । हिन्दी १—८
२२६० **शास्त्रतत्त्वविनिर्णयः** । नीलकण्ठ विरचित ५—०
२२६१ **शास्त्रार्थपञ्चकः** । माधवाचार्य २—०
२२६२ **शास्त्रार्थ राजधनवाद** । माधवाचार्य शास्त्री १—८
२२६३ **शाश्वतधर्मदीपिका** । ३—०
२२६४ **शिखासूत्र** । माधवाचार्य शास्त्री ०—१२

२२६५ **शुद्धिकौमुदी** । गोविन्दानन्दकविकङ्कणाचार्य विरचिता ३—१२
२२६६ **शूद्रकमलाकर** । संस्कृत मूल मराठी अनुवाद सहित ५—०
२२६७ **शूद्राचार्यशिरोमणिः** । शेषकृष्णविरचित १-२ भाग १—८
*२२६८ **श्राद्धकल्पलता** । श्री नन्दपण्डित कृता ४—८
२२६९ **श्राद्धक्रियाकौमुदी** । गोविन्दानन्दकविकङ्कणाचार्य विरचित ५—४
*२२७० **श्राद्धचन्द्रिका** । भारद्वाज दिवाकरभट्ट निर्मिता ३—०
२२७१ **श्राद्धविज्ञान** । माधवाचार्य शास्त्री ०—१२
*२२७२ **श्राद्धविवेक** । म० म० रुद्रधर विरचिता । विषमस्थल टिप्पणी तथा 'पार्वणश्राद्ध क्रियाबोधक चित्रपट' सहितः २—०
*२२७३ **षडशीतिः** । आदित्याचार्य प्रणीता । धर्माधिकारिनन्दपण्डित प्रणीत शुद्धिचन्द्रिका व्याख्या समलङ्कृता २—०
२२७४ **सत्यार्थप्रकाशः** । स्वामी दयानन्द कृतः २—०
२२७५ **सनातनधर्म** । माधवाचार्यशास्त्री ०—१२
२२७६ **सनातनधर्मदीपिका** । स्वामि दयानन्द विरचित ०—१२
२२७७ **सनातनधर्मोद्धारः** । २-४ भाग १२—०
२२७८ **सम्बन्धनिर्णयः** । गोपालन्यायपञ्चानन विरचित १—४
२२७९ **सरस्वतीविलासः** । प्रतापरुद्र कृतः । व्यवहारकाण्डः २—८
२२८० **सापिण्ड्यकल्पलतिका** । सदाशिवदेव (आपदेव) प्रणीत । नारायणदेव विरचित व्याख्या सहित ०—१०
२२८१ **सुबोधिनी** । मिताक्षरा व्याख्या । विश्वेश्वरभट्ट विरचित १०—४
२२८२ **स्मृतिकौस्तुभः** । अनन्तदेवभट्ट विरचित ५—०
२२८३ **स्मृतिचन्द्रिका** । देवणभट्टकृता । १-६ भाग १३—१२
२२८४ **स्मृतिचिन्तामणि** । हरिदास सिद्धान्त वागीश सम्पादित । बंगला ४—०
२२८५ **स्मृतितत्त्वम्** (अष्टाविंशतिस्मृतिसंग्रह) रघुनन्दनभट्टाचार्य विरचित १५—०
२२८६ **स्मृतिप्रकाशः** । वासुदेवरथ विरचितः । प्रथमखण्डः ०—१२
२२८७ **स्मृतिमुक्ताफल** । वैद्यनाथदीक्षित विरचित १-६ खण्ड (१-३ भाग में) ५५—०
*२२८८ **स्मृतिसारोद्धारः** । विद्वद्वर श्री विश्वम्भरत्रिपाठि सङ्कलित ६—०
२२८९ **स्मृतीनां समुच्चयः** । सप्तविंशतिस्मृतिसंग्रह ७—८
२२९० **स्मृत्यर्थसागरः** । २—८
२२९१ **स्मृत्यर्थसारः** । श्रीधराचार्य विरचितः २—८
२२९२ **हारलता** । अनिरुद्धभट्टविरचिता २—४
२२९३ **हिन्दीशब्दानुशासन** । माधवाचार्यशास्त्री १—८

२२९४ हिन्दूधर्म। स्वामी विवेकानन्द। हिन्दी १—८
*२२९५ हिन्दू संस्कार (सामाजिक तथा धार्मिक अध्ययन)
डा० राजबली पाण्डेय १५—०
२२९६ हैदराबाद के चार शास्त्रार्थ। माधवाचार्य शास्त्री ०—१२

मयूख-ग्रन्थाः

२२९७ आचारमयूख। नीलकण्ठभट्ट विरचितः १—४
२२९८ उत्सर्गमयूख " ०—४
२२९९ दानमयूख " २—०
२३०० नीतिमयूख " १—८
२३०१ प्रतिष्ठामयूख " समाप्त
२३०२ प्रायश्चित्तमयूख " २—०
२३०३ व्यवहारमयूख। नीलकण्ठभट्ट विरचित १—८
२३०४ व्यवहारमयूखकाणेसंपादित १०—०
२३०५ शान्तिमयूख। नीलकण्ठभट्ट २—८
२३०६ शुद्धिमयूख " १—०
२३०७ श्राद्धमयूख " १—८
२३०८ संस्कारमयूख " १—८
२३०९ समयमयूख " २—०

स्तोत्र-ग्रन्थाः

*२३१० अन्नपूर्णास्तोत्रम्। ०—२
२३११ अन्नपूर्णासहस्रनामस्तोत्रम्। नामावली सहित ०—६
*२३१२ अपराजितास्तोत्रम्। ०—२
२३१३ अर्धनारीश्वरस्तोत्रम्। ०—४
२३१४ अष्टोत्तरशतनामस्तोत्रम्। नामावली सहित ०—३
*२३१५ आदित्यहृदयस्तोत्रम्। नवग्रह सहित ०—१॥
२३१६ आञ्जनेयसहस्रनामस्तोत्रम् नामावली सहित ०—६
*२३१७ आलवंदारस्तोत्रम् ०—१
२३१८ इन्द्राक्षिस्तोत्रम्। शिवकवच सहित ०—४
*२३१९ ऋणमोचनमङ्गलस्तोत्रं ०—१
२३२० कंठाभरणस्तोत्रम्। हिन्दी टीका सहित ०—५
२३२१ ककारादिकालीसहस्रनाम ०—४
२३२२ ककारादिकृष्णसहस्रनाम १—०
२३२३ कनकधारास्तवः। ०—३
२३२४ कर्पूरस्तवराजस्तोत्रम्। ०—६
२३२५ कार्तवीर्यस्तोत्रम्। ०—८
२३२६ कालिकासहस्रनाम। ०—८
२३२७ कालिकासहस्रनामस्तोत्रम्। नामावली सहित ०—६
*२३२८ कालीकवचम्। कालीताराध्यानसहितम् ०—१॥
२३२९ कुञ्जिकास्तोत्रम्। ०—३
२३३० कृष्णपंचाष्टोत्तरस्तोत्रम्। ०—५
*२३३१ गङ्गालहरी। मूल ०—२॥
*२३३२ गङ्गालहरी। पीयूषलहरी व्याख्या सहिता ०—७

२३८४ प्रातःस्मरणम् । ०-२
*२३८५ बगलामुखीस्तोत्रम् । ०-२
२३८६ बटुकभैरवसहस्रनाम । नामावली सहित ०-६
*२३८७ बटुकभैरवस्तोत्रम् । अनुष्ठानविधि सहितम् ०-१॥
२३८८ बलभद्राष्टकम् । ०-१
२३८९ बालासहस्रनाम । नामावली ०-६
२३९० बृहत्स्तोत्ररत्नहारः (४७६ स्तोत्र) गुटका ६-०
२३९१ बृहत्स्तोत्ररत्नाकरः । गुटका प्रथमभाग ३-० द्वितीयभाग ३-०
२३९२ ब्रह्मज्ञानावली । शङ्कराचार्य ०-१
२३९३ भजगोविन्दस्तोत्रम् । ०-२
२३९४ भजगोविन्दस्तोत्र । हिन्दी-पद्यानुवाद चक्रवर्ती राजगोपालाचार्य कृत हिन्दी समालोचना सहित १-०
२३९५ भवानीसहस्रनाम । भवानी स्तोत्र । भुवनेश्वरी स्तोत्र ०-६
२३९६ भवानीसहस्रनाम । नामावली ०-६
२३९७ भुजङ्गस्तोत्राणि । ०-५
२३९८ मकरन्दस्तवराजस्तोत्रम् । ०-२
२३९९ मङ्गलागौरीस्तोत्रम् । हिन्दी टीका सहित ०-२
२४०० मंत्रमातृकापुष्पमालास्तव ०-३
*२४०१ मयूरशतकम् अथवा सूर्यशतकम् । सव्याख्या ०-१४
२४०२ महाकालशनि-मृत्युञ्जयस्तोत्र-शीतलाष्टकस्तोत्र । ०-४
२४०३ महाकालसहस्रनामस्तोत्रं । ०-४
२४०४ महाकालीशतनामस्तोत्रं । ०-१
*२४०५ महामृत्युञ्जयपञ्चाङ्गम् ०-१०
*२४०६ महालक्ष्मीस्तोत्रं । महालक्ष्म्यष्टक-अम्बाष्टक द्वयोपेतं ०-१॥
*२४०७ महाविद्यास्तोत्रम् । ०-१॥
*२४०८ महिम्नस्तोत्रं-शिवताण्डवस्तोत्रञ्च । मूल ०-२
*२४०९ महिम्नस्तोत्रं । मधुसूदनी संस्कृत टीका सहित ०-८
*२४१० महिम्नस्तोत्रम् । इन्दुनामक हिन्दी टीका सहितं ०-२
*२४११ महिम्नस्तोत्रम् (सप्तटीकासहितम्) १-८
२४१२ महोग्रताराकवचम् । ०-८
*२४१३ मृतसञ्जीविनीजपविधि । मृत्युञ्जयजपस्तोत्रादियुत ०-२॥
*२४१४ मृत्युञ्जयमानसिकपूजनं ०-१
२४१५ यमुनाष्टकः । संस्कृत-हिन्दी टीका-सहित ०-२
२४१६ रत्नसमुच्चयः । ०-६
२४१७ रामपञ्चशती । रामपारशव प्रणीता । रामकृत व्याख्या नीलकंठशर्मा कृत टिप्पणी सहिता । ५-०
२४१८ रामपट्टाभिषेकः । ०-५
२४१९ रामपादयुगलीस्तव । लक्ष्मणशास्त्री विरचित १-०
*२४२० रामनामसहस्रनामस्तोत्रं ०-२
*२४२१ रामरक्षास्तोत्रम् । ०-१॥
२४२२ रामसहस्रनाम । नामावली ०-६
२४२३ रामस्तवराजस्तोत्रम् । ०-२
२४२४ रुद्रत्रिशती । ०-३
२४२५ रेणुकासहस्रनाम । कवचसहित ०-३

*२४६८ **सिद्धसरस्वतीस्तोत्रम्** । (गणेशस्तवराजस्तोत्रं, सरस्वतीस्तोत्रं, सरस्वत्यष्टकम् , सरस्वतीकवचम् , देव्यपराधक्षमापनस्तोत्रं, कालभैरवाष्टकम्) प्रत्यक्षफलोपयोगी ०–२

२४६९ **सीतासहस्रनाम**। नामावली ०–६

२४७० **सुब्रह्मण्यसहस्रनाम**। " ०–७

२४७१ **सूर्यसहस्रनामावली** । ०–८

२४७२ **सूर्यस्तवराजादिअष्टस्तोत्रं** । ०–२

*२४७३ **सूर्यादिद्वादशस्तवीस्तोत्रं** अन्नपूर्णादिस्तोत्रसहितं ०–२॥

२४७४ **सौन्दर्यलहरी** । मूलमात्र ०–३

२४७५ **सौन्दर्यलहरी** । लक्ष्मीधर व्याख्या भावनोपनिषद् भास्करराय भाष्य सहित ३–१२

२४७६ **सौन्दर्यलहरी** । स्वामिविष्णुतीर्थकृत हिन्दी अनुवाद श्री विद्यातत्त्व कुण्डलिनी रहस्य सहित ५–०

२४७७ **स्तवमाला** । रूपदेव विरचिता । जीवदेव प्रणीत भाष्य सहित ३–०

२४७८ **स्तुतिकुसुमाञ्जलिः** । सान्वय हिन्दी टीका सहित १०–०

२४७९ **स्तुतिमणिमाला** । शंकरशास्त्रिगल विरचित २–४

२४८० **स्तोत्रत्रयी** । हिन्दी टीका ०–२

२४८१ **स्तोत्ररत्नमाला** । हिन्दी टीका ३–८

२४८२ **स्तोत्ररत्नमाला** । मूल १–१२

२४८३ **स्तोत्ररत्नावली** । हिन्दी टीका ०–८

२४८४ **हरिद्वादशाक्षरीस्तोत्रम्** । लक्ष्मणशास्त्री प्रणीत १–०

२४८५ **हरिमीडेस्तोत्रम्** । ०–२

व्रत–कथा–ग्रन्थाः

२४८६ **अक्षयनवमीव्रतकथा** । हिन्दी टीका सहित ०–२

२४८७ **अनन्तव्रतकथा** । हिन्दी टीका ०–८

२४८८ **ऋषिपञ्चमीव्रतकथा** । " ०–८

२४८९ **करवाचतुर्थीव्रतकथा** । " ०–१॥

२४९० **कार्तिकशुक्लरविषष्ठीव्रतकथा** ०–१॥

*२४९०(क) **कृष्णजन्माष्टमीव्रतपूजाकथा** । जन्मरहस्यसहित ०–५

२४९१ **कृष्णजन्माष्टमीकथा** । हिन्दी टीका सहित ०–४

२४९२ **गणेशचतुर्थीव्रतकथा** । माघमास । हिन्दी टीका सहित ०–२

२४९३ **गणेशचतुर्थीव्रतकथा** । भाद्रमास । हिन्दी टीका सहित ०–२

२४९४ **चन्दनषष्ठी–सूर्यषष्ठीकथा** । हिन्दी टीका सहित ०–४

२४९५ **चान्द्रायणव्रतकथा** । हिन्दी टीका सहित ०–४

२४९६ **चित्रगुप्तकथा** । हिन्दी टीका ०–२

२४९७ **चित्रगुप्तयमद्वितीयाव्रतकथा** । पूजनविधिसहित हिन्दी टीका ०–६

२४९८ **जीवितपुत्रिकाव्रतकथा** । हिन्दी टीका सहित ०–२॥

*२४९८(क) **बहुलाव्रतकथा** । ०–३

२४९९ **बहुलाव्रतकथा** । हिन्दी टीका ०–३

२५०० **बुद्धाष्टमीव्रतकथा** । हिंदीटीका ०–५

२५०१ **भीष्मपञ्चकव्रतप्रयोगः** । ०–४

२५०२ **भुवनेश्वरी कथा** । मूलश्लोक–गुजराती भाषान्तर सहित २–८

२५०३ **मङ्गलागौरीव्रतकथा।** हिन्दी टीका सहित ०-४
२५०४ **महालक्ष्मीव्रतकथा।** हिन्दी टीका सहित ०-४
२५०५ **मुक्ताभरणसन्तानसप्तमीकथा** हिन्दी टीका सहित ०-४
२५०६ **यमद्वितीयाकथा।** ०-३
२५०७ **रविषष्ठीव्रतकथा।** हिन्दीटीका ०-२
२५०८ **रामनवमीव्रतकथा।** ०-३
२५०९ **वटसावित्रीकथा।** ०-६
२५१० **वामनद्वादशीव्रतकथा।** हिन्दी टीका सहित ०-३
२५११ **व्यतिपातव्रतकथा।** हिन्दी टीका सहित ०-४
२५१२ **व्रतरत्नाकर।** प्रथम भाग २-०
२५१३ **व्रतराज।** हिन्दीटीका सहित १६-०
२५१४ **व्रतार्कः।** हिन्दीटीका सहित ८-०
२५१५ **व्रतोत्सवकौमुदी।** ०-१२
२५१६ **शनिप्रदोष-पक्षप्रदोषव्रतकथा** हिन्दी टीका सहित ०-४
२५१७ **शिवरात्रिव्रतकथा।** हिन्दी टीका सहित ०-१२
२५१८ **सङ्कटगणेशचतुर्थीव्रतकथा** हिन्दी टीका सहित १-४
२५१९ **सत्यनारायणइतिहाससमुच्चयः** हिन्दीटीका सहित ०-१०, १-०
२५२० **सत्यनारायणपूजाकथा** मूलमात्र ०-४
२५२१ **सत्यनारायणव्रतकथा।** सप्ताध्यायी। हिन्दी टीका ०-८
२५२२ **सत्यनारायणव्रतकथा।** हिन्दी टीका सहित। सचित्र ०-१०
२५२३ **सावित्रीव्रतकथा।** हिन्दीटीका ०-६
२५२४ **सोमवती अमावस्याकथा।** हिन्दी टीका ०-८
२५२५ **सोमवारीव्रतकथा।** हिंदीटीका ०-८
२५२६ **हलषष्ठीव्रतकथा।** हिंदीटीका ०-२
२५२७ **हरितालिकाव्रतकथा।** हिन्दी टीका सहित ०-४
२५२८ **होलिकाकथा।** हिन्दी टीका ०-३

माहात्म्य-ग्रन्थाः

२५२९ **अयोध्यामाहात्म्यम्।** रुद्रयामलतन्त्रान्तर्गत १-८
२५३० **अर्बुदमाहात्म्यसारः।** स्कन्द पुराणान्तर्गत। हिन्दी टीका ०-१०
२५३१ **अवन्तीक्षेत्र-उज्जैन-माहात्म्यम्** स्कन्दपुराणान्तर्गत ७-०
२५३२ **उत्तरकाशीमाहात्म्यम्।** ०-५
२५३३ **एकादशीमाहात्म्यं।** हिन्दी टीका सहित पत्रात्मक ३-०
२५३४ **कार्तिकमाहात्म्यं।** हिन्दी टीका सहित। बंबई ३-०, काशी १-८
२५३५ **कार्तिकमाहात्म्यं** (पद्मपुराणान्तर्गत) ३५ अध्याययुक्त। हिन्दीटीका सहित ४-१०
२५३६ **काशीकेदारमाहात्म्यम्।** हिन्दी टीका सहित ३-०
२५३७ **काशीपुरीमाहात्म्य।** पञ्चक्रोशी माहात्म्य ०-७

२५३८ काशीयात्रा। हिन्दी ०–१४
२५३९ कुरुक्षेत्रमाहात्म्यम्। ०–३
२५४० कोकिलामाहात्म्यम्। १–४
२५४१ गयामाहात्म्य गयापद्धति सहित। हिन्दी टीकायुक्त १–१२
२५४२ गोदावरीमाहात्म्य। गौतमी माहात्म्य ३–८
२५४३ चातुर्मासमाहात्म्यम्। १–८
२५४४ जगन्नाथमाहात्म्य पुरुषोत्तम माहात्म्य। बड़ा २–८
२५४५ ज्येष्ठमाहात्म्यं। हिन्दी टीका २–०
२५४६ डाकोरमाहात्म्यम्। हिन्दी टीका सहित १–१२
२५४७ तुलसीमाहात्म्यम्। ०–२
२५४८ देवालयग्राममाहात्म्यम्। २–८
२५४९ द्वारकामाहात्म्यम्। बड़ा २–०
२५५० नेपालमाहात्म्यम्। स्कन्द पुराणान्तर्गत १–८
२५५१ पञ्चक्रोशीयात्रा। हिन्दी टीका ०–४
२५५२ पुरुषोत्तममासमाहात्म्यम्। हिन्दी टीका सहित ३–०
२५५३ पुरुषोत्तममासमाहात्म्यम्। (अधिकमास)। पद्मपुराणान्तर्गत। हिन्दीटीकासहित २–१२
२५५४ पौषमाहात्म्यम्। ०–१०
२५५५ प्रयागमाहात्म्यम्। ०–१२
२५५६ फाल्गुनमाहात्म्यम्। १–४
२५५७ बदरीनारायणमाहात्म्यम्। स्कन्दपुराणान्तर्गत। हिन्दी टीका सहित १–४
२५५८ बदरीनारायणमाहात्म्यम्। सनत्कुमारसंहितान्तर्गत हिन्दी टीका सहित १–४
२५५९ भगवन्नाममाहात्म्यसंग्रहः रघुनाथेन्द्रकृता सव्याख्या १–६
२५६० भाद्रपदमाहात्म्यम्। ०–१४
२५६१ माघमासमाहात्म्यम्। हिन्दी टीका सहित २–०
२५६२ मायापुरीमाहात्म्यम्। १–४
२५६३ मार्गशीर्षमाहात्म्यम्। हिन्दी टीका सहित ३–०
२५६४ मिथिलामाहात्म्यम्। ०–७
२५६५ यज्ञमाहात्म्यं। हिन्दी टीका ०–५
२५६६ रेवा (नर्मदा) खण्डः स्कन्दपुराणान्तर्गत ७–०
२५६७ वाराणसी(काशी)माहात्म्यं हिन्दी टीका सहित ०–१०
२५६८ विनायकमाहात्म्यम्। १–०
२५६९ वेंकटेश्वरमाहात्म्यम्। हिन्दी टीका सहित ४–८
२५७० वैद्यनाथमाहात्म्यम्। हिन्दी टीका सहित २–१०
२५७१ वैशाखमासमाहात्म्यम्। हिन्दी टीका सहित २–०
२५७२ शिवरात्रिमाहात्म्यम्। हिन्दी टीका सहित ०–१२
२५७३ श्रावणमासमाहात्म्यम्। हिन्दी टीका सहित ४–०
२५७४ सेतुमाहात्म्यम्। ३–८

तन्त्रादि आगम-ग्रन्थाः

२५७५ अत्रिसंहिता । ८—०
२५७६ अनादि गुरु मंत्र गायत्री । ०—६
२५७७ अनिरुद्धसंहिता (पाञ्चरात्रागमे दिव्यसंहितान्तर्गता) आसूरि श्रीनिवासय्यंगार्यैः संस्कृता ६—४
२५७८ अनुष्ठानप्रकाशः । चतुर्थीलाल विरचित १२—०
२५७९ अष्टसिद्धिः । हिन्दी टीका सहित १—६
२५८० अहिर्बुध्न्यसंहिता । १-२ भाग । जीर्ण ३०—०
२५८१ आगमशास्त्रम् । गौडपादीयम् । विधुशेखर भट्टाचार्य संपादित ८—८
२५८२ आनन्दलहरी । हिन्दी टीका व विस्तृत व्याख्या सहित १—४
२५८३ आनन्दलहरी (Wave of Bliss) श्रीमच्छंकरभगवत्पाद विरचिता । कैवल्याश्रम विरचितया सौभाग्यवर्धनी संस्कृत टीका सहिता । आर्थर एवलन संपादिता ३—०
२५८४ आरति-माला । ०—६
२५८५ आर्यमञ्जुश्रीमूलकल्प । २-३ भाग मात्र ६—४
२५८६ आश्चर्ययोगमाला । ०—७
२५८७ आह्निकपद्धतिः । नव्यचण्डीदास कृत १—०
२५८८ इन्द्रजाल (बृहत्) अर्थात् कौतुकरत्नभाण्डागार । हिन्दी ४—०
२५८९ इन्द्रजालविद्यासंग्रहः (इन्द्रजालविद्या-कामरत्न दत्तात्रयसंहिता षट्कर्मदीपिका-सिद्धनागार्जुन-कक्षपुटम्) ३—१२
२५९० ईशानशिवगुरुदेवपद्धति । ३-४ भाग मात्र ८—०
२५९१ ईश्वरप्रत्यभिज्ञाविमर्शिनी । उत्पलदेवाचार्यकृत । अभिनवगुप्तकृत व्याख्या सहित । १-२ भाग ७—०
२५९२ ईश्वरप्रत्यभिज्ञाविवृत्तिविमर्शिनी । अभिनवगुप्त कृत । १-३ भाग ८—०
२५९३ ईश्वरसंहिता । ९—६
२५९४ उच्छिष्टगणपतिपञ्चाङ्गम् । उच्छिष्टचण्डालिन्युपासना सहित १—१२
२५९५ उड्डामरेश्वरतन्त्रम् । मूलमात्र १—१२
२५९६ उड्डीशतन्त्रम् । रावण विरचित । हिन्दी टीका सहित ०—१२
२५९७ उपदेशमुक्तावली । रहस्य भरा भजनों का संग्रह १-२ भाग ६—८
२५९८ ओंकारमहिमाप्रकाशः । १—८
*२५९९ कर्पूरस्तवः । श्रीमहाकालप्रणीतः । सटीक यन्त्रस्थ
२६०० कर्पूरादिस्तोत्रम् । विमलानन्द स्वामी कृत आनन्ददायिनी-सुबोधिनी व्याख्याद्वय सहित । आर्थर एवेलन संपादित ४—०

२६३५ **गायत्रीपञ्चाङ्ग**। मूलमात्र **२—४** | २६३६ **गायत्रीपुरश्चरणम्**। मूलमात्र ०—३
२६३७ **गायत्रीपुरश्चरणपद्धतिः**। शंकराचार्य विरचिता। सटीक २—४
*२६३८ गायत्रीपूजापद्धतिः। श्रीविभाकराचार्य संगृहीता ०—३
२६३९ **गायत्रीमहाविज्ञान**। श्रीरामशर्मा आचार्यकृत। १-३ भाग १०—८
२६४० **गायत्री यज्ञ विधान**। ३—८
२६४१ **गायत्रीयोग**। श्रीरामशर्मा आचार्यकृत समाप्त
२६४२ **गायत्रीरहस्य**। श्रीरामशर्मा आचार्यकृत समाप्त
२६४३ **गायत्री विज्ञान**। श्रीरामशर्मा आचार्यकृत समाप्त
२६४४ **गायत्री शिक्षा (सचित्र)** २—० | २६४५ **गायत्री से बुद्धिविकास** ०—१॥
२६४६ **गायत्री से यज्ञ का सम्बन्ध** ०—१॥ | २६४७ **गायत्री** (सचित्र) ०—६
२६४८ **गायत्रीस्तोत्रनाम (गायत्रीसहस्रनामपाठ)** ०—६
२६४९ **गायत्रीहवनविधि**। ०—६
२६५० **गायत्री ही कामधेनु है**। श्रीरामशर्मा आचार्यकृत ०—६
२६५१ **गिलगितमैनुस्क्रुप्ट**। देवनागराक्षर। १-५ भाग। कश्मीर २०—८
२६५२ **गिलगितमैनुस्क्रुप्ट**। देवनागराक्षर। १-३ भाग। कलकत्ता ३०—०
२६५३ **गुप्तसाधनतन्त्रम्**। हिन्दी टीका सहित ०—१०
२६५४ **गुह्यसमाज**। गुह्यकतन्त्र। बौद्धतन्त्र यन्त्रस्थ
२६५५ **गौरीशङ्करगुटिका**। ३—०
२६५६ **चक्रपूजा**। शाक्तों की निशापूजा का विधान १—८
२६५७ **चक्रपूजा के स्तोत्र**। ०—६
२६५८ **चिद्गगनचन्द्रिका**। श्रीकालिदास कृत १—०
२६५९ **चौबीस गायत्री**। हिन्दी टीका सहित ०—८
२६६० **जन्ममरण विचार, अमरौघानुशासन, तन्त्रवटधानिका** १—४
२६६१ **जयाख्यसंहिता**। पाञ्चरात्र आगम १६—०
२६६२ **ज्ञानार्णवतन्त्र**। ईश्वरप्रोक्तम् २—०
२६६३ **डाकार्णवः**। बौद्धतन्त्र ६—४
२६६४ **तंत्रराजतंत्र**। उडरफ संपादित। अंग्रेजी ६—०
२६६५ **तन्त्रसमुच्चयः**। शङ्करकृतविमर्शिनी-नारायणशिष्यप्रणीत विवरणसहित। १-२ भाग ९—६
२६६६ **तन्त्रसारः**। अभिनवगुप्त कृत २—८
*२६६७ तन्त्रसारः। म० म० श्रीकृष्णानन्दवागीश भट्टाचार्य विरचितः २—०
२६६८ **तन्त्रसारसंग्रहः** (विषनारायणीयं) सव्याख्या। नारायणकृतः १५—४
२६६९ **तन्त्राभिधानम्**। बीजनिघण्टु-मुद्रानिघण्टुः २—०
२६७० **तन्त्रालोकः**। अभिनवगुप्तकृत। जयरथकृतव्याख्या सहित १-१२ भाग ३९—०

२६७१ **तन्त्राह्निकम्** । राजेमिश्र विरचित २—०
२६७२ **तारातन्त्रम्** १—० | २६७३ **तारापारिजातः** यन्त्रस्थ
२६७४ **ताराभक्तिसुधार्णवः** । म० म० ठक्कुर श्रीनृसिंह कृत ५—४
२६७५ **तारारहस्यम्** २—८
*२६७६ **त्रिपुरारहस्यम्** । **माहात्म्यखण्डम्** ७—०
२६७७ **त्रिपुरारहस्य-ज्ञानखण्डम्** । (१-२ खण्ड दुष्प्राप्य) **३-४** खण्ड मात्र १—१२
२६७८ **त्रिपुरारहस्य-ज्ञानखण्डम्** । हिन्दी अनुवाद १—८
२६७९ **त्रिपुरासारसमुच्चयतन्त्रम्** । १—८
२६८० **दक्षिणामूर्तिसंहिता** । ०—१३
२६८१ **दत्तात्रयतन्त्रम्** । हिन्दी टीका सहित ०—१२
२६८२ **दशाङ्गदुर्गा** । मूलमात्र । पत्रात्मक १—८
*२६८३ **दुर्गापञ्चाङ्गम्** । ०—१०
२६८४ **दुर्गाभक्तितरङ्गिणी** । विद्यापतिठाकुरविरचित । शारदीय दुर्गोत्सव विधान १—८
२६८५ **दुर्गासप्तशती** । मूलमात्र पत्रात्मक १—०—० सजिल्द १—८
२६८६ **दुर्गासप्तशती** । मूलमात्र । गुटका ६४ पेजी ०—१२
२६८७ **दुर्गासप्तशती** । मूलमात्र । गुटका ३२ पेजी । सजिल्द ०—१४
२६८८ **दुर्गासप्तशती** । स्थूलाक्षर । पत्रात्मक २—०
२६८९ **दुर्गासप्तशती** । तावीजी ०—१०
२६९० **दुर्गासप्तशती** । नागोजीभट्ट प्रणीत व्याख्या सहित । जीर्ण २—०
२६९१ **दुर्गासप्तशती** । हिन्दी टीका सहित । पत्राकार **२—१२—०** सजिल्द ३—०
२६९२ **दुर्गासप्तशती** । शब्दशः पद्यानुवाद ०—८
२६९३ **दुर्गासप्तशतीयन्त्र** ०—३ | २६९४ **दुर्गोपासनाकल्पद्रुमः** ११—०
२६९५ **देवीनामविलासः** । साहिबकौलकृत २—८
२६९६ **देवीमाहात्म्यम्** । नवाङ्गयुक्त १—८ | २६९७ **देवीरहस्यम्** । सपरिशिष्ट दुष्प्राप्य
२६९८ **देशोपदेशनर्ममाला** । क्षेमेन्द्रकृत १—८
२६९९ **धन्वन्तरितन्त्रशिक्षा** । हिन्दी टीका सहित २—८
२७०० **नरेश्वरपरीक्षा** । षड्ज्योतिकृत । रामकण्ठकृत व्याख्या सहित २—०
२७०१ **नित्याषोडशिकार्णवः** । वामकेश्वरतन्त्रान्तर्गतः । सव्याख्या ५—४
२७०२ **नित्योत्सवः** । उमानन्दनाथ विरचित ६—०
२७०३ **निधिप्रदीपः** । सिद्धश्रीकंठशंभू विरचित ०—५
२७०४ **निष्पन्नयोगावली** । अभयाकरगुप्त विरचित । बौद्धतन्त्र ७—०
२७०५ **नेत्रतन्त्रम्** । क्षेमराजकृत व्याख्या सहित । १-२ भाग ६—०
२७०६ **पञ्चमकार तथा भावत्रय** २—० | २७०७ **परमसंहिता** १०—०
२७०८ **परमार्थसारः** । अभिनवगुप्तकृत । योगिराजव्याख्या सहित २—८

२७०९ **परशुरामकल्पसूत्रम्** । रामेश्वर प्रणीत व्याख्या सहित २०—०
२७१० **परात्रिंशिका** । आगमशास्त्र । अभिनवगुप्तकृत व्याख्या सहित ३—६
२७११ **परात्रिंशिकातात्पर्यदीपिका** । १—०
२७१२ **परात्रिंशिकालघुवृत्तिः** । परात्रिंशिकाविवृति सहित १—०
२७१३ **पर्यान्तपञ्चाशिका** । अभिनवगुप्त विरचित १—४
२७१४ **पारमेश्वरसंहिता** (पाञ्चरात्रान्तर्गत) १५—०
२७१५ **पारानन्दसूत्रम्** । ३—८
२७१६ **पाशुपतसूत्रम्** । कौण्डिन्यप्रणीत पञ्चार्थभाष्य सहित २—८
२७१७ **पुरश्चरणदीपिका** । पुरश्चरणोपयोगी ०—५
२७१८ **पुरश्चर्यार्णवः** । १-३ भाग दुष्प्राप्य
*२७१९ **पुराणसंहिता** । श्रीमद्वेदव्यासविरचिता । आलमन्दारसंहिता-बृहत्सदाशिवसंहिता-सनत्कुमारसंहिता संवलिता ६—०
*२७२० **पूतनाशान्तिः** । शिशुतोषिणी हिन्दी टीका सहित ०—२
२७२१ **पौष्करसंहिता** । पञ्चरात्रआगम रत्नत्रयान्तर्गत ७—८
२७२२ **प्रत्यङ्गिरापञ्चाङ्गम्** । १—१२
२७२३ **प्रत्यभिज्ञाहृदयम्** । क्षेमराजकृत १—०
२७२४ **प्रपञ्चसारतन्त्रम्** । शङ्कराचार्यकृत । पद्मपादाचार्यकृत व्याख्या सहित ९—०
२७२५ **प्राणतोषिणीतन्त्रम्** १०—० | २७२६ **बगलातन्त्रम्** ०—८
२७२७ **वटुकभैरवोपासनाध्यायः** । ३—०
२७२८ **बृहत्सावरतंत्र** । शिवोक्त । सविधान हिन्दी टीका १—०
२७२९ **बृहद्ब्रह्मसंहिता** । नारदपञ्चरात्रान्तर्गत २—१२
२७३० **बृहन्नीलतन्त्रम्** । ३—०
२७३१ **बोधपञ्चदशिका-परमार्थचर्चा** । अभिनवगुप्त विरचित ०—८
२७३२ **ब्रह्मसंहिता** । श्रीजीवगोस्वामिकृत व्याख्या सहित तथा **विष्णुसहस्रनाम** शाङ्करभाष्यसहिता ३—०
२७३३ **मन्त्रमहार्णव** । पत्रात्मक ३४—०
२७३४ **मन्त्रमहोदधिः** । सव्याख्या । यन्त्रसहित । पत्रात्मक ९—०
२७३५ **मन्त्ररत्नमञ्जूषा** । त्रिविक्रमभट्टारकप्रणीत १—०
२७३६ **मंत्रविद्या** । २—४
२७३७ **मन्त्रसिद्धि का उपाय** । मन्त्र-साधना के लिए सद्गुरु-समान १—०
२७३८ **मरीचि संहिता** । ५—०
२७३९ **महात्रिपुरसुन्दरीपूजाकल्पः** । १—०
२७४० **महानयप्रकाशः** । राजानकशितिकण्ठकृत १—१२

२७४१ **महानयप्रकाश** । ०—१०
२७४२ **महानिर्वाणतंत्रम्** । पूर्वकाण्ड । सव्याख्या ५—०
२७४३ **महानिर्वाणतन्त्रम्** । (Great Liberation) हरिहरानन्द भारती कृत संस्कृत व्याख्या, आर्थर एवलन संपादितं ३०—०
२७४४ **महानिर्वाणतंत्रम्** । हिन्दी टीका सहितम् ८—८
*२७४५ **महामृत्युञ्जयपञ्चाङ्गम्** । ०—१०
२७४६ **महायक्षिणीसाधनम्** । हिन्दी टीका सहित १—१२
२७४७ **महारथमञ्जरी** । महेश्वरानन्दकृतस्वोपज्ञव्याख्यासहित १—१२
२७४८ **महालक्ष्मीपञ्चाङ्गम्** । ०—१४
२७४९ **महिम्नस्तोत्रम्** । (Greatness of Shiva)जगन्नाथचक्रवर्त्तिकृत संस्कृत टीका सहितम् । आर्थर एवलन संपादित ३—०
२७५० **मातृ-उपासना** । सात्विक भावों से पूर्ण मातृ-उपासना का रूप एवं माहात्म्य १—८
२७५१ **मातृकाभेदतन्त्र** । २—८
२७५२ **मातृकाविलास** । वंशीधर संगृहीत ३—८
२७५३ **मालिनीविजयतन्त्रम्** । आगमशास्त्र ३—८
२७५४ **मालिनीविजयवार्त्तिक** । अभिनवगुप्त कृत ३—०
*२७५५ **माहेश्वरतन्त्रम्** । अस्य माहेश्वरतन्त्रस्य मुद्रणं न कुत्रापि सञ्जातमित्यालोच्य एतत् तन्त्रशास्त्रं पाठभेदादियोजनपुरःसरं परमपुरुषोत्तमपादसरोजानुरागिणां तन्त्रशास्त्रोपासकानामुपकाराय सम्मुद्रापितं ४—८
२७५६ **माहेश्वरीतन्त्रम्** । हिन्दीटीका सहित ०—५
२७५७ **मुमुक्षुमार्गः** । १-३ भाग ६—०
२७५८ **मृगेन्द्रतन्त्रम्** । (विद्यापाद-योगपाद) नारायणकण्ठकृत व्याख्या सहित ३—०
२७५९ **मेरुतन्त्रम्** । मूलमात्र १२—० | २७६० **योगिनीतन्त्रम्** । मूलमात्र समाप्त
२७६१ **योगिनीतन्त्रम्** । हिन्दी टीका सहित ७—०
२७६२ **रत्नगोत्रविभागोमहायानोत्तरतन्त्रशास्त्रम्** । ८—०
२७६३ **रामार्चामाहात्म्यम्** । (कथा-पूजा) ०—१२
२७६४ **रुद्रयामलतन्त्रम्** । उत्तरभाग ३—१२
२७६५ **लल्लेश्वरीवाक्यानि** । राजानकभास्करकृत व्याख्या सहित ०—६
२७६६ **लोकप्रकाशः** । क्षेमेन्द्र कृत ०—८
२७६७ **लौगाक्षिगृह्यसूत्राणि** । देवपालकृतभाष्य सहित । १-२ भाग ५—८
२७६८ **वन्देमातरम्** । महामन्त्र 'वन्दे मातरम्' का रहस्य १—०
२७६९ **वरिवस्यारहस्यम्** । भासुरानन्दनाथकृत व्याख्या सहित १०—०
२७७० **वर्णबीजप्रकाश-कोशः** । ३—०

२७७१ **वातूलनाथसूत्राणि** । अनन्तशक्तिकृत वृत्ति सहित १—०
२७७२ **वामकेश्वरीमतविवरणम्** । जयरथकृत ०—८
२७७३ **वाममार्ग** । २—०
२७७४ **विज्ञानभैरवः** । क्षेमराज-शिवोपाध्याय-आनन्दभट्टकृत व्याख्या सहित २—८
२७७५ **विनयसुधा** । १—० | २७७६ **विपत्ति निवारिणी गायत्री** ०—६
२७७७ **विष्णुसंहिता** । ३—२
२७७८ **वेदशास्त्रों का निचोड़ गायत्री** । श्रीरामशर्मा आचार्यकृत ०—६
२७७९ **वैखानसागमः** । महिषी विरचित २—८
२७८० **वैदिकषट्चक्रनिरूपणम्** । प्रसादीलाल झा कृत २—०
२७८१ **शक्तिसङ्गमतन्त्रम्** । सुन्दरीखण्ड ५—०
२७८२ **शक्तिसाधन** । चौधरी संपादित १—०
२७८३ **शतचण्डीयज्ञविधानम्** । देवीप्रसादप्रणीत ८—०
२७८४ **शतचण्डी-विधानम्** । मण्डप, कुण्ड, होमद्रव्य आदि प्रयोगविधि सहित १—१२
२७८५ **शतरत्नसंग्रहः** । उमापति शिवाचार्य कृत २—४
२७८६ **शाक्तप्रमोदः** । दश-महाविद्या । मूलमात्र १४—०
२७८७ **शाण्डिल्यसंहिता** । १-२ भाग २—२
*२७८८ **शारदातिलकम्** । **श्रीमद्राघवभट्टकृत पदार्थादर्शटीका सहितम्** १२—०
२७८९ **शिवदृष्टिः** । सोमानन्दविरचित । उत्पलदेवकृत वृत्तिसहित २—८
२७९० **शिवसूत्रवार्त्तिकम्** । वरदराजकृत १—०
२७९१ **शिवसूत्रवार्त्तिकम्** । राजानकभास्करवृत्ति तथा स्पन्दवृत्ति कल्लटविरचित २—८
२७९२ **शिवसूत्रविमर्शिनी** । वसुगुप्तकृत । क्षेमराजव्याख्या सहित ३—०
२७९३ **शेषसमुच्चयः** । शङ्करप्रणीतः विमर्शिनीयुतः ५—०
२७९४ **शैवपरिभाषा** । शिवाग्रयोगीन्द्रकृता ३—८
२७९५ **श्यामारहस्यतन्त्रम्** । २—८
२७९६ **श्रीकालीनित्यार्चनम्** । अर्गला, कीलक, कवच आदि स्तोत्र सहित २—०
२७९७ **श्रीकालीस्तवमञ्जरी** । हिन्दी टीका सहित २—८
२७९८ **श्रीकालीस्वरूपतत्त्वम्** । भगवती आद्या के ध्यान का आध्यात्मिक रहस्य ०—६
२७९९ **श्री तत्त्वचिन्तामणिः** । पूर्णानन्द कृत यन्त्रस्थ
२८०० **श्री तत्त्वनिधिः** । कृष्णराज संगृहीत ७—०
२८०१ **श्रीतारास्तवमञ्जरी** । १—४
२८०२ **श्रीतारा-नित्यार्चनम्** । १—८ | २८०३ **श्रीतारास्वरूप-तत्त्वम्** १—०
२८०४ **श्रीपाञ्चरात्ररक्षा** । श्रीवेदान्तदेशिककृत १५—०
२८०५ **श्रीबगलानित्यार्चन** । १—०

अष्टादशमहापुराण-ग्रन्थाः

२८७१	**पुराणशब्दानुक्रमणिका** । १–३ भाग । डि. आर दीक्षितर सम्पादित	६३—०
२८७२	**ब्रह्मपुराणम् (६)** ।	दुष्प्राप्य
२८७३	**ब्रह्मवैवर्तपुराणम् (७)** मूलमात्र । सजिल्द १–२ भाग	१४—४
२८७४	**ब्रह्मवैवर्तपुराणम्** । सम्पूर्ण चारों खण्ड । पत्रात्मक	१८—०
२८७५	**ब्रह्मवैवर्तपुराणम्** । प्रकृति–गणेश–ब्रह्मखण्ड । पत्रात्मक	९—०
२८७६	**ब्रह्मवैवर्तपुराणम्** । कृष्णजन्म खण्ड । पत्रात्मक	९—०
२८७७	**ब्रह्माण्डपुराणम् (८)** मूलमात्र । पत्रात्मक	१४—०
२८७८	**ब्रह्मोत्तरखण्डम्** । मूलमात्र	समाप्त
२८७९	**ब्रह्मोत्तरखण्डम्** । हिन्दी टीका सहित	३—८
२८८०	**भविष्यपुराणम् (९)** ।	दुष्प्राप्य
२८८१	**मत्स्यपुराणम् (१०)** मूलमात्र । सजिल्द । जीर्ण । कलकत्ता	६—४
२८८२	**मत्स्यपुराणम्** । मूलमात्र । सजिल्द जीर्ण । पूना	९—०
२८८३	**मत्स्यपुराणम्** । मूलमात्र । पत्रात्मक	१४—०
२८८४	**मार्कण्डेयपुराणम् (११)** मूलमात्र । पुस्तकाकार जीर्ण	४—०
२८८५	**लघुभागवतामृतम्** । रूपगोस्वामि विरचित	४—०
२८८६	**ललितोपाख्यानम्** । ब्रह्माण्डपुराणान्तर्गत	३—८
२८८७	**लिङ्गपुराणम् (१२)** मूलमात्र । सजिल्द । जीर्ण	६—४
२८८८	**लिङ्गमहापुराणम्** । सव्याख्या । पत्रात्मक	१६—०
२८८९	**वामनपुराणम् (१३)** मूलमात्र । पत्रात्मक	६—०
२८९०	**वाराहपुराणम् (१४)** पत्रात्मक	१३—०
२८९१	**विष्णुधर्मोत्तरपुराणम्** । मूलमात्र । पत्रात्मक	१८—०
२८९२	**विष्णुपुराणम्** । सव्याख्या । पत्रात्मक	९—०
२८९३	**विष्णुपुराणम्** । हिन्दी टीका सहित	४—०
२८९४	**वैष्णवमहापुराणम् (१५)**	दुष्प्राप्य
२८९५	**शिवमहापुराणम् (१६)** मूलमात्र । पत्रात्मक	१८—०
२८९६	**शिवमहापुराणम्** । हिन्दी टीका सहित । पत्रात्मक	५०—०
२८९७	**शिवमहापुराणम्** । हिन्दी टीका सहित । १–२ भाग । सजिल्द	२८—०
२८९८	**श्रीभागवत चतुश्शती** (भागवतसंग्रह) शिवरामकृष्ण शास्त्री विरचित । सव्याख्या तृतीयादि दशमस्कन्ध	३—८
२८९९	**श्रीमद्भागवतम् (१७)** मूलमात्र । गुटिका ३—०—०,	४—०
२९००	**श्रीमद्भागवतम्** । मूलमात्र । गुटका, काशी	६—०
२९०१	**श्रीमद्भागवतम्** । मूलमात्र । स्थूलाक्षर । बड़ा साईज	६—०
२९०२	**श्रीमद्भागवतम्** । मूलमात्र–गुटका । बंबई	९—०

२९०३ **श्रीमद्भागवतम्** । मूलमात्र १-२ भाग । स्थूलाक्षर दक्षिणपाठ सहित १५—०
*२९०४ **श्रीमद्भागवतम्** । श्रीधरीटीका । हस्तलिखित २०० वर्ष की प्राचीन २००—०
२९०५ **श्रीमद्भागवतम्** । श्रीधरी संस्कृत व्याख्या सहित । पत्राकार । स्थूलाक्षर । अत्युत्तम बंबई संस्करण १००—०
२९०६ **श्रीमद्भागवतम्** । श्रीधरी व्याख्या सहित २४—०
२९०७ **श्रीमद्भागवतम्** । चूर्णिका व्याख्या सहित ३४—०
२९०८ **श्रीमद्भागवतम्** । शालिग्रामप्रणीत हिन्दीटीका ५०० दृष्टान्त युक्त ५५—०
२९०९ **श्रीमद्भागवतम्** । सामयिकी हिन्दी टीका सहित पत्रात्मक ३२—०
२९१० **श्रीमद्भागवतम्** । 'सरस्वती' भाषाटीका दृष्टान्त और 'प्रकाश' टिप्पणी से अलंकृत । श्रीकृष्णपूजन, भागवत हवनविधान, प्रत्येक अध्यायसार, प्रतिस्कन्ध श्रवण माहात्म्य आदि विषयों से विभूषित । सर्वोत्तम ३७—०
२९११ **श्रीमद्भागवतम्** । बालबोधिनी भाषा टीका सहित सजिल्द १-२ भाग १५—०
२९१२ **श्रीमद्भागवतम्** । सामयिकी हिन्दी टीका सहित सजिल्द १५—०
२९१३ **श्रीमद्भागवतम्** । प्रथम स्कन्ध । अन्वितार्थ प्रकाशिका व्याख्या सहित २—८
२९१४ **श्रीमद्भागवतम्** । दशमस्कन्ध । श्रीधरी संस्कृत व्याख्या सहित ८—०
२९१५ **श्रीमद्भागवतम्** । दशमस्कन्ध । अन्वितार्थ प्रकाशिका व्याख्या सहित ९—०
२९१६ **श्रीमद्भागवतम्** । एकादशस्कन्ध अन्वितार्थ प्रकाशिका व्याख्या सहित २—८
२९१७ **श्रीमद्भागवतम्** । दशमस्कन्ध । भागवतचन्द्रचन्द्रिकामुनिभावप्रकाशिका व्याख्या सहित १५—०
२९१८ **श्रीमद्भागवतम्** । दशमस्कन्ध भाषाटीका सहित पत्रात्मक १०—०
२९१९ **श्रीमद्भागवतम्** । एकादशस्कन्ध । श्रीधरी संस्कृत व्याख्यादि सहित ६—०
२९२० **श्रीमद्भागवतम्** । एकादशस्कन्ध । हिन्दी टीका सहित १-२ भाग ६—८
२९२१ **श्रीमद्भागवतम्** । एकादशस्कन्धः । चतुरदास विरचित । भाषा १—०
२९२२ **श्रीमद्भागवतानुक्रमणिका** । ४—०
२९२३ **स्कन्दमहापुराणम् (१८)** मूलमात्र । पत्रात्मक ३००—०
*२९२४ **हरिलीलामृतम्** । श्री बोपदेव प्रणीतं । श्री मधुसूदन सरस्वती टीका सहितं तत्प्रणीत परमहंसप्रियाव्याख्यायुतं श्रीमद्भागवतस्याऽद्य पद्यं च १—८

उपपुराणम्

२९२५ **आत्मपुराणम्** । शङ्करानन्दविरचित । व्याख्या सहित । पत्रात्मकम् २०—०
२९२६ **आदिपुराणम्** । हिन्दी टीका सहित ४—८
२९२७ **कल्किपुराणम्** । संस्कृत मूल भाषानुवाद सहित २—४

२९२८ **कल्किपुराणम्** । हिन्दी टीका सहित	४—०
२९२९ **केदारकल्पः** । रुद्रयामलान्तर्गत	३—८
२९३० **देवीभागवतम्** । मूलमात्र । गुटका	६—०
२९३१ **देवीभागवतम्** । नीलकंठी संस्कृत टीका सहित	दुष्प्राप्य
२९३२ **देवीभागवतम्** । हिन्दी टीका सहित । पत्रात्मक	४०—०
२९३३ **नृसिंहपुराणम्** । मूलमात्र । सजिल्द	३—०
२९३४ **पुराणदिग्दर्शनम्** । माधवाचार्य शास्त्री विरचित	७—०
२९३५ **महाभागवतम्** । देवीपुराण-देवीमाहात्म्य सहित	२—०
२९३६ **युगपुराणम्** । मनकड सम्पादित । मूलमात्र	२—०
२९३७ **वायुपुराणम्** । मूलमात्र । पत्रात्मक	१२—०
२९३८ **वायुपुराणम्** । व्यासविरचित । सजिल्द । मूलमात्र	समाप्त
२९३९ **साम्बपुराणम्** ।	समाप्त
२९४० **सौरपुराणम्** । द्वैपायन विरचित । मूलमात्र-सजिल्द	४—८

भाषा-पुराण

२९४१ **अष्टादशपुराणदर्पण** । भाषा	६—०
२९४२ **आत्मपुराण** । चिद्घनानन्द स्वामी कृत । भाषा	४०—०
२९४३ **आदिपुराण** । भाषा ३—४ | २९४४ **कल्किपुराण** । भाषा	१—४
२९४५ **काशीखण्ड** । भाषा १०—० | २९४६ **केदारखण्ड** । भाषा	९—०
२९४७ **देवीभागवत** । भाषा	२०—०
२९४८ **भागवत संग्रह** । चतुर्वेदी द्वारकाप्रसाद शर्मा संगृहीत । भाषा	०—१५
२९४९ **भागवतसुधासागर** । सम्पूर्ण भागवत का भाषानुवाद	८—८
२९५० **मत्स्यपुराण** । अनुवादक-रामप्रतापत्रिपाठी	२०—०
२९५१ **मार्कण्डेयपुराण**-भाषा । रहस्योद्घाटिनी टीका सहित १-३ भाग	४—८
२९५२ **वामनपुराण** । भाषा	९—०
२९५३ **वायुपुराण** । अनुवादक-रामप्रताप त्रिपाठी	१२—०
२९५४ **विष्णुपुराण** । भाषा	७—०
२९५५ **शिवपुराण** । भाषा सजिल्द	१४—०
२९५६ **शिवमहापुराण** । भाषावार्तिक	२८—०
२९५७ **हरिवंशम्** । भाषा सजिल्द	१६—०

भारतादि इतिहास-ग्रन्थाः

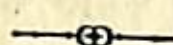
२९५८ **अग्निवेशरामायणम्** । हिन्दी टीका सहित	०—१०
२९५९ **अद्भुतरामायणम्** । मूलमात्र	१—४
२९६० **अद्भुतरामायणम्** । हिन्दी टीका सहित	२—१२
२९६१ **अध्यात्मरामायणम्** । मूलमात्र । गुटका	२—०
२९६२ **अध्यात्मरामायण** । हिन्दी टीका सहित	३—०
२९६३ **अध्यात्मरामायणम्** । सव्याख्या । पत्रात्मक	७—०
२९६४ **अध्यात्मरामायणम्** । नरोत्तम-रामवर्मा-गोपाल चक्रवर्ती प्रणीत व्याख्या त्रयोपेतं १-२ भाग	१५—०
२९६५ **अध्यात्मरामायण** । रामेश्वरभट्ट कृत हिन्दी टीका सहित । पत्रात्मक	१०—०
२९६६ **आनन्दरामायणम्** । मूलमात्र	१०—०
२९६७ **आनन्दरामायणम्** । हिन्दी टीका सहित । सजिल्द	१६—०
२९६८ **आर्षम् भारतम् वैयासिकम्** (दश-साहस्री संहिता) मूल वचनैः श्री गोविन्दनाथ गुह एम. ए. प्रोक्तम् (पूर्व-उत्तर भागः)	८—०
२९६९ **काशीतिहासः** । पं. भाऊशास्त्री वझे कृत	१—८
२९७० **गर्गसंहिता** । मूलमात्र । पत्रात्मक	११—०
२९७१ **गर्गसंहिता** । हिन्दी टीका सहित	२०—०
२९७२ **जैमिनीयाश्वमेधः** । मूलमात्र	४—४
२९७३ **जैमिनीयाश्वमेधः** । हिन्दी टीका सहित	११—०
२९७४ **धर्माकूतम्** । त्र्यम्बकराय मखिन कृत वाल्मीकीय रामायण बालकाण्डस्य व्याख्या	२—१२
२९७५ **धर्माकूतम्** । वाल्मीकिरामायण अरण्यकाण्डस्य व्याख्या	४—८
२९७६ **धर्माकूतम्** । वाल्मीकिरामायण सुन्दरकाण्डस्य व्याख्या	४—८
२९७७ **धर्माकूतम्** । वाल्मीकिरामायण अयोध्याकाण्डस्य व्याख्या	५—८
२९७८ **नचिकेता** । **(उपनिषत्सम्बन्धी उपाख्यान) मृत्युरहस्य**	०—१३
२९७९ **नासिकेतोपाख्यानम्** । मूलमात्र	०—९
२९८० **नासिकेतोपाख्यानम्** । हिन्दी टीका सहित	१—०
*२९८१ पुराणसंहिता—श्रीमद्वेदव्यास विरचिता । आळमन्दारसंहिता-बृहत्सदाशिवसंहिता-सनत्कुमारसंहिता संवलिता	६—०
२९८२ **भक्तमाल** । संस्कृत	५—०
२९८३ **भारतसंग्रहः** । लक्ष्मणसूरि विरचित	२—८
२९८४ **भारतसारः** । मूलमात्र	समाप्त
२९८५ **महाभारत** । मूलमात्र । १-१८ भाग गुटका । संपूर्ण	७५—०

२९८६ **महाभारतम्** । नीलकण्ठी संस्कृत टीका सहित । सजिल्द । संपूर्ण दुष्प्राप्य
२९८७ **महाभारतम्** । नीलकण्ठी संस्कृतव्याख्या सहितम् । पत्रात्मकम् । संपूर्ण ३००—०
२९८८ **महाभारतम्** । आदिपर्व की टीका-ज्ञानदीपिका । देवबोधकृत ४—०
२९८९ **महाभारतम्** । सभापर्व की टीका ज्ञानदीपिका । देवबोध कृत २—०
२९९० **महाभारतम्** । उद्योगपर्व । संस्कृत टीका पञ्चकोपेतम् १०—०
२९९१ **महाभारतम्** । उपद्योगपर्व की टीका । ज्ञानदीपिका । देवबोध कृत ४—०
२९९२ **महाभारतम्** । भीष्मपर्व की टीका । ज्ञानदीपिका । देवबोध कृत २—०
२९९३ **महाभारतम्** । विराटपर्व । अष्टटीकोपेतम् ५—०
२९९४ **महाभारतम्** । विराटपर्व हिन्दी टीका सहित ५—८
२९९५ **महाभारतम्** । उद्योगपर्व । हिन्दी टीका सहित १६—०
२९९६ **महाभारतम्** । आदिपर्व । सातवलेकर कृत हिन्दी टीका सहित ७—०
२९९७ **महाभारतम्** । सभापर्व । सातवलेकर कृत हिन्दी टीका सहित ३—८
२९९८ **महाभारतम्** । शान्तिपर्व पूर्वार्द्ध । सातवलेकर कृत हिन्दी टीका सहित १०—०
२९९९ **महाभारत कथा** । चक्रवर्ती राजगोपालाचार्य । सोमसुन्दरम् अनुवादित ५—०
३००० **महाभारत की समालोचना** १-२ भाग । सातवलेकर कृत १—८
३००१ **महाभारतानुक्रमणिका** ८—१२ | ३००२ **रामाश्वमेधः** । मूलमात्र ४—४
३००३ **रामाश्वमेधः** । हिन्दी टीका सहित ११—०
३००४ **लघुरामायणम्** । वाल्मीकीयम् । श्रीगोविन्दनाथगुह प्रोक्तम् ।
रेशमी जिल्द राज संस्करण ६—८—० सुलभ संस्करण ३—४

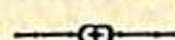
*३००५ **वाल्मीकिरामायणम्** । मूलमात्र गुटका । रामायण पूजाक्रम, स्मार्त, वैष्णव तथा माध्व संप्रदाय रामायण पठनोपक्रम, नवाह्नपरायण-क्रम, कुशलवगीतक्रम, गायत्रीरामायण, वेदोक्तराममन्त्र, राम-तारकषडक्षरमन्त्र, श्रीसीता-लक्ष्मण-भरत-शत्रुघ्न-आञ्जनेय मन्त्र, रामसाक्षात्कारप्रद मन्त्र, रामहृदय, रामायण माहात्म्य, राम-दर्शनादि विविध परिशिष्ट विभूषित ८—०

३००६ **वाल्मीकिरामायण** । मूलमात्र स्थूलाक्षर । १-३ भाग संपूर्ण । सजिल्द १५—०
३००७ **वाल्मीकिरामायणम्** । मूलमात्र । पत्रात्मक १७—०
३००८ **वाल्मीकिरामायणम्** । तिलक-रामायणशिरोमणि-भूषणेति व्याख्या त्रयोपेतम् १-७ भाग संपूर्ण सजिल्द ३६—०

बालकाण्ड	५—०	अयोध्याकाण्ड	७—०
अरण्यकाण्ड	४—०	किष्किन्धाकाण्ड	४—०
सुन्दरकाण्ड	५—०	युद्धकाण्ड	७—०
उत्तरकाण्ड	४—०		



भाषा इतिहास ग्रन्थाः



समालोचनात्मक इतिहास ग्रन्थाः

३१०० **भारतीय दर्शन** । चटर्जी दत्त । हिन्दी रूपकार-झा० मिश्र १०—०
३१०१ **भारतीयदर्शन** । बलदेव उपाध्याय ९—०
३१०२ **भारतीयदर्शन** । डा० उमेश मिश्र ८—०
३१०३ **भारतीयदर्शन की रूपरेखा** । डा० उमेश मिश्र १—०
३१०४ **भारतीय दर्शन परिचय** (न्याय-वैशेषिक) हरिमोहन झा । १-२ भाग २०—०
३१०५ **भारतीय दर्शन परिचय** । रामानन्द तिवारी ४—०
३१०६ **भारतीय दर्शन शास्त्र का इतिहास** । डा० देवराज तिवारी ६—८
३१०७ **भारतीय विचारधारा** । मधुकर २—०
३१०८ **भारतीय संस्कृति** । गोपालशास्त्री दर्शन केशरी १—८
३१०९ **भारतीय संस्कृति** । बलदेवप्रसाद मिश्र २—८
३११० **भारतीय संस्कृति** । शिवदत्त ज्ञानी ५—०
३१११ **भारतीय संस्कृति और अहिंसा** । (वेदपूर्वकाल से लेकर महात्मागाँधी तक) धर्मानन्दकोसाम्बी २—०
३११२ **भारतीय संस्कृति का उत्थान** । डा० रामजी उपाध्याय २—८
३११३ **भारतीय संस्कृति का विकास** । डा० मंगलदेव शास्त्री (प्रथम खण्ड वैदिक धारा) ७—०
३११४ **भारतीय समाज शास्त्र मूलाधार** । फतहसिंह ४—८
३११५ **भाषा विज्ञान** अथवा **तुलनात्मक भाषा शास्त्र** । डा० मङ्गलदेव कृत ६—०
३११६ **भाषा विज्ञान** । डा० श्यामसुन्दर दास ४—०
३११७ **भाषा विज्ञान** । भोलानाथ तिवारी ५—१२
३११८ **मध्यकालीन भारतीय संस्कृति** । डा० गौरीशंकर हीराचन्द ओझा ३—०
३११९ **मध्यदेश** । डा० धीरेन्द्र वर्मा ७—०
३१२० **विद्यापति-गीत-संग्रह** । डा० सुभद्रझा सम्पादित १०—०
*३१२१ विद्वद्विभूति । संस्कृत के चुने हुए उच्चकोटि के भारतीय तथा विदेशी विद्वानों का जीवन चरित १—४
३१२२ **वैदिक वाङ्मय का इतिहास** (वेदों की शाखाएँ) प्रथमभाग भगवद्दत्त १०—०
३१२३ **वैदिक वाङ्मय का इतिहास** (ब्राह्मण-आरण्यक) द्वितीयभाग भगवद्दत्त ७—८
३१२४ **वैदिक संस्कृति का विकास** । लक्ष्मणशास्त्री जोशी । मोरेश्वर दिनकर पराड़कर अनुवादित ५—०
३१२५ **वैदिक साहित्य और संस्कृति** । पं० बलदेव उपाध्याय ५—८
३१२६ **वैदिक साहित्य की रूपरेखा** । सत्यनारायण पाण्डेय-रसिकबिहारी जोशी ३—१२
३१२७ **वैदिक साहित्य चरित्रम्** । संस्कृत ३—०

३१२८ **शूद्रक** । चन्द्रवली पांडेय । ४—८
३१२९ **संस्कृत आलोचना** । बलदेव उपाध्याय ४—०
*३१३० **संस्कृत कवि दर्शन** । डा० भोलाशङ्कर व्यास । संस्कृत के महान चुने हुए २० कवियों पर गवेषणापूर्ण आलोचनात्मक निबन्ध ग्रन्थ ६—०
३१३१ **संस्कृत का भाषा शास्त्रीय अध्ययन** । भोलाशंकर व्यास ५—०
३१३२ **संस्कृत के विद्वान और पंडित** । रामचन्द्र मालवीय १—८
३१३३ **संस्कृत पठनपाठन की अनुभूत सरलतमविधि** । ब्रह्मदत्तजिज्ञासु ०—१२
३१३४ **संस्कृत वाङ्मय** । पं० बलदेव उपाध्याय १—४
*३१३५ **संस्कृत-वाङ्मय-परिचयः** । वेद से लेकर २० वीं सदी तक के संस्कृत साहित्य के ग्रन्थों का उद्गम काल, इतिहास, रचयिताओं के संक्षिप्त इतिवृत्त इस ग्रन्थ में दिये गये हैं। संस्कृत साहित्य में इस ढंग का यह बेजोड़ ग्रन्थ है १—८
३१३६ **संस्कृत साहित्य का इतिहास** । हंसराज अग्रवाल (हिन्दी) ४—१२
३१३७ **संस्कृत साहित्य का इतिहास** । विश्वनाथ भारद्वाजकृत (संस्कृत) २—०
३१३८ **संस्कृत साहित्य का इतिहास** । पं० बलदेव उपाध्याय ६—०
३१३९ **संस्कृत साहित्य का इतिहास** । वेदव्यास ४—०
३१४० **संस्कृत साहित्य का इतिहास** । सेठ कन्हैयालाल पोद्दार ४—०
३१४१ **संस्कृत साहित्य का इतिहास** । मूल लेखक-वी० वरदाचार्य । अनुवादक-डा० कपिलदेव द्विवेदी सजिल्द संस्करण ४—८
३१४२ **संस्कृत साहित्य का सुबोध इतिहास** । प्रो० रामविहारीलाल २—८
३१४३ **संस्कृत साहित्य का सुबोध इतिहास** । एस० के० गुप्त ४—८
३१४४ **संस्कृत साहित्य की रूप रेखा** । चन्द्रशेखर पाण्डेय समाप्त
३१४५ **संस्कृत साहित्य प्रवेश** । गौरी शंकर ०—८
३१४६ **संस्कृत साहित्येतिहास** (संस्कृत) हंसराज अग्रवाल १-२ भाग साधारण संस्करण १०—०—० राजसंस्करण १५—०
३१४७ **संस्कृति का दार्शनिक विवेचन** । देवराज ६—०
३१४८ **संस्कृत साहित्य विमर्शः** । द्विजेन्द्रनाथ शास्त्री विरचित १६—०
३१४९ **हिन्दी साहित्य का इतिहास** । रामचन्द्र शुक्ल ७—०
३१५० **हिन्दी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास** । रामकुमारवर्मा-त्रिलोकीनारायण २—०
३१५१ **हिन्दुस्तान की पुरानी सभ्यता** । डा० वेनीप्रसाद ८—०
३१५२ **हिन्दू सभ्यता** । डा० राधाकुमुद मुकर्जी। अनुवादक वासुदेवशास्त्री अग्र० ६—८

दृष्टान्त-ग्रन्थाः

३१५३ दृष्टान्तदीपक। २—०
३१५४ दृष्टान्तपचीसी। ०—४
३१५५ दृष्टान्तप्रकाश। १-२ भाग ५—०
३१५६ दृष्टान्तमञ्जरी। २—०
३१५७ दृष्टान्तमञ्जूषा। २—०
३१५८ दृष्टान्तमहासागर। २—०

ज्योतिष-ग्रन्थाः

३१५९ **अंगविज्जा**। पुव्वायरियविरइया [मणुस्सविविहचेट्ठाइणिरिक्खणदारेण। भविस्साइफलगाणविण्णाणरूवा] मुनिपुण्यविजय सम्पादित २१—०
३१६० **अखण्ड त्रिकालज्ञ ज्यौतिष** (सहायक भृगुसंहितापद्धति) अर्थात् ज्योतिषशास्त्र। भगवानदास मीतल ४—०
३१६१ **अखण्ड भाग्योदयदर्पण** (धनोपार्जन चमत्कार) भगवानदास मीतल ३—०
३१६२ **अध्यात्मज्योतिषविचार** (वेदान्त और योगशास्त्र का ज्योतिषशास्त्र में समन्वय) लेखक. ह.ने. कारवे. १०—०
३१६३ **अयनांशनिर्णयः**। केतकर रचित ०—८
३१६४ **अर्घमार्तण्ड**। (हिन्दी) तेजांमंदी का ग्रन्थ १०—०
*३१६५ **अहिबलचक्रम्**। सान्वय शिशुतोषिणी हिन्दी टीका सहित ०—४
३१६६ **आर्यभट्टीयम्**। नीलकण्ठ सोम सुत्वन प्रणीत भाष्यं सहित १-२ भाग ४—६
३१६७ **आर्यभटीयम्**। परमादीश्वराचार्य विरचित भटदीपिका व्याख्या सहितम्। डा० एच० कर्ण सम्पादित १८—०
३१६८ **आर्यासप्ततिः**। भट्टोत्पलाचार्य विरचित। आशुबोधिनी व्याख्या सम्वलिता ०—८
३१६९ **आशुबोधज्यौतिष**। ०—६
३१७० **उपपत्तीन्दुशेखरः**। (शिरोमणिपरिष्कार) १०—०
३१७१ **करणकुतूहलम्**। भास्कराचार्य विरचित। सव्याख्या १—४
३१७२ **करणकौस्तुभः**। कृष्णदैवज्ञ विरचितः ०—१२
३१७३ **करणपद्धतिः**। मूलमात्र ०—५
*३१७४ **करणप्रकाशः**। श्रीब्रह्मदेव विरचितः १—८
३१७५ **करणेन्दुशेखर**। ०—७
३१७६ **करलक्खण** (सामुद्रिक शास्त्र) हिन्दी अनुवाद सहित ०—१२
३१७७ **कर्मविपाकः** (वृद्धसूर्यारुण) समाप्त
३१७८ **कर्मविपाकः**। हिन्दी टीका सहित ४—०
३१७९ **कर्मविपाकसंहिता**। नक्षत्रचरणगत। हिन्दी टीका सहित ३—०
३१८० **कादम्बिनी**। मधुसूदनशर्मा ओझा विरचित। हिन्दी अनुवाद सहित ४—४
३१८१ **कुट्टाकारशिरोमणिः**। देवराजविरचित। महालक्ष्मीमुक्तावली व्याख्या सहित १—०

३१८२ **कुण्डलीदर्पण** । हिन्दी । अनूपमिश्र विरचित १—८
३१८३ **केतकी-ग्रहगणितम्** । केतकर विरचित १५—०
३१८४ **केवलज्ञानप्रश्नचूडामणिः** । हिन्दी टीका सहित ४—०
३१८५ **केरल-तत्त्वप्रश्नसंग्रह** । हिन्दी टीका सहित ०—१२
३१८६ **केरलप्रश्नसंग्रहः** । हिन्दी टीका सहित ०—८
३१८७ **केरलीयजातक** । हिन्दी ०—८
३१८८ **केरलीयप्रश्नरत्नम्** । हिन्दी टीका सहित २—०
३१८९ **केशवीयजातकपद्धतिः** । सोदाहरण सोपपत्तिक हिन्दी टीका सहित २—१२
३१९० **खण्डखाद्यक** । ब्रह्मगुप्ताचार्य प्रणीत । सटीक ३—८
*३१९१ **खेटकौतुकम्** । भावबोधिनी हिन्दी टीका सहितम् ०—३
३१९२ **गणकतरंगिणी** । श्रीसुधाकर द्विवेदिकृता १—१२
३१९३ **गणित का इतिहास** । सुधाकर द्विवेदिकृत २—८
*३१९४ **गणितकौमुदी-संपूर्ण** (गवर्नमेंट संस्कृत कालेज बनारस तथा बिहार की नवीन प्रथमा परीक्षा में पाठ्य स्वीकृत) २—०
*३१९५ **गणितकौमुदी** । प्रथम भाग । १—०, द्वितीय भाग १—०
३१९६ **गणितकौमुदी** । नारायण पण्डित विरचित । १-२ भाग (संस्कृत) ३—५
३१९७ **गणिततिलक** । श्रीपति विरचित । सिंहतिलक प्रणीत व्याख्या सहित ६—०
३१९८ **गर्गजातकः** । हिन्दी टीका सहित ०—५
३१९९ **गर्गमनोरमा** । सोदाहरण हिन्दी टीका सहित ०—३
३२०० **ग्रहनक्षत्र** । त्रिवेणीप्रसाद सिंह ४—४
३२०१ **गृहनिर्माणव्यवस्था** । हिन्दी टीका सहित ०—१०
३२०२ **गोलतत्त्वप्रकाशिका** । हिन्दी टीका सहित १—१२
३२०३ **गोलद्वयप्रश्नविमर्श** (मराठी) केतकर रचित १०—०
*३२०४ **गोलपरिभाषा** । शङ्कुज्याक्षेत्र विचार सहिता । तत्त्वप्रकाशिका विवृति विभूषिता ०—३
३२०५ **गोलप्रकाशः** । चन्द्रशेखरझा विरचित १—४
३२०६ **गोलीय रेखागणितम्** (परिशिष्ट विशेषोक्त गोलीय रेखागणित सहितम्) तथा **गोलबोधः**-सटीक यन्त्रस्थ
३२०७ **गौरी जातक** । हिन्दी टीका सहित ०—४
*३२०८ **ग्रहगोचरः** । शिशुतोषिणी हिन्दी टीका सहित ०—२
३२०९ **ग्रहचारनिबन्ध** । अंग्रेजी भूमिका युक्त १—४
३२१० **ग्रहणफलदर्पण** । हिन्दी टीका सहित १—०

३२११ **ग्रहफलदर्पण** । सीताराम झा । हिन्दी टीका सहित १—८
*३२१२ **ग्रहलाघवम्** । विश्वनाथकृत प्राचीन सोदाहरण व्याख्या तथा नूतन उदाहरण उपपत्ति सहित 'माधुरी' नामक संस्कृत हिन्दी टीका द्वयोपेतम् ३—८
३२१३ **ग्रहलाघवकरण** । मल्लारि–विश्वनाथी–सुधाकरी व्याख्या सहित ७—०
३२१४ **ग्रहलाघवसारिणी** १—१२
३२१५ **ग्रहसारणी (बुधसारणी) प्रथम खंड** । हरिहर प्रा० भट्ट विरचित २—०
३२१६ **चक्रावलीसङ्ग्रहाध्यायः** । सव्याख्या ४—८
३२१७ **चन्द्रवाक्यानि** । वररुचि प्रणीत ३—०
३२१८ **चन्द्रसारिणी** । डा० गोरखप्रसाद । हिन्दी २—०
*३२१९ **चमत्कारचिन्तामणिः** । सान्वय–भावबोधिनी हिन्दी टीका सहित ०—८
३२२० **चलनकलनम्** । चतुर्थाध्याय पर्यन्तम् । श्री मुरलीधरठक्कुर विरचितम् १—८
*३२२१ **चलन कलन–प्रश्नोत्तर–विवरणम्** । ज्योतिषाचार्य–श्री अच्युतानंद झा विरचितम् ०—१२
३२२२ **चलराशिकलन** । पं० सुधाकर द्विवेदी विरचित । १–२ भाग २—१०
*३२२३ **चापीयत्रिकोणगणितम्** । अच्युतानन्दझा कृत परीक्षोपयुक्त–विविध–वासना–समलंकृतम् १—८
३२२४ **जन्मकुण्डली के बेल बूटेदार पत्र** । प्रतिपत्र ०—१
*३२२५ **जन्मपत्रदीपकः** । सोदाहरण सटिप्पण हिन्दी टीका सहित १—४
३२२६ **जन्मपत्रव्यवस्था** । हिन्दी टीका सहित ०—८
३२२७ **जन्मपत्रिकाविधान** । प्रथमभाग १—८
३२२८ **जन्मांग–नक्षत्र–दीपिका** । प्र० भाग । श्री लक्ष्मीनारायणत्रिपाठी कृत १—८
३२२९ **जातककल्पतरु–ज्योतिषमार्गोपदेशिका** । (गुजराती) ५—८
३२३० **जातकक्रोड** १—४ | ३२३१ **जातकतत्त्वम्** । हिन्दी टीका सहित ६—८
३२३२ **जातकपद्धत्युदाहरणम्** । कृष्णदैवज्ञ विरचित १०—०
*३२३३ **जातकपारिजातः (सचित्रः) सोपपत्तिक–'सुधाशालिनी'** 'विमला'संस्कृत–हिन्दी टीका द्वयोपेतः । अभिनव द्वितीय सुलभ संस्करण १०—०—० उत्तम संस्करण १२—०
३२३४ **जातकशिरोमणिः** । हिन्दीटीका सहित ३—८
३२३५ **जातकसङ्ग्रहः** । हिन्दी टीका सहित ५—०
३२३६ **जातकसारदीपः** । नृसिंहदैवज्ञ विरचित । दुर्घटार्थ विवृति व्याख्यायुतः १५—१२

*३२३७ **जातकाभरणम्** । पं० श्री अच्युतानन्द झा ज्यौतिषाचार्य कृत सपरिशिष्ट विमला हिन्दी टीका सहित ४—०
*३२३८ **जातकालंकार** । दैवज्ञ श्री हरभानु कृत संस्कृत टीकायुत सान्वय 'भावबोधिनी' हिन्दी टीका सहित । परिष्कृत संस्करण १—०
३२३९ **जैमिनीयपद्यामृतम्** । मूल कन्दली वृत्ति सहित १—८
*३२४० **जैमिनीयसूत्रम्** । पं० अच्युतानन्द झा ज्योतिषाचार्य कृत सोदाहरण-विमला-संस्कृत हिन्दी टीका द्वयोपेतम् २—०
३२४१ **ज्योतिर्गणितम्** । केतकर विरचित ३०—०
३२४२ **ज्योतिर्निबन्धः** । शूर महाठ शिवराज विरचितः ६—०
३२४३ **ज्योतिर्विवेकरत्नाकरः** । श्रीलक्ष्मीप्रसाद पाठक कृत समाप्त
३२४४ **ज्योतिषकल्पद्रुम** । हिन्दी २—१०
३२४५ **ज्योतिषः चन्द्रार्कः** । संस्कृत टीका सहित ३—०
३२४६ **ज्यौतिषचन्द्रिका** । पं० रेवतीरमण झा कृत हिन्दी टीका सहित २—१२
३२४७ **ज्योतिषचमत्कारः** । प्रभुदयालु शर्मा कृत हिन्दी टीका १—०
३२४८ **ज्योतिषतत्त्वविवेकनिबन्धः** । हिन्दी टीका सहित २—८
३२४९ **ज्योतिषतत्त्वसुधार्णवः** । हिन्दी टीका सहित ७—०
३२५० **ज्योतिषदर्शन** (गुजराती) डा० चन्द्रशेखर गोपालजी ठक्कर ५—८
३२५१ **ज्योतिषविज्ञान** । (गुजराती) डा० चन्द्रशेखर गोपालजी ठक्कर १—१२
३२५२ **ज्योतिषवेदाङ्गम्** । पं० सुधाकर द्विवेदी विरचितम् २—०
३२५३ **ज्योतिषश्यामसंग्रहः** । हिन्दी टीका सहित ७—०
३२५४ **ज्योतिषसर्वसङ्ग्रहः** । हिन्दी टीका सहित २—०
*३२५५ **ज्योतिषसिद्धान्तसंग्रहः** । तत्र सोमसिद्धान्तः ब्रह्मसिद्धान्तः पितामहसिद्धान्तः वृद्धवशिष्ठसिद्धान्तश्च ३—०
३२५६ **ज्योतिस्तत्त्वः** । मुकुन्द दैवज्ञ बड़ेथवाल विरचित । चक्रधरजोशी कृत हिन्दीटीका-उदाहरण सहित । १-२ भाग ५०—०
३२५७ **ठोसज्यामिति** । डा० व्रजमोहन १—२
३२५८ **ठोस रेखागणित** । कमलमोहन २—०
३२५९ **तत्त्वप्रदीपजातकः** । हिन्दी टीका सहित ०—४
*३२६० **ताजिकनीलकण्ठी** । 'जलदगर्जना' संस्कृतटीकया 'गूढग्रन्थिमोचनी' वासनया 'उदाहरणचन्द्रिका' हिन्दी टीकया च सहिता । सम्पादक-ज्यो० आ० पं० गंगाधरमिश्र । परिष्कृत संस्करण ४—८
३२६१ **ताजिकभूषणम्** । हिन्दी टीका सहित १—०

३२६२ **ताजिकसङ्ग्रहः** । हिन्दी टीका सहित ०—१२
*३२६३ **तिथिचिन्तामणिः** । श्रीमद्गणेशदैवज्ञप्रणीतः । विजयलक्ष्मी नाम्नि हिन्दी टीका उदाहरण सहितः ०—८
३२६४ **तिलविचार** । हिन्दी १—० | ३२६५ **तेजी मन्दी विचार** । हिन्दी १—८
३२६६ **दशाफल दर्पण** । मूल संस्कृत ४—०
३२६७ **दीपिका-शुद्धि दीपिका** । हिन्दी टीका सहित ३—८
३२६८ **दीर्घवृत्तलक्षणम्** । पं० सुधाकर द्विवेदी विरचितम् १—८
३२६९ **देवकेरलम्** । (चन्द्रकलानाडी) अच्युत प्रणीतम् । १-३ जिल्द २३—१२
३२७० **दैवज्ञकल्पद्रुमः** । पं० गङ्गाराम राज ज्योतिषी कृत हिन्दी टीका सहित ४—०
*३२७१ **दैवज्ञकामधेनुः** । म० म० अनवमर्शी संघराजवरेण सङ्कलिता ४—८
३२७२ **दैवज्ञवल्लभः** । हिन्दी टीका सहित ०—१४ | ३२७३ **दैवज्ञाभरणम्** ६—४
३२७४ **द्वात्रिंशद्योगावलीताजिक** । हिन्दी टीका सहित ०—२
३२७५ **द्विरागमन इष्टशोधन** । ०—४
*३२७६ **धराचक्रः** । सुबोधिनी हिन्दी टीका सहितः ०—३
३२७७ **धराभ्रमम्** । पं० सुधाकर द्विवेदी विरचितम् । सव्याख्या ०—८
३२७८ **नक्षत्रविज्ञान** (मराठी) केतकर रचित ४—०
३२७९ **नरपतिजयचर्या** । स्वरोदय जयलक्ष्मी व्याख्या सहित ४—४
३२८० **नवतारिका** । प्रोफेसर ईश (हिन्दी) ३—०
३२८१ **नष्टजन्माङ्गदीपिका पञ्चाङ्गदीपिका** । ०—७
*३२८२ **नारदीयसंहिता** । नारदमुनिप्रोक्त १—०
३२८३ **नारदीयसंहिता** । हिन्दी टीका सहित ३—८
*३२८४ **नाह्विदत्तपञ्चविंशतिका** । ०—१
३२८५ **नियामक ज्यामिति** । १-२ भाग । डा० व्रजमोहन ५—०
३२८६ **नेपच्युन** । वरुण । हिन्दी ०—८
३२८७ **पञ्चस्वराः** । सुबोधिनी टीका सहित १—१२
३२८८ **पञ्चाङ्गमञ्जूषा** । हिन्दी टीका सहित ०—१२
*३२८९ **पञ्चाङ्गविज्ञानम्** । सरल हिन्दी टीका सहित ०—८
३२९० **पत्रीमार्गप्रदीपिका** । वर्षदीपक । हिन्दी टीका सहित २—१२
*३२९१ **पद्मकोषः** । भावबोधिनी सरल हिन्दी टीका विभूषिता ०—६
*३२९२ **परबलयन्त्रम्** । श्रीमुरलीधरठक्कुरकृतम् । प्रश्नपत्र सहितम् ०—८
३२९३ **परमसिद्धान्तज्योतिष** । प्रेमवल्लभ विरचित ७—०
३२९४ **परीक्षाचक्रावली** । हिन्दी टीका सहित ०—७

३३२१ **बृहद्दैवज्ञरञ्जनम्** । मूलमात्र ५—४
३३२२ **बृहद्यवनजातकः** । हिन्दी टीका सहित ३—०
३३२३ **बृहद्वास्तुमाला** । हिन्दी टीका सहित ३—०
३३२४ **भविष्यफलभास्करः** । हिन्दी टीका सहित ३—८
३३२५ **भविष्यवाणीसञ्चय** । चन्द्रनाथ सैन्धव १—०
३३२६ **भाग्यरहस्य** । १—८ | ३३२७ **भाश्रमबोधः** । ०—८
३३२८ **भाश्रम-रेखानिरूपण** । सुधाकर द्विवेदी विरचित ०—८
३३२९ **भारतीय कुण्डली विज्ञान** । हिन्दी । रफ ४—८ ग्लेज ५—८
३३३० **भारतीयज्योतिष** । नेमिचन्द्र शास्त्री कृत । हिन्दी ६—०
३३३१ **भारतीय ज्योतिष** । शंकर बालकृष्ण दीक्षित । शिवनाथ झारखण्डी अनुवादित ८—०
३३३२ **भारतीय ज्योतिष का इतिहास** । गोरखप्रसाद ४—०
३३३३ **भार्गवनाडिका** । ६—०
३३३४ **भावकुतूहलम्** । सान्वय हिन्दी टीका सहितम् ३—०
*३३३५ **भावप्रकाशः** । जीवनाथ झा प्रणीतः । भावबोधिनी हिन्दी टीका प्रश्नपत्र सहितः १—४
*३३३६ **भावफलाध्यायः** (लोमशोक्त-भृगुसंहितोक्त-युग्मसंस्करणम्) सुबोधिनी-विमला हिन्दी टीका विभूषितम् ०—४
३३३७ **भुवनदीपकः** । संस्कृत-हिन्दी टीका सहित ०—१४
३३३८ **भूमण्डलीयसूर्यग्रहगणितम्** । केतकर रचितम् ३—०
३३३९ **भृगुसंहिता** । कुण्डलीखण्ड-फलितखण्ड-जातकप्रकरण-तात्कालिक भृगुप्रश्न प्रत्यक्षमूकप्रश्न-नष्टजन्मांगदीपिका-सर्वारिष्टनिवारणखण्ड-राजखण्ड-सन्तानउपायखण्ड-नरपतिजयचर्याखण्ड-स्त्रीफलितखण्ड १-११ खण्ड ५०—०
३३४० **भृगुसंहिता** । योगावली खण्ड । संस्कृत मूलमात्र ५—४
३३४१ **भृगुसंहिता पद्धति** अर्थात् **नवग्रह-जन्माङ्ग कुण्डली** । १०—०
३३४२ **मकरन्दसारणी** । हिन्दी टीका सहित २—०
३३४३ **मणित्थताजिकम्** । रामप्रसाद भट्ट शर्मा कृत हिन्दी टीका सहित । १-२० पृष्ठ ३—०
३३४४ **मनुष्य का हाथ** । सचित्र । बलदेव प्रसाद शुक्ल ३—४
३३४५ **मनुष्यजातकः** । सव्याख्या २—०
३३४६ **मयूरचित्रकम्** । वराहमिहिर विरचित ०—७
३३४७ **महाभास्करीयम्** । भास्कराचार्य प्रणीतम् । परमेश्वर प्रणीत कर्मदीपिका व्याख्या सहित २—०
*३३४८ **महासिद्धान्तः** । श्रीआर्यभट्टकृतः । सुधाकरद्विवेदीटीकासहित २-३ खण्ड ३—०

*३३७६ **रमलनवरत्नम्** । 'विमला' हिन्दी टीका सहितम् । टीकाकार—
श्री अच्युतानन्दझा ज्योतिषाचार्य २—०
३३७७ **रमलमार्तण्ड** । हिन्दी ०—१० | ३३७८ **रमलरहस्य** । ९—०
३३७९ **रमलशास्त्र** । वचानप्रसाद त्रिपाठी कृत २—०
३३८० **रविविचार** । ह० न० काटवे । विद्याधर जोहरापुरकर अनुवादित १—८
३३८१ **रविसिद्धान्तमञ्जरी** । मथुरानाथ शर्मा विरचित ०—१२
३३८२ **राशिगोलस्फुटानीतिः** । अच्युत विरचित २—०
*३३८३ **रेखागणितम्** । एकादश-द्वादशाध्यायौ ०—१२
*३३८४ **रेखागणित-षष्ठाध्याय-परिभाषारूप-पञ्चमाध्याय सहितः** ।
सम्पादक-ज्यौ० आ० पं० श्री मुरलीधरठक्कुरः ०—६
३३८५ **रेखागणितम्** । जगन्नाथ विरचित । डा० ध्रुव एवं त्रिवेदी संपादित १-२ भाग २१—०
३३८६ **लग्नचन्द्रिका** । हिन्दी टीका सहित २—०
३३८७ **लग्नप्रदीपः** । हिन्दी टीका सहित । प्रथम भाग ०—५
*३३८८ **लग्नरत्नाकरः** (बृहल्लग्नजातकम्) शिशुबोधिनी हिन्दीटीका सहित ०—६
*३३८९ **लग्नवाराही** । वराहमिहिराचार्यकृता । तत्त्वप्रकाशिका हिन्दीटीकासहित ०—२
३३९० **लग्नसारणी समुच्चयः** । चिमनलाल शर्मा ज्योतिषी कृत २—०
३३९१ **लघुजातकः** । सोपपत्ति संस्कृत हिन्दी टीका सहित १—८
*३३९२ **लघुपाराशरी-मध्यपाराशरी** । सोदाहरण-सुबोधिनी-संस्कृत
हिन्दी टीकाद्वय सहिता १—४
३३९३ **लघुभास्करीयः** । भास्कराचार्य विरचित । परमेश्वर प्रणीत व्याख्या सहित २—०
३३९४ **लघुभास्करीयः** । शङ्कर नारायण विरचित विवरण सहित १—१४
३३९५ **लघुमानसम्** । मुञ्जालाचार्य विरचित । परमेश्वर व्याख्या सहित ०—१२
३३९६ **लघुसङ्ग्रह** । हिन्दी टीका सहित १—८
*३३९७ **लीलावती** । ज्यो० आ० श्रीमुरलीधरठक्कुरकृत नवीनवासनासहिता यन्त्रस्थ
३३९८ **लीलावती** । बुद्धिविलासिनी लीलावती विवरण व्याख्या सहित १-२ भाग ४—१२
३३९९ **लीलावती विवरण** । (व्यक्तवासना) १—१२
३४०० **वक्रातीचारनिर्णयः** । सीतारामझा ०—४
*३४०१ **वनमाला** । दैवज्ञ श्री जीवनाथझा विरचिता । सान्वय 'अमृतधारा'
हिन्दी टीका सहित ०—४
३४०२ **वरवधुनक्षत्रमेलापक** । पण्डित श्रीनिवास शास्त्री ३—४
३४०३ **वर्षदीपकपत्रीमार्गप्रदीपिका** । हिन्दी टीका सहित ३—०
३४०४ **वर्षपद्धतिः** । मूलमात्र २—०

३४०५ **वर्षभास्करः** । जन्मपत्र-वर्षपत्र बनाने का ग्रन्थ । हिन्दी टीका सहित २—०
३४०६ **वसन्तराजशकुनः** । संस्कृतहिन्दी टीका सहित ९—०
*३४०७ **वसिष्ठसिद्धान्तः** । ब्रह्मपुत्रमहर्षिवसिष्ठ विरचितः ०—२
३४०८ **वाशिष्ठसंहिता** । वृद्धवशिष्ठ विरचित ३—८
*३४०९ **वास्तवचन्द्रशृङ्गोन्नतिसाधनम्** । संस्कृतटीका सहित १—४
*३४१० **वास्तवविचित्रप्रश्नास्सभङ्गाः** । श्री सुधाकर द्विवेदी विरचिता ०—२
३४११ **वास्तुप्रबन्ध-पिंडदर्पण** (गृहरत्न भूषण) हिन्दी टीका सहित ०—१०
३४१२ **वास्तुमुक्तावली** । हिन्दी टीका सहित ०—१२
*३४१३ **वास्तुरत्नाकरः** (अहिबलचक्र सहितः) ज्यौतिषाचार्य पण्डित श्री विन्ध्येश्वरी प्रसाद द्विवेदि कृत हिन्दी टीका सहित ३—०
*३४१४ **वास्तुरत्नावली** । सोदाहरण-सुबोधिनी संस्कृत हिन्दी टीकाद्वय सहिता २—८
३४१५ **वास्तुराजवल्लभः** । हिन्दी टीका सहित २—०
३४१६ **वास्तुसारिणी** । हिन्दीटीका सहित ३—०
*३४१७ **वित्रिभलग्नभ्रमणम्** । श्रीजगदीश शर्म विरचितः ०—२
*३४१८ **वित्रिभाङ्गायनविवेकः** । श्री बुद्धिनाथ झा विरचितः ०—५
३४१९ **विद्यामाधवीयम्** । मुहूर्तदीपिका युतम् २-३ भाग ३—८
३४२० **विमण्डलवक्रविचारः** । दयानाथ झा विरचित २—०
३४२१ **विवाहपटल** । ०—८
३४२२ **विवाहवृन्दावनम्** । संस्कृत-हिन्दी टीका सहित २—८
३४२३ **विश्वकर्मप्रकाशः** । मिहिरचन्द्र कृत हिन्दी टीका सहित ३—८
३४२४ **विश्व में भाग्यवानों की कुण्डलियाँ** । भगवानदास मीतल ४—०
३४२५ **विश्वहितम्** । मथुरानाथ शर्मा विरचित १—८
३४२६ **वैजयन्तिपंचांगगणितम्** । केतकर रचितं १—०
३४२७ **शनिविचार** । हिन्दी ०—१२
३४२८ **शम्भुहोराप्रकाशः** । हिन्दी टीका सहित ४—८
३४२९ **शरीरसर्वाङ्गलक्षण** (मनुष्य के अङ्ग-प्रत्यङ्ग व गुप्तांगों का फलादेश हस्तरेखा सहित) भगवानदास मितल १—८
*३४३० **शिवजातकः** । अखिल ब्रह्माण्डनायक श्री शिवनिर्मितः । शिशु-तोषिणी नाम्नी हिन्दी टीका सहितः ०—२
३४३१ **शिवतत्त्वरत्नाकरः** । वसवराज संगृहीत २०—०
*३४३२ **शिशुबोधः** । सान्वय-विमला हिन्दी टीका बृहत् परिशिष्ट सहितः ०—१०
*३४३३ **शीघ्रबोधः** (प्रथम परीक्षा में नवीन पाठ्य निर्धारित) पण्डित अनूपमिश्र कृत 'सरला' नामक हिन्दी टीका सहित १—०

*३४३४ **षट्पञ्चाशिका** । श्रीमद्भट्टोत्पलकृत संस्कृत टीका युक्त 'विभा' नामक हिन्दी टीका सहित ०—७

३४३५ **संग्रामविजयोदयः** २—८—० | ३४३६ **सन्ततिसमयविचार** हिन्दी १—०

३४३७ **संवत्सरनिर्णयः** । अर्थ काण्ड सहित ०—१४

३४३८ **सङ्केतनिधिः** । संस्कृत-हिन्दी टीका सहित ३—८

३४३९ **समरसारः** । संस्कृत-हिन्दी टीका सहित १—१२

३४४० **समीकरणमीमांसा** । सुधाकर द्विवेदी कृत । १-२ भाग २—२

*३४४१ **सरलत्रिकोणमिति** । म० म० पं० श्री बापूदेव शास्त्री सङ्कलिता म० म० पं० मुरलीधरशर्मकृत टिप्पणी सहिता ४—८

*३४४२ **सरलरेखागणितम्** । ज्योतिषाचार्य पं० श्रीविन्ध्येश्वरी प्रसाद द्विवेदी कृत १-२ अध्याय १—०

३४४३ **सर्वतोभद्रचक्रम्** । हिन्दी टीका सहित १—८

३४४४ **सर्वानन्दकरणम्** । गोविन्द गणकेन विरचित सव्याख्योदाहरण सहित समाप्त

३४४५ **सर्वार्थचिन्तामणिः** । हिन्दी टीका सहित ६—०

३४४६ **सामुद्रिककुञ्जिका** । कालिकाप्रसाद विरचित । हिन्दी टीका सहित ०—१०

३४४७ **सामुद्रिकज्योतिष** । ३—८

३४४८ **सामुद्रिकदर्पण** । कालिकाप्रसाद विरचित । हिन्दी १—०

३४४९ **सामुद्रिक-दीपिका** (हिन्दी) पौर्वात्य पाश्चात्य पद्धतियों का तुलनात्मक विवेचन, लेखक-लक्ष्मीनारायण त्रिपाठी । १-३ भाग १२—१०

३४५० **सामुद्रिकरहस्यम्** । हिन्दी टीका सहित ३—०

३४५१ **सामुद्रिकशास्त्रम्** । राधाकृष्णमिश्र कृत सान्वय हिन्दी टीका सहित ३—८

३४५२ **सामुद्रिकशास्त्रम्** (ज्योतिषविज्ञान) ४—०

३४५३ **सामुद्रिकसोपान** । कालिकाप्रसाद विरचित ०—२

३४५४ **सारावली** । हिन्दी टीका सहित । कागजी जिल्द ८-०-० कापड़ी जिल्द ९—०

*३४५५ **सिद्धान्ततत्त्वविवेकः** । कमलाकरभट्टविरचितः म०म० श्री सुधाकर द्विवेदिकृत टिप्पण्या तथा म० म० श्री मुरलीधरशर्म कृत टिप्पणीभिश्च सहितः ५—०

३४५६ **सिद्धान्ततत्त्वालोक** । ०—१०

३४५७ **सिद्धान्तदर्पणम्** । गार्ग्य केरल नीलकण्ठ विरचित २—०

३४५८ **सिद्धान्तदैवज्ञविनोदः** । संस्कृत हिन्दी टीका सहित ५—४

*३४५९ **सिद्धान्तशिरोमणिः** । भास्कराचार्य विरचितः वासनाभाष्यसहितः म० म० श्री बापूदेवशास्त्रिकृत टिप्पणी सहितश्च । सम्पूर्णः ६—०

*३४६० **सिद्धान्तशिरोमणिः** । नवीन-वैज्ञानिक उपपत्ति सहितः 'प्रभा' नाभिकया वासनया समलङ्कृतः । टीकाकारः-पं० श्री मुरलीधर ठक्कुर ज्यौतिषाचार्यः । स्पष्टाधिकारान्तः प्रथमो भागः　५—०

३४६१ **सिद्धान्तशिरोमणिः** । ग्रहगणिताध्याय । वासनाभाष्यशिरोमणि प्रकाश व्याख्या सहित । १-२ भाग　६—८

३४६२ **सिद्धान्तशिरोमणिः** । गोलाध्याय । वासना भाष्य मरिचि व्याख्या सहित । १-२ भाग　८—१२

३४६३ **सिद्धान्तशेखरः** । श्रीपति विरचितः । सव्याख्या　२४—६

३४६४ **सिद्धान्तसार्वभौमः** । मुनीश्वर विरचित । १-२ भाग　२—८

३४६५ **सूर्यसारिणी** । डा० गोरखप्रसाद । हिन्दी　२—०

*३४६६ **सूर्यसिद्धान्तः** । ज्योतिषाचार्य श्रीकपिलेश्वरशास्त्रिकृत तत्त्वामृत भाष्य उपपत्ति-टिप्पणी सहित　४—०

३४६७ **सूर्यसिद्धान्तः** । रङ्गनाथ प्रणीत व्याख्या सहित　३—२

३४६८ **सौरपरिवार** । डा० गोरखप्रसाद । हिन्दी　समाप्त

३४६९ **सौरार्यब्राह्मतिथिगणितम्** । केतकर रचित　१—०

३४७० **स्त्रीजातक** । प्रभुदयालशर्मा । हिन्दी　१—८

३४७१ **स्त्रीजातकः (बड़ा)** हिन्दी टीका सहित　३—८

३४७२ **स्त्रीप्रशंसा** । भट्टोत्पल प्रणीत टीका सहित　१—०

३४७३ **हरमेखला** । माहुक कृत । सव्याख्या १-२ भाग　२—८

३४७४ **हर्षल** । प्रजापति । हिन्दी　०—८

३४७५ **हस्तपरीक्षा** (हिन्दी पामिस्ट्री)　६—८

३४७६ **हस्तरेखा विज्ञान** । हरगोविन्द द्विवेदी　३—०

३४७७ **हस्तरेखाविज्ञान** । शरीर-लक्षण-चरणचिह्न विचार सहित । गोपेशकुमार ओझा　८—०

३४७८ **हस्तसामुद्रिक** । सचित्र । हिन्दी　४—०

३४७९ **हायनफलरत्नम्** । हिन्दी टीका सहित　०—१२

३४८० **हायनबोधः** । हिन्दी टीका सहित　०—१०

३४८१ **हायनभास्करः** । हिन्दी टीका सहित　१—०

३४८२ **हायनरत्नम्** । मूलमात्र　३—८

३४८३ **हिन्दूगणित शास्त्र का इतिहास** । अङ्क-सङ्केत और अङ्कगणित । विभूतिभूषणदत्त-अवधेशनारायण सिंह । अनुवादक—कृपाशंकर शुक्ल　३—०

३४८४ **होराशास्त्रम्** । वराह मिहिरकृत । अपूर्वार्थ प्रदर्शिका संस्कृतव्याख्यासहित　२५—०

छन्दःशास्त्र-ग्रन्थाः

३४८५ **गुजरातीपिङ्गलनवीदृष्टि** । रामनारायण विश्वनाथपाठकविरचित (गुजराती) १—६
*३४८६ **छन्दःकौमुदी** (चतुर्थ संस्करण) नवीन प्रथमपरीक्षापाठ्य निर्धारित ०—६
३४८७ **छन्दःचन्द्रिका** । प्रथमा के विद्यार्थियों के लिए छन्द की उत्तम पुस्तक ०—२
३४८८ **छन्दःशास्त्रम्** । पिङ्गलाचार्य विरचित । हलायुध प्रणीत व्याख्यायुत ३—०
*३४८९ **छन्दस्सारः** । हिन्दी टीका प्रश्न पत्र उदाहरण सहित (प्रथम परीक्षा पाठ्यनिर्धारित छन्दःसंग्रह पुस्तकम्) ०—२
*३४९० **छन्दोमञ्जरी** । 'प्रभा'-'रुचिरा' संस्कृत हिन्दी टीका सहित २—०
३४९१ **जगद्विजयछन्दः** । ३—४
३४९२ **जयदामन** । जयदेव छन्द-जयकीर्तिछन्दोनुशासन-केदारवृत्तरत्नाकर हेमचन्द्र छन्दोनुशासन । वेलङ्कर सम्पादित १०—०
३४९३ **जनाश्रयी** । जनाश्रयप्रणीत १—२
३४९४ **जानाश्रयीछन्दोविचितिः** । ३—२
*३४९५ **पिङ्गलच्छन्दःसूत्रं** (वैदिकच्छन्दः प्रकरणान्तम्) हलायुधवृत्तियुत-सटिप्पण-कादम्बिनी हिन्दी टीका सहित ०—१२
३४९६ **प्राकृतपिङ्गलम्** । पिङ्गलविरचित दुष्प्राप्य
*३४९७ **वाग्वल्लभः** । पं० दुखभञ्जनकविकृतः । महामहोपाध्याय कविचक्रवर्त्ति पं० देवीप्रसादकृत वरवर्णिनी नामक टीकासहित २—८
३४९८ **वाणीभूषणम्** । दामोदरमिश्र विरचित ०—१२
*३४९९ **वृत्तरत्नाकरः** । भट्टनारायणभट्टी (नारायणी) व्याख्या विस्तृत उदाहरण टिप्पणी 'मणिमयी' हिन्दी टीका विभूषित ३—०
*३५०० **वृत्तरत्नाकरः** । मूल श्लोक तथा **मणिमयी** हिन्दी टीका सहित ०—८
३५०१ **वृत्तरत्नाकरः** । पञ्चिका व्याख्या सहित २—०
३५०२ **वृत्तरत्नावली** । वेङ्कटेशकृत । संस्कृत व्याख्या आंग्लानुवाद सहित ४—०
३५०३ **वृत्तिवार्तिकम्** । रामपाणिवाद कृत १—१४
*३५०४ **श्रुतबोधः** । प्रथमपरीक्षोपयोगी विमला नामक सान्वय-संस्कृत हिन्दी व्याख्या समास-व्याकरण उदाहरणादि सहित ०—६
*३५०५ **श्रुतबोधः** । श्रीसीतारामझा कृत आशुबोधिनी संस्कृत-हिन्दी व्याख्या तथा संक्षिप्त छन्दोगणितादि सहित ०—१२
*३५०६ **श्रुतबोधः** (अश्लीलांश वर्जित) प्रथम परीक्षोपयोगी विमला नामक सान्वय हिन्दी व्याख्या सोदाहरण हिन्दी टीका सहित (छात्रोपयोगी संस्करण) ०—२।।
३५०७ **सभाष्यरत्नमञ्जूषा** २—०

काव्य-ग्रन्थाः

३५०८ **अच्युतरायाभ्युदयः** । राजनाथडिण्डिम विरचिता । आर० वी० कृष्णमाचारियरप्रणीत व्याख्यासहित । १-६ सर्ग १—६, ७-१२ सर्ग ५—०
३५०९ **अच्युतशतकम्** । सव्याख्या ०—५
३५१० **अधरशतकम्** । नीलकण्ठ विरचिता १—८
३५११ **अन्योक्तिसाहस्री** । बदरीनाथ झा ०—१०
३५१२ **अन्योक्त्यष्टकसंग्रहः** । सन्दब्ध विरचित २—०
३५१३ **अब्दुल्लाचरित** । लक्ष्मीपति विरचित ८—०
३५१४ **अभिनवकाव्यप्रकाशः** । सटिप्पण (१-६ उल्लास) १—८
३५१५ **अभिनवरत्नमाला** । महादेव पाण्डुरङ्ग ओक कृत १-२ भाग २—४
३५१६ **अमरमण्डनम्** । कृष्णसूरिविरचित ३—०
३५१७ **अमरुशतकम्** । रसिकसञ्जीविनी व्याख्या सहित १—८
३५१८ **अमरुशतकम्** । हिन्दी टीका सहित १—२
३५१९ **आर्यशतकम्** । अप्पयदीक्षित विरचित । सव्याख्या १—४
*३५२० **आर्यासप्तशती** । पर्वतीय श्रीविश्वेश्वर पण्डित विरचिता । ग्रन्थकर्तृकृता व्याख्यया संवलिता ४—८
३५२१ **आर्यासप्तशती** । गोवर्धनाचार्य विरचित । अनन्त पण्डित प्रणीत व्यङ्ग्यार्थ-दीपना व्याख्या सहित २—०
३५२२ **आश्लेषाशतकम्** । नारायण पण्डित प्रणीतम् ०—५
३५२३ **उदयवर्मचरितम्** । १—४
३५२४ **उषानिरुद्धम्** । रामपाणिवादकृतम् । ९—०
३५२५ **उषानिरुद्धम्** । रामपाणिवादकृतम् । १-२ सर्ग मात्र २—८
३५२६ **ऋतुसंहारः** । कालिदास विरचित । सव्याख्या ०—१२
*३५२७ **ऋतुसंहारः** । प्रभा हिन्दी टीका सहित ०—६
*३५२८ **औचित्यविचारचर्चा-कविकण्ठाभरण-सुवृत्तितिलकम्** । क्षेमेन्द्रकृता सटिप्पण यन्त्रस्थ
३५२९ **कटाक्षशतकम्** । मूककवि विरचितम् ०—४
३५३० **कथाकोषप्रकरण** । जिनेश्वरसूरिकृत । प्राकृत १०—८
३५३१ **कथासरित्सागरः** । सोमदेवभट्ट विरचित समाप्त
३५३२ **कविकल्पद्रुमः** । बोपदेव विरचित ६—०
३५३३ **कविरहस्यम्** ०—५—० | ३५३४ **कविरहस्यम्** । सटिप्पण ०—१२
३५३५ **कविरहस्यम्** । डा० गङ्गानाथझा कृत । हिन्दी २—०
३५३६ **कवीन्द्रचन्द्रोदयः** । डा० हरदत्त संपादित २—८

३५३७ **कामायनी** (संस्कृत) प्रथमखण्डः सर्ग १-३ । मूल हिन्दी लेखक महाकवि जयशङ्कर प्रसाद । संस्कृत अनुवादक-पं० भगवानदत्त शास्त्री १—४

३५३८ **कामायनीसौन्दर्य** । डा० फतहसिंह । हिन्दी ४—८

३५३९ **कार्तवीर्यविजयप्रबन्धः** । रामवर्मप्रणीतः ०—५

३५४० **कार्ष्णिकण्ठाभरणम्** । सव्याख्या ०—१४

३५४१ **कालिदासग्रन्थावली** । हिन्दी अनुवाद सहित । संपादक-पं० सीताराम चतुर्वेदी ३०—०

३५४२ **काव्यकौमुदी** । हरिदास सिद्धान्तवागीश विरचित ३—०

*३५४३ **काव्यप्रबन्धः** । (काव्यपदार्थविवृति-कविसमयादिनिरूपणात्मकः) शास्त्री, आचार्य तथा संस्कृत लेकर बी० ए०, एम० ए० परीक्षा देनेवाले छात्रोंके लिए अत्युत्तम निबन्ध ग्रन्थ १—८

३५४४ **काव्यडाकिनी** । गङ्गानन्द कवीन्द्र विरचित ०—५॥

*३५४५ **काव्यमञ्जूषा नाम रत्नावलीगद्यकाव्य-कामकन्दलनाटक-श्रीकालिकामन्दाक्रान्ताशतकः, धर्माधिकारिवंशवर्णन, श्रीरेणुकास्तोत्रनाम्नां ग्रन्थरत्नानां संग्रहः** १—८

३५४६ **काव्यमालागुच्छक** । द्वितीय, चतुर्थ से सप्तम, एकादश, द्वादश तथा चतुर्दश गुच्छक प्रत्येक गुच्छक २—०

३५४७ **काव्यरत्नम्** । अर्हद्दास विरचित ०—१५

३५४८ **काव्यविवेचन** (गुजराती भाषा) डोलरराय रंगीलदास मनकड संपादित ३—८

३५४९ **काव्यसङ्ग्रहः** । सव्याख्या १-३ भाग ११—१२

३५५० **किङ्किणीमाला** । महालिङ्गशास्त्री कृत २—८

*३५५१ **किरातार्जुनीयम्** । सुधाटीका (१-२ सर्ग) सान्वय-घण्टापथ-परीक्षोपयोगि-सुधा संस्कृत-हिन्दी व्याख्योपेतम् १—४

*३५५२ **किरातार्जुनीयम्** । 'घण्टापथ' 'प्रकाश' संस्कृत-हिन्दी टीका सहित । केवल १-५ सर्ग १—४ संपूर्ण ४—०

३५५३ **कुट्टनीमतकाव्य** । दामोदरगुप्त विरचिता ३—०

३५५४ **कुमारपालचरितम्** । हेमचन्द्र विरचित । प्राकृत व्याकरण सहित ६—०

*३५५५ **कुमारसम्भवः** । पुंसवनी टीका(१-७ सर्ग)सान्वय-पुंसवनी व्याख्या-व्युत्पत्ति-भावार्थ-हिन्दी भाषार्थ-भाषापद्य प्रस्तावनादि सहित ५—०

*३५५६ **कुमारसम्भवः** । पुंसवनी टीका (१-४ सर्ग) उपर्युक्त सर्व विषयों से युक्त २—०

*३५५७ **कुमारसम्भवः** । प्रथम और पञ्चम सर्ग पुंसवनी नामक संस्कृत-हिन्दी व्याख्या नोट्स विस्तृत समालोचनात्मक प्रस्तावनादि सहित । सम्पादक-पं० कान्तानाथ शास्त्री तेलङ्ग एम० ए० १—८

*३५५८ **कुमारसम्भवः** । केवल पंचम सर्ग । उपर्युक्त सर्वविषयों से युक्त १—०

३५५९ **कूटपद्यव्याख्या** । ०—१० | ३५६० **कृष्णकर्णामृतम्** । मूलमात्रम् ०—१२

३५६१ **कृष्णचरितम्** । समुद्रगुप्त रचितम् १—० | ३५६२ **कृष्णलीलातरङ्गिणी** १—८

३५६३ **कोकसन्देशः** । विष्णुत्राता विरचित ०—१०

३५६४ **कोशावतंसः** । राघवकवि विरचित २—४

३५६५ **गङ्गावतरणम्** । नीलकण्ठ दीक्षित विरचित ०—१२

३५६६ **गउडवहो** । वाक्पति विरचित । प्राकृत काव्य ५—८

३५६७ **गाथासप्तशतिः** । सातवाहन विरचित । व्यङ्ग्यसर्वङ्कषा व्याख्या सहिता समाप्त

३५६८ **गीतगोविन्दम्** । रसिकप्रिया-रसमञ्जरी संस्कृत व्याख्या द्वयोपेता ३—०

*३५६९ **गीतगोविन्दकाव्यम्** । महाकवि-श्रीजयदेव विरचितम् 'इन्दु' नामक हिन्दी भाषा टीका विस्तृत भूमिका सहितम् १—०

३५७० **गीतगोविन्द**-अभिनय सहित २—४

३५७१ **गुरुवंशकाव्यम्** । लक्ष्मणशास्त्री प्रणीत । भावबोधिनी व्याख्या सहित १-७ सर्गाः १—१४

३५७२ **गुरुसम्मतपदार्थ** । कौमारिलमतोपन्यास । नारायण प्रणीत ०—१५

३५७३ **गुरुस्तवमाला** । लक्ष्मणसूरि विरचित ०—६

३५७४ **गुर्जररासावली** । ठाकोर-देसाई-मोदी सम्पादित १८—०

३५७५ **गोदवर्मयशोभूषण** । अरुणगिरि विरचित ०—१२॥

३५७६ **घटकर्परकाव्यम्** । जे० पी० चौधरी प्रणीत संस्कृत व्याख्या आंग्ल भाषानुवाद नोट्स आदि सहित ४—०

३५७७ **चतुरङ्गम्** । ५—०

३५७८ **चतुरंगदीपिका** । शूलपाणि कृता । मनमोहन घोष संपादित ३—१२

*३५७९ **चन्द्रप्रभचरितम्** (तृतीय सर्ग) श्रीवीरनन्दिविरचितं । परीक्षोपयोगी 'सुधा' सुविस्तृत हिन्दी टीका भूमिकादि सहित ०—६

३५८० **चीमनीचरितम्** । नीलकण्ठ विरचित समाप्त

३५८१ **चौरपञ्चाशिका** । ०—६

३५८२ **चौरपञ्चाशिका** । विल्हण विरचित । ताडपत्रीकर सम्पादित २—८

३५८३ **जयन्तविजयः** । अभयदेव विरचित १—८

३५८४ **जातकमाला** । आर्यसूर कृत संपूर्ण । अमेरिका का छपा ३०—०

३५८५ **जातकमाला** । आर्यसूर विरचित । सव्याख्या २—०

३५८६ **जातकमाला** । आर्यसूरकृत हिन्दी टीका सहित ३—०

३५८७ **जानकीहरण** । कुमारदास विरचित ५—०
३५८८ **जामविजयकाव्यम्** । वाणिनाथ विरचित ५—०
३५८९ **जार्मणिकाव्य** । राजा श्यामकुमार टैगोर विरचित २५—०
३५९० **तंत्रोपाख्यानम्** । ०—८
३५९१ **दशावतारचरितकाव्यम्** । क्षेमेन्द्र विरचित १—८
३५९२ **दिग्विजयमहाकाव्यम्** । मेघविजय उपाध्याय विरचित ८—०
३५९३ **दुर्योधनवधम्** । बंशीधरशर्मा कृत १—०
३५९४ **देलरामकथासारः** । राजानकभट्टाल्हाद विरचित ०—१२
३५९५ **देवानन्दमहाकाव्यम्** । मेघविजयोपाध्याय विरचित । (माघसमस्यापूर्ति) ४—०
३५९६ **देवीशतकम्** । कृष्णनाथसार्वभौम विरचित ०—१२
३५९७ **देशिकेन्द्रस्तवाञ्जलिः** । महालिङ्ग शास्त्री कृत ०—१०
३५९८ **देशोपदेशनर्ममाला** । क्षेमेन्द्र विरचित १—८
*३५९९ **धर्माधिकारिवंशवर्णनम्** । श्रीवेणीरामपण्डितधर्माधिकारिविरचितम् ०—८
३६०० **धर्माभ्युदयमहाकाव्यम्** । वस्तुपालचरित । उदयप्रभसूरि विरचित ८—८
३६०१ **धार्मिकवर्णनलक्षणकाव्यम्** । ०—६
३६०२ **धूर्तविडम्बना** । अमरेश्वरशर्म विरचित ३—०
३६०३ **धूर्ताख्यानम्** । हरिभद्रसूरि विरचित ८—०
३६०४ **नञ्जराजयशोभूषणम्** । नृसिंह कवि विरचित ८—०
३६०५ **नटेशविजयः** । वेंकट कृष्ण दीक्षित विरचित ०—१३
३६०६ **नरनारायणीयः** । सव्याख्या १—६
३६०७ **नरेश्वरपरीक्षा** । पादज्योतिकृत । रामकण्ठकृत व्याख्या सहित २—०
३६०८ **नलाभ्युदयः** । वामनभट्टबाण विरचित ०—५
३६०९ **नलोदयकाव्यम्** । सव्याख्या १—१२
३६१० **नारायणपरिपृच्छा** (संस्कृत–तिब्बती) ०—१२
३६११ **नारायणशतकम्** । विद्याकरविरचिता । पीताम्बर प्रणीत व्याख्या सहित ४—०
३६१२ **नारायणीयम्** । नारायणभट्ट विरचित । देशमङ्गलवर्म प्रणीत व्याख्या सहित ५—०
३६१३ **नीलकण्ठ दीक्षितीय प्रकरणानि** १—२
३६१४ **नेमिदूतम्** । फतेह सिंह कृत ३—०
३६१५ **नेमिनिर्वाणकाव्यम्** । वाग्भट विरचित १—४
३६१६ **नैषधीयचरितम्** । श्री हर्षविरचित । नारायणी व्याख्या सहित १२—०, १४—०
*३६१७ **नैषधीयचरितम्** । म० म० मल्लिनाथ कृत 'जीवातु' साहित्याचार्य
श्रीहरगोविन्दशास्त्रीकृत 'मणिप्रभा' संस्कृत–हिन्दीटीकाद्वय सहित
मूल्य १म सर्ग १—०, १-३ सर्ग १—१२, १-५ सर्ग ३—८
१-९ सर्ग ६—०, १-२२ सर्ग सम्पूर्ण ग्रन्थ १३—०

३६१८ **पउमसिरिचरिऊ** । दाहिल विरचित (अपभ्रंश काव्य) ४—१२
३६१९ **पतञ्जलिचरितम्** । रामभद्र दीक्षित विरचित ०—१४
३६२० **पदाङ्कदूत** । श्रीकृष्ण सार्वभौम कृत । सव्याख्या ४—०
३६२१ **पदावलि** । मेघसन्देशकुन्तलेश्वरदौत्ययोः । यतिराजसम्पत्कुमार रामानुजकृत २—४
३६२२ **पद्मनाभशतकम्** । रामवर्मप्रणीत ०—५
३६२३ **पद्मानन्दमहाकाव्यम्** । अमरचन्द्र कवि विरचित १६—०
३६२४ **पद्यपञ्चाशिका** । हिन्दी टीका सहित ०—८
३६२५ **पद्यपुष्पाञ्जलिः** । संस्कृत मूल वी० एस० अय्यर कृत आंगलानुवाद सहित २—०
३६२६ **पद्यवेणी** । वेणीदत्त विरचित । चौधरी संपादित १०—०
३६२७ **पद्यहर्षचरित** । वत्स्यराजगोपाल चक्रवर्ती विरचित ०—१३
३६२८ **पद्यामृततरङ्गिणी** । हरिभास्कर विरचित १०—०
३६२९ **पन्थदूत** । भोलानाथकवि विरचित । चौधरी संपादित १—०
३६३० **परमानन्दकाव्यम्** । सरदेशाई संपादित १०—०
३६३१ **पवनदूतम्** । धोयी विरचितम् १—८
३६३२ **पादारविन्दशतकम्** । मूककवि विरचितम् ०—४
३६३३ **पारिजातहरणम् महाकाव्यम्** । कवि कर्णपूर विरचित ८—०
३६३४ **पुरंजनचरितम्** । कृष्णदत्त मैथिल प्रणीतम् । नीलमसोलङ्की सम्पादित ५—०
३६३५ **पुष्पबाणविलासः** । कालिदास विरचितम् । सव्याख्या ०—८
३६३६ **पृथ्वीराजविजयम्** । जोनराज प्रणीत व्याख्या सहित २—४
३६३७ **प्रभावकचरितम्** । डा० हीरानन्द सम्पादित ३—०
३६३८ **प्रभावकचरितम्** । प्रभाचन्द्रसूरिविरचित । आचार्य जिनविजय संपादित ७—०
३६३९ **प्रशस्तिमाला** । ०—३
*३६४० **प्रेमरसायनम्** । श्रीविश्वनाथ पण्डित रचितम् । सटीक १—०
३६४१ **बल्लालचरितम्** । आनन्दभट्ट विरचित १—८
३६४२ **बालभारत** । अगस्त्य कृत । सव्याख्या । १-३ सर्ग ४—२
३६४३ **बालरामायणम्** । १—०
३६४४ **बुद्धचरितम्** । हिन्दी अनुवाद सहित । १-२ भाग सर्ग १-२८ ३—१२
३६४५ **बुद्धभूषणम्** । वेलंकर सम्पादित १—८
३६४६ **बृहत्कथामञ्जरी** । क्षेमेन्द्र विरचिता ८—०
३६४७ **बृहत्कथाकोश** । हरिषेण विरचित दुष्प्राप्य
३६४८ **भगवत्पादाभ्युदयः** । लक्ष्मणसूरि विरचित १—४
*३६४९ **भट्टिकाव्यम्** । 'चन्द्रकला' 'विद्योतिनी' संस्कृत-हिन्दीटीकोपेतम्—
१-६ सर्ग ३—८, पूर्वार्ध १-११ सर्ग ७—०,
उत्तरार्ध १२-२२ सर्ग ५—०, १ से २२ सर्ग संपूर्ण १२—०

३६५० **भट्टिकाव्यम्** । जयमङ्गला व्याख्या सहित । सम्पूर्ण दुष्प्राप्य १५—०
३६५१ **भरतचरितम्** । श्री कृष्ण कवि विरचित १—१४
३६५२ **भर्तृहरिशतकम्** । हिन्दी टीका सहित १—०
३६५३ **भर्तृहरिशतकम्** । हरिदासवैद्य कृत विस्तृतहिन्दीटीका सहित १-३ भाग १५—८
३६५४ **भानुचन्द्रगणिचरित** । सिद्धीचन्द्रोपाध्याय विरचित ८—०
३६५५ **भामिनीविलासः** । सव्याख्या ०—१२॥
३६५६ **भामिनीविलासः** । हिन्दी टीका सहित २—०
३६५७ **भारतपारिजातम्** । (गांधी चरितं) संस्कृतश्लोक, हिन्दी अनुवाद सहितं १८—०
३६५८ **भूपशतक** । राघववाचस्पति विरचित । चौधरी संपादित १—०
३६५९ **भृङ्गदूत** । ०—१२ | ३६६० **भृङ्गसन्देशः** । वासुदेव विरचित ०—८
३६६१ **भोज और कालिदास** । हिन्दी टीका सहित ३—४
*३६६२ **भोजप्रबन्धः** । श्रीबल्लालसेन विरचितः सटिप्पण ०—१२
३६६३ **भोजप्रबन्धः** । जीवानन्द कृत संस्कृत टीका सहित १—१४
*३६६४ **भोजप्रबन्धः** । केदारनाथशर्मा कृत 'राज्यश्री' हिन्दी टीका सहित १—८
३६६५ **भोटप्रकाशः** । संस्कृत तिब्बती । विधुशेखर भट्टाचार्य सम्पादित ६—४
३६६६ **भ्रमरसन्देशः** । महालिङ्ग शास्त्री कृत १—१४
३६६७ **मत्स्यावतारप्रबन्धः** । नारायणभट्ट प्रणीतः ०—५
३६६८ **मदनपराजय** । हिन्दीसार और विस्तृत प्रस्तावना सहित ८—०
३६६९ **मनोदूतम्** । विष्णुदास विरचितम् १—४
३६७० **मन्दस्मितशतकम्** । मूककवि विरचितम् ०—४
३६७१ **मयूरसन्देशः** । उदयविरचित । राजा सम्पादित ३—१२
३६७२ **महात्मविजय** । (महात्मा गांधी) १—०
३६७३ **मानसोल्लासः** । सोमेश्वरदेव कृत । द्वितीय भाग ८—०
३६७४ **मार्तण्डोदयः** । शेषशास्त्री विरचित ०—१२
३६७५ **मीरालहरी** । क्षमाराव प्रणीत २—८
३६७६ **मुद्गरदूतम्** । रामावतारशर्मा विरचितम् । १-२ भाग १०—०
३६७७ **मूकपञ्चशती** । १—२
*३६७८ **मूलरामायणम्** । प्रथम परीक्षोपयोगी अन्वय-सुधाव्याख्या-समास-
वाच्यान्तर-हिन्दी भाषानुवादसहित ०—६
*३६७९ **मूलरामायणम् महाभारतीयशीलनिरूपणाध्याय सहितम्** ।
सान्वय सुधा नाम्निव्याख्या उपरोक्त सम्पूर्ण विषयों से युक्त ०—१०
*३६८० **मेघदूतम्** । सञ्जीवनी-चारित्रवर्द्धिनी-भावबोधिनीटीका-
'सौदामिनी' नामक विस्तृत हिन्दीटीका चतुष्टयोपेतम् १—४

३६८१ **मेघदूतम्** । भरतमल्लिक प्रणीत व्याख्या तथा प्राचीन अष्टटीकाओं से टिप्पण किया हुआ चौधरी संपादित ८—०
३६८२ **मेघदूतम्** । मल्लिनाथी तथा संसारचन्द्र कृत हिन्दी टीका सहित ५—०
३६८३ **मेघदूतम्** । सुधीरकुमार गुप्त कृत संस्कृत व्याख्या सहित ५—८
३६८४ **मेघदूत एक अध्ययन** । वासुदेवशरण अग्रवाल कृत ४—८
३६८५ **मेघदूत की वैदिक पृष्ठ भूमि और उसका सांस्कृतिक संदेश** । सुधीरकुमार गुप्त ०—६
३६८६ **मेघसन्देशः** । पूर्ण सरस्वती प्रणीत विद्युल्लता व्याख्या सहित २—०
३६८७ **यादवाभ्युदयः** । वेदान्तदेशिक विरचित । अप्पयदीक्षित प्रणीत व्याख्या सहित १-४ सर्ग २—१०, ५-१२ सर्ग ४—०, १३-२४ सर्ग १-२ भाग १०—४
३६८८ **युधिष्ठिरविजयमहाकाव्यम्** । वासुदेव विरचित ३—०
३६८९ **रघुनाथाभ्युदय महाकाव्य** । रामभद्राम्बा विरचित १—२
३६९० **रघुवंशकाव्य पदावली** । २—०
*३६९१ **रघुवंशमहाकाव्यम्** (संपूर्ण) 'सञ्जीविनी' 'मणिप्रभा' संस्कृत-हिन्दी टीका 'विमर्श' सहित । उत्तम संस्करण ५—०
*३६९२ **रघुवंशमहाकाव्यम्** । 'सञ्जीविनी' 'मणिप्रभा' संस्कृत हिन्दी टीका 'विमर्श' सहित १-५ सर्ग १—४, ६-१४ सर्ग २—४, ५-१४ सर्ग २—८
*३६९३ **रघुवंशमहाकाव्यम्** । मल्लिनाथी टीका तथा परीक्षोपयोगी अन्वय-सुधाव्याख्या-समास-कोष-भावार्थ-इन्दु नामक हिन्दी व्याख्या सहितम् १ म सर्ग ०—१२, १-२ सर्ग १—८, २-३ सर्ग १—८, १-४ सर्ग २—८, १-५ सर्ग ३—०, प्रथम व पंचम सर्ग १—८, पृथक् पृथक् सर्ग का ०—१२
३६९४ **रम्भाशुकसंवादः** । हिन्दी टीका सहित ०—४
*३६९५ **रसचन्द्रिका** । विश्वेश्वर पाण्डेय विनिर्मिता १—०
*३६९६ **रसिकाष्टककाव्यम्** । ०—१
*३६९७ **राक्षसकाव्यम्** । नूतन किशोरकेलि व्याख्या सहितम् ०—३
३६९८ **राघवनैषधीयकाव्यम्** । हरदत्तसूरि विरचित । सव्याख्या १—०
३६९९ **राघवपाण्डवीयः** । सव्याख्या ३—०
३७०० **राघवीयम्** । रामपाणिवाद विरचितम् १—१४
३७०१ **रामकर्णरसायनम्** । रामभद्रदीक्षित रचितम् ०—१४
३७०२ **रामकर्णामृतम्** । १—०
३७०३ **रामचरितम्** । श्रीसन्ध्याकरनन्दि विरचित ६—०

३७०४ **रामचरितम्** । अभिनन्द विरचित । १०—०
*३७०५ **रामवनगमनम्** । सुधा–इन्दुमती विस्तृत संस्कृत–हिन्दी टीका परिष्कृत अभिनव तृतीय संस्करण . १—४
३७०६ **रामविजयमहाकाव्यम्** । रूपनाथ विरचित १—०
३७०७ **रामायणमञ्जरी** । क्षेमेन्द्र विरचित ८—० | ३७०८ **रामोदन्तम्** ०—८
३७०९ **रावणार्जुनीयकाव्यम्** । भट्टभीमविरचित २—०
३७१० **रिष्टसमुच्चयः** । दुर्गदेव विरचित १०—०
३७११ **रुक्मिणीकल्याणकाव्यम्** । राजचूडामणिदीक्षित कृतम् ५—०
३७१२ **रुक्मिणीहरणकाव्यम्** । हरिदाससिद्धान्तवागीश कृतं । सटीकम् ३—०
३७१३ **रोमावलिशतकम्** । रामचन्द्रभट्टाचार्य विरचित । चौधरी सम्पादित १—०
३७१४ **लक्ष्मीश्वरोपायनम्** । ०—१४
३७१५ **लघुकाव्यानि** । नीलकण्ठ दीक्षित विरचित १—०
३७१६ **लीलावइकहा** । कौतूहल विरचित । सव्याख्या (प्राकृत काव्य) १५—०
३७१७ **लोकप्रकाशः** । क्षेमेन्द्र विरचित १—०
३७१८ **वज्जालग्गम्** । संस्कृतच्छाया संवलित । जुलियस लेवर संपादित ३—०
३७१९ **वज्जालग्गम्** । (१–२००) गोरे संपादित ३—०
३७२० **वनलता** । महालिङ्गशास्त्री प्रणीत १—४
३७२१ **वरदराजस्तवः** । अप्पयदीक्षित रचित ०—४
३७२२ **वरदराजस्तवः** । अप्पयदीक्षित रचित । सव्याख्या १—६
३७२३ **वाञ्मण्डनगुणदूतकाव्यम्** । वीरेश्वरकृतं, **चन्द्रदूतकाव्यं**, जम्बू कृतम् २—८
*३७२४ **विक्रमाङ्कदेवचरितम्** । (प्रथम सर्ग) श्री बिल्हण विरचितम् । पं० रामचन्द्र शर्मा पाण्डेय एम. ए. सम्पादित प्रबोधिनी हिन्दी टीका सहित ०—१०
३७२५ **विदग्धमुखमण्डनम्** । धर्मदाससूरि विरचित । सटिप्पण समाप्त
३७२६ **विद्यासुन्दरचौरपञ्चाशिका** । हिन्दी टीका सहित ०—७
३७२७ **विद्वन्मोदतरङ्गिणी** । हिन्दी टीका सहित ०—७
३७२८ **विष्णुचरितामृतम्** । स्वामी लक्ष्मणशास्त्री प्रणीतम् २—८
३७२९ **विष्णुभक्तिकल्पलताकाव्यम्** । पुरुषोत्तम विरचित । महीधर प्रणीत व्याख्या सहित १—०
३७३० **विष्णुविलासः** । रामपाणिवाद विरचितः । विष्णुप्रिया व्याख्या सहित ३—१२
३७३१ **वेंकटेश्वरकाव्यकलापः** । ४—८
३७३२ **वैराग्यशतकम्** । भर्तृहरि विरचित । सव्याख्या ०—८
३७३३ **वैराग्यशतकम्** । वैद्य हरिदासकृत विस्तृत हिन्दी टीका सहित ६—०

३७३४ **शकुन्तलामहाकाव्य** । (हिन्दी) भगवानदत्तशास्त्री 'राकेश' ३—०
३७३५ **शतकत्रयादिसुभाषितसङ्ग्रहः** । कोशाम्बी सम्पादित १२—८
३७३६ **शतकत्रयी** । भर्तृहरि विरचित । सव्याख्या ६—०
३७३७ **शतकावलिः** । ०—१२॥ | ३७३८ **शतरञ्जकुतूहलम्** ०—८
३७३९ **शान्तिनाथचरितम्** । मुनिभद्रसूरि विरचित ५—०
३७४० **शास्त्रतत्त्वविनिर्णयः** । नीलकण्ठ विरचितः ५—०
३७४१ **शाहेन्द्रविलासः** । श्रीधरवेङ्कटेश विरचितः ३—६
३७४२ **शिवकेशादिपादान्तस्तुति** । शंकराचार्य कृत । सव्याख्या ०—१४
३७४३ **शिवपरिणयः** । कृष्णराजानककृत । मुकुन्दरामशास्त्री कृत संस्कृत छायायुत ५—४
३७४४ **शिवलीलार्णवः** । नीलकण्ठ दीक्षित विरचित ३—८
*३७४५ **शिशुपालवधम्** (माघकाव्यम्) मल्लिनाथ कृत 'सर्वङ्कषा' व्याख्या साहित्याचार्य श्री हरगोविन्दशास्त्री कृत 'मणिप्रभा' हिन्दी व्याख्या सहितम् । १-६ सर्ग २—० संपूर्ण ८—०
*३७४६ **शिशुपालवधम्** (तृतीय सर्ग) मल्लिनाथी-वल्लभदेवीटीकाद्वय सहित ०—४
*३७४७ **शिशुपालवधम्** । सान्वय-मल्लिनाथीव्याख्या सहितम् १-३ सर्ग १—० १-२ सर्ग ०—१२
*३७४८ **शिशुपालवधम्** । मल्लिनाथकृत 'सर्वङ्कषा' 'सान्वय' 'सुधा' संस्कृत-हिन्दी व्याख्या, समास, कोश, सरलार्थ आदि परीक्षोपयोगी-विविध विषय समलङ्कृत । १-२ सर्ग २—०
*३७४९ **शिशुपालवधम्** । सान्वय-परीक्षोपयोगी सुधा व्याख्या-कोष-समासादि-व्याकरण-वाच्यपरिवर्तन-तात्पर्यार्थ-हिन्दी भाषार्थ सहित । १-२ सर्ग १—४
३७५० **शीलदूतम्** । ०—४
*३७५१ **शृङ्गारतिलकम्** । मूल ०—१
३७५२ **शृङ्गारतिलकम्** । संस्कृत तथा हिन्दी टीका सहित ०—६
३७५३ **श्रद्धाभरणकाव्यम्** । चन्द्रधरशर्म कृत । सटिप्पण ०—८
३७५४ **श्रीकण्ठचरितकाव्यम्** । मङ्खकवि विरचित । सव्याख्या ३—८
३७५५ **श्रीकृष्णचरितम्** । समुद्रगुप्तरचित १—०
३७५६ **श्रीतुकारामचरितम्** । क्षमाराव ५—०
३७५७ **श्रीरामगीतगोविन्दम्** । सव्याख्या १—२
३७५८ **श्रीरामदासचरितम्** । क्षमाराव ५—०
*३७५९ **श्रीलक्ष्मीसहस्रम्** । वेङ्कटाध्वरिविरचितम् । श्रीनिवासपण्डितविरचित सुबोधिनीव्याख्या अवतरणेन निःश्रेणिकया च सम्भूषितम् १२—०

३७६० **श्रीवेंकटेशकल्याणचरितम्** । वीरराघवाचार्य विरचिता ०—१६
३७६१ **श्चङ्ककाव्यम्** । कृष्णकौर विरचित ३—०
३७६२ **षष्ठिशतकप्रकरणम्** (गुजराती) नेमिचन्द्रभण्डारीकृत संदेसरा सम्पादित ५—०
३७६३ **संदेशरासक** । अब्दुलरहमानविरचित। जिनविजयसंपादित। अपभ्रंश काव्य समाप्त
३७६४ **संस्कृतकाव्यमञ्जरी** । गौरीशंकर संपादित ३—१२
*३७६५ **संस्कृत-वाङ्मय-परिचयः** । वेद से लेकर २० वीं सदी तक के संस्कृत साहित्य के ग्रन्थों का उद्गम काल, इतिहास, रचयिताओं के संक्षिप्त इतिवृत्त इस ग्रन्थ में दिये गये हैं। संस्कृत साहित्य में बेजोड़ ग्रन्थ । १—८
३७६६ **संस्कृतसाहित्यवार्ता** । देवदत्तत्रिपाठी संपादित ०—१२
३७६७ **सत्यानुभवम्** । कालीपद तर्काचार्य विरचित ५—०
३७६८ **सनातनधर्मविजयः** । अखिलानन्दशर्मा प्रणीत । विजयार्थ वैजयन्ती हिन्दी टीका सहित ८—०
३७६९ **समयमातृकाकाव्यम्** । क्षेमेन्द्र विरचित ०—१४
३७७० **समुद्रसङ्गमः** । दाराशिकोह प्रणीत १२—०
३७७१ **सहृदयानन्दकाव्यम्** । कृष्णानन्द विरचित ०—१४
३७७२ **साम्बपञ्चाशिका** । क्षेमराज प्रणीत ०—६
३७७३ **साम्बपञ्चाशिका** । सव्याख्या १—४
३७७४ **साम्बपञ्चाशिका** । हिन्दी टीका सहित ०—८
३७७५ **साम्राज्यलक्ष्मीपीठिका** । सुब्रह्मण्यशास्त्री सम्पादित ९—०
३७७६ **सुरजनचरितम्** । चन्द्रशेखर विरचित । चौधरी सम्पादित ८—०
३७७७ **सुरजनचरितम्** । (महाकाव्य) डा० चन्द्रधर शर्मा संपादित हिन्दी अनुवाद एवं टिप्पणी और विस्तृत भूमिका सहित ७—०
३७७८ **सुरथोत्सवः** । सोमेश्वरदेव विरचित १—४
*३७७९ **सुवृत्ततिलकम्** । क्षेमेन्द्र विरचित ०—४
३७८० **सेतुबन्धमहाकाव्यम्** । प्रवरसेन विरचित । सव्याख्या ४—८
३७८१ **सौन्दरानन्दः** । अश्वघोषकृत । मूल संस्कृत और हिन्दी अनुवाद ३—०
३७८२ **सौन्दरानन्दकाव्यम्** । अश्वघोष विरचित । डा० हरप्रसाद संपादित ३—०
३७८३ **सौन्दर्यलहरी** । शङ्कराचार्य विरचिता । लक्ष्मीधर व्याख्या सहिता । **भावनोपनिषत्** , भास्कररायभाष्य सहिता, **देवीपञ्चस्तवी** च ३—१२
३७८४ **सौन्दर्यलहरी** । मूककवि विरचितम् ०—४
३७८५ **सौन्दर्यलहरी** । स्वामी विष्णुतीर्थ कृत हिन्दी अनुवाद सहित ५—०
३७८६ **स्तवमाला** । रूपदेव विरचित । जीवदेव प्रणीत भाष्य सहित ३—०

३७८७ **स्तुतिशतकम्** । मूककवि विरचितम् ०—४
३७८८ **स्यानन्दूरपुरवर्णनप्रबन्धः** । श्री रामवर्म प्रणीत । सव्याख्या २—८
३७८९ **हंसदूतकाव्यम्** । वामनभट्टवाण विरचितम् २—८
३७९० **हंससन्देशः** । पूर्णसरस्वती विरचितः ०–५ | ३७९१ **हंससन्देशः** सव्याख्या ०–८
३७९२ **हंससन्देशः** । परकाल स्वामी प्रणीत व्याख्या सहित ४—८
३७९३ **हरचरितचिन्तामणिकाव्यम्** । राजानक जयरथ विरचित ३—०
३७९४ **हरनामामृतम्** । षोडशसर्गात्मकं काव्यं । विद्याधर शास्त्री एम० ए० कृतं १—०
३७९५ **हरिचरितम्** । परमेश्वरकृत । सटीक ७—८
३७९६ **हरिहरचतुरङ्गम्** । गोदावरमिश्र प्रणीत ६—८

गद्यकाव्य-ग्रन्थाः

३७९७ **अवदानकल्पलता** । क्षेमेन्द्रकृत । विद्याभूषण संपादित समाप्त
*३७९८ **अवदानकल्पलता** । तृतीयपल्लवः । क्षेमेन्द्र विरचितः ०—४
३७९९ **अवन्तिसुन्दरी** । दण्डि विरचित ५—० | ३८०० **उत्कीर्णलेखाञ्जलिः** ०—१२
३८०१ **ऋजुलघ्वी** । मालतीमाधव कथा २—८
३८०२ **कथापञ्चकम्** । क्षमाराव १—०
३८०३ **कथामुक्तावली** । क्षमादेव्या विरचित ४—८
३८०४ **कथासरित्सागरः–गद्यात्मकः** । समाप्त
३८०५ **कादम्बरी** । बाणभट्टविरचित । मूलमात्र । सम्पूर्ण । पी० एल० वैद्य सम्पादित १०—०
३८०६ **कादम्बरी** । भानुचन्द्र-सिद्धचन्द्र प्रणीत व्याख्याद्वय सहित । सम्पूर्ण समाप्त
*३८०७ **कादम्बरी** । 'चन्द्रकला' विद्योतिनी' संस्कृत-हिन्दी टीका, विस्तृत प्रस्तावना, महाकवि की जीवनी, कादम्बरी समीक्षा, कथासार आदि आधुनिक विविध विषयों से सुसज्जित । पं० कृष्णमोहन शास्त्री एम ए० सम्पादित । **जाबाल्याश्रम पर्यन्त** ३–०–०, 'कथामुखपर्यन्त' ३–१२–०, पूर्वार्द्ध १२—८
*३८०८ **कादम्बरी एक सांस्कृतिक अध्ययन** । डा० वासुदेवशरण अग्रवाल प्रेस में
३८०९ **कादम्बरीकथासार** । अभिनन्द विरचित १—०
३८१० **कार्तवीर्यविजयप्रबन्धः** । आश्विनश्रीरामवर्म प्रणीतः ०—५
३८११ **कालिदासीय नाटक कथामञ्जरी** । १—८
*३८१२ **काव्यप्रबन्धः** । (काव्यपदार्थविवृति–कविसमयादिनिरूपणात्मकः) शास्त्री, आचार्य तथा संस्कृत लेकर बी० ए०, एम० ए० परीक्षा देनेवाले छात्रोंके लिए सर्वोत्तम निबन्ध ग्रन्थ १—८

३८१३ **काव्यानुशीलन** । (साहित्यिक एवं सांस्कृतिक निबन्धों का संग्रह) पं० बलदेव उपाध्याय ४—८
३८१४ **गणिकावृत्तसङ्ग्रहः** । डा० स्टर्नबाक संगृहीत २०—०
३८१५ **गुरुगुणरत्नाकरः** । सोमचारित्र विरचित ०—९
३८१६ **गुर्वावलि** । मुनिसुन्दरसूरि विरचित ०—५
३८१७ **चन्द्रापीडचरितम्** । अनन्ताचार्य ०—१२
३८१८ **तिलकमञ्जरी** । धनपाल विरचित ३—८
३८१९ **तिलकमञ्जरी** । धनपाल विरचित । शान्त्याचार्य प्रणीत टिप्पणी सहित । १-२ भाग १२—०
३८२० **दरिद्राणां हृदयम्** । श्री नारायणशास्त्रि कृत । ०—८
३८२१ **दशकुमारकथासारः** । अप्पयामात्यकृत २—०
*३८२२ **दशकुमारचरितम्** । पं० ताराचरण भट्टाचार्य कृत बालबोधिनी-बालक्रीडा संस्कृत हिन्दी टीका द्वयोपेतम् । सम्पूर्ण ५—८
पूर्वपीठिका १-४-०, पूर्वपीठिका तथा प्रथम और अष्टम उच्छ्वास २—०
अपहारवर्मचरितपर्यन्त ३—०
३८२३ **दशकुमारचरितं** । पदचन्द्रिका-भूषण-लघुदीपिका-पददीपिका व्याख्यासहित ३—०
३८२४ **दिव्यदृष्टिः** । ०—६
३८२५ **धर्मोपदेशमालाविवरण** । लालचन्द बी० गांधी सम्पादित ९—१२
३८२६ **द्वात्रिंशत्पुत्तलिकासिंहासनम्** । सव्याख्या १—१४
३८२७ **नलोपाख्यानसंग्रहः** । लक्ष्मणसूरि विरचित ०—८
३८२८ **नासिकेतोपाख्यानम्** । हिन्दी टीका सहित १—८
*३८२९ **पञ्चतन्त्रम्** । काशीस्थ राजकीय सर्वविध प्रथमा तथा मध्यमापरीक्षा निर्धारित अश्लील अंशवर्जित विषमस्थलबोधिनी विवृति सहितम् पञ्चम तंत्र ०—२ सम्पूर्ण २—०
*३८३० **पञ्चतन्त्रं मित्रभेदः** (प्रथमतन्त्र) । पूर्वमध्यमा परीक्षानिर्धारित अश्लीलअंशवर्जित बोधनी विवृत्ति सहित ०—१२
*३८३१ **पञ्चतन्त्रम्** । काकोलूकीयम् । 'सरला' हिन्दीटीका सहित १—४
*३८३२ **पञ्चतन्त्रम्** (अपरीक्षितकारक त्रिस्तनी कथादि वर्जित) सुबोधिनी संस्कृत हिन्दी टीका टिप्पणी संक्षिप्तकथा, शिक्षासंग्रह, विस्तृत भूमिका आदि विषयों से विभूषित ०—१२
३८३३ **पञ्चतन्त्रम्** । जीवानन्दप्रणीत संस्कृत व्याख्या सहित ३—१२
३८३४ **पञ्चतन्त्रम्** । संस्कृत-हिन्दीटीका सहित । ६—०

३८३५ **पञ्चतन्त्रम्** । हिन्दी टीका सहित ४—०
३८३६ **पञ्चतन्त्रसङ्ग्रहः** । २—०
३८३७ **पालिजातकावलिः** । पं० बटुकनाथशर्मा संपादित २—८
३८३८ **पुरातनप्रबन्धसङ्ग्रहः** । ऐतिहासिक प्रबन्ध ७—०
३८३९ **प्रबन्धकोषः** । राजशेखरसूरिकृत । आचार्य जिनविजय संपादित ६—०
३८४० **प्रबन्धचिन्तामणिः** । मेरुतुङ्गाचार्य कृत । आचार्य जिनविजय संपादित ६—०
३८४१ **प्रबन्धचिन्तामणि** । मेरुतुङ्गाचार्य विरचित । अंग्रेजी अनुवाद मात्र ३—१२
३८४२ **प्रबन्धचिन्तामणिः** । मुनिजिनविजयकृत हिन्दी अनुवाद मात्र ६—०
३८४३ **बहुविवाहवादः** । तर्कवाचस्पति विरचितः ०—५
३८४४ **भारतविभूतयः** । हंसराज अग्रवाल कृत १—२
३८४५ **भारतसंग्रहः** । (गद्यकाव्य) लक्ष्मणसूरि विरचित २—८
३८४६ **भासकथासारः** । महालिङ्ग शास्त्री प्रणीत । १-३ भाग ३—०
३८४७ **भोजचरित्रम्** । १—८
*३८४८ **भोजप्रबन्धः** । **महाकवि बल्लालसेन विरचितः** ०—१२
३८४९ **भोजप्रबन्धः** । संस्कृत व्याख्या सहित १—१४
*३८५० **भोजप्रबन्ध** । **'राज्यश्री' हिन्दी टीका डॉ० भोलाशंकर व्यास एम. ए. संपादित समालोचनात्मक भूमिका सहित** १—८
३८५१ **मत्स्यावतारप्रबन्धः** । नारायणभट्ट प्रणीतः ०—५
३८५२ **मन्दारमञ्जरी** । श्री विश्वेश्वर पाण्डेय विरचितः । सव्याख्या ४—०
३८५३ **मन्दारवती** । (बृहत्कथामञ्जर्युद्धृताभिनवकथा) ०—१२
३८५४ **माधवानलकामकन्दला** । (प्रबन्ध) गङ्गापति विरचिता मजूमदार संपादित १२—०
३८५५ **मुद्राराक्षसनाटककथा** । महादेव विरचित । राघवन संपादित २—१२
३८५६ **मुद्राराक्षसपूर्वसङ्कथानक** । अनन्तराम विरचित १—१२
३८५७ **रसिकजीवन** । गदाधरभट्टाचार्य विरचित । चौधरी संपादित ७—८
३८५८ **रामकथा** । वासुदेव विरचित ०—८
३८५९ **रामचन्द्रयशः प्रबन्धः** । अकबरीय कालिदास विरचित ०—८
३८६० **रामविवाह** । (चित्रकाव्य) । लक्ष्मणशास्त्री १—०
३८६१ **लक्ष्मीश्वरीचरितम्** । बालकृष्णमिश्र प्रणीत १—४
३८६२ **लघुरामचरितम्** । महालिङ्गशास्त्री विरचित ०—१०
३८६३ **लोकमान्यतिलकचरितम्** । (सचित्र) के० डब्ल्यू० चितले कृत ५—०
*३८६४ **वासवदत्ता** । **सुबन्धु विरचित । चपला संस्कृत-हिन्दीटीका समालोचना, कवि की जीवनी आदि आधुनिक विषयों से सुसज्जित** ४—०
*३८६५ **विदुलोपाख्यानम्** । **लीला-विलास संस्कृत-हिन्दी टीका सहित** ०—१०

३८६६ **विद्वच्चरितपञ्चकम्** । श्रीनारायण शास्त्रि खिस्ते विरचितम् १—०

*३८६७ **विद्वद्विभूति** । लेखक-साहित्यरत्न प्रो० श्री रामचन्द्र झा (बिहार-संस्कृत समिति द्वारा नवीन मध्यम परीक्षा पाठ्य स्वीकृत) १—४

*३८६८ **विश्रुतचरितम्** । (दशकुमार अष्टम उच्छ्वास) दण्डिप्रणीतं आचार्य कृष्णमोहन शास्त्री एम. ए. सम्पादित समालोचनात्मक भूमिका सहित 'बालविबोधिनी' संस्कृत-हिन्दी टीका विभूषित १—०

३८६९ **विश्वदर्शनम्** । हंसराज अग्रवाल कृत १—२

३८७० **वेतालपञ्चविंशतिः** । संस्कृत व्याख्या सहित २—८

३८७१ **वेतालपञ्चविंशतिः** । जम्भलकथा । दत्त विरचित । गोरे सम्पादित ३—८

३८७२ **वेतालपंचविंशतिकथा** । १—४

३८७३ **वेमभूपालचरितम्** । वामनभट्टबाण विरचित समाप्त

३८७४ **शङ्करजीवनाख्यानम्** । क्षमाराव २—०

३८७५ **शङ्करविजयः** (श्री शङ्कराचार्य जीवन चरित) १—१४

३८७६ **शम्भूचर्योपदेशः** । महालिङ्गशास्त्री कृत ०—१०

३८७७ **शान्तिनाथचरितम्** । अजितप्रभाचार्य विरचित ३—०

३८७८ **शिलालेखललन्तिका** । ०—१२

३८७९ **शिवराजविजयः** । अम्बिकादत्त व्यास कृत । वैजयन्ती व्याख्या सहित १-२ निश्वास १—८, १-८ निश्वास ३—८, सम्पूर्ण ६—८

३८८० **शेक्सिपयरनाटककथावली** । २—८

३८८१ **श्रीरामावतार प्रकीर्ण प्रबन्धावली** । प्रथमखण्ड ११—०

*३८८२ **संस्कृत-गद्य-पद्य संग्रहः** । बिहार संस्कृत समिति द्वारा नवीन परीक्षा पाठ्य स्वीकृत । प्रथम भाग १—०

३८८३ **संस्कृतगद्यमञ्जरी** । चन्द्रशेखर पाण्डेय कृत २—४

३८८४ **समस्या समज्या** । भागवताचार्य स्वामिकृत २—०

३८८५ **समीक्षाशास्त्र** । ले० श्री सीताराम चतुर्वेदी । विश्वसाहित्य में साहित्य समीक्षा का सब से विशाल ग्रन्थ २१—०

३८८६ **सरलागद्यकाव्यम्** । विद्यावित्तविवादखंडकाव्य । हरिदास सिद्धान्तवागीश विरचित १—०

३८८७ **सावित्र्युपाख्यानम्** । संस्कृत-हिन्दी टीका सहित १—४

३८८८ **स्थविरावलीचरितम्** । परिशिष्टपर्वण । हेमचन्द्र विरचित ५—०

३८८९ **हरिश्चन्द्रोपाख्यानम्** । श्री महादेवशास्त्री विरचित संस्कृत हिन्दी व्याख्या सहित १—४

३८९० **हर्षचरितम्** । बाणभट्ट कृत । शङ्करकृत सङ्केत व्याख्या सहित २—४
३८९१ **हर्षचरितम्** । जीवानन्द कृत व्याख्या सहित ६—४
*३८९२ हर्षचरितम् (प्रथम उच्छ्वासः) कथाभट्टी संस्कृत हिन्दीटीकासहित १—४
३८९३ **हर्षचरितम्** । (उच्छ्वास १-८) केवल हिन्दी अनुवादमात्र १-२ भाग ५—०
३८९४ **हर्षचरित एक सांस्कृतिक अध्ययन** । वासुदेव शरण अग्रवाल ९—८
३८९५ **हर्षचरितसारः** । अनन्ताचार्य कृत ०—१०
३८९६ **हर्षचरितसारकौमुदी** । (हर्षचरितसार की कुंजी) १—८
*३८९७ हितोपदेशः । मूलमात्र । सटिप्पण । १—०
३८९८ **हितोपदेशः** । नारायण विरचित । पी० पिटर्सन संपादित १—१०
३८९९ **हितोपदेशः** । जीवानन्द प्रणीत व्याख्या सहित ३—४
३९०० **हितोपदेशः** । संस्कृत-हिन्दी टीका सहित ३—०
३९०१ **हितोपदेशः** । हिन्दी टीका सहित १—८
*३९०२ हितोपदेश-मित्रलाभः (अश्लीलांश वर्जित) सान्वय-किरणावली टीका सहितः (काशी की नवीन प्रथमा तथा कलकत्ता-बिहार की प्रथमा परीक्षा में स्वीकृत) १—०
३९०३ **हितोपदेशसारः** । सदाशिव शास्त्री १—०
३९०४ **हितोपदेशसार की विस्तृत व्याख्या** (कुंजी) रामदत्त अवस्थी कृत २—८



अलङ्कारशास्त्र-ग्रन्थाः

३९०५ **अकबरसाहिश्रृङ्गारदर्पण** । पद्मसुन्दरविरचित २—०
३९०६ **अभिनवकाव्यप्रकाशः** । सटिप्पण । १-६ उल्लास १—८
३९०७ **अर्थव्यञ्जकताचित्रम्** । ०—४
३९०८ **अलङ्कारकौमुदी** । श्रीसुरेन्द्रशास्त्री रचित २—४
३९०९ **अलङ्कारकौस्तुभः** । विश्वेश्वर पण्डित विरचित स्वोपज्ञ व्याख्या सहित यन्त्रस्थ
३९१० **अलङ्कारकौस्तुभः** । कविकर्णपूर विरचितः । १-२ भाग दुष्प्राप्य
३९११ **अलङ्कारदीपिका** । भीमसेनशास्त्रि कृत १—१२
*३९१२ अलङ्कारप्रदीपः । श्रीविश्वेश्वर पाण्डेय निर्मितः ०—८
३९१३ **अलङ्कारमञ्जूषा** । देवशङ्करपुरोहित विरचित ४—०
३९१४ **अलङ्कारमणिहारः** । परकालस्वामी प्रणीतः । चतुर्थ भाग मात्र ३—०
३९१५ **अलङ्कारमहोदधिः** । नरेन्द्रप्रभसूरि विरचित १०—०
*३९१६ अलङ्कारमुक्तावली । श्रीविश्वेश्वर पाण्डेय निर्मिता ०—१२

३९१७ **अलङ्काररत्नाकरः** । शोभाकर मित्र विरचित । देवधर सम्पादित ३—१२

*३९१८ **अलङ्कारशेखरः** । केशवमिश्र कृतः । साहित्याचार्य श्रीअनन्तराम शास्त्रिकृत भूमिकादि विभूषित ०—१२

३९१९ **अलङ्कारसंग्रहः** । अमृतानन्दयोगिकृत १६—०

३९२० **अलङ्कारसर्वस्वम्** । राजानकरुय्यकविरचित । जयरथ प्रणीत व्याख्यासहित २—०

*३९२१ **अलङ्कारसारमञ्जरी** । काशी ग० सं० कालेज सर्वविध मध्यम परीक्षा पाठ्यरूपा । हिन्दी टीका सहित ०—७

३९२२ **अलङ्कारसूत्रम्** । राजानकरुय्यकविरचित । मंखुकप्रणीत अलङ्कारसर्वस्व-समुद्रबन्धकृत व्याख्या सहित ३—२

३९२३ **अलंकृतमणिमाला** । जी० वी० देवरथ कृत १—४

३९२४ **उज्ज्वलनीलमणिः** । रूपगोस्वामी विरचिता । आनन्दचन्द्रिकालोचन-रोचनव्याख्याद्वय सहित ४—०

३९२५ **कर्णभूषणम्** । गङ्गानन्द कविराज विरचित १—०

३९२६ **कविकल्पलता** । देवेश्वर विरचिता १—८

*३९२७ **काव्यकल्पलतावृत्तिः** । अमरचन्द्रयतिनिर्मिता दुष्प्राप्य

३९२८ **काव्यचन्द्रकला** । रामनारायणदास शास्त्री विरचिता १—०

३९२९ **काव्यदर्पणः** । राजचूड़ामणि दीक्षित विरचित । ३—४

*३९३० **काव्यदीपिका** । 'मयूख'-किरण' संस्कृत हिन्दीटीका सहित २—०

*३९३१ **काव्यदीपिका-अष्टमशिखा**—डॉ० भोलाशंकरव्यास एम० ए० सम्पादित समालोचनात्मक भूमिकादि, 'मयूख' संस्कृत-हिन्दी टीका विभूषित १—४

३९३२ **काव्यनिर्णय** । (हिन्दी) भिखारीदास कृत ३—०

३९३३ **काव्यपरीक्षा** । श्रीवत्सलाञ्छन विरचित । स्वोपज्ञवृत्ति सहित ८—०

*३९३४ **काव्यप्रकाशः** । 'शशिकला' हिन्दी व्याख्या टिप्पणी (नोट्स) समालोचनात्मक विस्तृत प्रस्तावनादि सहित । व्याख्याकार—डॉ० सत्यव्रतसिंह एम० ए०, पी-एच० डी० १०—०

*३९३५ **काव्यप्रकाशः** । म० म० श्री गोकुलनाथ उपाध्याय कृत व्याख्या विभूषितः । प्रथमोल्लासः १—०

*३९३६ **काव्यप्रकाशः** । 'नागेश्वरी' व्याख्या सहितः । द्वितीय संस्करण ६—०

*३९३७ **काव्यप्रकाशः** । सुधासागरी व्याख्या विभूषितः दुष्प्राप्य

३९३८ **काव्यप्रकाशः** । माणिक्यचन्द्र विरचित संकेत व्याख्या सहित ४—१२

३९३९ **काव्यप्रकाशः** । प्रदीपोद्योत व्याख्या सहितः ९—४
३९४० **काव्यप्रकाशः** । वामनाचार्य झलकीकर प्रणीत व्याख्योपेतः १२—०
३९४१ **काव्यप्रकाशः** । विद्याचक्रवर्तिप्रणीत सम्प्रदाय प्रकाशिनी भट्टगोपालकृत साहित्यचूडामणि व्याख्या सहित । १-२ भाग १०—०
३९४२ **काव्यप्रकाशः** । महेश्वर विरचित व्याख्या सहित १२—०
३९४३ **काव्यप्रकाशः** । चण्डीदास प्रणीत दीपिका व्याख्या सहित । प्रथम भाग ०—१४
*३९४४ **काव्यप्रकाशरहस्यम्** (काव्यप्रकाश-प्रश्नोत्तरी) १—०
३९४५ **काव्यप्रदीपः** । गोविन्दविरचित । वैद्यनाथ प्रणीत व्याख्या सहित ३—०
३९४६ **काव्यमञ्जरी** । पदुमदास कृत २—८
*३९४७ **काव्यमीमांसा** । राजशेखर विरचित । साहित्याचार्य श्रीमधुसूदन मिश्र विरचित मधुसूदनी व्याख्या सहित ३—०
३९४८ **काव्यमीमांसा** । केदारनाथ शर्मा कृत हिन्दी अनुवाद सहित ९—८
३९४९ **काव्यलक्षण** । दण्डी विरचित । सव्याख्या ......
३९५० **काव्यविलासः** । चिरञ्जीव भट्टाचार्य विरचित ०—९
*३९५१ **काव्यादर्शः** । दण्डिविरचितः । आचार्य रामचन्द्र मिश्र प्रणीत संस्कृत-हिन्दी व्याख्या प्रस्तावनादि सहितः प्रेस में
३९५२ **काव्यादर्शः** । प्रेमचन्द्र तर्कवागीश प्रणीत व्याख्या सहित ६—०
३९५३ **काव्यादर्शः** । संस्कृत व्याख्या आंग्लानुवाद सहित ५—८
३९५४ **काव्यादर्शः** । (संस्कृत-तिब्बती) लक्ष्मीकर विरचित ३—०
३९५५ **काव्यानुशासनम्** । वाग्भट विरचित । सव्याख्या १—०
३९५६ **काव्यानुशासनम्** । हेमचन्द्र विरचित वृत्ति सहित ३—८
३९५७ **काव्यानुशासनम्** । रसिकलाल पारिख संपादित । १-२ भाग ६—०
*३९५८ **काव्यालङ्कारः** । श्रीभामहाचार्यनिर्मितः । आंग्ल भूमिकादि सहित २—८
३९५९ **काव्यालङ्कारसारसङ्ग्रहः** । उद्भट विरचित । राजानकतिलक प्रणीत उद्भट विवेक व्याख्या सहित ४—०
३९६० **काव्यालङ्कारसारसङ्ग्रहः** । उद्भट विरचित । इन्दुराजकृत लघुवृत्ति, एन डी० बनहट्टी प्रणीत अंग्रेजी नोट्स सहित २—८
३९६१ **काव्यालङ्कारसूत्रवृत्तिः** । वामन विरचित वृत्तिसमेत १—४
३९६२ **काव्यालङ्कारसूत्रवृत्तिः** । वामन विरचित । कामधेनु व्याख्या सहित १—१४
३९६३ **काव्यालङ्कारसूत्रवृत्तिः** । आचार्य विश्वेश्वर कृत हिन्दी अनुवाद सहित १२—०
*३९६४ **कुवलयानन्दः** । डॉ० भोलाशंकर व्यास कृत 'अलंकारसुरभि' नामक सुविस्तृत हिन्दी व्याख्या, टिप्पणी तथा अलंकारशास्त्रीय इतिहासात्मक आधुनिक बृहत् भूमिकादि सहित ६—८

३९६५ **कुवलयानन्दचन्द्रिकाचकोरः** । जग्गू वेंकटाचार्य विरचित ७—८
३९६६ **गोदवर्मयशोभूषणम्** । अरुनगिरि कृतम् ०—१२
*३९६७ **चन्द्रालोकः** । गागाभट्टकृत 'राकागम' टीका सहित २—०
*३९६८ **चन्द्रालोकः** । पौर्णमासी, कथाभट्टी संस्कृत-हिन्दी टीकाद्वयोपेतः २—०
*३९६९ **चन्द्रालोकरहस्यं** (चन्द्रालोक प्रश्नोत्तरी) १—४
*३९७० **दशरूपकम्** । धनञ्जय विरचितम् । सावलोकम् । 'चन्द्रकला' हिन्दी व्याख्योपेतम् । समालोचनात्मक विस्तृत प्रस्तावनादि विभूषित, व्याख्याकारः-डॉ० भोलाशंकर व्यास ५—०
*३९७१ **ध्वन्यालोकः** । लोचन-बालप्रिया टीका दिव्याञ्जनादि सहितः यन्त्रस्थ
*३९७२ **ध्वन्यालोकः** । कविशेखर पं० बदरीनाथ शर्म कृत दीधिति संस्कृत-हिन्दी व्याख्या विस्तृत प्रस्तावनादि सहित ८—०
३९७३ **ध्वन्यालोकः** । कुप्पू स्वामिशास्त्री प्रणीत व्याख्या सहित । प्रथमभाग ९—०
३९७४ **ध्वन्यालोकः** । आचार्य विश्वेश्वर कृत हिन्दी अनुवाद १०—०
*३९७५ **ध्वन्यालोकरहस्यम्** । (ध्वन्यालोक-प्रश्नोत्तरी) १—८
*३९७६ **ध्वन्यालोकसारः** । रचयिता-पण्डित श्री पुरुषोत्तमशर्मा चतुर्वेदी १—४
३९७७ **पृथ्वीचन्द्रचरित्रम्** । सत्यराजगणिकृत । पत्रात्मक १—८
३९७८ **प्रतापरुद्रीयम्** । विद्यानाथ विरचित । रत्नापण व्याख्या सहित ४—०
३९७९ **भारतीयसाहित्यशास्त्र** (हिन्दी) बलदेव उपाध्याय । १-२ भाग १४—०
*३९८० **रसगङ्गाधरः** । पण्डितराज जगन्नाथ विरचितः । 'रसचन्द्रिका' संस्कृत-हिन्दी व्याख्या तथा ग्रन्थालोचन, पण्डितराज की जीवनी, अलङ्कारसमीक्षा आदि शताधिक पृष्ठों की आधुनिक प्रस्तावना, वक्तव्य परिशिष्ट आदि से सुसज्जित । व्याख्याकार—आचार्य बदरीनाथशर्मा तथा आचार्य मदनमोहनशर्मा, प्रा०, संस्कृत कालेज मुजफ्फरपुर । उत्प्रेक्षालङ्कारान्त १८—०
*३९८१ **रसगङ्गाधररहस्यम्** (प्रश्नोत्तरी) श्रीमदनमोहनझा विरचित ०—१२
३९८२ **रसगङ्गाधरमर्मप्रकाश मर्मोद्घाटन** । जग्गू वेंकटाचार्य विरचित २—८
*३९८३ **रसचन्द्रिका** । श्री विश्वेश्वर पाण्डेय निर्मित १—०
३९८४ **रसतरङ्गिणी** । भानुदत्त प्रणीत १—४
३९८५ **रसतरङ्गिणी** । भानुमिश्र प्रणीत हिन्दी टीका सहित २—८
३९८६ **रसप्रदीपः** । प्रभाकरभट्ट विरचित ०—९
*३९८७ **रसमञ्जरी** । कविशेखर पं० बदरीनाथझाकृत 'सुरभि' व्याख्या सहित ३—०

३९८८ **रसरत्नप्रदीपिका** । अल्लराज विरचित ३—०
३९८९ **रसविलासः** । भूदेवशुक्ल कृत । श्रीमतीप्रेमलता शर्मा संपादित ५—०
३९९० **रूपकपरिशुद्धिः** । २—०
३९९१ **वक्रोक्तिजीवित** । आचार्य विश्वेश्वर कृत हिन्दी टीका सहित १६—०
*३९९२ **वाग्भटालङ्कारः** । सिंहदेवगणि विरचितया संस्कृत टीकया डा० सत्यव्रतसिंह कृत अभिनव शशिकला हिन्दी व्याख्या विस्तृत समालोचनादि सहित २—०
३९९३ **वृत्तवार्तिकम्** । रामपाणिवाद विरचित १—१४
३९९४ **वृत्तिवार्तिकम्** । अप्पयदीक्षित विरचित ०—६
*३९९५ **व्यक्तिविवेकः** । राजानक महिमभट्ट प्रणीतः । श्री राजानक रुय्यक विरचित व्याख्या तथा मधुसूदनी विवृति सहित दुष्प्राप्य
३९९६ **शृङ्गारप्रकाशः** । भोजदेव विरचितः १-२ प्रकाश १—१२
३९९७ **शृङ्गारप्रकाशः** । भोजदेव विरचितः । १-८ प्रकाशात्मक । जी० आर० जोशयेर संपादित २५—०
३९९८ **शृङ्गारप्रकाशः** । २२-२३-२४ प्रकाशात्मक ४—०
३९९९ **शृङ्गारमञ्जरी** । अकबरशाहविरचित । राघवन संपादित २०—०
४००० **शृङ्गारमञ्जरी** । अकबरसाह कृत । ब्रजभाषा । रूपान्तरकार कवि चिन्तामणि । डा० भगीरथ मिश्र सम्पादित २—८
४००१ **शृङ्गारवैराग्यतरंगिणी** । शिवदत्तकवि कृत ०—३
४००२ **शृङ्गारशतकम्** । वैद्य हरिदास कविराज कृत विस्तृत हिन्दी टीका सहित ४—८
४००३ **संस्कृतसाहित्यप्रवेशः** । डा० लक्ष्मीचन्द खुराना ३—८
४००४ **संस्कृतसाहित्यवीथिका** । सुरेन्द्रमोहनशास्त्री कृत ३—०
४००५ **सभ्यालङ्करणम्** । गोविन्दजीत विरचित । चौधरी सम्पादित ३—०
४००६ **सरलसाहित्यसङ्कलनम्** । प्रो० धर्मचन्द ४—०
४००७ **सरस्वतीकण्ठाभरणम्** । भोजदेव विरचितम् । रामसिंहजगद्धर कृत व्याख्या सहित ७—०
४००८ **सरस्वतीकण्ठाभरणम्** । चित्रप्रकरणम् ०—८
४००९ **साहित्य और सौन्दर्य** । लेखक-डा० फतह सिंह । हिन्दी १—१४
*४०१० **साहित्यदर्पणः** । 'लक्ष्मी' संस्कृत-व्याख्या-टिप्पणी विभूषित व्याख्याकारः-कृष्णमोहन शास्त्री एम. ए. (परिष्कृत संस्करण) १२—०
४०११ **साहित्यदर्पणः** । पी० वी० काणे कृत अंग्रेजी नोट्स सहित दुष्प्राप्य
*४०१२ **साहित्यदर्पणः** । विमर्शाख्य हिन्दी व्याख्या, वक्तव्य, टिप्पणी (नोट्स) सुविस्तृत प्रस्तावना, दर्पण-समीक्षादि सहित । व्याख्याकारः—डॉ० सत्यव्रत सिंह एम. ए. १२—८

*४०१३ **साहित्यदर्पणादर्शः** (साहित्यदर्पण-प्रश्नोत्तरी) ०—१२

*४०१४ **साहित्य-निबन्धः** । काशी, विहार एवं पंजाब के साहित्यशास्त्री तथा आचार्य परीक्षा में निर्धारित निबन्ध ग्रन्थ १—०

४०१५ **साहित्यमीमांसा** । १—४ | ४०१६ **साहित्यविमर्शः** । सोमेश्वरशर्मा २—८

४०१७ **साहित्यसारः** । सर्वेश्वराचार्य विरचित १—४, २—८

४०१८ **साहित्यसारः** । अच्युतराय प्रणीत स्वोपज्ञ व्याख्या सहित ४—८

सुभाषित-ग्रन्थाः

४०१९ **अन्योन्यशतकसङ्ग्रहः** । प्रतिभात्रिवेदी सम्पादित २—०

४०२० **कवीन्द्रवचनसमुच्चयः** । थामस सम्पादित दुष्प्राप्य

४०२१ **द्रविडार्यासुभाषितसप्ततिः** । महालिङ्गशास्त्री कृत १—४

४०२२ **रामायणसूक्तिसुधाकर** । ०—१०

४०२३ **व्याज्योक्तिरत्नावली** । महालिङ्गशास्त्री कृत २—८

४०२४ **शतकत्रयम्** । रामर्षिप्रणीतविवृति व्याख्योपेतम् २—४

४०२५ **संस्कृतलोकोक्तिप्रयोगः** । ०—१२

४०२६ **संस्कृतसूक्तिसागरः** । नारायण स्वामी कृत हिन्दी टीका सहित । सीताराम चतुर्वेदी सम्पादित २१—०

४०२७ **सदुक्तिकर्णामृतम्** । श्रीधरदास विरचित समाप्त

*४०२८ **समयोचितपद्यरत्नमालिका** । अकारादिक्रमेण सुभाषित पद्यों का अनुपम संग्रह ०—१२

४०२९ **सुभाषितत्रिशतिः** । भर्तृहरि प्रणीत । रामचन्द्र कृत व्याख्या सहित २—८

४०३० **सुभाषितरत्नभाण्डागारः** । सटिप्पण १२—०

४०३१ **सुभाषितरत्नसंदोहः** । अमितगति विरचित १—८

४०३२ **सुभाषितरत्नाकरः** । समाप्त

४०३३ **सुभाषितसुधारत्नभाण्डागारः** । १२—०

४०३४ **सूक्तिमुक्तावली** । हरिहर प्रणीत । रमानाथ झा सम्पादित ८—०

४०३५ **सूक्तिमुक्तावली** । जह्लण विरचित । कृष्णमाचार्य सम्पादित १५—०

४०३६ **सूक्तिरत्नहारः** । कलिङ्गराज विरचित २—८

*४०३७ **सूक्तिसंग्रहः** । श्रीराक्षसकविकृतः । प्राज्ञविनोदिनीव्याख्यासंवलितः ०—३

४०३८ **सूक्तिसुधाकरः** । सानुवाद अजिल्द ०—१० सजिल्द १—०

४०३९ **सूक्तिसुधातरङ्गिणी** । १-२ भाग १—१२

४०४० **सूक्तिसुन्दरः** । सुन्दरदेव विरचित । चौधरी सम्पादित २—०

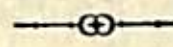
४०४१ **हरिहरसुभाषित** । हरिहर विरचित ०—१२

चम्पू-ग्रन्थाः

४०४२ **आनन्दकन्दचम्पू** । मित्रमिश्र विरचित १—१२
४०४३ **आनन्दरङ्गचम्पू** । श्रीनिवास विरचित । राघवन सम्पादित सव्याख्या ४—८
४०४४ **आनन्दवृन्दावनचम्पू** । सव्याख्या । पत्रात्मक १०—०
४०४५ **कविमनोरञ्जकचम्पू** । सीतारामसूरि विरचित १—१४
४०४६ **कुमारसम्भवचम्पू** । साराभोजी महाराज कृत १—२
४०४७ **गुणेश्वरचरितचम्पू** । बदरीनाथ झा कृत ३—०
*४०४८ **चम्पूभारतम् (भारतचम्पू) अनन्तभट्टविरचितम् । 'प्रकाश' संस्कृत-हिन्दी व्याख्या विस्तृत प्रस्तावनादि सहितम् । व्याख्याकार-आचार्य श्रीरामचन्द्र मिश्र** ८—०
*४०४९ **चम्पूरामायणम् । भोजराज विरचितम् । 'प्रकाश' संस्कृत-हिन्दी व्याख्योपेतम् । व्याख्याकार-आचार्यश्रीरामचन्द्रमिश्र** ६—०
४०५० **चित्रचम्पू** । म० म० बाणेश्वर विद्यालङ्कार भट्टाचार्य कृत २—४
४०५१ **चोलचम्पू** । विरूपाक्षकवि विरचित १—२
४०५२ **द्रौपदीपरिणयः** । चक्रकवि विरचित ०—१३
४०५३ **नृगमोक्षप्रबन्धः** । नारायणभट्ट प्रणीत ०—१५
*४०५४ **नृसिंहचम्पूः । संस्कृत-हिन्दी व्याख्या सहितः । डा० सूर्यकान्त शास्त्री सम्पादितः** १—८
*४०५५ **नलचम्पू । विषमपद प्रकाश व्याख्या भावबोधिनी टिप्पणी सहित** ३—०
४०५६ **निम्बादित्यदशश्लोकी** । कुसुमाञ्जली भाष्य संवलित ०—८
४०५७ **नीलकण्ठविजयचम्पू** । नीलकण्ठ दीक्षित प्रणीत १—०
४०५८ **पारिजातहरणचम्पू** । शेषकृष्ण विरचित ०—१२
४०५९ **भागवतचम्पू** । अभिनव कालिदास विरचित १—८
४०६० **भारतीयसिद्धान्तादेशः** । ०—६
४०६१ **मन्दारमरन्दचम्पू** । कृष्णकवि विरचित । सव्याख्या २—०
४०६२ **माधवचम्पूकाव्यम्** । ०—५
४०६३ **यशस्तिलकम्** । सोमदेवसूरि विरचित । श्रुतिसागरसूरि प्रणीत व्याख्या समाप्त
४०६४ **यात्राप्रबन्धः** । समरपुङ्गव दीक्षित विरचित २—०
४०६५ **रामानुजचम्पू** । रामानुजाचार्य कृत । सव्याख्यानम् ३—०
४०६६ **वीरभद्रचम्पूकाव्यम्** । पद्मनाभ मिश्र विरचित । चौधरी सम्पादित २—८
४०६७ **श्रीनिवासचम्पू** । सटिप्पण २—८
४०६८ **श्रीनिवासविलासचम्पू** । धरणीधर प्रणीत व्याख्या सहित १—४

भाण-प्रहसन-ग्रन्थाः

४०६९ **कौण्डिन्यप्रहसन** । महालिङ्ग शास्त्री कृत ०—१०
४०७० **मदनकेतुचरितम्** । रामपाणिवाद विरचित १—०
४०७१ **मुकुन्दानन्दभाण** । काशीपति विरचित ०—१२
४०७२ **रससदनभाण** । युवराजकवि विरचित १—०
४०७३ **लीलाविलासप्रहसनम्** । ०—८
४०७४ **वसन्ततिलकभाण** । वरदाचार्य विरचित समाप्त
४०७५ **शृङ्गारतिलकभाण** । रामभद्रदीक्षित विरचित ०—८
४०७६ **शृङ्गारनारदीयम्** नाम **प्रहसनम्** । महालिङ्ग शास्त्री २—८
४०७७ **शृङ्गारभूषणभाण** । वामनभट्टवाण विरचित ०—६
४०७८ **शृङ्गारसर्वस्वभाण** । वल्लालकवि विरचित ०—१०
४०७९ **शृङ्गारसुधाकरभाण** । आश्विनरामवर्म प्रणीत ०—१५
४०८० **हास्यार्णवप्रहसनम्** । सव्याख्या ०—१२॥



नाट्य-नाटक-ग्रन्थाः

४०८१ **अद्भुतदर्पणनाटकम्** । महादेव विरचित १—०
४०८२ **अनर्घराघवनाटकम्** । मुरारिकृत । रुचिपत्युपाध्यायप्रणीत व्याख्यासहित ३—०
*४०८३ **अभिज्ञानशाकुन्तलम्** । किशोरकेलि संस्कृत-हिन्दी व्याख्या विस्तृत प्रस्तावना, नोट्स सहित । परिष्कर्ता-प्रोफेसर कान्तानाथ शास्त्री तेलङ्ग एम० ए० । अभिनव संस्करण ६—०
४०८४ **अभिनयदर्पण** । नन्दिकेश्वर विरचित । आंग्लानुवाद सहित १०—०
४०८५ **अभिनवनाट्यशास्त्र** । (हिन्दी) सीताराम चतुर्वेदी १५—०
४०८६ **अमृतोदयनाटकम्** । म. म. गोकुलनाथ उपाध्याय विरचित ०—१२
४०८७ **आश्चर्यचूडामणिः** । शक्तिभद्र विरचित । सव्याख्या १—८
*४०८८ **उत्तररामचरितम्** । चन्द्रकला-विद्योतिनी-संस्कृत-हिन्दी टीका प्रो० पं० कान्तानाथ शास्त्री तेलंग एम. ए. सम्पादित विशेष विवरण (नोट्स) सहित । अभिनव संस्करण ४—८
४०८९ **उत्तररामचरितम्** । मूलमात्र । डा० वेलवलकर सम्पादित २—८
४०९० **उन्मत्तराघवनामप्रेक्षाणकम्** । भास्करकवि विरचित ०—८
४०९१ **उन्मत्तराघवम्** । विरूपाक्षकृत २—१२
४०९२ **ऊरुभङ्गम्** । भासकवि प्रणीत । हिन्दी टीका सहित ०—८
४०९३ **कंसवधनाटकम्** । शेषकृष्ण विरचित ०—१२

४०९४ **कमलिनीकलहंसः** । राजचूडामणि दीक्षित विरचित ०—१४

*४०९५ **कर्पूरमञ्जरी** । आचार्य रामकुमार एम. ए. कृत 'मकरन्द' संस्कृत-हिन्दी व्याख्या, नोट्स, समालोचनात्मक प्रस्तावनादि सहित २—८

४०९६ **कर्पूरमञ्जरी** । आंग्लभाषायां भूमिका नोट्स सहित ३—८

४०९७ **कलिप्रादुर्भावम्** । महालिङ्गशास्त्री विरचित १—४

४०९८ **काश्मीरसन्धानसमुद्यमः** । (रूपकम्) निपजेभीमभट्ट कृत १—०

४०९९ **कुन्दमाला** । दिङ्नाग प्रणीत । हिन्दी टीका सहित ३—८

४१०० **कुवलयावली** । (रत्नपांचालिका) शिंगभूपाल विरचित १—१४

४१०१ **कृष्णमोहननाटकम्** । ताडपत्रीकर विरचित ३—१२

४१०२ **घोषयात्रा** । युधिष्ठिर नृशंसयं ०—८

४१०३ **चन्द्रलेखासट्टकम्** । रुद्रदास विरचित । प्राकृत नाटक ८—०

४१०४ **चण्डकौशिकम्** । आर्य्यक्षेमीश्वर विरचित । सव्याख्या १—९

४१०५ **चैतन्यचन्द्रोदयः** । कविकर्णपूर विरचित ३—८

४१०६ **जीवन्मुक्तिकल्याणनाटक** । नल्लदीक्षितर विरचित १—८

४१०७ **जीवानन्दम्** । आनन्दरायमखि प्रणीत १—४

४१०८ **जीवानन्दम्** । आनन्दरायमखिप्रणीत संस्कृत व्याख्या सहित ३०—०

४१०९ **जीवानन्दम्** । हिन्दी टीका सहित ४—०

४११० **डमरुकम्** । घनश्याम विरचित ०—१०

४१११ **तापसवत्सराजनाटकम्** । अनङ्गहर्ष मटरुराज विरचित ३—०

४११२ **दुर्योधनवधकाव्यम्** । वंशीधरशर्मप्रणीत हिन्दी टीका सहित १—०

*४११३ **दूताङ्गद-नाटकम्** । 'दूताङ्गदचन्द्रिका' नामक संस्कृत हिन्दी टीका कथासार सहित १—०

४११४ **धनञ्जयविजयः** । काञ्चनाचार्य विरचित ०—६

४११५ **धर्मविजयनाटकम्** । भूदेवशुक्ल विरचित ०—१०

४११६ **धीरनैषध** । रामावतारशर्मा संपादित ३०—०

४११७ **नलचरित्रनाटकम्** । नीलकण्ठदीक्षित प्रणीत १—०

४११८ **नलदमयन्तीयम्** । कालिपदतर्काचार्य विरचित २—८

*४११९ **नागानन्दनाटकम्** । पं. बलदेव उपाध्याय एम. ए. कृत भावार्थदीपिका संस्कृत-हिन्दी-टीका, नवीन प्रस्तावनादि सहित ३—०

४१२० **नागानन्द एक अध्ययन** । सुधीरकुमार गुप्त २—०

४१२१ **नाट्यशास्त्रम्** । भरतमुनि प्रणीतम् समाप्त

४१२२ **नाट्यशास्त्रम्** । अभिनवगुप्ताचार्य प्रणीत व्याख्या सहित । १-३ भाग ५०—०

*४१२३ **नाट्यशास्त्रम्** । (प्रथम-द्वितीय अध्याय) 'मयूख' हिन्दी टीका यन्त्रस्थ

४१२४ **नाट्यशास्त्रसंग्रहः** । प्रथम भाग १७—०
४१२५ **पञ्चरात्रम्** । सुधया व्याख्यया संवलितम् ६—०
४१२६ **पञ्चरात्रम्** । आंग्लानुवाद सहित २—०
४१२७ **परिवर्तनम्** । पं० कपिलदेव द्विवेदी कृतं । हिन्दी टीका सहित ०—१५
४१२८ **पारिजातहरणनाटकम्** । उमापति उपाध्याय कृत ५—०
४१२९ **पार्वतीपरिणयनाटकम्** । महाकविबाण विरचित ०—८
४१३० **पुरञ्जनचरित** । श्रीकृष्णदत्त मैथिल प्रणीत ५—०
४१३१ **पृथ्वीराजरासो** । मथुराप्रसाद दीक्षित कृत हिन्दी टीका सहित १—०
४१३२ **प्रतिज्ञायौगन्धरायणम्** । हिन्दी टीका सहित १—४
*४१३३ **प्रतिमानाटकम्** । (नवीन संस्करण) डॉ० सत्यव्रत सिंह एम० ए० संपादित समालोचनात्मक प्रस्तावनादि सुसज्जित 'प्रकाश' संस्कृत-हिन्दी टीका, नोट्स, नाटकीय विषय आदि सहित २—०
*४१३४ **प्रबोधचन्द्रोदयम्** । प्रो० श्री रामचन्द्रमिश्र कृत 'प्रकाश'-संस्कृत-हिन्दी टीका, नोट्स (विवरण) विस्तृत प्रस्तावनादि सहित २—८
४१३५ **प्रशान्तरत्नाकरः** । कालिपदतर्काचार्य विरचित २—०
*४१३६ **प्रसन्नराघवम्** । जयदेव विरचितम् । 'चन्द्रकला' संस्कृत हिन्दी व्याख्या समालोचना, नोट्स सहित । व्याख्याकार-आचार्य श्री शेषराज शर्मा शास्त्री ४—०
*४१३७ **प्रियदर्शिका** । प्रो० श्री रामचन्द्र मिश्र कृत 'प्रकाश' संस्कृत-हिन्दी टीका, नोट्स (विवरण) विस्तृत प्रस्तावनादि सहित २—०
४१३८ **बङ्गीयप्रताप** । हरिदाससिद्धान्तवागीश विरचित २—०
४१३९ **बालमार्तण्डविजयम्** । देवराज कवि विरचित १—१४
४१४० **बालरामभरत** । बालरामवर्मा विरचित ३—२
४१४१ **बालरामायणनाटकम्** । जीवानन्दप्रणीत व्याख्या सहित ३—१२
४१४२ **भक्तसुदर्शननाटक** । मथुराप्रसाद दीक्षित २—०
४१४३ **भर्तृहरिनिर्वेदनाटकम्** । हरिहरोपाध्याय विरचित ०—५
४१४४ **भर्तृहरिनिर्वेदनाटकम्** । महाकवि हरिहरविरचित । हिन्दीटीका सहित १—०
४१४५ **भारतविजयनाटकम्** । म० म० मथुराप्रसाद दीक्षित विरचित २—८
४१४६ **भासनाटकचक्रम्** । मूलमात्र (भास के १३ नाटकों का संग्रह) १५—०
४१४७ **भीमपराक्रमः** । शतानन्द कवीन्द्र सूनु विरचित १—४
४१४८ **मदनकेतुचरित** । रामपाणिवाद विरचित ०—१४
४१४९ **मध्यमव्यायोगः** । भासप्रणीतः १—४
४१५० **मनोनुरञ्जननाटकम्** । अनन्तदेव विरचित ०—८

४१५१ **मल्लिकामारुतप्रकरणम्** । दण्डिविरचितम् । सव्याख्या २—१२
४१५२ **महानाटकम्** । कालिपदतर्काचार्यप्रणीत संस्कृतव्याख्या, वङ्गानुवादसहित ३—१२
४१५३ **महानाटकम्** (हनुमन्नाटकम्) जीवानन्द कृत संस्कृत व्याख्या सहित समाप्त
*४१५४ **महावीरचरितम्** । भवभूतिप्रणीतम् । प्रो० रामचन्द्र मिश्र कृत 'प्रकाश' संस्कृत-हिन्दी टीका-समालोचना-कथासार-नोट्स नाटकीय विविध विषय विभूषित ४—०
*४१५५ **मालतीमाधवनाटकम्** । 'चन्द्रकला' संस्कृत-हिन्दी टीका, समालोचना, पात्रालोचन, कथासार आदि विषयों से सुसज्जित टीकाकार—साहित्यसुधाकर श्री शेषराजशास्त्री ५—०
४१५६ **मालतीमाधवम्** । पूर्णसरस्वती विरचितया रसमंजर्या व्याख्योपेतम् ६—४
*४१५७ **मालविकाग्निमित्रम्** । कालिदास कृतं । 'प्रकाश' नामक संस्कृत हिन्दी टीका द्वयोपेतम् । टीकाकार—प्रो० श्री रामचन्द्र मिश्र ३—०
*४१५८ **मुद्राराक्षस-नाटकम्** । 'शशिकला' संस्कृत-हिन्दी टीका, सविशेष टिप्पणी, नोट्स, समालोचना आदि से सुसज्जित । सम्पादक—डॉ० सत्यव्रत सिंह एम० ए०, पी-एच० डी०, उत्तम संस्करण ३—४
४१५९ **मुद्राराक्षसनाटकम्** । हिन्दी अनुवाद मात्र १—०
४१६० **मुदितकुमुदचन्द्रप्रकरणम्** । यशचन्द्र विरचित ०—८
४१६१ **मृगाङ्कलेखानाटिका** । विश्वनाथदेवकवि विरचित ०—८
*४१६२ **मृच्छकटिकम्** । प्रो० कान्तानाथशास्त्री तेलंग एम० ए० सम्पादित नोट्स, समालोचनादि सहित 'प्रबोधिनी'-'प्रकाश' संस्कृत-हिन्दी टीका विभूषित । उत्तम संस्करण ६—०
४१६३ **मेवाड़प्रतापनाटकम्** । हरिदास सिद्धान्तवागीश विरचित २—०
४१६४ **यज्ञफलम्** । महाकवि भास विरचित ५—०
४१६५ **रतिमन्मथनाटकम्** । जगन्नाथ कृत २—०
४१६६ **रतिविजय** । के० एस० रामस्वामी शास्त्रीगल विरचित ०—५
*४१६७ **रत्नावली-नाटिका** । 'प्रकाश' संस्कृत-हिन्दी टीका, नोट्स प्रस्तावनादि सहित । टीकाकार—प्रो० श्री रामचन्द्र मिश्र ३—०
४१६८ **रत्नेश्वरप्रसादननाटकम्** । गुरुरामकवि प्रणीत १—२
४१६९ **राजविजयनाटकम्** । डा० रमेशचन्द्रमजूमदार सम्पादित २—०
४१७० **रामलीलानाटकम्** । कुन्दनलाल साह विरचित ४—८
४१७१ **रामलीलारामायणम्** । हिन्दी टीका सहित ६—०

४१७२ **रुक्मिणीपरिणयः** । रामवर्मवञ्चियुवराज विरचित ०—१२
४१७३ **लीलावतीवीथी** । रामपाणिवाद कृत ०—१०
*४१७४ **विक्रमोर्वशीयम्** । 'प्रकाश' संस्कृत–हिन्दी टीका, नोट्स, परिशिष्ट, समालोचना, कथासार आदि अनेक विषयों से विभूषित । टीकाकार–प्रोफेसर श्री रामचन्द्रमिश्र ३—०
४१७५ **विक्रमोर्वशीयम्** । कालिदास विरचित । एस. पी. पंडित सम्पादित २—०
४१७६ **विदग्धमाधवः** । रूपगोस्वामि विरचित । सव्याख्या २—०
४१७७ **विद्धशालभञ्जिका** । राजशेखर विरचित । जीवानन्द व्याख्या सहित ०—१५
४१७८ **विद्धशालभञ्जिका** । डा० जे. वी. चौधरी सम्पादित ८—०
४१७९ **विद्यापरिणयः** । आनन्दरायमखि विरचित ०—१२
४१८० **विश्वमोहननाटकम्** । ताडपत्रीकर कृत ३—१२
४१८१ **वीणावासवदत्ता** । ०—१०
४१८२ **वृषभानुजा नाटिका** । मथुरादास विरचित ०—१२
*४१८३ **वेणीसंहारनाटकम्** । 'प्रबोधिनी' संस्कृत–हिन्दी टीका विस्तृत प्रस्तावना, कथासारादि सहित । परिष्कृत संस्करण ३—०
४१८४ **शंकरविजयनाटकम्** । मथुराप्रसाद दीक्षित कृत १—०
४१८५ **शङ्करविजयनाटक** । भाषा ४—०
४१८६ **शिवाजीचरितम्** । हरिदास सिद्धान्तवागीश विरचित २—०
४१८७ **सङ्कल्पसूर्योदयनाटकम्** । ४—०
४१८८ **संकल्पसूर्योदयनाटकम्** । वेङ्कटनाथकृतम् । प्रभाविलास-प्रभावली व्याख्याद्वय सहित । १–२ भाग ४५—०
*४१८९ **सत्यहरिश्चन्द्रनाटक** । (छात्र-संस्करण) समालोचना, टिप्पणी सहित । शुभाशंसक–पं० बाबूराव विष्णुपराड़कर । (हिन्दी) ०—८
४१९० **सरस्वतीनाटिका** । सदाशिव दीक्षित प्रणीत ०—८
४१९१ **सामवतं नाटकम्** । अम्बिकादत्त व्यास । सव्याख्या २—८
४१९२ **सुभद्रापरिणयनाटकम्** । रामदेव प्रणीत ०—५
४१९३ **सुभद्राहरणनाटकम्** । माधवभट्ट प्रणीत ०—८
४१९४ **सौगन्धिकाहरणम्** । विश्वनाथ कृत सटिप्पण ०—८
*४१९५ **स्वप्नवासवदत्तम्** । प्रो० कान्तानाथ शास्त्री तेलंग एम० ए० संपादित आधुनिक विस्तृत समालोचनात्मक प्रस्तावनादि विभूषित प्रबोधिनी-प्रकाश संस्कृत हिन्दी टीका सहित । अभिनव संस्करण २—८
४१९६ **हनुमन्नाटकम्** । संस्कृत व्याख्या सहित २—८
४१९७ **हनुमन्नाटकम्** । हिन्दी टीका सहित ३—८

कोश-ग्रन्थाः

४१९८ **अनेकार्थतिलकम्** । महिप विरचित ६—०

*४१९९ **अनेकार्थध्वनिमञ्जरी** । द्विरूपकोश-एकाक्षरकोश सहित ०—२

४२०० **अनेकार्थमञ्जरी** । नाममाला ०—७

*४२०१ **अनेकार्थसंग्रहकोशः** । हेमचन्द्र विरचितः ३—०

४२०२ **अभिधर्मकोशः** । वसुबन्धुकृत । सटीक ५—०

४२०३ **अभिधानराजेन्द्रकोशः** । विजयराजेन्द्र सूरीश्वर विरचित । (आर्ध मागधी प्राकृत संस्कृत कोश) १-७ भाग ३००—०

*४२०४ **अमरकोशः** । मूल । केवल प्रथम काण्ड मात्र ०—३

*४२०५ **अमरकोशः** । मूल केवल द्वितीय काण्ड मात्र ०—६

*४२०६ **अमरकोशः** । तृतीय काण्ड मात्र । प्रभा टीका सहित ०—८

*४२०७ **अमरकोशः** [गुटका सम्पूर्ण] परीक्षोपयोगी प्रभा टीका सहित १—८

४२०८ **अमरकोशः** । शब्दकोष सहित । मूलमात्र १—८

४२०९ **अमरकोशः** । संस्कृत-तिब्बती । सतीशचन्द्र विद्याभूषण सम्पादित ४—०

४२१० **अमरकोशः** । संक्षिप्त माहेश्वरी व्याख्या सहित ३—०

४२११ **अमरकोशः** । भानुजीदीक्षित कृत (व्याख्या सुधा) रामाश्रमी व्याख्या सहित १०—०

४२१२ **अमरकोशः** । नामचन्द्रिका व्याख्या-सटीक त्रिकाण्डकोष-हारावली-द्विरूपकोश-एकाक्षरीकोश सहित ८—०

*४२१३ **अमरकोशः** । 'मणिप्रभा' नामक हिन्दी टीका सहित । प्रथमकाण्ड ०—१२

*४२१४ **अमरकोशः** । 'मणिप्रभा' हिन्दीटीका 'अमरकौमुदी' टिप्पणी सहित द्वितीय काण्ड मात्र २—०, शब्दसूची सहित संपूर्ण ६—०

*४२१५ **आख्यातचन्द्रिका नाम क्रियाकोशः** । श्रीभट्टमल्ल विरचित १—८

*४२१६ **आदर्श-हिन्दी-संस्कृत-कोशः** । (संस्कृत स्नेही संसार के लिए अपूर्व उपहार) इसमें लगभग ४० सहस्र हिन्दी-हिन्दुस्तानी शब्दों तथा मुहावरों के लिंगादि निर्देश पूर्वक संस्कृत पर्याय दिये गये हैं । संपादक—रामसरूप एम. ए. १२—८

4217 English Sanskrit Dictionary by Monier Williams. 45—0

४२१८ **आधुनिक संस्कृत हिन्दी कोष** । ऋषीश्वरनाथ भट्ट ५—०

४२१९ **उनादिकोष** । राजाकु० महादेव वेदान्तिन् १०—०

४२२० **उपनिषद्वाक्यमहाकोशः** । १६—०

४२२१ **एकार्थनाममाला-द्व्यक्षरनाममाला** । सौभरी विरचित ४—०

४२२२ **ऐतरेयब्राह्मण आरण्यक कोष** । केवलानन्द सरस्वती ८—०
४२२३ **कल्पद्रुकोशः** । केशव विरचित । दुष्प्राप्य
४२२४ **काश्मीर शब्दामृत** । ईश्वरकौल कृत १-२ भाग ५—०
४२२५ **कुरानशब्दकोश** । आर्थर जेफ्री संगृहीत दुष्प्राप्य
४२२६ **कोशकौमुदी** । रामदत्तत्रिपाठी शास्त्री ०—८
४२२७ **कोषसङ्ग्रहः** । १—८ | ४२२८ **कोषावतंसः** । राघवकवि विरचित २—४
४२२९ **कौशितकी-ब्राह्मण-आरण्यक-विषयकोष** । ६—०
*४२३० **गणितीयकोश (गणितीय परिभाषा तथा गणितीय शब्दावली)** [The technical language of Mathematics & Mathematical Terminology] लेखक—डॉ॰ ब्रजमोहन एम॰ ए॰, एल॰ एल॰ बी॰, पी-एच॰ डी॰ ६—०
४२३१ **जीनरत्नकोशः** । वेलंकर संपादित १२—८
४२३२ **तिङन्तार्णवतरणिकोशः** । (सि॰ कौमुदी के धातुओं का अकारादिक्रमेण ण्यन्तादि सहित धातुरूप संग्रहः) २०—०
४२३३ **त्रिकाण्डशेषकोशः** । ५—०
४२३४ **देशीनाममाला** । हेमचन्द्र विरचित ४—८
४२३५ **दोहाकोश** । सिद्ध सरहपाद कृत । राहुल सांकृत्यायन विरचित हिन्दी छायानुवाद सहित २३—४
४२३६ **धर्मकोशः** । (व्यवहारकाण्ड) श्रीलक्ष्मण शास्त्री संपादित १-३ भाग ५२—०
४२३७ **धर्मकोशः** । (उपनिषद्काण्ड) " " " १-४ भाग ११०—०
४२३८ **नानार्थमञ्जरी** । राघवविरचित १५—०
४२३९ **नानार्थरत्नमाला** । इरुगपदण्डधिनाथ विरचित १५—०
४२४० **नानार्थसंग्रहः** । अजयपाल विरचित १—१२
४२४१ **नानार्थार्णवसंक्षेपः** । केशवस्वामी विरचित । चतुर्थ पञ्चम षष्ठ काण्ड मात्र १—४
४२४२ **नाममाला** । धनञ्जय विरचित । अमरकीर्ति भाष्य सहित ३—८
४२४३ **नाममाला** । धनञ्जय विरचित । हिन्दी टीका सहित ०—१०
४२४४ **नाममालिका** । भोज संगृहीत ६—०
४२४५ **न्यायकोशः** । भीमाचार्य झलकीकर सम्पादित १५—०
४२४६ **पाइअ-सद्द महण्णव** । हरगोविन्ददास विरचित । प्राकृत-हिन्दीकोश । १-४ भाग ७५—०
४२४७ **पोर्त्तुगीज शब्दकोश** । ए॰ एक्स सोरज विरचित १६—०
४२४८ **भरतकोशः** । भरतादि प्रणीत नाट्य संगीतशास्त्र ग्रन्थोंका पारिभाषिक पदकोश २५—०
४२४९ **भारतीय राजनीतिकोषः** (कालिदास खण्डः) वेंकटशास्त्रीजोशी सम्पादित ८—०

४२५० **मराठी व्युत्पत्तिकोश** । कृष्णाजी पांडुरङ्ग कुलकर्णी २५—०
४२५१ **महाराष्ट्र शब्दकोश** । १-७ भाग ८०—०
४२५२ **महाराष्ट्रवाक्यसम्प्रदायकोश** । १-२ भाग ४५—०
४२५३ **महाराष्ट्रीय ज्ञानकोश** । श्रीधर व्यंकटेश केतकर । १-२३ भाग ३५०—०
४२५४ **मीमांसाकोषः** । केवलानन्द सरस्वती संपादित १-४ भाग १३५—०
*४२५५ **मेदिनीकोशः** । मेदनिकार विरचितः । नवीन संस्करण ३—०
४२५६ **वाचस्पत्यम्** । तारानाथ तर्कवाचस्पति कृतम् । दुष्प्राप्यं
*४२५७ **विश्वप्रकाशकोशः** । नानार्थशब्दानां प्रसिद्धमिदमभिधानं नचतुष्ककशब्दसंग्रहान्तम् ३—०
४२५८ **विशेषामृतम्** । त्र्यम्बकमिश्र कृत १—०
४२५९ **वैदिककोशः** । हंसराजकृत १५—०
४२६० **वैदिकपदानुक्रमकोषः** । १-७ भाग । विश्ववन्धु शास्त्री ।
साधारण संस्करण अजिल्द १४०—० विशिष्ट संस्करण सजिल्द २८०—०
४२६१ **वैदिकशब्दार्थपारिजातः** । प्रथमखण्ड ६—०
४२६२ **शब्दकल्पद्रुमः** । राधाकान्तदेव विरचित दुष्प्राप्य
४२६३ **शब्दभेदप्रकाशः** । (शब्दद्वैधकोश) एकाक्षरकोश युक्त ०—४
४२६४ **शब्दरत्नसमन्वयः** । सहाजी कृत १५—०
४२६५ **शब्दसागर** । (संस्कृत-अंग्रेजी) जीवानंद विद्यासागर २५—०
४२६६ **शब्दस्तोममहानिधिः** । दुष्प्राप्य
४२६७ **शब्दार्थचिन्तामणिकोशः** । सुखानन्दनाथ कृत । १-४ भाग दुष्प्राप्य
४२६८ **शारदीयाख्या नाममाला** । हर्षकीर्ति विरचिता । पाटकर संपादित ५—०
४२६९ **शाश्वतकोशः** । २—८
४२७० **शास्त्रीयपरिभाषाकोषः** । दाते-कर्वे संगृहीत ४०—०
४२७१ **शिवकोशः** । शिवदत्त विरचित । हर्ष संपादित १२—०
*४२७२ **श्रीकोशः** (हिन्दी से संस्कृत) तृतीय संस्करण १—४
4273 Sanskrit English Dictionary by Monier Willams. 102-6
४२७४ **संस्कृत पारसीक पदप्रकाशः** । महाकवि कर्णपूर विरचितः १—०
४२७५ **संस्कृतशब्दार्थकौस्तुभः** । द्वारकाप्रसाद चतुर्वेदी कृत १५—०
४२७६ **सर्वतन्त्रसिद्धान्तपदार्थलक्षणसंग्रहः** । संस्कृत का एक जेबी शब्दकोश । इसमें अकारादि क्रम से शास्त्रीय शब्दों के ८९०१ लक्षण हैं ०—१२
४२७७ **सुलभविश्वकोश** । १-६ भाग १७५—०
४२७८ **स्टूडेण्ट्स प्रैक्टिकल डिक्शनरी** । संस्कृत-हिन्दी-अंग्रेजी २—८
४२७९ **स्टूडेण्ट्स-प्रैक्टिकल डिक्शनरी** । अंग्रेजी-संस्कृत-हिन्दी १—८

हिन्दी-कोश-ग्रन्थ

४२८० **अभिनव अंग्रेजी हिन्दी कोश**। केदारनाथ भट्ट ७—१२
४२८१ **अभिनव हिन्दी कोश**। हरिशंकर शर्मा ८—०
४२८२ **अर्थशास्त्र शब्दकोश**। डा० रघुवीर ४—०
४२८३ **आङ्गल-भारतीय पत्ति-नामावली**। डा० रघुवीर १५—०
४२८४ **आङ्गल-भारतीयप्रशासन शब्दकोश**। डा० रघुवीर ८—१२
४२८५ **आङ्गल-भारतीय महाकोश**। डा० रघुवीर २५—०
४२८६ **आदर्श हिन्दी शब्दकोश**। रामचन्द्र पाठक १२—०
४२८७ **आदर्श हिन्दी शब्दकोश**। (संक्षिप्त) रामचन्द्र पाठक ६—०
*४२८८ **आदर्श-हिन्दी-संस्कृत-कोशः**। (संस्कृत स्नेही संसार के लिए अपूर्व उपहार) इसमें लगभग ४० सहस्र हिन्दी-हिन्दुस्तानी शब्दों तथा मुहावरों के लिंगादि निर्देश पूर्वक संस्कृत पर्याय दिये गये हैं। संपादक-रामसरूप एम. ए. १२—८
४२८९ **उर्दू-हिन्दी कोश**। केदारनाथ भट्ट संपादित ८—०
४२९० **खनिज अभिज्ञान**। डा० रघुवीर ५—०
४२९१ **जीवरसायनकोश**। ब्रजकिशोर मालवीय ६—०
४२९२ **ज्ञान शब्दकोश**। मुकुन्दीलाल श्रीवास्तव १५—०
४२९३ **तर्कशास्त्र पारिभाषिक शब्दावली**। प्रथम भाग। डा० रघुवीर १—०
४२९४ **तुलसीशब्दसागर**। भोलानाथ तिवारी १२—०
४२९५ **नालन्दा करेंट डिक्शनरी**। अंग्रेजी-हिन्दी १५—०
४२९६ **नालन्दा विशाल शब्दसागर**। १५—०
४२९७ **पारिभाषिक शब्दकोष**। ४—० चमड़े की जिल्द ५—८
४२९८ **प्रचारक हिन्दी शब्दकोश**। बड़ा १२—०, मध्यम ८—०, गुटका २—१४
४२९९ **प्रामाणिक हिन्दी शब्दकोश**। रामचन्द्र वर्मा (प्रामाणिक संस्करण) १२—८
४३०० **प्रारंभिक आङ्गल-भारतीय वैज्ञानिक शब्दकोश**। डा० रघुवीर ४—१२
४३०१ **बंगला-हिन्दी शब्दकोष**। गोपालचन्द्र चक्रवर्ती वेदान्तशास्त्री ७—०
४३०२ **बाल हिन्दी शब्दकोश**। रामचन्द्र पाठक ३—०
४३०३ **बृहत् पर्यायवाची कोश**। भोलानाथ तिवारी ७—८
४३०४ **बृहत् हिन्दी कोश**। कालिकाप्रसाद २५—०
४३०५ **भार्गव अंग्रेजी-हिन्दी शब्दकोश**। (बड़ा) ९—०
४३०६ **भार्गव अंग्रेजी-हिन्दी शब्दकोश**। गुटका ४—०
४३०७ **भार्गव हिन्दी-अंग्रेजी शब्दकोश**। (बड़ा) ९—०
४३०८ **भार्गव हिन्दी अंग्रेजी शब्दकोश**। गुटका ४—०

४३०९ **भारतीय भूमिति-चित्रों के लिये हिन्दी शब्द** । डा० रघुवीर १—०
४३१० **भाषा शब्दकोश** । रामशङ्कर शुक्ल 'रसाल' १२—०
४३११ **भूतत्त्व विज्ञानकोश** । एस० सी० गुप्त २—८
४३१२ **मानसशब्दसागर** । बद्रीदास अग्रवाल संकलित २०—०
४३१३ **राजकीय कोश** । गोरखनाथ चौबे १—८
४३१४ **रामगुलाम-शब्दकोश** । ५—०
४३१५ **वाणिज्य शब्द-कोष** । डा० रघुवीर २—०
४३१६ **वाणिज्य शब्दकोष** । कान्तानाथ गर्ग १—८
४३१७ **विद्यार्थिकोश** । दामोदर स्वरूप गुप्त ३—०
४३१८ **विधिशब्दसागर** । जगदीश प्रसाद चतुर्वेदी २२—८
४३१९ **व्रजभाषा सूरकोश** । १ से ५ भाग । डा० दीनदयालु १५—८
४३२० **शब्दरत्नावली** । रचना-व्याकरणकोश । त्रिवेणीप्रसाद ८—०
४३२१ **शासन शब्दकोश** । राहुल सांकृत्यायन समाप्त
४३२२ **श्याम संक्षिप्त हिन्दी कोश** । ४—०
४३२३ **श्याम गुटका हिन्दी कोश** । २—८
*४३२४ श्रीकोशः । (हिन्दी से संस्कृत) तृतीय संस्करण १—४
४३२५ **संक्षिप्त हिन्दी कोश** । भोलानाथ तिवारी ३—०
४३२६ **संक्षिप्त हिन्दी शब्दसागर** । समाप्त
४३२७ **समाचारपत्र शब्दकोष** । सत्यप्रकाश १—१२
४३२८ **सांख्यिकी शब्दकोष** । डा० रघुवीर २—०
४३२९ **साहित्य शास्त्र का पारिभाषिक शब्दकोष** । राजेन्द्र द्विवेदी ८—०
४३३० **सुलभ हिन्दी मराठीकोश** । यशवंत रामकृष्ण दाते ७—८
४३३१ **स्टूडेण्ट्स प्रैक्टिकल डिक्शनरी** । अंग्रेजी-हिन्दी ८—०
४३३२ **स्टुडेण्ट्स प्रैक्टिकल डिक्शनरी** । उर्दू-इंग्लिश ८—०
४३३३ **हिन्दीपर्यायवाची कोश** । श्री कृष्णशुक्ल विशारद ३—०
४३३४ **हिन्दी कथाकोश** । ३—०
४३३५ **हिन्दी-बंगला शब्दकोश** । गोपाल चन्द्र चक्रवर्ती ५—०
४३३६ **हिन्दी मुहावरा कोश** । ३—०
४३३७ **हिन्दी मुहावराकोश** । भोलानाथ तिवारी ७—८
४३३८ **हिन्दी मुहावरे** । ब्रह्मस्वरूप दिनकर शर्मा ६—०
४३३९ **हिन्दी शब्दार्थ पारिजात** । द्वारकाप्रसाद शर्मा ६—०
४३४० **हिन्दुस्तानी कोश** । हरिशंकर शर्मा ६—०

नीति-अर्थशास्त्र-ग्रन्थाः

४३४१ **अक्षयनीतिसुधाकरः** । ५—०
४३४२ **अभिलषितार्थचिन्तामणिः** । सोमेश्वरदेवकृत २—०
४३४३ **अर्थशास्त्रपदसूची** । पी० वी० वापट कृत ७—०
४३४४ **ईसबनीतिकथा** । १-२ भाग १—१०
४३४५ **उद्योगप्रारब्धविचार** । हिन्दी २—८
४३४६ **कहावतकल्पद्रुम** । हिन्दी १—४
४३४७ **कहावतरत्नाकर** । हिन्दी-अँग्रेजी-संस्कृत १०—०
४३४८ **कामन्दकीयनीतिसारः** । हिन्दी टीका सहित २—०
४३४९ **कौटिल्य-अर्थशास्त्रम्** । हिन्दी टीका सहित समाप्त
४३५० **कौटिल्य-अर्थशास्त्रम्** । भट्टस्वामिन प्रणीत संस्कृत व्याख्या सहित । दुष्प्राप्य
४३५१ **कौटिल्य-अर्थशास्त्रपदसूची** । १-३ भाग ७—०
४३५२ **कौटिल्य की राज्य व्यवस्था** । श्यामलाल पाण्डेय ८—०
४३५३ **चाणक्यकथा** । रविनर्तक विरचित १—०
४३५४ **चाणक्यनीतिः** । व्यवहारसारसंग्रह ०—८
४३५५ **चाणक्यनीतिदर्पणः** । हिन्दी टीका सहित ०—१२
४३५६ **चाणक्यराजनीतिशास्त्रम्** । ईश्वरचन्द्रशास्त्री संपादित २—०
४३५७ **चाणक्यशतकम्** । ०—५
*४३५८ **चाणक्यसूत्रम्** । (प्रथमोध्यायः) 'बालबोधिनी' 'सरला' संस्कृत-हिन्दी टीका सहित ०—७
४३५९ **दण्डनीतिः** । केशव पण्डित कृत ४—८
४३६० **धर्मचौर्यरसायन** । गोपालयोगीन्द्र कृत २—४
४३६१ **धौम्यनीतिः** । सव्याख्या ०—४
*४३६२ **नीतिमञ्जरी** । सभाष्या द्याद्विवेद विरचिता । भूमिका-टिप्पणी परिशिष्टादिभिः संयोज्य संपादिता ४—८
४३६३ **नीतिवाक्यामृतम्** । सोमदेवसूरि विरचित दुष्प्राप्य
*४३६४ **नीतिशतकम्** । 'ललिता' 'बाला' संस्कृत-हिन्दी टीका सहित १—०
४३६५ **नीतिशतकम्** । हरिदास कृत विस्तृत हिन्दी टीका सहित ५—०
४३६६ **नीतिशृङ्गारवैराग्यशतकम्** । भर्तृहरि विरचितम् । हिन्दी टीका सहित १—०
*४३६७ **पञ्चतन्त्रम्** । काशीस्थ राजकीय सर्वविध 'प्रथमा' तथा 'मध्यमा' परीक्षा निर्धारित अश्लील-अंश-वर्जित विषमस्थल बोधिनी विवृति सहितम् । पञ्चम तन्त्र ०—२ सम्पूर्ण २—०

*४३६८ **पञ्चतन्त्रम्-मित्रभेदः** । (प्रथमतन्त्र) पूर्वमध्यमापरीक्षा निर्धारित अश्लील अंश वर्जित 'बोधिनी' नामक विवृत्ति सहित ०—१२

*४३६९ **पञ्चतन्त्रम्** । अपरीक्षितकारकम् । (त्रिस्तनी कथादि वर्जित) संस्कृत हिन्दी टीका, टिप्पणी, संक्षिप्त-कथा, शिक्षासंग्रह, विस्तृत भूमिकादि विभूषित ०—१२

*४३७० **पञ्चतन्त्रम्** । काकोलूकीयम् । 'सरला' हिन्दी टीका सहित १—४

४३७१ **पञ्चतन्त्रम्** । जीवानन्द कृत संस्कृत व्याख्या सहित ३—१२

४३७२ **पञ्चतन्त्रम्** । संस्कृत-हिन्दी टीका सहित ६—०

४३७३ **पञ्चतन्त्रम्** । हिन्दी टीका सहित ४—०

४३७४ **पञ्चतन्त्रम्** । (हिन्दी) रूपान्तरकार-सत्यकाम विद्यालङ्कार ३—८

४३७५ **पञ्चतन्त्रम्** । (हिन्दी) अनुवादक-मोतीचन्द्र ४—८

४३७६ **पुरुषपरीक्षा** । विद्यापति कृत ०—१२

४३७७ **पुरुषपरीक्षा** । हिन्दी टीका सहित २—१०

४३७८ **पुरुषपरीक्षा** । (हिन्दी) मैथिलकोकिल विद्यापति कृत १—८

४३७९ **प्रियदर्शिप्रशस्तयः** । (Edicts of Asoka) १२—०

४३८० **बुद्धभूषण** । शंभू विरचित १—८

४३८१ **भर्तृहरिशतकत्रयम्** । गोपीनाथ कृत हिन्दी टीका तथा अंग्रेजी अनुवाद ७—०

४३८२ **भारतराष्ट्रसंघटना** । १—८

४३८३ **राजनीतिरत्नाकरः** । चण्डेश्वर विरचितः । जायसवाल सम्पादित ५—०

*४३८४ **विदुरनीतिः** । 'तत्त्वार्थदर्शिनी' संस्कृत-हिन्दी टीका सहित २—०

४३८५ **वैशम्पायननीतिप्रकाशिका** । सीताराम कृत तत्त्वविवृति सहिता ४—२

४३८६ **शुक्रनीतिः** । हिन्दी टीका सहित ४—८

४३८७ **हरिहरचतुरङ्गम्** । गोदावरी मिश्र प्रणीत ६—८

*४३८८ **हितोपदेशः** । सटिप्पण । सम्पूर्ण १—०

४३८९ **हितोपदेशः** । जीवानन्द कृत संस्कृत व्याख्या सहित ३—४

४३९० **हितोपदेशः** । संस्कृत-हिन्दी टीका सहित ३—०

४३९१ **हितोपदेशः** । हिन्दी टीका सहित १—८

*४३९२ **हितोपदेशः-मित्रलाभः** । सान्वय किरणावली हिन्दी व्याख्या सहित १—०

४३९३ **हीरों का खजाना** । प्रथम भाग । दामोदरलाल ज्ञानचन्द्र जैन । पद्य १—४

संगीत-ग्रन्थाः

४४४४ **वाद्य संगीत अङ्क।** ३-०
४४४५ **वितत वाद्य शिक्षा।** १-४
४४४६ **शास्त्र परिचय।** १-२ भाग १-४
४४४७ **संगीत अर्चना** (तान आलाप) ५-०
४४४८ **संगीत कादम्बिनी।** ५-०
४४४९ **संगीतकिशोर।** १-८
४४५० **संगीतकृतयः।** रामवर्मा कृत। संस्कृत १-४
४४५१ **संगीतदर्पणः।** चतुरदामोदर प्रणीत। संस्कृत ३-६
४४५२ **संगीतदर्पणः।** हिन्दीटीकासहित २-०
४४५३ **संगीतपारिजातः।** हिन्दी टीका सहित ४-०
४४५४ **संगीतफिल्म २२ से २६भाग** २०-०
४४५५ **संगीतमालिका।** महम्मदशाहकृत। जे० वी० चौधरी सम्पादित ५-०
४४५६ **संगीतरत्नाकरः।** श्री शार्ङ्गदेव कृतः। चतुरकल्लिनाथ प्रणीत व्याख्या सहित। १-२ भाग समाप्त
४४५७ **संगीतरत्नाकरः।** शार्ङ्गदेव कृत। चतुरकल्लिनाथ-सिंहभूपालकृत व्याख्याद्वय सहित १,३-४ भाग ६८-८
४४५८ **सङ्गीतरहस्य।** श्रीपदबन्द्योपाध्याय २-४
४४५९ **संगीतराजः।** (पाठ्यरत्नप्रवेशः) कालसेन महारानाकुम्भ कृत। कुन्हनराजा संपादित। प्रथम भाग ३-०
४४६० **संगीतलहरी।** संग्रहकर्त्री—देवी मेहता १-०
४४६१ **संगीत विशारद।** ५-०
४४६२ **संगीतशास्त्र।** १-०
४४६३ **संगीतशास्त्र और आधुनिक संगीतज्ञ।** कैलाशचन्द्रदेव वृहस्पति ०-६
४४६४ **संगीतसागर।** ६-०
४४६५ **संगीतसीकर।** ५-०
४४६६ **संगीतसोपान।** ३-०
४४६७ **संग्रहचूडामणि।** गोविन्दाचार्यकृत १५-०
४४६८ **सन्तसंगीत अङ्क।** २-८
४४६९ **सितार अङ्क।** २-८
४४७० **सितार मार्ग।** १ भाग ३-०
४४७१ **सितारशिक्षा।** २-८
४४७२ **सूर संगीत।** १-२ भाग ३-०
४४७३ **स्वरमेलकलानिधिः।** हिन्दी टीका सहित १-०

पाकशास्त्र-ग्रन्थाः

*४४७४ **नलपाकः।** (पाकदर्पण) नलविरचितः। दुष्प्राप्य
४४७५ **पाकविज्ञान।** ३-०
४४७६ **पाक विद्या।** मणिराम शर्मा १-०
४४७७ **पाकविलास।** विधि सहित १-०
४४७८ **पाकावली।** मूल ०-१०
४४७९ **पाकचन्द्रिका।** ६-०
४४८० **पाकप्रदीप और पुष्टिप्रकाश।** हिन्दी टीका सहित १-२
४४८१ **पाकावली।** हिन्दीटीका युत ०-१२
४४८२ **बृहत्पाकसंग्रह।** कृष्णप्रसाद ४-०
४४८३ **बृहत्पाकावली।** हिन्दी टीका १-४

शिल्पशास्त्र-ग्रन्थाः

४४८४ **अपराजितपृच्छा** । भुवनदेवाचार्य विरचित । मनकड सम्पादित २०—०
४४८५ **काश्यपशिल्पम्** । महेश्वरोपदिष्टम् ४—१२
४४८६ **प्रासादमण्डनम्-राजवल्लभमण्डनम्** । १०—०
४४८७ **प्रासादमण्डनम्** । १—०
४४८८ **भारतीय वास्तुशास्त्र** । (प्रतिमा विज्ञान) द्विजेन्द्रनाथ शुक्ल १५—०
४४८९ **भारतीय वास्तुशास्त्र** । (वास्तु विद्या तथा पुरनिवेश) द्विजेन्द्रनाथ शुक्ल ८—८
४४९० **वास्तुविद्या** । महादेवशास्त्री प्रणीत व्याख्या युत १—८
४४९१ **विश्वकर्मप्रकाशः** । मिहिरचन्द्र कृत हिन्दी टीका सहित ३—८
४४९२ **सम्यक्सम्बुद्धभाषितं प्रतिमालक्षणम्** । सव्याख्यानम् ०—१०

कामशास्त्र-ग्रन्थाः

*४४९३ **अनङ्गरङ्गः** । कल्याणमल विरचितः । हिन्दी टीका सहित यन्त्रस्थ
४४९४ **कामकला** । विजय बहादुर सिंह ४—८
४४९५ **कामकला के भेद** । आचार्य चतुरसेन ५—०
४४९६ **कामकुञ्ज** । सन्तराम बी. ए. २—८
४४९७ **कामकुञ्ज** । विजय बहादुर सिंह ८—०
*४४९८ **कामकुञ्जलता** । संस्कृत यन्त्रस्थ
४४९९ **कामकुतूहलम्** । हेमाद्रिकृत । शालग्रामकृत हिन्दी टीका सहित ०—१०
४५०० **कामरत्नम्** । नित्यनाथ विरचित । ज्वालाप्रसाद कृत हिन्दी टीका सहित समाप्त
४५०१ **कामविज्ञान** । दीनानाथ व्यास ३—१२
४५०२ **कामविज्ञान** । (सचित्र) । कामशास्त्र पर अनेक विद्वान वैद्यों के लेखों का अपूर्व संग्रह । सम्पादक-कविराज प्रतापसिंह ६—०
*४५०३ **कामसूत्रम्** । वात्स्यायनप्रणीतम् । जयमङ्गलरचित संस्कृत व्याख्या समेतम् ६—०
४५०४ **कामसूत्रम्** । जयमङ्गल कृत संस्कृत व्याख्या तथा माधवाचार्य कृत हिन्दी अनुवाद सहित २०—०
४५०५ **कामसूत्र** । हिन्दी भाषा मात्र ५—०
४५०६ **कुचिमारतन्त्रम्** । हिन्दी टीका सहित ०—८
४५०७ **केलिकुतूहलम्** । म० म० मथुराप्रसाद दीक्षित विरचितम् । मूलमात्र २—०
४५०८ **केलिकुतूहलम्** । हिन्दी टीका सहित ४—०
४५०९ **कोकविज्ञान वा रतिरहस्य** । ३—०

४५१० **कोकशास्त्र** । (हिन्दी) ४—०
४५११ **कोकसार** । (हिन्दी) विद्याधर विद्यालङ्कार २—४
४५१२ **नागरसर्वस्वम्** । हिन्दी टीका सहित ४—८
*४५१३ **पञ्चसायकः नर्मकेलिकौतुकसंवादश्च** । कविशेखर श्री ज्योतिश्वराचार्य तथा कविराजमुकुटेन दण्डिना विरचितः १—०
४५१४ **पञ्चसायकः** । हिन्दी टीका सहित ३—८
*४५१५ **रतिमंजरी** । महाकवि जयदेव विरचित । मूलमात्र ०—१
*४५१६ **रतिमंजरी** । हिन्दीगद्य-पद्यानुवाद सहित ०—६
*४५१७ **रतिरत्नप्रदीपिका** । श्रीप्रौढदेवराज विरचिता ०—१२
४५१८ **रतिरत्नप्रदीपिका** । हिन्दी टीका सहित २—१२
४५१९ **रतिरहस्यम्** । काञ्चीनाथ कृत दीपिका टीका टिप्पणी सहित ३—०
४५२० **रतिरहस्यम्** । हिन्दी टीका सहित ५—०
४५२१ **रतिवल्लभः** । हिन्दी टीका सहित २—८
४५२२ **वात्स्यायन के योग** । (हिन्दी) केदारनाथ ०—१२

बौद्ध-ग्रन्थाः

४५२३ **अट्ठसालिनी** । धम्मसंगणि की टीका ८—०
४५२४ **अध्यर्द्धशतकम्** । मातृचेट प्रणीतम् । जायसवाल-सांकृत्यायन सम्पादित ५—०
४५२५ **अभिधम्मत्थ संगहो** । अनुरुद्धाचरिय विरचित । धर्मानन्द कौशाम्बी कृत नवनीत टीका २—८
४५२६ **अभिधर्मकोषः** । वसुबन्धु कृत ५—०
४५२७ **अभिधर्मसमुच्चयः** । असंगकृत । प्रह्लादप्रधान सम्पादित ६—०
४५२८ **अभिधर्मामृतम्** । घोषक कृत । शान्तिभिक्षु सम्पादित ४—०
४५२९ **अभिधर्मार्थसङ्ग्रहः** । भिक्षुवर सम्बोधि कृत २—८
४५३० **अस्वत्थसुत्त** । राहुल सांकृत्यायन १—२
४५३१ **अर्थपादसूत्र** । अंग्रेजी अनुवाद सहित । बापट संपादित ७—०
*४५३२ **अवदानकल्पलता** । (तृतीयपल्लवः) श्री क्षेमेन्द्र विरचित ०—४
४५३३ **आर्यशालिस्तम्बसूत्रं, प्रतीत्यसमुत्पाद विभङ्गनिदेशसूत्रं, प्रतीत्यसमुत्पाद गाथासूत्रम्** । ९—०
४५३४ **उदान** । भिक्षु जगदीश कश्यप अनुवादित १—४
४५३५ **उत्तर-प्रदेश में बौद्धधर्म का विकाश** । नलिनाक्षदत्त-कृष्णदत्त वाजपेयी ६—०
४५३६ **कपिलवस्तु लुम्बिनीदिग्दर्शन** । श्री विजय श्रीवास्तव ०—८

४५३७ **करतलरत्नम्** । महायान कृत । ऐयास्वामीशास्त्री सम्पादित ५—०
४५३८ **कुशीनगर का इतिहास** । भिक्षु धर्मरक्षित २—८
४५३९ **कुशीनगर दिग्दर्शन** । भिक्षु धर्मरक्षित ०—४
४५४० **खुद्दकपाठ** । भिक्षुधर्मरत्न ०—४
४५४१ **गांधीजी और धर्म** । सुखलाल संघवी-दलसुखमालवणिया लिखित। हिन्दी ०—१०
४५४२ **गिलगितमैनुस्क्रिप्टस्** । १-५ खण्ड कश्मीर २०—८
४५४३ **गिलगितमैनुस्क्रिप्ट्स** । १-३ भाग कलकत्ता ३०—०
४५४४ **गृहीविनय** । १—४ | ४५४५ **गौतमबुद्ध** । बंगला १—८
४५४६ **ज्ञानप्रस्थानशास्त्र** (बौद्ध) कात्यायनी पुत्र विरचित १२—०
४५४७ **चतुःशतक** । आर्यदेव विरचित । विधुशेखर भट्टाचार्य सम्पादित ८—०
४५४८ **चतुःशतिका** । आर्यदेव कृत । हरप्रसाद शास्त्रि सम्पादित दुष्प्राप्य
४५४९ **चरियापीटक** । आनन्द कौसल्यायन-जगदीश कश्यप ०—८
४५५० **चरियापीटक** । भिक्षु धर्मरक्षित कृत हिन्दी अनुवादसहित १—४
४५५१ **चरियापीटक** । डा० विमलाचरण सम्पादित ५—०
४५५२ **चित्तविशुद्धिप्रकरणम्** । आर्यदेव कृत । पटेल सम्पादित ५—०
४५५३ **चीनवर्षीया अहिंसा पञ्चाशिका** । रघुवीरेण आंग्ले संस्कृते चानूदिता २०—०
४५५४ **चीनी बौद्धधर्म का इतिहास** । डॉ० चाउसिआंग कुआंग । आत्मन् अनुवादित ७—८
४५५५ **जातक** । १, ३-६ भाग । भदन्तआनन्द कौसल्यायन अनुवादित ४७—०
४५५६ **जातक कथा सन्दोहो** । ३—०
४५५७ **जातकट्ठकथा** । पठ्मोभाग । भिक्षुधर्मरक्षित सम्पादित । एककनिपातवण्णता ९—०
४५५८ **जातकमाला** । आर्यशूरकृत । डा० कर्न सम्पादित । अमेरिका ३०—०
४५५९ **जातकमाला** । मध्यमा परीक्षा निर्धारित । सटीक २—०
४५६० **जातकमाला** । हिन्दी टीका सहित। १-२० जातक ३—०
४५६१ **जातकसङ्ग्रहः** । तुङ्गर सम्पादित १—४
४५६२ **जातिभेद और बुद्ध** । भिक्षुधर्मरक्षित ०—८
४५६३ **डाकार्णव** । बौद्धतन्त्र ६—४ | ४५६४ **तथागत** । आनन्दकौसल्यायन १—८
४५६५ **तथागत का प्रथम उपदेश** । भिक्षुधर्मरक्षित ०—४
४५६६ **तर्कभाषा** । मोक्षाकरगुप्तकृत । सव्याख्या ४—०
४५६७ **तिब्बत में बौद्धधर्म** । राहुल सांकृत्यायन १—४
४५६८ **तेलकटाहगाथा** । भिक्षुधर्मरक्षित ०—६
४५६९ **त्रिस्वभावनिर्देश** । वसुबन्धु कृत । सुजीतकुमार मुखर्जी सम्पादित ५—०
४५७० **थेरगाथा** । मूलमात्र पालीपाठ १—८
४५७१ **थेरगाथा** । अनुवादक-भिक्षु धर्मरत्न ३—०

४५७२ **थेरीगाथा** । मूलमात्र पालीपाठ १—४
४५७३ **थेरीगाथायें** । भरतसिंह उपाध्याय १—८
४५७४ **दीघनिकायः** । मूलमात्र-पालीपाठ १-२ भाग ५—०
४५७५ **दीघनिकायः** । राहुल सांकृत्यायन सम्पादित ६—०
४५७६ **देशीनाममाला** । हेमचन्द्रकृत ४—८
४५७७ **धम्मपद** । वंशीलाल नारायण सम्पादित ०—८
४५७८ **धम्मपद** । अवधकिशोर नारायण सम्पादित १—८
४५७९ **धम्मपद** । पालि-संस्कृतछाया-हिन्दी सहित । भिक्षुजगदीशकश्यप सम्पादित १—८
४५८० **धम्मपद** । मूलपाली, संस्कृत-छाया-हिन्दी टीका सहित । राहुल सांकृत्यायन अनुवादित १—८
४५८१ **धम्मपद** । गुटका । भिक्षुधर्मरक्षित ०—१२
४५८२ **धम्मपद** । त्रिपिटकाचार्य भिक्षुधर्मरक्षित विरचित टीका सहित २—८
४५८३ **धम्मपदट्ठकथा** । ४—० | ४५८४ **धम्मसंगणि** । वापट कृत ५—०
४५८५ **धम्माचक्कप्पवत्तनसुत्त** । ०—४
४५८६ **धर्मोत्तर प्रदीप** । (न्यायबिन्दु टीका) ७—८
४५८७ **नारायण परिपृच्छा** । संस्कृत-तिब्बती ०—१२
४५८८ **नालन्दाविश्वविद्यालय** । चन्द्रिकासिंह उपासक ०—१०
४५८९ **निदानकथा** । भिक्षु धर्मरक्षित अनुवादित १—४
४५९० **निष्पन्नयोगावली** । अभयाकर गुप्त विरचित १०—०
४५९१ **नेपालयात्रा** । भिक्षुधर्मरक्षित ४—८
४५९२ **नैरात्म्यपरिपृच्छा** । अश्वघोष विरचित । सुजीतकुमारमुखर्जी सम्पादित २—०
*४५९३ **न्यायबिन्दुः** । श्रीधर्मोत्तराचार्य कृत संस्कृतटीका तथा पं० चन्द्रशेखर शास्त्री कृत हिन्दीटीका–समालोचनात्मक विस्तृतभूमिका विभूषित ५—०
४५९४ **पञ्चविंशति साहस्त्रिका प्रज्ञापारमिता** । १५—०
४५९५ **पंचशील और बुद्धवन्दना** । भदन्तबोधानन्दमहास्थविर कृत ०—२
४५९६ **पातिमोक्खसूत्रम्** । आर० डी० वडेकर विरचित १—०
४५९७ **पालिजातकावलिः** । बटुकनाथशर्म विरचित संस्कृतच्छाया सहित २—८
४५९८ **पालिधातुरूपावली** । १—४
४५९९ **पालिपाठमाला** । एच० सद्धतिस्साथेरा १—०
४६०० **पालिपाठमाला** । भिक्षु धर्मरक्षित १—०
४६०१ **पालिपाठ संग्रहो** । पठमो [illegible] तिवारी संपादित २—८
४६०२ **पालिप्राकृतव्याकरण** [illegible]नाथ दीक्षित विरचित १—८
४६०३ **पालिमहाव्याकरण** । भिक्षु जगदीश कश्यप विरचित ६—०
४६०४ **पालिशब्दरूपावली** । ०—४

४६०५ **पालिसाहित्य का इतिहास** । भरतसिंह उपाध्याय १०—०
४६०६ **पाली निस्सेनी** । भिक्षु जगदीश कश्यप । १-२ भाग २—०
४६०७ **पालीप्रबोधः** । आद्यादत्त ठाकुर २—४
४६०८ **पूर्णिमा** । (कविता) कुमारी विद्यावती 'मालविका' ०—१०
४६०९ **प्रज्ञापारमिता अभिसमयालङ्कारालोक** । हरिभद्र विरचित १४—०
४६१० **प्रज्ञाप्रदीप** । १—०
४६११ **प्रतिमोक्षसूत्रम्** । (मूल सर्वस्तीवाद) ४—०
४६१२ **प्रमाणवार्तिकम्** । आचार्य धर्मकीर्ति विरचित । राहुलसांकृत्यायनसंपादित १०—०
४६१३ **प्रमाणवार्तिकम्** । आचार्य धर्मकीर्तेः स्वोपज्ञवृत्त्या, कर्णकगोमि विरचितया तट्टीकया च सहितम् । राहुलसांकृत्यायनेन संपूरितं सम्पादितञ्च ३०—०
४६१४ **प्रमाणवार्तिकम्** । मनोरथनन्दिव्याख्यासहित। राहुलसांकृत्यायनसंपादित समाप्त
४६१५ **प्रमाणवार्तिकभाष्यम्** । प्रज्ञाकरगुप्त कृत अलतेकर संपादित १-२ भाग १७—०
४३१६ **प्राचीनबौद्धतर्कग्रन्थाः** । जी० टुर्ची संपादित दुष्प्राप्य
४६१७ **बालिद्वीपग्रन्थाः** । लेवी सम्पादित ६—०
४६१८ **बुद्ध अर्चना** (कविता) कुमारी विद्यापति प्रभाकर ०—३
४६१९ **बुद्ध और उनके अनुचर** । आनन्दकौशल्यायन १—१२
४६२० **बुद्ध और क्राइस्ट** । जिनराजदास ०—१२
४६२१ **बुद्ध और बौद्धसाधक** । भरतसिंह उपाध्याय १—८
४६२२ **बुद्धकालीन भारत का भौगोलिक परिचय** । ०—८
४६२३ **बुद्धकीर्तन** । प्रेमसिंह चौहान 'दिव्यार्थ' १—८
४६२४ **बुद्धचर्या** । राहुलसांकृत्यायन ८—०
४६२५ **बुद्धचित्रावली** । आनन्दकौशल्यायन २—८
४६२६ **बुद्धजीवनी** । १—४ | ४६२७ **बुद्धदेव** । शरत्कुमारराय १—१२
४६२८ **बुद्धधर्म के उपदेश** । भिक्षुधर्मरक्षित २—०
४६२९ **बुद्धमीमांसा** । योगिराज शिष्य मैत्रेय रचित । अनुवादक विश्वनाथप्रसाद मिश्र ३—०
४६३० **बुद्धवचन** । भिक्षु आनन्दकौशल्यायन ०—८
४६३१ **बुद्धशतक** । भिक्षु आनन्दकौशल्यायन ०—४
४६३२ **बुद्धार्चन** । प्रेमसिंह चौहान 'दिव्यार्थ' ०—४
४६३३ **बोधिचर्यावतार** । आचार्यशान्तिदेव कृत । अनुवादक शान्तिभिक्षु शास्त्री १०—०
४६३४ **बोधिद्रुम** । सुमनवात्स्यायन ०—६ | ४६३५ **बौद्धकहानियाँ** । व्यथितहृदय १—८
४६३६ **बौद्धचर्यापद्धति** । भदन्तबोधानन्द महास्थविर १—१२
४६३७ **बौद्धदर्शन** । राहुलसांकृत्यायन ३—८
४६३८ **बौद्धदर्शन और वेदान्त** । डा० चन्द्रधर शर्मा ३—१२
४६३९ **बौद्धदर्शन तथा अन्य भारतीय दर्शन** । भरतसिंह । १-२ भाग १६—०

*४६४० **बौद्धदर्शन-मीमांसा** । पं० बलदेव उपाध्याय साहित्याचार्य, एम० ए० (उत्तरप्रदेश की सरकार तथा डालमिया पुरस्कार से पुरस्कृत) द्वितीय संस्करण ६—०
४६४१ **बौद्धधर्म** । मूल लेखक-एनीबेसेंट । अनुवादिका-कौशल्यादेवीमोहता । ०—१२
४६४२ **बौद्ध धर्म दर्शन** । आचार्य नरेन्द्रदेव १७—०
४६४३ **बौद्धविभूतियाँ** । भिक्षुधर्म रक्षित १—८
४६४४ **बौद्धशिशुबोध** । भिक्षुधर्म रक्षित ०—४
४६४५ **बौद्ध संस्कृति** । राहुल सांकृत्यायन १२—०
४६४६ **बौद्धस्तोत्रसङ्ग्रहः** । भिक्षुसर्वज्ञमित्र विरचित समाप्त
४६४७ **ब्रह्मजालसुत्त** । राहुलसांकृत्यायन सम्पादित १—२
४६४८ **भगवान् गौतमबुद्ध** । भदन्त बोधानन्द महास्थविर १—८
४६४९ **भगवानबुद्ध** । भदन्तआनन्दकौशल्यायन ०—२
४६५० **भगवानबुद्ध की शिक्षा** । देवमित्त धर्मपाल ०—५
४६५१ **भगवानबौद्ध और जातिभेद** । भिक्खुधर्म रक्षित ०—१०
४६५२ **भगवान हमारे गौतमबुद्ध** । मनोरञ्जन प्रसाद ०—२
४६५३ **भवसंक्रान्तिसूत्र-भवसंक्रान्तिशास्त्रम्** । मैत्रेयनाथ कृत व्याख्या सहित दुष्प्राप्य
४६५४ **मज्झिमनिकाय** । दूसरा भाग । मूल पालीपाठ समाप्त
४६५५ **मज्झिमनिकाय** । राहुलसांकृत्यायन कृत हिन्दी टीका ८—०
४६५६ **महाकारुणिकतथागत** । वेदराजप्रसाद ०—१२
४६५७ **महापरिनिर्वाणसुत्त** । भिक्षु ऊ कित्तिमा १—४
४६५८ **महामानव बुद्ध** । राहुल सांकृत्यायन २—८
४६५९ **महायान** । भदन्त शान्ति भिक्षु कृत हिन्दी ३—०
४६६० **महायानविंशक** । नागार्जुन विरचित । विधुशेखर भट्टाचार्य सम्पादित ३—०
४६६१ **महावग्गो** । (विनयपिटक) मूलपाली पाठ १-२ भाग ७—०
४६६२ **महावंसो** । भिक्षुधर्मरक्षित ०—१२
४६६३ **महावंसो** । मूलमात्र । पालीपाठ समाप्त
४६६४ **महावंश** । भदन्त आनन्द कौशल्यायन अनुवादित ४—०
४६६५ **मिलिन्दपन्हो** । मूलमात्र । पालीपाठ ३—०
४६६६ **मिलिन्दप्रश्न** । भिक्षु जगदीश कश्यप कृत हिन्दी अनुवाद ६—८
४६६७ **यशोधरा** । मैथिलीशरण गुप्त १—८
४६६८ **रत्नगोत्रविभागोमहायानोत्तर तन्त्रशास्त्रम्** । जान्सटन-चौधरी सम्पादित ८—०
४६६९ **रत्नाकरावतारिका** । १५—०
४६७० **लङ्कायात्रा** । भिक्षुधर्मरक्षित । १—८ | ४६७१ **लोकनीति** । १—०

४६७२ **वज्रालग्गम** । जुलियसलेवर सम्पादित ३—०
४६७३ **वज्रालग्गम** । (१–२००) गोरे सम्पादित ३—०
४६७४ **वज्रयानग्रन्थद्वयम्** । प्रज्ञोपायविनिश्चयसिद्धि-अनङ्ग वज्रकृतम्, ज्ञानसिद्धि इन्द्रमुनिकृतञ्च समाप्त
४६७५ **वज्रसूचि** । अश्वघोष विरचित । सुजीतकुमार मुखर्जी सम्पादित ३—०
४६७६ **वादन्याय** । धर्मकीर्तिविरचित । शान्तिरक्षितप्रणीतविपञ्चितार्थव्याख्यासहित १०—०
४६७७ **वार्तिकालङ्कार** । प्रज्ञाकरगुप्त विरचित । राहुल सांकृत्यायन सम्पादित ५—०
४६७८ **विग्रहव्यावर्त्तनी** । नागार्जुन विरचित । स्वोपज्ञवृत्त्या समेत ५—०
४६७९ **विज्ञप्तिमात्रतासिद्धि** । ५—०
४६८० **विज्ञप्तिमात्रतासिद्धिशास्त्र** । राहुलसांकृत्यायन सम्पादित १५—०
४६८१ **विनयपिटक** । राहुलसांकृत्यायन अनुवादित ८—०
४६८२ **विशुद्धिमग्ग** । बुद्धघोषाचार्यविरचित । धर्मानन्द कोशाम्बी सम्पादित १६—०
४६८३ **विशुद्धिमग्गदीपिका** । धर्मानन्दकोशाम्बी ३—८
४६८४ **विश्व में बौद्धधर्म** । गौरीशंकर द्विवेदी १—४
४६८५ **शतसाहस्रिकाप्रज्ञापारमिता** । १४—४
४६८६ **शाक्यमुनि** । गंगाप्रसाद ०—८
४६८७ **श्रद्धा के फूल** । (कहानी संग्रह) कुमारी विद्यावती 'मालविका' ०—६
४६८८ **संयुक्तनिकाय** । भिक्षुजगदीश काश्यप, त्रिपिटकाचार्य भिक्षुधर्म रक्षित कृत हिन्दी अनुवाद १–२ भाग १३—०
४६८९ **सद्धर्मपुण्डरीक** । डा० एन० दत्त सम्पादित १८—०
४६९० **सरलपालिशिक्षा** । भिक्षु एच० सद्धातिस्स १—८
४६९१ **सारनाथदिग्दर्शन** । भिक्षुधर्मरक्षित ०—४
४६९२ **सारिपुत्त तथा मोगाल्लान** । विश्वनाथ शास्त्री १—०
४६९३ **सिगालोवादसुत्त** । राहुलसांकृत्यायन १—०
४६९४ **सिङ्गालसुत्तम्** । भिक्षुकित्तिमा ०—८
४६९५ **सुत्तनिपात** । प्रथम भाग । भिक्षुधर्मरत्न कृत । हिन्दी २—८
४६९६ **सेकोद्देशटीका** । नरोपाविरचित ४—०
*४६९७ **सौगतसिद्धान्तसारसङ्ग्रहः** (बौद्धदर्शन) हिन्दी अनुवाद सहित सम्पादक–डाक्टर पण्डित चन्द्रधर शर्मा ५—०
४६९८ **सौन्दरानन्दकाव्य** । अश्वघोषकृत । डा० हरप्रसाद सम्पादित ३—०
४६९९ **सौन्दरानन्दकाव्य** । हिन्दी टीका सहित ३—०
४७०० **हेतुतत्त्वोपदेश** । जितारि विरचित १—८
४७०१ **हेतुबिन्दुटीका** । श्रीमदर्चट विरचित । सुखलाल संघवी सम्पादित १६—०

जैन-ग्रन्थाः

४७०२ **अंगविज्जा।** पुव्वायरियविरइया [मणुस्सविविहचेट्ठाइणिरिक्खणदारेण भविस्साइफलणाणाविण्णाणरूवा] मुनि पुण्यविजय सम्पादित २१—०
४७०३ **अकलङ्कग्रन्थत्रयी।** भट्टाकलङ्कदेव कृत (लघीयस्त्रयम्-न्यायविनिश्चयः-प्रमाणसङ्ग्रहश्च) महेन्द्रकुमारकृत हिन्दी प्रस्तावना-संस्कृत टिप्पणी सहित ७—०
४७०४ **अध्यात्मकमलमार्तण्ड।** मल्लविरचित। हिन्दी टीका सहित १—१२
४७०५ **अध्यात्म कल्पद्रुम।** मुनि सुन्दरसूरि कृत। गुजराती भावार्थ सहित ७—१२
४७०६ **अनुभवप्रकाश।** ०—१० | ४७०७ **अनेकान्त और स्याद्वाद।** ०—४
४७०८ **अनेकान्तजयपताका।** हरिभद्रसूरि विरचित। मुनिचन्द्र प्रणीत व्याख्या सहित १-२ भाग २८—०
४७०९ **अनेकान्तवाद व्यावहारिक और तात्त्विक।** सुखलाल संघवी। हिन्दी ०—१२
४७१० **अनेकान्त व्यवस्थाप्रकरणम्।** (जैनतर्कपरिभाषा) यशोविजय विरचित। विजयलावण्यसूरि कृत संस्कृत टीका सहित ६—०
४७११ **अन्तगडदसाओ।** अणुत्तरोववाइयदसाओ। अभयदेव कृत टीका सहित ३—४
४७१२ **अन्तर्निरीक्षण।** सुखलालसंघवी कृत ०—६
४७१३ **अपभ्रंश व्याकरण।** (हेमचन्द्रसूरि विरचित सिद्धहैम शब्दानुशासनान्तर्गत प्राकृत व्याकरणांशभूत) ४—८
४७१४ **अभिषेकपाठ।** माघनंदिसूरि विरचित ०—३
४७१५ **अष्टक प्रकरण।** हरिभद्रसूरि कृत। गुजराती अनुवाद सहित ०—८
४७१६ **आगमयुग का अनेकान्तवाद।** दलसुखभाईमालवणिया ०—८
४७१७ **आचार्य श्रीविजय वल्लभसूरि स्मारक ग्रन्थ।** १७—८
४७१८ **आत्ममीमांसा।** दलसुख मालवणिया (हिन्दी) २—०
४७१९ **आदिपुराण।** हिन्दी टीका सहित १-२ भाग २०—०
४७२० **आधुनिक जैनकवि।** श्रीमती रमारानी जैन। हिन्दी ३—१२
४७२१ **श्री आनन्दघन जी का पद।** शब्दार्थ-भावार्थ विवेचन सहित ९—८
४७२२ **आप्तपरीक्षा।** विद्यानन्दि विरचित। हिन्दी टीका सहित ९—०
४७२३ **इष्टोपदेशः।** टीकात्रय एवं पद्यानुवाद १—८
४७२४ **उक्तिव्यक्तिप्रकरण।** पण्डित दामोदर कृत ८—०
४७२५ **उज्ज्वलप्रवचन।** ०-१० | ४७२६ **उत्तराध्ययनसूत्रम्।** वैद्यसम्पादित २—०
४७२७ **उत्तराध्ययनसूत्रम्।** ३-४ भाग। कमल संयामोपाध्याय प्रणीत सर्वार्थसिद्धिव्याख्या सहित पत्रात्मक समाप्त
४७२८ **उपदेशतरङ्गिणी।** रत्नमन्दिरगणि विरचित। पत्रात्मक समाप्त

४७२९ **कथाकोषप्रकरणम्** । जिनेश्वर सूरि विरचित । जिनविजय संपादित १०—८
४७३० **कन्नडप्रान्तीय ताड़पत्रीय ग्रन्थसूची** । १३—०
४७३१ **करलक्खण** । (सामुद्रिकशास्त्र) हिन्दी अनुवाद सहित ०—१२
४७३२ **कल्याण मंदिरस्तोत्र** । कुमुदचन्द्राचार्य विरचित । कमलकुमार जैन कृत हिन्दी टीका सहित २—०
४७३३ **कविकल्पद्रुमः** । व्याकरण । हर्षकुल विरचित ०—४
४७३४ **कसायपाहुड़सुत्त** । गुणधर विरचित । यतिवृषभ कृत संस्कृत तथा हीरालाल सिद्धान्तशास्त्री रचित हिन्दी टीका सहित २२—८
४७३५ **कातन्त्ररूपमाला** । श्रीमच्छववर्म प्रणीत २—८
४७३६ **कान्हडदेप्रबन्ध** । ९—८
४७३७ **काव्यमाला** । सप्तमगुच्छक २—०, त्रयोदशगुच्छक २—०
४७३८ **काव्यानुशासनम्** । वाग्भटकृत । सव्याख्या १—०
४७३९ **काव्यानुशासनम्** । हेमचन्द्र विरचित । वृत्ति सहित ३—८
४७४० **कुन्दकुन्दाचार्य के तीन रत्न** । गोपालदास जीवाभाई पटेल । हिन्दी २—०
४७४१ **कुमारपालचरितम्** । हेमचन्द्र विरचित ६—०
४७४२ **केवलज्ञानप्रश्नचूड़ामणिः** । हिन्दी टीका सहित ४—०
४७४३ **क्षत्रचूड़ामणि** । २—८
४७४४ **गणधरवाद** । (गुजराती) दलसुख मालवणिया १०—०
४७४५ **गुजरात का जैनधर्म** । मुनि जिनविजय । हिन्दी ०—१२
४७४६ **गुरुगुणरत्नाकर** । काव्य । सोमचारित्र विरचित ०—८
४७४७ **गुर्वावलिः** । काव्य । मुनिसुन्दरसूरि विरचित ०—४
४७४८ **गोम्मटसारः** । नेमिचन्द्रकृत । मनोहरलाल कृत हिन्दी टीका सहित ३—०
४७४९ **चन्द्रलेखासट्टक** । रुद्रदासकृत । उपाध्याय सम्पादित (प्राकृत नाटक) ८—०
४७५० **चारतीर्थङ्कर** । सुखलाल संघवी । हिन्दी २—०
४७५१ **चौबीसठाणा (चर्चा)** । गुटका ०—१२
४७५२ **छहढाला** । मोहनलाल शास्त्री कृत मनोरमा टीका सहित ०—८
४७५३ **छहढाला** । दौलतराम कृत । विजया टीका सहित ०—५
४७५४ **छहढाला** । दौलतराम कृत । सरला टीका सहित ०—५
४७५५ **जयन्तविजय** । अभयदेव विरचित १—८
४७५६ **जिनरत्नकोशः** । वेलङ्कर सम्पादित १२—८
४७५७ **जिनसहस्रनाम** । आशाधर विरचित । श्रुतसागरसूरि प्रणीत व्याख्या हिन्दी टीका सहित ४—०
४७५८ **जिनदत्ताख्यानद्वयम्** । (प्राकृत) अमृतलाल मोहनलाल भोजक संपादित २—८
४७५९ **जीवन में स्याद्वाद** । चन्द्रशङ्कर प्राणशङ्कर शुक्ल । हिन्दी ०—१२

४७६० **जैन आगम** । दलसुख मालवणिया । हिन्दी ०—१०
४७६१ **जैन आरती भजन संग्रह** ०–६ | ४७६२ **जैन गारी संग्रह** । १–२ भाग ०—७
४७६३ **जैनग्रन्थ और ग्रन्थकार** । फतेहचन्द बेलानी सम्पादित १—८
४७६४ **जैनग्रन्थप्रशस्तिसंग्रह** । ४—८
४७६५ **जैनजागरण के अग्रदूत** । अयोध्याप्रसाद गोयलीय ५—०
४७६६ **जैनतत्त्वज्ञान** । सुखलाल संघवी ०—४
४७६७ **जैनतर्कभाषा** । यशोविजयोपाध्याय कृत । श्रीसुखलालप्रणीतव्याख्या सहित ३—०
४७६८ **जैनदर्शन** । महेन्द्रकुमार ७—० | ४७६९ **जैनदर्शनसार** । चैनसुखदासकृत २—४
४७७० **जैनदार्शनिकसाहित्य का सिंहावलोकन** । दलसुखभाई हिन्दी ०—१०
४७७१ **जैनदार्शनिकसाहित्य के विकास की रूपरेखा** । दलसुखभाई हिन्दी ०—४
४७७२ **जैन दृष्टि में योग** । मोतीचन्द गिरधरलाल कापडिया ३—०
४७७३ **जैनधर्म** । कैलाशचन्द्र शास्त्री ४—८
४७७४ **जैन धर्म का प्राण** । सुखलाल संघवी । हिन्दी ०—६
४७७५ **जैन धर्म प्रवेशिका** । १–४ भाग १—२
४७७६ **जैनधर्मसिन्धुः** । ६—० | ४७७७ **जैननित्यपाठसङ्ग्रहः** । १—८
४७७८ **जैनपुस्तकप्रशस्तिसङ्ग्रहः** । आचार्य जिनविजय सम्पादित–प्रथम भाग १०—०
४७७९ **जैन पूजापाठ** । १—० | ४७८० **जैन भजन संग्रह** । ०—६
४७८१ **जैन विधान संग्रह** । ०—१२
४७८२ **जैन विवाह विधि** । मोहनलाल शास्त्री ०—८
४७८३ **जैनशासन** । सुमेरुचन्द्र दिवाकर कृत । हिन्दी ३—०
४७८४ **जैन शिलालेखसंग्रह** । विजयमूर्ति संग्रहीत । तृतीय भाग मात्र १०—०
४७८५ **जैनसंस्कृति का हृदय** । सुखलाल संघवी । हिन्दी ०—४
४७८६ **जैनसम्प्रदायशिक्षा** । पालचन्द्र विरचित । हिन्दी ६—०
४७८७ **जैनसाहित्य और इतिहास** । जुगलकिशोर कृत लेखों का संग्रह ६—०
४७८८ **जैन साहित्य और इतिहास** । नाथूराम प्रेमी ६—०
४७८९ **जैनसाहित्य की प्रगति १९४९–५१** । सुखलाल संघवी । हिन्दी ०—८
४७९० **जैनस्तोत्ररत्नाकरः** ०—८ | ४७९१ **जैनस्तोत्रसमुच्चयः** । १२२ स्तोत्र २—०
४७९२ **जैनस्तोत्रसंग्रहः** ०—८ | ४७९३ **जैनस्तोत्रसङ्ग्रहः** । द्वितीय भाग ०—१२
४७९४ **जैनेन्द्र महावृत्तिः** । आचार्य अभयनन्दि प्रणीत १५—०
४७९५ **जैनस्तोत्रसंदोह** । प्रथम भाग ७—८, द्वितीय भाग–मंत्राधिराज चिन्तामणि १०—०
४७९६ **ज्ञानपञ्चमीकथा** । महेश्वर विरचित ७—४
४७९७ **ज्ञानबिन्दुप्रकरणम्** । यशोविजय उपाध्याय विरचित ५—०

४७९८ **ज्ञानार्णवः** । (योगप्रदीप) शुभचन्द्राचार्य विरचित । पन्नालाल बाकलीवाल कृत हिन्दी टीका सहित ६—०
४७९९ **तत्कालगणित गुरुपद्यावली** । प्रथम भाग ०—६
४८०० **तत्त्वसमुच्चय** । हीरालाल जैन संपादित ४—०
४८०१ **तत्त्वार्थत्रिसूत्रीप्रकाशिका** । विजय लावण्य सूरि विरचित ४—८
४८०२ **तत्त्वार्थवार्तिक** (राजवार्तिक) अकलङ्कदेवकृत। हिन्दीसार सहित १-२ भाग २४—०
४८०३ **तत्त्वार्थवृत्तिः** । महेन्द्रकुमार सम्पादित १६—०
४८०४ **तत्त्वार्थसूत्रम्** । उमास्वामि प्रणीत । सुखलाल संघवी कृत विवेचन सहित ५—८
४८०५ **तत्त्वार्थसूत्रम्** । भास्करानन्द विरचित सुखबोध व्याख्या सहित २—१२
४८०६ **तत्त्वार्थसूत्र** । फुलचन्द्र कृत हिन्दी ५—०
४८०७ **तत्त्वार्थाधिगमसूत्रम्** । उमास्वामिकृत मूलसूत्र संस्कृतटीका-खूबचन्द्रकृत हिन्दी टीका सहित ३—०
४८०८ **तिलकमञ्जरी** । धनपाल विरचित ३—८
४८०९ **तिलकमञ्जरी** । शान्त्याचार्य कृत टिप्पणी सहित । १-२ भाग १२—०
४८१० **तिलोयपण्णत्ती** । (तिलोकप्रज्ञप्ति) यतिवृषभाचार्य कृत हिन्दी टीका सहित १-२ भाग ३२—०
४८११ **तीर्थकल्प** । जिनप्रभसूरि विरचित ३—०
४८१२ **त्रैविद्यगोष्ठिः** । ०—८ | ४८१३ **दर्शनकथा** । भारामल्ल कृत ०—६
४८१४ **दशवैकालिकसूत्रम्** । एन० वी० वैद्य सम्पादित १-६ अध्याय २—०
४८१५ **दानकथा** । बख्तावरमल रतनलाल कृत ०—४
४८१६ **दिग्विजयमहाकाव्यम्** । मेघविजयोपाध्याय विरचित ८—०
४८१७ **देवानन्दमहाकाव्यम्** । मेघविजयोपाध्याय विरचित ४—०
४८१८ **द्रव्यसंग्रह** । नेमिचन्द्रसैद्धान्तिकदेव विरचित । हिन्दी टीका सहित ०—६
४८१९ **द्वादशव्रतकथा** । पत्रात्मक ०—८
४८२० **द्वादशारनयचक्रम्** । श्रीमल्लवादिसूरिकृत । सिंहसूरिप्रणीत व्याख्या सहित १२—१२
४८२१ **धर्म और संस्कृति** । जमनालाल जैन संपादित १—४
४८२२ **धर्म और समाज** । सुखलाल संघवी १—८
४८२३ **धर्मदीपिका** । व्याकरण । मंगलविजय कृत ४—८
४८२४ **धर्मबिन्दुः** । हरिभद्रसूरि विरचित । मुनिचन्द्र प्रणीत व्याख्या सहित ४—०
४८२५ **धर्ममहोदयः** । रत्नविजय प्रणीत ०—४
४८२६ **धर्मशर्माभ्युदयः** । हरिचन्द्रकवि विरचित १—८
४८२७ **धर्मशर्माभ्युदयः** । धर्मनाथचरित । पन्नालालजैन लिखित । हिन्दी ३—०
४८२८ **धर्माभ्युदयमहाकाव्यम्** । उदयप्रभसूरि विरचित ८—८
४८२९ **धर्मोपदेशमालाविवरणम्** । जयसिंहसूरि विरचित ९—१२

४८३० **धातुरत्नाकरः** । १-३ तथा ५-८ भाग २९—८
४८३१ **धूर्ताख्यानम्** । हरिभद्रसूरि विरचित ८—०
४८३२ **नन्दीश्वर विधान** । ५२ पूजा ३—०
४८३३ **नलकहा-वरुणकहा** । (कुमारपालप्रतिबोधात् उद्धृत) गोरे संपादित ४—०
४८३४ **नलचरिउ-वरुणकहा** । १-२ सर्ग ४—०
४८३५ **नलायन-कुवेरपुराण** । माणिक्यदेवसूरि विरचित पत्रात्मक ९—०
४८३६ **नाममाला** । धनञ्जय विरचित । अमरकीर्ति भाष्य सहित ३—८
४८३७ **नाममाला** । धनञ्जय विरचित । हिन्दी टीका सहित ०—१०
४८३८ **नामाङ्कित नागरिक** । गुजराती अर्थ सहित २—८
४८३९ **नायाधम्मकहा** । एन० वी० वैद्य सम्पादित ७—८
४८४० **नित्यपूजासंग्रह** । ०—४
४८४१ **निरयावलियाओ** । वी० जे० चोकशी कृत टीका सहित ४—४
४८४२ **निशि भोजन कथा** । भारामल्ल कृत ०—४ | ४८४३ **नीतिरत्नाकर** । १—०
४८४४ **नेमिनिर्वाणकाव्य** । वाग्भट प्रणीत १—४
४८४५ **न्यायकुमुदचन्द्रः** । प्रभाचन्द्रकृत (भट्टाकलङ्कदेव कृत लघीयस्त्रयस्य व्याख्या) महेन्द्रकुमार संपादित १६—८
४८४६ **न्यायदीपिका** । हिन्दी टीका सहित ९—०
४८४७ **न्यायविनिश्चयः** । अकलङ्कदेवकृत । वादिराजकृतविवरणसहित १-२ भाग ३०—०
४८४८ **न्यायसंग्रहः** । ४—० | ४८४९ **न्यायावतारः** । सिद्धसेन दिवाकर कृत १—८
४८५० **न्यायावतारः** । सिद्धसेन विरचित । शान्त्याचार्य प्रणीत वार्त्तिक वृत्ति । दलसुख मालवणिया कृत हिन्दी टीका सहित १६—८
४८५१ **न्यायावतारः** । सिद्धर्षिगणि की संस्कृतटीका का हिन्दीभाषानुवाद ५—०
४८५२ **पउमचरिउ** । कविराजस्वयंभूदेव (विद्याधरखण्ड-अयोध्या-सुन्दरखण्ड) समाप्त
४८५३ **पउमचरियं** । विमलसूरि विरचित १ से ४ अध्याय ४—०
४८५४ **पउमसिरिचरिउ** । धाहिलविरचित । अपभ्रंशकाव्य ४—१२
४८५५ **पञ्चप्रतिक्रमणसूत्रम्** । सार्थ (गुजराती) विवेचन सहित २—०
४८५६ **पञ्चसुत्त** । संस्कृत छाया सहित १—८
४८५७ **पञ्चाध्यायी** । राजमल्ल विरचित । देवकीनन्दन अनुवादित ९—०
४८५८ **पद्मचरितम्** । रविषेण विरचित । १-३ भाग ५—८
४८५९ **पद्मानन्दमहाकाव्यम्** । अमरचन्द्रकवि विरचित १४—०
४८६० **परीक्षामुख** । माणिक्यनन्दिस्वामि विरचित । हिन्दी टीका सहित १—०
४८६१ **परीक्षामुखसूत्रम्** । माणिक्यनन्दि विरचित । प्रथम खण्ड २—०
४८६२ **पर्वकथासंग्रहः** । पत्रात्मक ०—६

४८६३ **पाइअसद्दमहण्णव** । हरगोविन्ददास कृत १-४ भाग ७५—०
४८६४ **पाण्डवपुराणम्** । शुभचन्द्राचार्य विरचित । हिन्दी टीका सहित १५—०
४८६५ **पार्श्वनाथचरित्रम्** । भवदेवसूरि विरचित समाप्त
४८६६ **पुराणसार संग्रह** । १-२ भाग ४—०
४८६७ **पुरातन जैनवाक्यसूची** । विस्तृत प्रस्तावना सहित १७—०
४८६८ **पुरातनप्रबन्धसंग्रहः** । ऐतिहासिक प्रबन्ध ७—०
४८६९ **पुरुषार्थसिद्ध्युपाय** । अमृतचन्द्रसूरिकृत । नाथूरामप्रेमी कृत हिन्दी टीका २—०
४८७० **पृथ्वीचन्द्रचरित्रम्** । सत्यराजगणि विरचित । पत्रात्मक १—८
४८७१ **प्रबन्धकोषः** । राजशेखरसूरि विरचित ६—०
४८७२ **प्रबन्धचिन्तामणिः** । मेरुतुङ्ग विरचित ६—०
४८७३ **प्रबन्धचिन्तामणिः** । मुनिजिनविजय कृत हिन्दी अनुवाद मात्र ६—०
४८७४ **प्रभावकचरितम्** । डा० हीरानन्द सम्पादित ३—०
४८७५ **प्रभावकचरितम्** । प्रभाचन्द्रसूरि विरचित ७—०
४८७६ **प्रमाणनयतत्त्वालोकालङ्कारः** । वादिदेवसूरिविरचितः । रत्नप्रभाचार्य कृत रत्नाकरावतारिकाख्य लघुटीका तथा बंशीधरशर्म विरचित भाषा टीका समाप्त
४८७७ **प्रमाणमीमांसा** । हेमचन्द्राचार्य विरचित । सुखलाल कृत संस्कृत व्याख्या-हिन्दी अनुवाद सहित ७—०
४८७८ **प्रमेयकमलमार्तण्डः** । प्रभाचन्द्राचार्य विरचित ८—०
४८७९ **प्रमेयरत्नालङ्कारः** । अभिनवचारुकीर्ति पण्डिताचार्य विरचितः ३—४
४८८० **प्रशमरतिप्रकरणम्** । उमास्वातिविरचित । हरिभद्रसूरि कृत संस्कृतव्याख्या राजकुमारशास्त्री कृत हिन्दी टीका सहित ६—०
४८८१ **प्राकृतमार्गोपदेशिका** । वेचरदास ४—८
४८८२ **प्राकृतशब्दानुशासनम्** । त्रिविक्रमदेव विरचित । परशुरामशर्मा संपादित १२—०
४८८३ **बम्भदत्तचरिय** । नेमिचंद्रसूरि कृत । १—८
४८८४ **बुद्ध और महावीर तथा दो भाषण** । कि० घ० मशरुवाला १—४
४८८५ **बृहत् कल्पसूत्रम्** । भद्रबाहु विरचित । संघदास गणि कृत संस्कृत टीका सहित । २-६ भाग १२५—०
४८८६ **भक्तामरसार्थ** । ०—५
४८८७ **भक्तामर स्तोत्र** । मान तुङ्गाचार्य विरचित । हिन्दी टीका सहित ०—५
४८८८ **श्रीमद्भगवतीसूत्रम्** । पञ्चदशशतकम् वृत्ति सहित २—८
४८८९ **भगवान् महावीर** । दलसुखभाई मालवणिया । हिन्दी ०—२
४८९० **भगवान महावीर और उनका साधना मार्ग** । रिषभदास राँका ०—४
४८९१ **भद्रबाहुसंहिता** । ज्योतिष ५—१२
४८९२ **भव्यजनकण्ठाभरणम्** । अर्हद्दास विरचित । कैलाशचन्द्र अनुवादित १—४

४८९३	**भानुचन्द्रगणिचरित** । सिद्धिचन्द्रउपाध्याय विरचित	८—०
४८९४	**भारत के प्राचीन जैनतीर्थ** । डॉ० जगदीशचन्द्र जैन । हिन्दी	२—०
४८९५	**मगध** । (इतिहास और संस्कृति) बैजनाथ सिंह 'विनोद' । हिन्दी	१—०
४८९६	**मणिभद्र** । सुशील लिखित । उदयलाल काशलीवाल अनुवादित	१—४
४८९७	**मदनपराजयः** । नागदेव विरचित	८—०
४८९८	**मल्लिनाथचरित्रम्** । विनयचन्द्रसूरि विरचित	समाप्त
४८९९	**महापुराण** । (आदिपुराण) १-२ भाग	२०—०
४९००	**महापुराण** (उत्तरपुराण) पन्नालाल जैन संपादित	१०—०
४९०१	**महापुराणम्** । पुष्पदन्त विरचित । डा० वैद्य सम्पादित । १-३ भाग	२६—०
४९०२	**महाबन्धः** । भूतबलिभट्टारकविरचित । हिन्दीटीका सहित १-५ भाग	५८—०
४९०३	**महामन्त्र णमोकार एक अनुचिन्तन** । नेमिचन्द्र शास्त्री	१—८
४९०४	**महावीर का जीवन दर्शन** । ऋषभदास राँका	०—६
४९०५	**महावीर वर्द्धमान** । जगदीशचन्द्र जैन	०—१२
४९०६	**महावीर वाणी** । बेचरदास दोशी संपादित	२—०
४९०७	**मुदितकुमुदचन्द्रप्रकरण** । यशचन्द्र विरचित	०—८
४९०८	**मेरी जीवन गाथा** ।	६—४
४९०९	**मेरी भावना** । जुगलकिशोर मुख्तार	०—१
४९१०	**मेरे साथी** । महात्मा भगवानदीन	१—४
४९११	**मोक्षमार्ग की सच्ची कहानियाँ** । बुद्धिलाल जैन	०—१०
४९१२	**मोक्ष मार्ग प्रकाश** । १०—० | ४९१३ **मोक्षशास्त्र** ।	२—०
४९१४	**मोक्षशास्त्र (तत्त्वार्थसूत्र)** । भक्तामर स्तोत्र	०—४
४९१५	**यशस्तिलकचम्पूकाव्यम्** । सोमदेवसूरि विरचित । प्रथम खण्ड	समाप्त
४९१६	**युक्त्यनुशासन** । समन्त भद्राचार्य विरचित । जुगलकिशोर मुख्तार कृत हिन्दी टीका सहित	१—८
४९१७	**योगशास्त्र** । हेमचन्द्रसूरि कृत । गुजराती अनुवाद सहित	१—८
४९१८	**रत्नकरण्ड श्रावकाचार** । समन्तभद्रस्वामि रचित	५—०
४९१९	**रत्नकरण्ड श्रावकाचार** । हिन्दीटीका सहित	०—९
४९२०	**रत्नकरण्ड श्रावकाचार पद्यानुवाद** । गिरिधर शर्मा अनुवादित	०—४
४९२१	**रत्नत्रय विधान** । टेकचन्द कृत	०—१२
४९२२	**रत्नाकरावतारिका** । सटिप्पण	१—०
४९२३	**रविव्रतकथा** । पूजा । भाऊकवि कृत	०—३
४९२४	**राजचन्द्रः** । राजचन्द्रजी के पत्रों और रचनाओं का अपूर्व संग्रह	१०—०
४९२५	**राजर्षिकुमारपाल** । मुनिजिनविजय । हिन्दी	०—८
४९२६	**रिष्टसमुच्चयः** । दुर्गदेव विरचित । संस्कृतछाया सहित	१०—०

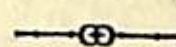
४९६० **सलौना सच** । प्रथम भाग । महात्मा भगवानदीन ०—१०
४९६१ **सागारधर्मामृत** । आशाधर विरचित । उत्तरार्ध । मोहनलाल जैन कृत हिन्दी टीका सहित २—०
४९६२ **सिद्धहेमशब्दानुशासनम्** ०-५ | ४९६३ **सिद्धहेमसूत्र अकारादिक्रमः** ०—४
४९६४ **सुगन्ध दशमी व्रत कथा** । खुशालचंद्र विरचित ०—२
४९६५ **सुत्तागमे** । एक्कारसंगसजुओ पढमो अंसो । सम्पादगो-पुप्फभिक्खू १-२ भाग ६४—०
४९६६ **सुभाषितरत्नसंदोहः** । अमितगत्याचार्यकृत १—८
४९६७ **सूत्रकृताङ्गसूत्रम्** । १-२ भाग सटीक ७—०
४९६८ **सूत्र भक्तामर** । ०—४
४९६९ **स्तुति विद्या** । भद्राचार्य विरचित । हिन्दी टीका सहित १—१२
४९७० **स्थविरावलीचरितम्** । (परिशिष्टपर्वण) हेमचन्द्रकृत ५—०
४९७१ **स्थानांग-समवायांग** । (गुजराती) दलसुख मालवणिया १०—०
*४९७२ **स्याद्वादमञ्जरी** । श्रीमल्लिषेणनिर्मिता । श्रीमदार्हतधुरन्धर श्रीसिद्धहेमचन्द्रनिर्मितं वीतरागस्तुतिव्याख्या सम्पूर्णा ३—०
४९७३ **स्वयम्भूस्तोत्र** । समन्त भद्राचार्य विरचित । जुगलकिशोर मुख्तार कृत हिन्दी टीका सहित २—४
४९७४ **हिन्दीजैनसाहित्य का संक्षिप्त इतिहास** । कामताप्रसाद जैन २—१४
४९७५ **हिन्दी जैनसाहित्य परिशीलन** । नेमिचन्द्र शास्त्री । १-२ भाग ५—०
४९७६ **हिन्दू जैन और हरिजनमन्दिरप्रवेश** । पृथ्वीराज जैन । हिन्दी ०—७
४९७७ **हीरों का खजाना** । (पद्यमय-नीतिग्रंथ) प्रथम भाग । १—४
४९७८ **हेमचन्द्राचार्य का शिष्यमण्डल** । भोगीलाल सांदेसरा । हिन्दी ०—५



साराभाई नवाब के जैनादि प्रकाशन

४९७९ **अनेकार्थ साहित्य संदोह** । ३—०
४९८० **अष्टाह्निका कल्प-सुबोधिका** । २२५ चित्रो ३०—०
४९८१ **अष्टाह्निका कल्प-सुबोधिका** । (व्याख्यान पुस्तक) गुजराती ३१—०
४९८२ **आकाश गामिनी पादलेप विधिकल्प** । समाप्त
४९८३ **आनन्दघन पद्य रत्नावली** । ०—१०
४९८४ **कथामंजरी** । भाग १ थी ३ (गुजराती) ९—०
४९८५ **कल्पसूत्र** । मुनि पुण्यविजय संपादित १६—०
४९८६ **कल्पसूत्र के १५ स्वर्णाक्षरी पृष्ठ और ८ चित्रो** । (गुजराती) २०—०

४९८७ **कालककथा संग्रह ।** चित्र संख्या ८८ ५०—०
४९८८ **कोकशास्त्र ।** जैनाचार्य नर्बुदाचार्य विरचित ११—०
४९८९ **जैन चित्रकल्पद्रुम ।** चित्र संख्या ३२५ (गुजराती) १००—०
४९९० **जैन चित्रकल्पलता ।** चित्र संख्या ६५ (गुजराती) २५—०
४९९१ **जैन चित्र-पटावलि ।** ९ चित्रो ५—० | ४९९२ **जैन चित्रावली** ३० चित्रो ५—०
४९९३ **जैन नित्यपाठसंग्रह ।** ०—१०
४९९४ **जैन सामुद्रिक ना पाँच ग्रन्थ ।** १६—०
४९९५ **जैसलमेर नी चित्र समृद्धि ।** ३५ चित्रो २५—०
४९९६ **पवित्र कल्पसूत्र ।** चित्र संख्या ३७३ २००—०
४९९७ **पुरिसादाणी पार्श्वनाथ ।** ४—०
४९९८ **भारतीय श्रमण संस्कृति अने लेखनकला ।** (गुजराती) १०—०
४९९९ **भैरव पद्मावती कल्प ।** समाप्त
५००० **मणिकल्प ।** (रत्नपरीक्षा) ५—० | ५००१ **महाचमत्कारी वीशायंत्र कल्प** ५—०
५००२ **महाप्रभाविक नवस्मरण ।** चित्रसंख्या ४१२ समाप्त
५००३ **लाकेट साईज का नवस्मरण ।** २—०
५००४ **वैद्य मनोत्सव और कोकसार ।** ५—०
५००५ **श्री घंटाकर्ण माणिभद्र मंत्रतंत्र कल्पादि संग्रह** (गुजराती) ७—०
५००६ **श्री चित्रकल्पसूत्र (वारसासूत्र) ।** चित्र संख्या ६५ (प्राकृत) २०—०
५००७ **श्री जिन देवदर्शन चौवीसी ।** चित्र संख्या ३८ १—०
५००८ **श्री जैन यंत्रावली ।** विधि सहित ५—०
५००९ **श्री जैनस्तोत्र संदोह ।** प्रथम भाग समाप्त
५०१० **श्रीपाल कथा ।** चित्रों के साथ ३—०
५०११ **श्री मंत्राधिराज चिंतामणि ।** समाप्त
५०१२ **सज्झायसंग्रह ।** १—८ | ५०१३ **सूरीमंत्र कल्प संदोह ।** ३०—०
५०१४ **हीरकलश जैन ज्योतिष ।** २०—०

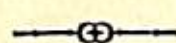


काशी के आदि प्रसिद्ध पण्डितों के पञ्चाङ्ग

(नवीन संवत् के पञ्चाङ्ग कार्तिक मास से प्राप्त होते हैं । मूल्य घटते बढ़ते रहते हैं)

५०१५ **पञ्चाङ्ग दशवर्षीय ।** संवत् २०११ से २०२० ५—०
५०१६ **पञ्चाङ्ग ।** पं० हृषीकेशोपाध्याय १—४
५०१७ **पञ्चाङ्ग ।** पं० वापूदेवशास्त्री ०—१४
५०१८ **पञ्चाङ्ग** (बड़ा) पं० गणेशआपाजी १—०
५०१९ **पञ्चाङ्ग ।** पं० गणेशदत्त ज्योतिषी बड़ा ०—१२ छोटा ०—१०
५०२० **पञ्चाङ्ग ।** पं० हृषीकेशपाण्डेय ०—१४

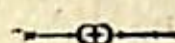
५०२१ **पञ्चाङ्ग चण्डू** ०-८
५०२२ **पञ्चाङ्ग** । मनीराम ०-८
५०२३ **पञ्चाङ्ग** । नैपाली ०-४
५०२४ **विश्वपञ्चांग** (विश्वविद्यालय का) १-२
५०२५ **शिवपञ्चाङ्ग** । पं० रामन्यास-पाण्डेय १-०
५०२६ **सौर पञ्चाङ्ग** १-०
५०२७ **हरिहर पञ्चाङ्ग** १-०



तुलसीकृत रामायण आदि ग्रन्थ

५०२८ **कवितावली** । गीता प्रेस ०-९
५०२९ **कवितावली** । लाला भगवानदीन कृत बालबोधिनी टीका सहित २-०
५०३० **गीतावली** । गीता प्रेस १-६ | ५०३१ **तुलसीसतसई** । सटीक ३-८
*५०३२ **तुलसीकृतरामायण सुन्दरकाण्ड** । विजयश्री भाषाटीका 'इन्दुमती' टिप्पणी सहित । बिहार मध्यमा परीक्षोपयोगी १-०
५०३३ **तुलसीदासकृतरामायण** । लवकुशकाण्ड सहित । ज्वालाप्रसाद मिश्र कृत हिन्दी टीका सहित मध्यमाक्षर १४-०, गुटका ९-०
५०३४ **तुलसीदासकृतरामायण** । लवकुश काण्ड सहित । ज्वालाप्रसाद मिश्र कृत हिन्दी टीका सहित स्थूलाक्षर २५-०
५०३५ **दोहावली** । गीता प्रेस ०-८
५०३६ **दोहावली** । श्रीकान्तशरण कृत सिद्धान्ततिलक हिन्दी टीका सहित ५-०
५०३७ **बरवैरामायण** । श्रीकान्तशरण कृत हिन्दी टीका सहित ०-१२
५०३८ **मानसपञ्चरत्न** । विजयानन्द त्रिपाठी कृत ०-१२
५०३९ **मानसपीयूष** । अंजनीनन्दन शरण कृत । बालकाण्ड १ से ५ भाग अजिल्द ४५-८, अयोध्याकाण्ड १-२ भाग अजिल्द २०-०, अरण्यकाण्ड अजिल्द ६-८, किष्किन्धाकाण्ड अजिल्द ४-४, सुन्दरकाण्ड अजिल्द ७-८, लंकाकाण्ड अजिल्द ११-०, उत्तरकाण्ड अजिल्द १७-०, संपूर्ण १-७ काण्ड अजिल्द १११-१२ सजिल्द १२७-१२
५०४० **मानस मंजरी** । प्रफुल्लचन्द्र ओझा 'मुक्त' ०-८
५०४१ **मानसरहस्य** । १-१० | ५०४२ **मानसशङ्कासमाधान** ०-८
५०४३ **मानसशब्दसागर** । बद्रीदास अग्रवाल संकलित २०-०
५०४४ **रामचरितमानस** । मूलमात्र । गीता प्रेस गुटका ०-१२, मझला साईज २-०
५०४५ **रामचरितमानस** । आठकाण्ड मूल काशी ३-० गुटका ग्लेज २-० रफ १-८
५०४६ **रामचरितमानस** । मूलमात्र । पाठभेद सहित सचित्र गीता प्रेस ३-८

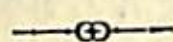
५०४७ **रामचरितमानस** । मूलमात्र । सचित्र । मोटा टाइप । गीता प्रेस ४—०
५०४८ **रामचरितमानस** । (रामायण) मूलमात्र । मध्यमाक्षर । काशी ४—०
५०४९ **रामचरितमानस** । माताप्रसाद गुप्त सम्पादित ४—०
५०५० **रामचरितमानस** । शम्भूनारायण चौबे ७—०
५०५१ **रामचरितमानस** । हिन्दी टीका सहित । मझली साइज । गीता प्रेस १३ ३—८
५०५२ **रामचरितमानस** । हिन्दी टीका सहित । मोटाटाइप गीता प्रेस ७—८
५०५३ **रामचरितमानस** । देवनारायण द्विवेदी कृत देवदीपिका टीका सहित
रफ कागज मध्यमाक्षर **१२—०**, विलायती कागज **१५—०**, ग्लेज कागज **१६—०**
५०५४ **रामचरितमानस** । देवनारायण द्विवेदी कृत देव दीपिका टीका सहित
गुटका रफ कागज **६—८**, ग्लेज कागज ८—०
५०५५ **रामचरितमानस** । डा० श्यामसुन्दरदास कृत टीका सहित १२—०
५०५६ **रामचरित-मानस** । विजयानन्द त्रिपाठी कृत विजया हिन्दी टीका
सहित । १–३ **भाग** ३०—०
५०५७ **रामचरितमानस** । अयोध्याकाण्ड । सटिप्पण ३—८
५०५८ **रामचरितमानस की भूमिका** । रामदास गौड ५—०
५०५९ **रामाज्ञाप्रश्न** । श्रीकान्तशरण कृत हिन्दी टीका सहित १—४
५०६० **रामलला नहछू** । श्रीकान्तशरण कृत हिन्दी टीका सहित ०—४
५०६१ **रामायण आठों काण्ड** । मूल-गुटका लखनऊ **१—८** बड़ा ७—०
५०६२ **रामायण आठों काण्ड** । पं० रामनरेश त्रिपाठी कृत टीका सहित १४—०
५०६३ **रामायण** । गोस्वामी तुलसीदासकृत । आठो काण्ड क्षेपक सहित । लखनऊ ८—०
५०६४ **रामायण** । गोस्वामी तुलसीदास कृत । आठकाण्ड सूर्यदीनसुकुल कृत
बालबोधिनी टीका सहित । मध्यमाक्षररफ **१२–०**, ग्लेज **१३—०**, बड़ा **२५—०**
५०६५ **रामायणभावचित्रावली** । सचित्र-आर्टपेपर पर मुद्रित । सर्वश्रेष्ठ संस्करण **२५—०**
५०६६ **विनयपत्रिका** । गीताप्रेस १—६
५०६७ **विनयपत्रिका** । लालाभगवानदीन टीका सहित ३—८
५०६८ **विनयपत्रिका** । वियोगीहरिकृत हरितोषिणी टीका सहित ६—४
५०६९ **हनुमान बाहुक** । श्रीकान्तशरण कृत सिद्धान्ततिलक हिन्दी टीका सहित १—१२



कबीरपन्थी ग्रन्थ

५०७० **कबीर उपदेश** । ठाकुरदास कृत ०—१० | ५०७१ **कबीरकसौटी** ०—१२
५०७२ **कबीरकोत्तरशतक** । छन्दोबद्ध भाषा टीका ०—८
५०७३ **कबीरकृष्णगीता** । ३—६

५०७४ **कबीरपन्थियों की नियमावली** । शम्भुदास रचित ०—३॥
५०७५ **कबीरबीजक** । महात्मा पूरनसाहब की टीका सहित ११—०
५०७६ **कबीर भजनमाला** । शम्भुदास कृत ०—९
५०७७ **कबीरमहिमा** । शिवनारायण तोसनीवाल संगृहीत ०—३॥
५०७८ **कबीरमनशूर** । २८—०
५०७९ **कबीरसागर** । द्वितीय खण्ड (अनुरागसागर) ३—८
५०८० **कबीरसागर** । (बोधसागर) निरञ्जन, ज्ञान, भवतारण, मुक्तिबोध आदि ४—८
५०८१ **कबीरसागर** । (बोधसागर) आत्म, जैनधर्म, स्वसंवेद, धर्मबोध ३—८
५०८२ **कबीरसागर** (बोधसागर) कमाल, श्वासगुञ्जार, आगमनिगम, सुमिरनबोध ४—८
५०८३ **कबीरसागर** । (बोधसागर) कबीरचरित्रबोध, गुरुमाहात्म्य, जीवधर्मबोध ४—८
५०८४ **कबीरोपासनापद्धति** । २—४
५०८५ **निर्णयसार** । पूरनसाहब कृत ०—८
५०८६ **पञ्चग्रन्थी** । ५—८ | ५०८७ **बाल उपदेश** । (कबीर साहब का ककहरा) ०—५
५०८८ **राजनीतिधर्मग्रन्थ** । १—१२
५०८९ **विवेकचन्द्रिका** । १—८ | ५०९० **विवेकसार** । नारायणदास कृत १—४
५०९१ **वैराग्यरत्नाकर** । साहबदास कृत १—१२
५०९२ **सत्यनाम कबीरपन्थी बालोपदेश** । ०—५



मैथिलसाम्प्रदायिक ग्रन्थाः

५०९३ **अतिचारनिर्णय** । पं० सीताराम झा ०—२
५०९४ **अलंकारदर्पण** । सीताराम झा । १-२ भाग ०—१३
*५०९५ **अशौचनिर्णयः** । म० म० वाचस्पति-रुद्रधर उभय विरचित ०—८
५०९६ **आनन्द विजय नाटिका** । रामदास (सरसराम) ०—६
५०९७ **आमक जलखरी** । योगानन्द झा कृत २—०
*५०९८ **आह्निक पञ्चदेवपूजापद्धतिः** । ०—१
५०९९ **उनटावसात** । सीताराम झा ०—३
*५१०० **उपनयनपद्धतिः** । (छन्दोगानां) मैथिली टीका १—४
*५१०१ **उपनयनपद्धतिः** । (वाजसनेयिनां) मैथिली टीका १—०
*५१०२ **एकादशीव्रतोद्यापनपद्धतिः** । सपरिष्कृत ०—५
*५१०३ **एकोद्दिष्टपद्धतिः** । (छन्दोगानां) मैथिली टीका ०—४
*५१०४ **एकोद्दिष्टपद्धतिः** । (वाजसनेयिनां) मैथिली टीका ०—४

५१०५ **कन्यादान** । प्रो० हरिमोहन झा १—१२
५१०६ **कविताकुसुम** । रमानाथ झा १—४
५१०७ **कविवर पं० चन्दा झा** । बलदेव मिश्र १—०
*५१०८ कार्तिक-तुलसी-आकाशदीप-व्रतोद्यापनविधिः । ०—५
*५१०९ कूपोत्सर्गपद्धतिः । ०—२ | *५११० गृहोत्सर्गपद्धतिः ०—३
५१११ **कृत्यमंजरी** । हिन्दी टीका ०—१० | ५११२ **कृत्यशिरोमणि** । सटिप्पण ४—०
*५११३ कृत्यसारसमुच्चयः । पं० गंगाधर मिश्र कृत परिशिष्ट सहित ४—८
५११४ **कृष्णजन्म** । मनबोध रचित । डा० उमेशमिश्र संपादित १—८
५११५ **क्रान्तिगीत** । राघवाचार्य ०—८
५११६ **खट्टरझाक अखाड़ा** । प्रो० हरिमोहन झा ०—४
५११७ **खट्टरझाक तरंग** । प्रो० हरिमोहन झा ४—०
५११८ **गद्यचन्द्रिका** । ईशनाथ झा २—०
५११९ **गपशप विवेक** । बलदेव मिश्र १—८
५१२० **गरीबक बखारी** । केदारनाथ मिश्र ०—१०
५१२१ **गान्धर्वविवाह नाटक** । पं० दामोदर झा साहित्याचार्य विरचित १—०
५१२२ **गीतिमाला** । शंकर झा ०—४ | ५१२३ **चण्डीचरित** । लालदास ०—६
५१२४ **चन्द्रपद्यावली** । कवीश्वर १—० | ५१२५ **चित्रा** । श्री यात्री २—०
५१२६ **छात्रजीवन** । वलदेव मिश्र १—४ | ५१२७ **जानकीपूजापद्धतिः** । ०—२॥
५१२८ **जातरासगुनविचार** । सीताराम झा ०—३
*५१२९ जूटिकाबन्धन–मातृकापूजापूर्वक आभ्युदयिकश्राद्धपद्धतिः ।
(वाजसनेयिनां-छन्दोगानांच) मैथिली टीका ०—६
*५१३० दुर्गापूजा–श्यामापूजा–पद्धतिः । ०—१२
*५१३१ दुर्गासप्तशती । पं० कनकलाल ठक्कुर संपादित (स्थूलाक्षर) २—०
५१३२ **दृष्टिकोण** । नगेन्द्र कुमार १—० | ५१३३ **द्विरागमन** । प्रो० हरिमोहन झा २—८
५१३४ **नवतुरिया** । वैद्यनाथ मिश्र 'यात्री' १—०
५१३५ **पढुआ चरित्र तथा पूर्वापर व्यवहार** । सीताराम झा ०—२
५१३६ **पारिजातहरण नाटक** । मैथिली ०—८
*५१३७ पार्वणपद्धतिः । (छन्दोगानां) मैथिली टीका ०—६
*५१३८ पार्वणपद्धतिः । (वाजसनेयिनां) मैथिली टीका ०—६
*५१३९ पितृकर्मनिर्णयः । पं० त्रिलोकनाथ मिश्र विरचित ३—०
*५१४० पौरोहित्य कर्मसारः । १-२ भाग । परिष्कृत तृतीय संस्करण १—८
५१४१ **प्रणम्यदेवता** । प्रो० हरिमोहन झा ३—०

५१४२ **प्रतिबिम्ब** । कीर्त्यानन्द कुमार १—०
*५१४३ प्रतिहारषष्ठी (विवस्वतषष्ठी) व्रत कथा । ०—२
५१४४ **प्रबोधचन्द्रोदय नाटक (मैथिल)** आनन्द झा ०—८
५१४५ **फलेना जासुन** । नगेन्द्र कुमार । ०—१२
५१४६ **फेरार** । शारदानन्द झा १—८
*५१४७ बृहत्सामान्योत्सर्गपद्धतिः-दशगात्रपिण्डदानपद्धतिः । ०—६
५१४८ **भारतशिक्षा** । बलदेव मिश्र । १—०
५१४९ **मनमोहनलड्डू** । रूपनारायण झा ०—३
५१५० **मिथिलाक इतिहास** । डा० उपेन्द्रठाकुर । अंग्रेजी १७—८
५१५१ **मिथिलागीतसंग्रहः** । १-४ भाग १—४
५१५२ **मिथिलातत्त्वविमर्श** । म० म० परमेश्वर झा ३—१२
५१५३ **मिथिलाभाषाप्रकाश** । रमानाथ झा २—०
*५१५४ मिथिलाभाषामयइतिहास । म० म० मुकुन्दझा बख्शी २—०
५१५५ **मिथिलाभाषारामायण** । कवीश्वर कृत १—८
५१५६ **मिथिला में उद्योग और व्यापार** । विद्यापति सिंह १—८
५१५७ **मिथिलारामायण** । गुटका ३—०
५१५८ **मिथिलारामायण** । लाल दास ५—४
५१५९ **मैथिलपरिचयदर्पण** । सीताराम झा ०—२
५१६० **मैथिल संस्कृति और सभ्यता** । डा० उमेश मिश्र २—०
५१६१ **मैथिलीकुसुमाञ्जलि** । लक्ष्मीपति सिंह १—८
५१६२ **मैथिली गीति रत्नावली** । बदरीनाथ झा १—८
५१६३ **मैथिली साहित्यिक इतिहास** । कृष्णकान्त मिश्र ५—०
५१६४ **मैथिली साहित्यिक निबन्धावली** । राधाकृष्ण चौधरी १—०
५१६५ **रङ्गशाला** । प्रो० हरिमोहन झा **२-०** | ५१६६ **रागतरङ्गिणी** । लोचन कृत १—०
५१६७ **रसनिर्झरिणी** । आनन्द झा १—४
५१६८ **रामायणशिक्षा** । बलदेव मिश्र **१-८** | ५१६९ **रेखाचित्र** । उमानाथ झा २—०
५१७० **वर्णरत्नाकरः** । ज्योतिरीश्वरकवि-शेखराचार्य विरचित ५—०
*५१७१ वर्षकृत्य-प्रथमभागः । म० म० रुद्रधर कृत । पर्वनिर्णयात्मक 'इन्दुमती' टिप्पणी सहित ३—०
*५१७२ वर्षकृत्य-द्वितीयभागः । परिशिष्टरूपकः । 'इन्दुमती' टिप्पणी सहित ४—०
*५१७३ वास्तुपूजापद्धतिः—गृहे गृध्रादिपतनशान्तिपद्धतिः, गृहप्रवेशपद्धतिश्च । ०—६

—o—

कतिपय श्रेष्ठ हिन्दी ग्रन्थ

[हिन्दी पुस्तकों का पृथक् छपा विस्तृत सूचीपत्र अमूल्य मंगवावें]

५२०२ **अंग्रेजी साहित्य का इतिहास** । डा० एस. पी. खत्री ३—०
५२०३ **अंग्रेजी साहित्य परिचय** । दयाशङ्करशर्मा-विद्याशङ्करशर्मा ४—०
५२०४ **अंजलि** । रामकुमार वर्मा १—४
५२०५ **अंजलि और अर्घ्य** । मैथिलीशरण गुप्त ०—१२
५२०६ **अकबर की राज्य व्यवस्था** । शेषमणि त्रिपाठी २—८
५२०७ **अकबरी दरबार** । १-३ भाग । रामचन्द्र वर्मा ९—४
५२०८ **अकबरी दरबार के हिन्दी कवि** । डा० सरयू प्रसाद अग्रवाल ९—०
५२०९ **अगस्त ब्यालीस** । सीताराम गोस्वामी ५—०
५२१० **अग्निशस्य** । नरेन्द्र २—८
५२११ **अचल मेरा कोई** । वृन्दावनलाल वर्मा ३—१२
५२१२ **अजातशत्रु** । जयशंकर प्रसाद १—८
५२१३ **अजित** । मैथिलीशरण गुप्त १—८
५२१४ **अच्छी हिन्दी** । रामचन्द्र वर्मा ३—०
५२१५ **अतिमा** । सुमित्रानन्दन पन्त ४—०
५२१६ **अतीत के कम्पन** । आनन्द प्रकाश जैन ३—०
५२१७ **अतीत के चलचित्र** । महादेवी वर्मा २—०
५२१८ **अध्ययन के विचार** । विष्णुकिशोर 'बेचन' ३—०
५२१९ **अध्यात्म-पदावली** । प्रो० राजकुमार जैन ४—८
५२२० **अध्यापन कला** । सीताराम चतुर्वेदी ३—०
५२२१ **अनघ** । मैथिलीशरण गुप्त १—४
५२२२ **अनबुझी प्यास** । दुर्गाशंकर मेहता ७—८
५२२३ **अनामिका** । सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' ५—०
५२२४ **अनुभव प्रकाश** । लालजीराम शुक्ल ३—०
५२२५ **अन्ताराष्ट्रिय विधान** । डा० सम्पूर्णानन्द ११—०
५२२६ **अन्योक्ति-कल्पद्रुम** । दीनदयालगिरिकृत । टीकाकार-लाला भगवानदीन, मोहनवल्लभ पन्त २—०
५२२७ **अपने खिलौने** । भगवतीचरण वर्मा ३—८
५२२८ **अपभ्रंश साहित्य** । हरिवंश कोछड़ १०—०
५२२९ **अपरा** । सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' ३—८
५२३० **अपराध और दण्ड** । परमेश्वरी लाल १—१२

५२३१ **अभिनव नाट्यशास्त्र** । सीताराम चतुर्वेदी १५—०
५२३२ **अभिनव शिक्षणशास्त्र** । सीताराम चतुर्वेदी ६—४
५२३३ **अमरबेल** । वृन्दावनलाल वर्मा ५—०
५२३४ **अम्बरपुर के अमरवीर** । वृन्दावनलाल वर्मा १—०
*५२३५ **अमृतमन्थन** । (जीवन का दिव्य पक्ष) डा० मंगलदेव शास्त्री ४—८
५२३६ **अयोध्या का इतिहास** । लाला सीताराम ६—०
५२३७ **अरब और भारत के सम्बन्ध** । सुलेमान नदवी ८—०
५२३८ **अरस्तू का काव्यशास्त्र** । डॉ० नगेन्द्र-महेन्द्र चतुर्वेदी ५—०
५२३९ **अर्जन और विसर्जन** । मैथिलीशरण गुप्त ०—६
५२४० **अर्थविज्ञान और व्याकरणदर्शन** । डा० कपिलदेव १२—०
५२४१ **अर्थशास्त्र का परिचय** । अमरनारायण अग्रवाल ७—८
५२४२ **अर्थशास्त्र के मूलसिद्धान्त** । भगवानदास केला ३—०
५२४३ **अलङ्कार मञ्जूषा** । लाला भगवानदीन २—०
५२४४ **अलङ्कार रत्न** । व्रजरत्नदास २—०
५२४५ **अवधी और उसका साहित्य** । त्रिलोकीनारायण दीक्षित २—४
५२४६ **अवधीकोष** । रामाज्ञा द्विवेदी ७—८
५२४७ **अशोक** । भंडारकर ७—८
५२४८ **अष्टछाप और वल्लभ सम्प्रदाय** । १-२ भाग । डा० दीन दयालु गुप्त २०—०
५२४९ **अहल्या** । द्विजेन्द्रलाल राय । रूपनारायण पांडेय अनुवादित १—४
५२५० **आँधी** । जयशंकर प्रसाद २—०
५२५१ **आंध्रदेश के कबीर वेमना** । वारणासि राममूर्ति 'रेणु' १—१२
५२५२ **आँसू** । जयशंकर प्रसाद १—०
५२५३ **आकाश के तारे : धरती के फूल** । कन्हैया लाल मिश्र 'प्रभाकर' २—०
५२५४ **आकाशदीप** । जयशंकरप्रसाद ३—०
५२५५ **आचार्य केशवदास** । डॉ० हीरालाल दीक्षित ९—०
५२५६ **आचार्य चाणक्य** । सत्यकेतु विद्यालङ्कार ४—०
५२५७ **आचार्य भिखारीदास** । नारायणदास खन्ना १०—०
५२५८ **आचार्य रामचन्द्र शुक्ल** । प्रो० शिवनाथ ४—०
५२५९ **आचार्य रामचन्द्रशुक्ल और हिन्दी आलोचना** । डा० रामविलास शर्मा ५—०
५२६० **आचार्य सायण और माधव** । बलदेव उपाध्याय ६—०
५२६१ **आज का चीन** । विश्वनाथ वांचु-सोमनाथ साधु ५—८
५२६२ **आजाद हिन्द फौज तथा उसके तीन अफसरों का मुकदमा** २—०
५२६३ **आत्मकथा** । राजेन्द्र प्रसाद ८—०

५२६४ **आत्मविद्या** । माधवराव सप्रे ४—०
५२६५ **आदर्श और यथार्थ** । पुरुषोत्तमलाल २—८
५२६६ **आदर्शनगर-व्यवस्था** । भोलानाथ शर्मा १०—०
५२६७ **आदर्श पत्र-लेखन** । यज्ञदत्त शर्मा ८—०
५२६८ **आदर्शराम** । व्रजरत्नदास १—४
*५२६९ आदर्श हिन्दी-संस्कृत-कोश । प्रो० रामसरूप एम० ए० १२—८
५२७० **आदि भारत** । काश्यप १२—०
५२७१ **आधुनिक अर्थशास्त्र** । जैन-भार्गव ७—०
५२७२ **आधुनिक आलोचना और साहित्य** । सीताराम जायसवाल २—४
५२७३ **आधुनिक कवि** । महादेवी वर्मा २—८
५२७४ **आधुनिक कवि** । सुमित्रानन्दन पन्त २—८
५२७५ **आधुनिक कवि** । रामकुमार वर्मा २—८
५२७६ **आधुनिक कवि** । गोपालशरण सिंह २—८
५२७७ **आधुनिक कवि** । अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' २—८
५२७८ **आधुनिक कविता की भाषा** । १-२ खण्ड । वृजकिशोर चतुर्वेदी ६—०
५२७९ **आधुनिक कवि-समीक्षा** । लालधर त्रिपाठी 'प्रवासी' २—०
५२८० **आधुनिक काव्यधारा** । डा० केसरीनारायण शुक्ल ४—८
५२८१ **आधुनिक जैन कवि** । श्री रमा जैन ३—१२
५२८२ **आधुनिक पश्चिमी शिक्षा का विकास** । डा० सीताराम जायसवाल ३—०
५२८३ **आधुनिक पत्रकारकला** । रा० र० खाडिलकर ४—०
५२८४ **आधुनिक भारतीय शासन** । गोरखनाथ चौबे, ऊषारानी गुप्ता ५—०
५२८५ **आधुनिक मनोविज्ञान** । लालजीराम शुक्ल ४—०
५२८६ **आधुनिक शिक्षा मनोविज्ञान** । ईश्वरचन्द्र शर्मा ५—०
५२८७ **आधुनिक संविधान** । डॉ० इन्द्रदत्त शर्मा ९—६
५२८८ **आधुनिक समीक्षा कुछ समस्यायें** । डा० देवराज ४—८
५२८९ **आधुनिक साहित्य** । नन्ददुलारे वाजपेयी ७—०
५२९० **आधुनिक हिन्दी कविता की मुख्य प्रवृत्तियाँ** । डॉ० नगेन्द्र ४—०
५२९१ **आधुनिक हिन्दी काव्य** । डा० धीरेन्द्रवर्मा -डा० रामकुमार वर्मा ४—०
५२९२ **आधुनिक हिन्दी काव्य में नारी-भावना** । शैलकुमारी ७—०
५२९३ **आधुनिक हिन्दी-साहित्य का इतिहास** । कृष्णशङ्कर शुक्ल ४—०
५२९४ **आधुनिक हिन्दी साहित्य का विकास** । डॉ० श्री कृष्णलाल ६—०
५२९५ **आरण्यक** । बिभूतिभूषण वन्द्योपाध्याय । अनुवादक-हंसकुमार तिवारी ४—०
५२९६ **आरती** । श्यामनारायण पाण्डेय ४—०
५२९७ **आर्य संस्कृति** । बलदेव उपाध्याय ५—०

५२९८	**आर्यों का आदि देश** । डा० सम्पूर्णानन्द	३—०
५२९९	**आलू की खेती** । शंकरराव जोशी	१—८
५३००	**आलोचक रामचन्द्र शुक्ल** । गुलाबराय-विजयेन्द्र स्नातक	६—८
५३०१	**आलोचना इतिहास** तथा **सिद्धान्त** । डा० एस० पी० खत्री	१२—०
५३०२	**आलोचना के सिद्धान्त** । व्योहारराजेन्द्र सिंह	४—०
५३०३	**आवरण** । गुरुदत्त	५—०
५३०४	**आसन** । सातवलेकर	२—८
५३०५	**इक्कीस कहानियाँ** । वाचस्पति पाठक	४—८
५३०६	**इतिहास प्रवेश** । जयचन्द्र विद्यालङ्कार	१०—०
५३०७	**इन्द्रजाल** । जयशंकरप्रसाद	२—८
५३०८	**इन्द्रसेना** । अम्बिकाप्रताप सिंह	२—८
५३०९	**इन्सान** । यज्ञदत्त शर्मा	४—८
५३१०	**इन्सान की कहानी** । मुल्कराज आनन्द	३—०
५३११	**इरावती** । जयशंकरप्रसाद	१—८
५३१२	**इरावती** । व्रजरत्नदास	२—८
५३१३	**ईख और चीनी** । फूलदेवसहाय वर्मा	१३—८
५३१४	**उत्तरप्रदेश में बौद्धधर्म का विकास** । नलिनाक्ष दत्त-कृष्णदत्त वाजपेयी	६—०
५३१५	**उत्तरा** । सुमित्रानन्दन पन्त	५—०
५३१६	**उत्तरी भारत की संत परम्परा** । परशुराम चतुर्वेदी	१२—०
५३१७	**उद्धवशतक** । जगन्नाथदास रत्नाकर	समाप्त
५३१८	**उद्धव-शतक-परिशीलन** । अशोककुमार सिंह	समाप्त
५३१९	**उपनिषदों की कहानियाँ** । १-२ भाग । रामप्रताप शास्त्री	५—०
५३२०	**उपन्यास कला** । विनोदशङ्कर व्यास	१—१२
५३२१	**उमड़ती घटायें** । गुरुदत्त	६—०
५३२२	**उर्दू और उसका साहित्य** । गोपीनाथ 'अमन'	२—४
५३२३	**उर्दू काव्य की एक नई धारा** । उपेन्द्रनाथ 'अश्क'	२—८
५३२४	**उर्दू के कवि और उनका काव्य** । गिरिजादत्त शुक्ल 'गिरीश'	४—०
५३२५	**उर्दू साहित्य का इतिहास** । व्रजरत्नदास	३—१२
५३२६	**उर्दू साहित्य का इतिहास** । डॉ० एजाज हुसेन	६—०
५३२७	**उर्दू साहित्य का इतिहास** । १-२ भाग । डा० रामबाबू सक्सेना	७—४
५३२८	**उर्दू साहित्य परिचय** । हरिशङ्कर शर्मा	६—०
५३२९	**उलूकतन्त्र** । बलदेवप्रसाद मिश्र	२—०
५३३०	**उषाकाल** । हरिनारायण आपटे	८—०
५३३१	**ऋतम्भरा** । डा० सुनीतिकुमार चाटुर्ज्या	२—८

५३६६ **कवि और काव्य** । शान्तिप्रिय द्विवेदी २—०
५३६७ **कवितावली** । माताप्रसाद गुप्त १—४
५३६८ **कवितावली** । लालाभगवानदीन कृत बालबोधिनी टीका सहित २—०
५३६९ **कविभारती** । सुमित्रानन्दन पन्त-बालकृष्णराव-डा० नगेन्द्र १५—०
५३७० **कविरहस्य** । म० म० गङ्गानाथ झा २—०
५३७१ **कविवर रत्नाकर** । कृष्णशंकर शुक्ल ५—०
५३७२ **कहानी और कहानीकार** । मोहनलाल जिज्ञासु ३—८
५३७३ **कहानी कला** । विनोदशंकर व्यास १—८
५३७४ **कहानी नई-पुरानी** । रघुबीरसिंह २—०
*५३७५ **कादम्बरी : एक सांस्कृतिक अध्ययन** । डा० वासुदेव शरण अग्रवाल १५—०
५३७६ **काबा और कर्बला** । मैथिलीशरण गुप्त १—४
५३७७ **कामकला** । ठा० विजयबहादुर सिंह ४—८
५३७८ **कामकुञ्ज** । विजय बहादुर सिंह ८—०
५३७९ **कामना** । जयशंकरप्रसाद १—८
५३८० **कामायनी** । जयशङ्कर प्रसाद ३—८
५३८१ **कामायनी दर्शन** । कन्हैयालाल सहल- विजयेन्द्र स्नातक ४—०
५३८२ **कामायनी विवेचन** । कृष्णकुमार सिंहल १—०
५३८३ **कामायनी सौन्दर्य** । डॉ० फतहसिंह ४—८
५३८४ **काल के पंख** । आनन्दप्रकाश जैन ३—०
५३८५ **कालिदास** । वासुदेव विष्णु मिराशी ४—०
५३८६ **कालिदास** । चन्द्रबली पांडे ७—८
५३८७ **कालिदास और भवभूति** । द्विजेन्द्रलाल राय । अनुवादक-रूपनारायण पाण्डेय २—८
५३८८ **कालिदास और उनका युग** । भगवतशरण उपाध्याय ३—०
५३८९ **कालिदास का भारत** । १-२ भाग । भगवतशरण उपाध्याय ८—०
५३९० **काव्यकला और अन्य निबन्ध** । जयशंकरप्रसाद १—८
५३९१ **काव्य कलानिधि** । गुमानमिश्र ३—८
५३९२ **काव्य की परख** । एस० पी० खत्री २—०
५३९३ **काव्य के रूप** । गुलाबराय ५—०
५३९४ **काव्यधारा** । शिवदानसिंह चौहान-गोपालकृष्णकौल ६—०
५३९५ **काव्यप्रबोध** । बालगोविन्द मिश्र ०—१२
५३९६ **काव्यमकरंद** । करुणापति त्रिपाठी २—४

५३९७ **काव्यमीमांसा** । अनुवादक-केदारनाथ शर्मा सारस्वत ९—८
५३९८ **काव्य यथार्थ और प्रगति** । डा० रांगेयराघव ३—०
५३९९ **काव्यशास्त्र** । डा० भगीरथ मिश्र ५—८
५४०० **काव्यांग कल्पद्रुम** । प्रभात शास्त्री ०—१२
*५४०१ **काव्यांग-निर्णय** । श्री जंगबहादुर मिश्र एम० ए० साहित्यरत्न १—०
५४०२ **काव्यानुशीलन** । बलदेव उपाध्याय ४—८
*५४०३ **काशीदर्शन** । पं० केदारनाथ शर्मा ०—५
५४०४ **काश्मीर का काँटा** । वृन्दावनलाल वर्मा १—०
५४०५ **किस का अपराध** । कन्हैयालाल मुन्शी ३—०
५४०६ **किसान** । मैथिलीशरण गुप्त ०—८
५४०७ **कुछ आधुनिक आविष्कार** । सत्यप्रकाश ५—०
५४०८ **कीर्तिलता** । विद्यापति १—८
५४०९ **कुछ खरी खरी** । देवीदत्त शुक्ल २—०
५४१० **कुछ स्मरणीय मुकदमे** । डॉ० कैलाशनाथ काटजू ८—०
५४११ **कुछ मोती कुछ सीप** । अयोध्याप्रसाद गोयलीय २—८
५४१२ **कुणाल** । सोहनलाल द्विवेदी १—४
५४१३ **कुणालगीत** । मैथिलीशरण गुप्त १—८
५४१४ **कुणीक** । रत्नशंकरप्रसाद १—८
५४१५ **कुन्दकुन्दाचार्य के तीन रत्न** । गोपालदास जीवाभाई पटेल, शोभाचन्द्र २—०
५४१६ **कुरानशरीफ** । अहमद बशीर ८—०
५४१७ **कृषिप्रवेशिका** । शीतलाप्रसाद तिवारी १—४
५४१८ **केवट** । वृन्दावनलाल वर्मा १—४
५४१९ **केशव की काव्यकला** । कृष्णशंकर शुक्ल २—८
५४२० **केशवकौमुदी** अर्थात् **रामचन्द्रिका** । १-२ भाग । लालाभगवानदीन ५—४
५४२१ **केशवग्रन्थावली** । विश्वनाथप्रसाद मिश्र । १-३ खण्ड १५—०
५४२२ **कोणार्क** । जगदीशचन्द्र माथुर ३—०
५४२३ **कोशकला** । रामचन्द्र वर्मा १—८
५४२४ **कौटिल्य की राज्य व्यवस्था** । श्यामलाल पाण्डेय ८—०
५४२५ **कौटिल्य की शासनपद्धति** । भगवानदास केला २—०
५४२६ **कौमुदी महोत्सव** । डॉ० रामकुमार वर्मा १—८
५४२७ **क्या मैं अन्दर आ सकता हूँ** । श्री रावी २—८
५४२८ **क्वासि** । बालकृष्ण शर्मा 'नवीन' ४—०
५४२९ **खड़ी बोली का आन्दोलन** । डॉ० शितिकण्ठ मिश्र ७—०
५४३० **खड़ी बोली हिन्दी साहित्य का इतिहास** । व्रजरत्नदास ३—०

५४३१ **खण्डहर** । हंसराज 'रहबर' ५—०
५४३२ **खण्डहरों का वैभव** । मुनिकान्तिसागर ६—०
५४३३ **खाद के उपयोग** । दुर्गाप्रसाद सिंह १—८
५४३४ **खादी के फूल** । सुमित्रानन्दन पन्त ५—०
५४३५ **खारवेल प्रशस्ति** । १—०
५४३६ **खिलौने की खोज** । वृन्दावनलाल वर्मा १—४
५४३७ **खेल-खिलौने** । राजेन्द्रयादव २—०
५४३८ **खोज की पगडण्डियाँ** । मुनिकान्तिसागर ४—०
५४३९ **गङ्गावतरण** । जगन्नाथदास रत्नाकर १—४
*५४४० **गणितीय कोष (गणितीय परिभाषा तथा गणितीय शब्दावली)**
डा० व्रजमोहन ६—०
५४४१ **गणेश** । डा० सम्पूर्णानन्द २—८
५४४२ **गबन** । प्रेमचन्द ५—०
५४४३ **गद्य गौरव** । बलराज २—८
५४४४ **गद्यपथ** । सुमित्रानन्दन पन्त ३—०
५४४५ **गन्ने की खेती** । शंकरराव जोशी १—८
५४४६ **गरीबी या अमीरी** । सेठ गोविन्ददास २—०
५४४७ **गहरे पानी पैठ** । अयोध्याप्रसाद गोयलीय २—८
५४४८ **गांधीजी का भूत** । बेढब बनारसी १—८
५४४९ **गांधी हत्याकाण्ड** । रा० र० खाडिलकर ५—०
५४५० **गाथा संवत्सरी** । सुतीक्ष्णमुनि २—८
५४५१ **गीताञ्जलि** । विश्वकवि रवीन्द्र । अनुवादक-सत्यकाम विद्यालंकार ३—०
५४५२ **गीतादर्शन की पृष्ठभूमि** । सत्यदेवशास्त्री १—८
५४५३ **गीता माता** । महात्मा गांधी ४—०
५४५४ **गीता रहस्य** । नीलकण्ठ मजूमदार । अनुवादक-कृष्णानन्द गुप्त २—८
५४५५ **गीता-हृदय** । स्वामी सहजानन्द सरस्वती १५—०
५४५६ **गीतिकाव्य** । रामखेलावन पाण्डेय ५—८
५४५७ **गुंजन** । सुमित्रानन्दनपन्त २—८
५४५८ **गुनाहों का देवता** । डा० धर्मवीर भारती ५—०
५४५९ **गुप्तकालीन मुद्राएँ** । डा० अनन्तसदाशिव अलतेकर ९—८
५४६० **गुप्त भारत की खोज** । डा० पालब्रन्टन । अनुवादक-वी० वेंकटेश्वरशर्मा ५—०
५४६१ **गुरुकुल** । मैथिलीशरण गुप्त ३—०
५४६२ **गुलेरी ग्रन्थ** । प्रथम भाग । चन्द्रधरशर्मा गुलेरी १—८
५४६३ **गृहलक्ष्मी** । ०—४

५४६४ **गेहूँ की खेती** । शंकरराव जोशी १—८
५४६५ **गोज्ञान कोश** । सातवलेकर । १-२ भाग १२—०
५४६६ **गोरखबानी** । डा० पीताम्बरदत्त बड़थ्वाल ६—०
५४६७ **गोविन्ददास ग्रन्थावली** । १-२ भाग १४—०
५४६८ **गोविन्द रामायण** । गोविन्दसिंह ४—०

*५४६९ **गोस्वामी तुलसीदास** । आचार्य सीताराम चतुर्वेदी । तुलसीदासजी के जन्मकाल, जन्मस्थान, जीवन की अनेक घटनाओं और उनकी रचना के विषय में जो अनेक प्रकार के भ्रामक मत-मतान्तर प्रचलित हैं उन सबका युक्तियुक्त समन्वयात्मक निराकरण और तुलसी-साहित्य की उन प्रमुख विशेषताओं से परिचित होने के लिये यह एक ही ग्रन्थ है जिनकी ओर सामान्य समीक्षकों का ध्यान नहीं पहुँच पाया था । ३—०

५४७० **गोस्वामी तुलसीदास** । रामचन्द्र शुक्ल १—१२
५४७१ **गोस्वामी तुलसीदास** । श्यामसुन्दरदास-पीताम्बरदत्त बड़थ्वाल ४—०
५४७२ **गोस्वामी तुलसीदास का सामाजिक आदर्श** । सुधारानी शुक्ल १—८
५४७३ **गोस्वामी तुलसीदास की समन्वय साधना** । १-२ भाग । व्योहारराजेन्द्रसिंह ८—०
५४७४ **ग्रहनक्षत्र** । त्रिवेणीप्रसाद सिंह ४—४
५४७५ **ग्रामीण अर्थशास्त्र** । ब्रजगोपाल भटनागर ४—०
५४७६ **ग्रामीण हिन्दी** । डा० धीरेन्द्र वर्मा १—८
५४७७ **ग्रामों का आर्थिक पुनरुद्धार** । व्योहारराजेन्द्र सिंह २—८
५४७८ **ग्राम्य जीवन की कहानियाँ** । २—०
५४७९ **ग्राम्या** । सुमित्रानन्दन पन्त २—८
५४८० **ग्रेट ब्रिटेन का संविधान** । योगेन्द्र मल्लिक ३—८
५४८१ **घन आनन्द** । शंभुप्रसाद बहुगुण ४—४
५४८२ **घन आनन्द** । (ग्रंथावली) विश्वनाथप्रसाद मिश्र ९—०
५४८३ **घनानन्द कवित्त** । विश्वनाथप्रसाद मिश्र ३—४
५४८४ **घाघ और भड्डरी** । १—८
५४८५ **चक्रकान्त** । गोविन्दवल्लभ पन्त ३—०
५४८६ **चन्द वरदायी और उनका काव्य** । विपिन बिहारी त्रिवेदी ८—०
५४८७ **चन्देल और उनका राजत्वकाल** । केशवचन्द्र मिश्र ८—०
५४८८ **चन्द्रगुप्त विक्रमादित्य** । गंगा प्रसाद मेहता ५—०

५४८९ **चन्द्रसखी और उनका काव्य** । पद्मावती 'शबनम' २—०
५४९० **चन्द्रहास** । मैथिलीशरण गुप्त १—८
५४९१ **चन्द्रावलीनाटिका** । भारतेन्दु हरिश्चन्द्र । लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय संपादित १—८
५४९२ **चम्पारन में महात्मा गांधी** । राजेन्द्र प्रसाद ५—०
५४९३ **चरित्रहीन** । शरतचन्द्र चट्टोपाध्याय । कार्तिकेय चरणमुखोपाध्याय अनुवादित ५—८
५४९४ **चाँद सूरज के बीरन** । देवेन्द्र सत्यार्थी ५—०
५४९५ **चाणक्य और चन्द्रगुप्त** । हरिनारायण आपटे । ठाकुर राजबहादुर सिंह ४—०
५४९६ **चित्रकला** । रामअवध उपाध्याय १—०
५४९७ **चित्रलेखा** । भगवतीचरण वर्मा २—०
५४९८ **चार ऐतिहासिक एकांकी** । रामकुमार वर्मा १—८
५४९९ **चिद्विलास** । डा० सम्पूर्णानन्द ५—०
५५०० **चिन्ता** । 'अज्ञेय' ४—०
५५०१ **चिन्तामणि** । रामचन्द्र शुक्ल । १–२ भाग ६—०
५५०२ **चीनी बौद्धधर्म का इतिहास** । डॉ० चाउ सिआंग कुआंग । अनुवादक–आत्मन् ७—८
५५०३ **चीन कल और आज** । के० एम० पणिक्कर ५—०
५५०४ **चीन और भारत** । अम्बिकाप्रसाद वाजपेयी १—८
५५०५ **चुभते चौपदे** । 'हरिऔध' १—१२
५५०६ **चोखे चौपदे** । 'हरिऔध' २—४
५५०७ **चौलुक्य कुमारपाल** । लक्ष्मीशङ्कर व्यास ४—०
५५०८ **छाया** । जयशंकर प्रसाद २—०
५५०९ **छायावाद युग** । प्रो० शम्भूनाथ सिंह ६—८
५५१० **जंगल** । आप्टन सिन्क्लेयर ३—०
५५११ **जंतु–जगत** । व्रजेश बहादुर ८—०
५५१२ **जगत् सेठ** । पारसनाथ सिंह ६—८
५५१३ **जय-दोल** । अज्ञेय ३—०
५५१४ **जयद्रथवध** । मैथिलीशरण गुप्त ०—१२
५५१५ **जयपराजय** । विद्याधर विद्यालंकार ४—०
५५१६ **जयभारत** । मैथिलीशरण गुप्त ७—०
५५१७ **जयशंकरप्रसाद** । नन्ददुलारे वाजपेयी ३—०
५५१८ **जयशंकर प्रसाद** । जीवनदर्शन–कला और कृतित्व । महावीर अधिकारी ८—०
५५१९ **जयशंकरप्रसाद चिन्तन व कला** । इन्द्रनाथ मदान ६—४
५५२० **जय सोमनाथ** । श्री कन्हैयालालमुन्शी । पद्मसिंहशर्मा 'कमलेश' अनुवादित ५—८
५५२१ **जर्जर हथौड़े** । बरुआ ६—०

५५२२ **जहाज का पंछी** । इलाचन्द्र जोशी ७—८
५५२३ **जहाँगीर का आत्मचरित** । (जहाँगीर नामा) अनुवादक-व्रजरत्नदास १५—०
५५२४ **जहांदारशाह** । वृन्दावनलाल वर्मा ०—१२
५५२५ **जहाँ लक्ष्मी कैद है** । राजेन्द्र यादव ४—०
५५२६ **जापान की राजनीतिक प्रगति** । अनुवादक-लक्ष्मीनारायण गर्दे ४—८
५५२७ **जायसी ग्रन्थावली** । रामचन्द्र शुक्ल ५—०
५५२८ **जायसी ग्रन्थावली** । माताप्रसाद गुप्त १२—०
५५२९ **जायसी साहित्य और सिद्धान्त** । यज्ञदत्त शर्मा ३—०
५५३० **जिन खोजा तिन पाइयाँ** । अयोध्याप्रसाद गोयलीय २—८
५५३१ **जिन्दगी मुसकराई** । कन्हैयालाल मिश्र ४—०
५५३२ **जिप्सी** । इलाचंद्र जोशी ८—०
५५३३ **जियो जागो** । यूस्टेस चेस्टर ४—०
५५३४ **जीने के लिए** । राहुल सांकृत्यायन ४—०
५५३५ **जीवन प्रभात** । प्रभुदास गांधी ५—०
५५३६ **जेल के वे दिन** । विजयालक्ष्मी पण्डित २—८
५५३७ **जैन जागरण के अग्रदूत** । अयोध्या प्रसाद गोयलीय ५—०
५५३८ **जैनशासन** । सुमेरुचन्द्र दिवाकर ३—०
५५३९ **जैन साहित्य और इतिहास** । नाथूराम प्रेमी ६—०
५५४० **जैनेन्द्र और उनके उपन्यास** । रघुनाथसरन झालानी ५—०
५५४१ **जौहर** । श्यामनारायण पाण्डेय ५—०
५५४२ **ज्ञानगंगा** । नारायण प्रसाद जैन ६—०
५५४३ **ज्ञानयोग** । १-२ भाग । स्वामी विवेकानन्दजी । अनुवादक-जगन्मोहन वर्मा ५—०
५५४४ **ज्योति विहग** । शान्तिप्रिय द्विवेदी ५—०
५५४५ **ज्योत्स्ना** । सुमित्रानन्दन पन्त १—८
५५४६ **झंकार** । मैथिलीशरण गुप्त १—८
५५४७ **झरना** । जयशंकर प्रसाद १—०
५५४८ **झाँसी की रानी—लक्ष्मीबाई** । वृन्दावनलाल वर्मा ६—०
५५४९ **झांसी की रानी संक्षिप्त** । वृन्दावनलाल वर्मा २—८
५५५० **टूटे कांटे** । वृन्दावनलाल वर्मा ४—४
५५५१ **टूटे हुए पर** । खलील जिब्रान । माईदयाल जैन अनुवादित २—०
५५५२ **टेढ़े मेढ़े रास्ते** । भगवतीचरण वर्मा ७—०
५५५३ **ठंडे छींटे** । वियोगीहरि ०—१२
५५५४ **डाक्टर** । हेजेल लिन । अनुवादक-बालाजी जोशी २—०

५६२३ **ध्वनि संप्रदाय और उसके सिद्धान्त** । डॉ० भोलाशंकरव्यास प्रथम भाग १०—०
५६२४ **नकुल** । सियारामशरण गुप्त १—८
५६२५ **नटराज** । जगदीशचन्द्र २—४
५६२६ **नदी प्यासी थी** । डा० धर्मवीर भारती २—८
५६२७ **नन्ददास** । रामरतन भटनागर २—८
५६२८ **नन्ददास ग्रन्थावली** । ब्रजरत्नदास ५—०
५६२९ **नया साहित्य नये प्रश्न** । नन्ददुलारे वाजपेयी ६—०
५६३० **नयी कविता के प्रतिमान** । लक्ष्मीकान्त वर्मा ८—०
५६३१ **नयी समीक्षा** । अमृतराय ४—८
५६३२ **नये बादल** । मोहन राकेश २—८
५६३३ **नवनिबन्ध** । परशुराम चतुर्वेदी ३—०
५६३४ **नवरस** । गुलाबराय ८—०
५६३५ **नवीनमनोविज्ञान** । लालजीराम शुक्ल ५—०
५६३६ **नवीन शिक्षामनोविज्ञान** । डा० सीताराम जायसवाल २—०
५६३७ **नहुष** । मैथिलीशरण गुप्त ०—१०
५६३८ **नागरिक और नागरिकता** । शुभदा तेलंग ४—८
*५६३९ **नागरिकशास्त्र** । (सचित्र) हनुमानप्रसाद शर्मा । नागरिकशास्त्र में प्रवेश पानेवालों के लिये यह सचित्र पुस्तिका एक विशिष्ट महत्त्व रखती है । ०—१२
५६४० **नागरिकशास्त्र और वर्तमान समस्यायें** । दीपनारायणप्रसाद गुप्त १—०
५६४१ **नागरिक शिक्षा** । नवलकिशोर झा ०—७॥
५६४२ **नाटक की परख** । एस० पी० खत्री ४—०
५६४३ **नाथ सम्प्रदाय** । डॉ० हजारीप्रसाद द्विवेदी ५—०
५६४४ **नारी** । सियारामशरण गुप्त २—८
५६४५ **नारी का रूप श्रृङ्गार** । सावित्रीदेवी वर्मा ६—०
५६४६ **नारीत्व** । मारगरेट मूर ह्वाइट ३—८
५६४७ **निबन्धकार बालकृष्णभट्ट** । गोपाल पुरोहित। संपादक-डा० भगीरथमिश्र २—८
५६४८ **निबन्ध संग्रह** । डा० हजारीप्रसाद द्विवेदी ५—०
५६४९ **निबन्धिनी** । गंगाप्रसाद पाण्डेय ४—०
५६५० **निर्मला** । प्रेमचन्द १—८
५६५१ **निर्वासित** । इलाचन्द्रजोशी ५—०
५६५२ **निशा निमन्त्रण** । बच्चन १—८
५६५३ **नीतिशास्त्र** । लालजीराम शुक्ल ५—०

५६५४ **नीतिशास्त्र** । शान्ति जोशी ८—०
५६५५ **नीतिशास्त्र का आलोचनात्मक परिचय** । फ़िलीप ह्वीलराइट । मधुकर अनुवादित ५—०
५६५६ **नीलकण्ठ** । वृन्दावनलाल वर्मा १—४
५६५७ **नीहार** । महादेवी वर्मा ३—०
५६५८ **नीहारिकाएँ** । गोरखप्रसाद ४—४
५६५९ **नूतन काव्यकलाधर** । गुलाबराय २—८
५६६० **नेपाल की कहानी** । काशीप्रसाद श्रीवास्तव ८—०
५६६१ **न्यायशास्त्र निगमन** । भानुप्रताप सिंह ३—०
५६६२ **पचपन का फेर** । विमला लूथरा ३—०
५६६३ **पंच प्रदीप** । शान्ति एम. ए. २—०
५६६४ **पंचवटी** । मैथिलीशरण गुप्त ०—१२
५६६५ **पच्चीसवाँ घंटा** । भदन्त आनन्द कौसल्यायन ६—०
५६६६ **पतितों के देश में** । रामवृक्ष बेनीपुरी २—०
५६६७ **पत्र और पत्रकार** । कमलापति त्रिपाठी-पुरुषोत्तमदास टंडन ६—८
५६६८ **पत्रावली** । मथिलीशरणगुप्त ०—६
५६६९ **पत्रावली** । स्वामी विवेकानन्द । १-२ भाग ४—४
५६७० **पथ के साथी** । महादेवी वर्मा ३—०
*५६७१ **पथचिह्न** । शान्तिप्रिय द्विवेदी । भाषा और शैली के साथ इस ग्रन्थ में उस भावुकता के दर्शन होते हैं जिसे आप अन्यत्र नहीं पायेंगे । २—०
५६७२ **पदमावत** । डॉ० वासुदेवशरण अग्रवाल १५—०
५६७३ **पदमावत का काव्यसौन्दर्य** । शिवसहाय पाठक ५—०
५६७४ **पद्यप्रवाह** । सुशीला कुमारी २—८
५६७५ **पर आँखें नहीं भरीं** । शिवमंगलसिंह 'सुमन' ४—०
५६७६ **परती परिकथा** । फणीश्वरनाथ रेणु ७—८
५६७७ **परमाणु शक्ति** । भगवतीप्रसाद श्रीवास्तव २—१२
५६७८ **परमार्थ प्रसंग** । ३—१२
५६७९ **परीक्षा** । नेमिचन्द्र जैन ३—०
५६८० **पर्दे की रानी** । इलाचन्द्र जोशी २—८
५६८१ **पल्लव** । सुमित्रानन्दन पन्त ४—०
५६८२ **पल्लविनी** । सुमित्रानन्दन पन्त ५—०
५६८३ **पश्चिमी दर्शन** । दीवानचन्द ४—०

५६८४ **पश्चिमी यूरोप** । अनुवादक-छविनाथ पाण्डेय । प्रथम भाग ५—०
५६८५ **पश्चिमी शिक्षा का इतिहास** । डा० सीताराम जायसवाल ७—८
५६८६ **पहला कहानीकार** । रावी २—८
५६८७ **पाँच कहानियाँ** । सुमित्रानन्दन पन्त १—८
५६८८ **पाक विज्ञान** । ज्योतिर्मयी ठाकुर ३—०
५६८९ **पाटलिपुत्र की कथा** । सत्यकेतु विद्यालंकार १०—०
५६९० **पाठशाला प्रबन्ध** । सीताराम चतुर्वेदी २—१२
*५६९१ **पाणिनिकालीन भारतवर्ष** । **डा० वासुदेवशरण अग्रवाल** १०—०
५६९२ **पाथेय** । सियारामशरण गुप्त २—०
५६९३ **पारिजात** । (आध्यात्मिक महाकाव्य) हरिऔध ५—०
५६९४ **पार्लमेंटरी सरकार** । (इंगलैण्ड) प्रो० विश्वनाथराय ३—०
५६९५ **पालि साहित्य का इतिहास** । भरतसिंह उपाध्याय १०—०
५६९६ **पार्वती** । भारतीनन्दन ७—८
५६९७ **पाश्चात्यदर्शन** । चन्द्रधर शर्मा ४—०
५६९८ **पाश्चात्य दर्शन का इतिहास** । फ्रैंक थिली । मधुकर अनुवादित ५—०
५६९९ **पाश्चात्य राजदर्शन का इतिहास** । राजनारायणगुप्त-राधानाथ चतुर्वेदी ८—१२
५७०० **पाश्चात्य साहित्यालोचन के सिद्धान्त** । लीलाधर गुप्त ६—०
५७०१ **पाषाण कथा** । राखालदास वंद्योपाध्याय । अनुवादक-शंभुनाथ वाजपेयी २—८
५७०२ **पुनर्जीवन** । महात्मा टालस्टाय ६—८
५७०३ **पुराणों में गंगा** । रामप्रताप त्रिपाठी । सम्पादक-दयाशंकर दूबे ३—८
५७०४ **पुरानी हिन्दी** । चन्द्रधरशर्मा गुलेरी २—०
५७०५ **पुरुषार्थ** । डा० भगवानदास ६—०
५७०६ **पुष्करिणी** । सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन ३—०
५७०७ **पुष्प-विज्ञान** । हनुमानप्रसाद शर्मा १—४
५७०८ **पूनम के साये** । सोमेश चौधरी ३—०
५७०९ **पूर्व मध्यकालीन भारत** । वासुदेव उपाध्याय ६—०
५७१० **पूर्वोदय** । जैनेन्द्रकुमार ४—०
५७११ **पृथ्वीपुत्र** । मैथिलीशरण गुप्त ०—१२
५७१२ **पृथ्वीराज रासो में कथानक रूढ़ियाँ** । ब्रजविलास श्रीवास्तव ३—८
५७१३ **पृथ्वी से सप्तर्षि मंडल** । डा० सम्पूर्णानन्द १—८
५७१४ **प्रगतिवाद, एक समीक्षा** । डा० धर्मवीर भारती ३—८
५७१५ **प्रगतिवाद की रूपरेखा** । मन्मथनाथ गुप्त ७—०
५७१६ **प्रणय पत्रिका** । बच्चन २—८
५७१७ **प्रतिध्वनि** । जयशंकर प्रसाद १—०

५७१८ **प्रथमजा** । (निबन्ध संग्रह) मुन्शीराम शर्मा १—१२
५७१९ **प्रदक्षिणा** । मैथिलीशरणगुप्त १—०
५७२० **प्रबन्ध पारिजात** । पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी १—८
५७२१ **प्रबन्धपूर्णिमा** । हंसराज अग्रवाल ५—०
५७२२ **प्रबन्ध-सागर** । यज्ञदत्तशर्मा ६—८
५७२३ **प्रभाती** । सोहनलाल द्विवेदी २—८
५७२४ **प्रयाग प्रदीप** । शालिग्राम श्रीवास्तव ६—०
५७२५ **प्रवंचना** । गुरुदत्त ५—०
५७२६ **प्रवेशिका प्रकाश** । (गाइड) ५—०
५७२७ **प्रसाद और उनका साहित्य** । विनोदशंकर व्यास ३—२
५७२८ **प्रसाद का काव्य** । प्रेमशंकर १०—०
५७२९ **'प्रसाद' का विकासात्मक अध्ययन** । किशोरीलाल गुप्त ३—१२
५७३० **प्रसाद के तीन ऐतिहासिक नाटक** । राजेश्वरप्रसाद अर्गल २—८
५७३१ **प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन** । डा० जगन्नाथप्रसाद शर्मा ६—८
५७३२ **प्राकृत और उसका साहित्य** । हरदेव बाहरी २—४
५७३३ **प्राकृत-विमर्श** । डॉ० सरयूप्रसाद अग्रवाल ४—८
५७३४ **प्राङ्मौर्यबिहार** । डा० देवसहाय त्रिवेद ७—४
५७३५ **प्राचीन कवियों की काव्य-भावना** । सुरेशचन्द्र गुप्त १—८
५७३६ **प्राचीन पश्चिमी शिक्षा का इतिहास** । डा० सीताराम जायसवाल २—१२
५७३७ **प्राचीन भारत का इतिहास** । डा० रमाशंकर त्रिपाठी १०—०
५७३८ **प्राचीन भारत के कलात्मक विनोद** । डॉ० हजारीप्रसाद द्विवेदी ३—०
५७३९ **प्राचीन भारतीय परम्परा और इतिहास** । डा० रांगेय राघव १२—०
५७४० **प्राचीन भारतीय वेशभूषा** । डा० मोतीचन्द्र १२—०
५७४१ **प्राचीन भारतीय शासन पद्धति** । प्रो० अनन्तसदाशिव अलतेकर ५—०
५७४२ **प्राचीन भारतीय शिक्षणपद्धति** । ए. एस. अलतेकर ५—०
५७४३ **प्राचीन हस्तलिखित पोथियों का विवरण** । धर्मेन्द्र ब्रह्मचारी दूसरा खंड २—८
५७४४ **प्राणगीत** । नीरज ४—८
५७४५ **प्रारम्भिक सामान्य-विज्ञान १-२ भाग** । डा० हीरालाल निगम
डा० उमाशंकर श्रीवास्तव ७—८
५७४६ **प्रार्थना प्रवचन** । महात्मा गांधी । १-२ भाग ५—८
५७४७ **प्रिय प्रवास** । अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' ३—२
५७४८ **प्रेम की भेंट** । वृन्दावनलाल वर्मा १—४
५७४९ **प्रेमघन-सर्वस्व** । १-२ भाग । प्रभाकरेश्वरप्रसाद उपाध्याय-
दिनेशनारायण उपाध्याय १६—०

५७५० **प्रेमचन्द** । हंसराज रहबर ७—०
५७५१ **प्रेमचंद और गबन** । जितेन्द्रनाथ पाठक २—०
५७५२ **प्रेमचंद और गोर्की** । शचीरानी गुर्टू ९—०
५७५३ **प्रेमचन्द एक विवेचन** । डॉ० इन्द्रनाथ मदान ३—८
५७५४ **प्रेमचन्द की सर्वश्रेष्ठ कहानियाँ** । ३—०
५७५५ **प्रेमचन्द-साहित्यिक विवेचन** । नन्ददुलारे वाजपेयी २—२
५७५६ **प्रेमपथिक** । जयशंकर प्रसाद ०—६
५७५७ **प्रेमाश्रम** । प्रेमचन्द ६—०
५७५८ **प्लेग से हत्या** । व्रजरत्न दास १—१२
५७५९ **बंगला और उसका साहित्य** । हंसकुमार तिवारी २—४
५७६० **बंगला साहित्य की कथा** । भोलानाथ शर्मा १—८
५७६१ **बनारसी एक्का** । 'बेढब' बनारसी १—८
५७६२ **बयालीस** । प्रतापनारायण श्रीवास्तव ४—८
५७६३ **बरगद** । कृष्णलाल श्रीधराणी । अनुवादक-काशीनाथ त्रिवेदी १—८
५७६४ **बलिपथ के गीत** । जगन्नाथप्रसाद मिलिन्द ४—०
५७६५ **बहता पानी** । मन्मथनाथ गुप्त ३—४
५७६६ **बहती गङ्गा** । शिवप्रसाद मिश्र 'रुद्र' २—८
५७६७ **बाँकीदास ग्रन्थावली** । १-३ भाग २—१२
५७६८ **बाँसरी बजरही** (रुतु सड़ितना) मुराडा लोकगीत । जगदीश त्रिगुणायत ८—०
५७६९ **बाईसवीं सदी** । राहुल सांकृत्यायन १—४
५७७० **बाजत आवे ढोल** । देवेन्द्र सत्यार्थी ९—०
५७७१ **बाजे पायलिया के घुँघरू** । कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर' ४—०
५७७२ **बाणभट्ट की 'आत्मकथा'** । डा० हजारीप्रसाद द्विवेदी ४—८
५७७३ **बापू और भारत** । श्री कमलापतित्रिपाठी शास्त्री ५—०
५७७४ **बापू और मानवता** । श्रीकमलापतित्रिपाठी शास्त्री ५—०
५७७५ **बापू की कारावास कहानी** । सुशीला नायर १०—०
५७७६ **बाल-कवितावली** । अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' १—०
५७७७ **बालमनोविकास** । प्रो० लालजीराम शुक्ल ६—०
५७७८ **बालशिक्षण** । लालजीराम शुक्ल ३—८
५७७९ **बिहारी** । विश्वनाथप्रसाद मिश्र ३—८
५७८० **बिहारी की वाग्विभूति** । विश्वनाथप्राद मिश्र २—८
५७८१ **बिहारी बोधिनी अर्थात् बिहारी-सतसई की सरल टीका** ।
टीकाकार-लाला भगवानदीन ३—४

५८३३ **भारतीय काव्यशास्त्र की परम्परा।** डा० नगेन्द्र १६—०
५८३४ **भारतीय कृषि विज्ञान।** चन्द्रनाथ मिश्र। प्रथमखण्ड **अन्न,** द्वितीयखण्ड **शाक-सब्जी, मसाला** तृतीय खण्ड **फल-फूल, मेवा** १-३ खण्ड ७—८
५८३५ **भारतीय गणतंत्र का संविधान।** डा० महादेवप्रसाद शर्मा ५—०
५८३६ **भारतीय गौरव।** वासुदेव उपाध्याय ३—०
५८३७ **भारतीय ग्राम्य अर्थशास्त्र।** शंकरसहाय सक्सेना ७—०
५८३८ **भारतीय ज्योतिष।** नेमिचन्द्र जैन ६—०
५८३९ **भारतीय ज्योतिष।** शंकर बालकृष्ण दीक्षित। अनुवादक- शिवनाथ झारखंडी ८—०
५८४० **भारतीय ज्योतिष का इतिहास।** गोरखप्रसाद ४—०
५८४१ **भारतीय तत्त्वचिंतन।** जगदीशचन्द्र जैन ६—८
५८४२ **भारतीय तर्कशास्त्र की रूपरेखा।** डा० उमेश मिश्र १—०
५८४३ **भारतीय दर्शन।** डॉ० उमेश मिश्र ८—०
५८४४ **भारतीय दर्शन।** बलदेव उपाध्याय ९—०
५८४५ **भारतीय दर्शन।** सतीशचन्द्र चट्टोपाध्याय-धीरेन्द्रमोहनदत्त। हिन्दी रूपकार-हरिमोहन झा, नित्यानन्द मिश्र १०—०
५८४६ **भारतीय दर्शन के मूलतत्त्व।** एम० हिरियन्ना। प्रकाशनारायण शर्मा अनुवादित ५—०
५८४७ **भारतीय दर्शन परिचय।** (न्याय-वैशेषिक) हरिमोहन झा १-२ भाग २०—०
५८४८ **भारतीय दर्शनशास्त्र का इतिहास।** डॉ० न० कि० देवराज, डॉ० रामानन्द तिवारी ६—८
५८४९ **भारतीय नागरिकता की भूमिका।** कन्हैयालाल वर्मा ५—८
५८५० **भारतीय नारी।** स्वामी विवेकानन्द ०—१२
५८५१ **भारतीय पत्रकार कला।** रोलैण्ड ई० वूलसले ६—८
५८५२ **भारतीय मूर्तिकला।** रायकृष्णदास ३—८
५८५३ **भारतीय राजनीति।** विक्टोरिया से नेहरू तक। रामगोपाल ११—०
५८५४ **भारतीय राजनीति और शासन पद्धति।** कन्हैयालाल वर्मा ८—०
५८५५ **भारतीय लोक साहित्य।** श्याम परमार ४—०
५८५६ **भारतीय वाङ्मय के अमररत्न।** जयचन्द्र विद्यालङ्कार १—०
५८५७ **भारतीय वास्तुकला।** परमेश्वरीलाल गुप्त २—०
५८५८ **भारतीय वास्तुशास्त्र।** (वास्तु-विद्या तथा पुरनिवेश) द्विजेन्द्रनाथ शुक्ल ८—८
५८५९ **भारतीय वास्तुशास्त्र।** (प्रतिमा-विज्ञान) द्विजेन्द्रनाथ शुक्ल १५—०
५८६० **भारतीय विचारधारा।** मधुकर २—०

*५८६१ **भारतीय व्रतोत्सव** । आचार्य पुरुषोत्तम शर्मा चतुर्वेदी । विद्वान् लेखक ने परम्पराबद्ध भारतीय व्रतों के काल, विधि और फल का जैसा धर्मशास्त्र, विज्ञान एवं युक्तिसंगत निर्देश और विवेचन किया है वैसा अभी तक कहीं प्रकाश में नहीं आया ३—०

५८६२ **भारतीय शासन-विधान** । शिवदेव उपाध्याय 'सतीश' ३—८

५८६३ **भारतीय शिक्षा** । डॉ० राजेन्द्र प्रसाद ३—८

५८६४ **भारतीय-संस्कृति** । गोपालशास्त्री दर्शनकेसरी १—८

५८६५ **भारतीय संस्कृति** । डा० बलदेवप्रसाद मिश्र २—८

५८६६ **भारतीय संस्कृति** । साने गुरुजी । अनुवादक-बाबूराव जोशी ३—८

५८६७ **भारतीय संस्कृति का विकास** । डॉ० मंगलदेव शास्त्री । प्रथम खंड (वैदिकधारा) ७—०

५८६८ **भारतीय संस्कृति की कहानी** । भगवतशरण उपाध्याय ४—१

५८६९ **भारतीय संस्कृति में आर्येतरांश** । शिवशेखर मिश्र २—८

५८७० **भारतीय संस्कृति के विस्तार की कहानी** । भगवतशरण उपाध्याय ०—१२

५८७१ **भारतीय सहकारिता आन्दोलन** । शंकरसहाय सक्सेना ३—८

५८७२ **भारतीय साधना और सूर साहित्य** । मुंशीराम शर्मा ८—०

५८७३ **भारतीय साहित्य की सांस्कृतिक रेखाएँ** । परशुराम चतुर्वेदी ३—१२

५८७४ **भारतीय साहित्य शास्त्र** । १-२ भाग । बलदेव उपाध्याय १८—०

५८७५ **भारतीय साहित्यों की कहानी** । भगवतशरण उपाध्याय ०—१२

५८७६ **भारतीय सिक्के** । वासुदेव उपाध्याय ५—०

५८७७ **भारतेन्दु के निबन्ध** । डा० केसरीनारायण शुक्ल ५—०

५८७८ **भारतेन्दु ग्रन्थावली** । १-३ भाग । ब्रजरत्नदास २६—०

५८७९ **भारतेन्दुमण्डल** । ब्रजरत्नदास २—०

५८८० **भारतेन्दु युगीन निबन्ध** । प्रो० शिवनाथ २—८

५८८१ **भारतेन्दु हरिश्चन्द्र** । लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय २—८

५८८२ **भारतेन्दु हरिश्चन्द्र** । ब्रजरत्नदास ५—०

५८८३ **भाषण-संभाषण** । देवनाथ उपाध्याय २—८

५८८४ **भाषा की शिक्षा** । सीताराम चतुर्वेदी ४—८

५८८५ **भाषाभारती** । डा० त्रिलोकीनारायण दीक्षित २—८

५८८६ **भाषा-भूषण** । जसवन्तसिंह रचित । विश्वनाथप्रसादमिश्र कृत टीकासहित ३—०

५८८७ **भाषारहस्य** । डा० श्यामसुन्दर दास ५—८

५८८८ **भाषालोचन** । सीताराम चतुर्वेदी ६—०

५८८९ **भाषाविज्ञान** । डा० श्यामसुन्दर दास ४—०

५८९० **भाषाविज्ञान** । भोलानाथ तिवारी ५—१२
५८९१ **भाषाविज्ञान** । डॉ० मंगलदेव शास्त्री ६—०
५८९२ **भाषाविज्ञान-दर्शन** । कृष्णचन्द्र शर्मा-देवीशरण रस्तोगी २—०
५८९३ **भाषाशिक्षण** । करुणापति त्रिपाठी २—४
५८९४ **भाषा-साहित्य और संस्कृति** । डा० रामविलास शर्मा ४—१२
५८९५ **भास के तीन नाटक** । (कर्णभार-दूतवाक्य-मध्यमव्यायोग) ०—१०
५८९६ **भिखारीदास** । संपादक—विश्वनाथप्रसाद मिश्र । १-२ भाग १५—०
५८९७ **भीष्म का राजधर्म** । श्यामलाल पाण्डेय ६—०
५८९८ **भुवन विक्रम** । वृन्दावनलाल वर्मा ३—८
५८९९ **भूगोल के आधार** । अमरनाथ कपूर ७—०
५९०० **भूगोल-शिक्षण** । डा० सीताराम जायसवाल २—०
५९०१ **भूषण** । विश्वनाथप्रसाद मिश्र ४—०
५९०२ **भूषण** । (महाकवि) भगीरथ प्रसाद दीक्षित २—८
५९०३ **भूषण ग्रन्थावली** । भूषण कवि कृत २—०
५९०४ **भूषण ग्रन्थावली** । ब्रजरत्नदास २—८
५९०५ **भोजपुरी और उसका साहित्य** । कृष्णदेव उपाध्याय २—४
५९०६ **भोजपुरी भाषा और साहित्य** । उदयनारायण तिवारी १३—८
५९०७ **भोजपुरी लोक-गीत** । दूसरा भाग । डा० कृष्णदेव उपाध्याय ११—०
५९०८ **भोजपुरी लोकगीत में करुण रस** । दुर्गाशङ्कर प्रसाद सिंह ६—०
५९०९ **मंगल गीत** । राजेन्द्र शर्मा २—०
५९१० **मंगलसूत्र** । वृन्दावनलाल वर्मा १—०
५९११ **मआसिरुलउमरा या मुगलदरबार** । १-४ भाग । ब्रजरत्नदास १८—०
५९१२ **मत्स्य महापुराण** । रामप्रताप त्रिपाठी २०—०
५९१३ **मधुकण** । भगवतीचरण वर्मा २—०
५९१४ **मधुज्वाल** । सुमित्रानन्दन पंत ५—०
५९१५ **मध्यएशिया का इतिहास** । राहुल सांकृत्यायन । प्रथम खण्ड १२—४
५९१६ **मध्यकालीन धर्मसाधना** । डा० हजारीप्रसाद द्विवेदी ४—०
५९१७ **मध्यकालीन पश्चिमी शिक्षा का इतिहास** । डा० सीताराम जायसवाल २—१२
५९१८ **मध्यकालीन प्रेम-साधना** । परशुराम चतुर्वेदी ३—८
५९१९ **मध्यकालीन भारतीय संस्कृति** । म०म० गौरीशङ्कर हीराचन्द ओझा ३—०
५९२० **मध्यकालीन श्रृङ्गारिक प्रवृत्तियाँ तथा नवनिबन्ध** । परशुराम चतुर्वेदी ३—०
५९२१ **मध्यकालीन हिन्दी कवयित्रियाँ** । डा० सावित्रीदेवी सिन्हा ८—०
५९२२ **मध्यदेश-ऐतिहासिक और सांस्कृतिक सिंहावलोकन** । डा० धीरेन्द्रवर्मा ७—०

५९५१ **मानवोत्पत्ति विज्ञान।** २—०
५९५२ **'मानस' की (रूसी) भूमिका।** ए० पी० वरान्नी कोव—अनुवादक डॉ० केसरीनारायणशुक्ल ३—८
५९५३ **मानस की रामकथा।** परशुराम चतुर्वेदी ३—८
५९५४ **मानसदर्शन।** डॉ० श्रीकृष्णलाल ३—८
५९५५ **मानस-मीमांसा।** रजनीकान्त शास्त्री ४—०
५९५६ **मानसरोवर।** प्रेमचन्द। १-८ भाग २४—०
५९५७ **मानसशब्दसागर।** संकलनकार—बद्रीदास अग्रवाल २०—०
५९५८ **मानसशास्त्र और समाज** (सामाजिक मनोविज्ञान) सीताराम चतुर्वेदी ३—०
५९५९ **मानसिक आरोग्य।** लालजीराम शुक्ल ४—०
५९६० **मानसिक चिकित्सा।** लालजीराम शुक्ल ४—०
५९६१ **मालवी और उसका साहित्य।** श्याम परमार २—४
५९६२ **मिलन यामिनी।** बच्चन ४—०
५९६३ **मीराँ, एक अध्ययन।** पद्मावती 'शबनम' ३—८
५९६४ **मीराँ-बृहत्-पद-संग्रह।** पद्मावती 'शबनम' ६—०
५९६५ **मीराँ महाकाव्य।** परमेश्वर द्विरेफ ५—०
५९६६ **मीराँ माधुरी।** ब्रजरत्नदास ५—१०
५९६७ **मीराबाई की पदावली।** परशुराम चतुर्वेदी ३—०
५९६८ **मुक्ति का रहस्य।** लक्ष्मीनारायण मिश्र २—०
५९६९ **मुक्ति की राह।** एस० पी० खत्री ६—०
५९७० **मुक्तिदूत।** वीरेन्द्रकुमार जैन ५—०
५९७१ **मुगलदरबार।** ब्रजरत्नदास। १-४ भाग १८—०
५९७२ **मुगल साम्राज्य का क्षय और उसके कारण।** इन्द्र विद्यावाचस्पति ४—८
५९७३ **मुद्राराक्षस नाटक।** भारतेन्दु हरिश्चन्द्र १—८
५९७४ **मुद्रिका।** सद्गुरुशरण अवस्थी १—८
५९७५ **मुन्शीजी और उनकी प्रतिभा।** सीताराम चतुर्वेदी ३—०
५९७६ **मृगनयनी।** वृन्दावनलाल वर्मा ५—०
५९७७ **मेघदूत।** डॉ० वासुदेवशरण अग्रवाल ४—८
५९७८ **मेघनाद वध।** मैथिलीशरण गुप्त ६—०
५९७९ **मेधावी।** रांगेय राघव ३—०
५९८० **मेरी कहानी।** जवाहरलाल नेहरू। सम्पादक—हरिभाऊ उपाध्याय ८—०
५९८१ **मेरी जीवन यात्रा।** राहुल सांकृत्यायन १-२ भाग १४—८
५९८२ **मेरे निबन्ध।** जीवन और जगत। गुलाबराय ५—०

५९८३ **मेरे बचपन की कहानी** । नयनतारा सहगल ६—०
५९८४ **मेरे बापू** । 'तन्मय' बुखारिया २—८
५९८५ **मेवाड़ पतन** । द्विजेन्द्रलाल राय । रामचन्द्र वर्मा अनुवादित १—२
५९८६ **मैथिली लोक गीत** । सम्पादक—रामइकबालसिंह 'राकेश' ४—०
५९८७ **मैला आँचल** । फणीश्वरनाथ रेणु ६—८
५९८८ **यामा** । महादेवी वर्मा १५—०
५९८९ **युगचरण** । माखनलाल चतुर्वेदी २—०
५९९० **युगछाया** । शिवदानसिंह चौहान संपादित २—८
५९९१ **युगपथ** । सुमित्रानन्दन पन्त ५—०
५९९२ **युगवाणी** । सुमित्रानन्दन पन्त २—८
५९९३ **युद्ध** । मैथिलीशरण गुप्त ०—१२
५९९४ **यूरोपीयदर्शन** । रामावतार शर्मा ३—४
५९९५ **योगप्रवाह** । डॉ० पीताम्बरदत्त बड़थ्वाल ३—८
५९९६ **रंग में भंग** । मैथिलीशरण गुप्त ०—६
५९९७ **रघुवंश** । इन्द्रविद्यावाचस्पति ३—०
५९९८ **रचना और व्याकरण** । चन्द्रमौलि शुक्ल १—१२
५९९९ **रजत रश्मि** । रामकुमार वर्मा २—८
६००० **रजत शिखर** । सुमित्रानन्दन पन्त ५—०
६००१ **रत्नाकर** । १-२ भाग ३—०
६००२ **रबर** । फूलदेवसहाय वर्मा ७—८
६००३ **रश्मि** । महादेवी वर्मा ३—०
६००४ **रवीन्द्र साहित्य** । (प्रत्येक भाग २॥) रु०, १-२७ भाग पूरा सेट ६७—८
६००५ **रश्मिमाला** (जीवन-सन्देश-गीताञ्जलि) डॉ० मंगलदेव शास्त्री ३—१२
६००६ **रसकलस** । अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' ४—८
६००७ **रसखान और घनानन्द** । अमीरसिंह १—८
६००८ **रसखानि** । विश्वनाथप्रसाद मिश्र २—०
६००९ **रस मीमांसा** । आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ७—०
६०१० **राखी की लाज** । वृन्दावनलाल वर्मा १—४
६०११ **राजकीय व्यय प्रबन्ध के सिद्धांत** । गोरखनाथ सिंह १—८
६०१२ **राजनीति के मूलतत्त्व** । हैरोल्ड जे० लास्की २१—०
६०१३ **राजनीति और दर्शन** । विश्वनाथप्रसाद वर्मा १४—०
६०१४ **राजनीति के सिद्धान्त** । डॉ० महादेवप्रसाद शर्मा ८—०
६०१५ **राजनीति शास्त्र** । प्राणनाथ विद्यालङ्कार ४—८
६०१६ **राजनीतिसार** । डॉ० ए० अप्पादोराय । अनुवादक—आशाराम ८—८

६०१७ **राजस्थानी भाषा और साहित्य।** मोतीलाल मेनारिया ६—०
६०१८ **राजस्थानी लोकगीत।** सूर्यकिरण पारीक २—०
६०१९ **राजस्व।** भगवानदास केला १—८
६०२० **राजा भोज।** विश्वेश्वरनाथ रेउ १०—०
६०२१ **राधावल्लभ सम्प्रदाय : सिद्धान्त और साहित्य।** डॉ विजयेन्द्र स्नातक १८—०
६०२२ **रानी केतकी की कहानी।** श्यामसुन्दरदास ०—५
६०२३ **रामकथा।** कामिल बुल्के ८—०
६०२४ **रामचरितमानस की भूमिका।** रामदास गौड़ ५—०
६०२५ **रामचरित्र।** रघुनाथ 'रसाल' ३—८
६०२६ **रामचर्चा।** प्रमचन्द २—०
६०२७ **रामभक्ति में रसिक सम्प्रदाय।** डॉ० भगवतीप्रसाद सिंह। भूमिका लेखक—म० म० पं० गोपीनाथ कविराज १५—०
६०२८ **रामावतारशर्मा निबन्धावली।** ८—१२
६०२९ **रावण महाकाव्य।** हरदयालु सिंह ६—०
६०३० **राष्ट्रपिता।** जवाहरलाल नेहरू २—०
६०३१ **राष्ट्र भाषा पर विचार।** चन्द्रवली पाण्डे २—१२
*६०३२ **राष्ट्रभाषा सरल हिन्दी व्याकरण।** पं० केदारनाथ शर्मा। राष्ट्रभाषा के व्यापक प्रचार और प्रसार की दृष्टि से हिन्दी का यह व्याकरण नवीनतम शैली से लिखा गया है जिसे हिन्दी के गण्यमान्य विद्वानों की मांगलिक सम्मतियाँ प्राप्त हैं १—४
६०३३ **राष्ट्रीयता और समाजवाद।** आचार्य नरेन्द्रदेव ११—०
६०३४ **रीति काव्य की भूमिका।** डॉ० नगेन्द्र ५—८
६०३५ **रीतिकालीन हिन्दी कविता।** रामचन्द्र तिवारी ०—८
६०३६ **रीतिकालीन हिन्दी कविता और सेनापति।** रामचन्द्र तिवारी १—८
६०३७ **रीति शृङ्गार।** डॉ० नगेन्द्र ५—०
६०३८ **रुबाइयात उमर खैयाम।** मैथिलीशरण गुप्त १—०
६०३९ **रूपक-रत्नावली।** रामचन्द्र वर्मा ३—८
६०४० **रूपक रहस्य।** डा० श्यामसुन्दरदास ३—०
६०४१ **रूपक विकास।** उपाध्याय वेदमित्र 'व्रती' २—८
६०४२ **रूपदर्शन।** हरिकृष्ण 'प्रेमी' ६—०
६०४३ **रूसी सोना।** ब्लाडीमार पेट्रोफ। अनुवादक—हरिप्रताप सिंह ३—४
६०४४ **रेखा और रंग।** विनयमोहन शर्मा २—०
६०४५ **रेखाचित्र।** बनारसीदास चतुर्वेदी ४—०

६०४६ **रेवातट (पृथ्वीराज-रासो) २७ वाँ समय** । चन्दबरदाईकृत ।
संपादक—विपिनविहारी त्रिवेदी ६—०
६०४७ **रोमाण्टिक साहित्य-शास्त्र** । देवराज उपाध्याय ४—०
६०४८ **लगन** । वृन्दावनलाल वर्मा २—०
६०४९ **लघु इतिहास प्रवेश** । जयचन्द्र विद्यालंकार ५—०
६०५० **लज्जा** । इलाचन्द्र जोशी २—०
६०५१ **लड़खड़ाती दुनिया** । जवाहरलाल नेहरू २—०
६०५२ **लहर** । जयशंकरप्रसाद १—८
६०५३ **लोकगीतों की सामाजिक व्याख्या** । श्रीकृष्णदास ४—०
६०५४ **लोको गाइड** । हरिचन्द रत्ता १०—०
६०५५ **लोपामुद्रा** । श्रीकन्हैयालाल माणिकलाल मुंशी ५—८
६०५६ **लो भाई पंचो लो** । वृन्दावनलाल वर्मा ०—१२
६०५७ **लोमहर्षिणी** । श्री कन्हैयालाल मुंशी ५—०
६०५८ **वकसंहार** । मैथिलीशरण गुप्त ०—८
६०५९ **वक्रोक्ति और अभिव्यंजना** । रामनरेश वर्मा ४—८
६०६० **वनवैभव** । मैथिलीशरण गुप्त ०—८
६०६१ **वयं रक्षामः** । आचार्य चतुरसेन १-२ भाग १२—०
६०६२ **वरदान** । प्रमचन्द २—०
६०६३ **वर्द्धमान** । महाकवि अनूप ६—०
६०६४ **वाङ्मय विमर्श** । विश्वनाथ प्रसाद मिश्र ५—०
६०६५ **वायुमहापुराण** । रामप्रताप त्रिपाठी १२—०
६०६६ **वाह रे मैं वाह** । कन्हैयालाल मुन्शी । अनुवादक-पद्मसिंहशर्मा 'कमलेश' ४—८
६०६७ **विकट भट** । मैथिलीशरण गुप्त ०—४
६०६८ **विक्रम-स्मृति-ग्रन्थ** । ५०—०
६०६९ **विचार और अनुभूति** । डा० नगेन्द्र ४—८
६०७० **विचार और निष्कर्ष** । वासुदेव ७—८
६०७१ **विचार और वितर्क** । डा० हजारीप्रसाद द्विवेदी ३—०
६०७२ **विज्ञान की प्रगति** । भगवतीप्रसाद श्रीवास्तव ३—८
६०७३ **विज्ञान के चमत्कार** । भगवतीप्रसाद श्रीवास्तव २—१२
६०७४ **विचार और विवेचन** । डा० नगेन्द्र ४—८
६०७५ **विचार और विश्लेषण** । डॉ० नगेन्द्र ५—८
६०७६ **विचारधारा** । डा० धीरेन्द्र वर्मा ३—८
६०७७ **विचार वल्लरी** । जैनेन्द्र कुमार २—८
६०७८ **विचार-विमर्श** । चन्द्रबली पांडे ३—८

६१०७ **वैदिक कहानियाँ ।** बलदेव उपाध्याय २—०
६१०८ **वैदिक वाङ्मय का इतिहास ।** भगवद्दत्त । प्रथम भाग (वेदों की शाखायें) १०—०
६१०९ **वैदिक संस्कृति का विकास ।** लक्ष्मण शास्त्री जोशी । अनुवादक मोरेश्वर दिनकर पराड़कर ५—०
६११० **वैदिक साहित्य और संस्कृति ।** बलदेव उपाध्याय ५—८
६१११ **वैदिक साहित्य ।** रामगोविन्द त्रिवेदी ६—०
६११२ **वैदिक साहित्य की रूपरेखा ।** सत्यनारायण पाण्डेय-रसिकविहारी जोशी ३—१२
६११३ **वैदिक साहित्य परिशीलन ।** रजनीकान्त शास्त्री ३—०
६११४ **वैदेही-वनवास ।** अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' ३—०
६११५ **व्रजभाषा सूर-कोश ।** १-५ भाग । डॉ० दीनदयालु गुप्त । संपादक—प्रेमनारायण टंडन १५—८
६११६ **व्रतचन्द्रिका ।** गौरीशंकर उपाध्याय २—०
६११७ **शंकरविजय नाटक ।** ४—०
६११८ **शङ्करसर्वस्व ।** हरिशङ्करशर्मा सम्पादित १२—०
६११९ **शंकराचार्य ।** बलदेव उपाध्याय ७—८
६१२० **शंकराचार्य का आचारदर्शन ।** डा० रामानन्द तिवारी ५—०
६१२१ **शकुन्तला ।** भगवानदत्त शास्त्री 'राकेश' ३—०
६१२२ **शबनम ।** दिनेश नन्दिनी चोरड्या १—८
६१२३ **शब्द साधना ।** रामचन्द्र वर्मा ५—०
६१२४ **शरत् के नारीपात्र ।** रामस्वरूप चतुर्वेदी ४—८
६१२५ **शरणागत ।** वृन्दावनलाल वर्मा १—४
६१२६ **शरत् साहित्य ।** (प्रत्येक भाग १॥) रु० संपूर्ण सेट १-३८ भाग ५७—०
६१२७ **शवसाधन ।** बलदेवप्रसाद मिश्र २—८
६१२८ **शासन यन्त्र ।** इलयास अहमद । अनुवादक-विष्णुदत्त मिश्र, बाबूलाल श्रीवास्तव ८—०
६१२९ **शिक्षण प्रविधि ।** विश्वनाथसहाय माथुर-शचीमाथुर ३—०
६१३० **शिक्षण-विधान ।** डा० सीताराम जायसवाल २—४
६१३१ **शिक्षा के सिद्धान्त और शिक्षा मनोविज्ञान ।** श्रीमतीरानी टण्डन २—८
६१३२ **शिक्षा प्रणालियाँ और उनके प्रवर्तक ।** सीताराम चतुर्वेदी ६—८
६१३३ **शिक्षा मनोविज्ञान ।** हंसराज भाटिया ४—८
६१३४ **शिक्षा मनोविज्ञान ।** १-२ भाग । लालजीराम शुक्ल ७—८
६१३५ **शिक्षालय और स्वास्थ्य ।** डा० सीताराम जायसवाल २—०
६१३६ **शिक्षा विज्ञान ।** लालजीराम शुक्ल ३—१२

६१३७ **शिक्षाशास्त्र** । डा० सीताराम जायसवाल ६—०
६१३८ **शिक्षा सिद्धान्त और प्रयोग** । डा० सीताराम जायसवाल २—०
६१३९ **शिक्षा सिद्धान्त एवं दर्शन** । सत्यदेवसिंह ४—८
६१४० **शिल्पी** । सुमित्रानन्दन पन्त ४—०
६१४१ **शिवपूजन रचनावली** । शिवपूजन सहाय । १–३ खण्ड २७—१२
६१४२ **शिवाजी** । रामकुमार वर्मा १—०
६१४३ **शिवाजी** । सर यदुनाथ सरकार २—८
६१४४ **शूद्रक** । चन्द्रबली पांडे ४—८
६१४५ **शेर–ओ–शायरी** । अयोध्या प्रसाद गोयलीय ८—०
६१४६ **शेर–ओ–सुखन** । १–५ भाग । अयोध्या प्रसाद गोयलीय २०—०
६१४७ **शैली और कौशल** । सीताराम चतुर्वेदी ६—०
६१४८ **शैवमत** । यदुवंशी ८—०
६१४९ **श्रीनिवास ग्रन्थावली** ६—०
६१५० **श्रीकृष्णचरित** या **रुक्मिणीमंगल** । रूपनारायण पाण्डेय ४—८
६१५१ **श्री रामावतार शर्मा निबन्धावली** । रामावतार शर्मा ८—१२
६१५२ **श्रीसिद्धिमाताप्रसंग** । राजबाला देवी । अनुवादक–श्रीकृष्णपन्त २—४
६१५३ **संकेत** । उपेन्द्रनाथ अश्क–कमलेश्वर–मार्कण्डेय १५—०
६१५४ **संक्षिप्त पृथ्वीराजरासो** । डा० हजारीप्रसाद द्विवेदी ४—०
६१५५ **संक्षिप्त रूपक रत्नावली** । रामचन्द्र वर्मा २—८
६१५६ **संक्षिप्त सूरसागर** । प्रेमनारायण टण्डन ६—०
६१५७ **संक्षिप्त हिन्दी व्याकरण** । कामताप्रसाद गुरु १—८
६१५८ **संगीतज्ञ कवियों की हिन्दी रचनायें** । नर्मदेश्वर चतुर्वेदी २—८
६१५९ **संघर्ष** । के० एम० पणिक्कर । के० कृष्ण मेनोन अनुवादित ३—०
६१६० **संघर्ष के बाद** । विष्णु प्रभाकर ३—०
६१६१ **संत–कविदरिया–एक अनुशीलन** । डा० धर्मेन्द्र ब्रह्मचारी शास्त्री १४—०
६१६२ **संत कबीर** । डॉ० रामकुमार वर्मा १०—०
६१६३ **संत कबीर (संक्षिप्त)** रामकुमार वर्मा २—०
६१६४ **संत कबीर दर्शन** । राजेन्द्र सिंह गौड़ २—०
६१६५ **संत तुकाराम** । हरि रामचन्द्र दिवेकर ३—०
६१६६ **संत तुलसीदास और उनके संदेश** । डा० राजपति दीक्षित ३—०
६१६७ **संतदर्शन** । डा० त्रिलोकीनारायण दीक्षित ४—८
६१६८ **संत सुधासार** (बृहद् संग्रह) वियोगी हरि ११—०
६१६९ **संपादक के पचीस वर्ष** । पं० देवीदत्त शुक्ल ४—०
६१७० **संसार के महान् युगप्रवर्तक** । इन्द्र ३—०